स्तिसंकर्षणमहापुर्षकीदृष्या श्रीरामायेनमें: श्री
कृस्नायेनमें: अथ भगतिमालटीकासरूति ।।
ख्यानते ।। श्लोक ।। मंगलाचरणतथा ग्रंथानीरू
पण: श्रीचेतो चूगेर्डनोनासततमनुगत
श्रीप्रियादासटीकांगंघड्बयातिलेपात्यरि
मलमधिकंबैजयंतीसमंतातसानंदस्स
स्मिसाश्चावलिवरकुसुमोद्यानत: श्रीलन
नामालाकारेण: क्रप्राचरितस्तरिहृदि
श्रीमतिस्त्री क्रमाला: १ ।। कवित: श्रीमहाप्रभु
कृष्णचैतन्यमनहरनजूकेचरननकोध्या
नमैंरेनामम्मुखगाईये ।। ताहीसमैंनाभा
जूनेंग्याहईलिईचा रिटीकाबिसतारभग
तिमालकूंसुनाईये ।। काजीयेकबितबहु
दग्रतिप्यारोलगे जगेड्गगमोहि कहिबा
नीबिरमाईये । जान्यौंनिजमत आपे सूनें
भागवतशुकद्रुमनिदपबेसकोये ऐसे
ताकहाईये: ।टीकाकोनामस्वरूपवरनन ।।
रचिकबिताईसुखदाईलिगैनिपट सुहाई औ
सचारपुनिरूकबिलेमिसरीसे अधिरमधु

रताई॥ अनूं आसजमकाई॥ अतिछबिछा
ई॥ मोदकरीसीलगाईहै॥ को बिकाबिका
ई निजमुखनभलाई॥ होततानाजूक
ताई॥ ताते औढिकेसुनाईहै॥ सिरदेसर
साई॥ जोपैसुनीयेंसदाई ये भगतिरस
बोधनिसुनामटीकागाईहै॥ २॥ [illegible]
पद्यबर्नन॥ स्रधाहीफूलेल औउबटनोस्र
वनकथा मैलअभिमानअंगअंगन
सूधूटाइये॥ मननसुनीर अन्हवाये
अंगूछादया नवनिबसनपनसोधोले
लगाइये॥ आभरननामहरिसाधूसेवा
कणफूलमानसी सुनथसंगअंजनब
नाइये॥ भक्तिमहाराणीकोसिंगारचारु
बीरीचा[illegible] रहैजोनिहारिलहैलालप्या
रीगाइये॥ ३ [illegible] सांति
दास्यसख्यबात्सल्य औसिंगारचारुपां
चूरससारबिसतारनीकेगायेहैं॥ टीका
कोचमत्कारजानौगेबिचार॥ मनइन
केसरूपमेंअनूपलेहिषाऐहैं॥ जिनके
ये

नग्रसुपात पुलकतनगातकन्हं ...
तिनहूकोंन्नावसिन्धुबोरिसोघुकापेसे
जोलौंरहे दूरिरहैबिमुषतापूंहियेसो
पैचूरचूर नैकसरवाणलगापै ...
रससोईपिन्चरंगफूलधाकेनाकेपाके
पहरायेबैकौंरचिकेलना ... बिजयं
तीदांमत्तावव्रतीग्रलिनान्नानांमल्या
ईश्रन्निरांमस्यामसातिललचारहे। घ
रीजरधारी।किरुकरतनन्यारी॥श्रहोदे
बोगतिन्यारीह रिपायेनकौप्राईहे ...
त्रिछी बन्नारतातैनमितसिंगारहोतहो
तबसलषैजोईयातेजानिपाईहे।।पल
तसंगप्रन्नावमहैमांजरन्नहु।। नीकतसु
पैपातारि बिबनडरछेरात्रको बारिहे
बिचारिबारिसी चैोसतसंगसैां॥लगैा
बिन्नगोराचहूदिसकदनसोचदनग्र
ग्रकासजसफेल्योबौहोरंगसु॥संतजुरग्र
सबासलोन्नितबिसालछाग्रा जीयेजीव

जालतापगयोपौप्रसंगसौ देषौव द
वारीजाहिग्रजपाहूकीसंकाहुती लाली
पेडबंधे फूलैंरुपीजीतेजंगस्यु श्री
नानाजूको बनन: जाकोजेसरु
पसोग्रनूपलैदिषायेदीयो काएयेक
बितपटैमखिलालहै गुनपेश्रपार
साधूकहे ग्रकचारहीमैंग्रर पधिलता
रेकबिराजटकसालहै सुनिसलर
ना-रुमिरतीग्रलीग्रोगिमानो द्यमि
रताकरुपेसकलधौरसासबहै सुनै
हेग्रग्रबजानैं मैंग्ररसदी चो
वालयेना नासोसुगंधनगतिमाल
है:गनहि मालसरुपद रन हा
बडेनकमानेंस दिनगुनगानकरै
हैरेजगपापजापलीपोषपूरहैा जाने
सूषमानेंहरिसंतसनमाने सचेव
चैंजगतरीतिप्रीति जानोब
रहै तनहुनायकोतकैसेकै पराधस

कैसमझौंनजातमनकैपनयेचूरहै।
सोभिततिलकभालभालउरराजै।ग्र
पैभीनाभक्तमालभगतरूपअतिदू
रिहै॥मूलमंगलाचरणदोहा॥
भक्तिभगतभगवंतगुरुचतुरनामबपुये
क॥इनकेपदरजबंदनकीयेनासतबि
घनअनेक॥टीका॥बिसेषलछिणबरण
ना॥कबित॥हरिगुरदासनिसौंसांचौसो
ईभक्तसहीगहीयेकटेकफिरनुरतैन
टरीहै॥भक्तिरसरूपकोसरूपयैछ
बिसार॥चाखहरिनामलेतप्रस्वन
झरीहै॥वैसीभगवतसंतप्रीतिकोबिचा
रकरै॥धरैदूरिईसताईपाडवनिसौंक
रीहै॥गुरुगुरुताईकीसचाईलैदिषाई॥
जहांगाईश्रीपैहारीजूकीरीतिरंगभरीहै॥
५॥मूलदोहा॥मंगलआदिबिचारिर
हौ॥बस्तनऔरअनूपहरिजीकोजस
गावतेंहरिजनमंगलरूप

निरनौंकीये॥ ऋषिसरतिपुराणश्रुति
दास॥ भजिबेकौंदेईसुधरकेहरिके
हरि दास॥ श्रीगुरुअंग्रदेवजूग्या ६
ई॥ नकनकोजसगायै॥ तवसागरकेत
रनकौनाहिनऔरउपायै॥ अ ग्या
कैटीका॥ मांनसीसरूपमैलगे
अग्रदासजूवेकरतबयारिनांनामधू
रसंचारसैं॥ चढेप्रलोजातजपैजसि
बयेकआपदामैंकस्यौध्यानरवीच्यो
मनछूट्यौरूपसारसौ॥ कहतसमर्थगो
बालीतबहुत दूरि॥ आवोछीबपूरिफि
रिढेरजाहिढारस्॥ सेवनऊआरिके
निहारिकहीबोल्योकौनजहांजानमी
मीतदेदेसकूवारसैं॥ १० अचरजदर्सन
ये॥ याहालोंप्रबेसनये॥ मनसूबघृ
योजानेसंतनप्रभावकों॥ आग्यातब
दईयेहनईतीपैसाधुकृपा॥ जनहाके
रूपगुनकहोहायेनावस्॥ जोस्योक

औरि याकौपावतनवोरछोर॥गावूरा
मरूरनहीपांउतनकूदावकौ॥कहे
समझायेबेहीहिरदैंग्रापेकहैसब॥३॥
जिनलैदायायेदईसागमैनावकूं॥
नातांजूकौ ग्रादिंग्रव स्याब रणन
॥हूंमानबसहौमैंजनम प्रसिध
जाकौ॥नयोदृगहानसोन वीनबा
तधारीहै॥जिमरिबरषपांचमानिकै
ग्रकालग्रांचा॥मातावनछोडिगईछि
पति बिचारीहै॥कीन्हेंग्रौग्र यताहि
डगरदरसदीयौ॥लीयौपोछनाथज
नि॥पूछिसोउचारीहै॥बडे सिधज
नलैकमंडलसौंसीचेनैनचैनन्हये
चूलेचषजोरीकौनिहारीहै॥पायेपरि
ग्रासूग्राये कृपाकरिसंमिलायै॥की
लग्रग्यापायेमंत्रग्रगहीसुनायोहै॥

सोहै।चरणअघ्रिसंतसीतसोअ
नंतप्रीति।जोन्हिसरीतितातेहरि
हैरंगछायोहै।नईबिदवारताकोपा
वैकोनपारावार।जैसोन्हक्रिरूप
सागरनूं [illegible] है।मूल।जैजै
मीनबराहकमठनरहरिबलिबाव
नापरसरामरघुबीरकृष्णकीरति
[illegible]न।बुद्धकल्कि।बासप्रथु
हरिहंसमन्वंतरजज्ञऋषभहै
यग्रीवध्रुवबरदैनधन्वंतर।बद्री
पतिदत्तकपिलदेव [illegible] कर
णाकरौ।चोबीसरूपलीलारुचिरश्री
अग्रदास [illegible] उपदरधरो।टीका।जिते
[illegible]वतारसुखसागरनपारापारकरैबि
सतारलीलाजीवनिउधारकों।जानी
रूपसोकिमनलागैजाकोपागैतही
जागैसो।[illegible]।पावैकोनपारकौ॥
सबसोंहैनितिध्यानकरतप्रकासै

धितजैसेरंकपावे बितजोपेजानैसारको॥ ज्ञा०
केसनिकुटलताई जैसेमीनसुषदाई॥ प्र
गसुरीतिन्हाई॥ बसोनुरह्यारको॥ मुला॥
चरणचरुनरघुबीरकेसतनसदासुष
देका॥ प्रकुसध्वजरकुलिसकमलज
बधुजाचै निपद। सखचक्रस्वस्तिक
जंबूफलकलससुधाहृद। ध्धिचंदषट
कोनमीनबिंदु उरधरेषा॥ अष्टको
त्रैकोणइंद्रधनूपुरसबसेषा॥ सीतापति
पदनितबसत। येतेमंगलदायका॥
चरणचरुनरघुबीरकेसतनसदासुष
देका॥ टीका सतनसुषदेका जुचारुरु
पराजरामचरणसरोजनिमेचिन्ह
सुषदाईहै॥ मनरूमितंगमतवारोल
षिआवैनीतितांकेनाथेअंकुसलेषि
जोउरधारियै॥ जैसेराकुलसपापपर
बतनकेफोरिबेकोंत्तिनिपुणजोरि
बेकोंकजमानस्यारियै॥ जोपेबुधिवंत
रूपसंपतिमेकरिलोबिचारसबनिस

दिनगाइये ॥ मूल ॥ बिधिनारदसंकर
सनकादिककपिलदेवमनुमूप ॥ न
रहरिदासजनकभीषमबलिसुकमु
निधरमसरूप ॥ अंतरंगअनुचरह
रिजूके जोईनकोजसगावै ॥ आदिअं
तिलौमंगलतिनकै स्रोताबकता
पावै ॥ अजामेलप्रसंगयहनिरनैप
रमधरमकेजांनै ॥ ईनकीकिरपाऔ
रपुनिसमझै द्वादसभक्तप्रधांन
टीका ॥ द्वादसप्रसिधभक्तराजकथा
भागवतअतिसुषदाई नानाबिधि
करिगाई है ॥ [illegible]
चांनजानैकोऊ ॥ निसरसांनलीये
भावभरमायेहै ॥ सीताकेबियोगरांम
बिकलबिपिनदेषि संकरनिपुनि
सतीबचनसुनायेहै ॥ केसेये प्रबीन
ईसकौतुकनवीनदेषौ ॥ मनेहूकर
त अंग ऐसेलाभयेहै ॥ सीताकौसो
रूपबेस केसहूनफेरफार ॥ रांमजू

न्हारिनैकमनमैंनआईहै।तबफिरिश्रू
पैकैसुनायेदूरिसिकरिकै॥प्रतिदुखपाय
बहुबिधिसमझाईहै॥ईश्वरकोसरूपच
लौ।तातैतनपरहरयौ॥परयौबडोसोच
मातप्रतिजनमाहिहै।ऐसेदुरूनावपग
पोथिनमैजगमगे॥लगमेकौपारे ये
हबातरीझिगाईहै।चलेजातजेमग
मैरसिवहीछिपरे॥करेपरनाम
तिलागीप्यारी॥

बसेउद्यार

चौहै॥सुर्
वबढौ॥रढौकेसेजातचढौरंगप्रति
नारीहै॥१६॥प्रनालेलकोटीको॥
पितुमात प्रनामिलसा

सिवाकरिसाबध्यान सेतनिरीजायलीयो
नारायनननावचास्यो गुनबालबीतकी ४
लीसैजूकोलीलैकेपोतकी करावल
सकाहू दुष्टनैपठायेसोअयाये यह
देबिबुधिआयेगईसीतकी ॥१५॥ आ
गयोकालमोरुज्यालमैलपटिर
कोबिकराल जमदूतलोदिषायो
वोलीसुतनारायेन नामजोकृपाके
दीयो ॥ ल[illegible]रआरतिसु
नाईहै सनतहीपारषदआयेवाहोडौ
रिहौरितोरिपासिकेलैधरमसन
पे [illegible]लेबिडारेजायपतिपे पुकारे॥
करीसु[illegible]बजकोरभतजावोलरिंगा
ईपे ॥ मूल ॥ मोचितवृतिनितितहार
हो ॥ जलीनारायेनपदपारषद ॥ बि पु
केसनजयबिजयपैप्रबलमंगलकारी॥
[illegible]जगआमेहारी॥
पवित्र
चंडप्रचंडबिनीतपुनीतकुमदकु
मदाहकरुणालयसीलसुसीलसु
सैननावनगतसोतिपालयसुन्दि

सेवापी
श्रीपतिप्रीननप्रवीननंदनोनंदनंद
मरजी दै
निरदै मोचितब्रतिनिततासरसौतहां
नारायणपदपारषदः। टीका पारषद
मुष्यकहेसोरसस्नावसिचसेवाही
कीविधिस्यायेराषीबहुजोरिकै। श्रीपति
नारायणकेप्रीननप्रवीनमनध्यान
करेजनपालैन्नावदृगको रहैं। सन
कादिकदयोश्रापद्वारकेदावायोआप
प्रगटह्वैकहौपायोस्वादजिमिक्ष्रौरि
बरताई
कोगहा प्रतिकूलताईजोपैहमजन
रयातेंरीतिहृदगाईचरारंगबोरिकै
मूल।। हरिबल्लभसबप्रार्थौ।।जिनच
रणरैनिआसाधरी।।कमलागरुडस्न
दआदिषोडसप्रभुपदरति।।हनूमंत
जमवंतसुग्रीवबिभीषनसिवरीषग
पति।।ध्रुवउद्धवअंबरीषबिदुरअ
क्रूरसुदामा।।चंद्रहासचत्रकेतग्राहग
जपांडवनामा।।कोषारवकुंतीबधू
पटऐंचतलज्जाहरी।।हरिबल्लभसब

रघ्यौ॥ जिनचरणारैत्रिश्रासाचरि॥ टी
का॥ हरिकैबलजतेहैं दुःखनसूँहनुमाँ
त्रि तिनहीकीपदरैनूँ श्रासाङ्गीयधरी
है जोगीजतीतपीतासूँ मेरीकछू
मनाहि प्रीतिजतीतिरीतिमेरीमति
हरीहै कमलागरुडजामूँवानसुग्री
वश्रादिसबैरसस्वादकपापायीनमैं
धरीहै प्रभूसौंसचाई जगकारतिच
लाई श्रतिमेरमन नाईसश्रदाईरन
मरीहै॥ २२॥ श्रीहनूमानजूकी टीका
रतनश्रपारसारसागरउधारकोयेलि
येहितचायकैबनीमालाकरीहै सु
बसखसाइरघुनाथप्यारा जनको
नहूँ बनाधनजूनैं श्रानिनेटधरीहै
सुनाहोकाचाहिश्रवगाहिहनूमान
गरैंडारि दईसुधिनईमतिश्ररबरीहै
रामबिनकामकौनफोरिमनडारि दी
नै खोलि कुचानामनदीदिखायो बु
धिहरीहै॥ २३॥ श्रीविभीषनजूकी टीका

त्तिजेविभीषनकौंहैप्रेसोकौन ९।
नन्प्रपेकुछकहीजातहूनोंचातली
ऐकौंचलतजोराजपरीग्रटकैबि
चारकायो।कोईभ्रगलीनैरदीयोलेब
तायेकौंजायेलाग्योटापूताहिराबि
सनगोदिलायो।सोदत्तरिराजापासि
गयेकिलकापेकौदिषतसिंहासन
सौकुहिपरै।नैनन्नरघालकेंश्रीकौर
रामहृदिबनागजोपायेकौ।तुचिकेसिं
हासनमेंपैलेबेठाये।ताछीनतेरा
हसनिरीक्षितमानासूलखरीहैं।
चाहतमुषारबिंदश्रुतिलागनहंन
विहरकतनैननारटेकिठाठोघरीहै।
तौउनप्रश्नहैताछिनछिनछीनजो
तिहजायेकृपालकहैमेरीमतिडरी
हैकरौसिंधुपारमैंरेपेहालषसार
दीपेरतनअपारत्यायेवाइठोरफेरीहै।
रामनामलिषिसासकछियचीरदीयौ
ताहिठौरबेठैमांनौनप्रेमप्रारहूपन्तये।

गयो जो जिहाज सो हूं फेरि फिरि आयो है
लियो परयो नि पूछो ॥ सब सौं बषान्यौ
यो हायो हल सायो ॥ सुनि बिनैकैं च
हायो है ॥ परयो नारकुं हिनेक पायेन
परसकीयो ॥ हस्यो मन दोष रह्यो नो
परै मन लायो है ॥ २६ ॥ श्री शिवजी जू कोरी
को ॥ बन मैं रहत नाम सोरी क हत सब
चलत टह लसाधु तन जूनतार्ह को
रजना कि से सरि पि आश्रम पुवैस
करि ॥ लकरी नि बीरुघ रि आवैकन
लाई है ॥ न्हायबे को मिधकारि ॥ को
री नबीनि डा रि बि रचत उठ जाय नैक
जाति नलषाई है ॥ उठि तसवार करे
कौन यूं बुहारि गयो ॥ न्यो हीये सो
चकी उठ बडो सुषदाई है ॥ २७ ॥ बमे ही
अनुसंग वैमा त सी रंगा न्तर ॥ चस्यो है सि
बोझ कह्यो कौन चोर आयो है ॥ करे नि
ति चोरी सुह गहे वाहा यक हिनो ॥ हि
नायांबे प्रीति वा की मन नर ग

ठेरै निसचैाकोहैसिमसबसावधाँ
नाः प्रायेगईगिहिलईकोपेतनन्याये
होः हिषतसोरिखजल चारा चलीनेन
नतैा ॥ बैननतैकहोजातकलाकैधुपा
योहै ॥ र चा॥ ही ठिहूनसोंहाहोतमोनित
नगातछोतिपराजायेसोचछो तकै
सैकैनिकारीये॥ नहिंकोपुतापरि
घजानतीनिपटनीको॥ कैहिकोटिबि
पुताईयापेवारिडारायेः॥ हीपोबासग्रु
सरमेंा॥ सरवनमैनामदीये॥ कीये
सुनिरोससबैकोनापातिन्याराहै॥
सिवरी सौंकहोनुसरामहरसनकरे
मैंतो पुलोकजातग्रुग्याग्रन्नूपाईहै॥
गुरुकै बियोगहीयेहारूनलैसोगदी
योहीयोनहाजातग्रपेरामग्रासला
गाहै॥ न्हायेबेकोघाट निसजातही
बूहीरि॥ सबन्हईयोग्रवाररिषदेषि
पापागीसे॥ चूयोगयोनेककहु षि॥

तज्जूनैकत्ताति करिकैं बिबेषगयो
न्हौंयूत्तागीहै: जलसौंरूधीर नयो
नौनी कमलत्तरिगयो नयौपायौसो
चतौहूजानैनश्रृत्तागीहै: ३० त्यौं है
बनबेरलागीरामकीश्रौसेरि फल
चाषैचरिराषै फिरिमीठेउनजोगप
है: मारगमैंरहैजायलोचनविष्ण
येकत्रृश्रावैरूघरायैंदृगपावैनिज
नोगहै: ऐसैसौबसौतहीनबातेंव
गजोवतसी १: येगयैश्रौचकसूमी
टैसबसोगहै: ऐपैतननूनताई:
न्नायस्मूचिछिपिजायै: पूछैश्रापत्यौ
रीकसे: ठा. ढेसबलोगहै: पूछिउ
ठिश्रायेजाहांत्यौरीकौंश्रूसयातेंव
सें: कहावैनगिवतीदृगमौंदृगप्यासे
हैं: श्रायगईश्राश्रुनमैंजानिकैपधा
रेश्रापहूहीतेकरासाषं चषनासे
हैं: रबीकिउठायेलई बिधातनहूं

रिसाई नई [illegible]रली रुरी परे प्रेमपास
तौऊ हैं सुष पाये फल पाये केसराये
वैर्यो कैहै [illegible] मेरे दूषे [illegible] मंगना
[illegible] करत है सोच सब बैठे रिषु आस
में मैं। जल को बिगार सो सुधार के से
कीजीये॥ आवत सुने हैं बन पथ रघु
नाथ जू आवें तब कहे याको जो इक कहीजी
ये॥ येत नेलों [illegible] सुनी स्यो रा कै बिरा
जे श्री नि॥ गये अजमान च लो प ग गहै
लीजीये॥ आये बुन साये कहौ नार कौउ
पाये कहौ॥ गहौ पग जी ल नी के छुये सु
च नाजो है॥ ३३॥ श्री पगप तिज राज की
टीको॥ जान को हरन कीयो॥ रावण मरन
कातसु निसीता बानी॥ षगराज हौ स्यो
भयो है॥ बड़ा ये ल राई लानी॥ दिहवारि फ
रि होती॥ राघ प्रान के राम मुषदे षि बोरु
लीयो है॥ आये प्राप गोद सीस स्यो रि दृग
पानी सीच्यो ह र स्यि पिल रगि तिन लहजा

पोतै॥ दसरथवतस्यां किं॥ कियो दोसौ
जलहान॥ पैलम्य तिसद्रसरला॥ जीसैसं
पश्चांमपायेस्है॥ रमा श्रीमनीरकोही
...श्रेमरावनक्रु॥ कोडूरीतवोलुक
रैश्रो॥ ...॥ किहूंजा...
पिये॥ कुबासारोवी सिंघसूली...
काहूसाथ्थूमो निश्चपराधासिरजलाये
चि... नारिवि पै॥ लईतुपजायेकाल
कूतपोबकालरूपनूपकाचोररलै
वांडोजूप्रनिलाषीये॥ चक्रदुकनाति
लैक्रसांनतेजरारवकरी॥ परीतारखु
त्तन॥ ... ॥ हे॥ नन्यो॥ हसु
दिर्स॥ ... सिगयो
नयेतेजक्रचूनकायेंडोरैसे॥ वृत्तासि
वकसीयेसगरातुमटेकबुरी॥ रासन
कोनेदनसीजानैबिदचोरहै॥ पसचैवे
कुंठजापैकसौदुपस्प्रकुलाये॥ सापेस
पेरावो॥ प्रजूषरोतनजारैसे॥ मेतेहिं

श्रीनतीनगुनकोनमानभैरे [illegible]
सलागुनसबलोकेटरेहै [illegible]
पानेसाचूतनकोजगाचलत [illegible]
पराधलैतुमससोकेदलानै [illegible]
घनश्यामसुतघोलत [illegible]
मेरीविदनिससेनारकोमेनानै [illegible]
ससतीबिनझौरहे [illegible]
वारीदारदातै [illegible]
[illegible]

सवैतेजदांकिराख्योहै पेकनरपसु
तासुनिप्रभरीषन्नगति नावृन्नये
सीये चावृऐसेविरकरिलीजीये
पितासौनिसकककैकर१ पत्यकी
येमेली विनेंमोनिम्मेरीचाठीलिषि
दीजीये तोलिकेचल्यो विप्रचि
तुसीपुरीगये नयेचावजान्यो ऐ
येकैसेतीया चाहीये कसौतुमजाय
रानीवैठीसतआये मोकौवोल्योन
सताये प्रनृसेवा माननाहीहै ३९
कह्योनृपसुतासोजकीजीयेजतकोन
येनजिमगयेआये कोमनलावाया
को फेरिकेंपठायोसवपायेमैंतोजा
न्योदेवकोचरकभगवकिलोनन्दी
तायाकोवीसीप्रकुलायेमन भक्ति
हारीआयेलीयेकोपोपतिमुषनली
देवौऔररपायाकोजायेकोनसकये
हे वाततुमकहेमेरीचेरीजोनकरी

तौपैलैसौपापजीयाको।४१।कहीविप्र
तहिसु निचाम्रिनहिराषिगयोहर्योलै
घरगयासौपैकरीफरिलाजाषो।नयो
जौबिवाहउतसाहकहूमातनौ।ति।ग्रूडै
पुरकमरोषदेषिकुबिन्नाजीषे।।क
तौनवेमेदुमेउरिकैबसेरादेवो।।दे
तौसबजोगबिनोनानासुषकोजीयै।।
पूरबजनमकेउमैरैनकिंगबहुती।।ए
तैसनबंधपायोयेहनानिघोजीयै।
श्रीरजनैकेसैसपतिनवनपुबसकी
लीयोप्रेमसाधिहिगमइकेग्राईलै
हरिटहलपाइचोकाकरीकिरसी
गहीकोजायजाबैहोलनलगाईसे
ग्रामेराजादेषिलीनेन्वेनिमै।धे
कहूकोनचोरग्रायोमेरासेवालेचू
देषीदिनतीनिपरिचानिकेप्रवी
।।ऐसोमनजोपैप्रभुसाथेपधरा
॥लईबातमोनिमानौमेत्रलेस्
कोन।होतलीबिहानसेवानाकी

राईसै॥करतसिंगारफिरिआयलीनि
हारिसै॥लहैनलोपारदृगरुरीसाल
गाईसै॥नईबिडवाररागनेगसेंग्र
पारन्नावननक्रिबिसतार॥तिपुरस
बछाईसै॥नप्र॥स........ी
चौंपदेषिबिको॥आयेततकालमंदेषि
अकूलाई है॥हरैहरैपाव धरैपोरीप
निमनैकरै॥घरेप्ररबरेकबदेषोंना
गन्नरीकों॥गयेचलिमइलोसुइानस
चिग्रगरंगानीजिरहादृगलापरेलरु
रीकों॥बीणलबजावै गावैलाल नेरि
जावे॥..........जावै॥कहैचंनि
........॥......रह्यो॥ जायेगये
......हि गनरनिठिबादीदेषिराजा
गुनरीकों॥......बैसेहाबजावोबीन
तानन्निनबीनलकेजानैसुरकानप
रैजातिमतिपर्दुरे॥जैसेंरंगनराजि
.....कसीसो...तमोपेअपेमनने
.चैनकैसेकरिगोरै॥.........ला

चारीकै रिकै सम्हारी ॥ तौलौं प्रायें गयो ध्या
नस्य पताल माझि मोर्यो ॥ श्री तिरसरू
पत्नई राति सब बीति गई ॥ नै कछु
रीति भूलो जानै नैन लासो ईये ॥ बातसु
निरानी औरराजा गये नई ठौ ना नई
सिरमौर भूबकौं नवाकौ लारहे ॥ कुलै
लै सेवा करै पति मति बसि करै ॥ छोरे
निति ध्यान बिछेनु भिरा धो धर्यौ ॥ से
सु निकै प्रस न्न नयो ॥ भूति भ्रमरी भई
सा लागी चौप फैलि गई ॥ नीकि घर घर
सौ बडै दिन दौ चाव भै ॥ सोता प्र नाव कै
आपलो दिसु नावै सौत आनंद कौ नर
लैं वै घा श्री पिहु जु वाटी ॥ लो तिसी
बिहुनारि भूग नप घोरि कै रि ॥ आयें
पैक स्थदार बौ निकै सुनायो है ॥ सु
तहो सुरस छिउ लैले निहरि लो नै
बौ स्म दून रिद्दा ॥ २ ॥ स्या निकै चित्ताये
नीनक टिल पटायें

बैठीढिगस्यामके रोकिर [illegible]
स्यामपति खिझ्यो ॥ दुषको टिगुनौपा
यो है ॥ प्रेमकौ बिचार ॥ पलागे प
लसार ॥ [illegible] चैतपायो ॥ गयेनारिबु
कृष्ण दई है ॥ बोलरी झिस्यामं तुमकर
बडो काम ॥ अपेस्वाद अजिरामवैस
बसमे ॥ नपाई है ॥ नापा [illegible] युव
रक्ताटडरोहा ॥ [illegible] नप्यारेकूं चवा
येक्षीलछिलकानना यौके ॥ हितला
बात देउको उपारपावे ॥ [illegible] हिनावे
केलउ वैसोई जानै येरुगायु [illegible]
[illegible] की टीका ॥ बडो निसकां
मसे रचूं नहूनश्याम ढिगआये निज
बाम प्रीति सरिसों जनाई है ॥ सनिसे
चपस्योहा षोपरो अरबस्यो ॥ मनगा
टोलैके कह्यौ ॥ बोल्योहा जुसरसाई है
जावो येकबार वैबदन निहारि प्यारो
जोपै कछु फरवेल्यावो मोकूं सुखदा
ई है ॥ कही नलाबात सातलोक मैकर

हैं जा नियालीसायेंकीनी मित्रताई
तै:४९त्रीयासुनिकेहे कस्मस्यपक्षे
नचैहे जायेंहहै दुषक्रापसासूबच
तसनायेहे: ग्रायेसुचिप्यारेकीहि
चोरेमतिटारे सबच्यारेमगापगरुलि
हारवती ग्रायेहे: देखिके बिन्तूतिहे
चतुपज्योग्भून्तूतकोनच्यत्योमडप
माच्चुरीकिलोच्चनतिसायेहे: उदप
तलीयो उँप्रहालाखिमनगाहोकायो:
लीयेकरगलचाहतलापलेच्यायेहे
५०देख्योस्यांमग्रायो मित्रच्यातवलर
हेनैकु हितकोच्यरिवदोरि: रोयेगर
लागेहे: मानूपेकतनन्यो: हे से
लायेख्यातानयो चेहप्रेमछुटेनाहि
अंगपागेहे: प्राईदुबराईसुधिकि
लनछुटाई: तांतेंग्रानेजलरांणीप
धोयेनागजागेहे: सेजपच्चराये
स्चरस्चाचलाये सुषसायबुडाये
ग्रायेंभूनूरागेहे: ५१चारवाछिपा

लसेकपोलमणिगोलपैकगंडको
सुतकादिसैवानीकौनीहै ॥ त्यैतह
कारयोनितारिसुखनारनारिनैंनत
काकेरनतासूंश्रागपोनीहै ॥ गनपैर
मरुकाये दयाश्रायकछूनापनर ॥
डरप्रनूं श्रौरमति० ॥ नदसौनात
है ॥ इतीछठोश्रागरासकोटिलई
घनसेतनुघनलालनयो ॥ जापैकहौ
साचचानीहै ॥ ५६ ॥ वैहदूसनूनिमें
जरहतलघुनपश्रार ॥ श्रौरसबुसबै
येकर तचाहनारहै ॥ निकस्योवि
पनिश्रानि ॥ हैबियाहिमोहमोनिकी
नीघगछांह ॥ धरीमनुगीपातिसारीतै
हेरिकैनिसकरीपा ॥ पायेनिश्चिरके
जोये ॥ कायेमननायासोबचायोश्री
येवारीहै ॥ कोउइनबातेनरपनये
चितचातेरीयौराजकोतिलको ॥ लो
वनगतिबिसतारीहै ॥ ५७ ॥ रहेनाके

ईससेभ्नेरसकै धुधावैनाहि॥बोरू बल
जोरिहौस॥ चितु पठायेकै॥आयो भरजो
निकायोश्रीतिसनमानसो पियु नि
तोये॥ बैहैबालमारो घरछाये को हरी
लिषिचीठाजायेमेरसुतन पिदीजे॥
काज्योवरबातजाको आयोलेलिषायेकै
मयेपुरपासिबागसेवामेतियागकरी॥
जरादगतीहनेकसोयोसुषपायेको॥ बे
लतसरूलीनसूं आईबाईबागमोहि॥
करिभ्रनूरागजईनिपारीहे भिरीहीले॥पा
गमेधिपातीछुविमाती॥ फुकिपेचिल
ईबाचिबेलिलियो भिषदनपाताबाज
तै॥ बिबायासुनामश्रभिरामदगश्रज
नसो॥ बिबायाबनायेमनमाईरसनीजे
तै॥आयेमिलिश्रोलानमेलालनिकोप
नतोपिपायेमदमाने॥ गेहेश्रायेजबची
जोहे॥पसी॥उदौचिदरूसजिल्पा सिलि
ल्यायो॥ आयोदेषिमनभायो॥गाढगरेसे
लगायोदहै॥ दईकिरपातीवातसीषम

मै॰जीयेनरपपाये॥ सोनैलोतनके
राखीये॥ कहीजितीबात॥ आदिअंत
सहातसोयेपढेनी॥ तिप्रातफलजेम
निमैसाषीहै॥६४॥ सबदाएकमोच
केआरवनामजेबषानकोपैन्हा
जूकेमे॥ आनंदिरामरिषजोतिलोजे
बातमै॥ अस्याडून्हूदईजाव॥ जगत
हैबिद्दूरमैरो॥ करोनुपहूसस्वरूपगात
गातमै॥ चतलैनहोयनै नागर
तब्यातजा॥ [illegible] तिकूल
फूलब्यातमै॥६६॥ नकूरमाहि॥ फूल्यपै
सबजगतउभवनसेप्यारेकोब्यात
पातपातमै॥६५॥ श्री॥ गुसाईजी को॥
कुतंकरतूतिकेसोकरेकौनजूतथा
॥ साथ॥ बिपतिजातौनाजैसबजन
तै॥ देख्योमुखचाहूलालदेखे बिनती
पसालहेडीपेकृपालमलादीजेबास
बनहै हेरिबिबिकलाई॥ मैतुमेदिन

तिश्राईपिफरिश्वरताकुल्याईकिकस्मप्रा
ततनश्रनसैसरवनेवियोगसुवि
ततकनरहोगयोश्वपन्यारोश्रसेोर
तासाप्रनहै॥६॥श्रीपतीजु[illegible]
द्रोपतीसतीकोबालकहेश्रैसोफोलपु
रुषैचततापरपरकोदिगुनोंनृपा
हरकाकेनायेबीलोजवसापितिताउ
हस्कसूफेरिश्रायेनकूणोंलोनाई
गयेदुरबासोविघवलमैपदापेनीच
परसपुववोरिछिनैंश्रोपपनतपै
सेतनविवारितोयेश्रपेकरसोच
स्योचहैततत्यागोकेनोके[illegible]
है॥६३॥[illegible]
[illegible]

बि॰ गर्नेकौन सनामसे ॥ मू   पा
दपकबांधोसद ॥ जिनकेउरहरिनि
तिबसे: जागे   रं
मचकेद्र प्रीपू   ॥ प्रभूपरी
षदसेषु सूतसौनक   चेता सत
रूपोवपू सता॰ निति सतीसबली
सालस ॥ जगपतनाबूजनारिको
ऐकेसवअपनेबस ॥   लेनरनारी
जितेतिनहाकेगातिजैसे ॥ पांइपक
बांधेसद ॥ जिनकेहरिउरनितिब
से ॥ १०२ ॥   ॥ जिनहाकेहरिउरबसे
तिनहाकीपदरेनिचैनहैनसंतर
नकाजाये: योगेस्वरआदिस्वादके
अबीनमत ॥ बीनसृतदेव ताकी
बातकेहीजाये: आयेहरिहरदेषि
गयेप्रेमभरिलाये ॥ उद्योकरिकर
पटपेरिकेतुलसीजोसे ॥ जेतेसाथूस
गतिनकेबिनेनप्रसंगकोयो उप
  सकोसीबढिपासुलाजा ॥ १०२ ॥
सअमूअमब जपासु कोजनमज

नमेरैं रज्ञाचिरै॥ प्राचीनबर्हिसतकृत
रह्मगनस गरे नागारथ बालमोव
मथलेस॥ गयेजेलेगेबिदयथ॥ स्व
म्मागदहुतरिचेहु नरथहथाचेत्रहा
रा सरथसुचेन्ह्मसिवरस्मतिग्शति
बलिकोहोंना॥ नालमोरदजेतामृथ
जऽपुलरककारतिरा चिरैो॥ प्रघुम्
बुजपासु कै॥ जनमजनमहेजा
चिरैें॥ टीका॥ जननप निजनमको
नमेरैकथ सेव प्रेम॥ सतपदकैजरै
निसीसपरिधारायो॥ प्राचीनबरहै
प्राद्दिकथाप्रसिधजगनु नैबाल
मोकबातचितनैनटारीयें॥ नयेन्मोल
नगनीलरिषसंगरिष नयोन
येरामड्सनलीलाबिसतारीहै॥ जिब
जनगाये॥ किहुसकैनप्रघाये चाये
पनरिहायोनैन नरिदुारीहो॥ दू
सरेकी ससीकज कोटीका॥ हुतेबाल

मीकेपेकसुपचसुनामताकोस्पा
मतेप्रगटकीयोत्तारथमेगाई पा
ठौनिमधिमुछिचरम : वराजकप्र
पकानैजगपत्तारी रिषस्रापेनूमि
खाईहे ... नावसुत्त संष
से ... पू
रण ... सोहि ... बा
जपैनाहिसोचप ... पूछेसुनूपाहि
पाकानूनताबताइये बोलेकष
देव थाकोसुनासब ... जूपेनाकी
मोनि ... रीसमफाईहै ना
गवतसतरसवतकोजजेपोनाहि
रिषनसमूह नूमिचहूहिसछाईहै
जोपेनगतनाहिनाहिकेसेकहूगहू
गासपेकग्रीरकुलजातिनाबिनारप
हासनकोहासग्रनमानकोनकेसबा
स : रनकाग्रासजोपेग्रेसोलेजिनाई
पेग्रैसोहरिहासपरग्रासिपासिहीसन

निसदिननोरसाग

आवैजायैपैकाहूलाा॥लनलनाईयै॥

सनिसबचौकिपेरा॥नावग्रूचरजनरे॥

हेरमनननेन ग्रूजूबेगपदेवलाईये॥क

हानावकलाठावजहाहमजायेरेबा॥

लेबै करनागजायपायलिपटा यै

७३जैतमेरहासकनूचाहनप्रकास

नयो॥करोजोप्रकासमानेमहादूरह

रैहै॥मोकोंपस्योसोचयेलवूसपूरनकी

सेन्चाहियेलायेवाकोनान जिनगुन

तजिजाईये॥ग्रैसेतुमकहेजामेरहे

न्यारप्यारेसहा॥कैसीलिवायैल्याये॥

नाकैकेजिमाईये॥जावेवालमीकच

रवैउाग्रबलाकसाचुकायेग्रूपरा

धहमैंदायेजोबताईये॥७४॥पूरज

नप्रेनामसेनचलेरतिमरनको प्र

नउबारिकहा नकुनावदूरिरे॥पह

गनकौसुनिनरपनालीपातिस्राप
सुषपावली॥ कलौकौजुपायेसुरग
लोककौपठाये॥ जोकरैयेकादसीज
लकरघरैजावली॥ कृतकौतानामई
ग्रामकौजजातै॥ तिं॥ कातौलेखूजा
निकलिकल्यावौ॥ नगावली॥७५॥कै
रीनरपडौडी सुतीबनायौकोलौडी
कूषारलालाकनौडी॥ नासजागाजत
मारीहै॥ राजाहिगव्रानिकलादातौ
[illegible] नईबायायेजडात नाज
लौककौपचारीहै॥ मैनाजपारहै
षिदजूपनौ॥ [illegible] कोजुग
नषायेताकूबोधिमारिजारायै॥
[illegible] वूनावनाकौबिलारन
यौ॥ नयौचौजनयौसब॥ रीतेजुधा
रीहै॥ ८०॥ येकादसाब॥ [illegible] ईनै
दीबाईराजासुताकानिकाईसनौनी
[illegible] येपिताजवनत्रायोप
ति॥ षनैसताया॥ जुतिमागेत्रीयापान

नृहिसेपेसन्याल॥ऐ॥ आजुहरिवासर
सैतासरनपूजैकोउ रकाताभीच
कोयेभांतीसुखपायपैको॥ तजैउन
नपाएहैगपन्नगवानबधूतायेसर
सानन्दकियौपनगायकै॥ ८१॥ ज
दोये॥ कोई॥फा॥ सुनिहरिचंद॥ कथ
बिषा बिनइकदीयेत पानहीराषी
बैचिसुततायतनहे॥ खरपस्नच्छ
जसोंहोयकेकरतजेर सपश्रे॥ लिख
त बिप्रनयोमेलेमांनहे॥ ईहश्रे॥
गिनगये॥ सिवपैपरस्आलेन कोटि
दीयेलोसरीजसांचोजान्योपनहे॥
मरपदस्यीचश्रादि भागवत लीच
गाये सबनसुहाये जिनदोयोलन
धनहै॥ ८२॥ श्री॥ दोव॥ सीतांटीका
बिदव॥ तो॥ तीयासानदेषीकहूवी
पानैनबाधौंप्रभूपायाहेबिकायो
मनचोगुनो॥ करिभ्रननालदासनदे
नबैठ्ठात्मसतकौकायोभ्रपमांनमै

तौमांन्यौसुब सौग्यनौ ॥ ३ ॥ पूनछ
नितौपै बैरादेवतानिप्रानमातु
करिग्रान्यौनहीग्रौग्यनौ ऐसैनग
तितौपजौपैजागौरहौ सेवा अहार
तन्तवुभाऊ अपु [illegible] पैलागै नहीनै
ग्यनौ ॥ ८३ ॥ [illegible] अर
जुनकेग्रनमयो कम प्रपूजाति
लयौ दपोरसत्तारी घाहिरेगलौनि
यूयौ [illegible] मेरापेकन्नगत आपतौपै
लौ ॥ ८ ॥ अजित लि ॥ बप्रपू दलग [illegible]
लचलिजाइयै पहोंचतआग्योजा
यमौरध्वजराकहौबुग्पसुध्धिदेवै
कहि [illegible] तजाजनाइहै सेवाप्रन
करौ नैकुरहौपायध्यरौ जांपकहै
तुमबैठौकहौ आगमलालगाइहै
[illegible]
पैजायेनरपसोजनाई ततकाल
देरिझायहै बडी कृपाकरी आगु
फलीचाहबेलिमेरी निपटनबे

लिफलपायोज्ञातैंपायेहैः॥राजेग्रुग्य
मोहिसोसाकोजिस्पख्बोजेः॥वसापाजे
वातीरसमेरेनेनलैसिरायेहैः॥सुनि
कौश्रगयेतोहत्तयोसोपरश्रातौंबि
येच्यतचावग्रसेवचनसुनायेहैः
५५॥देवेकोउ॥तिंग्पाकेरोकराजोप्रत
ग्पासमजाहिनोतिसुषेतुमेंसोलान
कौंना रहिं ॥जिस्योलघसिंघयेहावा
लककौबायेजातकलाबावोमोहाथ
नहीयेलासुषदाईहै॥ कालोनातिछो
डोनरपग्राप्योजोसरीरञ्जावे॥तोलाप
लतजूकसाबातमोजनाईहैः॥बोलोंवि
लयाग्ररध्यगीमोहिजापेरहोः॥पुत्रक
हैमोकोलेहुग्रोरसुखिग्राईहै॥सुनो
येकबालसुततायालेकरातगात॥च
रेभोरेनारेनोहिपाछेडलनाषीये॥को
लोउहोनोतिभ्रहोनोसास्वगग्रायेः॥
जबहस्योइगलारजोरवाकरिनचा

मिठे चलि प्रनबापु गहे पा २६ ।
सुनाये बैन नैन जल बाये प्रंगको
सकोल नाषीये स निजरि श्रायो
यो न निरखन कीये दीयो सु
षरूप विष्या गई प्रत्त साषा है २७
जग्पै तौ नही योजा निपट रीज्ञ
येली या तौउ रीझि दाये विना मेरे
हाये साल है सांगे बर की टिकौ टि
वदलै न चूकत है सूपत है मष
सुविसाखीन नाटी बील्यो न
करी राजत द्वारि राजकी न घेरी
लीकरत काज मानो कत जाल हे ये
कमो की दाजि हो नही ये रविषाल व
ज्यासा पै परख्यान करी कल्की
लै है २८ ...
सरकी क्रिकार तिमेरा चो ति तिसा
चौला पैकी पैनु परे सत हैन छूटे वि
छै बास नि सेता... लसा की बड़ी

त प्रसंगपासे नौ प्रवेसो गुन मांहि से
रिगरन ग्रासनो ॥ पतिको मिलो रीत
तैरत्यो छोटो कोरे॥ ता को लेगो रे मिल
सिकासान रपसासनो ॥ [illegible]
रिकै निलरि दत्ता वैजु पै न यै [illegible]
करा प्रचू को उपासनो ॥ [illegible]
ति निचरन चूरि मो न विमिर [illegible]
माया तिरे ॥ रि तु [illegible] रूपा [illegible]
जा चिरकु रैन सु [illegible]
रीतिं ग्रूर रतनु तम न [illegible]
तन न्यो [illegible]
जदू गुरु [illegible]
नारहास [illegible]
पेसना कि [illegible]
जसन्तेर [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

रतिलईहै नृपे ... है जिसकेग्र
वैसेतिठापदेतनेतैनलकैरै नृपदे
तक्षानलईहै चालीसहंग्रोग्रगदि
नपीछे [illegible] मेजलग्रा [illegible] हूयोवि
प्रसुद्ध नीच स्थानयेतनईहै तरि
तीमिलीरेत निमोफितवग्रायप्रनू
माडग ४ जितैनगति छुस्ल:
५०।२३ [illegible] कौ का: चालनको
राजागुलरोलग्रू चरामप्रीति न
पेवनवासमिल्योनारगमेंग्राप
कै करोपू राजजधिराजसुवदी
जेमोकौ बोलेचैन साजतजेग्रापा
पनूपाय हारदनबिपोगग्र लौ
पद्दुगग्रक्रपात पाछेनौ जातपू
है सकेकौनगायके रसैनैनमुंदि
रघुनाथबिनद [illegible] ग्रुतोप्रम
रीतिमेरहीयेरहाछाईहै के ५१
चौ जबरथपाछेग्रायेरघुनाथनो

पसा पिके तेज्ञोलकरै आपे प्रभू देष
ये बोल्यो प्रब पातकले तेतिन प्रीतम
कोप्रू प्रीति करि किरे रामकदौ मोकौ
पेषीये। द्विसि पिझालेस पदालै सुख
सागर सकाते। प्रान पाये मानो नागल
ललेषाये। प्रेमकी जू बात केहू बानी
मै समात नो लिप्रीति प्रकुलातक
तौके सेके बिसेषीये। ध्रूजू निमी
प्रसलनवजोगेस्वरापदे। जनकातेस
रति कविरिकर भाजन नगति र
तनाकरिनारी। अतरी बिप्र रुचमस
अनंनि ता पच तिनधारी प्रबू
च प्रेमकी रासि हरिहराबिरहोत
विपलडु मिल प्रसिध नवा षूबार
केपोता। जयंती नंदन जगत के त्रिबि
धिताप अमये सरन निमिप्रर नव
जोगेस्वरा पद श्री नकाते सरनि
निवृताल

आसंसा॰ ... कीरतन ॥ संदिस्तु मिरण
सुसैलाइ ॥ पृथुपुजाकमलाचरननि
बिंदनसु फलकसुवन ... पति
कपीश्वर ॥ सरवलै ... पि
न ... लिषर ॥ उपजीबाहुति
नामकेऐतेचुताग्रगतिके ॥ पदप
रागकरनाकरो ... नपंतानवंचा
नगतिके ॥ १५ ॥ श्री ... त ... की
का ॥ सरवनरसिककहुं सुनेनपरी
छितसे ॥ पान ... रललोग ॥ कोटि
गुनीप्यासहे ॥ मुनीमनमोहि किहं
आवतनं वहीगुनमछिदे छिप्राये
रूपरासहे ॥ कलाप्रवीनहु सबदेव
जुसौ ॥ दिव्यमेरालाजेजो निति प्रानला
गेकथानहात छिकको वासहे ॥ की
जायेपर चयातरग्रांनाकितिसानी
अहोबानी बिरमानी ... ने
निरासहे ॥ ५२ ॥ श्री ... ॥ दीका ॥
गुनते निकसि चले बन तामे काये

...वायरगा ...
जाकौ॥ताहि कौंन॥लारै ... सेवारबासकौ
वा चहू५रसो
बास॥ब्याससेपिताकौनसौअंतरहै
यौहै ॥हससमैंसवकौस निरगुनसगुनति
हरिगईस्तिर्नहींरीतिपाहि॥भागवत
लायोहै रूपगुनअरसलौ ज्ञातकैसे
करि॥प्रायेसनाजरपदहिरिचीस्यो प्रेम
रसलीयोहै॥ पूछे नृ कौ नृपदौरदौर
परेनौरजाइगायेउदैजबम्नौरगरु
रकोयोहै ॥१६॥ श्री॥ व्या॥ उ॥ ही
समरनसौचौकोयो॥लीयोहे बिसव
तौमें॥यकभगवानकरयेकोटिब्वाति
तै॥पूछेतैबतायोयबनलसागीहिबाचो
रूपप्रगट॥प्रनपनभवानीहिलया
रहै॥हृष्टडारेमारिगरे॥श्रीलैनरहै
यो॥तउकोधकोनपारहैकहाकोयोपं
बिचारहै॥१८॥ उरेसिव॥श्री॥हि॥श्री॥हिहे
पानताकोधअैसो॥ अप्रलनहिग
भुतविभीहिनासहै॥तबतोपहयो
लाहअैसेनाहिमेला॥ अैसेजगहि

बासलावककी रंतन ॥ सुढिग्गमिरग
मृहैनाद ॥ पूरपुजाकमलाचरननि
बंदनसु फलक सुवनदालदापति
कपीश्वर ॥ सखत्वैयारथसमरपि
न आतमबलिवर ॥ उपजाबाहति
नामकेरतेंवताश्रगतिके ॥ पद्मपु
रागकरनाकरौजेनपतानवृध
नगतिके ॥४ श्री राति तजु की
का ॥ सखनरसिकका सुनेनपरी
छितसे ॥ पानकैकरतलागे कोटि
गुलीप्यासहे ॥ सुनामनमाझि कि
आवतनवृतागूनमचिटे विग्राये
रूपरासहे ॥ कलाभवितज सयदे
जुसौ ॥ टेकमेरालाजिजानिज पूतल
गेकपानहातचिककोत्रासहे ॥ की
जोपेपर ॥ दयातुरआनाकितसानी ॥
अनहोनाविरमानी ॥ जलजावनि
निरासहे ॥५२ श्री कहेवजुकोटिक
ग्रस्तेनिकसिचलेवनहामेकाये

करबोधरग... जलबारबोसकी ते
तकी।ताहीकोनीलारैं चहूवारसोम
पारहै
बास।ब्यासस्यैपिताकूनसोनतरहही
योहै।हसकैसस्टोस्।तिग्न्यमति
सोरीगईरिईनरईरीतिपाई।भागवत
लायोहै।रूपगुनरनरसमों जातकैसै
करि।प्रायेसनानरपइरिन्हीत्योप्रेम
रसलीयोहै।।पूछे...पदोरढोर
परैन्होरजाइगायेडुदेजबन्होरंगऊ
रकायोहै।।२८आप्रेल...डूबटीका।।
सभरनसांचोकीयों।लायोदबिसब
तोंसे।येकभगवानकस्यैकाटे...
है।पूछेतेबतायोपर्व...दियायों
रूप प्रगटप्रनप ...बानीलासुण
रहे।।दुष्टडारेमारिगरे...
यातउको...पार...कीयोंपै
बिचारहैं।।२८...सिवप्रा...दिदे
घोनलकोथ्प्रेसो।प्रावतनहिग
कोउलषिमीहुत्रासहै।तबतोपठाय
प्रहलादप्रहैलादमलाप्रभेचगति

प्रकासी॥ मंद ध्वं बिस्वामित्र दुरवा
सासन श्रृंग प्यासी॥ नागवलि य
मदग्निया डू सं कस्यप प्रबंतपारास
रपद्दरज ध्वरी॥ आनचव न प्रक्ष
तपारदौ॥ तिनचरननहीग्. सरु
१६ मूल॥ साधनसाध्यिसबैल पुरा
नफलरूपी श्री भागवत॥ ब्रह्म बि
ष्णुविसिव॥ ... बिस
अवतारा बाअनंत मीनवराह ... नी
कूरमनृहारा॥ गरुड नारद जे बोध
प्रबंध व नरनरवन ... मारकं
डेअब्रा डकथा नाना उपजै ... ॥
पूनचरन श्री ... पतच ... नी
की भागमसत साधनसाध्यिसबै
पुरान फलरूपी श्रीभागवत॥१७॥
मूल॥ दसआठ सं मृति जिन्ह चरी॥
तिनपदसरसिज भाल मो॥ मनुसं
तिग्यअत्रेपू बेहसबा ... ॥
जाग्यव[redacted] केग्र गौरीसनेत्रिहसाम

तानेतीके [illegible]
मोंवीसिष्यर [illegible]
पिंपरासि [illegible]
सिंदूर [illegible]
हसंसा [illegible]
रहसर [illegible]
पूनपंथ्येती [illegible]
करै सूद्द [illegible]
चिरचितोला राम्भूखडुलेम्पदकुरा
डूपरनडुलाल [illegible] ग्रांत ह
धरनप [illegible] नवोवय्येल
नितपंचपूर [illegible] चेतायास
रघुपति [illegible] दूसतत्तरे
पर्वनगर तिस्कु [illegible] जेरांतस
चिवस्तुनरणको [illegible] लाभस्त
दधिबुद्धिमोक्षकरी जैसतचरस्व
बंधके दिनकरिसुतततरिराजबाने
बधूकेसरकिशोरस [illegible] धिमषंदुवि

हनुमान

हमयंद्दरि॥ अपतिलमकोपार॥१९॥
उल्कासुनटदसैनहूरीमषकुम
हनीलनल॥सरनागहुँ वाद्दिप
नसंगधमोहनग्रसिवल॥पदमअ
वारहैनृपपालनगोकाजनहमीर
को॥सुनहछिहूष मोपरकरोजेस
न्चर रघुबीरके॥२०॥मू॥ वृजब
डेगोपपरजन्य॥सुतनीकेनवनद
धरानदफूरनंद॥व्रतापेउ पनद
सुनागर॥ चतुरथताेग्रजितहेस
बसिंधउजागर॥सुठिसुनंदपर
पालनिरमलनिश्चैप्रजिनहेन॥
करमो[illegible]धरमोनंद॥ मनुजबि
दितबहुचनंगबेहन॥ ग्रसिपासि
वाब॥ गकेजनाबिदरतप॥१॥२६॥
द॥बजबडेगोपपरजन्य॥ सुतनी
केनवनद॥२१॥मू॥ बालबृधनर
नारिजोपिलेअपीतनपादरज॥ने

दंगो विठुपनंदा॥कुवंर अरानंद महरि
जसोदा॥कीरति दा वृषभान कुंव
री॥सखीचरि बिहरति मनमोदा॥मधु
मंगल सुबल सुबाहु तोज अरजुन श्री
दामा॥मंडली गुवाल अनेक स्यो मेसं
गा बहु नामा॥ब्रोज निवासीन की कु
पा सुरतन वांछित आदि भूजा॥बाल कृ
ष्न रत नारि गो पिहो अर्पो उन पाद रज॥
२१॥मूल॥ब्रजराज सुवन संग पसदन
वन अनुराग सदा तत पर रहै धर
लोक पत्रक प्रवर पधि सब हो मत
नावै॥मधु फलो मधु बृत रसाल सु
बिसाल सरावै॥प्रेमकंद मकरंद॥
आनंद सदा चंद्र हासा॥पयेद बकुल
रस दान सारदा बुद्धि प्रकासा॥सेवा
समै बिचारि कै चारु चतुर चित्त की
लहै॥ब्रजराज सुवन संग सदन बन
अनुराग सदा तत पर रहै॥२३॥सपरत

द्वीपमै ।सजेतेमेरेसिरताज॥वजं
बू॥ओरपत्तविर्सयमली॥बहूतरा
जरिष कुसप बितपुनिकोचिकोन
म[illegible]वे॥साकबिपुलबि
सतार॥प्रस्यवनाजोग्रतिपुष्करप
र्त लोकालोक॥श्रोकटापूकंचन
घर॥हरिसुतबसतजे जांसे॥तिन
सोनितिप्रतिकाज॥सपतदीपमैहा
सजेतेमेरेसिर ताज॥२५॥कूर्म
विदीपनवखंडमैंन को इतेमम
न्नूपईलावृतआध्यास॥ ॥घन
अनूगससोसिव॥रमनकमछम
नुदास॥हिरण्यकूरमश्रुरजमईवा
॥रुधर॥रुनूमेतमबरषहरिस्याहु
प्रह्लादा॥कि २५राम्रकेपितरथ
नरायण॥बाणीनारद॥[illegible]सूर्याव
रुपचंद्रमकेतुकामकमला॥भनू
प॥मछिद्वीपनौखंडमें॥जगतजेतेम॥

रूप ॥ २५ सेतदीपमैं दासजे श्रवन
सनौ तिनकी कथा ॥ आनारायेणकौ
बदन निरंतर ताहि देषैं ॥ पलकपरे
जो बीचि कोटि जनम जात तिन लेषैं ॥
तिनकेइ सन को जग पै जस बीनां
धारी ॥ स्यांम हदै करसैं न उलटि
श्रवनता अछिमकारी ॥ नारायेणी
अख्यान इहु तहा प्रसंग ना ॥ सित
था ॥ सेतदीप मैं दास जे सरवन स
नौ तिनकी कथा ॥ २ ट्टीका ॥ सेत
दीपबासी सदा रूप के उपासी ॥ ग
ये नारद बिलासी ॥ उपदेस प्रासल
गौ है ॥ दई श्रन सैन जि निश्रावो ए
किस्रैन दग देषस दाचैन मातिंश
क्षिश्रन रागी है ॥ फिरे दुष पाये जोए
करी श्राबे कूठनाय ॥ सायसीयें च
सैं लषो न किंभ्रूग भागी है देषो

दीपमेदासजेतमे सिरताज॥वजं
कु औरपदनषिर्सेन्यमनली॥बहुतरा
जरिष कुसप बित्रपुत्रिकेोच्यिकौन
मतमाजानैतलषि॥साकबिपुलबि
सतार॥प्रसयध्वनांजीश्रतिपुष्कर॥प
रंतमलोकालोक॥श्रीकरदापूकंचन
धर॥हरिसुतबसतजे जोसे॥तिन
सो नितिप्रतिकाज॥सपतदीपमेह
सजेतमेरेसिरबताज॥२४॥मूलमा
न्यिदीपनवषंडमेंनि के जितेमम
रूप॥इलाबृतप्राच्यास॥संकषन
....सिव॥रमनकमछुम
नुदास॥हिरएयकूरमअरजमरवि॥
कुरुबराहनृमेतमबर्षहरिसंहु
प्रहैलाद॥किंपुरषरामकेपित्तरथ
नरायेण॥बाणनाद॥नइासयाव
रपेनइजबकेतुकामकमलाप्रन्
पामखि पित्तौषकमं॥जगतजेतमे

रूप॥२५॥ सेतदीपमैंदासजेश्रवन ॥
सुनौतिनकीकथा॥श्रीनारायेणको
बदननिरंतरताईदेषै॥पलकपरै
जोबीचिकोटिजनमजातनलेषै॥
तिनकेइसनकाजैगपैजसबीनां
धारी॥स्यांमदईकरसैनउलटि
अवननसौंभृध्यिकारी॥नारायेणी
अख्यानदृढताप्रसंगना॥तिनत
था॥सेतदीपमैंदासजेसरवनसु
नैतिनकीकथा॥२६टीका॥स्वेत
दीपबासीसदारूपकेउपासी॥ग
येनारदबिलासी॥उपदेसआसल
गीहै॥दईभूपसैनज्ञिनिआवौए
तेअनदृगदेषससचैनमतिअ
तिअनलागीहै॥फिरेदुषपायेनोरे
कहीआवेकूंदनाथ॥सापलीपैच
सैलिषा नासिमृगमागीहै॥बो
येकसरखगरतौध्यानधरिरि

राषो।अत्रजपतहो।स्यांमसु निम्
रतिदिषाईहै। करणनिधानकलो
सबभगवानपा।चढिइवाजे।सोपु
।कास्यौ।च्युनिछाईहे।सुनिसाष
लीयेयेबहुतरिसोसिहुनयेनये
नक्रिचोजइहुरीतिलेकेगाईहै।१२
गयेनीलाचलरजगंनांथजूकेदेख
बेको।देह्यौ।प्रनाचारसबपंडइ
रिकीयेहे।संगिलेहजारसिरवारंग
नरिसेवाकेरे।चोरलोपेनावगुडइ
सायेदीयेहै।बोलप्रभवेलश्रावेक
रेश्रगाकार।मेतोप्यारहोकोलेतक
बूझोगुननलीयेहे।तोन्हदिढकानो
फिरकहानहाकान।कानोजानबि
हबानीबिधि।कैसेजातछायेहे।१४
जोरावरनगतसोबसायेनहीकलो
कितीरतीनहीलावेमनचोजइसा
येहे।।गरुडकोश्राणपादई।सोती
मानिलई।।वनस्यामिनसमे ति।

निजदेसछोडिआयेहैं।जा।रूपकैनि
तेरे।औरठौरसोंमगनलयेयोंप्रगट
करिगुडनावपायोहै।वैसासबसेवा
करैस्यामभनहरैसदा।चरेसांचोप्रे
महियेप्रभजूहिबायोहै॥१०५॥मूलः॥
चतुरमहंतदिगचतुरनकिनभिट
बैरहे।सुरतिप्रतापकृतिवदरिषच
पुकरईनगैसे।सुरतिआनंदकृति
उदधिपराजितबामनजैसैं।श्रीरांम
नूजगुरुबंधु।बिदितजगमंगलका
री॥सिवसंहिताप्रनातग्यानसनका
दिकसारी॥हरिरायचतिउदारची
सनासाखिसारंगकैसै॥चतुरमहं
तदिगजचतुरजगतिनरबैरहे॥
३२॥मूलः॥आचारजजामातकीकथा
सुनतहरिहीयरति।कोउमालाधारि
मरतकबद्योसरतामैंआयो।हारकर
तजपौबंधसंतोतिसवकुटमबुलायो
मासकैचोहिबिपतबहा हरिपूरते
क

पनको बिदा तोपै पधारे
ननमगमें सिधारे बिप्र है षत
बिचारे द्वार बिया नईमिनकौ
गयोगृ नमांत ज्यु तिमंदुम
नन्ये नये गलाजबा निबी
निलेतकनकौ ॥१८॥ पापलप
पै श्रंग करिमैलटाये कस्कर
मन चाये श्रेरदान बहुला
ब्यो है कर्ता जगतराज तुम
रपामें समाजपा ॥ ॥ गा ॥ ६ ॥ ५
छ्या
॥ बकरो निजदास
मनप्रतिग
जिलाब्यो है का पुलस माना
कोउ ग्रसै
जो तिक्ष खेर राख्यो ते ॥१॥ मू
॥ श्री नारगाउप सकौ श्रीवन
त्रष्यानसूबा गस्टगवनकी

यो पूरेस सिषसुरधुनी हठारीये
कम ज्ञान निति पानयेक सदेवद
नकरै॥ गुरु गंगा मैं म्लेच्छ प्रवेस
सिद्ध को वेग बुलायो॥ बिछ्म परीन
पेज्ञा निकवल पत्र नि प्रआयो॥ पा
दपद्मता दिन प्रगट सब प्रसन्न
सुनि प्रम सचि॥ श्री मारगनुपदेस
कृत सरवन सुनो॥ श्री व्यान सुचि॥
३॥ टीका॥ देव धुनी तीर सौ कुटी
बहु साधु रहे॥ रहे गुरु नगत येक
न्यारो न सो छिसकै॥ चले प्र भृगाव
जिनत जो बिछिजाव कली॥ करै द
स सेवा गंगा मैलाकै सै छुव सकै
क्रिया सब कूप करै बिछ्म पदी आ
न धुरै रास न रै संत श्री णी नाव न
तो नुवै सकै॥ आयै रसज्जो निदुष
मो निलेब पानको यो॥ श्री निमन
जानि बात प्रेम गकै सै छुवै सकै.

चलेसीन्हानसंगगंगमैप्रबेसकी
ये॥रंगनेरेबोलेसोअंगोछाबेग्प
लाइये॥करतबिन्[illegible]॥गूत
पावैपार गंगाजू प्रगटकह्योकेज
निपैआईये॥चलेसोअधरपगध
रैसोमधुरजाये॥प्रनूतधिराये॥
लोयेतारनीरछाईदेनाकसत
ध्यायेचायेपायेलपटायेगये॥ब
डोहप्रतापये॥ निसदिनगाई
ये॥१२॥मूल॥श्रीरामानाजपद्दति
परताप॥अवनिअंमृतहाये॥अ
नूसस्यो॥देवाचारजदुतीयेमहा
महमाहरि[illegible]नंद॥तसिरराघवानं
द॥भ[illegible]भगतनिकोमानंद॥पत्राव
लंवप्रिथिवीकरिकासीस्थाई॥चा
रिबरण॥आश्रमसबहीनकूंनकिई
दाई॥तिनकेरामानंदप्रगटबिस
मंगलजिहूबधुस्यो॥श्रीरामानंद

पद्दतिप्रतापप्रवनिग्रंमतसैयेग्रद
सस्चौ॥३५॥मूल॥श्रीरांमांनंदरघुनां
थज्यौ॥दुतीयेसेतजगतरनकीयो॥
अनंतांनंदकबीर सुषासुरसुरा॥पद
मावतीनरहरि॥पीपाभावांनंदरैदा
सधनासैंन सुरसुरकीधरहरि॥औ
रसिषप्रसिष येकतेंयेकउजागर॥
बिस्वमंगलआधारसर्वांनं
दसधाकेआगर॥बहोतकालवपु
धारिकै॥प्रनतजननकौंपारदीयौ॥
श्रीरांमानंदरघुनाथज्यौं॥दुतीयेसे
तजगतरनकीयौ॥३६॥मूल॥अनंता
नंदपदपरसिकै॥लोकपालसेतेभये
योगानंदगईसकरमचंदअल्हपै
हारी॥सारीरामदासश्रीरंगअवधिगु
नमहमाभारी॥तिनकेनरहरिउदितमु
मेहामंगलतन॥रघुवरजदुवरगाये
बिमलकीरतिसंच्यौधनहरिभक्ति

खबेलाँरचे पानिपद ॥ज॥ सिरहमे
भूनेतानं पदपरसिकै लो ॥ पावस
तेन्नपे॥३७॥श्री रंगजू कीटीका॥ हौ
साये॥ श्रावक लो श्रीरंग नामहूताँ
बनकेसरा वि॥ किाकयाले॥ पानीऐ॥
रैतीगुलामगयो चरमराजधाम॥
कलन्नयोबडो लक्षतयेरह निबानी
ये॥ श्रायेबनजारेलेल देखितु हिषा
वैनैन बैलभूगमछिबैठिकारिपरे
चानीये॥११॥ सुतकोदिषाईहैत नूत
ने तिसूकेपेजात पूछैकहाबातजा
नवाहुढैरसो ॥ योर्दे ॥ [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥श्रायो निसमारिबे
को चायेयेहरोसन्न स्यो देवीगति
मोकोउ निबालिकेसुनायोहै॥ जा
तिजकोसुनारधनारिलगयेतन्न
यो न्न पातरोसर निमैहू ढिजगपाये

दियोचरनामृतलेकायो दिबिरूप
वाको ॥ श्रुतिसुनिनपसुनो नगतिना
वगायोहै ॥ ११८ ॥ मूल ॥ निरबेद अव
धिकलिकसनदास अनपरहरि
पैपानकीयो ॥ जाकेसिरकरधस्यो
तासुकरतरनहिअड्यो ॥ अर्प्योप
दनिरबाण ॥ सोक निर्भेकरिछड्यो ॥
तेजपुंजबलभजन महामुनिऊरधरेत
ता ॥ सेवतचरनसरोजरायराना
भूबिजेता ॥ दोहिवाबसहिनकरउ
दोसतकवलहिपायेसुघदायो ॥ नि
रबेदअवधिकलिकसनदास अ
नपरहरिपैपानकायो ॥ ३८ ॥ टीका
कसनदासजीकी ॥ ताकेसिरकरधस्
तातरनअड्यो ॥ हिपरानोबडोबरराग
कुलकोजसाघोहै ॥ पबतकाकेदर
मेंदरसनदीयो आनिदायोनावस
घरहरिसेवा अभिलाषोहै ॥ रं

जलेबी घारमां क्रितेज[illegible]
नयोलायेसालबिनसूपितचा
षाये लेकरि५३० ताकोमारन
उपायेकाये जी[illegible]
रिकोलकरिराषाये ११६ नरप
स्तनगतबडो सूबलोविरा
जमोनसाधु[illegible]
षानीये सतबचूगरनेदेषिउन
पनवारदीये कलाम्रनेछिमे
रोछ्रसीतरञानीये कोजनेपञ्
रीसेबोहारीपगदासनिको
कलाकृपाकरीकलाजोनेञारप
नीये सूपेतजिदेवाकाये देषिज
[illegible]तिबहलार्दहासराम
मतिसांनीये ११७ मू[illegible]पेलारी
प्रसादतेसिच्चाबसबेनयेपारक
रकालञगर[illegible]षराावरत
लदानरायेण सूरजिपुरखांषप

तिपरहरि न गत परायण ॥ यहम
मा श्रिगोपाल ॥ टेकटी लागद धा
री ॥ हे बाहे मकल्याण ॥ गेगांगगा
समनारी ॥ बिछदासकनहर रेगा
चाहनसवरी गोबिंद श्री पै हारी
परसादते सिघसबै नये पारक
उ॰ गांगेव मृतु गजेनरही ॥ त्यो का
लकरणनसीकालबसि ॥ रांमच
ण चितव निरहत निस दिन लोला
गी ॥ सरव भूत सिर न भितसुरन
जनानदबडभागी ॥ सो विजोगम
तसुदिढकायो भुन नौ हसतामल
बुंसरेडकीपैगवन ॥ नयेहरित
नकरनीबस ॥ सुमेरदेव सतजग
बिदत ॥ नू बिसतारै बिमलजस
गांगेवमतुगज्यौनरहो ॥ त्यो कालक
त रनसीकालबसि ॥ ४० ॥ टीका सुमेर
देवजु का ॥ सुमेरदेव पिता सूवेगुज

है॥ राजामनगचोहै तारिज्ञोनि
कैनोहारे॥ नैनजोती॥ १५जोने
चपैहासनंदपालहै॥ १२०मूल
कलजुगध्रमपालक ॥ १२८
आचारजस॥ १२५॥ टा॥ उतसु
षरअग्यानजपतेअनईसरव
दी॥ वैं॥ वकुतरकोजैन ओरपाषंड
हाआदी॥ बिमपनकूंदोयोहैउा॥ ग्रे
चिसनका॥ १अान॥ सोहाचारका
सोव॥ बिश्नुकारतिलबषाने॥ रेशै
राक्षस॥ वतारमहाबिरजाहोमोड
अबट॥ कलजुगध्रमपालकप्रग
टा॥ ॥ चारजसंकरसुभट॥ धेरही
का॥ ॥ आ॥ चारज॥ को॥ बिम
बसमूलहैके॥ कोपेसनमषस्य
मअतिअतिरामेलीलाजगबिस
तारीहै॥ सेवुराव॥ जबासकेवरा
जोमैकेनिरहै॥ गहेनहाजायेबादी

श्रुचिबातधारीहै॥तजिकैसरीरकौ
हूनरघकैप्रवेसकायौ॥दीयौकैयंघ
मैरुमहैरसुनारीहै॥सिषनसोक
सोकमहैरुमैप्रवेसज्ञानो॥बहीब
पानूआयेसुनिकीजेन्यारीहै॥२१॥
जानिकैप्रवेसतनसिषनप्रवेसकी
यो॥रावरमैहैपिसोश्रलोकलैउचा
रयोहै॥सुनतसातज्योतन॥निजतन
आयेलीयो॥कीयोपेप्रनामहासप
नपूरोपायोहै॥सिवरातरायबारी
आयेनैपपासिउचो॥छातिपवेदिय
कमायापरउरायोहै॥जलचहिआ
योनावनावलेरिबापे॥कैयेढोन
तोबुडे आपकौतुकसोचायोहै॥२२॥
आचारजकहीयोचडावोयेनसैरा॥नि
राजानेचडायेगिरिटूकउकिगयेहै॥
तबतौप्रसननरपपायेपरयौजा
नतरयौ॥करयौजोइकियो॥चरनजा

गवतलसैहें॥ नक्षिली उचारिपाछु
मायाबादउरिहीनो॥ कातौ मुन्क
तुाकातै बिमुषहूतनयेहै॥ ऐसे सो
गम्भीरसंतचारवहैरीतजानै॥ प्री
तिहामैसोनैहरिरूपगुननयेहैं॥
१२३॥ मूल॥ नामदेव प्रतग्यानिर
बही॥ त्रुनरहरिदासकी॥ बाल
दसाबीठलेपा नजाकैपैपीये॥ मृ
तकगऊजीवायै॥ उचौ असुरनकौहि
यौ॥ सेजसलीलतैकाढि पहलेसी
जैसीहोती॥ देवलउलटदेषिसकु
चिरहेसबहीसोती॥ पंडुरनाथकर
त अंगज्यौ छानिसुकरछाईधासकी
नामदेव प्रतग्यानिरबही॥ त्रुबा
नरहरिदासकी॥ ७३ टीका॥ नामदे
व जू की ॥ पाबामदेवारिदेवजू
कोल ॥ वडीताकातैपैकबेटापति
होनलईजानीये॥ द्वादसबरष मा

नी·

झिनयोतनकलीचितासेवासावधा
नमननेकेकरिआलीपे॥तेरजोमनोर
परे पुराणकरनयेली॥जोपेरुचि
तक्रैकैमेरीबातमानीपे॥करतदल
द्रनबेगपलीअसननपैकोनीकामबा
सनासोपोषीउनमानीपे॥विवरा
केगुनताकीबातचलीठौरठौर॥दुघ
सिरमोरनकीनईभितनाईहै
तबामेदेवजुकेकानैरिकरीनिर
पुन्नआपअपनारीहै॥
बालनामेदेवनानघरयोकरयोन
ननायो॥सबसंपतिलुटाईहै॥दिन
दिनबढोकछुऔरेरंगचढौ
नावेमढौ॥कढौरुपसबढाईहै॥
१२५॥पेलतविसोनाघीतिर
वालीको॥पटलीपहराउलिनोगली
लगावली
मनत्यावेत्योंतोंप्रसिमन

गवतलसेहे॥ नक्तिसीउचारिपाये
मायावादउरिहीनो॥ कातोमूनूक
हिाकातेबिमुषहनये है॥ येसेसो
गम्भीरसतचारवहेरीतजानेश्री
तिहीमेसोनेहरिरूपगुननयेहै॥
१२३॥ मूल॥ नामदेव प्रतंग्यानिर
वही॥ नृपुवानरहरिदासकी॥ बाल
दसाबीठलेपा नजाकेपेपाये॥ मृ
तकगऊजीवाये॥ ३॥ पोथासुरनकोहि
यो॥ सेजसलपलतेका ढि...॥
जेसासीती॥ देवलउलटेदेषिसकु
चिरहे सबहासीती॥ पंकुरेनाथकर
तअगज्योंछानिसुकरछाईदासकी
नामदेवप्रतग्यानिरवही॥ नृपुवा
नरहरिदासकी॥ ८३॥ टीका॥ नामदे
व जूकोना ...पाबामदेवहरिदेवजू
कोजकरूबडोताकातोयेकबेटीपति
...नायो॥ द्वादसबरष...मा

ऊनयेतनकसीचितासेवासावधा
नसनकैकरिश्रतीपैतेरजोकेनार
पसैपुराणकरनयेसी॥जोपै॥हचि
तऊकैमेरीबातमानीयै॥करतटल
प्रभूबेगपहाप्रसन्नभयेकीनीकाबब
सनासोपोषीउनमानीयै॥बिनबा
कीगुनताकीबातचलीदौरदौर॥दुप
सिरमौरनकीनईभिनलाईहै॥चल
तबामेदेवजुकेकानौरिकरीनिरधार
पुन्नश्रीपयपुपजाईहै॥नयेजोप्रगट
बालनामदेवनामधरयोकरयोभ
ननायो॥सबसपतिलुटाईहै॥दिन
दिनबढ़ैकछूऔररंगचढ्यो॥नाहि
नावैमद्यो॥कढ्योरूपसबपाईहै॥
१२५॥षेलतबिसैनाथीतिरीतिसबसै

ननीरननरिस्रावली॥ बनारबारकै
नामदेवबामदेव॥ [illegible]सो देहसो
हिसेवामाझिप्रतिलर लावूला॥जा
उपेक गांव फिरि आउ हि ननतान्म
भिदूधकू पावा वोमतिपावोमोहि
नांवली॥१२६॥कौनवसबेर जिसबे
र हिनफेरिलीयु फेरि फेरिकेहवे
बेरनसो आरथि चोप निकाढेरिला
गी निपट प्रीसरि दृग आये नारेश्चरि
जिनगिरेश्च टिजाईये॥ मातकै है
रकरीबडीतेअवे॥ ९॥ अकरेमति
केरअजूचित ९॥ दयः पे॥१२७॥च
लेपुन्नपासिलेकटोरा॥ ९ बिरास
तामैदूधसोस्वासमधि॥ मिसरी
मिलाई हि लायेकौहुलास निजअप
ताकोवास अपेकरै निजदासमोहि
मलास॥ [illegible] दासकै
टिचांद्नीको वासकापे तावकैप

कालमतिस्रु तिसरसाईहै. प्यायलेकी
श्रास करिश्रेरकछ नवेरो स्वाहनहै
घिके निरासकसी: पालेजूश्रबाए.
श्रूसे दिनबीतेहोए: राधीसीयेबात
गोय: रसौ लिसस्रोयश्रपेली हलकी
श्रावसी: नयोजोसवार: फिरवेसेही
सधारिकायेकायोसायोगाहेजाए
घस्योपीलवो न्नोवसी जारबारयी
वोकहे प्रबलजपीवोहिनाहि श्रावे
नेरनानागरेछुरालैहिया: दो:१२५
श्रायेबोल हवपाछे: पूछेलालदेव
जूसो: इधकोप्रसंगश्रतिरगनरि
राधीये सोस्रोनपिछानहिलहोय
नईहाथि: लखसोनिउरश्रानलज्यो
चाहश्रीनिलाघीये: याकोसवलीयेलव
मैतोजायोसुं निबाते कलीपायो रा घा
कौनसाधीये: घस्योपैलपायोश्रस्यो
पीछोसदपायो नानाधासैलै।

कवैसोती मोती आवसी उतरिग
ई नईसी पैप्रीति गसी पावसपह
ईसे। अौ चकैसी घरमांझि सांझ
सीग्रग निलगी बडे अनुरागी
रसगईसोउडा ... रीसे। क ...
नांथसबकोजीय ... अंगीकार
ससे सुकवारस रिमोहाकोनीस
रीयै। तुम्हारी ... न औरसकेको
नआय याता। नयेजो ... संन छु
निछाई आपसरियै। पछे औनि
लोगकौन ... ईवे ... वाईनीजे
दीजिजोई नावै तनमन प्रानवारी
ये। सुनो औरपरचे जे आयेनकबी
तमांझि। बोझनईमाता कौनजो
नमतिपागीसे। हतोयेकसात्तुलि
दानकोउ ... ... । दपा ... रसबै
... रसोनामहवरागीसे। ... या
वोजबूलायैकहायेतो फिरादीयै।

तीसरैसूंआयेकलाकसैवडलागीहै॥
कीजीयेजकछूअंगीकारमेरोनले
लिये॥ नयोलैतातैरादीजेजोपेआस
लागीहै॥१३धनुाकेतुलसीहैअूसेतु
लसीकेपत्रमांकिलिषोआयेरांम
नांमयासौंतौलिदीजीएॆलकुप्रकु
सिकरौढरोहायेदयालदेषिहोतकस
व्यालपाकोंकेसंपूरोकेरिराकापून
त्यायोयेककोटलेचहायोपातसौन
संगपनयोलडेरगहेसमहोतनोही
छीजीयेलईसीलराजूतुलैकनपांच
सातजातिपातिकोचनचस्योयें
नभजीये॥१३७परच्योसोचनाराहू
षपावैनरनारीनांमदेवजुबिचारी॥
येकऔरकामकीजाये॥जेतेबूतदन

कैरैजैपायैपातमन॥ मिगाडे
पाये॥ रहेवै विसराये॥ रहवैविसराए
कहीये तनैलालीजीये॥ लै कैकहा
थैरे सरवरहनकरै॥ नक्षिलावसे
लैनैरैलीयेमतिश्रीतिलाडीये॥१३॥
कांधोरूप॥ जनको बरोनिपट
श्रृंगारनयोलायेरवृत बचाकौलाडीये
नईयेकारहसी अनमोगतबलोत
नूंसो॥ श्रीजितौनहैलोनरचाहेज
तोलीजीये॥ करयोलटनारीमित्य
हैउताकैसौरपरयो॥ समझावैताके
हैव याकौकल विजिश्राईहो॥ बातेजा
मच्यारैमतिरलु॥ [illegible] रिपाव॥
नावपैनजानेरहेत्यानलाछैजीये
रचिकै चताकौ॥ [illegible] लेकैबर
जायेदीयोजसकाये मैपरछालीनी
तेरी॥ दैबासोसचाईसुषदाईमित्रम

१ मिले नेंय अंतर ध्यांन परें पाई प्रीति
रीति है: नागरन सों कुंज रिझ्व गतन कों
प्यास लागी : गये लैन जल प्रेत आनि
कानी फेरी है: पैं, दतें निकासि तास
आछो पद तत काल : अडे मादपाल स
पछ स्यो छ बिहंरी : १३५ म जे
देवक बिनरप छ कवे एक मंडलेस्र
आनि कबि प्रचुर नये तिह लोक गी
तगो बिद भुनागर कोक काबिन पर
ससर सां सिंगार को सागर : प्रबपदी
अभ्यास करै तिह बुधिवद वै: राधा
रवन प्रसंन र जैनि श्रृंलब आवे :
संत सरों स्हल रवंड को दइ आप तिर
पजन करबि : जे देवक बिन पछ
कवे षंड मंडलेस्र आनि कबि : १४
दी जे: व की: कि हू बिह्व गोल
तासैं नये क बिराजराज [illegible]
सलन अक धोरी रे [illegible]
[illegible]
पेव जकों [illegible] कों सम मैं [illegible] द [illegible]
जैदेवनाम [illegible] पता कि दवाल तका [illegible]
[illegible] दे [illegible] क बिराज [illegible]
मलार [illegible] जी

चारअश्विकारविसतारजाकैताहि
कूनिहारसकूनाएँ। होजीपेजग
नाथदेवजूकोअगपाउतपालकरै
टरो [illegible] मतिधरोहाये। नाताही
सत्तोजोये। उनकोहजारसोहै। म
कोपसरयेक। तातेतुमजावोफिरि
कहाकैहथाजोये। [illegible]
[illegible] बोली
करजोरिमेरोजोरनचलतकछु। या
हीसोहीहोउयेहवारिफेरिडारोये।
७३ जानौजबनईतोयाकोयेअन्न
जोरमोपे। [illegible] या
करिलाजोये। नईजबखायास्याँनसे
वापधरायेहई। नईपेकपोथीमैब
नाथुमनकोजोये। नयोजूअगटगी
तसरसगोबिंदजूकोमानमेंअसग
सासकंडनसोहोजीये। पेलायेकपद
लखनिकसतसोवपस्यो। भरत्योकै
[illegible] कहाकीजेसोचनारहि ७४

सैतुातलालिख्योमतिराजीसै॥१
नीलाचलघांकतांकेपेकतिनपैति
येकः॥करीयेलानांमअरियेचीउ
द्विजनबुलायेकल्यैसांते
थिकरौलिचिलिखिपटोदेस
सकायेबि
थिप्रसौदिषाईदैंनिईसैंमातिप्रति
चरादोउमैंद्विमैंजगना
थदेवजूके॥दानायेलडारिवलिर
देखापटाईसै॥१४॥सरूमेसोचनार
नरपनिपटखिसानोनयो॥गयोउ
तिसागमेबूडोयेहावातलो॥अतिप्र
मैमानकीयाकायेसेबखानलोई॥
गोईकेजातकेसंग्रोकचलागोग
तगातरे॥श्रीग्याप्रन्हदईतुमबुध म
तिसरूदमोकिडुसरोलगथमे सो
द्दपालनपातसी॥दारसश्लोकलिष
दीजेसरगबादसमैंतासांसंगचले

कासिमानौंचेइमाप्रकासराहि
पूर्छौरतलासकल [illegible]
तोी१४बडेला ग्नावृवातसके
नवधानग्येलामेरकोउ [illegible] रिला
गइसनकीजायेभालकौबैठाये
लीयेकायेसबहु [illegible]
कछूग्राग्पामोहिहाजाये करोहरि
साधूसेवानोनापकव [illegible] बो
[illegible] ग्रावजाये [illegible] तिनेहिषिरे
षिलाजाये ग्रायेवेलाटगमालमे
लकचिलककायेकिलकिकेके
लीबडेबछूलषिलाजाये१५०न
रपतिबुलायेकरीलायेलरिला
वनेरोहरेतेरेलागग्रबसेवाफल
लीजायेगये [illegible] लमोहिटल
ललगायेसोगलागेलेनलोग
जीयेसकोततछाजाये मेगेबा
रबारबिदाराजानलीजानदेत [illegible]

अतिअकुलायेकहौस्वामीचन्द्री
जोये॥देकैबहुज्योतिसोपठायेसंग
मानसहू॥आवोपहोंचायेतबतु
मपुरीऊपे॥पूछैनरपनरकौतु॥
तुम्हारानसरवौजितै॥आयेसाधू
ऐसासेवालसौनईसौ॥स्वामीजीसो
नतौकहाकहौनसाहेबं॥राघौ
पोहुरायेएहवातअतिनईहैबहुते
स्वपेकदौरनरपन्याकरीमेताप
ईनकोयोबिगारनारिडारेअग्यार
ईसै॥राखमसातुंडालिलैनिर
नालापापीवालाकैईसानहनअ
वचरिलईहै॥कोटिगईनौसिसव
हगवैसखापेगयो॥नयेपेचौकि
हैरिस्वामीजूपैआयेहै॥कहौजित
बातसुनिगातगातकौपिंडकंपत
पायवमोडै॥नयेज्योंकेत्योंसुताए
है॥अचरजदेनरपपा

यिसनतसोनपेनध नियेंपूचेंसो
नयो॥येनकेनन्नयोफिरकेसम
जाईहै ।जो तिकानरी तियेसबडी
बिपरीति।मूलेछूटेतनजबैपी
याप्रानछूटि जाईहै॥१५५॥ऐसी
येकप्रापक[illegible]राजासो। येहिवात
[illegible] लेकेजावोबागस्वामी।बिकु
रेषौंग्री तिकौ॥निपटबिचारीबु
री।हितके[illegible]रेघुरी॥जायालठमा
निकरावैसेसाथ लिलकौ॥सोनि
कसेपाय [illegible]कसाथसातो तिः
म्रायेवैठी[illegible]हिंगजोया।देषिले
टिगईरीतिकौ।बोलीनकबध
मूजवैतौ[illegible]तनौकौ।लुलकतम
चकलीपावतसोनी तिकौ।१५६॥न
रैलाजनारीपु निकै रिकैसनारी
दिन बीतिगये।कोउ जबलहला
नाहैः जानिगई नकल

परेछ्यातीपे॥ कल्गिगजूपायेसु
नित जिंदेहत्तानाहे॥ नयेलेष
सेतसैनीराजाग्रायेजानीयहे॥
रचीचिताजरौमातिनईमिरोती
नाहे॥ नईसुधि आपकौंलग्नाये
वेगपदौरिहलोईषिमृत्यु पायेनर
पकहीमरीहोनाहे॥१५चबोल्यो
नरपग्राजिहौंमीतिजरेहावनत
। वसबडपदसलकेंभूरिमैंमि
लाईहै॥ उ३ वहीतीतिग्रपंग्रा
वतनस्वातिकिहूगाईव्रपदी
सरदीयेतनजायेहै॥नजनके
मारयोराजाहचाहतग्रपघातकी
ये॥ जायेनहीजातनकिल्हेसहै
नग्रायेहे॥करिसमाधानिज
ग्रामग्राये॥किहूविवजेसोकहु
सनपायेहपरचौलैगायोहै॥१५६
देवधुनासोतहौंपठौरेहेकौस

आसरमतेंसदाईप्रसन्नानकैरें।च
रैजोगताईकों॥नयोतनबृधतन
छाडैनहीनितनेम।प्रेमदेखिना
रीनिसकलासुघदाईकों॥आवोजि
नध्यानकरेंाकरेंमतिलठप्रैसोंम
नाकैनही।आतमेंहोजानोंकैसेंआई
कों॥फूलदेखोकजनबकाजोयप्रती
तिजकैरीतईवाली।नोतिसेवेंअ
वलोंसुताईकों॥१६०॥मूल॥आचरश्री
भागवतमेंप्रेमधरमनिरतोकी
यो॥तानकोडपेकरूचसोनिकेउग्र
बखानतो॥करमठग्यानीश्रेछिप्र
धकेअनरघवानतो॥प्रकृहनसं
हिताबिदलटाकाबिसतारयो॥बट
सासतरअबिरूधबेदसंमुतली
बिचारयो॥प्रमानद्यप्रसादतें॥म
धौसकरसुधारिदीयो॥श्री।धर
भागवतमें॥प्रेमधरमनिरतोकी

टीका ॥ श्रीधरजी को ॥ पढ़ै तिसमाझ
बडे बडे भक्तराज जेते भागवतटी
का करी आपसमें रीझये नयेजु
बिचारि कासीपुरी अबनासी माझि
सभा अनुसार जो ईसोई लिषि दीजी
ये ताको तौ प्रमान भगवान बिंदु
माधौजू है सो यो यहीबात धरिमंदि
मैं लीजाये ॥ धरि सब जाये अनुक्र
म बनाये दीये ॥ काये सबोपर लेके
चल्यो मति थीजाये ॥ ६४ ॥ मूल ॥ कृस्न
कृपाकोपर प्रगट बिल मंगल मंगल
सरूप ॥ करुनांम्रत कबितनु किम
नुचिष्ट उचारी ॥ रसिकजन निर्जी
वनि हृदै हाराबलि धारी ॥ हरिपक
राये हाथ बहोरि तहां ये छुडाई
कहा भयो करछूटे बदेजो हाये तेजा
ई ॥ चिंतामनि संगपाये के ॥ ब्रजब
धू केलि बरनी अनूप ॥ कृस्न कृपा

बिलमंगलमंगलरसरू
(पं॰३ टी॰) बिलमंगलकौ॥ कृष्णा
चौररसौ॥२॥
गयेग्रूथौरसंगचिंतामनिपायेकेः
तजीलोकलाजनायेवालकोजोराज
नयो॥ निसदिनकाजवहरसमेरजाय
के॥१६ कत्तबिचारबार आवेनेस
आनततेनली आरसमेंनरसनेमुकत
सिंधपेलनीरकूदिंवधसखिनसरी
पिताकोसराधनैकुरनो॥ मनसाधि
दिनसेसमेंप्रवेसकीयो॥ चल्योग्र
तिग्रकुलायेकें॥ नदीचढिरही नारी॥
पैयेनग्रवारीनावन्वावनसोतायो
जीयेजातजीधिजायकै॥१८॥ करलविचा
रवारधारमेंनरसे जोना॥ नतेरनी
धारसिंत्रसनमपजाईये॥ पेरकूदिनी
रकछुसखिनसरीरकी॥ वहीयेकपी
रकबदरसनपाईये॥ पयेलनपारतत
तारिनयेबूडिबेकूं॥ मिरतकनिहारि

मांनीनाथमनमाहैसिरगो। कोना
रैजायचलेपगधायचायआयेप
रलागेआचीनिसरसोविनाईहै॥१६२॥
अजगरमूमिलूमिन्नूमिकैपरसकी
यो। लीयोहासरहारोचरोछातिपर
जायकै। उपरि ....
कूदिआगनमें ग्यरयो येगरतरागी
जागासि। .... दीपगबरायेजो
पैदेषैविलमंगलहबडो। अमं
गलतैकोयोकहाआयकेजलअन
वायै। कैपटपहरायकैसेकरि
आयोजरा.... आपहा...आयके।
१६३। नवकायदाई। ....
देषिमेरेमननाई। मैंतोतबहालई
जानिकै। चलो देषै। ....
योबूलायकरै देख्यो बिबधरमा
थीजाआयमोनिकै। सोमनमेरहे
उचामसोलगायो। तैसोस्यामसोल
गावे। तोपेजानीयेसयानकै। मेतो

नयेंनोर नजोंजुगल किसोरअबतेरी
तुहोजानें॥ चोसोकरोमनमो निकै:
१६५॥ हुस्यगईआंषेंअनिलाषेस्पमं
पूरीको॥ चाबेरसरंगओतनगअग
न्यारीये॥बी निलैबजाईगाई बिपति
कुंजनकाडानयोसुबपुजजापेकोटिबी
पैवारोहें॥बी तिगईराति प्रातचलेअ
पआपकोज् ...ायेवहोजापडूगनीर
नरिडारीये: सोमगपरानाकअनिरा
मगुस्टकायो॥आ निसकेकोंबधनि
लालनवलनो॥हारीये:॥१८५॥रहेंसोचर
सेंसागरमेंनें नयेनयेनयेचोजके
शोकपद्दिजीजयेच्चलेव्व दावनम
नकहेकबदेषोंजायेआयेमगसो
येकठोरमति नाजानीहे: पस्योबड
सारदगकोरिकेनचाहेकाहतल
रतीयानलायेहेव्यआषेरीमाये
लगेवाकेपाछेकाछुकाछुकान

व्रिकछु गईम्बरञ्चाछे रहैह्वारतन
ञ्चाजाहि १६६ ञ्चायोवाकोपतिद्वा
रहेषिन्नागवत . के बडोनागव
तपूछीबञ्चकौजनाइहि: कह्योजूप
ध्यारीपावञ्चारोग्रहपावेनकोपा
[illegible]
चलेनवनमांझिमनञ्चारतिमिटा
येबेकुंगविलकीजोईरीतिसोईकै
बताइहि: नारिसोंकह्योहोतसीगार
करिसेवाकाजे [illegible] लाजयोसुहाग
[illegible] पाईये १६७ चलीहि
सिंगारकरि [illegible] साइंलके
ऊंचोचित्रसारीजातबैठेञ्चनूरा
गीहि:- नकमनपकडायेजोरिक
रिडाडीलई गहीमतिद्देषिदेषि
नूनबरतिन्नागीहि कह्योजुसइल्या
वोलायैदईलरसोंथेफोरिडारीञ्चाये
ञ्चहोबिडायेञ्चनागीहि: गईपतिया

सिस्यासन्नरीतनबोल्यआवैबै
लादुषपायेआयेपाये परिरागोहै
१६ वकायेऽपुपराचहलसाधकौ
सतायै।।अरुोवडेतुमसाधू हलन
म...साधू धस्योहै।।रहैोअजूसे
वाकेरेकरातुमसेवाअसी।। जैसी
नहीकाहुमोऊमेरोउरनस्योहै।।
चरेसुषपायेडूगन्नुतसेछुडायोहै
येहायेनकोऽप्रोजिनसो।।आवेका
मपरयोहै:बैठेवनमधिजाये न्
पेदेषिआयआयै:।भोजनकरोये
चलोपायादिनटस्योहै:।।६५।।चरै
लेगलायेकरयायाघनतस्हरा।।
चालतछुडायोलाघयोकोकेसेनीको
है: भैोजमोबलकेरलौलोलजतन
येऊअरैल्लायोलाछुडायो।गयोग
होरूपलायेकोहै

थिकछु गईथिरस्त्राछे रहेद्वारतन
श्राजोहि १६६ आयोवाकोपतिद्वा
रहेथिन्नागवतठाके बडोनागव
तपूछीबधूकोजनाईहि कलाजूप
धारोपावधारोग्रहेपावेनकोपा
येनपषारिजलहारोसीसबहाईके
चलेवनमांझिमनआरतिमिटा
येबेकूं गावेनकीजोईरीतिसोईके
बताईहि नारिलोकछूहोतसींगार
करिसेवाकीजे ये लीजियोसुहाग
जामेंबेगपत्रूपपाईये १६७ चलीहि
सिंगारकरिप्यारमेंप्रसाइलेके
ऊंचोचितसारीजाताबेठेआनूरा
गोहि ऊनकमनकजायेजोरिक
रिहाडीलईगतीमतिरेषिटेषि
नूनबरतिन्नागोहि कलाजुसईत्या ग
वोलायेदईलरीतिथफोरिडारीआपें
श्रहोबडायेअभागोहि गईपतिया

सिखास्न्नवीतनबोल्यम्रावे।।बे
लादुखपायेम्रायेपाये परिराग।।६
१६चकायेग्रुपरा ध्रसमसाध्रको
सतायो।।म्रहोवडेतुमसाधू तमन
म[illegible]साधू ध्रस्योहे।।रहोम्रजूसे
वाकैरेकरातुमसेवाम्रसी।। जैसी
नहीकाहूमोफिमैरोडरन्नस्वोहे।।
चलैसुखपायेद्वगन्नुतसे छुडायो।।दी
येहायेनकोम्रोबिनसो।।म्रावैका
मपस्योहे।।बैठेवनन बिजाये न
छेदेखिम्रापम्राये।। भोजनकीयो
चलो घ्रायादिनडस्योहे।।६९।।चले
लेगहायेकरघ्रायाबनतस्तर।।
चाहतछुडायोहायघ्रोकोकेसेनीको
हेतेज्योज्योबलकेरतौतौनजूतन

होरूपलायेकोहे

सिवनामदेवश्रीतिलोचनजूसू
रससिनारीकियोअंग ॥ ६९ ॥ १६ ॥
नामेकीतौबातकही ॥ अ पैंडनौ
दूसरेकी ॥ सुनतहीबनतत्त कछुकंप
रसरासिहै ॥ उपजेबनिककुलसे
वैकुलअचुतकी ॥ अपैनलावबेनये
कतीयालापासिहै ॥ टैलवातकोड
साधूमनकोजोलिलेतपैलाअन
लापसहादासनकोहासहे ॥ १७६ ॥ अ
ये अन्तरटहलवारूपध्यरि ॥ द्वारपरि
फटीयैककामरीपन्हीसांटदीपाईहे
॥ निकसतपूछेअहोकहातेपधारे
आपैं ॥ बापमहतारीश्रीरहेखोयैन
गायेहे ॥ बापमहतारीमेरेकोउनाहि
॥ सांचीकहूगहूमेटहलजोपेमिल
तसुनायें ॥ अणमिलाबातकौनदी
जीयेजनायें ॥ तबहूबानेउपाचसात
सेरउठतरासायहे ॥ १७७ ॥ आस्यो

सा बरनकां नूरो तिसबमैरहथि। साथि
हनचाहिकरस्मनलायेकै॥ नगतन
कासेवीतौकरतहीजनमगयो॥ नयो
कथुनौहिगयोबरस बितायेकै॥ अं
त्रजांमीनावमेरो॥
तो॥ बोल्योन्नगत नावआवो
कैं॥ कामरापन्हायोसबनईकरिहं
ई॥ औरमो
छुडायो॥ १८ बोल्योबरदासोंसों
जुरसेपाकोदासाहोवे॥
देतश्रेसोनहीपावनौ॥ आयेसोअ
वालुधपावो॥ निति निति लाये
नगन्नाहिजोरमिल्यगुनगावै॥
श्रावत अनेकसाधू
ोये लायेचौवटोबेपाना॥ सबन
डावनौ २
हीत नयेगयेउ ठिश्रापनै
ौचलावनौ॥ १२

सिवलोमदेवश्रीतिलोचनजूसु
रसरिसिनारीकियोअंग ॥ प्रकासहै
नाअंकोतौबातकली ॥ ये पैसुनो
दूसरेकी ॥ सुनतहै [illegible] ॥ पा
रसरासिहै ॥ उपजेबनिककुलसे
वैकुलअच्युतको ॥ पैनलाबनये
कतीयालापासिहै ॥ टेलबातकोउ
साधूमनकोजोनिलेत ॥ पैलाभन
लाभसदादासनकोहासहै ॥ १७६ ॥ भ
ये भक्तटहलवारूपधरि ॥ हाथपरि
फटाये [illegible] रोपन्होसांटू दीपाईहै
॥ निकसतपूछेअतोकहातैपधारे
आपौं ॥ बापमहतारीऔरदेषापेन
गायेहै ॥ बापमहतारीमेरेकोउनाहि
॥ सांचोकहगहू ॥ [illegible] जोप मिल
तसुनायहै ॥ आपमिलाबातकोनदी
जीयेजनाये ॥ बहुधांउ पांचसात
सेरउठतरासायहै ॥ १७७ ॥ भाख्यो

पनकोजूरो तिसबमैरेहयि. स
हनचाहिकरस्मनचायेलो : नउ
कासेवौतोकरतीजनमगयो :
कछुनोहिगयोबरसबितायकै
त्रजोलोनावनैरो : त्योचेरोतै
तौ : बोल्योनगतजोलखावो इ
कै : कालरीपन्लीयासउनई कि
ई : औरस्मीडकेनवायोतनमैरस
छुडायोते : १७८ बोल्योबरदासोसो
जुरतैपालोहासोलो : हेघीयाउहा
हैतऔरसोलकोलावतो : जावेसोव
वोलुघपाछो : लितिलितिलाये जिये
जगनालितोलेलिच्य [illegible] लै
ग्रावतअनेकसाधु : [illegible]
तीये : लोयेचावदालेराख : सबल
लडावनो : औरसेहो [illegible] सतेरे
बीतनये : गयेऊ [illegible] पायकेबात
कोचलावनो १७९ [illegible] नगहि

सिखनोंमेंदेवश्रीतिलोचनजूसु
रसरसिनाईकियोजगमेंप्रकासहै
नाओंकोतौबातकहौ। पैसूनो
दूसरेको। सुनतहावनतनकवध
रसरासिहै। उपजेवनिककुलसे
वैकुलअचुतको। पैनलावनेये
कतौयालापासिहै। टेलवातकोउ
साधूमनकाजानिलेत।पैहाअन
लायसहादासनकोहासहै।१७६।ग्र
ये अन्नटहलवारूपधरि। हात्पि
फटायेककोंमरायनहोसाटदापाईते
। निकसत...हे। सोतेपधारे
आपै। बापमहै। रोओरदेबापैन
गायेहे। बापमेंतारमेरेकोउनाहि
सोचोकहेगहेमेटहलजोपैमिले
तसुनायेः। आणि....बालकौनदी
जायेज..पे। ...हुवोतुपोचसात
सेरउठतरासायहे।१७७।आस्वो

बरनकोनूरो।तिसबमैरोयि स
हनचाहि॥कस्मनलायैको : नग
कासेवौतोकरलहीजनमगयो :
कछुनोहिगयोबरसबितायकै
त्रजोंमोंनावमैरो। : न्योचैरोतैर
तौ : बोल्योन्नगत नाव खावो प्रह
कौ : कालरीपन्होयोसबनईकरि
ई : औरमोडिकै नबायोतनमेर
घुडायोतै :१७८बोल्योबरदासौमो
जुरसैघोकोहासोलो : हेबायेज्ञहा
हेतश्रैसोनरुपावतो : मायेसोब
वोरुघपाल्लौ : निति निति लावै जिय
जगमातिज्ञोलोलिम्यजुलगा : यै : नौ :
७आवतश्रैनेकसाधु : न्नावतटहल
तोये : लोयेचावहाबैपाव : सबन
लड़ावनो : ऐसैलोकरतमासतेरेती
बहीतनये : गयेजुहिआपनेकेबात
कोचलावनो १७९ येकदीनगईती

परोसनिकैं नक्तिवधूपूछिलईबा
त अलोकाहेकोमलीनहे बोलीम
सकायेवृटहै वोलिवायेत्याबये
किहुनअमाये टिपीसितनघान
हे काहूसूनकहोयेहेगहोमनमोर
येरीतेरासोमुमोजोपे ॥१६॥
त्यौनिकैंस [illegible] नेकगये
टकहूती नयोदुधअनकजेसेजल
बिनमीनहे ॥१८॥ तहांनतानअ
नजतकरिहानत्र्यये [illegible]
न अलोफेरिकाहापाइये बडीतअ
नागीबात [illegible] लागी
रागीसाधूसेवामैं [illegible] रिल्याई
ये नयीननबानी तुमषावेपीवे
पानी येमेरामतिठानी मोकोप
तिरीलिल्याईये मैंतोहूअधानतेर
हरहोमैरहूलीन [illegible]
वाकरबेकोआईये ॥१८॥ कानहरि

वसिदेव ॥ तातैं नवन करैं निति
सेवा ॥ सकल व लिन तें मनव
सिवेत ॥ सारिकैं सवलाकों श्र
ता ७ मनकौं कोई जी तिन सकै
बहलन पापनकरि करि पकैं
ऐसे मनकौं जातैं कोई सवलान
कोलि अवलसैं सोई ॥ ७५ सो दुजे
परिपुव लिन साकरें वारि
चादिक विसतरै वैरी मित्र
हतविचिडावैं सुनि हित परत
हित तिन तें जातें ॥ ८० तें मुमढ
सुचान लालावें ॥ मन जातें विनु
जुगजुग रोवें ॥ दुः परम मडप
मातन कौं आपु जानि करिबौ
जो मन कौ ॥ ८१ तव वह कायर
संबंधी ॥ तिन सौं न रिपु समत
बंधी ॥ ये सै ये सूलत मेर मि
त्र स चुगनें व हत रे रतात स
मलादु ख पावै ॥ उपजै उपजि

कसै सांनुध स्रुस्रम्रलिनसौनी
चैन्याछै: ११ कसरलाक जुनलपत
लोक [illegible] मैं सिधिलकोम्री
कै जेसगुाकरमनलकोकरे: तै
तीनमौलोकनिसैपिरै १२ नयग्र
रउरी गलप्रासंन्याम: यनिलतै
चमारसवैवास चनिहितजी
वैवैकुंठ: जोसबहानकविसदा
कुंठ १३ इबरकालवरचलेहूर
न्हेरउहाँ न ह्कालिलिकैरों:
मंतिलवकोंन जोजावै: काल
नांतांडताकैपावै: १४ कबहजी
मकाहकनिर्ड वै: कबहंकोलठ
नाकोलोच जैसोविधिसबमर
नलरहै: जलमैकाचैवलोलहु
१५ भ्रतलनमविलनोचैजेते
ठाटेबड़े चलन आवनलोलै जोभ
नु मलोलरठ: स्रोकाट: लैसबप्र

पुनिफिरिफिरिजावै॥ तातेदुषकौस
नहाकारण॥ आतमः॥ कौनवजल
मैंडारण॥ ८२॥ अरुजौसुषदुषग
तायेते॥ कौकौदु:षदेतहैंजेते॥ ते
सबसुषदु:षमाकौनाही॥ देहयु
कसबआपनमानी॥ ८३॥ तेदुष
सुषदेहईपावै॥ आतमकेकहूनि
कटिनआवै॥ अरुजद्यपितनके
संजोग॥ करैजीवतासुषदुषभोग॥
८४तौउमैंदुषदेहकौ॥ रूपर
कलरमदेषोजाकौ॥ आपुआपुके
कौदुषदीजै॥ अपनोभुलितअ
पकोकीजै॥ ८५॥ आतमसौनिमु
दुषपावै॥ अरुतिनहमैंकौउप
जावै॥ रततलै॥ [illegible] जानकोटाजैतो
फिरकहातिनेदुषहोजे॥ ८७॥ रत
निअरुजानहीदुषदेसो॥ सोतौ
सकलआपकरिलेई॥ इंद्रीयअफि

कृति पुरषबिस्तार॥१६॥प्रकृतिपु
षबिनऔरनकोई॥इयमनग
घरलेजोई॥प्रथमतौनिराकारमे
येक॥तातेयेआकारअनेक॥१७॥
असपुनिमेंतौरेखधै॥॥तातेअ
बहूमेंबरतत॥जाकोआदिअृति
लेजोई॥ताकेमध्यिहूमेंपुनिसोई॥
१८जौमाटीकेबहुघटनये॥अतत
फूटिमाटीमिलिगये॥माटीआदि
माटीयेअंत॥तौमाटीमध्यि
बरतत॥१९जौकंचनकेबहुआ
भरण॥आदिअंतियेकसोवर्ण॥
तौमध्यिहूकपूनासी॥नामरूप
मिथ्याकोजाई॥२०॥त्योंजबदेषैत
जिऔजार॥तबमेंजानैसबबि
स्तार॥आदिरूपैतिमध्यिमेंयेक॥
मिथ्यानामरूपअनेक॥२१॥सा

पैंदेवताजेतेजोदुषदानिसैहि
वृतेतो तोहुआप कौव
जेपरिजपाछिकौसिरपरि
जेकरिदाजेमुषकोहिपु सन
सोसोकुषकाटैकरतो सत्
रसीतापावूकैथ्रुरुवासव गान
रागदोषनावै नै पोसव
इंद्रानूकैसवद कै आपकै
परसेवा तेसबजानेती
करै पनोअपनेमनत
रजालष वदाताआपदुजे
कधूतोलापापा तोयेसकल
आपनोंसुनावू कोईकोनमानी
नावु प्रातममैंसुषदु
लो पईहे सकलमिटे
जाई आपनूलिसुषदुषकी
सबमिटिजायैआपकै
तातैदोषकौनकोधरीये जौ

यस्यकानेत्रिस्नतार मौसैस्मौनं
स्वंक्तत्वकौर्ई स्त्रत्द्यद्वितक्रु रहै
नवकोर्ई रर ऋक्षिकत्न्ननंघ्न रुपुरस
अ्न सैंह्यान घ्न स्त्रजोक्कानस्र्क
त्नकवनार मैरीस्नशिन्तीनयैजो
नौ मौ नैह्लैनक्ठ्दैलातिम्मानौरर
पानिश्चिन्तस्यौत्ताप शिलता
स्र नहोभ्रूवान्लत्नुपस्सैस्वार ःप्र
नलनस कोञ्ह्य्पाजोन्द्व्न्दलैस
नोवक्षितसलरलौ स्नौः र४ढलोसौं
तन्तध स्वकस्नकोलोई सत्रहुस्नर
नैजलनो ... ... कोर्ईः सताव
हिनङि स्तहिन्नवफेतातलेःताकोस
नगातस्रेयात्नेः र५कालेनी
नातौमैस्नकोरनव्ठनलोडः कततेक
नुनारायैवर नलोहाछिस्लौर
नलहरेःपःतानं नुभक्कैप्राथं
र्न सुषोर्द ६ सन स्तस्ततैः

अपनौं मनवसि नहीं कराये ॥ ५३ ॥ अ
रु जो गुरु है सुष दुषके दाता। सो क
हेदकलात विख्याता। तो आपनु
कौं को चलो कोउ जे। पर कौं दुष आ
ष कौं लीजे ॥ ५४ ॥ गुरु है आकास
लिहै जे ते। हादस रासि बसै स
ब ते ते। राग दोष आपन मे करे।
तिन कौं सुष दुष निति ही परे ॥ ५५ ॥
ताता रासि जनम जे पावें। तिन कौ
संग तिदुष सुष आवे। ता ते आ
तम सद अजनम कौ। बार बार देष
निकौ जनम कौ ॥ ५६ ॥ ता ते सुष दुष त
ो पावे। निकरि आतमा कै न मै
आवे। अरु जद पि संग तिदुष प
रै। आप कौ ष सो कासौं करे ॥ ५७ ॥
करि निहार तें यह सो जानों। राग
दोष नावे त्यों दानौं। अरु दुष दा
नी लोष जो कर्म। तातौं सकल आ
पनी चरम ॥ ५८ ॥ यह देह जडक

लीनप्रसन मैंहोवैजेतेप्रसन
भूमिमैंहोवैलीना॥भूमिगंध
मिल्यहोवैपीना॥२०॥गंधलीन
होवैजलमांही॥जलसूक्ष्मरस
मांहिसमांही॥रसजबतेजमां
हिमिलिजावै॥तेजरूपमैंजाय
समावै॥रवरूपमैं [illegible] नमांहिमि
लिरहै॥पवनहोतबरूपरसगु
णगहै॥रूपरसलीनहोयतब
गगनमिगगनमांहिसबदमांहि
होयमगन॥२२॥ [illegible]
तामसप्रकार॥ [illegible]
रसप्रकारतैसबनि [illegible]
भूतकारसो॥ [illegible]
होयसूक्ष्म॥२३॥ [illegible]
तिकप्रकार॥ [illegible]
कलहोयप्रकार [illegible]
ततलीन [illegible]

रमतासोंहो॥आतमनिकटिहै
दईसोंहो॥आतमचेतनिग्यान
स्वरूप॥ परैसकलतें।परमअ
नुप॥ ९९ तातैंकोऊकौनसोंक
रै॥ काकौदोषहिरदामैंधरों॥अ
रुजोदुषकालतैंकलाये॥ तौआ
पुनमैंकेदनलखाये॥१००॥तनतै
कालहतैंदुषपावै॥ तेआतमके
निकटिनआवै॥ कालआतमाहि
[illegible]॥ देहविलषिणसक
रूप॥१०१॥तातैंकालहतैंदुषना
ही॥ कालनयानकदेहनिमांही
जौंलैंभूगनिभूगनिमैंडारे॥ सो
हूभूगनिभूगनिलिजारे॥१०२
अरुजोपालाकोंकणलीजे॥ लै
बहुतेपालामैंदाजे॥ ताकौपाल
कौंनायनाही॥ जदपपररहेसर
तामांही॥१०३॥योंहीयेकआतमा
कालसुषदुःखादिकदेहनके

लागपलै॥२१॥ पुक्ति कालमैलावै
लीन॥ कालपुरषमिलिलेवूष
न॥ पुरषमिलैप्र[illegible] समाली
पुरषोतमकहडावैनाली॥२२
नेदा[illegible]नेदरहितलवपेक
नित्यानंदद्वैतबितरेक॥ चेतन
निरमलग्यानस[illegible]य॥ पुरणब्र
ह्मि पुनक्प्रनूप॥२३॥ तातैंजद्द
कमिथ्या[illegible]द्वैत॥ आदिश्रुति
सखिहप्रद्वैत॥ जलबुद[illegible] ५
[illegible]कारत[illegible] [illegible]
बिबिधिप्रकार॥२४॥ पूसैसद
[illegible]॥ ताकैकौन्नाति
क्रमलोई॥ रबिउद्योतकहोत
[illegible]कल॥ नदीमाझमहावानल
तैसैं॥२५ऐसैसाध्योसांषिप्र
कार॥ सकलद्वैत[illegible] तपतिसं

ख्याल आतमसबतैंसदाअतीत॥
अखंआरहतअनिरूप्रनीत॥१०४॥
सुरूआतमापरैपरै॥दुहूजलाल
तेसबतरै॥कोइआतमकौनलाज॥
नै॥सुखदुखकौनकौनकौठानै॥१०५॥
लक्षअसदुखजहालजेते॥ऐसेकअ
क्षिकेसबतेतै॥सोपुनि आपु
जड़रूप॥चेतनिआतमहूलसरू
प॥१०६॥केवलमानिलीयोसस्यार॥दु
खदुखतनमनसकलअसार॥मोह
निस्यातैंजागेजेते॥निरनेयनपत
तरुणतेते॥१०७॥खलातैंअबमैं न
यनलीआणौ॥आपलीयेरैसकल
तैंजाणौ॥हरिचरणनिकौसेवाक
रौ॥ऐसीबिधिभवसागरतिरहूं॥
१०८॥जेईजेआयेहरिसरणौ॥तिन
तौतिनपायेहरिचरणौ॥तातैंमैं
हरिचरणनिजजौं॥सन

तार॥ याकेअंतनसंसैरहै॥ प्र
लकारहितअग्यतारहै॥२४॥
छोडै रूपअरूपसमावै॥ जा
तेब्रह्मरिनदुपकोपावै॥ तातें
याकोसदाबिचारै॥ मोकोजा
निआपकोतारै॥ हि ता॥ तेष
वपेरतोसौंकह्यौ॥ सोबिरूपा
नबिचार॥ प्रबगुणहु तिनुको
कहो॥ निर्लिनेनिप्रकार॥३५॥
३६॥३७॥ ऐसो श्री भागवतमहा
पुराणे ऐकादसस्कंधे श्री नार
दवसुदेवसंवादे भाजायासोबि
नित्रयंनोम चतुर्थोध्या
य॥ श्री भगवानुवाच॥ चौपई॥
जहुबरप्रबनायोगुणबृती॥ तिन
कोजांनेंलहै निबृती॥ जागुणतें
जोलषिणसोई॥ निर्निनिनिमा
बोसोसोसो॥ समदर्स

औरसबतजौं॥१०९॥त्रिष्णवधोंदुजे
नयेबिरक्तितनहु मैंनरह्यौ॥ श्रव
रक्षौंव ..तश्र्साध्धनबहु तरिग
यौ॥पर्वि सोभनमैंकर्धनल्यापम
॥११०॥पेनाबेदसपूषसलोकेवी
बिचारमेट ।नयसाका॥तातेउह
बुसुषदुषदायेको॥श्रातमकोकै
येतेलायको॥१११॥सुषदुषदायकन
होकोई॥जातेंकहुहेतकछुतेंपु
सुष बचनरमतजानैसकलश्र
नपेखे जनभासकर ॥११२॥
नमैछूटेदूजौकोइनांतो॥मेरोरूप
मिलैमोमाहो॥जबसुषदुषभि
ध्याकरिजानै॥मनों [illegible] मानौ
रदैनसाश्रानें॥११३॥चारजषेसि
मचरणनिनजे॥देखादिककोश्रात
तजै तबभवसागरकौतरिश्रावे
मेरौनिजानंदपदपावे॥११४॥तातें

बेकसुधरम॥ लज्जामो तिन
कैबिकरम॥ सतिदयानसी
सूतैसूचि पु तिमनारगमे
थिरबुद्धि॥ राजसप्तसोचा
धीरजवृत॥ पुनुपकारसदा
वृतंत॥ बुधिप्राप्तिकै निलैसे
गासंतोषी प्रसदा नम्रनेग॥
२॥ कोमल बिनय दानचतुरा
ई॥ सातलहिरदय सकलसुष
दाई॥ ऐसी चो तिवकैतसपती॥
सोतिकगुणको जाणे छती॥
आतमईनसब हान तै न्यारा॥
चेतनि करि वृताव नहारा॥
चौगासकिउदैबहकाम॥
धनप्रतिलाभे जसप्रकिरा
मा॥ ५ बसनाचसिगबबल
वंत॥ रिपूमित्रा दिक नेदप्रनंत॥
करिकोमिनाजे बहदवू॥ पर

उद्धव मन बचि क्रम ॥ सकल हेत
कौं जानौं त्तरमा ॥ सबतें मन कौं नि
ग्रहै करौ ॥ निश्चल करि मम चरण
नि धरौ ॥ १५ ॥ याकौं कसाये
तुहै जोग ॥ याकरि लावै मम संजो
ग अरु जोग ॥ याकौं धारौं सुनै
सुनावै सदा विचारै ॥ १६ ॥ तिनकै
निकट दुहू न लौ आवै ॥ अरु काल
मम चरण नि पावै ॥ तातें याकौं स
दा विचारौ ॥ कैरौं बल भ्रंत गति
धारौ ॥ १७ ॥ दोहा ॥ ये उद्धव तोसों
कह्यौ ॥ मन संजम निज ग्यान अ
ब ता पत लै सांखि कौ सुनत मिटै
जो अग्यान ॥ ३५ ॥ ३ ॥ ६२ ॥ इति श्री भा
गवते महापुराणे एकादसस्कंधे ॥
भगवद् उद्धव संवादे ॥ ताधायों नि
[illegible] गीता कथनं नाम चौवीसौ
अध्याये २४ श्री भगवान उवाच ॥
चौपई ॥ उद्धव तो सों सांखि ता कहौ

मारथकौलहैनन्नेकूं॥बिहूंग्रा
रेनमिलैजे सालइ॥सदाकेवे
र सदाग्रतिचालइ॥बहूत बूति
राजसकाभ्रैसी॥येतुमसौना
थामैतेसौ॥तेस्यालोनकौघ
अूधिकाई॥जसातलांदानुदन
कुठाई॥अ्रमग्रसकलहैसौक
अूरमौला॥निदूग्रालसनेप्र
दूाला॥बनिसहिनचिताउहि
मलील॥फिरहेग्रालासालसधु
न॥ऐसाबतौतामसकाबूती॥
जिनतेकहेनलहै निवृती॥सै
उपजेभ्रमताभ्रनअ्रहकार॥
तातेकरैबिबिधिबिवहार॥
सबमिलितमगुणकाबूती॥
तिनतेबाढेबहोतप्रवृती॥१०
धरमस[illegible]भूरथकामग्र
नुरकती॥अधालोननपाग्र

द्वैतनरमांहिभ्रमबिनद्ष्टीजाहि
सुनतसोभ्रमटै ॥ द्वैतद्रष्टं
क भूतनअद्वैत ॥१॥ प्रथमलोका
रपडे नप्र ॥ यहसोपिप्रगट
करिगये ॥ मुक्तिसोपिजानतस
होई ॥ सोपिबिनानहोयरकोई ॥
२ ॥ सोसोसोपिकहोमेतासो ॥ नि
मूलभ्रमकोसुनायोमोसो ॥ ३ ॥
व प्रथमहतोकोयक ॥ मोबिनस
कलहैहतेअनेक ॥ ४ ॥ तबमेप्रकृति
आपतेकरी ॥ जडचेतनिद्वैबिधि
बिस्तरी ॥ तिनदेनोंतेनपज्योप्र
ना ॥ कहेततजोकहितसुवभयेक
प्रकृतिकेवपेगुणकोल्हे ॥ रचि
णानिनितिहकोदीने ॥ सुवहते
त्रबिधिअहकार ॥ नरमावत
कोबडोबिकार ॥ ५ ॥ पंचभूतजप
परवीगादि ॥ पुनपंचेसुक्षिमसभ

श्री॥ परम प्रकृति परायेणजे
तैषु बसैतन्तो तिर्थ स ॥८॥
११ बरतैपुपर पनेच्यरमा
प्राय ॥ १८ ॥ सप युत मा
तैसब मिलत ॥ ज नको तो
जिनतैब । बिधिलाये ॥ तो
१२ समस्तप्राद ॥ गतिनर
जोई॥ सोतिकलप ॥ कलेपे
सोई॥ राजसकामादिकप्रपि
कार॥ तामसजतात्मोजादि
॥ सोई॥ १४ चरमसे
मोकोन ॥ हुजासकलको
मनातजे चाया ॥ २० नाव
लालो ॥ सोतिकप्रकृतिको
होजेसोई॥ १४॥ ५ कामन
लिएहै भरिबैठे ॥ पनकर
त्र॥ मोकोसे ॥ ९६ नाकर

दि तामस अहंकार तें ऐते ॥ राजस
तें इंद्री ऐ सब ते ते ॥ सात्विक तें म
न अरु देवा ॥ जिनकौं पाय भये ब
हु भेवा ॥ तब सबसोंन मैं प्रेरि मि
लायो ॥ तिन सब सौं मिलि अंड
जु पायो ॥ अंडु सलिल मों थिथि
रक्ख्यौ ॥ तामैं मैं निज अंस सलीप्र
स्यौ ॥ आदि पुरष सो मेरो रूपा र
गुण नियंता गोपन सरूप ॥ ता सु
नाभि तें जु पद्यौ पद्म ॥ तामैं सक
ल जनन कौ सद्म ॥ पद्म हु तें ज
ब ब्रह्मा भयो ॥ जिनें मो सौं जग जि
निरमयो ॥ श्री राजसि अधिपति
भयौ विरंच्य ॥ तातें प्रगट्यौ सक
ल प्रपंच ॥ लोकपाल लोकन सो
तारे ॥ तीन्यौं लोक त्रिविधि विस्तारे
॥ स्वरग लोक देवन कौं दीयो ॥ अंत
रिक्ष भूतन गुह्यक कीयो ॥ भू मिलो

जसकोकहापे। मुक्तिसेतक
बहुनलागहापै॥१५॥जबलस्य
किरदामैआनै। जितजिनक
रमनिकमसेवाठानै। सोव
हनामसहूरतिकहावै। तातै
ममसुषकरैनपावै॥१६॥स्व
रतनमतान्योंगुणजहांजी
वसोकोबचनसबतेहै। तगु
णमेराज्ञग्याकरै। तातेंमोहि
नजैतेतिरैं॥१७॥चितहूतें
पजेपेसकल। पूजकोंतजेंग्र
तम्भग्रकल। यनकोंछोडि
वहेकोमासी। बलोस्योंउपजे
बिनसैनासी॥१८॥रिसाभनर
जतमपंसैरी। सातिकगुणकोंहूषि
लिकरै। सातिकसूरजिज्योंपरकां
सैं। अतिसीतलज्योंचंद्रबिगासैं

दासमैतौनैकहूनदासजनयो॥ बडो
उपहासकुंषजगमैनदिषाईयै॥
करेजनजगतहमजक्तिकताकेरी॥
अकसौअहोअनूपताईरी तिननमैन
आईयै॥ तुनकातौबातबनिआवैस
बजनतासौ॥ गुनहा॥ कोलेतमेरअ
गुनछिपाईयै॥ आपेहरनोजितोज
मूढमैनजो निसकैयो॥ आवैअबध्यो
हूधायेपायेलपटाईयै॥१८॥ श्री ल
लनाचारजश्रीटीका॥ हापेमैसरूप
सेवाकरिअनुराग जैरो॥ डेरेओरजीव
नकीजावनकौदीयै॥ सोहाले प्रका
सबरस रैबिलासकायो॥ अतिह
हुलास फलनैन निकोलोजाये॥ च
तुरीअवधिनैकआतुरानहोतिकैहूं
चहौदिसनानाराग जोगसुषकोजी
यो॥ बलनजूनामलायो॥ अपअनिरा
मरीति॥ गोकलमैजअोमजो निकट

परोसनिकै ॥ नहिबचपूंछिलईबा
त ॥ ऊलोकारकौमलीनहै ॥ बोसा
सकायेवेरलखनिवायेत्याअये ॥
किंहनऊबायेषोटपीसितनषात
है ॥ काहूसूनकलेयेलगहमनमाहि
॥ येरातेरासौसुनोगाडोयेजातरहै
त्योनिकैसनिलईयेहीतैकगये ॥ वि
टेकहती ॥ नयेदुषअनेकजैसेजल
बिनमीनहै ॥ १२०॥ तहांनताऊ
नजलकरिसीननये ॥ ऐसोसोप्रबी
नअरुफेरिकासापाईये ॥ बडीतऊ
नागीबातकरैनकाहूकौलागी ॥
रागीसाऊसेवामेनकैसेकरिल्याई
ये ॥ नवीननबालालुमषावायपीव
पांनी ॥ येमेरामतिठानी ॥ मोकोउ
तिरीलिन्याईये ॥ मेतोसप्रबीनतेरे
चुरलोमैरहलीन ॥ जोयेकहासदासे
वाकरबेकोपाईये ॥ १२१॥ कानेतरि

१९ सबकल्याण [illegible] वस्तुप्रकाश
निश्चलकर गोसकल दुख [illegible]
तातैंधरमध्यान [illegible] चिता
सोकमोहनयरहैं २० जबसाति
कताप्रसन [illegible] है [illegible] सम्ब
बसेरागहैं [illegible]
लभेद तातैंमोनकरम नपावे
द २१ जबसतध्रुरज [illegible]
केवलयेकतत्वोगुणसोई नबवि
[illegible] कनासकश्रावरण [illegible]
तातैं रताकरण २२ तातैंसोकमो
हकैवासा निद्राआलस निस
दिनश्रासा जबछूटें इंद्रीपनकी
भ्रुती हिरदैनलीसलागें [illegible] तबचं
२३ चि [illegible] तप्रसन सकलनिलस
गा सोसातिकमकगूल [illegible]
[illegible] इंद्रीमनबूद्धी

सेवाले रखकर जाके हिजूरो दौ मो
कौ लिखावे कोहे जावो : कृपा
करो मेरे यल आवो १२ मि
तिजु रखसी लगसु पायो
सोसो सक त्र दुवा तोय आपा
त लजन्न वो नौ गाल तजोगः
जा अजु रवसी कौ लेजोग : १३
ताजु रवसी ग्यान आकरवा
नाते न लोको जिके दिरष्यो
का कावालि नरहे कपू जान्यो
जासदिन आ सवर पेंजनो
जानौ : १४ नवतानरपके
नुपा जाग : जाते व्रगट नया
बैजाग : तकन पवचनकवा
केजी है : तौसौ सौ नै नाषत तौ
आते
दौ : १५
एक दे योम कनौ ते : आपतो

थिरनहीहोहिरहैनहीसुद्धि॥
२६ तानै विबधिबिस्तारः॥सोज्ञा
नौराजसम्रधिकारः॥जबबिका
रबहुबिधिमनगहै॥श्रासाब
सेनिरंतररहै॥२८॥सोकबिषाह
चेतनालीनः॥सोतामसनु दिम
से बलषीनः॥जबतुपडैसोति
ककोन्यावि॥तबसबहोवैदेवसु
नावि॥२९॥राजसतेग्रसुरनि
काहूती॥नूतः॥गनिकातमगु
तपती॥सोतिकहैंजागराहि
ईरा॥राजसपावैसुपनासीर॥
२७ ...ताभसहूतेसु
षपतिलहै॥सुसनुरीयानिर
तररहै॥सोतिकउहैलोकनि॥ कुं
जावै॥राजसनरप्रा दिकतनपा
वै॥ ॥र तामसनाचेपावरप्रा
दियाबिधिनरसोजीवप्रनादि॥

काम्रो आपनोंद्रोह गलायौक
व देवकीमाया ॥ जिन्मेरो सब आ
सुगवाया ॥ १ ॥ ये नमोकौड रु
कौबरनेतेरो ॥ सर्वसुआयुली
योग्रकिरो ॥ मेंदिनरातितजाने
डात ॥ भ्रमत ॥ करिमा नोविष
घन्ता ॥ १७ ॥ बधसमूलगयेभ्रमबी
ती ॥ सकलविकारनलोनोंजीती ॥
देख्राम्केसे नलकायो ॥ भरयाके
करमापबिकायो ॥ १ ॥ चजोमेरा
जारातचक्रबरती ॥ डीतिसमस्त
करीबसधरती ॥ सकल नृपनम
चरणतिसेबे ॥ तनधनधनसब
सोंकों ... देवो ॥ १ ॥ ... तोमें बिका
नोंसूआरूपिाज्यों ॥ वानरबाजीग
रसाधि ॥ ज्योंज्यों राखोहिनचा
यो ॥ त्यों त्योंमरवकेसुखपायो ॥
२० ॥ तापरराजसम्पतिलझिकोंहे

सातिक बुद्धिमान वै जो है।ता
मै न रागादि सै जो कोई : २८ सो देख
तता कै सो कान जावै : राजस मैं
मारि नाहि वाचै : ताकन मै मारि
[illegible] कीजिनै सै ताको गुणा ति
[illegible] ३० जैसे है लिकर सजो
कै ताकै ताकै सो कलना जी यहै :
[illegible] : तिनका रस कलाहै ता
वे जी बुलाला सुधाहै ३१ फल नि
[illegible] नाका [illegible] है ता
[illegible] सञ धाबै : दस्या
[illegible] है [illegible] : सो ताम
[illegible] डोग्य कारक : ३२ जेद रहै
[illegible] सौ ताति कपाल : दस नेह स
[illegible] जोलि : ।आद कर्तु कनु
[illegible] रहे : ताका सबधा नकरी
[illegible] : ३३ जाल नदे स्व रतजो
[illegible] : सो है जे [illegible] सो बोके है
२ [illegible] स्वपाद [illegible] : सातिक

लागनमां तिनहि चल्यौ खग
नपति नथ्यौ मै पाछै आयौ जौ
उल्कोल स्माय बिरचायो : रीछौं
करयो तिनकौ ठरनाई : तेउ पर
नापरसैन नकोई : जौलौं बैरीश
चौग : कैसै धनौ सिंगरी रहो : २१
कलाकौं ठित पस्यात्याग : ब
न मैरौ तिनकौं दिठलै राग : ऐसा
सकल कैसै धनौ ठालो : जौग झाप
करैं निजकौ : २२ भेजुखसीज
कौनौ तैयाई : कौ श्रखग निबहे
नां निदुसगाई चढ़िये खग निन
तौन रचनाई : ऊखिलके खखिलका
कैनाराई २३ जैसे खग निधुरु
नितें न होई : तामैं चलइ रेकौ :
नालौ माधिकपरिकपर रहलै :
खतकौ नहि लनै तलाकरे : २४
नइजसौ नलानौ नेमरथ : प्र

बासकैसैजोसंत॥३४॥ग्रलमैंकु
लीयेराजसबास॥नामस प
मुराश्राबास॥पावरचैलमम
मूरतिजलो॥निरगुणबासकरी
जेतलो॥२५॥सोतिककतीसोई
लसेगी॥सोराजसफलकरम
प्रसंगी॥बिधिकरिराषितलोभ
लीकती॥आसैलागपकरसनि
बिसतरतो॥२६॥ग्रापलामैटिरहै
नकासरणो॥ताकौसबनिरगु
णआचरणो॥सोजननिरगुणव
रतोकलीये॥ताकैसंगपजपद
ललीये॥२७॥जैनिहकरमप्रात
माजानै॥सकलतजनकोसरद्ध
ठानै॥सकलतमापनिश्चलजाते
ई॥सोतिकश्रद्धाकलायेसोई॥२८
राजसश्रद्धाठानैकरम॥ताम
सश्रध्याकरै॥२॥बिमै॥निरगु
णश्रद्धाकेरीतसो॥जालैमिरै॥

पुण्यपुंजकों कायोअभूनरथ।मूरख
आयसोपडतिमानैं।परसौंमरतु
मुषअभनतजानैंफिरीजौंमैरस
सकलनुकेरा।सोकरतौडौरो
मैंमूरषकैताकौदिहुकार।।जिन
नकोपोकछूगनतविचार।।२७।।
सत्राकरिजाकेचितमास्यो।।गया
नविचारसकलसदस्यो।।ताको
रीविनकौनषडावै।।ज्यो।।गय
नछूटनपावै।।२६।।तातैसेहरीच
रणनगलौ।।सकलत्यागपरिको
कैरहा।।जद्यपिदेवलोतिकुला
को।।त्यागीतिहुककैल्हेन
यो।।२८।।तोउमैंमूरषनतोइल्ह्यो।।
कांमक्रोधमुषकरिजान्यो।।ना
तैताकोनातिश्रपरा।।पदेलरो
मनबडोअघ।।२०।।जोमेरस्न

स॰ . अग्यानकौ ३९ पख्य पवि
त्रबिनाभ्रमश्रावै ३ तामै श्रप
नौं ॥ मनडावै जातैं उपजैन
लौबिकार सोकौ लैसोतिकैप्र
तार ४० माठलौठालीमामारा
दुषदायेकरा । अग्यानाराजोप्र
स॰ दिस्यातें श्रावै सोतामेस
मूल । कलावै ४१ कमजनश्रस
मैरोतुछिप सोनिरगुणन्नोज
नप्रतिरूप ॥ इद्रायेसबलक्ष्म
निकदहैं तजिम्रावनानिथिर
कैरहै ४२ आतमतेंउपजेसब
जोई सो ॥ ८८ बकतायेलुग
सोई इद्रीय॰ बराडसबलाग
लाये निद्रआलसतामसक
लाये ४३ मेरे प्रेमनाहिंसुप
जोई निरगुणसबकहीयेतुहै
सोसी ॥ दुर्ग दसपालैंरु ध्यान
कौल

नरकमेंदेष्यो दुषनामहि
सुषकहिंदेष्यो : जनमेंसोपरो
निदुमचावै । स्वर्गनिपतगवै
करिजाई तौलिनकोस्वपरा
कनककोई : स्वपदु:षकोरिसवै
लोई : तातेकिनकोपलिसुनावै
कौनजनकेकोअस्योकिनावै ॥११॥
जोकोंस्वामिस्वतकिसेपवो : तोज
नलोमिकलनकोषिरो : देनमली
कचलादिसगके सोकोरिंदो ना
(कैसनप्रगधे ॥१२॥ सोप्रभुपलो
स्वामिषाकरयो तिनजानेदस्वात
जन्मिसेस्यो : येतनतोबनेतद
कोकेलाये : ताकोमेनतागतेदेषे
रानोवे ॥१३॥ जातापितासु पनो
लीरिवनरे नाकैकेसेकोनिदार
[illegible] लेनकोसोपरजाको :

करताकरमअरुस्थानं॥६॥म
सरुयानिधाअरुआकार॥तिर
गुणनिरमीति सबबिसतार॥१
जोकछुकहै सुनै अरुदेषै॥
मनअरुबुधिजानलषै॥ गुनलेषै
४५॥सोसबप्रक्रीति पुरषबिसतं
र॥तिरगुणनिरमितसकलपस
र॥येनतेंजीवरहैसंसार॥त्रगुण
करमभयेबारबार॥८४॥जोईन
तीनौंगुणनिनिवारै॥चितआ
पनौंमोमैंधारै॥मोकौंरौनिरगु
णपदपावै॥बहोरयौंयानमैं
नहीआवै॥८७॥तातेयेप्रेमानर
देह॥जाकरिमिटैसकलसंदेह॥
होवेप्रगटग्यानबिग्यान॥पावै
मोहिमिटैसबमान॥८६॥तातैं
पंडितसकलनिवारै॥मोकौंसे
येआपकौंत्यारै॥यौंबिनसकल

कैन्पावकनचिणसैजाकौ॥३५
कैन्नूकोकेस्थानअंगार॥कैअ
रनौ॥मित्रकेकार॥येतनध्य
रुसाये॥किनकिनकौ॥प्रगट
हीसततैतिनतिनकौ॥३६॥
नहा॥अस्हृदेहसेंअैसी॥प्रगट
रकषोनितजैसी॥नतोकोम
रबांधैमतिमंदा॥अस्थीनाम
ालकोफंदा॥तुचारुधीरमांस
॥अरुअंत॥मजामेदरोमन
दंत॥निषामुत्ररेटकमलाड
ही॥प्रगटनरकको॥बाडु॥३७
तैंसो॥अस्तासंगो॥तिनके
साहजे प्रसंगी॥तिनकेइस
नितमनहोई॥देषौबिनो
कारनकोई॥३८॥तातैंतिन
दरसनैकराये॥

अवइ तिउांनी डेतेअतिमहाती
करतौ ४९ सखोदर्रातेलोवेनते
संगत लाजअांतपतेरपरेजलग
त्रिप प्राणहेलमनजीते सम
करवा दिनवैनिखितीते: ५० स
कलस्यां तिकळकालंगतिकवै:
रा प्र तेज्ञरव तामिसस्पुहरे: देता
तिलनों विस्व देलताई: अप्राणेम्र
श्रीमाकोरवालो ई: ५१ कोमैंबारे
तिजस्वरनबुद्दी: तपनावेअतग
तिलसुद्दी: या विखिस्योतिंतखि
दललोधू: तालें तिगासरीरवित
: ५२ तिंगासवीरवितेंनवल
तिवलेरलवरपग्यापनोंनजै:
श्री मोखितोलोखेंजांवें: बासरि
सा तातिरिद्धैतिलासांवें: ५३ कौ
मैं तिसयनोसांनरते बलेसों

नरकमैंदुषौ दुषलाभि
सूषकरिलेब्यो ३ गुनमैंसौंपज्जा
निदुषपावै ४ गनिपतंगपरै
मरिजावै ५ तौतिननकौअपरा
नकौ ६ आपदुःषकरिलेवै
सोईताते नकौपलदुनावै
मनमैंक्यौंपरस्यौकुनाव ११
मैंआपअंगनिमैंपरौतौज
रहौसकवनकौंधरौ १ दैलमल
नमलादुरगंधसौकरिजानौ
मलदुगंध १२ सोअपनौ
अबिर ।करयो निजानंदआत
मैं स्यौ यतनतौबलैतन
कौकलायेः तामैंममतागरैकौ
रहायै १४ मातापिताअपनौ
करिकहै ॥ सोयेककेकौमित्र
है केयहतनकहायैराजाकौ

कोऽजप्रजबिनसोहसैसहै निरंतर
मेरेसंग॥ तातें कहनसोहै जगपं
होत॥ उद्धवयेतोसोंकही॥ तीन्यौ
गुणकीवृति॥ अबश्रेडु ज्ञानसोके
जातेलोयनिरवरति॥ पद॥ इति श्री
भगवतेभाषापुराणे येकादसस्कं
दे भगवतउद्धवसंमादे॥ त्रयाय
गुणवृतिनिरूपणनामपचवीस
मध्याये २५ श्रीभगवानउवाच
चौपई॥ उद्धवयेनरतनसरसो॥
सकलसिधिमेंनाहीतैसो॥ यातन
करिमनग्यानसोपावै॥ जातेंभव
तजिमोमेंआवै॥ तातें पुरसतनपु
पाई॥ मो कि हि जिनकोलरकयाईअं
तरजामीमोहि बिचारें॥ औरेसक
लबासनाटारें॥ ये रे मन नहीन
केवलभिणजाणो॥ तो लो आपप्र
पमैंहनै॥ अनायासतबमोको
पावै कालबालनची जसोपावे

कै न्पावकन षिणासैजाकौ ३५
कै नृकौकेस्थान श्रंगाल कैस्रू
पनौ मित्रकैकाल पेतनश्क
कस्रोय किनकिनकौ प्रगट
दीसतहैतिन तिनकौ ३६
महाश्रसहृदेहलैश्रैसी प्रगट
नरकषानिहैजैसी त ताकौन
नबाधैमतिमंदा प्रत्तुनाम ३
कालकोफंदा तुचारुधीरमांस
श्ररुश्रत मजामेदरोमन
षदंत निचामुत्ररेटकमलाड
खा प्रगटनरककोबाड ३७
तातैष्या श्ररुतासंगा तिनके
नसाहजे प्रसंगा तिनकेइस
हर्नितमनहोई देषेबिनो
बिकारनकोई ३९ तातैतिन
कौदरसनकराय आपुलाश्रापु
नरककेपरायजायइहापशु

माया गुणजल कियाजोनेमेरो
ज्ञानयापकहि नांनै यौजो रहै
कहि मांनी तौ हिफिरियेकहूंनी
नी ४ पंजरयलोवेमेस्यो कवै
सुस्याघुसगनिस्तोनोहु : सिनुर
गुरुयसयपाजेते मन की
चलोल्यागोयितेते पको रूसा
नू येके कोसग तोहु गयानध्या
लकोनेगा : श्रुस्तस्वगनिरजय
लोकवे : ताके सगनकमेवरे :
सेस्प्रयग्न यके स्वगकूय
नेलोवेस्तुष लेग : याकागाया
साके यक : ज्ञातेपुयड्रे यरसव
येकें : ७ जलयुकसाखिनल
नो तौकेसोनसागरमेलनी
लतयुस्त्री नामोडाई : ताकै
आ नाप्रियमोली : रोडापुर
लौ जोककरसयलौ : ताकोम्रानं
लौ यलौ : श्रायनमलोगलरोति

रघुनिवारै आनंदछबिहियमहुं
संगातिरहै ४० तबपल मनस
लझिलोचिरलोई कहेबिकार न
पनेरैकोई तातैजो ब्रानकौंन
जै भूसख्यौ तिनकौंछुबिलजै
४१ इसपरसमूह सरवृणनि
वास सबनावनितैमानैयु
स ईद्रौपन्तुकौबिस्वासनकरै
ज्यानबतिनसोपरैहरै ४२ मन
पुरषद्रैजोवननकौहि तिनहि
कौंसबसगमुखि तौद्वैजग
तैछुटैचरै तेहमसैकोंसंग
तिगरै ४३ तातैमैसबसंग
निबारौ आपतिचरनकमल
उरधारौ दीनबंधुकरणामय
वानी कृपाकरी यह ४ सुत्रजा
नी ४४ त बा तैजोचै
सोबिधिबचनकैहेनरराजे

सी सो मिलि सुकरि निर्पकै उरबसी
ऐ उरनातरिलै बैजबसी॥ नगन
देषूं समै बिनतबसी॥ तबताउर
बसानरपबैन सुनावे॥ मेरहृय
उरनाकोलैन नपावै॥१०॥ ऐसे
बैन उरबसी नाषे॥ राजासुनि
हिरदामैराषे॥ करैभ्रसभ जोग
निरंतर॥ बिबैन जिनतापरे
श्रंव॥११॥ बसो स्यौं श्रापकुकीति
जब भई॥ तब तजिउर्बसानर
पलागई॥ न्रपबिलापकैरे
बहोरावै॥ परिसो नभपकावै
नजावै॥१२॥ राजानगनदेल
बिनाली॥ बांगीछिपकलदीन
मालो॥ लजुगारैलमतमदन
बस्यौउरबसीबाछैतहै
बहोप्रापातुमझकारतो

तजितुरबसीलोकसुषसाज्ञा॥
ज्ञानलह्योसबससयटास्यौ॥
मननिश्चलकरिमोमेंधास्यौ॥
४पतातेंउद्धवयेपुरषारथनर
तनपायोतबहीस्वारथ॥जबस
स्कोसंगतितजो।सतसंगति
गहिमोकोंनडेरे।४६।सतबतां
वैंहितउपदेसे।जिनतेंसंसय
रहेनलेस।मनकोसबभ्रम
छिनिवारें।सतमहानबसाग
रतारें॥४७॥निस्पृहनिर्धारनस
बदुसें।सत्य नेंरहितद्वंदनलोप
रसें।प्रत्यकारममतानलप्रानें
मोहितजेदुजानलजांनें॥४८॥
तेजदपिउपदेसनदेवें।तेहमो
लिचैंहितसेवें।तलकथामेरी
नितिलोवें।तेलाभ्रमसदेहन
यावें॥४९॥मेराकथाब्रह्मजकें॥

दासमैतौलैकहूनदासनयो॥ बडे
उपलासकुवजगमैनदिषाईये॥
कहैजनजगतहमजक्षिकनाकी॥
अकसैयहलोगरयताईरी तिननमैंन
आईये॥ जनकातौबातव निश्चोहैस
बजनतासौ॥ गुनतो कौनैतमैंरप्र
गुनछिपाईये॥ आयेहरसौंजितौन
मूढमैनजो निसकौ॥ आलैप्रवक्यौ
हथ्यायेपायेलपटाईये॥१८२ श्री॥
[illegible]चा[illegible]जू[illegible]टी[illegible]॥ रूपमैस्वरूप
सेवाकरिअनुरागनेंर हरैभौरजीव
नकौजालनकौदाय॥ सोतौलैप्रका
मैं सघरस रैविलासकीयो॥ अतिही
हुलासफलनैनिकोलीजाये॥ चा
तुरीअवधिनैकआनुरानहोतिकै हू
चहौदिसनालारागनोगसुषकोजी
ये॥ बलनजूनामलायो॥ अपुभनि
मरीति गोकलमैंजनामजानिकै

मनराजोहै ॥१ स्रुगोकुलकै देषिबे
कौं गयो येकसाधू : सूधोगोकुल
ग मैंनत्नयो : रीतिकेंछुन्यारीहै : छौ
करके बूधी प्रबटवारूंलायेदीयो :
नकीयोजाप्रेडू सनसधनयो [illegible] यौ
नावीहै : देखेआयेनाहीं मून्तूफेरि
आयपासिआयो : चिंतासोंमवि
नरेषिकलीजानिहारीय वैसेही
सरूपकेई गईहे जिबे ल्याओ नि:
लीजायेपाछौ निकस्यौ सेवा निति
चारीये ॥१८४॥ भूलिगई आषेत्रुनि
लाधेपत्त्यो निकोहे : देजूबता
येमो हिपाउ निजसरूपते : कहाजा
येवाहाठौर देषौ प्रेमलेषो हाय :
लाये नाव सेवा करै मारगअनूप
है : देषिके मगन नयो लाघो हुरिधा
रिहरिनैनन्हरिआ येजानो नक्रिया
सरूपहै निलदिनलग्यो पगपाउ

तैसेबपापनितैनिसतरै।सु
कहैअंतरगतिध्यावें।अंतिम
इसोंपुनितिबधावें।५०तैसेहु
लालहेममनहीं।सहुहेलो
सकलविकिरहीं।मेरानहिलो
नरजबलो।पूरणकोंमनयासो
लबलो।५१तकोंकछुनकरणोर
है।ध्यानोंनरहरूपममलहे।
सीतलनिरसाकहुलावेंकोइ।तिन
अनुरागनिबजावैसोलो।५२लमनू
पार[illegible]सदजलाजावें।त्योंस
[illegible]सबदोषमिटावें।येअपार
सागरसंसार।जामेंबूडेजीवअप
र।५३तिनकोंनावरूपकलायेस
सनरूपगुरमममहरहु।ज्योंअ
[illegible]निराधैअलार।मेरासरणिहु
अंसेनलार।५४जोपरलोकअहे
रसबचनजोनों।त्योंस = तारके

पतिदूर्गाअरुबसुदेव॥२१॥कि
जोरेहरिसुनकेवचनदेवरखित
बदनपुकअतिबाढे॥सबती
नकूं [illegible]॥बिनयेन
मताबेदनआदी॥२७॥बदनअ
रुक [illegible] रतुसार॥कुं [illegible] कूंअमृ
र रसृगंजलनीर॥प्रथमेलि
छूअके [illegible] पकचढावै॥निर
लजलअआचमनकरावै॥१॥प
पुनिसुगंधअरुदेयेसनानै॥
चबदनमनकरमसीसनावै
पुं [illegible]
आदेपु [illegible] पहरावन
रुपजैबुजयेहूतेसकलआ
धार॥नमोनमस्तेवरनपार
जैसेत्रमंत्रउचारे॥सलअ
सिरपाअंकृतिबिसारे॥४०॥बढ
जनेअअसरुआचरण॥पूर्णअ

धूकांनौं॥ जिनकैलिरदै पुग
॥तिनबिनबोनव
पपज्योबालरि
ज्रियेकमयौंउरनयनजुम
पितालितक
घदुबज्ञारी॥ पधि
तातेंसंतसंगनितिकरणो॥ ज्यो
तिरदैचरणो॥ ति
॥स्वलाप
॥पंउतबपुस्र
॥सोउरबसालो
॥तबतजिनयोकूात
ारांम॥बिचरयोनूमैकनैल्क
॥ताते प्रसत सगपरतरीये
कसंगनिरे
स्रा
॥सुब
॥४५॥
ता॥ ज्योंसोसाध्यप्रसाध्यको:

गतिलकादिककरण॥उतमम
लाबहुतसुगंध॥ग्रेमसहति
सोमनबंधे॥४१॥बालजोग
आचमनकरावै॥कुसमसुग
द्धरूअपबनावे॥बहुतजोति
रताउतारे॥नानाबिधिनेवेद
धारे॥४२॥बारबाड दूध बूतदध
आपसी॥लाडूपूवासुहारसुर
बिजनकरै॥औबहातेरे॥बिनौ
लगावैबहुतामेरे॥४३॥निति
दासोउबटनोतेल॥अन्हवावै
पंचामृतमेल॥फूलकारइसन
आइस॥गातनतबादितसुप
रस॥४४॥बहुतजोतिने बद्दस
वारे॥नितनासातोपुबनटारे॥
बहुरिकरैपावकमेपूजा॥कोवि
दुताहिनजानैदूजा॥४५॥अगनि
कुंडमेअगनिताधरै॥समपक्व
हुताहिकहोमताकरै॥

सुनिसतिज्ञासंसंगातबउद्धवत
नपूछायोकेरनपे [illegible]
[illegible] ऐतीश्री [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible] हेप्रभु
याकोरेष्ण [illegible] नाथेकोजो
गविधिजेसो जाकेकरतहोय
सत [illegible] संगतपावेग्यानहोय
हितसंग [illegible]
कोपूजा [illegible] तनको
[illegible] संग्रहता
[illegible] गुरुसदसपतिश्रमविस
[illegible] लमुनार जे
[illegible] बरनश्रीपियम [illegible]
दिविलिसे [illegible]
दिढकरिबिधिहिरदेगहो

पद्दिपहिमकमंत्र जिनकेंदे
[illegible] किरिलोमसोम्रा
तां [illegible]
तपत : बरणतुल्यछबि
ग [illegible] चाहचतुर तुजम्रासु
संग ४७ पा बसनकुंडलमा
माला सीसमुकटकेटिसत
बिसाला चुगलताभसल
छमीम्रादि बहुबिधि भावै
पश्चनादि ४ चपु निनद्दांदिप
[illegible] बिधिबिधानस
जेजेते जपे मूलमंत्रबहुबार
जाबिधिबछे प्रेमम्रधिकार
४८ पाछितापरसा लोलबलव
रिसबनकनकोदवे म्राप
यश्मापत पावे प्रीतिसत
तितोजापेतावे ५० पुनिम्ररपे
सुगंधतभूल लमभालतु
मफूल मेरेगुणठेप [illegible] गा

सु तिन भगवा दिक सुत निसुन
यो॥ सो जब हतें जबां नीपायो॥
जेते सकल गुण आसमो अस्त्री
श्रुत्यजु सबको धरम॥ ये पाबि
नु और धरम लै जेते॥ मालाका
ज कसे ते ते॥ या बिन और धर
म जे करे॥ तौ तिनतें फिरि बह
नपरे॥ ५ या तें सब धरमनि
कौ धरम॥ पालौ हितें करि सब
करम॥ तातें पूजा बिधि बिस्ता
रौ॥ करयौ करें जो बहु बिस्ता
रौ॥६॥ तुम रघुपाल सबके हित
कारी॥ सुनत सकल दुष भ्र
मलारी॥ सुनाये परजु पकारी
बैन॥ बोले हरि पिक मसदल
बैन॥७॥ श्री भगवानुवाच॥ उ
द्धव याको अंत न पार॥ मम पू
जा बिधि बहु बिस्तार॥ पर

जो मन नावै प्रेम बढावै ॥ मेरे गु
ण अरु करम सराहै ॥ पुरण
प्रेम सिंधि प्रवगाहै ॥ कथा नि
ति मम सुणै सुणावै ॥ जो बिन
कथ हूल पलट दरावै ॥ ५२ ॥ चर
ण पलोटै सैन कराई ॥ मुष तैं
नाम न्हू तिन लाजाई ॥ आकृत
अरु सहस सकेव स्वेदा ॥ जे ई जि भ्
अरुक तिके नैदा ॥ ५३ ॥ तिन तिन
सौ मम अरुक कर ॥ बार बार च ति
रणन मैं परै ॥ पाछे प्यारि ॥ जो म
रि कर दोई ॥ केर दान के बिन तो
सोई ॥ ५४ ॥ ते प्रन्हू नव सागर तैं
तारै ॥ काल मृत्यु है सोक निव
रै ॥ तुम बिन मेरे और न कोई ॥
पानु चरणनि का जु सोई ॥ ५५ ॥
हिरदै जो तिजो तिमै धारै ॥ नर
तिको सजु बिसारै ॥

तौसौं लछुप जाहि तामै
व सकलकौल्यांउँ पूजा
धिहै तीन प्रकार बैदिक त
त्रिमिश्रितसार ४६ अ
बैदिकअग सोकलोधुवौ
परसंग ये लात त्रिकमि
श्रितजांनेः वो
नै बि प्रस्ख चित्रां बैस्यवैबरा
यनकौ जा बि धि पूजाकर
१० सो समस्त बिधितु मैसा
जीव निकौ कल्याणनुप
प्रतमां त्रिमग निउल
बाई दिजअस्ल्याप्यु प्रकेस
गाई ११ अल्लसबलोनमै
जांनै जथा जलप सब जा
युक्ल प्रस्न कामि न नरा
मानुष बुधि दरि कारनांपै
१२ सू हलाये जलमा सिंग

तैतों देवै तेसमस्त मनमूरति
तेथे पद्मकेज्य विधिसवमे
पूजा मोकोंछोडि नजाने दुज
या विधिकापाडे गमनल्या
वै तामे मम व्रतमापचरावै
मोकोंकैरवाय फूलवाईजा
निमलोमवकी ... पूधि
काई ५ ... मनहितसरावर
तादिकदेवै बहुतनातिमम
नातनिसेवै ममपुजापूर
लकेहृति देउगावै पुरुलाप
ऊरुषे दत ५६ सोममसवेल
सुरतापावै तिहुं लोककोस
कहावै जो ममव्रतमाथापर
करै सो सबनूपतिलोकपू
दै ६० जो मेरेमंदिरसवराव
तिहुंलोककोभूनतापावै
पूजादिनहूलकोलोक ज

स्नानादिक सकल लोगग॥

॥१॥ सवैयो

बरणनिके धरम॥
नि तिनको न जेहते
वेद सकल सेतिजैगी॥४॥
रिअन सुमरणलोई॥
करन निकोसोई॥
ये भक्त धरम॥ अनसुमरण॥
बिनु बंधन करम॥ ।५।ब्रव
नाबो जतकाके नेद॥
त्यनला मिटै नवपेद॥ येक
सिलाकी मूरति॥ येक काठके
तोम मस्तरति॥ १॥ पेक ले
खि चंदन करायै॥ येक चित
रपुसक स्पषि चलायै॥

नतानानानैसोक॥ ॥तानूंकी
पैलसैबैकूंटह्कालीहैकसंब
हतेंप्रकूट॥ज्यायौसवैकन्है
मासोमनमेंरत्ताहिलसैसुषपा
हेनरसैकाकीत्याकेत्योसवै॥सं
तनमनसबमैकौरैं॥सोपावै
मैरोनिजग्यान॥सवैकोदिष
टैसबज्ञान॥पूतितुरनिपुर
भिपनिकेरी॥१प्रसंजोकहि
ईकषसेरी॥ दईप्रारकोकिब
प्रापू॥ताकिसरैंकस्योसबपा
है॥सोसोईकिरवोनिजमानें
करतापेरकतथासदाई॥प्रन
कोरक जिनिरूचितुपजाई॥
सबलोनकेफलसोपैसला
चैतननाबेतमन्नावे

येकसुबरणसंवारी॥ येकम
नोमयेमनमेंधारी१७येक
मृतकाकीलेकान्॥ येकर
तनमणिकरिलान्॥ येकम
प्रतमाऽपूप कार॥ तामेंम
मकोडीन ऽऽट११ नमे
लोवेनिश्चलजेती॥ सेतादि
क निकरावेतेती॥ साल्यरांम
अ दिसैजेती॥ केरातनजो
नि तितेता॥१५ औरसबुत
कोपूजाकाल॥ किबाजाने
निगोपाल॥ लेपिलिबामार
जनकले॥ औरनिसना नर्
ति रे॥२० उतमसामग्री
सोंसेवे॥ ततनतधनसब
मोकोदेवे॥ जोलेकोमनस्के
पटाहोई॥ करेनावबहेमो

ह्या। हैत्या। यांविधिपूजाकीव
रै ताकूंतपजैज्ञान: एतातैंमेरा
पदलहै: ताकौकरै वषांनै।३ए
५५।६६६।। येतीश्रीनागवतैतापु
नांधीयेकादसस्कंधेश्रीजगवद
उद्धौविसवादहो। नाषायांश्रापुरुष
पूजाविधिनिरूपणनांमेत्यसत्तावि
सोध्यायो।२७।। श्रीजवांनवि
यो।चोपई।। ऊ. वतोकोनाषूंसां
नालातैलल होहितजिश्चान: वे
र्भतमनमध्यमकर्मसुनाव। जेस
बजगमैनांनानाव। ।तिनतिन
कोनिंदानताकरै प्रस्केलोक
छेप्रस्तुतिविसतरै। प्रकृतिपुर
छनिरमतसबजानै। येकजांनि
सबनेरहतानांनै। रहुलाश्रवि
कारनयेत पे। रु पदेवमम
सतजेजेवहविधिकरमसवन
व। तिनकोश्चानेनाकश्रनाव:

कोसोईभिर।।उत्तमवस्त्र निमनक ।।१।।
रिलावै।।जिमसदतिसबमोहिव
डावै।।उत्तमविधिस्नातकरावै
वस्त्रअभरणादिकपहरावै।।
२।।अरगानिभूतादिकसोललाक
रै।।धणीरबिअस्तुतिबिस्तरै।।
जलकूंपूजेजलफलफूलजा
नैमोहिसकलकोकल।।२२।।न
हिसत्तातिजोअरैतो।।३।।ताहूतमें
कोसुपहोइ।।तोजोचूपदानप
नईविद।।मोकोबहुविधिकरै
निवेद।।४।।तातामनसाकन
लपानो।।ज्योनत्यामेंसोपजानो।।
तातेमेंनितिप्रीतिप्राधान।।ता
वनकानोजातिविलान।।२५।।अ
बनाथेपूजाविधितासो।।
थानकोसुनीपेमोसो।।
बिवकेरेअसनोन।।

३ तौसौहोयेअरुयतैंनष्ट॥ मैया
मोहव्यतप्राकृष्ट॥ मिथ्यामोहि
चितकौजैसैं॥ तातैंमूरिषज्ञांमें
मेरौ॥ मेलानहोयेजबईद्वापदेह
सुपनलहैतबप्रातमयेहो॥ ज
हांमनलग्यौतहांतहांजावै॥ ब
हुतनौतिकेसुषदुषपावै॥ मा॥ मु
निसुषपतिमेंहोवलीन॥ मरण
कहांयेअरुतैंमनहोन॥ पौसुषप
तिअरुहैमतसुपना॥ जनमम
रणबहुसुषदुषउपनौ॥ ६॥ जो
जगसोवैतौलगपावै॥ जागत
होकछूवैनरहावै॥ तोयहसुष
दुषपावसपूनि॥ जनममरण
सबजाणौसुनि॥ ७॥ जोपेयेसब
हैतअसत्य॥ मौबिनप्रोरकछुन
हीसत्य॥ देषनसुननकहेननैं

जैसो ज्ञान॥२०॥ मूढा सो इस लख
पुष्पकों स्वर्ग हैं॥ तिनि रिन हि लखैं
रुनकों नर्क हैं॥ बैकुंठ कौ पुरुष
प निरूप भूत मांके स्तुनकों
२२ स्वच्छ लियौ लिङ्ग प्रास सल कै
पुंगा लिख न्यां सं तो छिस्नतै॥
ज्यास कै सौ सुन मर लिग्य गनि
कोलै सूस नोल पुस गु॥ रटा
न लो बंधान तेन तो ग्यो नरै॥ दुजे
रके चात रहि लि गौरै॥ जनस मेव
नु रवको लि नकौ॥ लास्नमोलि
नलान कैराटि॥ सुरछ पादु
कितर कैरै॥ तिन पातर तातै
नलौ॥ जाल पुरुष तिन मैं
॥ जापन प्रि॥ लोचन कै
नाके स्प पन्नौं कि तो नाटु दु
नाल स्प नहि स्प कै हु लि कै
सन नौ याचं

द तेसमस्तजोकछुहैनाहीतैसु
नसूसुनकसैकाम्मी ।जदूप
है मिथ्यासंसार तैहुदुषकोवा
रनभा ।तौलगदेहबुधिन
हिछूटैजैसेअपनीछाँनिकी
फांई ।अरु प्रतिबिंबसिहकानां
ई ।१०सोपरूप जेवरामेंसांप
ज्योंअरुकाग तिरूमांहिआप
हैनांहि परेदेसोजाणैतिन
तरूप अवहवि ध्यिवांने ।११
जौलगमिथ्याजानैनाही तौल
गसंकल्पनर्यन ।जांईहै
तनरूपयेसं संसारजतौल
गकछुहैआकार ।१२छूलत
नछूहलतेपजावे छूलछूलनअ
ध्यारहलावे ।छूलकेरछूलअत
पाल छूलसूपछूलकोकाल
१३जैसेजलबूंदबुदजलमांही

जलंतसौतें आलोक॥३॥जैसैं गृहमैं
दीप प्रकासै॥दीसौं आवै तनकी
सिंतजासैं॥पूजा पुंजसौं तनमे
पेलोई॥४॥किरनातिमैं थापै सोइ
॥४॥सोगोथ्यासमूहरै तनपूजा॥की
ई॥रावनर्ते यजौ पूजा॥देव अर्द्धि
पाद्य॥आचमन॥व्यैपुष्पदल
पंकज सवला॥रलाले परिपूरण
पैं चरनकौ॥सकलसरूकी रवि
ससिभूषण व्यादि
परमपुरुष श्रीभगवान सबको
मूलसदसहस्र॥१॥
आदिस्वरूप ह्वैगौ॥आगमा लीलतं
तौं उरजानिहै॥
चंद॥
चंद॥१२॥ष्ष्प्रस्तुत
मन डारो गरुड़ जो रिक रघुपति
प्रिय धकसैन जोग गुरदेव॥

जसकौं छोडि दैत कछु नांही ॥
तोहि बिलसत सब येकु है ये
नरमैं जावु अनेक ॥ देवि रिंपु तें
सब जानो निरमूल ॥ ज्यौं कर गला
रि गगनि मैं फूल ॥ विगुणार
चित यह सब जग जानि ॥ तिन
गुण ... के माया के जानि ॥ १५ ॥
जोय बिधि सब मिथ्या जानि
... ... हिरदै प्रानि पर
जद्यपि सो जग मैं रस तौ रविन्यो
गुण दोष न लागे ॥ ... अनुग नेंप
न असुन्न देषे ॥ मिथ्या जोनि
... करि देष ॥ ज्यों ...
टादिक देष ॥ उपजत बिनसन
मिथ्या ते ष ॥ १७ ...
...
ति ... ...

ज्यो॥ नागपूरनसोपूरंचमढ़ अतका
रकूपाभ्रनस्यहै॥श्री रूप॥मरजो॥संत
सोबिजोलेंसबे॥ प्रगटप्रेमकलजु
गप्रधान॥नगतदासनू पैकनुप
सरबसुतातहरिकोंनों॥मारिमास्कि
रिखडगबा जिसागरमेंदानों॥निर
सिंघकोभ्रनकरतहोयेहिरनाकुंमा
स्यौ॥वैनयोदसरथरांम बिछुरतत
नडास्यौ॥कदस्सहामबाधेसुनें॥सु
॥तिसोछिनदीयेप्रान॥संतसाबि
जानैसबै॥प्रगटप्रेमकलिजुगप्रधा
न॥४९॥टीका॥श्री न क्रि दा स नाम
कू लखै पजू जी॥संतसाबिजैजानैक
लिकालमैं प्रगटप्रेम॥श्रबउेाहाग्र
सतजाकेनक्रिकोभ्रनावहे॥हुतायै
कनूपरांमरूपततपरमहो॥रांमही
कोलीलागुनसुनैकरनावैहै॥बिप्र

सोसुनावे। सीताचोराकौनगावे सी
येपरोत्तरिग्रावे। वे जनतसुनावै।
परस्येइजडूषी। निजसुव। ९८हापेदीये।
जानेनसुनाये। नरमायेकायेद्वा
वसै।१०६मारिमारिकरिषउगनि
कास्पलाये। दाये।द्वारासागरमे
सोव्रवसुग्रायेहि।मारीयाहाकाल
इष्ट रावनविसालकरो। पायेनके
देखेसीतानावदगमायेहि। जान
कीरवनदोउदरसनदीनो। व्रनिबे
लेबिनप्रानकाये। नीचफलपाये।
हे सुनिसुषनयेगयेसोकहिर
देदारन जीस्पकौनिसारनयेफे
रकैज।।१२८।।१६७।।लीलानर
न।।पा।।ति।।ती।।ई।।टी।।।ली
लाचलधांमतानालीलाप्रनूकरन
नेयो निरस्थिरपयचारि। सोचे
मारिडारयोहि। कोउजानेदा दोजके

१०॥ अस्तमोहिकरिदेषैजुनमो
नहिजाई ॥ उत्तमसुनहुजोस
खिकौन। ॥ सुकृत ॥ अनुपमअ
पनेअस्थन ॥ ४८ ॥ निराको
रतेंचेतनहोई ॥ सबआकारसो
सरूकोई ॥ तातेंसबमिथ्याअ
कार ॥ चेतनब्रह्मसकलआधा
र ॥ २० ॥ अस्तुतिकोगुणमबि
चारै ॥ नेतिनेतिकरिसं ।पुका
रै ॥ अस्तमोदेषै ॥ २० नवमोसि
नामन ॥ घरहसूपाहारा ॥ राग्य
नमरहैहृतेनोआदी ॥ उत्तम
निरमलब्रह्मअनादी ॥ ऐसेबसै
विधिकोबीसार ॥ मिथ्याजो
निगुणआकार ॥ २२ मनक्रम
बचनहोयनहेसंग ॥ ब्रह्मवि
चारहोकैअभंग ॥ ऐसेजब
नकहैभगवान ॥ तबउद्धवपू

दैहुनेदूनचूलेंजोलौमसज
नसगकैरनसातालोजसैराग
लोयतनमांलीदिढकरिमुर
जुधास्यैानांलीसातजिम
गदृश्रुपगतिर्ततोसारी
गबहुरिबिस्तरैतौलकार
रोगनवकूलसो लगपनप
येनिरमूलजोलगसगमु
पधिलाकरैतोबहुजनप
भूवतैबधुकुटबसिषबहु
तेरि
देवतातेरतरापेबलाकरजा
गाकैकरमनिबसतरैसोति
पावगवतारबलोस्यौक
रैलक्तिबिसतारकरमप
धमैचूलेनाली मैप्ररकताके
तुरमाली पविविधिपायरगान
बिज्ञान दमैमालिमिदावस

कौ दिढ़ ग्यांन॥२३॥ छंद वस्तुबा ऐ
से॥ पुन्य पाप आतम अबनासी॥
चेतनरूप स्वयं प्रकासी॥ निर
गुण निराकार॥ नित सुध आस
दस्नाबुति सदा अबुध्या॥२४॥
ई सारसित सदा आनंदा सकल
प्रकास लिपै नहीं दंदा॥ असरूप
रहै तस कीक रिहानां जड असु
ष कैसा वैसा न॥२५॥ लालें तिनको
संग न सोई॥ मन बिहि॥ सैस प्रस
प्रदोई॥ कष्ट अष्ट ग्यान सौ आतम
मोसी॥ असरूतन सौं छुल्तवेनी
ली॥२६॥ आतमकौं अन नसी
कोई॥ असस्आतम आवरणन
होई॥ ऐसें संसार लहें सो कोंन आ
तैसूष सदा सुषसोन॥२७॥ पर
कैसे कृपा मौहि समझावौ॥ कैसैं

न ।७१। तबताकौ तनकरकै निक
सै। लेनदेन ब्योहार बिसतरै ॥
पूरबसंसकारकरवावै॥ बिधि
कौ लिख्यौ न ... मिथ्याजावै॥
७२॥ सोकुनाम ... नहूतसुष
माली॥ तातैकरतेजानैतासी॥
जोबैठ्यौ घरठाडोहोई॥ आवैजाय
कहूंतौसोई॥ ७३॥ सुपनषायेजल
पीवैसोवै॥ ज्योंआहारदेहकौ
होवै॥ सोसोकछुनजानैजोगी॥
निश्चलरहैब्रह्मरसभोगी॥ ७४॥
लोकबहुरदेषैसंसार॥ द्वीपजग
चरबिबिधिप्रकार॥ तेलेकहू
सतितजिजानै॥ सुपनबस्तज्यौं
जागेमानै॥ ७५॥ प्रथमप्रातस
मै तेअबलौ॥ प्रापतिजपौप
छितिसोसब॥ बतोस्योसोसो
बिद्यापावै॥ तबबहुमानीतिजके

नरक्ससहैलह मिराह्वौ ऐसौक्री
वपूष्ठोञोन तछछ्वोाखैसह
मतिचागधोन: २८
आलमछोलोसम
२: अररलिनछोनलोडेआखा:
तिलझंनैतोडौअबिछ्के:ताल
कौ नवदूधअनेक: २ध्डाध
देस आधााबननवछ: धनलोझ
आलिमलबिध: तालैआ नाले
संसार: कलदूधलाला झका:
३०डौलगलौडंनसौ संबंध:तौ
लगयआलकडालेछ्य सोझ
झांलाक रौमखडाछौ:नांतो
कध्रूसलकसलकादि नातौ: ३१ज्ञ
चाविनिद्यौ [illegible] र: धरितक
कतंबा [illegible] संदाजोवद्धव
मैरनि ब्राबधारलनधाइगांद ३

तिछिटकोंव ... ॥१॥ ...
ताकौनलागलै मो हिंजो निमो
हीमैनहै॥ प्रथमतोजबमोकौ
नहीजान्यो तबमोपासुपंडत
समात्यौ॥२॥ तेसोजबमन
सरीपालीसुनाव॥ ... प्रसादभ्व
ग्यान मिटावू॥ ... पाको ...
... है नै॥ परमान स्वपष
हिमानै॥३॥ ताते आपलोगली
उपाधि॥ ताकोतजैजो निकरि
मानि॥ सदा ... रतरमानस
बहै ... नवसागरनलावह
॥४॥ ... सकलतलाष
हम परिरवि ... नवपद
हम रविसं ... रिजबह
है॥ तबहम ... है॥५॥
रविबिनुप्रचकारह महो
नाहेकोई ... नजावे रविसे

जैसे सुपनादि ऐसेकयूनांसे
परिसबसां चौनिद्रा मांही ॥ जो
जोसुषदुषमनमे आवे ॥ सो
सोसकलसुपनमे आवे ॥ २२
हैनांही परिहै सो जानौ ॥ नांना
विधिके सुषदुषमानै ॥ जाग
तताकछुहै येनांही ॥ सबव्योरे
रहूयाकि जांवही ॥ २३ ॥ सरषसो
कन्नयमोहकूपसलो ॥ मे ॥ पुष्ठ
क्षेच्छभूसोनासो ॥ नजनमस
मरण विकारजलांलो ॥ अहंका
रकेसकलतरांसो ॥ २४ ॥ आतम
सदायेकरससरहै ॥ पूर्णकरस
गतिदुषसहै ॥ इंद्रीयदेहबुधि
मनजानं ॥ सुत्रसदमतांतत्वअ
निमानं ॥ २५ ॥ येतसौं मिंकरिअ
तमयेको ॥ मायाकेसुषगहैअ
नेको ॥

जोग प्रकास सही पावै॥ तब सब
देषै तम को मिटावै॥ ८॥ पीतनै
नसी कालअलेप॥ अ प्रकार सो
नपेन लेप॥ ते त्यों कें त्यों तम नहीं
मांही॥ परि रवि बिन कछु देष
नाही॥ ९॥ रवि तै तम उपाधि प
रहैरै॥ आप प्रकास प्रकास सी
करै॥ त्यों पर आतम केरा रूप
स्वयं॥ प्रकासिक अम अनूप॥
१०॥ जन मकरण मरजादा रहि
ते॥ काहूं करि कबहूं न लागलि
॥ दूर रहित आप ही एक लाला
रै ये दे स अनेक॥ ११॥ अस तनुभ
व सकल अनुभाव॥ जासे के
केन करम सुभाव॥ नित्यानंद
सदा अति सुद्ध॥ सदा निरालस
दा प्रबुध॥ १२॥ जो करि इंद्रिय
तन मन प्राना॥ चेतनि के बल

कैरै॥ करमनिकेब सिजनमैम
रै॥३१॥लिंगबंध्योरहै निमैत
वै॥ तिनकेसंगपसहाइसपावै
बुधि बचनमन प्राणसमार
मैतलरहाय करमसरीर॥३२
सुषदुष दुषममता अहंकार
[illegible]नकोनानाबिधिसंसार॥
जोनिरमूल सकलहाजान
जोजेबरासापतेमानी॥३३
ग्यानषडगत्तजिमोहितुपावै
गुरसेवासोसानधरावै तासे
कटिहोय नहैसंग॥ बिचरैसब
देषतमनभग॥३४॥गुरकेबच
नाहिरदामेधारे॥ आदिग्रंतिश
ति बिचारे॥जनममरणदुष
पुतचितजिमज्ञानलहेषु
दहम॥४१॥साधनधरममाहि
थिरहोई॥ आतमदेहबिचारे

ख्यिलानां : ज्ञेलोकमां
त्यजानंडावे : आरकोनविहि
हाकुपावे : ८५ वरिजवमो
नं हितो नयो : नवतोकोस
जुबलरसिरिटिगया प्रथकारग्र
यात्रजोन : जोतेंइरि नयासे
नांत ८६ नवबनस्योमस
शाप्तोडावे : नवसोजोनग्र
कास्तोसावे : तातेश्चोडिसव
रत्तुपावि : जोकोबिनुकरिल
तीख्यापि ताकोप्रबहि
चरनोली : जुबोबिनोलजोन
हीडावि : मोकोयायसकलप्र
लनो : अरेबरनानकोप्रवनस
नोविप्रकासिहिर्दे लनजैस
सनप्रकल्दे नरमप्र
नोपुनिसे : नोबिसरा
कोलादिसमावे

दोहा॥जोयाजगकाआदिस्वरूपत
सोलीकल्पितविचारैसता॥२॥आ
दिस्वरूपतिसकल्पितमैयेक॥नाम
रूपचराचरसरूपअनेक॥तेम
येकरूपोआदिस्वरूपति॥कल्पि
कायेआवरणअनंत॥तोकधी
तेमस्खोइदिनलो॥आनाजोबिचा
रैदेखेज्ञान॥मिथ्यासकलना
मआकार॥तेसकालवायेकै
विकार॥३॥मत्तेजोजगआ
दिस्वरूपतसो
ईसेतत॥आदिस्वरूपतमैयेकअ
रूप॥सोईकल्पितह्वयासबरूप
॥४॥जायतस्वपनसुषोपतिअ
वस्था॥आदिस्वरूपतिकल्पि
तास्वस्था॥ईनकेनासनयेजो
रहे॥सकलकौडिताकोंवृधि
गहै॥५॥दीयेआरुस्वइदायेन

मोमैंरहतेंनमायालावें॥९२॥ऐसे
मायामेंनहीं॥आवें॥तातेंनित
लोकोमैंरहै॥कोमिरिप्रमान
देखालखै॥९३॥उद्धवइतनोंईप्र
ज्ञान॥जोकेवल॥मैंजानेंना
नों॥सूलबिनाकछुइजानातो॥
जैसेसांपजेवरीकालो॥९४॥देल
देखजडमिथ्याजानो॥चेतनए
कतूलकरिमानो॥अरुयलप
चवरण॥विस्तारजुपजेविन
सेबारंबार॥९५॥जाकोंमिथ्या
वेदबखानें॥अरुतपोगुरला
करवानें॥अरुअनुभवतेंप्र
तीदेखें॥जगसुपनजगतप्र
लेखे॥९६॥ऐसोजगतप्रतिजो
जानें॥पुष्पितवानीवेदव
नें॥अतिनसीतेंकेवचनोंविचा
रें॥उरेकहैतेंतरिजआरें॥९७॥

केहेवाइदाय विषइनकेबहत
वृ ते [illegible] के बित
नोहो सति लसोजामो
लौ ४७ जाहि प्रकासतनकर
प्रकासे जाकोसक्रिसतिसे
नासे कुपकोकुपक्रणनिको
करण करकेकरचरननकैव
रण ४८ नासानासनैननकेन
न जिह्वा तबैनकेबैन
सोयाबिधि सकल प्रकासेय
क ता बिनु मिथ्यासकलप्र
नेक ४९ येजेनामरूपबिस
तार जिनसौंपूरणसबससार
तेसबक्यादिहतकछुनाही
अस्तनाहीरहेअंतहुमाही
५० तातेंप्रबह्म मिथ्यानाते
कारणब्रह्म निरंतरजानेन
मध्यश्वासोसकलबिकार

रमया नवमैंवसे: करमविहू
पति तिनकोवहुँ तातेकहन
पावैसुद्धि स्थ तातेतिनकेस
गनेज्यंत मूरषज्ञापलजातै
जोनि तातेविषईजीवसम
स्तोतनहीं धरम [illegible]
स्त ऐ तातें [illegible]
कलजो निकरिछो ज्ञानमे
रोनकनिरंतरकरे जाप
काल तलिषिलरे ५७ प्र
र्ज वजोजोगकला ज्ञपष्ट
गको बेदबतावे संबधरम
[illegible] नवमोच
[illegible] धनजोतो ५ जव
य [illegible] तनवबलाविकार के
रिनलोलकेनाहिज्ञषिकार
तातैयेनहोविधिविस्तर म

तिहकों मैं मोटी सार ॥ भो पे
तो कथ्यु सो सुंत्त समस्त ॥ आदि म
ध्य अस्त सबके अस्त ॥ ऐ बहै
बखि बेरख मानै ॥ सुंत्त बताये
है तसब जानै ॥ ५ ॥ आदि समस्त
तो कथ्यु नासै ॥ अब आ नासे
है मो लि मासी ॥ याते परे ब्रह्म स्व
मकरूप ॥ सकल प्रकासक
आप अनूप ॥ ६ ॥ ये बिचत्त तो
आ नासै ॥ ताको सत्ति सत्ति प्र
कासै ॥ ताते सकल ब्रह्म जाती ले
खै ॥ तजि करि रूप अरूप ही दे
खै ॥ ७ ॥ इनते परे रूप ब्रह्म जा
नौ ॥ अरूप ये सब ब्रह्म रूप मा
नौ ॥ हैत स्यौ दिनिश्चल के रहौ ॥
ज्ञानि ब्रह्म तो ब्रह्म सा लहौ ॥ ७ ॥
ऐसे जो निति करै विचार ॥ मि
थ्या जानै सब आकार ॥

सीतज्वररोगनिपसहरै॥ जैसैं॥
करितवपापनिवारै॥ मंत्र नि
ग्रहबाधादिकटारै॥१००॥ जोज
मनुष्यां अगदसोरोग॥ पेअ
ज्ञांन मीं सक है जोग॥ कां
मादिकमानसिक बिकार॥
जीतैसुमरणायोगअभ्यास॥१०१॥
मम नखनकी सेवा करै॥ ता
करि देवादिकप्रलटै॥ या बि
धिबिष्पैपसस्तनिवारै॥ मेरो
नजनहिरदै बिसतारै॥१०२॥
अरुऐकनसूढनकेराजा॥ सा
धेकरमदेहकेकाजा॥ जोपद
हिमिदाईचिलाये॥ देहमिटैफु
रैसुषलहाये॥१०३॥ मेरो अप
ज्ञातमायेह॥ याकौं दुषदाता
सोरेह॥ तादेहसीजेराष्योच
है॥

चेतनमे
त्राकरिहानबझावै पईपेजो
लिखूछेउ तिझावै तनधूर
तनसैआतमनासी अरूईंद्री
रूपबिचारैमासी इन्हतांपक
यूतेहोपसमान ५७ अरूजो
सकआतमग्रान आतम
देखपवनमनबूझी छितज
कोनहाजानैसूझी अरूज
लतेजपवनआकास ५ दसो
कारगुणचित प्रकास इनतें
भिंपुकितनमात्रापंच तेज
कोसब द्वैतप्रपंच आत
उआतमकोनहाजानै पई
मसकिईहासबवांनै
सकलप्रकासकेआतमपक
येजडजानिसबकेप्रनेक
बिधिजोमन बिचारि
कलजपाधिनरेकाटारे ६

१०४ सबके रोगडारादिकहारे
खासड्डी तिकै सतुनिवारै
पेरि कसतुप्पोलाकसवपति ब
ते रिवापवाद्वैद दसवंत १०५ कु
तुझ्डी तिह्नसारतहाइ छुटे
सधा नम्म तुव तोकोइ योगी
नदाहूलिरतरहे ताकौकाल
नतुवनाहसै १०६ ईसइत
गंम्रु सरस्रासातजै जोगजुक्ति
स्रुतिम नडै ३ योगादेतम्रु
सर्वोनी तिनकोदसतुछता
जानी १०७ नोविनद्धयाकै
स्रुनसुद मैरोयोग नजनते
सुद लातहै संत निनालोते
तोमोतेन्यानिनाली १०८ स्रुप
कुयोगा तिज्ञागा हृद्वै विघ्न
निवारि ... नि हृदै नाकैत

सोबनरसै ईद्रायैनथे तै॥ किंवा
पुरबिषयेन आरनै॥ तौहृताकै
कसौ गुणदोष जावतलौ॥ जिन
पायेकोपि॥ हो॥ जैसेंमनरबिश्र
उआयै॥ तौलिनसौकपुरबिन
होयाये॥१॥ अरुजाकेबहुरिकेग
याकेलोकपुरबिप्रकासितनय
हैरबिहपकनबहांजानेलि
पतिलोगतातेमेह॥ जैसप्रगट
पवनप्रमनतोई॥ पूकपूलिअस
हामनौलेई॥ हैरितुकेगुणसौ
तनउसनाही॥ उपजतबिनस
तरहैअनादी॥ यरितलीलिपति
लोयंआकासा॥ त्योआतमाजम
प्रकास॥ हे॥ परतौहृसगतिन
लौकरैआपागुणनिहुरियरिह
हे॥ जोलोके हैमैरी हिंदनस्ती॥

करैनसोई॥१०॥सब्बैजोगासे
माधिसहै॥ताहिकेमसर
णिबदावे॥हत॥येगमाहि
छाडे अहंकार॥ताते नहीं
वेस साथी॥१०॥ताते यहीं मोके
मनै॥ममप्राधीनहै॥आपा
तजो॥ममप्रसादतें मोको पा
वै॥बलसौं नवदुष्कर्मनही
आवै॥११॥सुतनावत जिजो
गसाकरै॥सोजन नवसागु
नतापरै॥जोगासोपरे बूझले
जैसो॥समिकजान[illegible]
तैसो॥१२॥जोगाये गिमन
जोरेजासो॥आतमबूझलप
कासेतासूं॥येसाध्यनहमन
लीनाको॥आगेजाबहूसदै
टाको॥१२॥जोसोवेसेरआदी
न॥आपलाजानसबकुलसोन

स्तश्चैवैसतैापैाकैरैादसरयकैायै
भावपूरैापास्यैाहैा॥हतीयेकबाई
क्रसनस्पसैांलगाईमिति कथामैं
नञ्चाई॥सुतस्निकसीचास्यैासैा॥
बांचेजस्समति॥सुनिश्रैारैन्नईगति
करिहईसांचारति॥तनतंज्यैामांतैा
वास्यैाहैा॥ट॥न्मल॥प्रसादम्रवग्प
जानिकैा॥पानतज्मैायेकैानरपति॥क
हकसाबनापेबातसबसाजगजांनैा
करतैहैानानयैा॥स्यामसैारन्नमन
मांनैा॥छपनमैातैापसलषीचकर
नाकैानावैा॥स्यलपिस्याकेहृतिक
द्धिरिपैासरिचलिग्रावैा॥संतनहित
बिषदायेन्नूपनारिप्रन्नराषिपति
प्रसादम्रवग्पाजानिकैा॥पानतज्यैा
येकैानरपति॥प॥ श्री प्रसेत ॥ बसीम
ताराजिकारीका॥प्रसादकाम्रवग्पातैत

गौतम पर ... येक करिकैव
वेषर नौजे सैबातनई है घेले
गूचैापरिकोंग्रायोग्र ... मुक
सैसदालनेमें पालिवा ... मति गि
रिहै लेगयेफिरायरासायेम्हाहुए
पाय उन्होंनरदेवगृहे गयोसुन
रिहै ... लीयोग्र ...
येताश्च नितवसाचोमेरोपन बो
लिबिप्रपूछिलयोहै काटेलाषके
नमेरो रहे गलीमेंनियाते पुछ
तसचिवकरतबिधासोबिचारीहै
आवे येकप्रेत सो दिषाईनिहत
निसडारिकैकराषाकर सोरकरे
नारी है सोतेहि ... आप
कौंछिपायेजव डारेपानिग्रो नित
वृताकाटिडारीयें कहेनरयतलें
चौकादेतमैंछुनाये नूपआयेडु दि

मैंश्रद्धानलो जोताजनकै ज्यौं
आधीन ॥ इसप्रमान ॥
१४ ॥ केवलज्ञानसमस्त ॥ लि
लखावे ॥ ताहाकालबश्य ॥
जावै ॥ तातैं विघनन ॥ विको
ई ॥ ११५ ॥ मनमोतिवरन ॥ ल
सत ॥ सवदेवनकेनाव ॥ सत
तातैं उदवपल करणों मे
रौनजनालिरदमें धरणों ॥
११६ ॥ जगश्रस्प्राप ॥ समो
जानें ॥ है तनावकबहनतो
आनैं ॥ छलनावतेबलतप
वै ॥ जनमजनम ॥ दुषबिस
रावै ॥ ११७ ॥ दोहा ॥ ऐसोंसनि
श्राहकदमसुं ॥ प्रतिज्ञा दुसक
रप्पान ॥ पूछ्यो ॥ ११८ पा
॥ ११९ ॥ वै ॥ वजमसजान ॥
इति अथ १९६

येतिनचार॥लेखेवेदतले
२॥४॥यहितिनचारकोमैंकर
नाहितिनचारजलबुल जैसे
ज्यौंईंधकायोलिसपाल॥नि
जीवनिग्रास्योकाल॥४॥पहिसे
उं सोमैंकरिदोष॥नवजलत
करिपलोचौमो ४॥येविषय
पविकारतैजेते॥मोमैंग्रायई
ततेते॥४६॥तातेयहविवेकचतु
राई॥यहबुधिदुजानताकाहिजे
रहैसोसंचलासीजे॥पूरण
काहिआपनोकीजे॥ऐसूही
हिंग्यानगुरदेह॥सकलविक
रनसोंकोंगहि॥ ताकोरिपई
प्रेरिसबनासी॥निरविकार
पूरण [illegible] अविनासी॥
[illegible] कौसार॥

ऐतीश्री भागवतमहापुराणे ये।
कादसस्कंधे श्री भगवद उधवसं
वादे॥ न्याबायां अमारथ निर्णो
नाम ऊबाबीसो अध्याये २२ उधव
उवाच॥ चौपई॥ हे प्रभु परमतु
म्हानभवानों॥ सोतो में अति दु
[illegible] कर जानों॥ बसनो सो इंद्रि
यमनजयनको॥ केसे काज लोए
प्रभु तिनको॥१॥ जोले प्रमहस
हिउअत॥ तिनके हृदय छि
ले नित॥ औरजे ये ज्ञान विच
से अघे चिपा मिलनको धारे
॥ तिनको मन बसि होय न ज्यों
ज्यों॥ महा कलेस लहत त्यों त्यों
तिनको मन बसि होय न क्यो
हीं॥ श्रम करि जन लगमावे
यौंहीं॥ उतुपर प्रमानंद
समुद्र ताको नंदन जाने प्रभु

षेपसो

नकलिवरलौ॥ थातेसार

नस्वरूपयेकमेज्ञान॥ धीपैलेनरत

कौंदुरलनजो निज देवनरक

लैनरहै॥ तौ हु यपजाव

येल॥५०॥ ताते ज्ञान नपावै

ज्ञान॥ तातेमें भाष्यो निज

नम॥ उँद्रव ब्रह्मकरालेत जिश्रो

तीजुतरसलि॥ नकरालु तुमजे

पीतेसबतलबेह॥ नकही मेतेती॥

ज्योब्रमरूपकरि जानो मे

नरोमेरोसंवाद॥ यतहु

ब्रमातमबाह॥ ५२॥ ख्यातम

लिरहमेंधारे॥ वाकोसुनि

क्तोतारे॥ जोयहकेलोपुराप

ज्ञमेरे नहत्तनदेवे पुराना

सोकलोयतुहदेहांत॥५३॥

तलालोवुविख्याता॥ हाता ज्ञत

लहसीसाई॥५४॥ जोजीहर

करै

द्रोजोगइंजोनजु ग्रादिककरम
तिनतेकरैनछूटैनरमः४
तातैं-गूबबघेतेकोयातें
जगजुगजनमेमेरे केवल
नकुमारजेते प्रमानंद
लहैसोतेतेः जबतातेतुम
चरणानिआवे तबतातेपुर
णसुषपावेः जायनिकट
नआवे तिनकै तुमरेचरण
सिरधरमैजानको तातैसम
जलाजगतमिटावे तुवेचर
णनिमैसहजिसमावेः तुम
हूलोरिद्धि सकलकेनायक
सबलानको पूजताकेदाए
कोः तिनकेचरणगदेवें
दानतुमताकेलोबोआद्वि
नःआसपदताप्रचना

हेहोइयनतातैंहानदेयजोमेरो
मैंत्राध्यानसौंहलतिहिकेसोनो
हि एसोमा।अर्थ।तित
कौंतम।हिसदमावे।५५
पाकौंनितिलपदेत
नकोमोसौंलितत।सोज
नमेरोत्रतिव्रायदेइ।ताके
समद्गानताकोई।५६।जाप
सुनौनितिकरित्राद।औरसक
लकौंकरै।नादर।सोकरम
नसौंलिपातिनलेइ।मेरालहि
लहै।हसोइ।५७।मैंपेत्रम
।नउच्चारयो।उद्धवतुमके
चूहिरदैध्यारयो।सोकमो
।नथानिहत।निश्चत
नयोहिरदैप्राहत।५८
उद्धवप।मेरोज्ञान।सोम
तिज्ञानौकोतेप्रान।तातेदन
चहितदजोई।प्रभुनासतो

स्वामी तुम सब प्रन सब श्रेज
मी॥ पतिनकौ सबल जिसे वेद
करै आप बसि तुमकौ सोई॥
धारी लेजे तुव प
भरामस
तिनका
बानर सक
सब तिनके सब
लित आवरे॥ ताते जा तुव कृत
विचारे॥ सो क्यौ पल तुव रजन
निवारे॥ तुम लानव सिखरे दस
वारी॥ चेत नि सकि तुम्है पुनि
धारी॥ सरारै तुम रथ आधार॥
निति प्रतिपालनहार॥
परिजावि तुम तें जो जानें कती
नरता और नवाने॥ रतोह तुम
जो गुणन तो मानो बहु विधि जत

कडैहैकूपालोई॥४६॥प्रीतिनजो
नैनसोमनसे॥दुर्बोनो छिब
येनिभ्रास॥ तिनकोज्ञानन
देबोयहै॥ज्योंकालरबीजर
मेल॥४७॥येनदोषनकोरतोपे
न॥मेरोनसैप्रातिदिहदानहै॥
प्रखालुदई॥असोलोई॥४८॥नाहसो
प्रतरनताकोई॥४९॥प्रेसेनसो
याज्ञानताकसोपे तोतिनस
त्तिप्रभपदलसाधे जोयमे
सज्ञानेज्ञान तोलिज्ञानिबरल
नहै॥ज्योंकोई पांवेपाषु
अनताकेरेन दजोनभ सोनर
गे॥ सबस्पि
विप्ररकोमो॥५०॥पूर्थरच
मोमेंभोम येनसब
प्रावेजोई॥ तातेमो
येनसबलान

तेहार ह्यागंनौं पु निजबलातु
वृसरीणाताग्रावै तवतुमसौंचा
रुफलपावै १३ परितवापिसे
ग्रतिप्रज्ञान तुमकैसेय
तहैजोग्रान चारिपदारथसेव
कजाकै तुमरावनि विराजैता
कै १४ येकज लोनीसोतुवन
जनौं नरकजानिसोहासातज
नौं तैजोलवैल रव ५ तुम
रै पकारनकातइ १५ पूलवि
खिलखिग्रायुरबलपावै बहु
बिधि प्रतुपकारबनावै तोहु
तुमहीग्रनूप गनसोई बूला
ग्रादिजहालौजोई १६ जितुमबा
हरिसतगुरुरूप नातरिचेत
निसहिग्रनुपै पोडावनिकेप
पनिवारा ग्रापलिरदेनवुसके
दयरौ १७ तातेनाथोनजनान

कौपावैसोली॥१४॥परिमेरोज
नकै [illegible] सकै [illegible] पक
रिमोकोस [illegible] तलाखिरस्स
चनजेते॥ [illegible]
जेते॥१५॥सबतजि [illegible] बमम
णनिसेवै॥आपनिबैरेकधं
सेवै॥ताकैसमिदुजोप्रावत
लौ॥सोनि [illegible]
हैतिब [illegible] नि॥ [illegible] रिके
बैन॥जैहुवसॉं [illegible] कलाकुलन
ना॥आगैठा [illegible] जलीबाथे॥
प्रेममगनतनमनहिठसाथे
१७॥बैन [illegible] लौ [illegible] नलाजाव
कठहलेगदगदसुर॥आवै
तातैउद्धवचुपकरिरहे॥कपै
बेरकछुबैननकहे॥१८॥ब
सोस्यौ [illegible] पा [illegible] करिचार
ज॥पूराप्रेमनपायोअबकीज

वनित

सतजि मिलै तौ तुम छूटै फे॥ ऐस
नि श्री अर्जुन देवक के बैन॥ बोले हें कृ
कृपा के प्रेन॥ दो॥ श्री भगवानु
वाचौ॥ चौनि चौनि जै देव सम न
क्षप सब जीवन के हित प्रभु रक्षा
तो सौं कलौ श्राय ने धरम जाते
मिटै सतजि सब कुकर्म॥१॥ करते
प्रभु आगै सुख पावै॥ छोडै नव नये
मो मैं आवै॥ जै देवक रमक रैन
जैते॥ मेरे हत करै सब तेते॥ कर
जानि मै नावै मम न॥ मम रेख
तिराखै चल धर्म॥ मो मैं प्ररये म
नकी वृत्ति॥ ताके सब आचरणनि
कृति॥१॥ मेरा प्रीति करै सो करै॥ मे
रा प्रीति हि विपरीत रै॥ जिन देसनि
जै मेरे नक्षत्र॥ तिनि करि बास तो
यं प्रभु रक्षा॥२२॥
बर निर्मै जेते॥ मेरे
ते॥ तिन तिन के आचरण

निश्चै आपकृतारथ मान्यौ ॥ स
बसंदेह हिरदैतें नास्यौ ॥ ६९ हरि
के चरणनमांथो धास्यौ ॥ उद्धव
नहु बचनतु चास्यौ ॥ जिनतें ह
रिसौं बाढै प्रेम ॥ जिनकौं कहि सु
नियेपेम ॥ ७० ॥ उद्धव उवाचे ॥
नाथ भ्रजनमां प्रस्न पूछिनासी ॥
परमानंद प्रेम प्रकासी ॥ तिनके
संनिधानजरक भ्राये ॥ तब लासव भ्रजो
नमिटाये ॥ ७१ ॥ संनिधानपावककेजा
वै ॥ सहजसीतभयसीतगमावै ॥ भ्रस
तापरितुमभ्रमदयालू ॥ मो निजजनप
रिन्यपेक्कृपालू ॥ ७२ ॥ समें बिज्ञानदीपसौ
सिद्दानो ॥ जातें सकलसुनासुनचीनो ॥
तुमरे चरणसरणि न त्रसाली ॥ दूजे ठौर
के दुखनासी ॥ ७३ ॥ जो कोइ तुवकृतकौ
जानै ॥ भ्रसतापरि नवकौं दुखमानै ॥ सो
तुव चरणसरणि नहि भ्रावै ॥ तो दूजो क
हांतें सुखपावै ॥ ७४ ॥ भ्रजनी तुम भ्रतिक
रणाकरी ॥ ममभायाफांसी भ्रहरी ॥ स

तौंसौंतौश्रापनहूठांनै॥२३॥मेरे
जन्ममहूंछुवकरे॥ प्रबनिमैंमि
लापबिस्तरै॥ मेरोजनहोजातरा
होई॥ तलातसाचां॥जा॥ ॥२४॥
गीतन्तिबादांवकरावे॥ बुव
चवरश्रादिकश्रधिकावै॥ प्रीति
उदारताका॥ ॥ नि॥ ममदि
तलगैनलोसाका॥ ॥२५॥ सब
॥ तनिकैंमाका॥ पैश्रतरबाहि
सा॥ ॥ श्रापश्रादिजगमि
जानै॥ द्वौंश्राकासश्रानाहूतिम
नै॥२६॥ पौसबमैंजा॥ ममनाव
त्यागसकलभ्र॥ ॥ ॥ स
बलानकस॥ कारहाकरे॥ जान
छिवनेदहाई॥ ॥२७॥ पेकेबि
प्रबेदश्रधिकारी॥ पेकेश्रतिज
मलाबिकारी॥ पेकैबिप्रनकेध
नहरता॥ श्रस्हपेके धनकेबिसु
रता॥ पेकेतजसानबहु॥ ॥

कौपावसोली॥६३॥ भयरिमेरेज
नकेधुनलेवै॥ सकलत्याग्य
रेमोकोसंग॥ तातें॥ श्रिसूत
च्यनजेते॥ समजनदेधैमोमे
जेते॥६४॥ सबतजितुबसमच
एनिस॥ श्रापॅन॥ दक्ष
लेवै॥ ताकेसमिद्धजौप्रायन
लौ॥ सोनितिमोकेमेतामाली॥
॥ तब॥ [illegible]
बेन॥ उद्धवश्रौ॥ कलाकुल
न॥ श्रागे॥ अजलीबांधे॥
प्रेमगगनत॥ मनदिठसोध
॥ बेन॥ [illegible]
कठलल॥ गदसुर॥ श्रावे
तातउद्धव॥ पकरिरदे॥ कंध
बेरके॥ [illegible]॥ ६चब
लोरचौहि॥ [illegible]॥ सकेहिधार

वेतबह ... पेषे॥ येकेकूरसक
लहु बड़ाई॥ येकेसकल सोंति
क॥ सभाई॥ २५॥ इत्यादिकना
नाविधिदेषे॥ परिजानंदकह
नलीलेषे॥ मेरीदिष्टिसबनमें प्र
नी॥ मनजतपंडतिता॥ दिवषोनं
३०॥ याविधिसबमैंमोकोंजानै॥
देसनेदकथ्युवेनलोभानै॥ योरक
लमाहितानुनको॥ सबविकारनि
टिजावैमनकेरा॥ सपद्योतिरकार २
प्रसकार॥ सकलमिटैकथ्युरगे
नवार॥ तातैहरदृष्टिनलोहरै॥
लोककुटंबलाजपरिहरै॥ ३१॥ सो
सोकरे सकलसा लोक॥ परिसाप्र
नैसरबनसोक॥ तिनकोकथुन
नमैंनलोभानै॥ सबजीवनमेंमो
कोंजानै॥ ३२॥
प्रेत जलोलोमेरीसिधिप्रनंत॥

निश्चै आपकृतारथ मांन्यौ ॥ स
संदेह हिरदै तैं नान्यौ ॥ ६९ ॥ नि
कचरणान माथो धार्‍यौ ॥ ॐ ह्रव
नकू बचन तु चाह्यौ ॥ जिनतैं
रिसौं बाढै प्रेम ॥ जिनकौ कहि स
निपैये षेम ७० ॥ ॐ ह्व कवतबाचौ ॥
नाथ प्रजनमो प्रस्तु प्रविनासी ॥
परमानंद प्रभ प्रकासी ॥ तिनकै
सैं निद्धानजब आयो ॥ तबलालवप्रज्ञा
नि नितायो ॥ ७१ ॥ संनिधांन पावककैजा
वै ॥ सत्तजलातमें पसात ग्रावै ॥ प्रस
तापरितुम प्रभ मदयालु ॥ मो निजजनप
रिनये कृपालु ॥ ७२ ॥ यासे बिज्ञानदापमो
लिहानौ ॥ जातैं सकल सपुनासु न चीनौं ॥
तुमरे चरणसरणि नवकालो ॥ हुजे जेर
कृदेसुपनासौ ॥ ७३ ॥ जो कोई तुव कृतनकौ
तांनें ॥ प्रस्तापरि नवकौ दुषमानें ॥ से
तुव चरणसरणि न तां आवै ॥ तो दुजोव
तां तें सुष पावै ॥ ७४ ॥ अन्न नी तुम प्रति
रणाकरी ॥

नमस्कारनितितिनकौंकरैंहं
डसभा॰ धरनिमैंपरै॥२४॥जो
लग्योथाव१२७॥ मालोमेरो
[illegible]चिरनासी॥तौलगम
नबचकायस [illegible] तायोसबमैं
ठानैंकनलेत॥२५॥याबिधिकर
तरहै [illegible] लछन
मयलोई॥मिटेंअबिद्याबिद्या
ग्यावै॥तातैं [illegible] सकलमिट
वैं॥२६॥ [illegible] रमतेलैंडत
[illegible]चिकैंनाचेंतेते॥तिनमें
रमतेमसमला [illegible] तबजपमि
[illegible]॥२७॥मनक्रमबचनजा
[illegible]जैतें॥ [illegible]सपलीजानेतत
उद्धवइसोधर्महैमेरो॥कलभ
नावकहतिलिकेरौ॥२८॥ [illegible]पूरण
रूपकौ [illegible] क्योंलाब
हरिकपटैनतजोई॥जलंलगेंग्र

तजाद्रवनिमैप्रसनेह:॥प्रजोपु
तीसुतविनग्रहैद्द॥७५॥येसबै
रेमनतैंटारे॥प्रपनेचरणकवल
उरधारे॥तुमबिलसत रीप्रपनी
माया॥जिनयेसकलजगतवस
या॥७३॥सोतुमज्ञानचक्षुसोछदी
केकृपालनिजप्रीतिनबुदीन
नमस्तेज्ञानप्रकासी॥जेगे
भ्रमविनासी॥७७॥राजेमोपि
वरदेवा॥निश्चलहिरदेनित
वा॥तुमलोकोडिइज्ञानहाजा
प्रसेवककेसेवाठनो॥७८॥
प्रसाददाजीयेपेह॥तुमसो
सचलबदेसनेह॥करिबा
उधवनके॥बोलेह रिजाके
रत॥७९॥श्रीभगवानुवाच
तस्मात्रस्त्र्वंद्धवमम
चराणनिनिश्चलशास

निरमलवस्तु जहांलगें सबहोवे
प्रस्त॥३४॥ मैं निरगुण सबगुण
प्रकासी॥ तातैंमम धरमे सुख
नासी॥ कैरोना सकदेनसां क्यो
सि॥ मम धर्म प्यारो तैं त्यागी॥४४॥
अस्तद्रव येकताकहजे॥ मेरो
धरमकहेन साच्याजे॥ उदवजे
लौकिकब्योहार॥ राजसतानस
बिबिधिप्रकार॥४५॥ जिनतेंके
वलसोये प्रनरय॥ बहुतिकोसं
बमेटें पुरष॥ नरकनमांहिडार
नितार॥ कामक्रोधदिबादिबि
कार॥४६॥ जोतेंतुतमो मेंकरै॥
तुलमोनिलरूबहुतरे॥ जेसेक
रमराण नयेकस्यो॥ मेरोधरम
आचरयो॥४७॥ परिसो नयउ
हिं [illegible] सौ
मैंनोहि॥

ल ह्यौ निसतरौ ॥८॥ बड्डा षंडग्र
भ्रमसे कोरौ ॥ श्रुति पुनी ति इसन
जो लिके रौ ॥ तसैंनी रथ चरण नि
कोउ ज्लाउ इस परस भ्रमा नदरे म
लो ॥८१ ॥ नाम अलष निडा सोगगा ॥
निरमल करै इस सब भ्रग ॥ तन
जाय तुम बासा करौ ॥ फल न बिप
तन बलक ल धरौ ॥८२॥ दुहसा तवे
स्मा दिक सहौ ॥ बिनया दिक सु
न बिराग लौ ॥ इडा पन कै भ्रर थने
परिहरौ ॥ ये बिज्ञान ज्ञान उरधरौ ॥८
सौ सो साधौ ज्ञान सब जो इ बेधि
इ कत बिचारौ ॥ सो ई चन
चित सब मे मै धारौ ॥ मेरो धर्म
सदा बिस्तारौ ॥८४॥ तब तान्यौ गु
णा को प्रिलरिलौ ॥ मम निरगुणा प
द को अनुसरिलौ ॥ सै सर्ज हरुप्र
त गया मेरी ॥ पिरि उत पति न सौ
कौ लै ते री ॥८५॥ बिधि षिक्त त्म ब

मम

उस्यौ उ दिखाय [illegible] छे दिन्यारोक
पोवारीसै ।। री [illegible] बिकैलजांनो क्र
क्रायोमैं भयानो ॥ नपेकसो प्रेतमा
नो ॥ येसा प्रनूसो बिगारो है ॥ वसो
जगन्नाथदेव ।। ते प्रसाद जावोवस
स्यावो सत्य बोवो बाग ॥ सो सौरभ्या
रीये ॥ चलेतसा च्यावे न्रूपा ॥ भुगैसी
मिल्यो आये ॥ ताप निकस्यो लगाएं ॥
तापैन ग तिलागीप्यारी है ॥ स्यायस
रफूलताकेनयेफूलदौनाकेन ॥ नि
तिसाचदलसुंगगधसरिप्यारीये ॥
कर मा [illegible] कोटी [illegible] ।। कुलायेकवार
ताकोंकरमोस्नास ज्ञा नि ॥ बिनार
तिन्नातिनेगछाचवीलगावेसो ॥ जग
नाथदेव श्राप नो जनकरतनाकै ॥
जेतेलगे नेगतामैं षेल ॥ तिन्हावही
गयो तसी सापूमों निहुडे ॥ रोथचकै
नेवैबहुत्त्वाससदोचारले सिपाहुतो ॥ न

रोगिनरह पर ... येक करिकैन
बूफसु ... तनरहै येले
नुचैापरिकौम्ग्रायेष्व नुपनुक
सेसरहासन्नै मैं पासैवार मतिगि
रहै लै गये फिरायरासायेम्रहूप
पाये उद्यौनरदेवग्रह गयेसुनि
रहै ... पोम्ब्रनस्नसायतजो
येसाच्छी नतवसोचोमेरापन बो
लिविप्रपूछिलयोहै कारे साथके
नमेरो रहै गहमौनियाते पुछ
तसचिवकहा विथासो विचारीहै
म्रावे येक प्रेत सो दिषाईनिहेत
निसडारिकैजरापाकर सोरकै
स्तारीसे सोते ... म्राप
कोंछिपायेजव डारैपानिम्रनित
बुसाकाटिडारीयै कहेनरपनले
चौकादेतकैमुनाये नृपम्राषेउ

चनजुर्वै॥ तेजु...
है॥ चरणानपरिपरदोषिणादी
न्हो॥ तबचलिवेकोमुग्धाकोल्ही॥
ह्वै॥ जदुपिदुंदोलिरदैनलागावे
तोहुलरिहोतजेनजावै॥ मांसुके
ठप्रतिग्रादरबुधि॥ तनमयन
...नतनकोसुद्दो॥ ...कृस्न बि
योगनकौं ... हांसहै॥ बारबारच
लिफिरिफिरिरहे॥ अतरजामी
परमगोपाल॥ जनकौंजानिव
मबिहाल॥ ...निकटिबुलाय
मिलेहैअंग॥ ज्ञानरूपकान्हो
सरबंग॥ तबअपनोपायाराहो
न्हो॥ तेनहु ... नमायेलोन्हो॥
...तौहुप्रथमसोकृस्नपचा
ये॥ जाधवलप्रनासलहे॥ त
बलातलानचवलिग्राये॥
कृस्नपैकलाबैठपाये॥ ९०

लईनरोस्तरिमाया॥ कलरि
रे॥१६॥ तितकौतकरानि॥ पाउतप
नि॥ सबैहै रकेलारेपेख्रातं
बतिनकातासभा॥ गुरासति
कबीरगिरातिमारी॥ कुलब्ल
कौकरिअपमान॥ सातिछोडबी
तांबाण॥ नाईजौ कवायतन
री॥ श्रू॥ बहुमैकलापेअखिलो
री॥१९॥ सो॥ सबकुलकौके
तितलादनिकेसिरदेप
क॥ बभनलतकास्यां॥ कुल
कुलकौप्रतिचिकास्यौ॥१८॥ व
तबकुलकुलाकौनको॥ कवि
तांबाणप्रकास्यौजुद॥ श्रूरके
चित्रीकौप्रेसा॥ बाजकुरजौकी
क्ताजैसा॥२०॥ रा॥ अबतिराषु
चलयौ ताकोबाहजुगलको

पुनि मैत्रेय पधारे तसो ॥ कैं हर
देव बैठे सैं जसो ॥ देउ का पेल हरि
कौ प्रनाम ॥ दुसन पायौ प्रतिरा
म ॥ ४१ ॥ गड़े तपे जो रिकर दोई ॥ प्रेम
मगन कछु कहे न कोई ॥ तब ति
नकौ हरि नाप्यो ज्ञान ॥ जैसें ब्रह्म
कार कौं नान ॥ ४२ ॥ अमंत योग सो
नाप्यो ॥ अपनौ गोपि मतौ सोर
ष्यो ॥ ध्रम सिद्धांत सार को सार ॥
याते ओर न कछु विचार ॥ ४३ ॥
मैत्रेय को दानौ आदेस ॥ विदु
लों करी यो या नुपदेस ॥ उद्धा दी
न्हा उद्धव जन कौ ॥ अपनो सि
का यो थिर मन कौ ॥ ४४ ॥ तब उद्ध
व हरि चरण नि परे ॥ हरि सिर दे ॥
॥ हनि श्रूल करि ध्यरे ॥ पुनि उद्धव
जन पसो बेत लो नर
॥ ४५ ॥
आचरणां ॥ जे जे हरि

गयौ॥ताकौंबधनुमकीलौंअैसैं॥
बाधकसाईकैरनजैसैं॥२॥तब
सौ॥कालिकाईठबोलेबानी॥सुनौ
सुनौंहोसारंगपानी॥सेनकौज
सपूरसुआपसिरास्यौ॥तातैंईसौ
मताक्षैपायौ॥२॥एककहीबचनध
उगजिनकाढ्यौ॥कतबूस्साकौल
स्तकबाढ्यौ॥जदपिसबनि॥४॥लि
बसतनिवांस्यौ॥तौहूसातिकी
कौधनटास्यौ॥२॥तातेंसकल
नयेजबकुंध्यु॥सातिकलासूं
न्यौंजुध्य॥तबतैसकलनयें
द्वैऔर॥जुधरच्यौसायैरतद्यौ
॥२॥कोईधनकलालिसोलरे
कोईषड्गसैंसहरै॥कोईफरसा ग
गदाकुठार॥कोईलिसौसचीप
सार॥२५॥कोईगुरजगोफणीकोई
छुआदिकनिलरैततैहरि

थल[illegible]फलश्रुतिवरफलश्रु..
प्रेममगनतिहुसबबिचार
ई॥ तब त्रिगुण बिसतार मिटा
वै हरिसुख निरंजन पायो॥ पुन
ली रचि॥ बसमाय॥ हरिजी को है
प्रेमप्रसाद॥ ५७ जाकौं कृपाक
रै सो पावै॥ तजि नवा सिखहू
समैं जावै॥ जबतैं याकौं नाव
सुनै॥ प्रेमसहित हिरदा मैं गुनै॥
५८ तब लै पावै प आनंद॥ भ्र
मी बिनो मिटै दुख ई द्वंद्व॥ सब
पंथ व आपस्य [illegible] ॥ जामैं
पूं सदेस्य न रहो॥ ६० याभैं प्रेम
हेत प्रताप॥ मिटै जगत प
जै तरि ताप॥ जिन हरि प्रगट
भक्त है करै॥ नखन पाप सब
से दुष हरै॥ ६१॥ पै[illegible] लिषितं प्र
मतन दास॥ निज आग्यान देवन

सबैकैसंग्राम:बैठेदैमैंक्रू
ग्रूररांम सपूसोलपे -त्यौसै
लाग्यी रथसौंरथसाथ्योसौंसाथ
घरसौंघरउटनटनस कलोष
कमलोषबैलबैलबिसो:१२७सु
खुरसूंषचंवरलिलिलरे:नरसे
नरमिलयजुद्धकरे मलामतलि
पलपैन:१८ जुध्ट.२४नमे
गजलेसे:२प सांब प्रद्युमनग
नयो:जुध तोंश्रक्रूरध नोजप्र
तिकुद्ध ततोसेप महोत ९०
द्वैकरेजुध बीरनकौनद्द:रसं
गदसेनामकूदमकौ चातान
मस्तुचारू ६ चबिष्याता त्यौस
तिकासोमिलिप्रनूसप सुय
सुमित्रकरेमिलिजुध:३०त
लक्ष्मन सठसलसैजुपतसत
निनसोनसमाटिटैजोधप्र

कौंपायो राजोजरारोग अ्रादिक
दुषहरे ॥ बलऊपाजायेः बिगतभ्र
मकरे ॥१०॥ अरसुतायस भरत
मेक ॥ बेदसि चलै बास बिबेषःसो
अपनेऊनतीकौंपायो ॥ जनमभरन म
नवनयतीमिटायो ॥१०॥ भैसेअ
दिपूरषअबिनासी ॥ सुमरतजि
नकौं मिटैनवपासी ॥ कसतांम
लोनौंअवतार ॥ तिनकूं बंदनवा
रंबार ॥१३॥ दोहा ॥ भैसोसुनिसुष
देवसौ प्रभतत्वउपदेस ॥ कहस
कथाकेप्रेमतौ कालोग्रहसमनरे
स ॥४०॥५०॥५२०॥ इतिश्री भागव
तेमहापुराणे येकादसस्कंदे श्री
भगवद्दत्रध्रुवसंवादे भाषायांजु
ध्रुव कुकलिनिरूपणनाम येको
नवीयोध्याय ॥ २४ ॥ श्री भगवा
नर्वल ध्रुवसंवादे समाप्तः
सकलस्लोक चौपई कोसंख्या

रिक्षित आपुआपुमैं जुथहोनैं
सरिकरिकै हितकथूनजांनैं॥२१॥
हर्देमबसदासारसबस॥सोव
तश्रंधकतोजवृतसक्षरखुर
सूरसेनकथकमाथुर॥देसबिसर
जनकुंतिरकुकुर॥२२॥आपुआ
पुमिलिजुभ्रहालन्यौ॥सवनिथ
रसपरसोहह्रंत्तान्यौ॥पुत्रपिता
नाईअरुनाई॥मामाअरुतांनै
जलराई॥२३॥काकानतीजेनाती
जांनो॥मित्रमित्रमिलिजुबसंग
नो॥सुहृदेसुहृदजातिनसोंनाती॥२
सबमिलिनयेपरसपरबाती॥
२४॥तबसरहा॥नयेसबनके
हूटेतपाथनकतिनतिनके॥
आयुध॥॥सकलहा॥तव
नये॥तबतिनकरनि॥
रकालये॥२५॥नयेमूसलचूरन
जेते॥बजुसमानिसि

जेतेसकलकरनिकरलीने॥ ति
संजुग्मकौपरोकालि॥३॥ ग्रामु
कुंदमबाहन्नोतिनिवारें॥ परी
मूरषक॥ नबिचारे॥ रामकु
कौरिपुकोरजोनें॥ गुद्धबुधिग्र
तरगतिठानैं॥३७ तबत्रापुताग
कोयोतिनका॥ ॥ ॥ ॥ ते
सबसोनकोलो॥ तबपैकोकर
नितमनलीये॥ घोरमांसिप्रलेय
सबकोये॥ ३ विप्रश्रापग्राछा
दितकेर॥ हरिमायाबिचारसब
हेर॥ पावककोथप्रगटजबनए
बांसबिपनिकुलजरिबरिगये॥
३८॥ तबकुलसकलनिपटहरि
ब्यौ॥ ॥ ॥ ॥ लिख्यो॥
जाकारपालीनें॥ ॥ ॥ सोप
रिहस्योपरनिकोमार॥ ४॥ तबस
मुद्रतटमेंबलतद्र॥ कीन्योंपुत
घ्यानत्र्रतिनद्र॥ त्र्रापसाहुन

यासुनायो करणपूटनी॥ येसु अंम्रत
प्यावो॥ हरिजपदे सर्वहेसारीनो
पाप्ये आपक हातसाकीनो॥ राज
२ देकुलको प्रेयो अ॰पा॥ हरिजी
कहाकरयोसबआप॥१॥ एकोब
[illegible] जानहाकोई॥
जानहाकोई॥ अरु दिजआपेजि
प्यावैसो॥२॥ सबकेतनमनमोस
नदेसा॥ परमानंदसुदाकोगरजे
जारी॥ हरिदरसनपावै॥ तिनसोने
वनपेचेजावै॥३॥ अरुजेहरिकेरस
पसगावै॥ बाणीसमतिभानते
पावै॥ अरुतेसुनिकरि हिरदेध्या
वै॥ तेपलकोनताघडि पावै॥४॥
भारथमेअरजुनरथमासी॥ बैठ
दरसनलहेजानाही॥ तिनतिनसुरि
कीसरकाताप्याई॥ सबसेसतिलका
लगकाई॥५॥ अबतनहरित्यास्योकसे॥
कोईतैनागकोराजेसे।

मा हि तेरा क्यौ ॥ मानव देह हरि कि
रि नाक्यौ ॥४१॥ राम पूरण सालग्याम
रिज बसी ॥ लक्ष्मी जु पिय पलित ले
बैठे तब सी ॥ निरमल रूप चत्र भु
ज धार्‌यौ ॥ दसौं दिसा कौ तिमर नि
वार्‌यौ ॥ रज्यौ निष्कर्म पावक प्र
कासा ॥ ऐसो पूरण ब्रह्म उजासा ॥
पीत बसन है तन घन स्याम ॥ निरख
सोवरणी सो नाम निराम ॥४२॥ हंस
रुप तिस्य ब पद्म ॥ कमल
नैन से जाके सद्म ॥ करनि कुंड
ल मकरा कार ॥ रूप अंतर न्तेज
आगे पाल ॥४३॥ रुचिर नील सिर
केस बिसाला ॥ ऊर नगुल ताम
ि बन माला ॥ कंठ सूत कटि [illegible]
[illegible] बिराजे ॥ कहुं स्वर्ण टिका नूपुर
राजे ॥४५॥ बहु आभूषण भूषित
अंग ॥ देषत मोहे अमित अनंग ॥
अंगु पुष्प मूर ॥८॥
सीस मुकट सो भाजै

जैसे जिनकी माया को बिसतार:
सुता सिवसनकादि कुमार: ५७
औरौ अकृतिदुष्यातै जेते कौ तौ जा
निसकै न तेते मोहित लकलत्र
म्हारी माया: तातै किन ... ५८
... जिनकौ जाप ... निक्रम
जेते कौन तांतिकौ ... नितत
तातैं अबहु जीन बिचारो बेगैं मे
पापा कौ मारे ... ऐसी जराबं
क की बांणी: सुनिनि कपटसार
ग बाणी: तब ... आप बचन
चारे: ताके सकल लोक ... ६०
श्री भगवानुवाच: जे हिज हिजरा
पू मति मांनें: अपनांक स्यौपापम
ति जांनें ... जलाहे मेरी
... मैं कहास कि है तेरी:
६१ मेरा कृपा जा कुतुसरग जल
म्हा ... पस्तरग ऐसे
नकेद हरि जबत: ... बिमान
स्वरग तें तब ली: ६२ ... परिक्रमा

यासुनावो करणापूटनी पैस॥ भंक्र
प्यावो॥हरिनुपदेसजेहेंसादीनो
यांछेआपकहातलांकीनो॥राजा
१ दकुलको प्रंयो॥आ॰पू॥हरिजी
कहाकस्योतबआपू॥२॥श्रीकोव
धू॰॰॰नसोके॰॰॰॰॰मानसोकोई
मानसोकोई॥अरु॥ह्रिजआपेंमि
ध्यावेंसो॥२॥सबकेतनमनलोस
नदेह॥प्रमानंदसुद्दाकोगहेजे
नारीहरिहसनपावें॥तिनसोंने
बनमेंचेजावें॥३॥प्ररूजेहरिकेस
यसगावें॥बाणीसहतिमांनते
पांवें॥अरूतेसुनिकरिहरिदेख्य
वोतेपलकोंनलाघडपावेंहे॥४॥
आस्यकेंअरजुनरयकोसोविव
दरसनलहेजाहीं॥तिनीतिनहुरि
कीसमतापाईं॥सबसेहैतिनका
लगमाई॥५॥श्रेतनहरितापोकसे
कोरहेंनागकापिजसे.
यै

स्त्र प्रनांम। करिकै बंधिक गयेसु
र धोम। चहिं बिवांन सुरगलोक
रायो। जैजैसब्द तहां तहं नयो। इ
वर पलायें स्वारथ्यो देषे। परिहरि
कौ कहं न पेषे। तुलसी गंध पव
उ बपयो। ताके बीज कें मर्पेंप्र
यौ।६५। पीपल कुलका यो है प्रासन।
र नांमनु। ससि सूर रहत तासन। प्र
पुरु मागे भरी नवत। यौं निज प
न देषे नग वंत।६६। परबदास कौ
जन लाकस्यौ। रथत जिबिलब
न्च रनन पस्यो। जुम गयो तिरदे
नैनै जल श्यायो। प्रेम मगन मु
रबैन नष्यायो।६७। तब करि चौ
रज भोसु निवारे। करुणा सत ति
च नतु चारे।६८ प्र नमें तुव चर
न देषे। तेय लकाय कस्य करि
षे।६९। तब तौ निष्टदिष्टि में नयो।

रदेवा। तबउतरदीनौं। श्रीसुकदे
व। श्रीसुकदेवजी। द्वारावती बै
ठतपात। तिनकौदेषिकतीहरि
बाता। उग्रसैनश्री कसबल
सहास्युद्धरकौं दुषनुसोकौ। ति
नसौं ... पारहरि
कौकतौनलषैवि चारे नि
र्मायां। पौंकौ हितकरे हो नृवि
... श्री ...
... लैयादवकुलनौंमें
बात। द्वारावती बहूतउतपा
र्तैउपालकर नौसोन ता
तजीषेअलष ... न ... ज्जवती
बालवृद्धसब ... सब ... रप
ठईयेतते। श्रीरसकल ... प
सहीजईये। तासैपश्चिमसरव
तीन्हाईये। ... करिसनानतन
निरमलकराऐ। सुभहिदै। तौ

सबदुषयेकबारह्य॰ नयो नृलि
हिसानकेह॰ बपायो॥ ज्योंउप
तिनिसमाहिछिपायो॥ १ तुमबि
नमैजोतनबिन आन॥ जैसैनैन
सुषबिनजोवन॥ ऐसेबचनक
हेजबसंत॥ देषो ऐकचिरकृ
रनूत॥ १ गगनितैज रभ
आयो॥ हसु नसद॥ ६८८ ४ ३॥
सुहायो॥ सूरतिम
जेते॥ रथमैजाये
७०॥ पसचरित्रदार
बिसिमिय नयोनु
तबतरिसुतलाबे
रिसनमानसुबवि
श्रीभगवानदेवाये
कौतुमजावे॥ सक
येसुनावो॥ सबके
निर॥१८॥ अस्कै

बहुत धराये ॥ जैजे बसैत पितर अ
रु देवा ॥ तिनका कराये पूजा सेवा
॥११॥ अरु बिप्रन का पूजा कीजै ॥ क
रि सनमान दान बहु दीजै ॥ गाय
न भिसोनै बस्तादी ॥ हय सत ध्या
रथ अन ग्रहादी ॥१२॥ श्री वाराही
ज निकेत जे ॥ जाते बिघन सकल
ई ध्याडे ॥ देव रु बिप्र गाय का पूज
प करता ॥ बिधि मधि नहुजा ॥१३॥
ऐसा सुनि तरिजा का बानी ॥ सब
जादव निज लोक रिमानी ॥ नाव
नि बैठि सिंधु लै जल रोये ॥ चढि
करि रथ पयानो करो ये ॥१४॥ ज्यों द
रि तिन कों अग पादान्हों ॥ त्यों त्यो
सब निसबै बिधि कीन्हो ॥ करि
सनान धरम सब दानें ॥ अधि प्र
नास आपबहु मानें ॥१५॥ तब ति
नका यो जुमिं द्रापाना ॥ नाते नृति

प्रयोन॥७२॥द्वारावतीरहीमतिकै
ई॥तनकौंघरेजलालोंजाई॥येह
नरलोकतजो मैंजबही॥सिंधूद्व
रिकाबोरीतबही॥७३॥हमरेमात
पिताक्रिजेई॥स्वपनेलोगनि
तेतेई॥दिखाऊईयोप्ररज्ञूनसंग
हरीद्वारकाकैसंगा॥७४॥तिनकै
पैहसंदेसमुनावो॥अरुतुमम
नधर्महांमनलावो॥ममायार
चनापेहजांनो॥नामरूपसब
मिथ्यामांनो॥७५॥त्रिगुनगुरस
बनानारूप॥भिन्नअनजानोम
हिअरूप॥जहांतहांव्यापकमो
कोमांनो॥नामरूपसबमायाजा
नो॥७६॥मैरेचरणनिरंतरजो॥
दूजीसकलबासनातजो॥ऐसे
होआवैमोमांही॥जातेंफिरिदु
खपावोनांही॥७७॥पैहसुनिस्र

उस्योउ हिम्राय ... छे दिन्यारोक
येवारासे ॥ ... बिकैसजांनो कर
कायेमेंभ्रयानो नयेकसोउतम
नो येसा उन्हसो बिगारीदे करी
जगंनाथदेव ॥ रेप्रसादजारोवह
स्यावोलयबोवोबाग ॥ सोहरिया
रीये चलेतसाथ्यायेन्नृप ॥ ... गोहो
मिल्योआये ॥ साथ निकस्योलगाए
साथेनगतिलागीप्यारीए ॥ स्यायक
रफूलताकेनयेफूलहोनाकेज ॥ नि
तिहाचढतअंगगंचररिप्यारीये ॥
कर का ... ईसोटी ... ॥ हुतायेकबार
ताकोकरमांस्नान ड ॥ नि ॥ बनारी
तिन्ना तिन्नेगछाचरीलगांवसे जग
नाथदेवआपनोजनकरतनाके ॥

ईयोग्रवारदेषिषोल्यकैकावार:
जोपैजुठनिलगोहे:कुषचोयेबी
नग्रावली:१५ राम्र ... भये
कत्ता:कत्तायेप्रगटषोल्ये:वोलि
हनग्रावैहमदेषानईरीतिहे:
करमा नामयेषाचरीष
वावैमोहि मैहनितिपाउजाये:
जानिसांचाडातिहे:गयेमेरो
संतरा तिन्नातिसोसिषापग्राये:
मतमोग्रनंत:नजानैपाग्रन
ति हे:कसीवालासाधसोजसाधे
वावलाबात जायेकैसिषाईपे
हग्राईबडाग्नीतिहे:१५३ ...
पि प्र म के बा की का॥
सिलपिछेजनेबाईसोकपा सुनै
येकनरपस्ता येकस्ताजमाहार
की:ग्राये गुरहरदे षि:सेवा हिए
वे हैजाये:कत्तालचाये पूजाकीजे

कृष्णसौंज्ञान॥ छौड्यौसोकमो
हतनयप्रांन॥ निमसकारकरिबा
रंबार॥ प्रदछिणादेबहुबिधिव
कार॥७ तदरिबियोगतेंअतिदु
षपायौ॥ ज्ञांनबिचारचितठ
हरायौ॥ हरिकेचरणकमलउर
धारे॥ तबदारुकद्वारिकापधारे॥
९८ दोहा॥ ऐसैंनृपमैंतुमसौंक
ह्यौ यदुकुलकौसंहार॥ अबब
नौंहरिकौगवन॥ अरुसुदर्शन
अवतार॥४१॥५६७॥८॥ इतिश्री
भागवतेमहापुराणेएकादसस्कं
धे॥ श्रीसुकपरीछितसंवादे॥ त्रिंसो
भाषायांबलदेवनिर्याणोनामा॥ चौपई॥
ध्यायः ३० श्रीसुकउवाच॥
तबब्रह्मासनकादिकलाये॥ नभ
वादिकतपासप्रकाये॥ संतनव
नासकरदेवईंद्रादिकसुरस ३

बालापनतेंलिकरमन पार लो
कबेदमैं उपकरणमाले दुख
लौबिचारेतेते सबतेबलैब्रूम
नंद कि कदमछूटैदुष
हद॥४७॥दोहा॥ यदहरिको वत
रमें तुमलोकल्याण ये याके
कहैसुनिनारि नरनारायणपै
जाये॥४७॥चौपई॥ कहतनिहाल निर
जनस्वामी सकललोककेअंतर
मीचकनहेतिधरेअवतार
नानाभांतिकरे र तिनमे
कदमसरूपमगलजि ज्ञानकीपा
सबमुक्तिप्रधान जिनकेगुण
निकहौसुपरेव ननतस्वा
परीक्षितनरदेव नकीताम
लीयेजबनाली लेकरिराखै नि
जपरनाली येसेकु मसतत्व
बितनिमसकारतिनप्रभूको
नितहैतेप्रबसंतदासमेनामहै

र्जपदेव॥१॥ सुर बिद्याधर किंनर गं
धर्व॥ पितर मैसौ रग चारण सरब
गरुड लोकप हरी सुर सिध्या॥ रि
केंद्र सकामना बिध्य॥२॥ सब मि
लिलरि द्रसन कौं आये॥ सब सौं
नरि केंद्रसन पाये॥ नरिकें जनम
करम गुण गौवें॥ सब मिलि जै ध्
नय सबद सुनावें॥३॥ सकल बिर
ण निधा पोगगनें॥ बरषें पुष्प
पें प्रेम करि सगन॥ बारंबार
करें प्रनाम॥ सुधते नावें तरि कौ
नाम॥४॥ ब्रह्मादिक सब हस्तम
बिनती॥ करम सातें तिन को उद
नती॥ ते प्रसंत दै जगवान॥
नौं नरिंदित बहु न्यौं ध्यान॥५॥ हुं
नस आपये कक रिध्यायौ हेत
नाव सबद रिवसायो॥ निजतम
लोक निकौ भ्रनिरान॥ ...

दुःषजीवनिकौ[illegible]
नत्तीकिकरवावें ॥ भूपतीसकिरि
रदेमैल्यावें ॥ ऐसेसौषिजवदुःष
मिटावें ॥ भूपनेपरसपदलोपहुंचा
वें ॥ कृष्णरूपतिनजानसुनाया ॥
ईंदुजननिजपदपहौंचाया ॥ ५ ॥ सो
लेकसौसहेसरूव्यास ॥ तातेक
येनग्रंथप्रकास ॥ जोपंडितजानै
सोसोई ॥ इजोकदेनजानैकोई ॥ ता
तैतिनअर्थकरणाकीन्हौ ॥ मोसेव
ककौंआज्ञादीन्हौ ॥ सबलोकनिकौ
हितमनधारी ॥ मकरन्दरचनाजाबि
स्तारी ॥ ७ ॥ जोकोबाचेसुनेसुनावें ॥
ध्यानकरेंजुचेंसुरगावें ॥ तेतेलसना
नवैराग ॥ प्रेमलक्षिलरिकौअनुरा
ग ॥ ८ ॥ प्रेमप्रवाहमगननितिरहैं ॥
नवदावागिनिकदेनदहैं ॥ ऐसे
कोकरिंहूतनमावें ॥ तजिआनंद
जगतलहाआवै ॥ ९ ॥ कबहूंकरेंका
मनाकोई ॥ यातेकेसकलसोसो
ई ॥ तातेजेजेसोयेसहकाम ॥ प्रस्तजे

रणामंगलयो भई ॥ ताकौ अगनि
चारण धरी ॥ अगनिउपाय न
असोकरी ॥ तबु हरिजी बेकुं दीस
योर ॥ या बिधि सबके कारज सा
रे ७ ॥ तब दुंदभी बाजे सुरलोक ॥
उपज्यौ सुष मिटे त्रय सोक ॥ स
तिसकारति ओरज ॥ सर
म ॥ सो नाम्रस्द्वैउ तम करम ॥
८ ते सब गाये संग जगदीस ॥ जा
ते हरि सब दानके ईस ॥ तातें जल
कथा हरिजी की ॥ पूजा ध्यान था
रणां नाकी ॥ १ ॥ जहां असत रहैं
हैं ॥ सत्यादिक सब बिधि जैं
दि सकल सुर जेते ॥
हरिकी लक्षिउतपानैं तेते ॥ १० ॥
हरि बैकुं ० पयाणो कस्यो ॥ सोकि
ताकौ जानिन पस्यो ॥ कहा न
तिन हरिकौं देख्यो ॥ बडो अचन

व नागानदकाम: १० तिनसबहि
नकोंनापायेल: नृक्रिस्मुक्तिनी
कोग्रह तातैयासूंकाउ़ेप्रीति येत
सकलसंत० ११ ति ११ समत
लैहसैबोंनें जे०- कलपघी:
कुंजिदेवा संतदासगुरुआज्ञादी
न्ही च रदासपूनापाकोन्ही:
१२ पुन्न गपान प्रगटकरो
मनभावे निजदेवा तेमैरनुरति
तिवसैं संतदासगुरदेवा भेट
पर्स्तीत श्री नागानन्द कि नारशुरी
पेनीवस सानें नापाती श्रीकृष्ण
कीतरसमादे॥ श्रीहृत कमलेगुर
नाल पैंकरीसोग्रथ पाये ३१ ने
हुल काटदसनापती॥ सू सत्ता
त १६ ७ लीरसतं सं
ताउगारी दसकलगुसाई पुरु
जीको सिद्ध पोनाज्ञाद गुदाम
कारजकरे सोदासको जीकोहरिचे
सेसमान सोनेहुदेउ ताल जपौ

सबहीनलख्यो ...
अाकास॥ अरु दामनि प्रगटहू न
पास॥ केकरि परगट गुपत के
जावै॥ ताको भोजन कोई पावै॥३॥
मोहरिकाये भ्रयां जो जबही॥
कहु तिनहां न देखो तबही॥ नू
मैं प्रगट हते तब देषे॥ गुपत न
किनहूं नही पेखे॥१२॥ स्वनपय
अरु ननानाती॥ सकि अनतस
हरिमांही॥ जदुकुल मैं हरिको
वतार॥ अरु केरिबोनानाबो
र॥१४॥ सो समस्त माया करि मानां॥
हरिको संक्रिति सब जानौं॥ ह
रिजी सदा ये करसरूं है॥ करस न
करें जन मन लागहै॥१५॥ और क
रमकरत सब जानें॥ जनमलीये
हरिजी को मानें॥ ये सब रहत निके
भोहार॥ हरिजी सब ईनसबहीन

कैपार ॥ १९ ॥ जैसैं नटबाजी खिल
तारै ॥ बहोरयौं आपसो सकल नि
वारै ॥ बाजीगर सबजानसो न्या
रा ॥ यौं हरि के करमत्स्य वतार
॥ १९ ॥ जिन हरिरच्यौ त्रिगुणसंसार
नांनां जांति अनेक आकार ॥ अ
पु उपैं कीयो तिन तिन में सब
बुला पु विनासे छिन में ॥ १ ॥ अंत
आपू के आपु ही रहै ॥ तासो पन
अवतारन गहै ॥ जुरू को मतक
रु जिन आन्यो ॥ काल रूतके
गू तलाऊ जांन्यो ॥ १५ ॥ छलसत्त
रुली बचायो ॥ बषिकतासर
गसदेह पठायो ॥ तेजो अपनी
रक्षा करते ॥ तौ तनको काहे प
करते ॥ २० ॥ सबजगको तप
लिपाल ॥ नासकरै जिनको व
लकाल ॥ जैसैं सकल सकिमप

सूत्र है
ना निरंजन स्वरूप सर्व रूप पा॥
सौतान स्वरूपः कालके र सगुण
ता कौ नाही॥ स्वरूप के है सकल
कौ नाही॥ र जनाते निरवैकुंठ प
हो॥ बाडी स्यौ है ला दिखि निरा
रे॥ पुन्नि है ला दिखडे तो देखि
बाको निरिको नैतेर र वा विस
मध्य कहे मगुराना वै॥ स्वप
सबै लोक निडा वैः स्यौ प
ता वैपर ना तः कहे
रताव है २५ सोवि
कौ निरबलडाल वैः जो
ना कौ या वैः लिरि
डावैः वस्दे
१० इस
अ कैः तेः डै
स्यौ निरखितः लिनके
हो तः वा
स्वा

बोकोउ बोलिजेआ तिगातहे ॥ नई
आंषिराती लगीफाटवेकोछु ॥ ती
सोपुकारी सरआरतिसो ॥ मोतोत
नपातहे ॥ हीरेआपेलागेसवदुष
दूरिनागे ॥ कोवडेनागाजाा ॥ ष स
ईनसमातहे ॥ १८ ॥ दूसरीसी ॥ सुनो
नरपसुताबात ॥ नकिगातगातष
गो ॥ लगोसबबिषेलुागि ॥ सवाहद
रागोहे ॥ ब्यालाबमुषभरआयेले
नवैदुबर ॥ घरीअरबाकोउचित
ि ॥ ति ॥ हि ॥ ककरि ई संयपनरी
आपनेसीरग ॥ चलीआलीहनको
उयेका ॥ वालतालूरागीहे ॥ आपे
डिगपतिबोलि ॥ योचोसरति ॥ या
कोआौनईसि ति ॥ स तिआवे ॥ बिषा
पागीहे ॥ १८७ ॥ उनदाोनवषाता ॥ म
कोजीयेजतनबेगपो ॥ नेकबोलिसुष
दीजीये ॥ बोलाजोचाहतोतोपेनाती

वजोउन्हा

चरे॥२१॥ऐसेसुप्रवाहचलेनैनैनतें
अतिब्याकुलअदीपटबैननितें॥
सबजदुकुलकोनास सुंयो॥अ
खलनकोनिर्जीनजनायो॥२२॥
येसुनिसोकनपतिसबत्तयो॥क
रतविलाप बनासहीगये॥जरो
जायेरुरिज्ञानहीहै॥तबबेकुं
गयेकरिलेये॥२३॥तबदेवकी
रोहणीबसुदेव॥नैगृसेनराजान
रदेव॥हरिवियोगतैंउपज्योसो
क॥जाते चहतज्योतरलोक॥२४
रामलछमकोईवियोग॥जाते
मिट्यौ दससंजोग॥बलिजुवती
सबलेबलीदेह॥अग निउबेल
कीयोअतिनेह॥२५बसुदेवली
लेछोडसनारि॥कीयोसहगमन
बिहासंवारि॥प्रदमनआदिजरो
लेजेते॥तिलकौ त्रैनिवायेसब
जेते॥२६॥सबदिनकेअतिक्रम

सोऊसंगपसो पिटारीहै। हे विभूति
सास्त्र श्रीहरिजगत बिचारि मिट्योबा
धिसोजनमगयो। नैकनसत्कारीहै
कायेस- जयतेहरिसाधुसेवामें
केपरो। भदोउ जागहिरवधूयोप
धारीहै।२००। नमतनहितबिप्रदी
योउन्नेबाई कोउ को। नगतहै। त न
सूत बिरवदीयो। येउनेनताबाई बा
तनाकेबोलिकेबताईहै। नयोपेक
न्नूपताकेन .तौमनकआवे। आप
नकूनूपतासूलगनिलगाईहै। नि
तिसाचनेतश्रीपेचलनन्दतराजा
बातपायोंबरसमांसकसो। ..पे
गईश्रासरूटितनधूटेबकारीतिहू
ई। नईबातपूछिरानीसबलेजनाइए
।१। दीयोसुतबिपरानी। जानिनरप
जावेनोहि। सतहेसुतत्वसाईनिकेसे
राखाये। नये बिनतोरवधूसारव

बियोग॥ ३८॥ स्यौंअग निरंजो
ग॥हरिकौबकृइसलौंजेती॥रु
क्मनीआदिसकललौंतेती॥ह
रिकौसपहिरदैमैध्यास्यौ॥अग
निप्रवेसस्सबनमिलिकस्यौ॥
अरजुनश्रमसघाहरिजीकौ॥कृ
स्नबियोगप्रहारकौजीकौ॥३५॥
तातैंअरजुनअति पपायौ॥क
स्नज्ञानतबहिरदैआयौ॥गीता
मांहिजौ॥तत्त्वज्ञान॥मिथ्याहे
हसतिभगवान॥३९॥ऐसोब
हैबिधिज्ञानबिचास्यौ॥कृस्न
बियौगसोकसबटास्यौ॥आधुन
पुनमारेजेते॥अपनेबंधुज्ञा
तिभियतेते॥४०॥उग्रनकौंजोपि
डा दिक   नो॥कृतिकरापि
जेतीबिधिनाना॥सोसबअर
जुनसबकरी॥कृस्नप्रीतितेन
हीपरहरी॥४१॥तबैद्वारकाकृस्न

भरमोंडिजन नानलहीलीजीयेपलै
साधूसीततैसरीरदुगरूपपलोजान
चरनांमृतकेस्वादहासोंलीनोहै।च्यौ
कैसेजा। [illegible]जानबजाताहै।[illegible]
।आवैंपुरप्यारेजबविषसृतहोजायें
२०४ आयेपुरसंतआय ।सोलैजनाए
दईनि[illegible]।सहांकेसेजात । तविपलै
केदीयोहै।गयेवाके ।नरोपेडरको
लकोनि।सबनृनिगपरेआंनिहृक
न्योजातहायोहै।बोलाजकलायेए
कजोविकोउपापजोपै।कायं
जाय पितामेरकेईबार ।ययोहै।के
हे सोहाकेरदगनरै।त्यावोसंतन
कौं।कैसेहोतसंतपूछीचेरानाम
लायोहै।।२०५।चलीलेबलिवापचेरी।
बोलिबोस्यपबायदीयो।देखिकेंघर
निग्परियो।२०६ लाजापे।कराकी
रीतिदुगध्यारामानोप्रीतिसंत।के

बिननईसायेरबोरिपलकमेंलइ
केवलहरिजीकेगुरुजेतो।त्योंली
हि सकलईतिते॥४२॥ नितिबित
रतहासहरिजीको।सुमेरतसुनत
उधारणजीको॥ मंगलसकलक
गलनिकेरो।विनवनसुषलोवे
नितेचेरो॥४३॥सत्रीबालवृद्ध सब
जेते।भरतभरतजुबरतेकेते।प्र
जुनताहिदिलालेआये।समाचार
पंडौनिसुनाये॥४४॥तुमरेपितासक
लपितामहजेतो।कहेमप्रपालाली
सुनिकरितेतो।तुम्हलाबिसंचररा
जाकीयो।सुपरातिलकब४जको
दीयो॥४५॥तेसबतजिनतरहिसग
ये।कृस्नहिसेयक्रतमसयनये॥
जोयलहरिजीकोअवतार।जामेंह
मरहगुणबिस्तार॥४६॥तिनकोक
हैसुनेनरजोई।सबपापनितेछू
टेसोसी।याबिधिहरिकेजेअवतार।

इबहित हेत बिसारी॥ हसपकरन
केकाजिबध्धिकबानेोध्यरिश्राये॥
तिलकदमोका॥ केचजानिकेरिश
पबेधाये॥ सुतबधहरिजनदेषि
केोदे॥ ॥छ॥ दुहाये॥ श्रासेश्रग
धदोउजगतको॥ रितापन॥ तिसें
कोये॥ पाटी ॥२०॥ माना नोजे
॥ श्रासेश्रेोश्रगाध्वदोउसोमानो
नजेको॥ दोये॥ प्रनूपोषताकाबात
चितधारीये॥ ब्ररसैोनिकसिचले
बनकेोबिबेकरूप॥ मूरतिश्रनूपब
निमइनिहारीये॥ देषि मेंरगतो
॥ नामश्रीनिरामजाको॥ ताकोलेब
नावे॥ ॥२०॥ सबटारीये॥ धनके
जतनफिरन्त मिमेनपायेकहे॥ चं
हदिसहेरिदेष्यो सषनयेोनारीए॥
२०८ मंदिर॥ सरावगीको प्रतमो
जोपारसको श्रारसनकायेबेहनू

कुम्हारकी॥दायेसिलादुका॥ ऐसे
नानकरदीयेतली॥कोयैलगाये
मनमालितेोपारकी॥करतकरत॥
नरागबढिगयोन्यारी॥बडोपेवि
चवरीलियेहासोन्यासारकी॥५६॥
पाछलेकबितमाझिदोउनकीयेक
रीति॥ अबसुनोन्यारीन्यारी जिके
मनदीजीये॥ जिनादासताये का
ताकेउ नैनाईरहे॥आपसमेवैरभा
वनास्योसबभ्याजीये॥ तामेगईसे
वाईनबडोईकलेसकीयो॥जीयेन
तोजातघानपानकेसेकीजीये॥रहे
सकुचायेयाहिकछूलसुनाये॥तब
कहादुरायमनआवोतेरेदोउसखि
चीजीये॥१ऽपगईवाहागावजसादू
सरोजूनाईरहे॥वेदोहाउ८ धाईसा
भिकहावलीबातहे॥लेवाजू
तहाबैठयेकरोर-रूक्न॥वोल्यन

ऐसे संतनि छोडी पै नराषैं मति
जो पै ॥१५॥ मन जन सदा बसती
टीका ॥ मन जन सदा बसतीत
के हितु [illegible] कै विचार से वाकें
जे चितु लाये है ॥ आवत अनेक साधु
ना प्रगट भगत ॥ सो चलै तजै सी अ
वैसु बछि मिलाये कें ॥ संत सुख ला
ति रहि पाइये ति सदा ॥ सुत सो
सनेह नि ति हि सै पहि ये है ॥ अ
धो न्त गवान के षगो लो मजा नि
मारयौ ॥ चूरि गा कि आ पै गरद पछ त
पै कें ॥ २१५ ॥ षे मैं हेता नां मगबदा
हार त्यौ भाग प ॥ बाते च्यारि जांमि तो
धोसि मैं न आयो है ॥ फेरि पुरडौ डी
जागे के संग संत आप ॥ लैडी कहुं
ये पुकारि ॥ सुत कैं न बिरमायो है ॥
वेग पदे बताय हाजे आलै रन दाये ली
डौ ॥ कहौ सो सत्यासी ईहीं मारयौ मन

हरिनक्रिलीये।।बिनाहरिनक्रिमेरे
अंगनलागीजीये॥आयोरोसनारी
अबमनमेबिचारी॥थांपिटारीमेंजूवे
छू:सोहालेकैन्यारोकीजीये॥करीउले
बातजलकोढिगुडारिदई॥नईनईज्वा
लाजीयेजातनहीपीजीयै॥१५॥तजे
जलअंनअबचाहतप्रसनकीये॥जो
तकेप्रसनताकोसरबसलीयोहै॥
पहुचेनवनआये॥दईसोजनायेवा
त॥गातश्रतिश्यानदेषिकहूठकीये॥
है॥सासुसनजावैकछुतायसीपवाव॥
याकूबोल्योहूनजावै॥तबधरकतहै
येहे॥कैसेसोताकैरअबपरैपायेतर
हस॥बोलाजबवैसौवैतोहाइातनी
येहै॥१५९॥आयेवाहीठारनैरआपत
नैनोमिगास्यौ॥दस्यौजलनैनसूरअ
रतिपुकारीहै॥नक्रिचसिस्यालजैस
कालबसिकोनीनरक्षेआयेलगेछाती

दईबेटीब्याहकलामैरौठ [illegible]
मिरैमें काजीयेनीबासजुगमोंहि
झोलौजोजीये॥२१॥प्रायेगुरहू
सुनिदी जे कौन [illegible] स्यैर॥बउ
सिध्यसुखदाईसाधुसेवालेबता
ईहै॥कलौसुलकलाप्रजूपाछोकल
कैसीचांतिच्चांतिकौबपाछेमोच
जगालपरा हे॥वन्हनेपरेष्यालई
सैलाहमें ज्ञागयादइ॥चलीयेदोष
वेजोनो॥रेलकौं [illegible] जाराईहै॥
गये वालीबारसिरमोरहरिध्यानि
कोये॥जीयेचल्यौआयोदासकीर
तिबढाईहै॥२१५॥मूलभाष्यारहजुग
चव न असदालाक्लिगपरासाधीकर
नाहारमईतरवारिसारमईचोल्ही
नकी॥देवाहिंस [illegible] नग्यारी
बाजनकी॥कलथुजकेकपिच्यारि
चितापरिकाछल्यायो॥जे [illegible]

रिरोपैजुदी॥तैपेगईरावलमैंसुनीस
षूताषांपै॥बोलिडारिकिटिपटनचु
नप्रबेसकांपे॥त्यांयेदिखिवालक
नालतनसाषहि॥पूछ्यानृपत्रीयासे
जूसांचा॥ल्हेकोपे॥कारा॥कहानुम
त्यौचाहानेंनखिलाषियै॥२०२छ
तांघात्यरोहैकपहे॥बोलिहुनखावै
घा॥स्रषनयेनारानतिरीतिकछूनम
रोहे॥जानांजनजातिजातिघो तिको
बिचारकतां॥श्रोतारसस्याग्रसौंसद
रखाराये॥स्तरिगूजगायेस्वाषिसंतदि
बतारदायो॥बालिकजिवायेलागीहि
रप्रीतिप्यारीहै॥सगकेपठायेदीयेरो
जे नाडु नाजिसाये॥बोलेआपजावोजे
मेमारिके बिडनायेु॥२०३॥सुनौचात
लायेबातदूसरीसुतायेहीये॥जायेजु
गमी
नरपैसुताव्यात
येज

रविटीब्याहकलमेरोतररहारहि
मिरोमिकाजीयेनीबोलजुगमोति
ज्योतीजीजीये॥२१॥ष्णाये गुरहू
स्तितिदी जे कौन सेरामबे
सिद्धसुखदाईसोघूसेवालेबता
ईहै॥कलोसुतकलो अनुपायोकल
केसीनोतिनोतिकोबपाजेसोच
जगलपदाडु है॥ घनेबरधालई
सोलाहमे आग्याहई चलीयेदाय
बाजोता॥रलकों जराईहै
ाये वातोरसिरमोरहरिश्याम
ताया॥जीयेचल्यो आयोहासकोर
तबदाईहै॥२१५॥मलनाप्यारहुल
चरजसदासत्रिपरासजीकर
हारमईतरवारिसारमईचौनही
को॥देवाहिसतकेसबतग्यान
जनको॥कमच्छुकेकपिच्यारि
तापरिकाछल्यायो॥जे

कसीत रिखात अेरजाना पितमात मतो
पुंगनसमात पाइ्गरोजति नंजीहै।

रापें भुतो तिगुरु पाबनकौं कोजीये।
चलेसुधपायदासी अगैहोजनाय
जाये॥ आयठाकोपोरिपावुगहेम
तिनाजोसे॥ आजुप्रानवारिदीजीए
री फिगयेसतयोति हैयिकैअनत
कसौ॥ होयेगाजुवहासोध तंगपाक
रीहै॥ बालकनाहारिजानी बिषनि
रधारह्यये॥ जदापेजुचरनांमतेकी
प्रानसभ्याधरीहै॥ देषो विमवजाए
पायेतत्कालत्तीये॥ कायेतअसिबस
चसेबामतिहरीहै॥ [illegible]
[illegible]
॥ ओसै नूपनारिपतिराधी सबस
ही जनरसै अबलाधी॥ जोपैहोबाय
हाबरीहै॥२०॥ कूला॥ आसै अगाध
हेजनको कोहरितोषनअतिसेकी
ये॥ रंगनाथकोसदनकरतबहोबू
द्धिबिचारी॥ कपटधरमरचिजेनन॥

न्हे षितेजखोनन चलाईहै प्रसै
लोबरस येककतताब देत नयु
कसौमोनिमारिडारोजोपेमेब
नाईहै करागोठिकुंइजाय माय
कै प्रसाद बैठे प्रथम निकासोजु
पसबनिदिषाईहै ।२२।करमन
निसारिकतानवनबिचारकता
कह्योचाहेहारमुषबिकसेतल
रहे काहिकैदिषाईमानोबाजर
चमचमाई आयोमनमाझिबो
ल्यो याकौमारोजातहै कैकरजो
रिकेंबचायेप्रजमारायेकोक
होबातरुदीनहाकराकरतारहे
यदाइनाइनिपावोआवोमतिभु
रहो मैतोअरुआवेलोपे ।२३।
ासतारहे।२२।श्रीरूपचंतरनु
काप काषीकटीकोा।।इरस
आयोरानारूपचतरजुजुकै

नहूबतायोहै॥ पावैप्रन्नसुषहमनर
कहागयेतौकाहा॥ चरकनआईजाए
कानलैफूकायेहे॥ करिऔसाकरीसे
राजासोहरीमीतकेवराज्यो॥ सेवरा
समाजसबनीकेकरीराजायोहे॥ दीये
सोपिन्नारतबलेबैबिचारकरै॥ हरे
कौनरासनेद्दरजनपेपायोहे॥ २०९॥
मानारह्योनीतरिऔनउयदिसोनान
जोहे॥ कलसन्नवरकलीनायसोफिर
पोहे॥ जोवरासोफासिंहायोनूरतिसो
पेचिसरी॥ औरबारबहुआपनोकेचाहि
आयोहे॥ कायोसोहारतालेफूलितन
फसिबैठो॥ अतिसुषपावैतबबोलि
कैसुनायोहे॥ कादिलैहाल्यासईसनेथ
कानिंदाकैम॥ नरेऔकवारिमनकी
डायेसवायोहे॥ काहिर्ववि[illegible]रस
लेपकोनिंदाकै॥ [illegible]रिम
कोजायेसवायोहेपको

रसालकै रपैरंजोहाहाथलैकैस. ४
खवो।।पायेपे ।बानबनमेछिगये
घर्वोछिकै।।गायबेकोलचोरजैसि
सेचुराई है।।जानिकेछिपाईबातमे
तैसीबनाई।।कहाहरीबिप्रनृपोहि
रतसंगफिरे।।आवहीगहिनहोहि
वाराकोलउनपलटा।।तासआयो
।।घरजामिलीये॥ चिकेसुनाव
ही॥रस्नी कटाका श्री रवी:॥ भा
गवतटीकाकरी श्रीधरसुजानपहि
यहमें रहतकेरजगत॥१७॥ हम
चलेजातमगडगलगोकहे। ता
।।संगसंगारे॥ नाथे।।मेरेजीवनि
स्यारहै।।जानीयनकौउनाहिमारि
बोउपायकेरे।।चोरेचापिबानवआ
वेबलीसकुवारहे आपहरआये
।।पूछेस्यार॥ कहाजानि
वैतापारकायेआपडारयो नारहैन रउ
मूर्छा नगतनसेयल गवानजेयो।।ग
नित

लायेहै।उदईसिंहबतायदेवीसहैल्योय
कुगसत्स्वो।याहीकुमारने पुत्रसत्य
नीकेपायेसे।२१।बोल्योसकुलायेम
तोदीयोसैबताय।कोहिदेसोधुडाय
नतोरूठकछ नाघासे।सेवोम तित
म[illegible]साधूजानपाछिमेटोन्यातै
जावोजु दिश्रोरकहूमोनोछेरनाबी
थे।आश्रीकेबीचारकायो।जानौसक
चायोसत बोल्यनदीतायो।सतदे
केजीकेरासीये।परचोबध्यायो।रे
सैरीलीजायेबतायो।पुत्रसोककोमि
टायोश्रोबधरीअबलाबायै।बोल्यली
सेसतस[illegible]तेकी अंगीकारदुखसे
अपारकोहू बिमुषकोराजीयै।बोल्यो
मुरकोयेवमैतेभासचोसुतसायो।मे
पैजीयोनसीजायमेरोनानवहीलीजो
है।हेघोसाधूताईधिरासासपैबुराई।
नालोतारहैनदोसकोपो मेरूसमराजोहै।

साधूसेवासोहरूपकीयोहै ॥ तूछुम
लिकरोकेसोजगतहै रूमारोयेको ॥ मै
हुआवे आवो ॥ ऐजेलोपूछिलायो है
पूजसंगचल्योजातबडोजेतपात ॥
मछिकोउपहोचावो देवोलेरूपइया
दीयोहै ॥ कहोसमोधानसत ॥ मेल्य
वाय[illegible] जोउ ॥ पैनेजायेबनमांहि
देखिबेकोजनजोयोहै ॥ २१२ ॥ पैजान
हारिमालातिलकनसदाचार ॥ लिये
गोनडारजनजोपेईतोल्यायोहै ॥ ली
जायेछिपायेयेसोबारकरोकोरिह
दीयेसबडारिझूलाछिपुनामेछाये
है ॥ अगुरीमरोरिकहोतूबडोहोकढ
भूहो ॥ ताकूकेसेछोडु सतजोविमो
यो नो है ॥ प्रगट ७ दिषायोरूप सुइ
नूपयेत ॥ मेरोजगतरूपलेकेछ
सोलगायोहै ॥ २१३ ॥ टीका सा[illegible] गो
ल[illegible] ॥ गौडदेसबासीउनैबिप्रता

मलकेजुममाहिप्रवेचहिआपसी
आये॥बिरलसकतिनैसिचवगुनी
॥श्रीअचरसंगसायकचरन॥अ
रुजुगचवत्रजसदाल्लहिपरा
सांचीकरन॥पराग्नवनचौहानकी
टीका॥सुनौकलिकालबातऔर
हैपुरानख्याति॥नवनचौहानजा
सरानाकौदुताईहै॥पदाजुगलाष
बैसिवृष्मिलाषसाध्यचत्योजूसि
कारनर्पसगनीरनारीहै॥मरजाय
छैपरैकराहकहतोग्या।रत्तनि॥यौ
आयगईद्याकसाकारकूलगाइ॥॥
कहैमोकौकनसकरीयोकरहै
अनसेनकी॥दासलखवारिधसहे
हैमनआईहै॥२१७॥औरयेकजाइती
नेदेषीवबारिदरस्यकोनसस्कारि॥
जायरानाकोजनाईहै॥नर्पनपरतो

ाधूसेवासाहस्पकीयोहै॥मूछेम
रकहाकैसीजगतहैस्मारायेकामे
हस्राविम्रावीम्रापेजाहापूछिलायोम
जूमगचल्योजातबडोजतपात॥
नछिकोउपहोचावो देवोलेस्पदेया
दियाहे॥करीसमाधानसत॥मेल
ाथ[illegible]नाके[illegible]जायेबनमाझि
हिबबहेचनजीयोहै॥२३२॥ षेजान
ारिमेला॥ [illegible]कनसदाचार॥किये
ोतडारथनजोपेईतोल्यायोहै॥ली
जायेछितायेयेलाबारकहाकारिवो॥
हीयोसबडारिषुलाछिगुनामेछायो
है॥अगुरीमेरोरिकहातूबडोहाकदार
भूहे॥ताकूकेसेछोडुसतजोविमोके
ना है॥प्रगटदिषायोस्पसुद्र
जूपायेह॥मेरोजगतस्पलकेछाती
सोलगायोहै॥२३३॥टीका साबीगोपा
लकी॥गौडदेसबासीउभेबिप्रताके

नसकेजुअमाहिप्रत्येचादिग्रापसी
ग्राये॥वरनसरूतिन्हैसिच्चवगुनी
॥ग्रीच्चरसंगसायुकचरन॥च्चा
रजुगच्चत्ननजसदानलिंगरा
साचीकरन॥परान्नवरच्चौरानकी
टीका॥ासुनौकेत्तिकालबाता॥ग्रोर
हेपुरानरव्यात॥त्नवनचौरानजो
तारानाकोडुलाईरे॥पदानुगलाघ
च्चलोजूसि
कारनपसंगत्नीरन्नारीहे॥नरगोप
छौपरेकराह्करूनाग्यारनलि॥ये
आयगईदयाकसाकाहेकुलगाइ
करेमेकोकनरूकरायोकरू
ग्रन्नरूनकी॥रारतरवारिग्रस
॥२१७ग्रोलयकनाई
रिदारस्यकोनसस्त्र
जायरानाकोज्जनाईरहे॥नपेनपर
तिकहैकोरेयूरूसोरूनाना॥बाना

द्वैलईसत्यषायेकै।बीतकेसांमा
तबबोलेस्यामसुदरजू।पतमानचले
तोपैबोलेक्योजूनायेके।लोगजूसंग
उगसेस्लोगचरोरंग।ग्राधेग्राच
पावैचलोनोपुरबजायेके।धुनितै
कानपैरेपाछे।जनदीजुकैरकैररहे
वाहाठोरकदसेसुनायेके।२३६।गपं
हिगगांवकदीनेकलौचितावुरहे।
चितयेतबाटहायेमसकायेकै।म्या
वेजावुलायेकहो।आयदेयोग्राप्रग्रा
पसनतहाचौकिपेरसबगांवग्राय
जायेके।बोलिकेसुनाईसाषि।पूर्जी
तायेग्रनिलायलावलायवनोति।रंग
नस्योजुरनायेके।ग्रायेतनसरुपफ
रिवि।निकरिरायोधरि।नृपसबदर
दीयोग्रबलोबजायेके।२३७।दोहा।रा
दासकी।द्वारिकाकेडिगदाकाकोरु
कगांवरहे।रहेरामदासजनकेन।हि

रेरुप्रन्नपोदिहारसीसलपरायेहै॥
बेग्पसेइतारिकरस्कैगरैडरिदीय
देखियोरोबारकहोय्योरेप्रायेप्राय
रो॥करतलोकहदईसिरानहाजाति
प्रवत्मापतिडारेमारि॥हरिपद्या
येरु॥प्रतोरिपाकेसमेरलायेक
रोकेससेत॥लिसहनन्नक्रिकरी
कायेदेयोध्रायेतै॥ररउ्नानिराज
वासइयरासिसिधूकुयौहतोरन
निकेमोदासबानी॥मोनोफेरिली
योरे॥दे बसेतबारजानोकरपार
प्रपास्करी॥न्नरीनारप्रोषेसेवाले
समेनकायोरो॥बडेहादयालसद
नांक्रिप्रतपालकेरे॥मेताहौप्रन्न
तांप्रपेसकूचायोतापोरे॥रुठेसन
बच्चहतेनावलाजे॥मेरोहाजूलातें
सयसाजेयेहरसायेदायोहे॥ररस

प्रनक्तं साधू सेवा रागी है॥ कैरे इनहो
बतासे मूर्ये के बेचायाल॥ ३ ॥रिदै इष
तम्मो ठिगा राजकला गी है॥ तमाको
प्रसंग कैरे संत जो है सो लेरे॥ हि इसोन
मोरे ये बडो तो अनागी है॥ येत पैरिजा
यूवा लिलई है जावाय॥ रे पिदेषापेर
पाय॥ भगति नाव मति पागी है॥ २४॥
टीका मूल जूकी॥ चले जात भक्त नग
लगे बाग दीठ परे॥ करि अनुराग तरि
सेवा [illegible] बिसतारी है॥ पकिर
हे अब मांगे मालो पासि ते गली पू
कचौली जिकछा कि आई सब डारी है
चल्यो है रि राजा जो हा जाये के सुनाई
तु गातन्न ई प्राप्ति लिअर वृत पावचारे
है भवत तालो टिगायो॥ मैं तो जूसन
पन्नयो हृ यो ले प्रसाद भगति नाव
हीस सकारी है॥ २५॥ पाटी कावा रे मु
की बैस्यां को प्रसंग सुनो अतिरस

फिरै॥नलैकेचनयेकरि
रिजनआये॥बिदतबदार
रिआपलटाये॥साधिरैनि
मेघुरद राअनूपध्यारे॥रामं
सिधारे॥
॥बलब
धाये
चनअपवपध्यरे॥नगतनसंगचग
॥गजुवखगोरुनफिरै॥५३न
नकीटीका॥॥नगतनिकेसंग
नमैसेपिसौकेरजेसेबछास
फिरैनेहवतागाये॥हरिपालनाम
बिप्रखोममैजनमलीयो॥कायेअन
मेरागसाधुदईश्रीलटायेकेको॥केतक
सेरेकीयो ॥बिनुषके
रिदासकेंनदूषदेतो॥आयेसेतम
सौ॥बढेक॥सरव
मनीमेलतरासोचपरयो॥हसोमन

पकेसैलेत: देहैलभलाघतौकेरह
य़ सलकाजीये:कायेलाबना सुह
मिर कालुलाये ध्यन बनिठनिचरी
चारल धिचरिलाजीये: सेतम्रग
पायुयो निसके॰ ईभइमं:फिराये
ससंकधु गत्तीयाध्यरमन्नाजीहे:
बोलेआपपाकोल्याये आपे:पहरा
येजा॰ेहस्याणलायेत॰ेणसीसम
तिराजोहे:२८८क॰ ेओरइगन
तैकबलनन॰ल॰ गबलातकार
पाकरी बीच्यरीयेस्छनाधन्गा
ल-इ॰ेपेरछ यपालागे:निर्जनबन
मैजायेदुषकायोकरमग नागे:बी
चिदीयेसो॰ लालाभकलेनारिपका
री: प्रगटेसारगञानसोकसाये
तैरारी दुष्टनक्यायेनीकद्दासप्र
णसंगपाप्यरी ओर॰ गनतकवल
नैनकल॰ गबलातरकृपाकरी ५५

कृपासुनो॥ येकवेरकृष्णजा तिकृष्ण
ष्वेटोसगयेहै॥ औरऔरहोरफिरआये
[illegible]॥ बनतनन्योदूषीटहलश्र
मगहै॥ रागौबडोडूजानिजसुताकों
देषीअतिरहानहीचाहमेरेंसोबिने
रगहै॥ सोबोहेगोपाल अबबातप्रत
पालकरो॥ दरो कुलग्रामनामपूछे
सोप्रसंगहै॥ कैसोछोटोविप्रश्र
हाजीयेकसाडोबात॥ तायासुतकहै
अहोसुतायाकेजोग्यहै॥ द्विजकहेनाहीं
केसेकहमेंतौहैनकहौ॥ काहाकहो न्
लि नयोविषाको प्रयोगहै॥ नहीं सन्ना
नारी॥ पूछोसाषीनरनारी॥ श्रीगोपाल
बनवारीऔरकौनतुछलोगहै॥ स॥ वे
जुलिषायेजोपेसाषी नरेआयेजोपै॥ तौ
पैभ्याहिबटादहजसाजीकनोसुषनोग
है॥ २३४॥ आयोतृ [illegible] दोबनबनब
सीश्रीगोपालजूसो॥ बोल्योचलोसाष

तहरिहियेरति॥ तिनकदाम धारेको
इतिहि गुरुगोबिंदकरिमांने॥ परदस
नीप्रतावसबेघाम्रारिकरिमांने॥
नांकननिकोनेघसीसिहितनंड
कुटिलमाये॥ नरपतिकेढ़िछनेमता
तिपैपायेच्चवाये॥ नांडनेघगा॥
गश्यो डसबसउ नडीनकिपेकन
पत्नागोतिकोकथासुनतवहरिहे
येरति॥पहटीका॥ राजानिकिराजडो
मत्नांडकोनकाजहोये नायेगईघाके
धनहरिकोनहाजाये॥ आयेनेघपार
लेपुजायेनाचे देकेतानन पतिनिक
रिकहोपोनिहालकाजाये॥ नाजकर
येनरिनोहरनिधारल्याये॥ प्रागेध
रिबानेकरिप्रजुयेत्नजाये॥ नई
नकिरासिबोले प्रावेबासनावेद
निबाहगहेरवडेर॥ बलेमतिनीहै
रपीमू॥ प्रवनिछ पा॥ प्रम
धरमनी ...... नाहिनध्वजी॥

कृपासुनौ॥येकवैस्नव्रजा तिवृच्छ
छेटोसगयेहै॥औरऔरठौरफिरआये
हि. दिखै॥ बिलतनत्येदुषोटसत्रय
नेगहै॥सोजोबडोदूजनिजसुताकों
दई औरहैनहीचाहमेरें सोबिन
देगहै॥साबोहेगोपाल अबबातप्रत
पालकरो॥टरौ कुलग्रामनामपूछौ
सोप्रसंगहै॥बेत्योछोटोविप्रश्रिप्र
हाजापेकराजाबातो तापालतकहै
औ तासुतापाके जोग्यहै॥दिनकेहनांहि
केसैकहूमैतो देनकही॥कहाकहेनू
है नयोविपाकोप्रयोगहै॥नईसना
नारी॥पूछोसाषीनरनारी॥आगोपाल
बनवारीऔरकौनतुछलोगहै॥ने॥वे
बुलिपायेजोपेसाषीनरेश्रापेजोपे॥तो
पैब्याहिबेटादीजेलाजीकरोसबनेग
है॥२३५॥आयोवे ... दोबनबनवा
सी आगेगोपालजूसो॥बोल्योचलोसाषी

प्रबलतजेप्रोनर फ़िरसपानिरूप
कापैजातगायोहै॥ जाकेपत तोपसे
तीजोवैरसत्तीयि॥सबडोरैलातबापु
यामैप्रगटदीषायोहै॥२५॥मूलनी
गुरगोदि....सिषसतिप्रतिदृ
प्रतीतिगाढोगह्यो॥मूल....
ज्यकर्‌यो....कोडेतो॥याचारजपु
कबाततोलिग्रायेतेकरूजो॥स्वामीरूप
समापदासइसनकूप्रायो॥गुरुकीगो
रा विस्वास फेरिसबधरमेल्यायो॥सि
षपनसोच....नकु॥बिनसबस्तु
तसोईकीयो॥गुरुगोदितव....
विसतिः॥प्रतिदिढप्रतीतिगाढोगह्यो
....गुरुनिष्ठकारीका॥बडोगुरु
निष्ठकघ्रह टिसाध्रूईषिजानो॥स्वामि
संतपूजिजाने....सैसमकाईये॥निति
सो विचारै पुनिरारेपेकुचारे॥नाही
चलोजबरामतिको॥कत्ताफिरिग्राई
पे॥सपतदिवापेन॥उरायेबकोदीये॥

जाकेप्यारीहैजागरनयेकाहूसौकरै॥
रनछोरकुलेमनपातनहूयप्रमादहैन
हीचाईये॥सोलनरि नायेतेरोश्रापैछो
सोहैनजाये॥ चलौघरचायेतेरे लाव
गाकीनारिये॥३३॥ एकरावाहानोतिश्र
जायनगाकोन्याटिये॥ जानीसबबूच न
मोथकोपावगतिहै॥ हादसाकोश्राच
रातिलेकेंचल्योमोदगात॥ नूपनउ
तारिवेरजाकोसांचेरातिहै॥ मइहा
रिदेषेपरीहैउजारिजांहां॥ दोरे पांछु
जानिदेविकसाकोनमतिहै॥ बापप
धराय [illegible] सोकि [illegible] जायेसुषपा
येरहे॥ गलोचल्योजातश्रौनिमास्यै
भावभ्रतिहै॥३४॥ देषेचहूदिस गा
डीकहूपेनपायेहरि॥ पछतावोकरि
कहीनतैकेलगाईहै॥ बोलिडरायेब
रीश्रोरयेहैगयेहुतौ॥ देषिनायेबा
घवरीकौलोहूलपटायौहै॥ हासकेजो
डराचोरश्रौटिलईमैंहाश्रगन्होंनैं

नारीबातसुनै नहकार॥ ॥ घटकुलतै
उतारीदेहसोताहीयाकौजानं॥ ॥ मात
दूधपावैयाकौछुयेहूननावे सुधि
...धूलीसुसेवाकौप्रताप
है॥ ॥ चईतनबानीरानीतेदमनजा
बडादेकहीयोमानीबे॥ आवेचरचै
आपहै॥ दूबापितमातदेषिचाये
पैयलपटाये॥ भजीपेनपायेकाप
... ॥ अस्तनपानकाप
जीयेलीपेनहसमाननिपरअ॥ ज
... पहै॥ २५०॥ बडेहे
रैदासहरिदासनसोप्रीतिकरीपिता
न... रिपिछवारहो॥ हुतोध
नमालकहीयोहनहलत्तीआपते
सुपजालअलैकीयेजबन्यारहो॥ गो

गमस्योनस्योवरघनपूरैहे ग्रो
कौनकोमको: चलैनगजातऽन
रस्छेग्राईजनग्राईजै जिग्रासन
लैनलनारमको: निलसाल
रंसस्ये निलारिसव कौननागज
जैनैदवनामेरैनामको: जौहैरनप
चनरिलैनतग्रागेघ्रस्यौ: ऽस्यो
ङ्ग गनालकलीनोगक्रैरेस्यामको:
॥२४६॥ पूतनकौनकाकेनवलैन
नमलायो: कोयोस्त्र निमोनिम्कोचि
ताचित चारीहै... कैनिसलक
कौनसकजिनत... कालीवार
श्रीग्रपैपाये... नस्योहै
नारधनकरो... पनकरी
सबीचारजोपै... पनिहै: पै
कैनुपायसाथि... ग्रो
राजीयेमकटजा... तिस... स्वं।
॥२४७॥

नारीबातसुनीनहनारी॥४॥भटकुलै
उतारीदेहसोलीयाकोजानि॥बीमात
दूधपावैयाकेंछुयोहूनतावै॥सुधि
आवैजबयाछेलीससेवाकोप्रताप
है॥ भईनिनबांनी रामोतं- [illegible]
बडोहेकहीयोमानोबे॥आवैचस्यो
आपहे॥ इबाप [illegible] हृषिच्यायेल
पेयूलपटाये॥कोमजीपेउपायकोयो
सिखगयोपापहै॥अूसतनपोनकोयू
जीयोलीयोतनसमोनिनिपरग्रू॥जो
न फेरिनहेलैनयोतापहै॥२५॥बडेहे
रैदासहरिदासनसौप्रीतिकरीपिता
नसुतायेदईठौरपिछवानतो॥हुतोध
नमोलकजो हीयोहनहालतीयापतें
डबडालखेलोकोयेजबन्यारहो॥गोवें
नगदासी॥कहूबातनप्रगासी॥ल्यावे
पालकेरैजुती॥साधुसंतकोसमारहे॥
सरीयेकश्रोनीकोयोसेवाकोश्रूस्या
न रहेचोडो॥आपजोनिबाटिपायेपेह

टाकाबि प्रत्ते व नै की बिपु
हरिनन्त करिगेमोम्योयोनायोना
केडूनो रगताकोबातसैम्याईमि [illegible]
ठगमिले इजपुछे प्रसोकसोजातनि
तुमजात यानेमनबपत्याइये पथवें
धुसायेच लेवनमेच्यावाचजाये कैसे
तिसुछधुजोते डोजरमैन छाइये बोते
बिचरालात भुतापेनेकथ्यकधकी
कहीवन [illegible] पाकनोमकतापाईये
२४ [illegible] जयम प्रवरगकेफरंग
करो [illegible] प्रराफी [illegible] नसाचोयेन
जानी गये कन बिटलोनागण
मस्योवि प्रभिघु [illegible] कलेब धुप्र
तेबिरजानीहि [illegible] रहकरिया
कहै कनाहहे [illegible] नहीनोजुधा
ओर बोवालीविच प्राली आये
मध्यारे सबदूरहे [illegible] ने धुप्रा
हेडबारेहितर [illegible] २५८
यकनपनागोनकाकयासु

सिसंतनबसाईहरिमें इ॰ नायेहैं
बिबिधिबितानतानगनोजो प्रेमा
तिपेत्तोपेगईत्तक्लिडरान्नगजसि
येहै॥ इसन्त्रावैलोगनोनाबिधि
रागत्तोग॥ रोगत्तयेबिप्रनिकैत
सबखायेहै॥ बडेहीखिलरीवैरसै
छोनि॥ डारिकरीपद्धरपे॰ टारी
फेरिहिजनसिषायेहै॥२६०॥ प्रीतिर
स्यासिसौरेदासहरि॰ ९६८॥ बस्मै
हरायेलोकरेजनादिटारीहै॥ धेरदै
येपातिरदैजाये॥ दुजनपुकारकरी॥
नरीसत्ता॰ पंग्रागकह्यो॥ दुपगार
है॥ जनकोंबुलायेसमझाये॥ न्याये
त्तसौंपिकानोजगजससाधूलोला
मनूहारीहै॥ तेते प्रतकुन्ह॰ तौत्तातो
अनुकूलयाते॥ सेतनिपत्तावमनि
कोठरीकोतानाहै॥२६१॥ बसतचौतोर
मांझिरानायेकझालानाम॥ नाम बि
नकोंनधासैज्ञानिस्पष्ठनईहै॥

हरिसुमरनहरिध्यांनग्यांनकासन
सोनिनाहै॥मूरखगनरहीविधिरहे॥प्र
गनामरूसनपावै॥निंद्राविसिसोन
पवरनितेनामभ्यास्यो॥सीलपतिप्र
रीठिवसीतवसुताश्रवास्यो॥रिषराज
सोचिकह्यौनारिसौंग्या॥जिनलिवेरी
कजी॥प्रतरिविषपावंयक्रौ प्रकधर
मनाहिनधुजी॥५७॥टी॥ तीयाद
रित्तलिहौ पतिपैनत्तोसेपायारहे
सरगयौमनसोवखडोत्तारीहै॥ कर
नजाल्यौनिससोवतचिठ्यान्यौ नो
बिरहै प्रनावनाम निकस्यो बिहारी
हैविउधादनृपपुछ्योसौनिवाम
स्यो॥ तैसुतनठौरनावजाव योनिधा
है॥२५३॥दैवितनत्यागपतिनदेग्यो॥
नयाकीजैसैरतिवानमैनलेदछि
जायोहै॥ नयोहुवनारीसछिवुधि
हरीतवनैकनविचारी नावरीमि
ज्ञायोहै॥निसदिनध्याननिबरहै

हिसंतनवसाईहरिमेंइचुनायोहै॥
बिबधिबितानतानगनोजोप्रमान॥
तोपैनीरोगाइन्नहिपुरीजगजसथु
योहै॥ इसनआवैलोगनोंनाबिधि
रागनेगग॥ रोगनयोबिप्रनिकेतन
सबआयोहै॥ बडेहीखिलरीवैरहे
है छोहि॥ उतरिकरापहरपैअटारी
फेरिहिजनसिखायोहै॥२६०॥ प्रीतिर
सरासिसौरदासहरिसेवतेहै॥ घरमें
इरायेलोकरेजनादिटारीहै॥ घरह
बैधसिरदैजाये॥ इजनपुकारकरी॥
नदासनानपआगेकहेहैं॥ सुखगरी
हे॥ जनकौंबुलायेसमझाये॥ न्यायप
नसौंपिकोनीजेगजसखाधूलोस
मनहारीहै॥ ते अलफुल मैंतोमानौ
अनकुलयातेहै॥ संतनिपनावकनि
कोठरीकोतानीहै॥२६१॥ बसतचातोर
मोझिरानायेकजलानाम॥ नामबि
नकोनमानोआनि॥ सपथनईहै॥

तनल्यायोजूफिरायेवेहैबालजूजनाईं
संचोन्नावजोान ग्रानग्रायेसोवरवी॥
ग्रग्घोकरोचगतिसेवाकरिविरघेत
१ ॥१५॥मूल॥ संदेहग्रंथखंड
ग्रानीविमलरैदासकी॥संद
सासत्रबचनप्रबिरुध्यडभ
घारविबरनप्रमलेसनिज
गवतकृपाप्रसादप्रमगतिप
जसिंगानवैढिगपातिप्रतीति
रणासरसग्रनिकानलजिय
तीजासकी॥संदेहग्रंथछंडन
ग्रानीविमलरैदासकी॥५१॥
जाकी॥रामानंदजूकोसिष
सीयेकुगेतेछूतिचकटाकी॥
ग्रानीयों॥करेग्रगोकानसीधे
बासबार॥बरघेप्रबलधारत
४पैवामैग्रानीयो॥लोगकोलगावेन
पुत्तध्याननहीग्रावेग्रपरकेसेंकरिल

जोगाज्ञ ७५ । तहांन जत बिनबुधि
बताये ॥ हिंदू तुरकज्ञ वानर । कैसे
बदीसाषी ॥ पछिपातनहीं बचन
बैकै हितकी ताषी ॥ ५८६ इनाले
जगत भ्रमपरे षानातो ननी कबी
रका । रासीनहीं ॥ [illegible]
दुसरीणी ॥ ६०॥ रीका आका बीरजी
का ॥ अतिगंभीरमतवरसकबीर
तोयो ॥ [illegible] क्रिनाद्रजातिपाति
सबटारीके ॥ नईनजबानी देखेति
नक रबानी ॥ करोकरोगुररामी
नंदगरेमालधारीये ॥ ६१॥ तर्क
मेरो ॥ मांनिके मलेछ मोको ज्ञान
गंगाकद्दामगतन ८५ । पेर
[illegible] ॥ ६२
आपपरे पगराम कहे ॥ जेवसै बि
चारी ॥ ६४ ॥ कलनाक्षीबात मोल
तबेनायेगातमा निजतपात ॥
कै

चारीहै॥२५७॥सैसे प्रतिकथं
तिन्हे प्रगटीये सुघसील रंग आर
हरि प्यारे लीयो जन क्रू जब आरिको की
यो बसे सोन षान पान सो प्रसन लोक
हानी कह्यो पारस है राषी यासें म्हारि
कौ॥ मैरे धन राम कछु या पर सोन को
मदाम मैंन चाहै चाहत डारी तन वार
कै॥ राषा ये कसो नौ कीयो दीयो करिक
पारा बेरा षा ये छौ नि जो ऊ लेहु जुनी
कारि कै॥२५८॥ आये फिर स्याम मास
तैरेह बितात नये॥ प्रीति करि बोलके
हौ पारस कारी तिकौ॥ अब वासी ठोली
जैमेरा मन पतौ जो॥ अब चाहौ सोती
कोजे मै तो पावत हो न्ही तिकौ॥ लेके
उठि गये नये कौतुक सो सुनो पावे स
हितम्हहत रपाच निति हा प्रति तिकौ॥
निवाह करत डरलाग्यो लिसकह्यो हरि
छोडो अरु आपनी ओर राषो मेरा जी तिकै
मो निलेहि ना बात जई है रलेबनाई चा

दिनमै ल्यावै कल ध्यामकु सोचे
नग तिन्नावैजो नि ॥ निपट सुजान
वै तौ क्रिपाकै निधांन गुलसो चप
स्योस्यो मकु ॥ बाल दिलै ध्याये दी
नतौ नयौं जब श्रापे घरडारि दई
दई श्री ॥ रामको ॥ माता कर सोर ॥
कौतुल किम मरोरि बोध्यै डारो किं
जोते ॥ - तले तन सहामको ॥ २८४ ॥
गयेजन सोयेश्या रिद्धि हिकै ल्यवाय
ल्याये ॥ श्रा ॥ येघर २८ नोबात जांन।
पुन्नूपारको ॥ रहे सुखपाये करप
करीर घुराये ॥ दई छिन मैलुयाय ॥
सबलै नहि क्लिनारको ॥ दीयो छोभि
[illegible] नौसुघसर सानोहाये ॥
कायेरोस ध्याये सुनी बिपुत जेघ
रकौ ॥ कौरजुलाये ध्यानपाये नखु
लाये हमौ सुद्द निकौ हायेजावोक
हीयोक बीरकौ ॥ क्योजहडा ठजा डक

चारीहै॥२५अथसैठेअतिकौ [illegible]
तिहौकै अगहीयेसुषसीलरंग आप
दरियारलीयोजहूनेघघारिकौकी
योबहौजोतघोनयानसोभूसनरूप
हानौकहौपारसहैरावीयोसम्झौ
कौ॥मैरैधनरामकछुपायरसोनकौ
मदामभैनचाहैचाहडारातनवार
कै॥रावीयेकसोनौकीयोदीयोकरिह
पारावैरावीयेछ्ञानिजौंझिलैहजुनौ
कारिकै॥२५ चअयैफरस्यांनमास
तैरेहबितातनयै॥भ्रीतिकरिवौलैक
हौपारसकौरी तिकौ॥५वातठैरनी
जमैरेमानपताजौ॥श्रवचाहौसाती
कौजमैतोपावतहौ नीतिकौ॥तेक
उठिगयेनयेकौतुकसोसुनौपावैस
वतमुरहतरपाचनितिहाप्रतितिकौ॥
सेवाहकरतडरलागयोजिसकहुलीर
छोडेअरआपनीझौरावैजेराजीतिकू

बैठानर्पिसना ॥ बैठे पैनमोनकी
ये॥ कापेयेकचोजनठिजलदरकाये
है॥ राजाजायेसोचपस्चो॥ कस्वोकि
लाकहौतबजगेयालपेडापावजर
तबचाये॥ ॥ है॥ सनिश्चयर
जन्नरेनरपनैंपठायेनर॥ स्यायेसधि
कहीग्रजसांचहीउनायेहै॥ २७१॥ क
हीराजारानीसौंजुबातयेलसाचनर
ग्राचलागीहै॥ ग्रबकहौकहाकीजै
ये॥ चलेहै॥ नतचलेसोसन्नबा
नारी॥ गलेसोकुल्हारीबांधितायासग
नाजीसे॥ निकसेबजार हैकै॥ उ
दईलोकोकसाजकायेमैग्रकाजछि
छिनतनछाजासै॥ हरितैकबारदै
होगयेग्रुयारमनहा॥ आयेउठिभागे
लौडारिमतिराजाये॥ २७१॥ देषिकै
कुतबउपजोग्रनावदुजि॥ ग्रायोपा
स्याहसोसिकंदसोनामहै॥ बिकम

सेगहत्तै बिप्रसु निखिपुतनग्रोंचल
गी॥नागीनिरयमैं तिश्रागैनोरसब
गईसै॥वैसैहो सिंगासनपैआयके
बिराजेघन्न॥पढैबेदबानीपैनप्र
वैयसैनईसै॥पतितपावननामकी
जायेप्रगटभूनूगायोपदगोदआय
बैठेन किलईसै॥२६॥गईबरगोली
सुनिबाल्यकेपरायेभूलाजैसे प्रति
स्पालीतैसे प्रतिपारीये॥आपरूपध
रिसुनबसोधनयपवारबिप्रसुनिप
धुचारे सोचौरैनीवारायै॥करिकैर
सोईदुजनोजनकरनबैठे॥देदेसधि
येकैरदासकोनितारायै॥देखिनईप्र
भैदीननाषैसिषलाषैनयेसबैहु
कोजनैउकाद्यौ॥तुचाकोनोनाटारी
तै॥२६३॥मूल॥कबीरकोषिराषीनहीं

१२

धसोधरमसबधरमकरिगाये

तैगोवुहेसनानामोगहै॥ चौतैपेक
रासजात्कैपैग्रावैजोमग्रोरहासलो
नकोमजोकैनरकोटियोगहै॥ ग्रापेठ
रजीतिसाधकमिलेप्रतीतिजिनकेहि
रिकीप्रतीतिबेहीगायेबैकेजोगहै॥
२७५॥ तायेकेषिसांतदिजनिजच्या
रि बिप्रनके॥ क ॥ ___ ये__ बसइ
बतायेहै॥ हरिहरिगावनमेनावनि
कौपूछिपूछिनावलैकबारकोसु०
यौतिआयेहै॥ आयेसुनिसाधकसुनि
पैताहरिगयेकहुचहूहिससंतनके
फेरसदिखायेहे॥ ईनहीकोरूपधरि
न्यारीन्यारीहोरबै॥ पेनुमिस्यगपेनी
कै॥ पोषिकेराजायेहै॥२७६॥ ग्रापेग्र
रघुराथरिकेलाये॥ बैसकापेहाये
हेषिगाढेफिरायेनिसोलागोहै॥ चतु
र॥ रूपदुत्रग्रानिकेप्रगटकाये॥
हायोफलनैनकोबडोबडलागोहै॥

सगहत्तै बिप्रसु निखिप्रतनअंचल
गी॥ नागीनरयमें तिआगै तोरसब
गईहै॥ वैसैही सिंगासनपेआयके
बिराजेप्रभू॥ पढैबेदबानीपेनआ
वैयहैनईहै॥ पतितपावननामकी
जायेप्रगटअनूगायोपदगोदआये
बैठेन किलईहै॥१६२॥ गईहरगोली
सुनिबोल्यकेपठायेअहोजैसे अति
स्यालीतैसे अतिप्यारीये॥ आपहूपध
रेउनरबसो अनयपवार बिप्रस निप
ट्यारे सी योहैनीवारायेकरिकैर
सोई दुजचोजनकरनबैरो॥ देहुमैपि
येकरेदासकौनिलारायै॥ देखिनईप्र
थै॥ दीनताधैसिषलाधैं नयेसवैं
कोउजनैउकाढो॥ तचाकोनाम्यारी
है॥१६३॥ मूल॥ कबीरकोगिरावनि
बरणआसरमषटदरसनी॥ नंक्रिबे
षसोधरमेंसबअधरमकरिगाये।

नोबिसालभ्रूतिभ्रेतबिकरालदंत
रिकैंपक्षारीये।अ्रवलसुहायेके
वृहैपायेपरीगईनिईरीतिनहीयु
हांसगतिलागीप्यारीहै।२६।पु
ष्योहरिपायेबेकौंमगजबदेबा
हांसहोरामानंदगुरुकेरिप्रूप
ईये।लोगजानेबोरानयेगगघुयु
कासाधुरीफुरीयेहमतिश्रायेजत
हरिगाईये।दोरबैनजान ६१ ग
ईसलेतकहाराजस्यानहेतसुनिस
बहोलूटाईये।कहोकुवागपरे।च
लैगिरनप्रसनहोये।जायेसुषपा
येल्यायेदुसदिषायोहै।२७।ऐकोऐ
सिषकूपाकरिभराहरिनक्रिहोऐ
कहोअबजावार हो।सेवासाधूकी
जाये।बीतयोवरसज सरस८ ल
जोनिसंतासुषमोनिश्रावै २८ मधि
लाजीये।आयेअपापायेध्योमकानी
अ्रनिरामजरीति।सीतिकेनपारावार

[illegible]

[illegible]

ब [illegible] रीति [illegible]

नासीकरताबेनन [illegible]

मायेगई औरबात [illegible]

रीहि ठके मरहीमर [illegible]

जनकोत आयोगे [illegible]

रोउंआरामें लगे [illegible]

आद्धिसूंनकांमकी [illegible]

जोपेयेस उरपायी [illegible]

तमगरदेपन [illegible]

त्तद्वारीनलज्जावती॥येहद्वरिङरो
॥रातन॥ उद्धारोकापे॥दूपेरो
कोनंदलापेजीपानसुतोवती॥२॥ग
जेपेयापेकृपाकरीराजेकाफसंग
करि॥केरैनतारंगपामैक॥२८॥१२
बारतो॥सोह॥कोद॥वापदरेलईत
बकरिच्छरिचलेहरिविप्रयेक
छोडेनविचारहे॥पायोविषम
पापूंपेरिकेंपठायोसबआयोपे
समाजद्वारतीसुषसारहे॥रस्के
तदिनआगपालागीपनरबको॥
कूदिसिकुमोजिचाहनुमजाप्रप
रहे॥आयेआगेलेनआपदायेहे
पठायेजनदेषाद्वारावतीकहे
मिलेवहोनायेके॥महलमहले
हलपहललपिरहेदिनसातसु
षसकेकोनगायेके॥आगपादईजा
येबेको॥जाये॥बोनचाहेतायें
पायेवैरूप८देषोमोहाकोजोज

छूचेरी चलत्यार्‍॥ नि तिहरि गुनगोंदु
:कौउराहमैनमारीहै॥ उनकोलेमोंन
कायोयाहामैंग्रुपमानलयो॥ दयोजो
पैज्ञायेहचैतेलितेजा वारीहै॥ घरमेंते
नाहिमेंडीजोउ तुमरहोबैठूको छूटा
येपैडौंबाघिं टारीहै॥ आयेपलूषा
पवहरबास्यायेसमो चांनकायो॥ नाये
सघयायेनक्रिकीरतिउजारीहै॥२६॥ सै
हूसलनकोसरपचरिआयेहि पिबैजा ते
काहेकोंकरतबैनौनजावेजूकबीरके
कोउजायद्वारताहिदेतहै॥ अढाईसेरा
हूरजिनल्यावेंचलेजंपीकेयोवहार
कै॥ आयेघरमांझिरेषी निपटमगनमें
ये॥ नपैकौतुकयेकेसेंरहे चीरकौ॥ ब
रमधोलईसंगपा॥ मो नौवासारगरंगो॥
जानौयेसबातकरीडरेंग्र तिन्नारकै॥२७
संतदेषिदुरेसुषलयो॥ असत निकै:
तबतौबिचारमनमांझिओरआयोहै:

मानकौ ॥ २८ ॥ जोइआवैद्वारत
तैआहार औरबोलिकैअनंत
जनकरायोहै ॥ बातेदिनतीनधे
येपायेश्रीनकोयो ॥ जायोसु नि
नरपदेषिवेकों आयोहै ॥ देषिके
ननयोनयो ॥ देवोद्ध्यानमोहि दिष
अतीतकेरें आपसोसुनायोहै ॥ भूमि
ताकरोहोयेकृपालमोकोंदुरो ॥ अज
रेआंनिसंपतिश्रोररानीजायेल्याय
॥ २९ ॥ करिकेपरख्याईदेख्यासंगरानी
रहीनाईयेसुमारीकरोपरदानसंतसे
होयोध्यनहोराकरचूराख्योदेनिहोरा ॥ ज
पमानतनछोरा ॥ बडोमानेतुलवजतसे
सुनिजरिबरिगये ॥ नाईसैनसूरजिके
उन्जपतापकताकेहैसोताकेयसू ॥ अ
येबनजारोमोलिलायोचाहैबेलनिके
हीयेबसुकायकहोपीपाजूअनैसो ॥ ३१ ॥
बोल्योबनजारोहोमनषोलिषेलादजाये
जुलीजीयेजुआयेगोवर

मूलसंगमातांहू मिलायेलईजायेकेपु
कारेजुदुखायेसबगावेहे॥त्यावैरेप
करिवाकूंदेघोमैमकरे॥केसोप्रकार
मिटाउंगाहेजकरतनामसे॥आपेठा
केकोयेकाजीकहतसलामकरो॥जा
नैंतसलामकरो रामगाहेपावेहे॥
२७३बाधिकेजंजीरगंगानीरमांकि
रिदीये॥जायेतीरबाकेकहेजबमेर
आवसी॥सकरानमांडिडारिप्रगनि
प्रजारिदई॥नईभोलौनईदेहकेचंन
लजावही॥बिफलउपायनयेतोउन
लोआयेनये॥नबमतवारोलायोआंन
केउकावसी॥आवतऊदिगवोचिंघारि
तारि तांजिजायेआपआगेसिंघरूप
बैठेसोनगावसी॥२७४हैयायातस
हनावकूंदिपैरगहे पावेहेबोकरामा
तिमोतिनयेसबलोगहे॥अब नूपैबच
येलाडोहमैनगजबकीजे दीजेजोतीचा

मा
स्वाडीलम्बवायेलायो॥ कहा है निहारे
जाये पाये परस्यो ढस्योराखो॥ सुप
राईसौ॥ मो नौ त्रि जिसके वजहतजी
ये निसके ध्वन दीयो॥ बनग्रे॥ जा
पैरन रैकरैनाई है॥ मस्यो लाजु न्नार
चाहै ध्वसौ न्नू जिजारइग नयेनार
धार है घिदई लखआया यैते॥ २९५॥
चलत पर [illegible] तिसरवन
परी॥ नरास न्ना बिपक तेबडी बिप
री तिहै॥ न [illegible] निपरह
टाई है तिन किसरसाई॥ ननाजाने
घटि श्री तिहै॥ चलेपापा बोधहैन॥
हान लीतेसु धिदइ लिईसु निकहो॥
श्रावौं करोसे वारी तिहै॥ बडो म्हर
जा॥ मो जागौं ठिवे ठौ को नी बरसनी
हौरि श्रायो रहे ठाके कोन्नी तिहै॥ २९६
हता भरमो फिबा फरानी येकहवते
मंगावह लीस्या वे बेगप दस्यो सेच
नारी है॥ उगमगया वधरे॥ पीपासि

सासघरेहायतनसोधिमेरेधोम
गावेगुणरहेजोलोतेरामतियागं
मगतेमैजायेनहिनावकोदिया
नसेफूलनिमगाये॥कयोहिमित्यो
रिरागोहै॥२७॥मूल॥पापाजताप
जगबासतो॥नाहरकोउपदेसदीये
उपमनवानीनगतिजेहिआगण
आये॥सतिकहोनिहासहिंसुदि
हरिसरणबताये॥श्रीरामानंदगु
येनयेश्रुतिनाहिकासांवा॥गुण
संविनिरमोलिसेतघरिराघतगै
पूसउनालीसरसनईसकलबि
मंगलकाये॥पीपाजतापजगबास
नाहरकुउपदेसदीयो॥टीकापीपाजी
॥गांगरौनिगढपीपानोमरोजा
लसोपनदेवीसेवारंगचढोनाव
आयेपुरसाघूसाधोदीयोजोईसो
लाये॥कीयोमनमाहिप्रभूछि
रिडराहै॥सोयेनिसरोयेहै

छातीलायेजीयेसेवेजैसीनेतनी
रोटींआगेंआंबिमेदिलायेपरह
खोयेनहीःइकरेबिनईबेठीनी
हैःबारबारपावपरेःश्रौरेनृपप्या
तजीःचरिलायेसांचो नावप
प्रभुप्यारीहैःछाकनितिआवेः कि
कैनेगाकोलगावेःजोइछाकेसोही
पावेःप्रीतिरीतिकेप्रभुप्यारीहैःजावे
कोउबायेताकोटहलबनायेकेरेःल
वतचबायेगायेहरिउरधारीयेःआये
फिरविःपूनेहबीजहतपायेकहस
रसायेवातेलैदिषायेस्यांमजाईये
दिजलछिगायेनमेःचायेनैसमात
ताहिनायेनकोचोटइगलागानीर
करीहैःजायैंनवनसीतारवनप्र[illegible]स
नकीयेःबकेनागमोनिप्रीतिदेखी
सीकरीहैःदयनाकोंदयालहोकें
गपाःप्रभु[illegible]दईहेरीःकरीगुस

चौदा लिखि दाजा येहू जी ये कृपाल
वंतो बात प्रतपाल करो॥ चले जु
गवी सजन सग पमं तिरा को दे॥२ ट
कबीर रैदास आदि दास सब संग पल
पे॥ आये पुर पासि पाधा पाल की ले प्र
योसे॥ कदा सास बोग न्यारी न्यारी॥
सब सा ध्यानि को॥ जन कुल टाप सो
समाज पधराये॥ से॥ जे सा कानी से
वा बसो केवा नो नारा गनौ ग बांन
केनघो आक्क पैनात गाये॥ से॥ जानी
नग तिरी लिछर रसो को भूली नता है
क रिके परती ति गुरू जग हे गुच्छा
योसे॥ २१॥ लागी सगरा विद सद
ये॥ कली मानीन सो॥ कस टको बल
वेडर पावे मन लागली॥ कामरीन
का रिक धिमे पलायस रिले सो॥ दे
वोड रिषा त्तरन डोपे नसी नावसो॥
काहू पैन करोप रही बोरीये नोय न
कि॥ आये छोटा रानी नी सुसी ताग

पथपूछिहाथेरंगंछु ॥ नये॥ अचरज
राजाबर नसुनायो॥ फेरिकैसैंआ
ये सुनिअतिहीलजायेकहो॥ सदन
पधारेसंतनरैयो अवारहे॥ आवन
नपायोवाहीसेवाअरूजायो॥ राजा
दौरिसिरनायो॥ देखीमहमाअपार॥
नीजिगयोहीयोहासनावहिदलीयो
पीयोन्तफिरस्यसिष॥ कैकैजानो
जोईसारहे॥ अबलौंहुप्रीतिसुतना
तीउहीरीतिनिचलहोये॥ ५६ ॥ तिव
नूपावैनिरधारहै॥ ३०॥ अक्लमानकि
होनलैलैनभुजरुपाने पारसप
रस॥ सुषसागरकीछापरागगौ रू
चिनमारी॥ परहरचनागुरमंत्र॥ मैनो
आगमडूनलारी॥ निसदिनप्रेमअ
वासडूवतनूधरज्योंनीरकरलरिगुन
कथाअनुगाय ॥ ॥दासानद॥ नो॥ आबर
संतकेजपोषनबिमल॥ मतिपायो
बसरसीसरस॥ नफिदानलेलैन भु
जसुषाने पारसपरस॥ ६॥ मूलम॥

पेके॥ चाकबू किगयेयहबडोलीकर
कतयोमेटातुमऋकसंकगहाऋ
लायेके॥ चलेपसेचायेवेको॥ति
केऋच्यानजुपापबिनजलमीनऊ
से॥ ऋसेफिरिम्रायेदेखिनईछाल
गातसुकेपटनीजहायेलीलियप
निके॥ ऋनिपावलीपरायेतो॥ दले
छापपाजजगेकेदूरिकरो॥ दरोकि
ऋरसीताकहासमकाईहो॥ छठये
मिलानवनमेंपरछनतटन्हखिई
छिनाचाया कायाबेल प्रभुस्या
है॥ रूपाप्रभुलगजाबो ॥ घरिके
सेंग्रावेदर॥ बोलोहरिजा॥ नियेनना
वपेनग्रायारे॥ लितहीपरछाकेतो॥
जानेतेरास्यछा॥ ऋबेसुनिदिठबा
तकानऋतेसबपायेोसे॥ चलेमग
इसरेजुतामेयेकसिबरहे॥ ऋायेल
सलेतसिवकायोसमझायेहोम

पथपूछिहायेरगंछु । नयेग्रबरज
राजाबर नसुनायेहै । फेरिकैसैंग्रा
ये सुनिश्रीतिहालजायेकहौ । सदन
पधारेसंत नरयेग्रवारहै । ग्रावन
नपायेवाहीसेवाश्रस्तगाये । राज
दैरीसिरनाये । देषीमहमाग्रपारहै ।
नीजिगयेहीयेदासनावहिहलीये
पीयेनहि फिरसिष । केकेजानौ
जोईसारहै । अबलौहजीतिसतना
तीउहारीति । चलेहीयेजोअतीतिष
नूपावैनिरधारहै ॥३०॥ मूल ॥ नक्ति
दानवैलैनभुजसुषानंदपारसप
रस ॥ सुषसायरकीछापरागगे । रू
चिन्यारी ॥ पदरचनागुरमंत्र । मनौ
आगमउनहारी ॥ निसदिनप्रेमप
वाहद्रवतन्नूधरज्यौनीरमरलरिगुन
कथाश्रृगाध [illegible] नीलांबर
सेतकेजपोषनविमलग्रतिपीये
षसरसीसरस ॥ तक्रिदानलैलैनभु
जसुषानंदपा रसपरस ॥३१॥ मूल ॥

गयेउठिपाछैबोलिसंतनिमैंतोछोलि
ये॥आयेवातासमैकसोलेतेमतन
येंःदरसनकरितापेनहितनरनये॥
आंनिऔनिकैवसनसववसायूपहे
रायेहे।औरदिननाहनगयेद्वारा
चढिछोडिदीयो॥लायेवाध्याइ छ
निनैंआयेमानोल्यायेहोरहेउगये
सेवलायेआपपाछै ... वरसंतप्र
ये॥अनकथनालिकहुजायेकरिल
ईसै॥विमरैवनिकयेकदेषिकैवुल
पलई॥दईसववसौंजकहीसतोनिस
आईये॥जोमनकरतहाफपोपाजू
पधारे॥पूछ्योवारतनवानतवक
हिकैजनाईहे॥करिकैसींगारसा
चलाकैकीमेलआयोकांधेपेचढा
वपुवनायारामायोहे॥२६४॥हरिसें
वतारिदईद्वारआपवैठिगयेचवे
सकेपगमांताकेसेकपधारीहे॥

कोसदनबिदारे॥सक्तिनक्तिसेबो
लिरिदिनसापुतिबनलाडुरे॥सगोप
रोसनिसौसनवोनीचोस्मोरे॥ब
दलैकीबुगारिकुढवाकेसिरडारे॥म
पप्रसंगज्योंकालिका॥लडुदेषि
ननमेतरै॥निपटनरहरायानंदकै
करदाताढुरगानई॥७॥कबीरकू
पातैपद्मनाभिप्रमततपरयोलि
नामकलानिधिमेत्रनामलीसेवापूजा
जपतपतीरथनाम॥नावबिनऔर
नदुजा॥नावषी॥ति॥नाव॥राग॥
नावकेहैनामो॥बोले॥नावअजामि
लनावसाषिसबबधनषोले॥अघ
तापुरहजारद॥निकटिनामहनव
तकलो॥अबकबीरकूपातैपद्म
नाभिपरमतत बोलजो॥६रटी
का॥पद्मनाभिजी को॥कासाबसी
साहनये॥कोढासो॥निबाहकेसे
परिगयोकुमचल्योबूडबेकोनीर

घरूपलीसैमठाओरेषिडरैरैतस्रावेस्र
प छावीसे॥जायेतोविलायेस॥ये
तीयांहिगसुतंनयोनूमिपर कला
जानानलिलारीते॥ प्रगट्योसरूपनि
षिजिके प्रसंगकरो॥करावेतरग
सिछनयोलाजदारीहै॥२९७॥कापो
उपदेसनरषीसरदामेप्रवेसकाये
लायेवस्त्रापनो॥प्रापश्रायै॥निजमो
महे॥बोल्योयेकनामसाधू॥येक
निसदेबोतायो॥नेलोकरीनोगोस
गनागोसीतो।बोमहै॥प्रात नयेच
लेनांसिं॥रे निसाको प्रागपाप्र नू॥य
ल्योतारिग्रागे॥ष्ररबरहै षोयोमहै॥
प्रायेवासीटोरचलोमातापहोचा
ये प्रावेस्रापगरेपावलावनयो
गयोकामहै॥विषईकुटलच्यारि
साधूनेठलायोचारि॥कानामनू
हाविकहीतियानिजदीजायेकरिकेसं
गारसीताकोदेमोमिलेविजाये॥चोल्न

अ्रुलोलरांउारसंतचरन मूतकौ
रितयेहैंजबलोलरिवतदेषैं
गुरुकरिलेषै ८
जिग्यासपावलयहै नोठनी
नामदायेदायेपरचाये
मकोतहेयेजोपेग्रोकहेगरयूहे
३०पकानांकानीनईद्विजजांनीज्ञा
तिगईपोतिन्यारीकरिदई कोन
त्योपेककासी
जायेकती

ना [illegible]तोयेन्त
क्रिसरसाईनिछटाई-मतचेतिल
ग्रायेवरीतिकरीजा
चरीकथम
३०सीकरेपेहाबातसमेंग्रोर
षात।
कि-त-सोहीगेनपूछिबेकोंपे
करोंव्यासजोपेनयेदंडकरिनांनं

नेदन्त छिमतिसरीले। न्येसि
वरीहे
जस्त॥ बिदत्तबातजगजानायो॥तरि
नन्द्रन्दासके
जिस्व्यनापतिकोलायो॥सि
न्यहर्पेलतालाये॥

॥३लटिरावन्त्ये।
॥स्याकरस्तस्त्नकषसरा
सितचैनिके॥बिदत्तबातजगज
रिन्नयेसरायेकसेनके॥६३टी
कासेनजीकी॥बोन्यूगढवासत्तरिसा
व्यूसेवाप्रासर्लगे॥नर्जगाकतिप्रतिष
॥पूचोरिषायेले॥करिनितिनेमच
न्तूपकेलगाउतेल॥न्येन्नगमेल
संतकिरबरप्रायेले॥दरसलबनायेव
रानरपकानसकूवरा॥चराउरस्या
जायेन्तूपतिरीझायेले॥

ईपुहै औरले दिषाईकरतारहै ता
तैतजिदीयोयुसु।वैतासव्वपालेदे
कैरेअन्तमांनसोईजानीयेगवारते
आसेनीसागपरआंमा।रहेपरिसि
ध्यूतीराअप्रतिकतथीरतूषप्या
सनविचार है।।१।।नयेदिनतीन
येतोन्नृपके अप्रधानलोकि।रहेरी
तीन।पुन्न...सोनारोहेरी
येसेन नेगआपल सांमाजूलेप
ध्यारी।ताद कैपारीकेनकेनपाव
ध्यारीते।बैठेकुटीकै पाविदीये
रहाये रूपरो।बाजरीसाकैछि
ई नाकैनलोतारीते।देषासो रसा
द कनवडेअलनाद नये।।नयेन
गन्मां निपाव परसोईबाआरीय
रा।बालेजो किवारथार दे षिन्तासे
चपरचो।...सचौलिज तनडुदिवा
सोठैरपायोहे।।त्यायेबोधिमा...
रिबैता।सारा जगतोच देवन्ने हज

ऽऽमरैमोम्हाप्रसादकास्ुरस्रानंद
साचोकरी॥येकसमैं प्रद्युचलत
वराबाकफलपाये॥देषादेषीसिषति
नौतेपाछैपाये॥तनप्रस्वानोविजे॥
ब्रवनकरिंविसवासी॥तनतेसीप्र
तविन्नूमि रपरिकानीरासी॥स्रुरसरी
सुवरपुनिनदकलेपहूपेरैतुलसास
री॥मैरेमोम्हाप्रसादकास्रुरस्रानंदसा
चीकरी॥५॥म्हासतीसतनुपमोत्यौ
सतस्रुरस्राकोरह्यो॥प्रतिउदारपति
त्मारूपग्रैसैबनकोगवनो॥ग्रचरजनष
तरूयेकसंतस्तनिजिनिहेबिकनै॥
बैठेहूतेईकातप्रायेप्रसरनिदुषदी
ये॥रुमेरेसारंगपोनिरूपनरहरि
कीकाये॥स्रुरस्रानंदकोघरनिको
सतराष्योनरसिंहजपै॥म्हासतीस
तनुपमो॥त्यौसतसुरसराकोरह्यो॥
॥इतिपटनररहीयानदकेकरहाता
हिरगानरीफरबरलकरानाहिसहि

चयाकौगांस येके औरसुनौ॥
कौनतसैकोइयेतभै बिचारी
सो देषतताहेदेषतमैपाउंबिलाउ
ईंन ईनेकियाकेलीनलिबि
तारीते॥ कोरतिस्व नेगहे षिमु
कोअ्रारनकोयो॥ दोयोकोहबाइप
ताषिजतचलायेकै॥ देवोगुणलेव
नाकेजलसोप्रषुलिकरि॥ कराहि
ब्बातादईहोयेमें बरायेके॥ मइउ
जारेनयोतायेकोप्रथ्यारोगयो॥
कि तिदेषनकौपरापायेआयेकै॥
अ्रसेतैदयालदुषदेषतमैनितल
कैरे॥ कोरतेजोसेवोंकोंसकैकौन
ायेकै॥१६॥ पेकतिप्रबलदिगबि
करिआयोआयबचनसुनायो
जूबिचारमोसोंकोजाये॥ दईल
तारिकासी॥ जायेकै नितारिष
भयोअ्रातिचौर निषाजी॥ ति
कोषाजीषे॥ फेरि मिलेमाधो

ऐसैमोम्हाप्रसादकोसुरसुरानंद
सोचीकरी॥ येकसमैं ग्रूष्म चलत
बराञ्ञाकष्ठुल पाये॥ देमादृषी सिषति
नीते पाछैपाये॥ तिन प्रस्वामीषिजे॥
ब्रवनकरिविसिवासी॥ तिनतेसोप्र
तोषिन्हूकि ।परिक्रानारासी॥ सुरसरी
सुबरपुनिनदकलेपहपरेलुलसार
री॥ ऐसेमोम्हाप्रसादकोसुरसुरानंदसो
चीकरी॥ ६० ॥ म्हासतीसतउपमात्यौ
सतसुरसराकोरह्यौ॥ प्रतिउदारपति
त्याग्यग्रहैबनकोगवनो॥ ग्रचरजनयो
तसायेकसंतसुनिजिनिहोबिकनो॥
बैठेहुतेईकातग्रायेग्रसुरनिदुषदी
यो॥ सुमेरेसारंगपोनिरूपनरहरि
कोकीयो॥ सुरसरानंदकी घरनिकै
सतराष्योनरसिंहजयो॥ म्हासतीस
तउपमो॥ त्योसतसुरसराकोरह्यो॥
६१॥ निपटनरहरीयानंदकेकरदाता
दुरगाभई॥ फरबरलकरीनाहिसहि

गयेतुरियाद्धे नक्षग्रायेसोस
नाषेनानास्तु निग्रुभिनंसहैदिसंग
मंदे लोघेनाये पाथेलपदायस्ष
पाथभिलैमैंजहेसलो कितायाधनि
लोस्तुकण्ठहे सतपोतवेतेमेंयुन
लग्रपराधलोके आथेमुबकतोले
वेसीतमानिजतहै ग्रावतीमिलाप
लोत पैलारायोभातगोये ग्रायेहु
बन उतालदालाबनेलहै २० हेष
हेषिदुसाजलमलतैमगलनये ग
पेजलोविलारीमूकैचलातलापायेहे
कहलनोहारपालेलेकेमें प्रसादलोल
जमेंकोनसालनदरोगकोनगायेहे
नालोबिधिमाकधेरे सोमोग्रायमो
कैरे बोलेहरिनावेनोलिवेहोलेव
वायेहे हुंषिसोजलाबोइ हिस्यापे
श्रीसेगायेसबतुमैलोग्रेरासलास
रसस्सलभेमायेहै गये सुज हेषिवषु
नाडीरलोपेमरहे लिखकोहुसाय
षायेकभिलेहिषायेहे लालाहुबि

तो कि [illegible] प्राप्रुत्र [illegible]
येकसी [illegible] संसै [illegible]
गानीं [illegible] तेसनाक [illegible] है [illegible]
नवीनसोता नयां [illegible]
क्रिमतिन्वीरहै [illegible] गाम [illegible]
मैमोलजानी [illegible]
क रै: कोपाछोवतार्के [illegible]
जातत्वाज्ञा वाद छिल [illegible]
राजत छिदत [illegible]
कइन्ये बेताल [illegible]
सोरी तिज्ञा तिजल [illegible]
कुलसदसनाव [illegible]
रसरति सूरधार [illegible]
प्रनंन्यबुत पदमठ [illegible]
तिपरफुलतिाकरह [illegible]
तत्वाजावारबिनहै [illegible]
तति बिदति ॥६८॥ [illegible] र्जी
[illegible] की तत्वाजावा [illegible] निचौ छि प्रम
रूसैरापनमनधरीबालततैसिर
रमा नयेहैांगाच्यो येक तुरद्वारतै

माधोदासखुषरा
सिंहै॥२३॥
॥आयेवृंदाबनरा
निकट
निकटनिसरकौषकै
दिषिबेदकसैंहायेहैं॥कसालो
झिलेह देहनुहारी
कि॥जासोंआगैपायेजायेहै॥२४
॥श्रीनित्यानंदचैतंकीन
हिसबिसतरी
कीयेनिहिपरायें॥करागोविंदि
तिनगतिहायेन
ध्यारसझ्र
पासे॥नामलेततेसपापदूरि
रकैनसैं॥अवतारबिदतपुरबमतौ

नोंतिनहि दिढकोजीयो। तबदईस्तत
लईपो तिनध्रसेनसोकें॥ पातिरुरि
नगतिनसोसदामतिन्नाजीतें॥ बि
मुषसन्मुहदेषिसुनऊषबडाईकरे
चेरैतायेमोंझिकहै पनपरिराजीहै
३१०॥मूल॥विनैंब्यासमानोंप्रगटते
येजगकौहितमाधोकोपे॥ पहैलेवेद
विभागकथितपूराणअठारहसों।
भारताहिभागोतिमथतउधारयोस
रिजस:अबसो॥ घेसबग्रंथअरथन
कोबिसतारयो॥ लीलाजैजैयेतागाये
भवपारउतारयो॥ जगनाथइष्टबै
रागपसोंउकरुनारसभीज्योहीयो॥
बिनयेब्यासमनौंपरगटसोये जग
कोहितमाधोकीयो॥७०॥टीकामाधे
दासजीकी॥ माधोदासद्विजनिज
तीयातनत्यागपकीयो। लायोस्त्रिजा
निजगाछैसोतिब्योतारहे॥ सुतको
बडनिजोगलायें॥ तिनचातिलैंम

गौरन्नपैन्नपैन्नपैलेह: च्यौउनलचैं
निउगनकौ: ३१६ श्रावेजन्नप्रेमहे
कपिंडवततनलैत कन्हसंपाधु
पिउंगनहिंजानतहै औरनपैकलप
तीरीति आसूप: चकारीमनौ:
नु नैनानलपारी नाहनागुननत
है ईसतानपानपकाकरैसोप्रम
नधाकोउगंनापपैननैननिरधि
साधतहै: चन्नुजनदनुजन्प
सै।धदिसपैहौपिहोघोजोअनूपत
नवातपालपातहै: ३१७ कैसनैति
नांकउगनतप्रगटनपै अतिप्रि
यांनलेकनेतहैतोधनीहै: जैतोगै
डहैननाहिनलेसहजजानैकोउ
सोड प्रननायू नैनो स्यौकलानरी
है।नयेसिवकौरयेककैकजगती
बेर्के।पारेनैकौकौनसाधियौधि
नमैंधनाहै।कौदिकौ१४अजामें
वारिडारहूधतापै: जैसेहु सुगनै

बज्रालैयों पी न्छिाी लैइ आयो है॥कली
पु नि ग्नापकेलादीयोजबलीयो वाने
कां निग्नूपरोच्छ पाव गहे कै छिमाये
होहू नईयों प्रसिबात कार तिन मां ते
कहसु निकैलजात सा
गायो है॥ राहे षिकैस्वरूपसु षित
न को बिंनिजात॥ रहिजात मंदुमैज॥

=

।८

क रिकै।
प्रौ निसा रिकसी जांनेमैतौ हित
१५

नैक मेटी बिचालीतें गाता मोकौं
पायेहै नारी है॥ रहै नोगसेष गै
रतन मैं प्रवेसकरे॥ रि
सताले टारी है

सकेत: नू कैसो नटनरसुक
टमेलि: जनकोकूला बिसनदी:
कासनिरखीछाय तापनजगमड
क दिहनरि धरलेधु दारस्रानघु
न बिट पबिभेदल: नुधरासधि
नदेघलारहकरिदुरहटजीतेःका
डीस्रमिल स्रनेह दपडचेनेन्ती
ले: बिहतबालसंनारसब्रसनस
बिनोसिलदुसी: स्रीकैसोनटनरस
किनलि: क्रिलकी नू नतोबिसत
री ७५ री कै न कोकरि
दिरोबिडैसखपकालिलनाये दीपे
नोलेलढेडे जौलिनीलिडुपजाई
है: पिरलचहोलेचहे गजबाज
लोगलगय प्रतद्याकोरंगस्रायेन
दुवो पूनाइ है: इरे हिजनारीको
उजडु बिचारी: सहनीलाबिस
तारीगिमातीरसपरांहै: वोटहि
गस्राथेबोरे: बडूला जनाई: रखौ

कै दै लै तो नौ पूरे पै कपर मौ है लही
कुराचे दाजैव पांजी सों बोलै जो ति
ऊकलगये सु निज्ञानमौ लिजै लै
पजौ ते लै चलाये बामोरसौ पै: १९६.
जसा कौ लीला सबगाए नी ला घल सौ
क्रिमत नई चोल जाये लेन निबीकरी है
चले हूदा बलमगलगपूसे कगा है जरो
बाई नक नेजनकौ ल्याई चाव नारी पै
बैठे पै • प्रसाद लेत लेत हग न निमे सौ
करा बात हु चाहिये कोउ बारी पै सार
रौकुवर पै कोन को बारा पै ल्याय भाय
कै से जा वै सु निम तिलै बिसारी पै मी
चले श्रीरगा वृजसौ कोउन नल रहे ग
है मन लो कि सुगे बिनती पो करी ह
गये वा के हरि वी गये जाह श्री रघरि
कनरिती पाश्री निपादी

आपैततकालवाल बालपैहराय
सबजगजितव। ये।।बोलासर
तीमैरईसिभगवानवे।।तान
रैकितौ।।सनमजपवतराई ।।
येडुसनतुमै मनभसनतात।।
नि बसोतबानीआपेभन्या
पे।।बिनैबलोकरी।।कृपाआप
बोले।।अजून क्रिफलताजेकाह
तूजिनतरा पै।।तायेचरिलई
डिरई।।पुनिनईपेलन
सुनिहुष्टजरवाईये।।आपकास
मीरसैनी।।बसतबिसरीतती
सभूतद्वारजल येकथारीये
जसुनायेकोजुनिकसतआप
करतजाये ताके नतनी
तारा ये।।सजपलेहजारसिपन
नकिरंगमता।।भरेवाहठौर।।बोले
कौचन्तरिज

बिक्रैहियांनेगावमैंजायेगो [illegible]
पिपूरिनीलोचनधायेंहे। [illegible]
श्रायेसूतसुधीम्प्रनिआता। [illegible]
गनैपवनहैकैदलिकमि। [illegible]
ह्लीविचिनोनोनोति घरनप्र [illegible]
नौ: लितकछ्तानेतेंगाढ [illegible]
यैहै: २२ [illegible] झ्रांगधु ना [illegible]
गस्दर सौमिछ्रपे।गिरौ [illegible]
गीतमहैसानोछरनापुरयोन [illegible]
सैचनगैनेनिम्मगाढ।निरेन [illegible]
नी: [illegible] पपरमु।नीसरन [illegible]
वार्भ। [illegible] गावन [illegible]
सौन [illegible] नवार्थ। [illegible]
[illegible]

रसखि मनौ सो चिंत है ती॥ आनंद
चरण रज परसतें सकल सिद्धि जा
कूं भई॥ श्री हरिव्यास तेज हरि भज
न के॥ देवी कौ दिष्या दई॥७७॥ श्री हरि
[illegible] स [illegible] की [illegible] का॥ चरणावलि
गांव बाग है छि अनुराग नये लखे
निति नेवक रिच्याहे पाके कोजीये
देवी कौ मूस्थान कहा है बकरा लैसो
स्योगो छि॥ देषत ग्यसा नियाहे पा
नीन तीपी जोये॥ न्हुवै निसनई ना-
सि तेज मी डिगई नेई हे स्यचरितई
आपुन्लषित तिन्हा जीकै॥ करोजुर
सोई कौ नकैर कछु औरे नाई॥ बोली
सांकुं दीजे दान सिष्यक रिच्याजोए॥
७४ करी देवी सिष्य सुनी नगर को
सि रक्षो थी पटको लै षाट जाका बडो
सिरदार है॥ चंडुस्थ बोलहलै तो न
हरिव्यास दास॥ जोक लेहतो आवी

नमैनननदेहीं॰धरी॥श्रीनित्या
तनिकानननिदसौहिस्व [illegible]
श्री [illegible] द [illegible] [illegible]
नदेद्वस्पदाबास्ह्लीसोकनर
मनमानौप्रेममतवान आ
सोली [illegible] तियानंद प्रभु [illegible] तवा
धरी॥ नरीसकप्रो [illegible] तहपु [illegible]
म्निलाषीये [illegible] नयोछोह॥ नारी [illegible]
तननकारी॥ तबहुंबोरपारछ [illegible]
ऊधर [illegible] राषीये [illegible] तऊं [illegible]
नंतहजतजाके [illegible] नवा [illegible]
ग्रंथ [illegible] स्वामिहै [illegible] पश्री [illegible]
तौं [illegible] नृतादी [illegible] गोचि [illegible]
नूरा [illegible] आगेग्राप [illegible] सराम [illegible]
येहत [illegible] नरंगवो सैंभाले [illegible]
सब [illegible] रतनीनरवलि [illegible] नी [illegible]
बुल्यो [illegible] सुरंग [illegible] रंगे [illegible]
स्यांम [illegible] रमिं किसो [illegible] रीके [illegible]
कित [illegible] मेरै [illegible] जालि किरी ग्राघे यं [illegible]
नमै [illegible] सोम तिस्तसोली॥ स [illegible]

र अछिम नौ सौ नित देती॥ श्रीनर
चरण रज परसतें सकल सिद्धि जा
कूनई॥ श्रीहरिव्यासतेज हरिनऊ
नकै॥ देवीको देखआई॥ ७७ श्रीहरि
[illegible] स [illegible] को [illegible] को॥ चरणावरि
गांवआगरे है॥ छिअनुराग न्यौलमें
नितिने नक रिषा है पाकै कानीये
देवीको भूसयान ऋालबकरा लेआ
यौऔ नि॥ देषतगयहानियां पा
वानतीपाजीये॥ कूबे लिसनई ना
हितेडरमी डिगई नि देहचरि लई
आपलषिन तिनाजीने॥ करोहुर
सोई कौन करै कछु और नाई॥ बोले
सोकूं राजे दान सिसकरिचानीए॥
७८ करोदेवी सिषा सुनीनगरको
सरकी थेपेट कोलेषाद जाकाबड
सिरसारहे॥ चंडी मेषबोलेहतोन
ईहरिव्यासदास जो कैसे हतो अब

पैन्न हिन्नू मि न्नरी तै [illegible] ॥ [illegible]

तसु निकौनक बि [illegible] ॥ [illegible]

नकरै ॥ भक लिचो [illegible]

ति [illegible] लि चारी ॥ [illegible]

बैला पूर [illegible]

बतहि बिडु [illegible]

जन्मकर [illegible]

सो ॥ बिनलच [illegible]

सुप अव न निच [illegible]

कौनक [illegible]

[illegible]

पनेकर वहै गोकुलवहै नंद सह
हे पैकौ सो हे ॥ प्रगट बिनोजा
दे घि सुरप ति मनमोहै
बलरुतबलनकै कलजुग
मैंद्वाप्रकायो ॥ श्रीबीन तायकैम
राजमो ॥ लालडायकै सुषली
यो ७४ ॥ या ति री स प
की ॥ कायपति पुरादास नक्लिस
षरासिनसो ॥ कस्याप्रसापेन
तद गलापरा ॥ ति
परतायि तज टि श्रावैतातें श्रति
नावे नाथअंगप राई ये श्रावे
तिनै बिलालकाये
तयोईसप्यालनेकर भनपाई ये
लिर तिश्राईसु छि श्राई श्रोष पानी
रिश्राई येकहा ति रि श्राई बेच
पाई ये ३६ बेचि कै बजार पोर परै
॥ ताकोल्यायो मोरी पाट
उरंग भंज लालगाई ये ॥ नाजो

जगजसछाय लैकसुनैमन नाभूलै ॥
खरिकानसंगपढौ ॥ बातेंबडीबडी
गहै ॥ अपेरहौ कछुसोई कहौसी
लतापेराठाये ॥ गंगाकोसरूप
कहौ चहौदुगन्त्रागे सोईनयेसोश्र
सोककापेसुनिमति नजाये ॥ ता
मेयेककेटिकरिंकैसुनाये ॥ श्रहो
बडोअन्नलाघयाकौ व्याकरिद
जीये ॥ अचरजनारीनयेकेसेक
तुलसीखिलयेपधरयेलैब्रनावृतुलै
तानैदीयेजोजाये ॥ ३० ॥ दूधन्नगैन्न
घनरूकोजोयेबमांनयेकेसुनि ॥
हूधमनिकसौदोमकलोपाईये ॥
कबिताप्रबंधनखिरहेघेटिंगच
अहोअग्रपामोकौंदेलोकलोकसके
सुनाइसौ ॥ व्यापयाकरिदयीनइऔ
नसगुनमईश्रायेप्रनूष्योमनोनकं
लैसंठायेसौ ॥ सरसुतीष्यांनकीये ॥

षोड़ यस्रो नि॥ औ तिल्यायेसोसि
मायेके॥ ७ [illegible] को
पैगाईजाति॥ कलीतबआतगयो
जाउ़ो न रिनायेके॥ [illegible] ले
रियायैतुरआई॥ सबैश्रेसारसिका
रीतीयेराधीयेबसायेके॥ ७४ मूल
श्रीवि [illegible] ले ससूतसुतह
श्रीगोवर्धनध्याईये॥ श्रीगिरधर
जूसरससालश्रीगोविंदमुसापनी
बालकृस्न [illegible] बीरधारश्रीगोकुल
नाथजी॥ श्रीरघुनाथजीराजिश्री
ज नाथलालजि॥ श्रीघनस्याम
[illegible] पनुराग॥ सुघसज
येसातप्रगटी [illegible] नजगत
रकत [illegible] ये॥ श्रीवाठलेस
सुतसुहदश्रीगोवर्धनधरध्या
ईये॥ ८०॥ प्परघरनिरीखिकै
दासकोनामनाक्रिसाजेदीयो

आपस्वापैपुकारे॥वैतौरेविसवै
तारेमोरेजलक्षेरिडारोये॥मूल॥श्री
नंदसुवन प्रगटयो॥घट रसेरसि
क नि मनमोहघना॥कछुर नाव
सुमिलितललितसुबल्यतछबिबि
रषतदरषतहृदौ॥प्रेमबरषतसुक
लितकवि नवनिसंतारनहेत हेत
इहुनाहिसब निनित॥जासु सुज
ससिसदरैमतरतम्रतितमनमेंध्र
मचित॥श्रानंदकंदश्रानंदसुत श्री
घनानंसतानजन्म॥श्री नटसुन
प्रगटयो॥घट रसरसिक निमन
दघन॥७६॥मूल॥श्राहरिब्यासद
जसहरिजनकौ॥रेवाकौदयारी
आको॥
बेचरनरको॥सिष निपटश्रुच
येस्प्रावै॥बिरतबातसंसारा॥
मुकीरतिगावै॥बैरागनिके
ति संगस्यामसंनेली॥नोजेग

घोर घमो नि॥ औ तिल्या पेसे सि
मायेके॥ [illegible] ऐसुख॥ को
पै गाई जाति॥ करह तबबात गपो
जाउ चन्द्रि चाये के॥ नेहसरसायेले
हियायेहुर प्राई॥ सबै श्रेसार सिक
रीसाये राधी बेबसाये के॥ ७४॥ मूल
श्रीवि॰ ॥ [illegible] रे समसत सुत
श्रीगोबरधन धाईये॥ श्रीगिरधर
उ सरस सोल श्रीगोविंद मुसाय
बालकृष्ण सबोर सारे श्री गोकुल
नाथली॥ श्रीरघुनाथ वेकुंरा जि श्री
जदूनाथलाल जि॥ श्रीघनस्याम
रूपडे॰ अनुरागी॥ सब सज
समाय
ये गये जगत
रक॰ जस गाईये॥ श्रीवाठलेस
सुतसुंदर श्रीगोवरधन धरध्या
नाथजी
ईये॥ ८०॥ परधर निरीखि के
दास को नोमनो कृष्ण जो ईये

टीकाघाटमभीणकी गांवघूरीमेंपुकासगएहैगुरां
सदीजे औरकछुनाहिकीजे जातेंनलौहैजसोइमन
निसिभोरसांचएही अतिसुखदाइहे करेसंतसेवचर
है १०० घाटमकोसुनोहेतनक्तिभावसंसुचेततकों
धारोषोसिलेहीसाधनकोंसेवेसहीयोहीलानलीयो
एकाहूनहीदीयोहे तबतोकीयोबिचारनाजषलाग
पुनुमोलाजनजावे याहीपणकोंनिबावोसाधसेवन
रिलईगांतीतीयाहाथडालोलातीकमरकटारीहे आं
नुलेकैचुकीडारीहे डालीगेकुंनरिलियोमनमेंबिचा
छोलिदीयोहारपतिकोंलीयोमंकारसारोलेकहोगि
चुतडारताकोहियेसोचधारयाहिबातनारीहे कां
मेहएककरडारीहे करीहेरसोइसारीपंगतिबैठग
टमको असोघाटसाधनकोहारेगगफेरचोरीचलें

ंडमेंन्या हैहैदे घिनईमितवारी
कीनीलैपलापचारी कहुलालदे
धैबोलीदेघेमहौनायेहै नतिगं
नतानत्रावत्नरिमुसका नडुगस
पलपटानंनापनिपटराफायेहै
हाकैड्राकारतनधु [illegible] ८.र
करीघराउरप्रीतिमनसबकेन्यजा
येहै ४१ आयेसूरसागरलोकताबके
ज्ञागरे [illegible] कोउ पटगावेमेरी
मुपान मिलाइये गायेपाचसात
उनिजोनकेसका लकत्ता नलजू
प्रत्नातम्रोनिकरिके सुनायेहै प
स्योसोचनारीगपरध्यारीउरधारी
यात [illegible] ढबनाइसेजधरयेयेरघ
ये: आयेकेसुनायेसुघपाये प
छपातलेबतायो मननायोरग
छायेप्रभु गा ये: ४२ कुवामेबि
षनिदेहछुटिगईनिईनरघेप्रभुस
काकेघृधौरडेउरआईहै रसिकनि
ध६

टीकाघाटमसीमाकी गांवपूरीमैंप्रकासगाहैसु
सदीजे ऐसेरक्षुनाहिकीजे जातें नलोहोइस
निसिवोरसांचए ही अतिसुखदाई है करोसंत
है १०० घाटमकोसुनोहेतनक्तिनावसंसुचेतता
धारीयोसिलेहीसाधनकोंसेवेसहीयोहीलाभलीयो
एकाङ्गनहीदीयोहै तबतोकीयोविचारनाकेषला
प्रभुमोलाजनजावैयाहीप्रणकोंनिबाबोसाधसेवन
रिलईगांतीतीयाहापडालोजातीकमरकटारीहै आ
नुलेकैचुकीडारीहै डालोगकंचरिलियोमनमैबिचा
छोलिदीयोहारपतिकोंलीयोमंकारसारोलेकहैरोगि
सुतडारताकोहियेसोचधारयाहिबातनारीहै कं
मैहाककरडारीहै मरीहेरसोईसारीपंगतिबैग
टसको ऐसोघाटसाधनकोहारेगगफेरकोरीचलें

तारोमें औरके अंतरनसो ॥ ते ॥ ध
नकबानसो प्रीतिस्वामिके आप
च्यारेनोकरनो ॥ २७ ॥ रस ॥ होतके
बहुनसान्यारे ॥ रवार रसवत स
हसभमजयासिक प्रेमजर राम
रासप्रतापते बेमगुसाई ॥ कर
८३ ॥ मूल ॥ बीठलदाससमाथुरमुक
टनयेप्रभुमोनीमानहद ॥ तिलकदा
मसों श्री ॥ गुनसों ॥ ग्न ॥ तरधेस
नगतनकौंउतकरष जनमनरि
रसनउचासौ ॥ सरलहिरदेसंतो
पजसातसांपरउपकारी ॥ उत्सवमें
॥ तदानकायोकरमदु छूर नारी ॥
हरिगोबिंदजैजैगोबिंद गपरा ॥
सदाआनंदहे ॥ बीठलदाससमाथुर
मुकट ॥ नयेप्रभुमोनीमानहद ॥ ८४ ॥
टी ॥ बीठलदासमथुराको ॥ नाई
उन्हेमाथुरमोरातनाके परोहितहे
सरिमेरे आपसमें जीयेयेकजाने

ग्रन्[illegible]पुनिबैसंजल जा[illegible]निज्ञीग्रोंः।
नीजों [illegible] लनाईथि दिराध्यो[illegible]रस्त्रा
ईयेः [illegible] व्रनजनग्याय[illegible]जिंद
बायैईं नईमनदीयांलै[illegible]राबक
राईश्रं [illegible]ह्दासदालीकेन[illegible]कौः
नजा[illegible]नेकैवीनलीन[illegible]लानीजु[illegible]स्वाई
नस्तुज[illegible]थैद्दायोलै[illegible]नीज[illegible]राक्षे
धरिस[illegible]त्रापैः॥[illegible]वीपर[illegible]नैसी
नांथा॥ब्रोलेश्रकुरवायैकैं[illegible]नर्वे[illegible]ज
डायैजे ग्यनाजपाये[illegible]जौः [illegible]
उदायैश्रगब[illegible]परछैं[illegible]श्राण
पुनिदईश्रीश्रगीवा[illegible]रिदई[illegible]
वलाकलासनिरसे[illegible]लिसोलजाव
कैं [illegible]सेवकबुला[illegible]कौनकी[illegible]
यंश्राईं सबैसोल[illegible]ईथैकवलाव[illegible]
चायजौ [illegible]सनैनि[illegible]पुरहासबौ [illegible]
धननासनयो [illegible]दायेकयाव[illegible]
योराख्योसैबिपूरथवैः स्यावे[illegible]य
यासौ ष्रिनमनकौ प्रबीनजा[illegible]स्या

तिनिसनिकसे बिचारिकै: आये
येंछुटाकैरामैगरडु गोबिंदसेव
करतमगनहोयेरहतनिहारिके
रानाकेजोलोगसोतोहुहिकरिकै
ठितघ्यामातआई:कोरेरुदनपुक
रिकै:कायेलैडपायें रहीकिते
नालाघाय्येतोरहेमगनमनाहोये:तब
सीमनलारिकै:४६देखोजवक
छतनप्रभूजोसुपनदीयो:जावो
मधुपुरीमैंसेतानबारनाषिये:
आयेजाहाजातिपोतिछायेकछुम्रे
मैंरंगदेषोयेकबातीसाधुसंग
भनलाभ:येताधार:गरनवती
यतामतिसोचरतीबोदतनुमि
पाई:प्रतिमाधनराषाये:तबा
पाकौबुलायकहीलहीयेहलेह
मनलियायपरिकरयोरुपमुष
राषाये:४७करसेवागजाओरक

श्रावश्चनगुरुदत्तनजनसागुगुन॥
॰ ग्रा कबितनोधनिरदोषजाधसे
वामे आग। बोली बरतनबिदुबस्जन
सगोपालभूलंकृते॥ ब्रजरजगति
भ्रारध्यवरुधारीसरबसुध्यात सा
नि चिसंसदासहरिदास॥ बृष्यागोरसा
मद्दिढबरतलाधो॥ परधेरलिरीकि
कृष्णदासकौतमो किमोलाहाधो॥ १
टीकाकृष्णदासपंकति की॥ प्रेमरसरा
सदकृष्णदास जूप्रकासकाधो॥ ह्री
नोधनोनिसोप्रमानजगगाईये॥
हलीकेबनारमेंजसेबीसोनिहारीनैं
लगलेलगाईलगीहिंदमान पाई
अरागसुनि कोनयेअनुराग
सिसिकुषलालजूकोजायकेसु
ईयांदेबिरीकिबारवाकेनिकरबु
पलरईतिईसंगश्राजेजगलाजको
ाईये॥ ३४०॥ नाकेश्रनूपाय परमा
नपलराय॥ सोब्बीहलगायेहरि

रकोयेद्वारगाइये ॥ ८ ॥ नन्दै छु
वृरिकैनयेमोनिरहेनतिनी
येनुनोसवतन ज्योंकनापाइ
कनौजचरवबडेरस्यकविचव
निकौ जोपैलालमित्रकायेचा
नायेलांये ॥ ५० ॥ कृ [illegible] नरिरामै
नठौलेनजनबल रानाकौउत्र
यो [illegible] उपतेजउदारसुधर घरा
सावौ प्रेमपुंजरसरासिसराग
रसरगावौ ॥ नजनकौअपराध
करताकौपक [illegible] पायौ ॥ निरनकसि
पपूनैलाद जैंट इंद्रिष्वीतहिवाये
॥ सुरबकताजगत राजस
नानिधरकनायौ ॥ नरिरामनव
जनैनजनब रानाकौउतरदाये
॥ ५ [illegible] कौ [illegible] कौ ॥ रानासौ
सनेहसदाचौपरिकौबेस्योकरे
ऐसौसिनपासीनोमिसनतकोछि
नाईलै जायेकेपुकारयोलाधूमि

श्रीवल्लभगुरुदत्तभजनसागरगुन
आगर॥कवितनोखनिरदोषनाथसे
वामेंआगर॥बानीबरनिबिदुषसु
सगोपालअलंकृत॥ब्रजरजअति
आराध्यवहैधारीसरबसुचित स
निखिलसूरदासनिदास॥ कृष्णगौरस
नद्रिढबरतलीये॥गिरधरलीरीगि
कृष्णदासकौतमौक्रिमाजैहीये॥८
टीकाकृष्णदासपैकवित्तकी॥ प्रेमरसर
सिदकृष्णदासजूप्रकासकीये॥हरी
योनांथमोनिसैप्रमानजगगाईये॥
दिलीकेबजारमैंजलेबीसोनिहारीनै
नलोगलेलगाईलगीबिहसेनपाई
ये॥रागरसुनिकृष्णकी नयेअनुराग
बसिसिकुवलालनकोजापैकेसु
नाईये॥देखिराकुवारराके निकटबु
लायलईलईसंगआयेजगलाजको
बहाईये॥४४०॥नाकेअनुवायेपरस्म्रा
नरनपहरायेसौश्रीहलगायेहरि

टकायेद्वारगाइये।मोतननौछा
वरिमैंनयेमोहिलेहोसतिली
येतुनीसपतन ज्यो ११५०रपे
कसौजचरवबडेरस्यकभिचव
निकौजोपेलालमिवकायेचाहे
लायेलाये ११५०कहरिरामैं
लठालेनजनबलरानाकौंउदह
येजगतेजद्दारस्थन घराई
सांवांप्रेमपुंजरसरासिसराग
हसरगावां नरूलकोअपराध
कैरताकोफलगायो।दिनकसि
पप्रैलादडेंडिष्योतदिवाये
स्फुटबकताजगत राजस
नानिधरकलाये हरिरामदवी
लेनजनबरानाकौंउतरदाये
१५ कारराम की रानासो
सनेहसदाचोपरिकोषेत्याकरे
भैसोसिनपासीनोमिसंतकोधि
नाईलेजायेकेपुकारस्योसाधूफि

मनदृढजो निसोसुजोनैंनोपदीयो
हरसाधेतनगुवालसुषदाईसै॥ गो
वरधनतीरकसी आगेबलबीर
जये॥ श्री गुसाईंजारसौं प्रनामयो
जनाईसै॥ चनहुबतापोवो हिया
ये बिसवास [illegible] आयोतायेसुष
पायोसेवकपेकलेबुलाईयो॥२४॥ मू
ल॥ बिहुमांनगंगलगंनीरतुनैंप
चलरिन छिके॥ श्री नागोत्यबधो
निअमूतमयेनदाबिलादी॥ मनदध
रीसबअवनिलापलारक सुषदाई
नहानसौं अनुरागदानसौं अनद
पाकर॥ नजनजसो ध्यानद संतुस
समुद्र
घटके आगर॥ नाथमन नर अगज
उदानकलिजुगदातासु तिको बिहु
मांनगंगलगंनीरतुनैंपैपलरिन
छिके॥ ८२॥ मूलनरामरा सप्रतापल
षेमगुसाईं षेमकर रघुनंदनकोदा
स श्रुगरन्नमंकलजोनै॥ सरबसुसी

रागगयेंना त्रासोंमोजू ॥ वेगईपे
निवृरितुकपो चलागाग्रोमते ॥ रा
लीयेकेमाऊ घस्योकोटिककबात
भ्ररचयालीढोरले दिवायोक बिते
सांचहे ॥ याघाकू स्वरसँको आचार
जताकहा यामेसोतो ॥ भजीवनाय
नदंधुपेबानीनाचले ॥ बडे अनुराग
येतोकेबाबडाईकहा ॥ अहो जनकि
पाइधि प्रेम पोथाबांचिहे ॥ ५३ ॥
दाबनकुंजनू मिजानतनकोउप्रा
ये ॥ हरिइसायेजैसीसुकमुखगाईहे
रीतिहुउपासनाकी ॥ भागवतअनु
सारलायेरससारसोर सिकसुघई
हे ॥ आगयाप्रनूपायेपुनिगोपासु
ले [illegible] ये माथ नाहिंनो
तिसबपाईहे ॥ येकयेकबातमेस
मातमनबुधिजबपुलकितगातइ
गऊरासीलगाईहे ॥ ५४ ॥ रहेनंदगाव
रूपआयेश्रीसनातनजी ॥ महाम
रस्त्रपभोगसंघीरकोलगाईहे ॥

ताकोसुतबौदलसो सदासुषरा
सिलायेलायेबैसघोरी॥नयोबडोस
वैस्यामसै॥बोल्योनरयसनाम भि
आवतनीबप्रसतछिप्रलेकेप्रावेक
साद्र॥ कसोंप्रज्योकोमसै॥फेरिके
बुलायोकरोजागरनयातीठौर॥प
रूसमभ्र। योगावैनाथैपूजनथाम
सौ॥ भगयेसगसाधनिलेबिनर
गरंगसबरानानुठिआडूहैनाकेप
बरायेसै॥कोयेगबिछौनानीनि
छातिनकैउपरिलै॥नाच्यगाये
आयेप्रेमगपेरनाचेआये॥ थैसै॥
राजानधनयोसेतहूषनकोगारी
हेतसतनरिभ्रकलेतबरमछियो
येसै॥नपबोलेनटकरी॥हेलवाल
नोतिपरापाछैसछिनईदिनाती
सरैजगायेसै॥पाउठेजबमापैने
जनायेसबबातकसी॥सहानलाज

अतिलीअनूपअबिकबिकैसैकै
कै धेरसैलधिमानीये।कसैलूबध
नूंनरेसाअनगागरिमैनागररसि
सायेनिसदिनआतीये।रसेथासन
तनजूनदगावपावैनपैआवनहि
सतीनदूधसैकैपाईये।सावरोकि
सोरआपपूछैकिहूंआरसी।कसैअ
रित्राईपितारीति।[illegible]आरसै।गये
गांमबुझिघररसैपैनपायेकहूंच
हूंदिसहेरिहेरिनैननरिडारीये।अ
बकैजोआवेपिरिजांननपावैस
[illegible]लालपागलावैनिसदिनउरध
रीये।१५८।कलीबालारूपबैनीनि
रधिसरूपनैनजांनीआसनातन
जू।कालिअनूसारी।राधासरती
रडुमडारिगरीफूलफूलदेषतस
नपानगानिकतिवारीये।आयेये
अनूजपासिफिरआसपासिदेखि
नयोआ॥ति।[illegible]आसगहेपावनरध
रीये।चितरतअपारउनैन्नाईसित

सुनसादुन्ना॥ जनपै लिगई न्हि॥
नये सिखबलै नायेकौ॥ बडो हासन
जहोतमानौ सिखुसोत आये॥ हि
ब चिल धाये॥ गुनौ जनउठगाये के
आयीये कनटो गुनरूप चनजटी॥
वैगौतानकरी चरपटासीलगाई
रायेपट नृपनले नृपन मिरतल
चहू दिसते रिपु बदीये॥ प्रकुलाय
कौ॥४ परगौ रायनौ वनाकी सिख
करानासुता न खोदुख नारीनै क
लहन पाजाये॥ कलौ कौ पदाइ बाल
चाहसो ईधनलीजै मेरो प्रान रूप मेरे
ये विनती कौ कीजीये॥ जित गुन
नैदाये अनगन दासपा छैन
कस्यौ आपदेत सोलली जाये॥
स्यायेयेकडो लाछैछैवाये रंगी
जूकौ सुदर सिगार कलौ बारते
रैलै॥ कायेन रत नारीजो बिन
तानारी॥ लाये नारिअक चारि
उरी

तैगाईये॥सुषदैचरन सबरसिकबि
चनतेजानतप्रसिद्धिकाहकहाकै
सुनाईये॥३६०॥ग्रंथस्नेहसागरागब
टो प्रियाप्रीतिमसौ बिप्रबडे भाग
ग्रीग्याम्रईहरिजालीये तेरातनेसु
ता बास्टेसोनेवैजावमेरौ ईनको
जोबंससोउसंसेजगमानीये ता
होहारसेवाविसतार्निजननको
अन्नतिनकीगतिसोप्रेधिपतहो
लीये वाहिहि सुबातयेंग बासुषल
तो सबैसोंजानतहोमनमैंनआनी
ये॥५१॥राधिकाबल्लभलालप्रप
चारसालदईसेवाजैप्रकासप्रेबि
लासकुंजधामजो॥सोतौ बिसतार
सुषरासि हगरूपपीयेदीयेरसक
डिनलीयेपवविबामकौनिसदि
नगानरससंधिपुरीकौपानबरनतर
हतानयेक कामैस्यामकोगुनसो
नूपकलीकैसेकैसरूपकरैलते

रिकै लिडास्योपस्यो बिमु घकेव
सि बालसचालेरू ठाईते॥ आपे
हरिरोंमडूपेस्वजलोंकलाईरीति
खानिकरिखोले वलोंआर्गे आवे
न्नाईयेकायेबठेआयेजलवनल
मैनलायेनरप तेंसमफायो गर
स्योफेरिनू दिवाईले॥५१॥मूल॥
कमलाकरनटजगतमैनलुबाद
रेपोसुजा॥पकितकलो वलम
छिक आदरदें॥आदरजा॥सअ
दायेसिरछुचहली नवोना क्ष
रजा॥जितेकरतकिंओतारलवे प
नकरिजांनो॥परिपाटीचुजलि
सरससनाजोतिखोनो॥सरलि
मरतसकतपुरलें॥धनमडूघ
नुजा॥कमलाकरनटजगतमें
बादरेपोपजा॥५६॥छडनु सिव
को॥नटसारचिपचिलरियेकेका

षिगाईये॥३६१॥ मूल ॥ ज्तकर्ष तिल
कअरु रोमेकोन क्रिरैह्यश्रुतिब्या
सके काहूकेआरध्यमछु - करतें
रि॥ त्रोमनफरसा धरनसेतबेधन
... ॥ पे कनकेपेतरी तिनेम
नवृथासोलाषे॥ सुकलसमोष
अच्युतगोवीजूलडाये नोगुनतेरि
नोपुरगुस्यो खेलंतसनासधिर
सको॥ नुत्करष तिलकअरदामके
न क्रिईवृत्ब्रु तिब्यासैके॥ ...
... ॥ आपेगृहेत्यागपवू हेचु
नअनूरागकरिगपोलीसापागपले
ईन्यारेोतावोबाजीपे॥ ...
पेंश्रृपेजायबोन नायोश्रीकिसो
उरकायोमनसेवामतिराजीये॥
चौंराजस्क सासिंसचीकनो॥ षिस
तिजापतेह्नजूबधायेनहूआपबी
षिलाजीये॥ जपेन ठकुंजितथि
आदुसुबपुं ... षोबोंधमे

रिकै छिडांस्योपरस्यो बिमुषकेव
सि बालसा चालेकूबाईसे॥प्रायै
रु रिरोमञ्जू पैसवजलोनलाईशति.
प्रीतिकरिखोलेचलौंश्रागैंश्रारो
नाईयैफायेबठेश्रुधेजलमनल
मैनलापोनरप तैसमझायोझ
स्योपैरिन्नू दिवाईदै॥पीम्रन॥
कमलाकरनटजगतमेंतनुबार
रोपायुजा॥ पंकितकलाप्रबलप्रा
हुक श्रारस्वै श्रुाहैरजा॥सञ
दायेसिरछत्रछत्ताजनोमाछाय
रजा॥ त्रिलैकसहिश्रीतारसवै पर
नकरैरजाने॥परियाटीचुरहिडै
सरससनाजौतिबघानौ॥सरहिल
मरतसमंतडरानौधनमझावरी
नुजा॥कमलाकरनटजगतमैतन

मनोवै
इछेहिइ हेऊ रे ध्यानगमनो
माधै येहू न वारि हैं : क्तानौ दोस म साधू से
मानौ ड़े कन्हे मो भ्रू ना ब्लकौ योनीके :
के रिखि लै नौ कुक्कौ चिक्रौ र हैं : न ब्रस
कनाथे लाल न गोरख राघीये ल ब्रकौ
ऐऊ ज कौ नि मौ धै कौ लि मो दौ नि स
चौ र हैं : चरित म्रू पाल ना ब्रन न्हपके
कबा रा गा र का थ थे के रा ग सा र
लै कौ ल छू न र हैं : छू दा ब न के
ना भू ना थ न ड़ि नि अ ही न का थ
न न जू लू ध्या र ल न गो पा ल
जा र. री थि के र ना ग ब डि बि पु ल
व ल र ह सा गु पा नि रा ज ग
सो का ला प हा भू मे कू खि
क न क हा ल प डा हि कि सो र
ह रि ड़ा गा ल या
न दि ह ब र ल ली
हलि न की ला ध री ध न ली श्री मा
द ला के हो ५८ ही श्री

यांई सिरहारै [illegible] हिनो

मांनै छोडआलकालिसैजे [illegible]

है करिबोरसो हिसो [illegible]

मनातनजो

नायो [illegible] मनरस्य आयो [illegible] लीं

जताई सौ फैरि जिनसे सी [illegible] तोई

उलाय सरे ठरो हिज बाल [illegible] सो

धेनरि आईसी [illegible] गुल गालेलतको

नसुनि [illegible] आपु हि [illegible] जो नात

तमूर [illegible] सो आई [illegible] आय धार

हकेन सरीरस्यु हि [illegible] जैन ग्रांव

ऐसी बाल [illegible] हिरांई सौ आगुसांई

रणपुरपाछे आयेहे छ [illegible] नेक

गनये खालला जे [illegible] लखपाई सौ॥

आग्य आवलागी ऐसो तन चीन

नयो [illegible] प्रेमरी लिकापे जातगा

पद्मां आगो बिरचे रआये निसकू

नदाये [illegible] ये सब लेहके रहुजासो

चाना [illegible] रहो मैछ रिकमो [illegible] पे

सिन्नोरसा [illegible] सांचे दूध धार

जाये दधजा लीये

न्नावकाजिमतित्ताजाये॥ कतानूं
षुषानकरू रागचोगरीतिनोति॥
षूबलैबिराजमानाहै॥ बिदबिजाजी
षू॥ ८४॥ श्री [illegible] हरिदास [illegible] डातिको॥ टीका॥
श्रीगोबिंदचंदरूपरासिरसरासि
हासकहरिदासपकितयेदूसेरयेजा
निलै॥ सेवाअनुरागअंगअंगप्रीतिपा
ग्यरसानितिजोपैतापयेसमानिलै॥
श्रीतिहरिदासनिसोंबिबधिपरसाद
हितहायेलायेलेतदेषिपछतिप्रमानि
लै॥ सहजसीकोरीतिमैप्रतीतिसो
नातिकरिहरेवातावारमनअनन
येआनिलै॥ ८५॥ श्री [illegible] गु [illegible] गुसाई
टीका॥ गुसाईनय नहूहाबनहि
सकोपेलीयोसुबंबैठेकुंजगोबि
अनूपहे॥ बडेईबिरकतअनुर
पना जूरीमेंतातोकोसवादलेत
ननानूपहे॥ मानसीबिचार
रसौनिहारिलेगाहेम नहूति

रघगेजेगेजेगमो॥हिमोतिमानमनुभ
चारीये॥सचोचरणप्रधानहिरदै
॥४॥ श्रीहरिवंसगुसाईजनन
कीरीतिसंकुलिकोनुजानिसेः॥५॥च
चरणप्रधानहिरदैग्रतिसदिढउ
पासी॥कुंजकेलपदपतितलोकाकर
तघवासी॥सरवसुकराप्रसादप्रि
ताकेअधिकारी॥विधिनिषेद्
नदासिअनन्यनुतकटव्रतधारी
॥व्यासस्वनपंपअनुसरेसोलाल
लिपरचानिसै॥श्रीहरिवंसगुसा
ईजनकीरीतिःसकलकोउजानि
॥६॥श्रीहरिवंसगुसांईजुकी॥तित
जकीरितिकोनुलाघनमेयेकजानै
चाप्रधानमानैपांछैकुलधाईयेः
निपटविकटजावहैतनसजाव
सोजनसोकाहूपाइफिनेकवैहर
येः विधिमैनवेदच्छुदिडारेपान
रहापेजायेनीजदासनिसदिन

स नावमांहि मतिनांजीये॥ करतालं
उपानकरु रागभोगरीतिनांति॥
खूबलेबिराजमानहेबिहारीजी॥
षू॥ २४॥ श्री हरिदास पडलि कौ टीका॥
श्रीजोबिहरचंदरूपरासिरसरासि
हासककहासपकितयूहूसेरयेजा
निलै॥ सेवाअनुरागअगअगप्रीतिप
ज्यरहामतिजोपैतौपयलमानिलै॥
प्रीतिहरिदासनिसोंबिबधिपरसा
हितताये लायलेतदेखिपछतिप्रमानि
लै॥ सहजसौकारीतिसें प्रतीतिसो
नातयकरिहरेवातावारमनअनन
येआनिलै॥ २५॥ श्री नृगु गुसांई
हो॥ गुसांईनृयनहूहाबनहि
सकायेलायोसुदबवेहिकुंजगोबि
अनूपहे॥ बडेबिरकतअनुरत
पना भूरिमिलातताकोसबादलत
ननानूपहे॥ मांनसोबिचार
रसौ निहारिहिगाहेम नहूति

र

मनसोहृजसखौरनलोमं कोटपरा॥
मूल॥श्रासधीरजहेतकरिरसिकछ
परिहासकी॥जुगलनामसोनेम॥
जपतनितिकुंजिबिहारी॥श्रवलोकत
रसकेलिसखीसुखकेश्रधिकारी॥गा
नकलागंधबेस्यामस्यामाकोतोषै
उत्तमभोगलगायेसोरसमरकटलि
पोषे॥नरपतिद्वारठाकेरहे इसनश्र
साजालकी॥श्रासधीरजहेतकरर
सकछापरिहासकी॥५९१ टीका
सरदासजीकी॥स्वामीहरिदासरस
सिकोबखानके॥रसिकताछाप
रिजायमनछिपाईये॥स्यायोकोउचो
वावाकोश्रतिमननोवावामेंउस
जमनोमें
लैपुलीनपरैघोवालायेश्राईये॥उ
निकेसुजानकसी॥लैरिबावोल
२ १
लप्यारेनैसैकेउधारपटसगंध
कहिये॥पारसपखानकरिजलडर
येदयेकोमोतबसिषश्रेसेनानो

गोहिरदुख लिरमैरजसंतातनस्राप
स्रापैन लिरवैसु सही लिषस्रा
पैकैसुजा: बातजावेउ हि प्रातपै
नलीबजैसेगा ऐ समतापदावेको
सकरिसनजावे: सबसनमैनस्रा
वै डानीवैनदुरपापैहै चयेताजि
नकरै लिपैचनै लिरसचित ताई नु
नसरुधिस्राई दानाबैनकनाछापैहै
टन सु लिस्रापैगुरुदव रकनीत्याबे
मैबेउरदेषोकरनाको लिबातस्रापैन
सुनाईहै: कहोगो लिस्रनुजाबेच
लोतुउमानंद बेचनैसु प्रमा लि
स्रायोलापी धुनछाईहै: लिकेक
नारनालिगये: जलिता रिसके स्राप
रमसारबोनोबोलै डै स्वागाईहै: बो
हैसनदीनातकमाखे छाडैनजिमतत
नसुलिगयेतौपैनाडु हैसमोनबो
हैहै ... उदेहगनौर हिछितोगयो
स्रुधीनसना: स्रपाकरि चारबोयो

जनु [illegible] कै [illegible] कोपैवगाहि [illegible] नित
सुख [illegible] नवै [illegible] गए [illegible] तीन
रोस [illegible] तौ [illegible] नद [illegible] तिन [illegible] का
हो [illegible] करताए [illegible] किए [illegible]
द्य नि [illegible] वि जितु [illegible] लिए [illegible] नष
त नवा [illegible] लेसि [illegible] तु [illegible]
तिम [illegible] मलानि [illegible] ई [illegible] काढ [illegible]
तीन [illegible] लै [illegible] नि [illegible] नर [illegible]
दे [illegible] नवा [illegible] ले [illegible]
धूजे [illegible] प्रधानि [illegible]
वाल [illegible] रवडे [illegible] लेकि [illegible]
धकः [illegible] समन [illegible] राग्र [illegible]
कु निका सु [illegible] [illegible] है [illegible]
तन्ता [illegible] करत [illegible] लाय [illegible]
ग्राप [illegible] घेसा [illegible] लि [illegible]
जापे पोरनिव [illegible] लि [illegible]
वंसीपहराइ [illegible] लिखे [illegible]
तसपुरकैचीरा [illegible] लिसै [illegible]
हैह [illegible] सरदन [illegible]

मैनम्रावितसोम्रोनेकोतु८गारे
साधुयेक गयेगालखेसे वेषदास
नवमवाले प्रसादलेमयावेनलेवी
लेले: वोलेदिनतीवच्यारिजल ले
पायावेच्यार: गगाजूनिगरिमधि
लड्रोयोगल्सरीरले ८६ नवे
अवाले निरवतारलित स्रवलेवनये
जवनवे: सोजसावांस्राधारची
रनिरवांअस्लेरस्वर: स्रासाच२९
लो राजनीरनदवाडुममोचनकाल
स्वरजूब्रधत: क्रस्नकिवरकदनरी
या सान्तलु दारावलोवडु गरहृतय
वोया: पद्मपदारयरोमेदासबिन
लावेद अवरतस्रोये नवप्रवालेनि
सतारलित स्रवलेवनयेजतनये:
८६ री श्री इ जू : सदनाव
साईनावोलीवावलिप्राई जेसेवा
रेवोलीसोलवाकेसोदोकलिप्राई
लै: जावलोनवध कौरै: स्रयेकुल

साईकी॥श्रीगोपाललालजूकेलाडैवे
रसालबेसैल
नसरूपहै॥नानानागरागकैसें
तिरूनुरागपगेजगेजगमोलिहि
तकौतुकअनूपहै॥वृंदावनको
रीअगाधकोस्वादलायोजाघे
नपायोसातनयरसरूपहै॥गुन
ताकोलेतजोविश्रोगुनकोतमा
करूनोनिकेत वरमनसेत न
पहै॥६॥ श्रीकृष्णलि भगवानकी
कृष्णलि भगवानरानसेवासाब
नमनो॥वृंदावनआयकछु औरे
तिन्हेहै॥ बरासमंडलमें॥
तरसरी सिंगाढीछिबिप्यास
सुछिवछिगईहै॥नांमधरि
श्रीबिहारीसेवाप्यारी८
येमाजिगुरसनाबातनरहै
निपजारेआपजायपगध्यै
सरसिलेरतुमसुखपायोकै

पैनआवैत सोआनेकोउ ८ धारै
साधु पैके गये गहलये तेषदा
तनमनतें प्रसादनैंमपावैनती
रसै बातै दिनतीनच्यारि जल
पापावैच्यार गंगाजू निलारिम
तज्यौ यासुसरीरसै ८३ [illegible] । न
प्रवाह निस्तारा [illegible]
जनन्नये: सो झासी वांआधार
रहरिनामैंवलोचन : आसाधार
सौ राजनीरसदना प्रमोचनक
स्वरअबच्यूत : [illegible] करकट
या सो न्हु हाराम नाम डुंगरबूत
रोया: पदमैंपदारथरामैदासबि
लानंद [illegible] पै नव प्रवा
तो सतारहित मैंवल: [illegible] नमप
८६ टीका श्रीसदनाजूकी: । सदन
सार्ई ताकीनी काकसिध्राई: जैसे
रैबानी [illegible] साटीक सिआ
है: ।वकौनबध करै: अपैकु

रूरेगजाति

वारसहति
न्नोगश्चारतै
श्चाह्वदाब
नीले॥नगन
बेबरूदाने॥
रस्नजन नृ
उरारिभुदार
सादाय॥टीका
कनुरारिसा
॥: वावेकोलप
राहै: सलचस
मरतकमाटग्रलन्नरहै: लालोकोप
नांम पूजाकरिनरधारीये: श्रावैहरि
दासतिनदेतसबरासिजीन्यैकल
प्रकासस्सकेपद्धैसीविचारीये:क्रौ

॥श्रीः॥

जमीकंद पाव १
वधायरो पाव १
गुनी पै ४१
चित्रक पै ४
हरड़े पै २
वहेडा पै २
आंवला पै २
वायविडंग पै २
व पै २
पीपल पै २
त्रिलोवा पै २
पीपलामूल पै २
तालीसपत्र पै २

पैनग्रावत सो॥ तिनिकी ठौर धारे हैं
साधु देवै पधराय नाई ॥ तेषदास
तनमनतें प्रसाद नेमपावें नतानि
रसै ॥ बीते दिन तीन च्यारि जल लै
पीयावे च्यार ॥ गंगाजू निकरि मधि
तज्यो यासु सरीरनै ॥ ८३ ॥ मूल ॥ नव
प्रबाल निसतारहित अवलंबन ये
जन नये ॥ सो झांसी वो आचार्ची
रहिनी मंगलोच्य ॥ आसाधार
सौ राज नारसदना ॥ लोचन कान्ह
स्वरूप भूत ॥ कस्नि किंकर कटतर
यो सोनू हीराम नाम डुंगर बूत ध
रीयो ॥ पदम पदारथ रामें दास विम
लानंद अमरतत्रीये ॥ नव प्रबाल नि
सतारहित अवलंबन ये जन नये ॥
८४ ॥ टीका ॥ श्री सदना जू की ॥ सदना क
साई ताकी नीकी क्रिया सिम्राई जे से बा
रै बानी सानं ॥ सो टीक सिम्राई
है जीव कौन बधि कै करै अपै कुल

प्रकोनअनूभनि
रेगजाहि
अारसिक
गजसाहप
वारसहति
नोगआरत
आदबा
नीनं॥ नगन
बबरूदाने॥
स्तजन न्ही
रारिजरार
दापे॥ टीक
कन्नरारिसा
: पावेकोनप
है: संतचस
मरतकमाटग्रस्तररहे: नासाकोप
नांक पूजाकरिनरचारोपे: आवेहरि
हासतिनदेतसपरासिजीनयेकन
प्रकासमकेपकेसोबिचारोपे: करे
गुरुजसरवनेदिनमनानेकोनहार

॥श्री:॥

जमीकंद	पाव १
वधायरो	पाव १
तुलसी	पै ४
चित्रक	पै ४
हरडे	पै २
बहेडा	पै २
आंवला	पै २
बायविडंग	पै २
गुड	पै २
पीपल	पै २
गिलोय	पै २
पीपलामूल	पै २
तालीसपत्र	पै २

रीकतिलरीहै। तेवोमोकौंसंगलारीक
देतीनलेयेरंग। कुंजीश्रीरकाटीयोवू
पैनडरीहै। फेराश्रवपाउं। मोसोंना
तीकोंनमोसोतोसूसोरकरिउठोईन
मास्योन्नीरकरोहै। टसनाकिसपक
रिपूछैकेहैंतसिमास्योमेंडास्योसो
चन्नारी। फेरलाथकोटिउवरीपेक
रै। फिर [illegible] तोकि मलेमान
जानोकछूयकमेरायेलडरथारीपे
उथेनायेहेनह। गै पालकोपरठाइले
नसदनासो न ह्लेफेलाचैन बिचार
है। यहैश्रायेप्रकृपा सिखपनसो
मिट्योवासघोलेहैफेसोरो ह्लपेनतय
बिसतारोहै॥ ५०॥ गुप॥ श्रीगुसाईका
सीखरकोटीका॥ गुसाईकासीखर
श्रागेश्रवचतुर करिश्रीतिनोला
चलरहेलागेमानाकोहै॥ फेराश्रवमूल
सचैतनिजकीश्रागपायापे॥ श्रीपेह
सावन देखि आयो नयो। कोहोसे
वाश्रधिकारपायोरसिकगोविंद

दयोनक्षितावहै।कौनमैसुनाये
नामलोमलैगुपालदासमोलयद
राईगेरे प्रगट्यो प्रभावसे।हु परसिर
मैरसुपल बिडु सीठेरआये।।साव
लिपदायेहायेनयोग्र लिचावरहे।।न
परपुछीनगोवकितेकनवीनदीये
लीयेकरजोरिमेरोफल्योनाक्ष्गपद
वहै।टेमनयोगढ़ेनक्षिराजसाभ
सेवासाजसंतनसमाजदेखिकरतप
नामहो।श्रीनिडरैगेनिबनजारनके
वारलिरवीश्रायेईपुकारनसबजनगुर
वानहै।श्रावतजसोघेमछिपावतप्र
सादसीतबोलेश्रापसतयोसोधोलिदव
तकामहे।।जोद्विदईनीलिलबनगतन
सोछोतिबड्डीसंगहोसंगमूलफेरलि
गयोनामहे।।२८५।।टीकासंतसूपाचसात
संगलितजातातितसोलक्षिदेव्याधैन
ल्यावैसाधुबोतोसोंवाहीसोंचहेहदसप
रोसिईसीवाहतातुलियोछिनाईकै।।सैदाय

राम तिलरीसे। सेवा मोकौं संग लारो ख
टीतौन लेये रंगा। कुनी और कारी ग्रीव
यै नेडूरी से। कला और पाउ मोसोंना
तो कौंन भो सें तो सं सोर करि ठाई न
मास्तो त्ती रकरा से। [illegible] किमपक
रिपू छैके हैं ल सि मास्यो मे डास्यो से
चन्नारी। केसालाघ को टडारी पेक
येो करचले नरिंग मां फि मले मान
जानी कथ चक मेरा पे लडर मारी पे
जगंनाथ देव आगे पालका पठाई ने
नरदनासो न ञकसा चैन बिचारी
से। चेह [illegible] पासि स्वपनसो
भिर्युवास बोले हे फेसा र श्रुपे तता
बि [illegible] ।सं०।। गु [illegible] आगुसाई का
सी स्वरकारी का ।। गुसाईकासी स्वर
आगे और पूतडर करि ग्रा तिनोला
चलरहे लागे पानाको से।। कता प्रभूके
सचेत निजूको आगे पायां [illegible] आ प्रभू
ह्रावन देखि न्नाये नये [illegible] कोसैतोसे
वाश्य धिकार पायो रसिक गो बिरच

चारहैरो बेचैमोसल्यायेश्रीतिलरिसै
लगाईसै।गंडकाकोसुतखीलजाने
तासूतोल्योकैरे॥नरेइगसाधुश्रा
निपूजेपैनत्रापे लोकसी   लिसस
नेकैवासादार देवोजाकोसुनोगुन
गानरागुलापेकोसचाईसोलेके
ग्रायोसाधूमैतोवड़ेअपराधके
येकोपेग्रबसेक सेवाकरापेल।
नापेहैमयेतो प्रजूनीकेतोपजोसा
पालेसासाकरोगरोच रिग्रायोसु
निरम तिविसरारिहै।वैलालरिल
चारिड़ा रिदापोकूलाचारचलेजग
नाथदेवग्रासनपजाइसै॥कि
कसगसगजातवैसुगात सबतव
ग्रापदूरिदुरिरहेजोलिपाईसै॥ ४९-चा
ग्रायोमगगांवकि
गयो नयोसपरे
परासोवैठायालीहोरकारी
होरिकसो॥रसोलिर

अनूप मैं मानाये तौ रिताके टूक
कीये छोटाये के जन्म भिगयौ से
बिलाये बाजिन्ह्यौ ॥ गजे नाये ३९
सिष काती जो ग्यता ई नी के मन गवा
ई ॥५॥ गुरु का डिबल प्रपैनै कहरि
क्याचन्ई [illegible] स्नैया की बात मन बा
त वृत गति कत्ती स ताले रिषाई श्री
र कपात्र तिर सम ई वै तो प्रनूप
पै चूके प्रषम बसिष्यपा के प्रश्न
फल दै पित रिजो गतु पडी नई रिछा
सो ॥८॥ लस्याम न क्रिव सिकरी जु
ती न्हती पूरन ब्रह्म सब बिप्या नु रकाग
ही ॥९३॥ री [illegible] रो [illegible] बा [illegible] की रा का पु
तिबा की ॥ [illegible] र प कुपि जन मैं
न्चा लै नै कुरी ति कत्तु न्यारा ही [illegible]
री निबा निकरि [illegible] निकरै
चरैरु रिरूप लाये ताली संजीवारी
है बा नता करत ना ॥८९॥ क सन दे
वृज सो [illegible] का जे दूष दू रि [illegible] कली मैं

घारहैरो बेचेमासल्यायेश्रीतिह
लगाईसैगडकाकोस्तबीनजो
तास्तोत्योकेरा नरेइगसा
निपूजेपेन त्यायेरोकती
नमेवाताढेर देवोमोकोस्नेगुन
गानराजोतायेकोसचाइसो
आयोसाधूमेतोनडेऊपरा
घोकोयेभूबसेक स्वाक्तीयेना
न्यायेहैपेताप्रजूरोकेतापेजोसी
घासोसातकरोगले नरिआयोसु
निरमतिबिसराईसे
चारिडा
नाथदेवमासजपजाइसैमि
कसगसगजात्तेसूगात स्वल तबे
आपइरिद्वरि रहे जानिपाईसे ए चा
आयोमगगाव निश्चालेन येकठांवु
गयो नयोरूपरे
परासोबेठायालीहोनकरो
रुरिकसोारलो

परायेन जाकिये कोमध्ये निकल
जुगके ल रसनलफरा लदुसंत
जोध्यपुरत्यागी ... सेमबि
मोनी षेमबैरागी नावनबिरतीन
रतनफरतरिकेसतटेरा हरिदास
सूजो ध्याचक्रपानि पीसरजतव
केरा तिलोकपूषरदिबिक्रनाथ
दवबनचरबेसके अग्रपपराये
जगतयेकोमध्ये निकलजुगके
टीका ... नक्षतीसन्नकज
पनाकेसबेमषदेस केस नसतन
व ... देवीकोप्रसन
करेमानसकोमारिष्यरेलेगयेपु
त्तिसांमारिबकोलागे प्रतमाकी
फारि करालरूपधारिञ्जाई लेके
तरवारि ... जिन्नागेते आ
ऐनरतवलेइगजनरेसाधूपावधारे
ऐसेरषवारेजो निजनधनरागते
ऐचासंत ... टीका ... साधु
सेवाधूनरागरंग ... नेम
गदी

घारहै॥ बेचेमोसल्याये श्री तिह रिसै
लगाईहै॥गेड काकोसुतहीलजोने
तासूतोल्याकेरे॥ नेरेइग सा थरम्प्री
निपूजेपेन त्रापेरे॥कती तिसस
नेमैवातादेर देवो मोको सुनो गुन
गानराजोतापेकोसचाईहैलेहै
श्रायोसाधूमेतोनेडाश्रपरा जको
घोकापेजूबसेक सेवाकरोहेत।
नायेहै॥घेतो प्र नूराजेतापेजोसी
घातोसातोकरोगेरान रिश्यायोस
निरमतिबिसराईहै॥वैसाल निर
चारिड़ारिदायोकूलाआर चलेजग
नापदेवयासनपजाईहै॥मिल्योपे
कसंगसंगजात्वैसुगात सब तब
श्रापदूरि दूरि रहेजो निपाईहै॥ ९ चा
श्रायोमगगांवनि श्रालेन पेकरोव
गयो नयोरूपदेखिकोईवापारी
परासो॥बैठायाताठोरकरो नेजत
हेरिकत्तो॥रत्तो निससोयो श्राये

जायेकै अप्रायेनर च्यारियोचजो
नी भ्रनुश्रोच [illegible] ोगटिल
योसो दिवायोसो सो[illegible]चलेनहैन
येकै नृपको [illegible] जेह
रिकोजोरादायोलीयोकरदे थिनै
जयांडेन [illegible] नईरोजिमा
री सबचूकमे टिडारी चनपाये
लिकुराव [illegible]
[illegible] कायो जोई
मागेसोलादायो नोनांपकेवांन
रसबांनस्वादलागेहै संतको
ससंपधवरिले प्रसाद गोरुनरि
गपेतारतापावोज तिलोकयुरुपागे
ति कोनसो तिलोकग्रुरदूसरो तिल
कोमेनब [illegible] निचेनन्रयो आये
नसवागेसे [illegible] नपदले [illegible]नने
स्योहरदेषिटस्यो प्रनूपद [illegible] जजो
जोमेरेनागजागेहै ॥४०२॥ मूलम
लावअग्रधिकपूरनकरनापैचिता

घाललजुधारबिंदजावन्यजोजाकोहै
नैनिलालडावैनावसायबुडावेकौ
नपारावारपावै६॥निलगैजगपाकै
है॥३६॥मुलाकरन्ना धाया न्ह रूप
लयेकलजुगपादपरये जतीरांम
रावलसुयाजबोजासलसीतू॥९स्ला
पदसलोरथरोकारौगूजपजीत
जाडचौ चागुरसवाईचारलापा
पुरखोतकसोसाचुचतुरकीलाकल
कौजिलिमैयौपापा॥तिसुंदरघी
धागभ्रमसंसारधा ज्ना॥लिलचे
करला धाया न्ह तिफरयेकोलिय
गयाइपूचे ःः॥ ीकापोलजकौ॥।
घेलीनूकगुरुदिनावको ब्रह्मलक
हाँहिरूपतसनेको चिंदरासा धर्म
नीय॥पाके प्र न्य डहककं॥लिजुरै
नाधर्हा पायेपेलबलीघड॥चिलाल
मन्हाला॥४ १५७ ...
फेरपत्रे ...

चौर ०१०० बद्रीनाथजूऊसो दो
र: [illegible] रि जनन पर ॥
के सो पुनि हरि नो बनी मधेतोगे
बिदबूल चारी ॥ बालकसबेबउ
नरसब [illegible] तत्र पयाबरत चारे
पेडागोपीनाथंकुकदेगजपति
महाराज सयुन कि [illegible] जसगोपाल
देपनह न कौ सरबल ॥ श्री गुसा
हासा निविरहे ॥ कृतपुनि पुजनल
नागनर ॥ बद्रीनाथजूउसै हारिकासे
वकसबलरिनजनप ॥१०१॥ [illegible]
परदु [illegible] ॥ [illegible]
परदुइगजपति के बचनकायो: ली
यो निकिनावह । [illegible] पैन देषी पे
[illegible] टिलेसिनपासदी
को दियो हुलास यो ॥ [illegible] कमहमोकु
पेबीये ॥ जगनाप रपप्रागे निरते
[illegible] पैना नाचिलनरपपा
परयोनाय देषीये ॥ छातासोलगी

घालतकुंपारविदजीवन्यजोजीकेहै
निलिलिलडावेनावसायबुडावै॥कै
नपारावारपावैसु निलोगेजगफाव
है॥३४॥मुल॥करूनाधायानक्रप
लयेलजुगपादपरचे॥जतीराम
रावलस्योमबोजीसंतसीता॥रल
पदमंमनोरथरोकारीगूजपजा
जाडाचा चागुरसवाईचारनापा
पुरबोतमसोसाचचतुरकीतामन
कोजिसिमेट्योपापा॥मतिसुंदरघ
धागश्रमससारचा॥रनाहिनन
करूनाछायानक्रिफलपेकलि
गपारपूर्वे॥३५॥टीकाषोजीजूकी॥
षोजीजूकेगुरूदरिनावनाप्रवान
ता॥हरिमूरतसमैबोधिहरासोप्र
लीये॥पावैप्रनजबतबबाजिजुदे
नोये॥ली॥पायेपैनबाजाबडोचिता
नश्रानाये॥तनत्यागपवेरनलाहते
फेरपाछेआयेवाहादौरपोहिदषे

बेचित्रप्रसादे षिमांडमैं वस्यांमैं
मोंनिश्चयराचसाधू चकादे निका
रेदीयेसंतसोंभ्रगाध्वकेसैंजातेवृ
श्रांमैंहै ।।४।। बैठ्यौकुंडतीरजाये ।। निक
पैगोंभ्रायो ।। बन [illegible] कै
रूलै [illegible] ।। त्योनतोपैसोत्व
योकेसैं नस्यौ ।। [illegible]
रमोंफिरिनोगाधवस्योपैनबोंये ।। क
रीश्रीगुसांईजूकोंकों [illegible] नका
तायेकछू आसाजौ ।। [illegible] तोपै
ाकैजाननाईये ।। वाकोहतोसव
तापैसुतोनावजान्यौ नलीकसी
नोसैबालसोकुमारे ।। श्रीगुसांईये
५बननबननष [illegible] बिन [illegible] नतनम
तोनैकूनननजूगारीसूनगनत
नगावेगो ।। सुखिबुध्धिमेरापूर्म
बडीचिंतामोहि ।। त्याइयेजू गवेग
ाटिकहूनैकचैनदिगगलावेगो ।।
नोगसेलगा ।। मतौतनकनपाये

राम लिखमा लो। चलो लै हि सोनु लवतै
रैमन मोतु रहैवत छि पिहोउ रै स्वाम
गमा ोिडारा है॥ ४ मआये रोतु आ था प
तिपा छैब यू म्रागै स्वामी॥ ऊँ [illegible]
मगमा ोिसय तिसा वी हारी है॥ जा
योजवताजा तिन [illegible] मन ना स्वजा
तयातेवे गपस न जै सौ यू रिवापैडा
है पूछी मजकता जी यो नु लिखै [illegible]
हरितु मकता नु लाभाल जो ले बनह
राये॥ करै मो सोरा को पु पैलो का म
रबातु ला॥ मु नि पु न खोल वातस्यो
हे दनारा ये सो॥ ५ पानि [illegible] रिहै
कसा गो रै बात जो थै [illegible]
ोसकै राये म माये रोछवी निलै पु
पकतै रा टीरा छै हम ली पा है तत
पनसा छै रिये॥ तल लो प्रकाट [illegible]
स्यापे यो न्यवा या॥ जर है भि मड [illegible]
कसा करै स पुन पेरा पे॥ बिनतो करै
रजो रिभ्रु गप टम्हो रो बोजप स्यो

देबोदे नगतनविसरामो॥जगती
वाँकीकमलादेवैसीरांसरिचैरावो
घेनगतकलजुगजुवतीजननकु
राजै॥मोसवजानेजगती[illegible]टी
[illegible]गणे सदेरा[illegible]की॥मधुकरसा
नृपनयोदेसम्रोदुछे कौरानीसो
गनेसद [illegible]यो है[illegible]
वैबसोसते [illegible] ननाति
रखीयेकसाय [illegible] सवलोप
है॥नापरऋकेलाहेषिवोल्योध्यन
बैसीकास॥हियेतोबतोउसबतुम
जानिलीयोहै॥मारीजोगधुराल
पिलोहूवेरूपनागपगगयो॥नयो
सोचजानेराजावदीयोहै॥४॥बी
भिनीकानातिपोहुगई॥कलाक
हसोंनआयेहिगराजामतिआवे
तीया॥घरमदे॥बातेहिनतानजानी
बेदनिनवीनकछुकसायेप्रवीन॥
मोसोघोलिसबमरमदे॥रारावा

निष्याकोवूलगांवगांवजायेकौ।अ
येह्ररसंतपूछेतोघासयोसेलकसो
संतथुरसेमोफिकसोअसेधूरसाय
कौ।बांनासुनपजांलौचलेमगस्थ
देनी॥मिलेंकसोकितहतेसोबघ
नीउरआयेकौ।बोलावेसाचवाती
आचलीकोध्यानमेरेआनिधुसेफे
रिकायेमेमगनह्वेजायेकौ॥१४१॥
॥श्रीतिलोकदाससुनारनककोटवि
पूरबमेंओकसोतिलोकलैसुनारज
तिपायोनाक्तिसारसाधसेवाजरथा
रायो॥नृपकेबिवाहसुताजोरायेस
जोलरिकोगरिबेकोदीपोकर्योनाकि
कैसवारायो॥आवतअनंतसंतओ
सरतपावैकिहरहेदिनदोयरोय
रोसयोसमतारायो॥ल्यावोरेपकरि
ल्यायेडोंकिपेमलकरकसोनेकरसैं
कोमआवैनातोकाटिडारोपै॥१४०॥
आयोवरु

त्यांयेंबसतरायेघोपेंदूरायेबाताआय
प्रसंग घोकलतारीऊिपदहीयेहै॥४॥
उमू ते॥श्रीकृष्णपूजासंतकोआपु
नतेअधिकेकसीहैव-लपदा।ज।
सगावरीजदीयानेनाउ॥बृदाबनी
यारीमेंरू रतेहु जनबारादोउ मो
कौऊदीजगद्दासेल ह[illegible] याप्र
लितारी॥सुनपयमैंनगवानाल
रैसलभीन गुपालनुप्यारी॥जोबन
नेकि ।ाउलि न क्रिरषिततालाबर
सी॥श्रीकृष्ण पूजासंतकीआपतेअ
धिकेकसी॥१०६॥टीकागोपालकी॥
जोबनैरिबासमोगोपालन्हीकरेषि
ताकोकापोनिरखालबातमेंकोल
जीप्यारीहै॥नयोतेबिरक्तकेनगु
ननैंप्रसंगसुनौं॥ऊयोयोंपरम
लन॥रषेबिचारीहै॥आयेपख्यो
पायुपाय्यारोनिजमंदुमें॥रहो
नदेछेमाछपनकेसेरायेपायचलु
त्मेकर नंदारौतायेरहगोकिनार

मनिचतरदाससोमनामसोमनो
यबिकौबिसाघोलमध्यानोसद
दामूलकदगनेसत्रीबिक्रमरघूजग
जानो॥ बालमीकद्वैब्यासजगन
जाहैद्वारलआचारजा॥हिरिन्दूलाल
हरिदाससंतोसबलरोघवआरजी॥बो
बोज[illegible]थातरजधवलसपूरधारनत॥
कुरिकायेप्रकास॥अचिन्तापञ्चधि
कपूरणाकरनधेन्यताभनिधचर
दास॥ऐसीनकूपालहूँजिनजगतियेप
नायेलभूरथारदेवानंदनरदेरियाने
दस्कुदमहापतिसंतरामलंबोरी
पेमञारगनेदब्रिन्दुबादिदोजुस
तजोरी॥थातमहादिकोदासमोच
मोकलस्यादाजौदूमलनरसदीदे
नगवानबाल[illegible]कनतरकेसोसि
हैक्कुरी॥दासप्रयागलेकेगगुपाल
नौगु॥सुतगसैजगतमोरा॥नचि
पालैजजनगतियेपा॥नायनसद

सोमेरो सिरमोर है ॥ करै साधू सेवाब
ह्रपाकेडारिमेवा ॥ सतजेवतम्रनेत
...पाठै ... रहै ॥ म्रसेमेम्रका
लपस्या ॥ स्राविैचरिमोलजाल ॥ से
तिपासकरै ॥ तको श्रोरठोरहै ब्रनूज
... दायेको पोमेजतन ॥ कग्
कोन्तरिगहे नेसिग्राविकरैगोरहै
गेहकोठाडारिमोरुम ॥ रनाचेरवो
बोलिनिकसेग्रतोलपासिरोठाले
नाईपे ॥ दुख जि ... आपके
बिलायेलाजे ॥ राजेपेचुपरिसगड
छिदेजिमाईये ॥ बूल्यगई प्रापे नोप
तापासो ॥ ग्राग्याइई ॥ चईमेननाई
म्रजूह ... ये ॥ नोरनयेगाकी
नेसिग्राईवतारीतिकराकरीसाधू
सेवानानात्तं तिनराठाईयेके १७ म्र
ईकोनरीतिबाको ॥ तिह्रबमोनके
जेताजेतरवारिसारन्न ॥ किनारखा
वहे ॥ रहै ॥ ठिगगावतालासनापेकव
वनईटूरिग ॥ पे ॥ जाई सोठगातीको

प्रेमसायबुंये॥ नयेप्रतिमनन्ती
द्रुसदेतये निमेंचीये॥३॥कुल॥
रिसुजस३॥प्रचुरकरिजगतिमेंये
बिजनप्रतिसैयेनुहारविस्याप
॥कुसनदासबेहारनचतुरबिहारी॥१॥
गोबिंदगंगारामलालबूसनाये
सेनारनकारी॥प्राये दयालप्रसराम
सन्तनाईघाटूको॥नंदसुवनकी
कृपकबिनकेसोकोनाको आस
करबपूरनजरपति॥नाथमजन
दयालगुननलिखाया॥रसिकजस
प्रचुरकरजगलिखे॥किबजनप्रति
सेनुहार॥१०॥श्रीगोबिंदसुवामीकी
टीका॥जोरजननाथसापिबेलैस
हाऊलैरंगपूगरवहनाथलीये गो
बिंदसुनामहै॥खवासकेरीलाल
कोबातसूनिलीजिताकेसुनतस
सातनैनरातिप्रसिदासहे॥बेल
कैलालसंगगयेजहै दवलेके

दिपोध्यानमैंप्रेमकोपैविसता
रोये। ३४२॥ बेटीसैकंवारीब्याहदेत
नविचाराभक्तचरनहरिसाधनकै
कैसैकैलगाइये। लैकेंपोंछोंरू[illegible]
काजैवाकोकाजकरोजगनाथदेव
जूनैं ॥ सोजैकोपैडूबनरनैकनल
आईये। विदापैन नये चलेडूगरि
लये गये आगेनरपतभक्तरंगचो
कोउरकोपे। [illegible]दायोलैसपन [illegible]
ाजनलैकरो आजूहुकोलिदेईलई
बनकैजताईये ॥ हक [illegible]
पालके ॥ [illegible] रआये तामैहेवा
सोकबेटीब्याहकोपोहै औरसब
तनबुलायेकैपवासैदा [illegible] री
रिपगदाससववरासि[illegible]
सैहीबतातदामवाके [illegible] निमै
तलैसैसतजगतापैअतिहरछि
महायोहै। चरितअपारकछूकहे

रासलाकोउ वेजाये तबमोहनलीक
छूनावैगो॥ चलैउ दिख्यायेनी
दिनी ठिकैकनाथेल्यायेमडुबैषा
मिल्यकसीगरैंलावैगो॥ ८०॥ गयेहे
हैबलीरनौमितलाकस्मरूनपश्रा
करी॥ बडीधूकआकवोडिनसोंमा
रिकौ॥ धेनहनिसारिदु ठिमारदईवा
सीसूजुकौलुकअपारसबिनावर
संसारकौ॥ मातामगन्यांतैबे रन
ई आईताहाकोबारलाईश्रीरपा
ईजुरधारकौ॥ आयोपोबिचारअनू
सारसदाचारकोयोलीयेप्रेमगा
ढकचूकतसन्तारिकौ॥ ४०॥ आलतलै
चौगम्हासडूसोमं इसकौरसोमगा
बैठकासीआगेजीसिदाजीयेपनयो
को नारयारडुरिजापुकासकरी॥
मरानअनातीजाहिलैलायेसलीजी
ये॥ बोल्यकैसुजाईअसीकासालनअ
रीतबघोलिकैलताईअजूबातकान

सिवूच्यांमतैंनजातबारपैरेकाहू
च्छिहारसोंउसुच्छिलेतसे ॥ पेतीनो
चारि च्चूषप्यासदईटोरिंपे सुग
रूपछारिन्नयोलायेलेत ॥ बोले
रमोंगपअभ्रजूमागिमैनजानतहों
मैंजोइप्यारैसोलादेहो प्यतचे
हे ॥ परचौसोच नारी मेरी प्रानप
रानारी सा- [illegible] करेनेनि
नैतीं ॥ रसभरीयामैंबूकासुरकोंबर
रनयातालावैसे करकेटिकोटिप
पेवारिडारीये ॥ बालकनहाय पे
पालकहेलौकनकों मनकोंबि
रकसाहोज [illegible] नपारेहो ॥ जोपेन
देतमेरौबोल्य [illegible] तहोत यि
नोंजहेततनश्रालीनकेप्यारो ॥ प्या
वृंदाबननास मंडलजटितमनपु
पुश्चनगनबिच्यलालजूनोहारी
रूपहीरनिपवालरासमंडलनचित
होउरचितभूपारनरतिगानतां

दीये आरिनपैके बिचारपस्यो कैसें
समो आंनजीनग्रलैौ हिर लरमसै॥
किस्यो आसिपासिन्हूं मिाप्ररलतरा
सकरी नहिकोउ जावू छाडितीयाप
तिसरलै॥१३॥मूलाहरिके संमत
जेनभलेदासनिके दास नरबांलजो
सतेंबरी सडापूजे मलबादावतजे ये
तपा रा स्प॥ अन नरहिदारावतग
नीरुग्र जउबडजनारदन॥गोबिंदजीत
दामोद्र सो पिलेगहाइ छौरै अबदीत
मयानंदभै मोअनंतगुह्यलेतुलसी
दास॥हरिकेसभतलैनगतलैदासन
केदास॥१०५॥अनरबांल एजु कोटी
का॥ रतन्यै गावलोखनरबांहन स्ता
घूसेबी॥ बोटलरैनीावजाकोबदीपा
नैदीयाहे॥ सोडि आयै देनकछु मायूं
कोश्रादुदयाग्र तिग्रकुलाय॥ लैबपा
प येलकीयासे॥ बोलीारधा कैस में
लेसैलरिबसनोम॥ पूछेसिषनांम
कसो पूछी नामलाप॥

सिवच्यांमतैंनजातबारपैरेकाहू
छिद्वारसोंतसुषिलेतहै ॥ पेतीनाब
चारि तृषप्यासदईटारियो ॥ पुगय
रूपद्यारिनयोतापैलेतहै ॥ बोलैब
रमोगपग्रजूमागिमैनजानतहोनु
मैजोईप्यारेसोतादेहोच्यंतचेत
है ॥ पस्योसोचनारमेरी प्रानप्या
रीनारीता सूकलतबंदकहे ॥ ति
नैतिं ॥ रभटायामैंहूकासुरकोबरु
रनयोतातावेसेकरकोटिकोटिया
पेवारिडारीये ॥ बालकनहोयेपह
पालकहेलोकनमको मनकोबिच
रकताहैजे थानप्यार ॥ जोपेनल
हितमेरोबोल्यबोग्रचेतहोतहाये
नीजहेततनश्रमीनकेप्यारे ॥ प्याये
वंदाबन ॥ सभंडलजटितमनगी
तप्रनगनबिच्यलालनु नीलारोयु
रपतिरिनिरचितनाद मंडलनाधित
हेतरचितप्रपारनरतिगानतान

गसिचरेसदलिछपीनेकेहैयाकें
रीसें १भियेकपैतमाचोदाचे दूसे
नैरें कोहे हैवोयाकपोतकैथेके
नावक नीघे स्निग्रास्नरिग्रा
जाय यद्वे याद के सेकलजाय ये
तरीति छून्यारी सकिहिघ सुन्यो
मेरेब प्रका यो नहिरेपरव्या
रि प्रगू ये येक ने जो ओप्रकुल
वाये कर ये देखोव्यसुष
मतसवसे ८१५ मर
रधरघेडल बानरो
मनानबिस कारी
री जगत नकारत
याये दर्दा
ठाये सुर
कुव्यत
येबिन्ता
कीर
बधानकार

तरीजावत श्रीसेवा विधि प्यारी
जैती द्विजजाति दृ पन्नये भूति
तमानी षडाबुत पात दोष - र
बिचारी है पैतास्वपसागमैन
रमगन मला व सकै कलाकरि
हे वैराग्य पर प्यारी है र चतार पव
रत साधु श्राप पुरा है को जुको
पि द ध रूम रिका स प्यारी
जेवरहे ई पीकहीजात हो नग
नूम नरसी बिहतसाद श्रागे
मडारीये चरन पकरि पर जा
जो लिपा वाग्रहोकहो बारबार
बानतीन टारीये नृपाल व
घरजाय वहारी तिकरी नरा
वारिमेर नागकहावारीये १५ स
सेरूपयाग निहेराक रिदई श्रागे
जैपर देवो लिषिकही बारबार
जानी बल नृपै नृदाम है पठाय
लिषि नृपै ... संवत

बिचारसैबोल्यनदोकोज्ञ औरह
रकोगोचारद्वकोसीजोवे नारि
सा संतनवयावसैडोल बि
ते नेवायोगहल्लेसचासम: ईनि
जचैंसिसंगसबसीरहावै. ४१८
मारकोदिदेसतैचस्यै ईस कोको
ये कोवेजगंवोयटेवृ पास पनजा
ईये नेह रचारकि एका रिपेरिडारी
केसैकरेतनध्यानीजैकसनकेनुफ
रये पलेसौनिकटजाये पालकोपट
येव कलैलाषा कोनलै गदेव
ताईये कारुकटैदीयेजावेल रगसली
येवक्रूचलेप्रन्न कोसिधेहा सिनदी
बुलाईये केसचहै पालकोवे नप
तपालकाजेदीजेसो औदोल कार जां
तिझांनिकारिये कोन प्रभवर्की
स्मरसोबनायेसाये भूवपन राह
कोहिस्यनिजरवारीये चलैचकिउ
ढकायेचाहै येजानीमेतें

सोनोंवसै॥ सतासोस्तुसरारिस
ये मुख्के॥ चारसालद्तबते
जारिजाकै॥ [illegible] चालसे॥पि
तासोपढ्यकसीक्तो॥ नरा१५
नजोपै क्षुद्रपायोजायआवोप
दावले॥७२॥ चलेगाढादृटासो
लेट द्वैत [illegible] जारि॥ पहोचेन
गरश्रीर द्विजकलोजायेको॥ सन
तोआपुरे बिमलपा येराई॥ पि
[illegible] मनहींयेक तुमकोपोकोत
आयेको॥ प्पतो॥ लकरोजाय
सासहिगहरो लिबिकागदमै
चरोश्र लिनुतम प्रायेके॥ क
ही [illegible] निनिपटरासो
येनुठी॥ कोपोश्रतासल्यपांग
वपण सायेको॥ कागद लेश्रार
फिरिहू सरै फिराईपुनिनृलि
पैनपाईजात पाप रलिपपले
रलमे कोरईठौरफूटोठईपोरि

म्रन्: रकत्तौलसौजिनस: वै
पाय: नेषिनीयोले ५२२ ग्र
बिदनरसौन्है गुज्जरह
नकरी क्तामैसेरथोगन्ह: ओ
सन्तरौं माल्वामें हाये कि
निड़ाने: ओ सेकु: छत
नाओल श्री मन्नीन नै
बडोम्यो जिन्द्री: कौरैतउरथ
रचोयोरससरी लिनलि लिदेखरी
जगजिदतनरकी नगात गुज्जरदरयो
नकनी: ५०८: ही ... बे ... लो ... लो
नागदबासथि ... तातत ...
रहे थेकनाईहै जोजाईसी ... री
डोलनतफिरत: पाय: बोल ...
नोलन्नाचायेंतजनौपी ...
खरातै: आवे ... येजनपा ...
... सै: ... जेनर ...
... जिवायबरायोदेसअर
नाकसे बिचारिकहेदाजेतन ...

॥६८॥ कैसाझूलमैंनागलियेक
रैकौनदूरिकौबिपूरिष्ठमिलाषी
ये मेरौकलाजाये॥ध्याये पूसेकल
कतुमैराषायेनिसकेलार ना मो
रिनाषाये॥ रसैतातासारकायेउ
लैबिवारजामैतीयायकनकौक
हैहरिकौदिषाईये॥ नरस्रीकतात
नलिसोई पन्नबाना[illegible]लीसो चुव
रिरईगयेओरागछूटवाईये॥बो
लेपटषोल्यटोपकोपेढूसनता
।नेपटसोवैव९दैवोकतो ना
ये॥लीये दामकामकौपोकाग
गलाये द पाकछूषापेबपू पाप
लैनिजाईये॥४॥गलनेचरयौल
१ गकेसरौसालघरिच्चरिस्पनर
कौडायेकैछुटाये॥५॥ कागदले
स्योगोरमोरनरिगायेज॥६॥ ध्या
जनजन स्यामलारपदरायो॥
येडैडैकारनपेपायेलिपटा
गल्लोतायेनावसो॥८॥ नावइस

२

न्या [illegible] अमृपकजीयारीचेंद [illegible]
सह [illegible] रीदेल्हरल [illegible] तिले
तप [illegible] री. गी वकाहुर निक [illegible]
रीम्हर निम्रुधम [illegible] निरपुनि
श्रुवजनिश्चारीचे सजनस्व [illegible]
सोचंग स्वगम्रग [illegible] तल [illegible]
जीकी ज्यारिये : २ इ [illegible] सस्वा [illegible]
यक्रिरविनित [illegible]
ठिपरीकौजनरीये [illegible] : [illegible]
सिचरीवंगन्नवीउपटरी [illegible]
सकातनैनकोरली जताई [illegible]
याकौटारीय [illegible] प्रालवा [illegible]
स्याकहिगयुप [illegible]
रीमैः जावोयीम [illegible]
श्रीणजलो उपायी [illegible]
सीलगाईसैः [illegible] रक्यारी [illegible]
प्रस्तलान्नईन्यारी : [illegible] स्तन [illegible]
ईंनिगन्नक्रिरविनतावी [illegible]
हस्वंतसुषो [illegible] अनंतगुन [illegible]

वैतालये ... रहे दिन आरि
पै बिचार ... न आ ...
सिर कयानोंकूं मिमिलै आपके ॥
गेरदौरपकवानहोततोयगोनक
रैछुरततीसानकानसुनायेनबा
ताहे चित्र नुपकीयेले बिचत्र पर
रानीआपछोरीरेगवारीपैचढा
योसूबरातसैकरासोमोनारता
मैं मानसअपारआयेहुजनबि
चारिपोरबांधीपैनमातसैम
णामैं साजबाजगजरथरके
रुमकेंकिसोरआजिसजीयोब
रातसोंव ... नरसीसोकलगेहेतए
तुमसाथचलोअतविषमेंसचले
यतावालमांनीयकलाअजजानै
तुम मैं तोलायेआनोयहस्युषम
नमेरेपैंदतालआनोये आपली
बिचारिसभजानेउठायेंलीयेदाये

न्यारीमैंरूपजीप्यारीचंदचोदनीन
सम्रलारीदैलफरतारालालगतिले
तप्यारीमैं॥ग्रीखकोडुरनिकरश्रगु
रोभुरनिकुघमचूरसुरनिसुनि
श्रवननि॥प्यारीये॥बजतमृदंगके
सौचंगसंगम्रंगजवततरंगछवि
जीकीज्यारीये॥र॥सईलैमसालस
यनिरखिनिल॥ लाल नईलालद
बिपरीकोउनईयेह॥ग्राईलै॥स्रिवस
लैचरीरंगनरीभूटैरोबातकइन
सकातनैनकोरभेजताईलै॥चारु
पाकौदारीयेलचारुप्रानवारौतन
स्यामदिगश्रायकलानीकैसमम
ईलैजावौयेलैश्मानकरीकरीसुह
श्रांउजलोश्रायेबिजदोरश्चटपट
सीलगाईलै॥कानौठौरप्यारीबि
प्रसताजईन्यारी॥येकसुतउनेब
रंजिगन्नसि॥२बिसतारौलै॥श्रावेब
हसतसुघरलैकै॥श्रनतगुनगाव

चंद्रासखेसजसोध्यरसदनचंद्रिका नपायेनी॥स्तकसिंधसमत सवैगोबिंदपरायेन॥सेवतहरिह रिदासद्रुतग्रथरासरसायेन॥सी तापतिकोसुजसप्रथमलीगावनव षानौहैस्तरजिकौतिकबतसब रहुराव्रतौ॥परागहलालम धूरसंतनप्रानेदायेनी॥दिबिदा सवसजसोध्यरसदनचंद्रीक्रेद्र नपायेनी॥१॥निंदक्रासप्रानं दनीथीरसिकसप्रचंद्रहितरगमगे लीलापदरसरीतिग्रंथरचनामेंन गरसरसजक्रिजुतजुक्रिरसगीत जनागर॥ध्रु॥ध्यलोसुजसरी मपुरग्रामनवासी॥सकलसुकुल सेवाहलितकुलक्रिपरदैनिजुपासी चंद्रासप्रांगुरुपरमप्रेमपाए मैपगेनंदलप्रानंदनिधिरसि चंद्रहितरगमगे॥२॥संसार

रता॥ग्यातातांथरीजीयेजकाजी
येलिसेककोड॥गयेजदूनाज॥चो
ली॥ पूछोसैसोवजारसे॥३८॥हि थि
रिहोरन्नूवप्यासमीडुडोरेपुरत
जिन्नयेन्यारे॥दूधसागूप्रपारसे
४३०॥स्वादकोसनरूपकरिप्रायेको
कोषैतोव्यरिकौनपासिहुडासो
ससीडोये॥ उपलायेकैं॥बोल्यउठे
दुंकिसोरसलेजूनातरेप्रजूकही
लाजसमैंरेतमैहूपायेप्रायेको॥
मेचोते ईश्वैसोबास जानैसरिद्दा
सकोऊलैवासघनासिकरोचीढी
॥डिजायकैं॥ जेरसैरूपपादेरलि
पाकरोबेरबेर॥केरिप्रायेपाती
ईलेईगरेलायकैं॥३१॥दिखिप्राये
गलहीरिमिलेउत्सोंप्रेगवेनरे ६
बोरसंतसंगकोप्रचावसै॥क
लिखिरईदामलापेसोघवाये
कोयेप्रजपूरकामसतन

वृंदासबैसजसोध्यरसदैन नईनि-
क्रिश्रनपायेनी॥ सतकलित्रसंमत
सबैगे बिंदपरायेन॥ सेवृतसरिस
रिदासदृवृतमथरांमरसायेन॥ सी
तापतिको॥ असवृथमसीगावृनब
धान्योहैसुतसीजेकोलिकबतसब
ल हृपदागौ॥ पराग हितलालम
ध्यरसंतनश्रानंददायेनी॥ दोबिद
सबसजसोध्यरसदैन नईनिक्रिश्
न नपायेन॥१॥ श्रानंददासश्रानं
दनी। धीरसिकसप्रचूहितरगमग
लीलापदरसरीति [illegible] मैन
गर सरसजक्रिजुतजुक्रिरसगान
नागर॥ प्रभूरपयुथलौसुजसर
मपुरग्रामनमवासी॥ सकलसुकुल
सेवा॥ लितृहक्रिपदरे निजुपासी
चंद्दासश्रोंगुरेसुह॥ परमप्रेमपर
मे पगेनंद॥ सिश्रानंदनिधिरसि
कसूत्रनूं [illegible]॥१०संसार

जोहैं बेहे सिरमौर आयेबनो [illegible] रुपाये
हैं [illegible] नहै पताघोन्हरी मोहि [illegible] लै प्रो
टहै नयेकरसाहि राघो [illegible] सोहि
कै [illegible] लायेहै कौटगासवाी [illegible] गोप्रा
सोहि लाखोडारिलत [illegible] घहै [illegible] रमप्र
न [illegible] आयेहै ३७ [illegible] रूप [illegible] घोछि
छिहरीघोजलगाहे [illegible] प्रनाह [illegible] कनज
तक्रं [illegible] घरहआये [illegible] रहनाी ग्रेकन
लें [illegible] तश्रेनकजह [illegible] होतीनह लापोनि
सारें सबभिलिपारें है [illegible] छिन लोकर
बेदारीजोयेजू [illegible] नलै द घोलगहा
[illegible] रिफिरकैलुन घेहै [illegible] आगलमना
[illegible] तातकोलि [illegible] छिरंग [illegible] छती
ते पतिलागयेहै [illegible] पतिहनलको घेहै
[illegible] फिरतभे [illegible] घेलसो [illegible]
[illegible] सोन [illegible] जलाकके दहघो
आयत गोघहेको कहा [illegible] सको ॥
[illegible] पायेबको [illegible] लाकघुपहेदूव
[illegible] चालत रिव्हलितो [illegible] डाये
रायेताने कोजेबारह रि [illegible]
मरायेहै ८३१ ५न.
ठामे पेकपाते

रै नृलैसुषिप्रंगकौ॥ नृपति बिम
घरुरजानिकेपरघालई॥ ग्रानिती
नछोतिम देषो रंग तिरंगकौ॥ नृप
नवाषिनाचसाचसोदिषाईदाय
पस्यौहृकरामेषिजापेमतिपगु
कौ॥ बडेत्रासनयेनरपदासबिस
त्रासबडौउरस्नावरी [illegible]
रंगकौ॥५०॥ कृत॥ अचिलापभूनग
भूगरकौपुरषोतमपूरोके स्योनंग
भूमालयेकतादिसब [illegible] नृपति
जाचेसांमदामबहौकरैदासना
[illegible]मनकस्यौ॥ येकसमैसकटलेप
[illegible]मेडास्यौ॥ अनृतिलारीबसबद
[illegible]चास्यौ॥ पा [illegible] चदायसत
सतेरुरिसारालेउरध स्यौ॥ अनल
[illegible]सोभेगदकौ पुरषोतमपूराक
स्यौ॥ [illegible]॥ रायसेणगढ
नांमनरपसोसलै दासुताकौपूरप
कारहैभूगदबिमुषहै ताकौनारीप

तैसैं हिम्मबलिसादें नये गयेजु दि
नयेनोहि । बिनरसरिकूपान्न क्रिपं
यजात पायो सो ए अक्षरन सगाई प्र
धपोपायो बरनायेनो हिं हरखरषि
स्योदै हिजनरसो बतायोसो प्राये
सुषपाये पूछ्यो सु तसो हि बायदी
येकोयो लै तिलक मनदे हलचुरा
योसे अभ्रजू तमत्तायेक नतु मसव
लायेकरोसायेकसो घूट्यो लायेन
वलै सुनायो सो सुनत सो भायो हे
रिकै सैतालकूट विसै बाल बोरि ध्रापै
जावापे रिदुष घायोसै भकोटिषै
अगुठाडार तिलसो ठचार बालम
नमै बिचारकीयो तिलक बनाये
केजाने सुता नागल्यैसे रसे सोचि
पाग सब प्राये जलबो हि बेको ध्य
नदे प्रभायेकै सगनाते लिखि दी पै
दूज प्रानिजोपे जिन योकहूं गा

कायेलायेसीतप्रतिकोजनप
जीनवानहै॥चदीफोजसंगचढी
वैरीपुरमारिबहुरीक डुारैपोपले
कैसीरारातयेकपानतहै॥डारैसब
बैच्छिपागपेचमरि रोयोमखि
नायोसोग्रमोलकरौजगनाथली
नहै॥५३॥कोनाकानी नईनरप
बातसुनिलईकलीलीरावहरेप॥
तौपैश्रीरमाफकीजीये॥आयेसभ
जावैबहुजुगतिबतावै॥याकेमन
मैनआवै   पिछै॥
गदबलनलगैवाकी वापगेला
सोहै॥वौबि भमारौफिरतुलीपगा
छियेहै॥द रतरसाईघिरगरलमीं
येपाकेलोगहलगायो अजूआवे
बोलितायेहै॥५४॥बाकायेकस्त
संगलैतबैठिजेवनकौआ इसोधि
पाडूकलीजेवोकहतगईहै॥जोवत
नबौच्छिलारातबसोबिचारोप्री

डेरापुरीसकधीकौंपतच्चानियेंमोन
सपदायोदीनग्रायेपैनग्रायेग्रहेहे
बिछुबिछायेनरपूछेजूबषांनायें॥
४१जरसीबरातमातिजोनोयेनरसीकं।
नरसीनपावेंग्रसीसमिंग्रयारसेंग्र
येकेसनाईसबसुधिबुधिबिसराई॥
रुलैकरतहसाईबालजाबोनिरधार
रगयोजोसगाईकिरिवरग्रायोहुम
नेग्रपुगमैंनमातकेसंगबिसतारे
नेकहीयेको [illegible] नरासनोनपूजें ६१
महचहिंहिसपुरीरसादेबोन्नीसि
रैं॥४पूचलेग्रुचसजमोनिदेखिग्र
मालगयोलेयोपाछोबांननकोलिभे
रषिलाजीये॥जायेगारुपायेरलो्न
न्नेरिदयाकरिगयेडुगन्नेरपावप
रुपाकाजीये।मिलेनरिग्रकलेंदि
योसोमयेकमुबाहुजीयेनिसंकेइ
न्नारसतादीजाये।बारुकरिग्राये
रलैसुनिसुनिडाजीये।॥४
हे

कायो लायो सीत प्रति कै नु ॥ जप
जीनवीन सै ॥ चढी फौज संग चढै
बैरी पुर मोर बहू के डूरोपी पै
कैसारास्त येक पान है ॥ डारसब
बैचि पाग पै चमछि राख्यो सुछि
नाथ्यो सो अमोल करी जै गनाथल
नसै ॥ ५३ ॥ कोना कानी नईनरप
बातसु निलई कतीनी रावल है य
तो पै अरमाफ कीजीयै ॥ आयसम
जबै बहुजुग तिबतावै ॥ या कै मत
मै न आवै जाये सब कहां पै है ॥ स
गहै बतन लगै वाका नवापैगेता
सो है वा बि घमारौ फिर तुला पग
छिये है ॥ करत रसोई छिरगर लमील
यो पाक नेग हल गायो अजू आवै
बोलि लीयै है ॥ पनवा का येक सुता
संग लैत बैठि जेवन को आइ सो छि
पाढे कही जे वाको कहूं गई है ॥ जो वृत
न बौ छिपारात बसे बिचारा प्रति

सकलव्यापकनईजीकिरा गोपा
लके। नहितेजस्मृति नालनतकोड
लकोमडना॥बुधिप्रबेसन गोतिपु
घसंसयेकोमडनं ॥नरहे गावनि
वास ॥ देसको ड निमताथो
नवधानविप्रबोधन निदास
नहलधास्थो॥ नहि पालाधीस
पहरज ॥ कालालकोनिसानसव
व्यापकनई॥ जिनश्रीजनगोपालक
॥१॥ साधौदिढ्मनुपरे॥ सक
लोपानहि॥ सुनि प्रकाकलात
ढ प्रचारीये॥ नेतेनसोपान
सोधोपनकोये॥ तलातीभुमिस
सचरतनुसाभुपाटो॥ से
तिप्रेमनेमनलीकाम प्रेमगाढ़ारी॥
रतकरतनलितनसनानसकस
जनकनकोसकत॥ साधौदिढुम
नपरे॥ प्रचूरकरीलोटानहि॥ १॥
जो ॥ जहागह पुरल
धोबदाप्रेमनं किलोटिलवन

अन्हा॥ॐ [illegible] गनोचद्देवो॥ग्या
ग्याद्दईवाहिसुधिद्देवोआपकेस
नाईनो॥ स्याप्॥ गयोजायद्दे
योत्रिरपरजगनग्परस्यो॥तलोस
बनैननकोकापै ॥तगायोहै॥ ५७
राजासौ [illegible] पोथनत्या
ग्पकस्योआवैजोपैनागमेरक्षेल
नपठायेहै॥ [illegible] दै लकलनर
प [illegible] चनसवतबेनायै यालग्या
पपुरहिगआयेहै॥ नृपसुनिआगै
आयपायेल्पटायेगयोलह्योनरल
पिदुपगनीरलेभिजाये॥ ॥राजास
रबसदीयोजायोलहिनकेकोया
हीयासररसायो॥ नजानेजितेगाये
है॥ पचामृत्लोचन॥ नरपका
क्लिकौननृपसरबरकरै॥ नक्रया
गमनतसु [illegible] पजाजनये
कजाई॥सदनआनिसतकारसद
सगोबिरहबडाई॥पा [illegible] लन

सकलव्यापकन्नईजी किरजनगोपा
लकी॥ नक्ति तेजश्रुति नालस्रतमेउ
सकोमडन॥ बुधिप्रवेस न्मागोतिग्र
यसेसयेकोबडन॥ नरहगावति
वास न्मासदेसन्मगड निसतास्वो॥
नवन्मानमि प्रभोध्यन्न॥ श्वनलिदास
नवृत न्मास्वो॥ न्नक्तिकपावाथोसह
पारजररविलालकोससारसकल
व्यापकन्नई॥ जिकरीजनगोपालको॥
११॥ मांधोदृढमसानुपरै॥ प्रचूरकरी
लोटान्नक्ति॥ प्रसिचप्रेमकावातग
दप्रचोहीयो॥ नचेलेन्नद्योपात स्याम
सांचोपनकोये॥ स्तननातीपुनिसह
सचरतनुसापुरपाटी॥ न्नक्तसो
तिप्रेमनेमनसीकाहू प्रगघारी॥ नि
रतकरतनसितनसन्नारसकसर
जनकेनकी सकति॥ माधोदृढमसा
नुपरै॥ प्रचूरकरीलोटान्नक्ति॥ १२ गटी
कामाधोजीकी॥ गडागढपुरनामे
थोबडाप्रेसन्नू मिल्यो रतवनीरतक

नारी बकसलै पठाय ॥ये ॥ ही येमे
नातिलक हरिदास ये सुनाई ॥ग
ये गये न लिफ लिकुली बिसता
कायो लायो ये पहचानि अबजान
सै पाई ये ॥४५॥ बात दिन बासतास
आबुतता सावसु चिकता ॥ हीसके
नआये ये सुनाई ये ॥ बोलेज निसके
जा बोगा बोगुन जो बिद के ॥ आय म
मधि नृपकराजै सो नाई से ॥ नके
प्रसंग कौन रंग के ... जा
न्यौ जनमान सो परछ्यो कि गवाई है
दीयो लै ननडारबो लि लीयो मनमा नि
दई सिपट मै कौडी डारि जरी न्यपटाइ
६ ॥ आयो व हा राजा पास सिस नामै पु
का सको ये लायो धन दीयो पाछै से
हीलै दिवायो है ॥ बोलि कै लपट कि
सपट निज रिझौडी ॥ सम कि बिचार
हो रमन मैन आयो है ॥ बडो भागवत
बिप्र पंडित प्रवीन को निस ॥ रस लीन

रोप्रन्नूसांधूसेवाच्यारीजरसायेमु
स्त्घरसकहेकस्तकयासुघसोवे
देन्नोनकोंलदेषिक्लैसेजोजिनलोप
ट॰॰ज्ञातवोस्योतीयाज्ञातिकलाक
रोनररूपस्यो॥स्तु निभुहिगयेवधू
ग्र न्नडाररतमागपद्दीफिलयेपावजाए
बिसेलसिनयोदुपहे॥५५॥कपन
दिपालैयालिदेघोहास्तसावेकताम
वैसोलाकरानेकेवदनदिषाइयोमै
हुजलत्पगपदोयोग्रन्नजातलायेंल॥
पो॰ज्ञायोगकलीकोंलवग्रापकछुप
इयेन्नलोलामोसेलोल्लोजिनचाडेतव
॰यालीमितपनसाच्योरोतोलोपेसु
नतसमाइयोस्कहेपूवकाजेजोईसे
रोमलि॰॰तिगर्होईलीईजरहूयाव
तकुरुसमजायो॥॰परहोलोगुरजरै। 5
जायपायेनलैच्चरोसोलगयेच्यारे
नल्यवाल्यायो॰न्यौ॰सिवहीजहेः
चारावरकालोन्याहिरसिरचकपलाये

सद्गुरु सगोपिका। प्रेम अगर कल; गती
दिषायो ॥ निरअंकुस २ ति निउर रसि
क जन सरस नागावयो ॥ दुष्ट न द्रोह बिच
रि मत कैकोउ इनकीये ॥ बार न बांकोल
षेग रतन ईकुज्यौपायो ॥ चाकि निसान
बजायू कहते नाहिन लजी ॥ लोक ला
ज कुल संक दला नजि कीरागपर घरन
जी ॥ १ पाटी काजमीराबाई की ॥ मेरताज
नमभूमिहि [illegible] पगेगपरधार
लाल पिताहो के थानमै रांणा के सगा
ई नई करी ब्याल सो मांनई गई मतिब
ड़ि बारंगालिखुन स्यां समै ॥ नोवरिपर
तमन सावरे सरूपमां झितावरसी ॥
आवे च स्यनके कोउ प्रतिग्राममैं ॥ पूछे पि
[illegible] भातपट आबुरन ल

गपरधारीलालजी
औरः

नौतरोयमिलीगरैरीतिकौहरैहै
पुन्हलैजिमायेरोउ नाडकौनिक
सिद्धारदैकरिकिलारसव यायोप
नरैसेवहैदुपहायें॥ नहीोकहोकै
सेजातकाहूबातसुनीजरपहूलौमै
सीनातिनहैहै॥ ४५५॥ अरैनालाच
नहीराजायपहै यों॥ श्रावैध्यायेह
रिलीनिनपैनरन विसायकैसकही
उरिहेवोकैलराई॥ लकुपलेलौ॥
सनहीतिमारो॥ नृपकभागपाग्पूयें
येकैबोलिनेकरहोमें भुनहा
रायेरहेतनलश्री रजलडावै
पायकौबसतहै तिलहीनभ्रनृ
जीयेवउचारी॥ कहैबानीलाग
री॥ नरध्यारासुपयालेकौ॥ ५ सुवै
घरश्रायवैतोजलसैविकुदिघ
श्र तिमकुसायेलैकुसोजहून
है॥ राजाचलिमायो॥ सबलीरव
ये॥ काचहैचिमुरकायो॥ हुन

गसीसुखहो॥ जिनकोमागीच्याउस
मको॥ ४९८ आपेकेन ॥दकोगे
विखचेतेनानीसाधुनसोहेतसेक
करागेनारिये॥ रानाईसमजतीलोजेब
यकुलरते ज्ञातमोन्यनोजेबातवेगस
ज्यनिवारोए लागे ॥ ज्ञानसाधिसं
ते पावतअनतसुखजाकोदुखहोयता
को॥ नाकेक रिटारोए॥ सुनिकेकटोरो
नरिगरलयटाथहोयो॥ लायोकरपान
गरचढायोजे निवारोए॥ गरलपठा
रसोसोसुलेच टापोस लल्यानिबिव
नारातोकोगरलसनारीसोहै॥ रानाने
जयेचरचे देसाधुहिगदरतबही
अरिकरिमारसखेलत्यारोहै॥ रा जेगप
आरीलालतिनहोसोरगजालबोल
नसत त्यालकोनपरोप्यारो॥ हैजाय
सुनाईनहीअतिचपलाईआयेलाबे
रवारिहे॥ कवारखोहिन्यारोहै॥ ४७०
कैरजपनाजोकरत प्रसगनानोकलो
रजरीसोहे जयदेवताईहै॥ आगेहाबि

सोतरोयमिलीगरैरीतिकैदरसै
ग्रन्थतैजिमायरोउचाडवौनिक
सिहारदेकरिकिवारसबपायोप
नईसोवलदुषलीयें॥रह्योकलोके
सैजातकाहबातसुनीनरपहलतौम
सी॥जातिनरहे॥४५॥जसेनीलाच
लसीराजायपहेरायग्रावेश्रायेह
रिलीनेनपैनरनछिसायवैकली
उरिदेवोकेलराईसुजमुषलेलेष
सनसीतमारे॥नृपअगपाआयेध
येकेवालेनेकरलोसेश्रनहायपक
रायेहेतहेतमनओरजलडारौदि
बायकोबसतहैतिलारीनवनद
जीयेवजचारीभवहैबानालगाप्या
रो॥नरस्यारासबपायेके॥५॥धपेतो
बरश्रायेवेतोजललक्षिकुदिखाये
ज्ञतिश्रकुसायेलोकषोजहनपाये
हे॥राजाचलिग्रायोसबनारकदरा

झिलीतीयामुबदे विवेकोपनलेछु
टयोहै ॥ दिवीकु जिकु जिलालप्यारा
सुबपुजनीरी ॥ चरानरमोझिश्राय
दे [illegible]यौहै ॥ ४७॥ रानाकीमलीन
कतिदे विवसाहारवती ॥ रतीगपरय
रीलालनि तिसालडाईयो लगीचर
पटीन्नूपैन किको सुरूपजानम ॥ भ्रत
रूपमानिविय [illegible] नीसेपठायैहै ॥ वेग
विकेआवोमोकौ प्रानदे जिवायो ग्र
तीगयेहारथ्य रतौदै बानतासुनाइहै
स तिहालोनगई रायरन ॥ ६८॥ पेछा
डाराबादीनलीनन्नईनिहापाईयो ॥ कुब
कू [illegible] ॥ आमेरेश्रधितक्रेनको श्राहा
रकानाय्यद्दसनदायो ॥ श्रीकृस्नदास
[illegible] चोपायो ॥ निरगुन
स गुनरूपतिमरश्रुज्ञाननसायो
का[illegible]वाच[illegible] ॥ ७०॥
छिप्परहि रि [illegible] जा[illegible]
[illegible]राजगपारा [illegible]पारा[illegible]
[illegible] ॥ ४॥

तथरायेरानीमनसोच्यो।चूपदीप
बैरहसोरितिनिग्रोगेनाच्यो॥यैरीति
रोला॥धीसकीललमनछन्नागे।
घरे॥घत्र चुजनपैकाम्लिकौकौन
नूपसरन्नरकरै॥११॥टीका॥करोसीसे
राजा चत्र चुजकी॥ दुरहिग आस्र
श्रीस्चोकाराबीजोजनपेजोजनतीभ
वैलिनैस्यावतलिवायकै॥ आलाच्या
री हास ऐसा निश्रावेकोउद्धारजी
करैवाहीरीतिसोस्नाईयुपेगायकै
सुनीयकनूपनरस निपटश्वनूपको
भा सबको नेउराख्योलिदेतहोस्यो
यकै॥ पानुश्रीगुपाल्नोबिचार।जी
नौनाहो॥तोपैकहाऐसीबात६हैनै
कसेंउआयकै॥११५॥ नगवतगावै न
के नूपपैको॥बिप्रसोबोल्यकेसुन
वै ऐसीमतजिनलाईये॥पादैप्रास
नरहैनोनमेप्रवेसकरि नारग्रनु
गकराजरसधि॥प्रासीवो॥करालेपर

घुरसत्तो एक रूप है
आरसव स्त्री है

झिलीतीया मे बरे बिबेको पनलै
दयो है ॥ हिया कुं जिकुं जिलाल म
रूपपुजनारी ॥ चराजर मांझि आ
दे सब नगायो है ॥ ५७ ॥ रोना को मल
न तिदे बिबसा हार रवती ॥ रती गपर
रालाल नि तिलाल डाई ये ॥ लगी च
परा रूप नै न कि कोस रूप जान म ॥ ग
रूप मा नि बिष नी सेप ठाये है बे
लै के आवे मो को ग्यान दे जिवावे ग
तो गये द्वार धरनौ है बात तो सनाहि
स निराहीन गई री यरन छोड जू पे
डराबो दीनलीन नई नि हापाई ये ॥ ब
मूल ॥ आमे रे अछित कूरे नको आहा
र का नाथ इसन दीयो ॥ श्री कृष्णदास
उपदेस अमत अचो पायो ॥ निरगुन
स गुनरूप तिमर अग्यान नसायो
का बाचनप कलक म ना ग जि व
छि छर है रिपु जा प्रहलाद धरम
ध्वज धारी जग पार ॥ अपार ॥
प्रगटतनस ब च के मे ह न कायो

तो लिखो निकैं तायो कसो जलमीन्न
कूलो निवेप्रचोलजरोम दिके पादारे
ना दिक्षुणसलकलापोलेहरानजारीजिपा
वृगदिकेजूनचननोकोल्प्रपेनोकश्रो
यजायततयाकोल्याइयेश्चापेदोरिपा
यत्तपटायेनूपजायजरपरखेलसायु
मैचरखाचलाइरेचल्यबेनदेतस्ख
देतखलेलोलमनखोल्पकेनडारहोयो
लायोनरोगाइयेजुरेलखोलारोकेलो॥
येककरखारोमेरदेईंश्रकुलायेलईमी
जौनिखिपारयाश्चापोराजसचाबड
राजसखोलिनठीखारोक

टरसलो
पैनपाजुपारसारखलिच
क्रूधापेसीसपाखचरेसरावोयेलघग
ते मिलेश्रोपचारेलोहमजूलालोकल

नमन स्थान ३

धोये : ७७१ अहै मोड्यो राजैकैकहै
स्यां : मोहिसवांलीदसी आयोड़ै हिदै
धालीहौर उन्ह देथे हैं अगो कैसैको
लधरै गौ गुलती अस्वनानकैरे : सुणि
के : अणगा : योपुलिलैनलहुयैघरे
सं धन्यसुरि : हियापनतल लखधापि
गई न्हईथैं अधारसेंली आय : अतैरे
है : बोले रजोलासलै सरीरलै सनी
यकाडेल्ती डेलाधरीय लिजनाग
सिलैधीर : ७७८ नये जब नोरवपुर
बद्दौ । नखिसीदरथरथे : कलथौ अभि
डसनल : नीरलारीहै : आयवसैल
लगीमल : छड्डबरेल्याये : अ लिसप
पाथेदरचलली जिसारीहै : लानाने
र अवैहिलनाहै मास्ट्रवाहै : रराजा
नतलजाहैजालीह्लपालवारीहै :
मइकरायो प्रन्हू स्टपपरायोस
गजसयायो : कथामोहैलेगी पा
है ७७८ हिडड्डग : लोनसौअतो
वैजलाफुहारो : पस्थोचम : चाहै

येकोदुगडुगसोतगायुचलीसुघनस
मायुचायेप्रानपतिपायेको॥पखोचौन
त्रनसासदेभिगवनकोयेलीपाम्रे
रवरगढजोरे।कोपेनायेको॥५६६॥
देवाकेपुजायेवेकूकोपेलेन्तुपायेसा
सूजरयेपुजायेपुनिवभूपूजिनावी
ये॥बोलाजुभिकाओलायेलोलगपर
न्यारालापिछ्रोरकोनन्नवेयेकवो२न
नाधीयेबरतसुलगयाकेपूजे॥ता
तेपूजाकरोकरोजिनस्वसासपायेन
मैनावाये॥करताबारबारलुमघातानि
रज्ञारजानोबहीसूंवारजापेवारिफे
नाधीये॥६७॥नवलेभिसानीनईम्रति
जरिवरिगईगईपतिपासिपेव चूनी
कोमकी॥म्रवसाजुवावसपेकोये
पमानकेरे॥म्रागेकोअपुमानकरे
नरेस्वासन्योमको॥रानासूनिकोप
कस्यो॥नस्योसाडेवारिवाईठेरन्या
लालनि

नईयेकसूलैननिकैसैकेल
नीचेमोनपमेड सैसुद्दीबिचारी
तच्छातपञबंगला के बिचबूलेब
येहै: बिबधिबिछो
ऊहोनो पा नहीनभरिसोना ज
परद्दासिवायेहोता
कररचनाकुतारिभरै नैरद्दरि
कोञापनावसुछतार्दहै कान
बिचारैलालसे पगधारै पो
पातसैन्गारडोरपोडेसुपदार्
ताया [illegible] नीच
[illegible] सारसायेफिरमै
ञा रिहि पतिकोसुनाईनई
ञतिमननाईवाकूबि जपडर
ईजातीनागञधिकाईहै:
[illegible]मधकर सात कोः न नाकरस
नामकापोल दफलजालै नेम
सारगाले हजतञसारकोञोडे
कोनूपनक्रोनूप ध स्पनय
पे पनक्षारोजानकैयोरनबिचार

राजैंकपूतेसोंनतोलाजैअनूहेबिसख
साजेंभ्रबैबोल्यइसायेसो।नयोईबि
सालैंरानोलिष्योचित्रत्रीतिमानोउ
लटिपयानोकोयोलैकुमलभाईरे
देष्योउप्रत्तावक्रपेनावमैनबिघो
जाये॥बिनातरिक्रूपाकोलोकेसेकरिप
रैये॥४७॥बिसरईकुटलयेकत्तेपच्छरि
साषूलायेकोयायेघसंगलोसोभूग
संगदोजोये।प्रागलोकोस्ईभैसल
जपरध्यारागृहो॥सासधरिलईकरने
जनहुलीजाये॥सतनसमाजलेबिध
येसेजबोसिलाये।[illegible]कंभूबकोजको
निसंकरसनोजाये॥सेतमघनये
बिसे॥नावसबगये॥नेपोयायेलिं
येमोकोनतिदोजदीजीये॥४८॥सद
कोलीकोईनूपमकबरनाईसोपेली
येसंगपतानसैनहेबिबेकोआयोतन
निरबिनिसालनयेछबिगपरधालैल
लपदकपजालयेकतबतोपदायोतै
बृदाबनआयेजावगुसाईजूसो ॥

यैकस्वोनिरिकैसंकेलडा यैः
नाचेमोलमडसोस्डविचारीब
संशात्मप्रबगलापेविचलसैबनो
यौदैःछिवर्धिविश्लोसेज्रसंमत
डैबोपावदोवचरिसोनोजरी
परहोसिवायेहैःतोकोहारसाहौ
करचबोकलारिचौरैःवरहरियो
कोथ्रायलावस्थलाईहैःमानसी
विचारलायसेजपगाजरैःपान
पातलैज-गाडैरैमोरुलपदाईहैः
तायाहिलवेदसोवेसोलवोचरी
बोलेदपेक।किसोरसोर।फिरीबोरै
श्रीहैःपतिकोलबाईवई
श्रीतिलवलाईबारुद ज्यडरपा
जैलीलगाश्रीयदाईहैःवदरही
स क सा कोः सरकाकरसा
नोसकोपोलसफलजारैं नेगुल
सारगोहै गलग्रुसारको श्रोडहै
कोल्हललोनूपसहवसपल्ये
पापलत्तोजालेकेश्रीरसोचारहै

अ्रौरिअ्रमितकूरमको आहारकानी
उसनदासो ॥१६॥ टीका प्रथीराज रा
को॥ प्रथीराजराजा चत्यौहारको भ्री
मांसेगये अतिरसरंगनरचौ॥ आप
नूपाईहै॥ तिनिके दिवाननदुव
निमिसकानलग्योकलापग्योसा
सेवानक्रिपुरघा रिकोदि पाये नित
के बिचारकाजे अ्रवाजेईलिजेन
सापिजावैबातलैइराई है आयो
रनूपसापजोरिकरि द्वाकोरह्यो॥ र
रिससुन्यरेस नसु लाई है॥७॥ ह्या
तीनांयदेषि गोमती प्रसनानकै
धरौन्युजछोआयमन अन्यसाब
पै॥ चिंतानसीकाजे लीनबातयाला
जी अजरीजजो॥ आग्यासोलीसिरध
राषाये आये घरौधायदूरिनैजल
पूरिवरदहैं॥ ७८॥ नारीकलसगरस
बीघेबाते दिनदोये निसिरहैसोयै
पैगईहै॥

नें: नरतपुत्रन्नागोति - ५ घसके
बूबघोने: औरनृपकोजछ्युकेटु
जायेनादिनयरी कलजुगन्ते
करखीकमोन रामेरै निकेरिजु
री ११ टी पूनमेमें प्रकासन
सरदसमाजराह बिबधि बिलस
निरतिरागरंगन्नारी है बैठरस
जिहोतुबोल्यो [illegible] जिनेद
ताकीजैबि प्रकलासोलाप्यारी है
रकोबिचारेन निसारिकहूनेक
टासुतारूपघटाघनरूपसे व
जारी रहासनासोच्यो [illegible] क
त्यवायल्पायेनेबसो दिबायेफे
सेपतिलैवारीहै [illegible] मूलरत
७ रहविदासनसौरामचार निसो
रहो म्हारेजकोजपरेस - तोजरनावि
चास्योनवयारदसघाप्रीतिघ्रानप
नसे बिसास्यो: च्युतकुलअनर
- गरट पुरषोरपजान्यो: सारासारि

ोबिरञ्चभिमुतकूरमकों आहारकानोंय
इसनदीयो ॥१६॥ टीका पृथीराज राजा
कों ॥ पृथ्वीराजराजा चल्यो हारको आली
आसेगपञ्चतिरसरंगनस्यों ॥ अरूपाप्र
नूपाईहै ॥ सुनिकै सिरिदिवा नदुवमा
निजिसकानलग्योकलापगयो साधू
सेवान्तकिपुरध्याईहैइद थाये निता रि
कै बिचारकाजेश्रुध्याजोईलीजेनसी
सापिजावेबातलेइराईहैश्राये नै
रचूपसायजोरिकरिदा जोरहों ॥ र
हैसस्यान्यहस्वनसलाईहै ॥ ५७ ॥ ह्या
तानांचपैबिगोलतोझ्रलनानंका
परोन्हुनछोईश्राय मनप्रच्यस्ला
ये ॥ चिंतानसोकाजेलोनूबातयालो
जे अजूदीजेजोईपुग्यासोतासिर
राघायेअश्रायेघरोचायेदूरिनैन
पूरिबेहहेहैआनारीकिसासंग
धीयेबाते दिनरेये तिसरहैसो
येगईनिकि ॥ ज्यराआयेबातांमें

लखुवेसलछिनग्रारजलीया।ग्र
लाभनुनै ई मोलकोतिक्यसोरपुरा
कीया।।१६चौपिता।।१षेमाहुतननतत
गसमैग्रक्रपातबातलत। छै ग्र
जूनाकैचोलिददाजाये।काजे पुनिद
न बहूसेपातिग्रमातन्नरीचरीथ
दाःसोई ।।जे निलाजाये।बिबाह
थ्रउाईकिसमाईमिति नईपैननित
बिचारग्रबमनप्रघाड़ाहि।नारन
रेघटसासध्वरिकेनल्याये।ग्रोरन
नरेबोध्मनीरतकीयोनाहिछाजाये
ट४।रहेचुपचापसबजानाकाम्प्र
रलीको।बोल्यौ पोकिसोरनाती ग्र
पनोकोदाजाये।येल।नितिकरो
नतारटरेंजोलोजीवे।।।।महल
नउठिग्राती।।लापलाजाये।बहू
रुषपाय पायेवैसेली।बिबाहपन
गाये गुनलाल पारीग्रतिमति
ताजाये।नक्लि।।।।।ये।

सकेतेकबिसतनेहै॥ आगपाबारसेयेच
रिनमेंतिफेरसोयेयाकोतत्रसारदहबि
सिद्धि नोनेहै॥ इयारजअगके
अगोधासोअगोछोजायेआयेकेस
नाईहिजगोरखडरानेहै॥ नसोमग
वायेतनछुवायेदोयोघुसोनेनघुल्ये
चेतनये जनतरछैोसरसोनेहै
कूले॥ नतनकोआइग्रथिक
राजसकेरनकोये॥ नभुनथुरान
रतानतउग्रतिजेसतपोघ॥ टोडेनत
नलिहानरामचंदतनिजनतोघ॥ अ
नेरामइकरेस नेकनीवाके
नारीकूरमसीसुरतोनेनगवाल
रमेनूपतिबूतधारी॥ रिखरपूषेरा
जेरायः मनतकानहरेमसुकरनूपस
बैसदोपो॥ नतनकोअ्रधिकरइब
समेरनकोयो॥११ आटीकाजेमेनगूके
मेरतेबसतनूपनतकोसरूपजो
नेडेमनअग्रनूपजाकोकपाकेलिश्र
ये सेःकरासाधसेवारीतिशीतिनह

बंसचरणाबलचंत्र - जागोड़ेस
तीरथकोयो। रचारीका स्वामी चत्र
जाजुली १ गोड़कयाे तोरै ... क्लिस
हनदे ब्योकहे मानसकोमारिश्च
देवकोचढायोहे। तदाजापदेवता
कोमंत्रले सुनायोकानलेपाजन
मानिगावस्तु पन - जाणे। स्वामी
चत्र ठजंके बेग्यतुमदासहेतुन
तोहायेनासस बगावनज्योग्यायोहे
ग्यैसे सिषकायेमाला। हीपायेजाेप
पायेलीयेमनहीये ... नतसब
पायोहे। ... लागे ... लगावैनानास
तनलडावे कथा भागवतगावेन
वचन क्षि बिसतारीहे। ... उनलेके
कोनेवनीयाछिपरयो। सोन... निके
दबायोबेठिरह्योनहारायेनाक
...पुरानबातकरेनयोगात दिव्या
लष्यासूनि सिष्यजपो... गह्योयो
पुकारीहे। कहे याजनमैलीयो

कंठीधरिश्रावैकोउ जोयपगपावैस
दाजाईदुर्षेषरगारउरयौमालनार
सैधाये प्रछालकलीश्रजजो निलास
कीयेलायेंइंयेंदुखपावगहैदृगभ
रसैं॥४८॥ अमूल॥ बेमालरतनराठै
रकेंघटलनकिश्राईसदनारे ना प
रगुनरामनजनजागवृतउजाग्र
प्रेमी प्रमकिसोरउदाररांगुं रतनां
करलरिदासनकेदास सोउचोथु
जिधारी॥निरखयेंग्भलेंजिउदारर
सिकउरसरसना नारी॥हसधासेप
तिसंतबलसदासुतिज प्रफुल्लतबर
न॥बेमालरतनराठौरकैंघटन
किश्राईसदन॥१४॥ निजुगल्लि
कररीकमोनराजेदेनिकैंजु करीस
ज्ञ जरधरमश्राचरयौलोकलित
मनोनीलकंठा॥निंदकजनश्रजराये
कलामलिभोजानेगोत्र सवा॥ हिर
नगंधवीविबाहकीयोदुस्वंत
सुकंतला॥वि॰ सवा मुत्रजकी मेन
कीबेटी कन्वमुनीनेपाली

कुसनसुकमनोकेनिस्चारचोजन
बिचिगाईअपरराजचरनिकीछाप
परांजलचरज्योंगाजे॥संतसिंघड़ी
गडुसहैंआनंदकेकाजे॥जाउँ तनेज
गजोंडितोकूंचदासदेतोचरीचाल
तकी ॥ यहहिसनदबिअत
मेअनूसरी॥१९॥बिमलानंदप्रबो
धबंससंतदाससीवाचरमगो
॥नोधपदरागलोगोछुपन ॥ जी
गुप्रणुपद्धतिअनूसारदेवदपति
कूलरापे॥लगवतनकूसमानदो
गहे कोबलगायो॥कबितसूरसो
मलतनेदकछुना ॥ १८॥ पायोज
नमकूमलीलाजुगतिरहैसिन्न
कुनेदीमरम॥बिमलानंदप्रबो
धबंससंतदाससीवाचरम॥२०॥
टीका॥बसतनिवाईग्रांकस्याम
कोलगाईमतिअसी॥१॥मनआई
नोगछुपनलगायोहै॥१॥तिकास
गाईयेंजगमेदिखाई॥सेवजगनो

केढीधरिम्रावैकोनुचोयेयगपावै
दान्आईदुर्षधरगरउरस्योमालनार
सैमधाये प्रछालकसीशजूजो निला
कोपे सोयेङ्येदुष्पावगसेइग
रसै॥५०॥ म्रूल॥षेमालरतनराठै
रकेंघटलजाक्रिम्राईसदनारे ना
रगुनरामिजजननागवृतजज्ञाग्र
प्रेमीश्रमकिसोरजदाररा्ज्ञां रतन
कररुरिदासनकेदास सोंजधा
जिधारी॥निरनयेंघनंनिजदारर
सिकज्ञसररसनानारी॥दसधासंप
तिसंतबलसदारकतिप्रफूलतबस
न।षेमालरतनराठारकैघटलज
क्रिम्राईसदन॥१पकोनिजगजकि
कररीकमोनरांमेरेनिकैजु करी
म्र जरधरमग्रायस्योलोकहित
मनो नैनकेठा निइकजनम्रनराये
कसाम लिमोजाने गोनसवा बिर
तगंधबीबिबाहकोपाइस्केतपर
सुकंतला वि॰ सवा मुत्रजुकी मेनक अपछारा
कीबेटी कन्वमुनीनें पाली इसके त राजा

हंमनवीसगुनस्याये है। कसीसुनाय
है स्रापवमदलगोपादेलाल पैस्रेस
धातललो। दिस्क्रकरा। पदाये है। स्नाय
। निसनये स्याम्नका। षोस्त्रगधाजोग
लेके: स्रुलोलजावो नोगजोगे
। फ स्वाये है: ९१ पदस्वनायोल
क्षिसपडुस्याया द्विसंललकायाल
नेकोर स्लकलवमें: कालसीष
लोषो सपडु नोषोचाहै: परस्यैको
स्रायेवारमड्के पो। निकसोयानुमें
रलोवे दिलायेजलतो। लाघमैलराय
लीनलो वालो। पूरीस्रासमेरी निसर
नगावुमें: लीउवलावे ये। जुसाई
वारदोये चला। रिसैवा सैपासारकु
जनपगव्यालमें: ९२ प्रयापतिसप
तिलैसाव्लू निषवायेहर लइनतीस
कयो निसंलरंगयागेले: स्रायेसो
वज्रांलो लैलसांलोयेलवालस्रुलो
पाथरलरे नरे स्रापेस्रावा निसनो
है रलकालि सिडारेदोस गरके ये:

त

बेषब्राती नैमननमांन्यैदासातनग्र
नैजिनुदारतासेतनिकुषराजाकही
लरिंगुरलरिंसासनसौंरामबुरनिस
चारसीसी२ बाटीहो॥ आयेमध्येपुरीन
जांरांमश्रुनिरामदोनुदासपैनराखे
साधूबिप्रन्हगतायैंहै॥ ऐसेपेनुदा
ररालबरचसमारतोहि॥ चल्यबो
बिचारनयेचूंटीहिंआयेल कुइस
तपांचमोलषेनितीया॥ आगेध्ये
दीजेबेअगयेनानाकर पलरायेल
पतिकोबुलायकरी॥ नोकेदेषिरोगे
नाडेकाहिकैकरजपुरआयेदेपवाय
हैं॥ श्रीनिलाबनुने बेमोलकोतकि
सोरपराकीया॥ पायेननप्रबाधिनप
रतनगफेरीलितनांच्यौ॥ रांमकलस
मनरलीसासतानैनलोबोच्यौबांत
बिमलनुदारनगतिम्हेमाबिसता
री॥ प्रेमपुनसुहिसीलबिनैसंतन
रूच्यकारी॥ श्रृष्टसरालैरांमसुव

रुक्मखीसरगुन आयेहै कतीभूषण
दैस्रापमदनगोपालनलाल पैसै
ध्यानलगा दिभ्रुकरायदायेहै आये
निसनये आयुक्तीयेअग्याजोग
लैकै: अवलोकगायो जोगजोगे
फिनयायेहै: ५१ पद्देलखनायेन
ह्रिस्रपद्रुसायाइदिसैननकापाए
नाकोरवलकलजमै: कान्हसीपि
लोयो सम्मुभीयो चाहै पस्चेकी
आयेद्धारमेइकौ पोनिकलोयांनमै
रचौत्रै दिनायजतीलायमैवराय
लीनोकाकोपूराआसमेरीनिस्ह
नगाकुमै: जीव्रकलाकै अ गुसांई
बारहेये चलरिसेवासेयोसारकेपि
जनपगध्यावकुमै: ५२ ग्रुणापतिसप
तिरैसाभू निसवायेहैं नइनिलास
कयोनिसंकवंगमागेहै आयेसो
धसोबोलैनमनोयेलरवातस्रुतो
पापरहैनरैआपेगमोधनिसनग
है रवलानिछिडारेदोस गहकेये:

बेसलघनजीज्यौसायोदायोसनग
नसंतसन्नासबहुरायो॥२६॥पाम्र
बेमालरतनरादौकेसुफलबेल्य
दाफली॥हरिदासहरिनकचकु
दुक्कैकलसो॥नजनलाव प्रपक
हदेनागरियकलसो॥तिरस्थान
तिप्रतिपलेनिरामकार तिनिब
ली॥हरिगुर हरिबलन॥तितिन
हासेवा इह ताली॥पूरणईदुप्रभु
त नदध्यितमोदासदेषिबादैरखी॥बे
मालरतनरादौरकैसुफलबेलिसोद
फली॥२७॥हरिबंसचरणबलचत्रभु
ज गौडदेसतीरथकायो॥गायेंनति
प्रतापसबसीदासतउदायो॥राधा
बलनभजनअनन्यनितावंगैबहायो
मुली नरको आपकु बितप्रतितानि
रहपन॥निकनकीग्रंथरेनुवैधारी
सिरभूषन॥संतसंगर[illegible]आम
आनंदमैप्रेमकीतजीन्यौरायो॥हरि

स

सुरधुनीद्विज निर्मल दल पायु
चरन पखालोये जुगल प्रकास
है ॥ मदनमोहनजू है ईछ इछम
प्रनू श्रचारजकलाकेपाइ छिप्र
नयासहै ॥ २५ ॥ कवित्त ॥ कात्यायनी
केप्रेमकी ॥ बातजानकापैकहो ॥
मारगजात प्रवेणिगोनरसवाजत
चारेतालमृदंगोल्हपरी झिप्रेमर
तसोडारे ॥ ६ ॥ गोपनारि अनुसारगार
गदगदप्रवेसी ॥ ड. . . उपचत
रिग्रजाप्रसैनहालैसा ॥ नगवान
ीति श्रनूरागकीसतस्याषिमे
सिहो ॥ कात्यायनीकेप्रेमकीबातज
कापैकहो ॥ २ ॥ फिरि बिरहेकेतीर
रत्तौसरारितनत्यागकीयो ॥ बि
बिलोहागोवदेसमरध्यरसबज
हामे ॥ सबमांझिसंतपावैहप्रव
पगनबहुरबांधिरामकोचरि
आयो ॥ हेसी सारंगपानिहसंतास ग्रा

कह्यौस्वामीनांमलुन्यौ कहौबडोकाल भयो ऐतो
हमारेंसोईआदसुनिलीयोहै:
सुंदीयेपकरैतांघरैनवासैचोप्रचूरी
तिलागीप्यारीहै॥राजाकुंवरमानिकसं
करै विन प्रानपाकौ॥साधुयेविराज
मोकालैकलंकरायौहै॥चलैबेमार
वेकौ धाधारबेकौसकैकसैनैननवि
ध्यायेनीरबोल्यो चलसीयाहै॥कहेन
पसाचौकैकेरूवैजिनहेजेसतन
सन्मोअनंतकलाकामीश्रेसोकायो
है॥स्वपसुनिआयोजपदेसमनल
येसिघनयेतनपायोतीजिगयो
तीबेहे॥ स्वप किरत्योबेलसतआप
करलौरिलेत जिलरथवारेकुवसेत
सोवदलीयोहैलैदैस्यर्थानआयेसं
घहठानकीयोलीयेअपनायेआदि
नीकोसेरासीयोहोसैगयोलवायु
नानोजोजनकरायेन्हूचरसाथ
लायेचाप [illegible]हेरसपीयोहै॥
मूलोचालककाचरचरीचहीदस
नदेखिअंतलैहेनुसरा॥सेकाप
सदिचरतसिजपुनिपंचाध्यार

आयो अन्तरदे षिबेकौ गयो वैराग
नुकिजानौं सो प्रसंग सुन्यौ बैठे
बात छाई है ॥५७॥ गये सब त्याग
पुन्न सेवा तासौं राग ज्ञान्यौ ॥ नए
दुषपाय पायो र [illegible]
होत तो समाज सदा न्नूपके बरस
मांझि दुसन न काहू होत मान्यौ त
पपात है चलते त्यक्याय बैको ज
ताष्यौ हरिदास करी सासलंग
रासि नैन अश्रुपात है कपहु
नर है पै याकौ ॥ब॥ [illegible]
श्री आप ध लोग कहै ॥५९॥ रूसिम
घाति है ॥६०॥ ठाडो हाथ जोरि मति
दीनतामें बोरि काज डेमापे को
रिषो निहोरि कमप त्याग्यो ॥ पर
नमेरी आप कृपाल का छूटतो है ॥
बटतीसी करी ताते ॥ [illegible] रागी
ये सु निके ग्रस न लयके दल
प्रसंग नये बाल मेको क आदि दे

व

यहै आपसूं पचिसों जिवा पैरा
जाको सुपनहोयो नाचलै भुगद
कोदोसंतसोके यहमैं तैजे वो पेरो
गायेहै॥न्हिके प्रवीन सबजान
त प्रबीनजन प्रेमसों सेरंगीन लाल
हौरहैं रंगायेहै॥१८॥मूल॥श्रीमद
नमोहन सूरदासकी नाम सरंखल
नूरा भ्रटल।गानकाविगुनरासिद
हूदसरूचरैंअवलादी॥राधाकृस्न
नुपासरैंसिसुबलै अधिकारी॥न
वरसरूछिसिंगारविवधि नातिक
रेगायो॥बदनऊचरतैंहिरससुस
गाइ नकहैंध्यायो॥अंगीकारकी अ
वधि येहजैंआख्यानुतीजमल॥श्री
मदनमोहनसूरदासकीनाम श्रंखला
जुराअटल॥१९॥टीकासूरदासमदन
मोहनकी॥सूरदासनाममैंनकेजअ
मनरामफूलेंफूलें रंगपीकेंनाकेंजी
केंश्रौरगायेहै नयेसोप्रमानयो
चडोहिरकैंनबीन प्रीतरीति युड-रंग्य
जांवकोनाव रीति

गलेकैजीवै न्यारेकौ पोथी तुमबो
चोलीपै सारनहीं सांचे अग्रजूतातैं
मनकाचो दूरिकरैनग्र आरेकौ
पीयेचोबाच्यनामममोकेतास
रचग्रूपैहत्याकरेकैसैं तिरेकहिंदी
जाये आवैजा ब्रतीतिकहोकहाय
केहाथजीवैं सिव केबिलतबपं
गतिमेंलाजाये यारमेंप्रसादली
पोच्यलैजालापनकायोबोलैग्राप
नामके प्रतापमति नामहैजेसी
भजानातिसाकैसैंकैवपान् ग्रहे
सुनकेप्रसन्नपायेजेजेध्वनिराज
है पग्रायेनिसचोर ।चोराकरनह
रनधनदेवे स्यामबूनसायचाप
सरलीयेहे जबजबग्रावैबानसो
पिडरपावै वैतोग्र तिमडरावैग्रप
बलाद्दूरिकीयेहे चोरग्रायपूछैग्र
जूसावरो किसोरकहासुनिकेरिमै
निरहेग्रासडारिदीयेहै हीयोसब

तरालाय संडीलितउपजे सब संतन मिले
सुरदास मदनमोहन आधीरा। तिसटके
संतन्नलैं यातेंस मैं सटकैंस चलेजब
जागेसैं पलेचेरुज रिन्नूपछो सिकौं
हूकदै घे पेचे अकका गदमैं राके अ
नूरागेसे। एउ सेनको पठाये कही निप
टरीठाये रुमैं कलमैंन स्याये लिव
बनलनडास्योति हिंडर दिवानकरा
जनको बिनासको घे स्यावोरपक
रिल्लुड फेरिकैं सक्ता लैंगयेह
जूविजरपबोल्यो सोसोंहू रिराघो। पू
सोव्याकूरसो पिहुरुकछु धार स्योसे
दोहा॥ येकतमछूपो न्यारो करै सु
निदईपु निला पूपद मन्तर ष्याकरै
दिंबरम निप्र कवर सोहा॥ लिखि दीनै
अकबर राके देखिलीनो जावेवाती
हैरलोपैडूब सहज दास्यो सैं आयेहूं
दावनमन माधुरा मैं नीजि रह्यो कै
चौजोईपरस न्योसे परासिल हैजा
दिनप्रगट न्यो गयो सतजो जनपै
न्नपैसुनत न्ने दबाहीजग प्यास है:

गलेकैंजीवैसमारेकौं।पोथीतुमबां
चोहीयेसारनहीं।सांचोग्रं॰ तातैं
मनकोचोदूरिकरैंनग्रंथारेकौं
देषीयेपो॰।अनोक्नमुमाकहोसा
रचग्रंपैहसाकेरकैसैंतिरेकहिदी
जाये।आवेजाप्रतीतिकहोकहाथा
केहाथजीवैसिवजकोंबैलतन॰पं
गतिमेलीजाये।यारमैंप्रसादजी
पोचलेजातापनकाये।बोलेआप
तोंमके प्रताप॰।तिनाजाहेजैसी
तुमजानोतैसीकेसैंकैंबषानूं आहो
तनके प्रसन्नपाये।जेजेध्यनिराली
हैं।पआयेनिसचोर।चोराकरनहा
तनध्यनहेयैंस्पोमब्बनहायचांप
रलीयेहै।जबजबआवैबोनसो
चडरपावैं।वैतोग्र तिमडरावेंअपे
गलाहृरिकीयेहै।चोरआयपूछेंग्रं
तुसावरेकिसारकहांसुनिकरिमैं
निरहेआसडारिदीयेहै।दीयेसब

...विसंडालतुपज सब संतन मि[illegible]
सुरसाममदनमोहन आधीरा। तिसटके
संतनतैं चालेसमैं सटकेसे चलेजब
जागेसे॥ पलोचेसज रिनूपबोलिकैं
हूकरे से येमे प्रेककागहमैं राठे
नूरागेसे॥ ८३ सेनघोयराये करो निर
टरीझाये॥ सुमैं मनमैं नल्याये सिवी
बनलनडारयो है टोडर दिवालकोसे
सनको बिनासकोयो ल्यावोरे
रिसुह केरिकैं सक्तो सोसे
जनिरपबोल्योमोसों दूरिरावे
सोवलाकूरसोपिदुषकवे
सेलो॥ येकतमग्रधीलूरे
निरईपु निताप हरसनत
ः नम निग्रकबरसाह
वकबररागेदेषिता
ौरतोपेइबसबवा
ाबलमनमाधुरा
ोजोईपर सत्यो
नषगटत्रयेत
नपेसुनतने

कबितकबिजनमनलायो कौस
[illegible] नेन्य हासतिह
लोटौ जोनकाजीवन सुजसर
निसदीनरंगलानौ रां मापेन
टकौरहासितकौतलाबाधर
गोपेकेत्यरघुनाथको मानहास
र [illegible] रा २५ षाठ छत्रजुकेब
मैंसुरतरू गिरधरराजमोन
धरमकांकमोछिनक्षिभनपाए
हता रसता नल र तिगपोतस
बहासासबकेपाता परचपो
राजकूवरकेमनकूकरये द सन
म नातसेलाबन इनेरतबरबे
बीठलेसनदनसुलावृजगकोज
तासमो नि प्राबल नजु [illegible]
गुनानिधिगो [illegible] तिनद
सदाप्र येनितसरूजसइमतिन
बीजर वातनगिरि राज नलप
स जगसाय बीठलेसकानहि

गपवहायोनुपमाेऔरनजगतमों
यारिबनाेिसनिबयाेकहाेबिरहेबु
तासरारत्याेंकरारितनत्यागीयाे
२३॥टोकाेमुरार दासकी॥ श्रीमुरारि
दासरहेतैराजगुरुहनकदासप्राव
तसनोनकायेकाेंफनकाेजायेज
तिकाेचामारकरेसेवासाेतचारिव
तेसप्रभूचरनामृतकाेपावजाेईसेज
येगयेहरमाेंझिवाकेदेखिडरकापत
त्र्ात्याेवेदवाेतमैंप्रतापातकरिजी
जायेकहांमैंतानृनतुम्हिबालेहमहा
तेसुषजानेकेउनाेहितुमेंमेराक
तिजीजायेकेहुवैहैइगनारकहेमे
रेबडीपीरनईतुमकातिच्यार नहीं
मेराजाेगताईसेसाेयाेडुनियपरहठ
डिपरसाधकतामेंस्यामप्यारीन
कजातिपातिहैवताईयेफेस्यगई
ाववाकाेनाेवरहेंनबावकेरेनरे
रयकाेलसनिवाहनसुहाईहै॥

नापैराजे काजे पेताहुरिछुबि
रिदेबौब्यालतै॥नौर॥जोबिचा
रैनतोब्यारजकेबोरवाता॥जो
नुकोतुमैरिपैडपरचोपेतलो
लै॥१४॥ऐसेदिनतानग्रहारत
वै प्रबीननोपा॥ताथकलामेरे
बिनगा॥ ...गयेहारहु
रपालबोलेजुबिचारपेकहा॥सु
च्छिकोनसुनिबि जबालकरेगो
कालनैसुनापु६२ लोजोपेलुलाय
...॥ओरहरिकेरै॥केरहरि
हरेगो॥जाथवताकलालत१५
बलीपिछो निमित्ये॥सुनैमेरे
नोमस्योमकलानलो॥ रेगो॥१५
मूला॥ रसकरगालो नजनपुंज
ल दिबनबारास्योमकोबातक
बिलबडचलुरचोबचो॥ ... ति
डानै॥लाराखारबबेकेप्रमनेल

नानाबिधिसाधीये॥ग्राये निजगो
नारस्य निरखबसाभूखाये न पोरि
माजधैरेदे मिलग्न न्यसाचापे॥१६
ग्रायेजु सेगुनीजननु तिगोन छार
यूनिम्रूपेसेतरस ना मन स्वामी ग
नदे बाये। जानिकै प्रभानन्दचेन प
रनवीनबोधि स पतसर तीन गोप
लीनन्नये चेचीये॥ पाये छिपतीय
जूकेबनको [illegible] नागनगून
न प्रान [illegible] ये॥ नये
दुघरासिक [illegible] दान
येरानपासि [illegible] पि
[illegible] सिकुर [illegible]
रीतिनबाल [illegible] जये [illegible]
कोविनि [illegible]
येकरे [illegible]
[illegible]
दय [illegible]
[illegible]

गी॥ सुंदुसीलसनावृसदा सेतन ...
सूत॥ गुरुचरमनिकव निवैत्यौबि
भूमैबिरतबडोनूतं भलैमरावृत
क्षपाश्राहिश्रतिपकताचरी॥ कलि
कालकठिनमजुगजातापे॥ राबेकी
पूरापरी॥ परहरिदासचलपन
.नवलबावनजैोबडेौबोवने॥
तकुलसूदेोपसुपनेह नेती
ओने॥ ति ... अनुराग सब
निगुरुजनिकरिमाने॥ सदन मा
.वैरागबिरहनकासी नाती॥ रा
.चरनमकरेह रहतमन सामह
ती॥ जोगान ... बलकर निसि
दिनहरिगुनगावने॥ हरिदास नल
.नमजनबल॥ बावनजोबडेौ
वने॥ पड्जंगलीदेसकेलोगसब
परसराम ... दे॥ जोचंद
पवननाबपेनिचोहनकरइबिह
कालतम निबिउमदैहापकजोहर

तीलूरायजांनीचोकीरांमरायेदलि
ईकलै राष्यासिष्यासुचलीयेतंघै
घोकायोतनबिसत्यागत्यागचली
संगतीयाद्रिसालेदेबिकायोघर
नप्रनोसरै।बोलेयोसुलागलीम
स्योप तिसोनुसतीसबलीलिकसि
ईआयेसेवेरांमहै।जोलिकेकुरंमच
तीजोयेनीक्रुकदेसलीगतलबबा
जीवदायोग्रन्निरांमहै।नयेसबस
प्रभाविमेटीसैलिकुपताकोजाव
बासरहैतोनसुगैस्यासभ्यासदे।७।
दिलीपतिपातस्याह्यहेदीवदाये
लेनताकोसोसुनायोसुक्रैलिजस्यो
ज्ञानायदेषिवेकोचाहेनीकैसुब
सोनिवारेआयकसैबहुलिलैग हि
चलेमनग्रांनोयोपरैसोचेलनवति

देबितवृंदावनगाजै ।। नागोतसुच्या
रपैवृंदन । ।काहूकौनाहिनदुषद
नानिकरगा । च्यरनइष्प्रतिसब
ानकौलागेसुषद ।।५६।।टीका ।।स्पा
नरंगरंगी लैचलौ ।। पदसुनिकेउ
ारिजावपत्रलप यै । मेसाकूबे
पच्चायेहे ।। रैना बिनरंगकेसैचउ
प्रतिसोचबदो ।।कागद मेंप्रेम
।तत्तालैकेआयेहे ।।उरहिगकूप
लाबैठेरसरूपलगपूछिबेकौति
लासौनावलैबतायै ।। नेहू ।।कौन
िरस्परमोर वृंदावनधामनामस
निमरछातोग्परपानपायै ।।५७
ाहूकसीनरआगहाचरजयईजे
ोमोनोव [illegible] रिकैजी
आयेहै ।।दीयोपत्रताथिल्प पोसी
नसोंलगायेत्राहिवाचततोचले
ज्यवृंदावनआयेहै ।।मिलेआगुसी
जूकौंमाथेनरिआईनारसुछिन
चरिचीरवू [illegible]ाये ।।पडेस

तीसूरायजानौचौकीरामरायेदर्लि
ईकहै दोब्या सिख्यासु चलीयेनयेहैं
धूकायोतन बिभ्याागलागय चली
संगतीयादूरिलालैदेखिकायोचर
नभूलोंनहेबोलेसोसदागल्तीम
स्योप तिसोंतसतीभजलो लिकसि
ईजायेसेवैरामहेजोलिकैकुटम
तीजोपेनकिकरोसलीगालब
जोवदायोगुलिरामहे नयेस
पूबलिकटीसै
वासरहेतीनसुके स्यांसच्यांकहै
दिलीपतिपातस्याहजहेदीप
लेनताकोसोसुनायोसुने
जानीये देखिकैचाहेनी
सोलिबाहेआयकहैबहबि
चलेमनमांनीयोपहलोचे

तन्मनकुंडाहै ६० काहिंद्राधूनं
मिलो समायअयश्रोताकहैव है
जनीर केग्रधीरस्र मिगाईहैरा
अमकावलनमसहाप्रगटप्रकास
सन्मघोदुभरासिस्र निसोबुलाय
लईहै साचकदेहजेनहाअन्नी
कूलाडे ३ रिसबकहेहायासप
यासेगा नईहै काहिचवारिता
माविवेकल्यानगयोदयेप्रमो
कमैकशदयानईहै ६१ रहेको
समैकल्पग्रायेकपामो जिश्रो
ठायेदेमसबै साचकनाडो है
रश्रूपातकोनोतसोचमोत
रहेलपाईदेनगायसिचम
संतसेजनो निकेजताजई
कोंगयेलडिसबैजबलिस्ग
कहै श्रेमाचाहहीयेमें
रकेलो चलाडलश्वानासें
आयेचोनाहैं ६२ आयाये

वेला दिउता केनगवततेज प्रता
ल मितनरबरपरजाके। निरबि
लि ग्रासपेनं दारनजनपुंज
रधरनिरत्ता ग्राबलनजकेव
नकैं गुननिधि गोकलिनाथ
तिपर आदीका प्रायेकोन सिषसे
नल्पायै न्टसापनकी नापनकी
आलुरीपे केरामतिराग़ोपै कहे
तेरीकफलसनरेतनेव
नतिरकलीरुनगरुडुहिलीजोपे
प्रेमकोबातयांसांकरहापलटिज
तगयेइबगातकलाकेसेरंगनं
जाने। १३कालाते लालषेरबो
रिहीयोननलेके स्यामरसलाग
मैलागररसालहे गोकलकेनाथ
[redacted] ले। सिस
केरपनमांकि निपन प्रालापन
नें ग्पारई नीतिनई नई भोटस
लले गोकुलकेनाथसुवेपलेन

थेचौरानेचौडेजगतरैस्लरग्युनजा।। क
रमोनंदेश्वरकोल्हैअल्हबिरखवान
माधौमधुरामधिसाफजीवानंद
सोवाहदानरायणदासनंभमं -
तनयोवा।। चौरासीरूपकेचतुरबर
नतबानीजुजुवा।। चरनसरनच्या
रनचकारी [illegible] ताहवा।।६५।।
करमोंनंदजू कोटीका।। करमान
दचारनकोबानीजुचारनदासनजे
हिरदैसोर्डपोछलोये।। दायोयतभाग
हरिसेवाअनुरागनारेबहूवासेगी
वालापचुरापधरायेदै।। काहठेरज
येगाडिनलोपधरायेवापैत्यायेनर
अनुनूल्यआए कलापाईये।। फेरिय
तनईदईस्यामकोजनाए [illegible] मेग
वायदेबिमतिलैंत्यजाये।।६६।।कौ
लजूकोटीका।।कोलअल्ह -।।ईदान
कमाउपदाईसनोपहलैविरक्तमद
मांसनलाबातहै।।तरिलाकेरूपगुन

समर्थ

नप्रवीनैं॥सदाचारसंतोष चूतसब
कि॥छिकारी॥ आरजगुनननग्रभि
तन्न॥कि॥दसचातुलच्चारी॥दस्सनपुन
तआसपत्रदारपूलोपस्वारस्तुष
ध्यासको॥रसिकरंगालोनजनपूंज
सु॥छि॥वैवारीसोमलो॥२ ए चागव
तन्नलीबिछिकचलको॥चनिजन
नाछिकैजनो॥नामनगधेजनोअव
सतवलाजतजागु॥नहिनिको॥
तिनार नकु॥दसछाको॥आगु॥ऊगि
निगमपुरानसुनसासत्रसवदे
सुगुरुसुकसलको॥दिब्यासन
दऊबिसेष सुचातौ॥बलुष
नाजसबितानलगमैतनो॥ना
तन्नलीबिछिकचलको॥चनिज
चेकैजनो॥रसी॥कलिकालक
जगजातीपी॥सद्योकापूरापरी॥
कौमदमारलोनकीलैरिनल

चौचौरासीचेडजगतईसरग नजा। ॥क
रमोनदेग्ररकोलकेगलक्ष्मबिरश्रवान
माध्योमिथुरामधिसाकजीवानद
सोवोहूदानरायेणदासनोमिमोकन
तनग्रीवो॥चौरासीरूपकेचतुरबर
नतबानीजूजुवा॥ चरनसरनन्चा
रनननक्रूरी [illegible] ॥६५॥
कर मों [illegible] द जू कोटीका॥ ५८ मान
दन्वारनकाबानीनुन्वारनदारनजो
हिरदे सोउ पाछलोयि॥ दायोयूतमाग
नरिसेवाअनुरागन्वारेबहूवासेग्री
वातापच्छुरापच्छरायेसे॥ कोहठेरज
येगाडिनसोपच्छरायेवापैस्यायेनर
प्रनूनूल्यश्राए कलापाईये॥फेरिच
तूनईदईस्पोमकोजनता॥ [illegible] मिग
वायदे षिमतितलेन्यजाये॥ [illegible] ॥को
[illegible] जू [illegible] टीका॥ कोलश्रलन्नाईदोन
कयासपदाईसनोपहलेबिरक्तमद
मांसनलाबातले॥ तरिलाकेरूपगुन

सहंपुनिहरिद्यासमंतजारगग्र
सनहोकिपाकोरतनमेंजसनोस
गुनतुच्यारईगोबिंदनमंगदरोग
हतिलकदासनदऊदसदाजंगली
सकैलोगसब परसरामकायेपा
लउदल५५दोकापनसंरास्जू को॥ रा
सीमतदेखिगयेकोकुअंतलेनदो
येजूप्रनंतरहिंसंगआयारारीयेच
रेनुठिसंगपवाकेपरारिलोयानिप्रंगय
ठिगयरकेहरालैलगोठौरप्यारहोल
तोबनजारैंप्रियलेपतिमहायदईदई
प्रीरपालकोदिनरही मोनिसरीजै
तायेल्यपरा पायेमेंमजालेयो॥
कछुप्रानेमोरनलोकिछु बेप्रानवारिडार
ये५५कूलोगुनजिकरगदा परनदूप्र
तिसबलोनकोलागैंसुघरा॥न जालसु
तदसुसीलबचनप्रीतिजपत पाले
निरमतनरनिहकामकपाकरलालैंग्रू
लया॥प्रनंनमनजलद्रिढकारनछ
बपनहूनिकाजैप्रम

घचौरासीदंडजगतरिसुरग ... कौं
रमोनदेपूरकोलकमलका ... वौ
मारचोमथुरामंधिसाधकजीवानंद
सोवोहूदानरायणदासनामसम ...
तनयोवा चौरासीरूपकेचतुरबर
नतबानोजुजुवा चरनसरनध्या
रनचक्रारती ... पेतोहवा ६५
कर मो ... ६ जू कोटीका ... ८ मान
दचारनकाबानीनुचारनदोरनजो
हिदै सोउपाधलीये दायोग्रंथमाप
करिसेवाअनूरागचारेबहवासंग्री
वासाकचुरापधरायेहै कोहु ठौरज
येगाडिनसोपधराये वापैत्यापैनर
अनुलपग्राए कलपाईये फेरिचा
हनईदरस्याकाकौजना ... मिग
वायदेबिक्रतितेत्यजोये ६ ... को
... जू कोटीका ... कौलकमलजाईदेन
कथासुपदाईसुनो पहलेंबिरक्तमद
मोसन ... दोहरीलाकेरूपगुन

बुधसंगनोनाकुसकथारंगरस
कीजुसंगअंगनायछायेहै।५ चमो
वसैलोकस्यानसिंघजो लिजपूतपूत
वैठौआपकयासोअन्तरंगलाणै
है। निपट निकटवासश्रीरैराप्रका
सगोवहासवहासतजौलीयाडुप
पाजैसै।जोनीजदसंगासोअनं
गव्हासदुरिजकिरैसैलोनईश्रांवि
हाऐकोमजागयोहै।आगलफिरत
तीजुवतीश्रीगजलीलैरूपयाबी
सलैकूंकरूरागयोहै।५४।गदाधरज
दजुकाकथासेप्रकासक हेमुनिह
पाकरीश्रबसैरासुधिलाजोयेहि
रैलीहासंगयलीलरंगच्यतनागकी
पेहायेलेबलासेखोलामेरोक
जीये।बोलेआपबैठियेजजाखलि
तकोहायेपायन्हामेरोगईसं
होजीये। ५६
हिजा

अचौरासीडकगतिस्लग निजौ॥ क
रमैंनदेश्वरकौलकेश्लक्ष विरजवांन
मांच्चौमध्रुरामनिसिपखुजीवानंद
सौवौहूदानरायणदासनमिमः॥
तनयसेवा॥ चौरासीरूपकचतुरबर
नतबानीजूजुवा॥ चरनसरनन्या
रनन्नहत्ती॥ गाऐकरपेतानिवा॥६॥
कर मो ॥ हजू कौटीका॥ ॥५८ मान
स्वाहद काबानी॥ चरन रनजौ
हिदैसोईपाबूलीयौ॥ दायौ यहमग
हरिसेवाअनुरागनारैनबहूवासैंगी
ग्रालसच्चरापखरायेसैं॥ कोहरौरज
युगाडिनहलापखरायें॥ वापैल्यापैनर
सन्तनूल्यग्राए कहापाईयै॥ फेरिच
हनईदरस्याकोजतार॥ हरिवंश मिग
वायदेभिक्षतिल्लैन्यजायै॥ ॥६६॥ कौ
जू की टीका॥ कौलखवतुराइहोन
कयासुपदाईसतो पहलैंबिरक्तमद
मांसनलापातसे॥ हरिलाकेरूपगुन

नसंच तिलदै रिग दिलो छिदै मरौ
रिका हन देला हि नारी है आयेकैन
ठाढ़ देई दै छीये नवाति नई सछैनो
म श्री निन्दई नलेके छिदारी है बे
लेग्रु यसेर श्चानौ लैलसासवारो ग्र
वैग्रेदसनगुलाडैरैलैशयहै ज्यावरीहैन
प्रोननकौ ग्रागों ध्यलौ श्रा लिकैनुपा
येकरोरसैरसनजायेनयो लिखचोर
टाराहै। श्रनकोटसल निजकरन
रतश्रापन लिसहै रलतापजोनै न
गवतगा है हैल जले चौकाकौ न
घबहन दलायेगा दुरिसतौ तें हंसद
वेश्रायेसो जनारीहै। लोलो लायदे
वेश्रायेसु निलै रिसा फुलु वे सेवा
मैचायेवाको छि जिरसनगायै है
ऐसातरा सिजागश्रासको लिरास
कायेपापोपु मरसलसको लालतले
बाईसै है का मूल॥
ननिकहरिगायकयेताहुवा॥

पुन प्रथीराजकबिराजहुव ७३
बीकानेरि के राजा पृथ्वीराज ता
टीका : मारवारिदेस बीकाने
रिकोनरेसबडो प्रथीराजनाम
नक्रिराजकबिराजहेसेवाप्रत
रागद्वेरबिषैराद्रुप्रेमेरानाप
स्चोनीनाहिमानौ पोहजि
हैंगयोसोबदेसतोहेमोनसाथ
बेसकीयोहायोनलोभुवे केसेसरे
मनकाजहे बालदोनतोन प्र
मंइनहोहिठिपरे पाछेहरिदेषन
योसबकोसमाजहे ७७ लिषिके
पठायोदेस रुइसहेसयेमदन
देषे हरि बातेहिनतानलि
लीभोग्राओसो चिबोचिप्रतिलप
सनलयेनगेराजवे दे प्रन्नूबात
रिसबीनहे सुनौयेकभौर प्रतगप
करीलायेखरीमथुरासरीत्यागक
रेरसलीनहे भूषीपतिजो निकै
कलामदईकाबिलकोबलप्रभि

बानीमैंउचारकरैं चरैंन्न हि त्ताबली
येताकोयेहबातसो॥दरसरैग्रप्रडगठी
पायेसबनन मानोनूपलीकौंगाबे
ब्रन्नकन्नुआप्रुतीहैनूपोकैपृथ्वी
चलेआयेपुरलोन न्नये नयेचोजमें
दरसैं॥सुनौंकोनबातह कैलिकनेसुन
येसबजेजेनानाथंदेगायेसूचेग्रु
नूदेयेन्न्यारिकैसेसकुचालेहै॥न्नस
तोहुकारो॥प्रन्नूकलोगरैत्रारडा
ल्यायेपहरावैकसौंमेरोलडैन्नप
सौ॥६७दयेपैनआलाहीबोलडोग्रप
मोन नयेगयेमूडौंलिायमैंहुवकै
नपारसैं॥बुडताद्साग्रारोन्नमिथा
चल्यो न्नकुमि डौलिसोप्रतीलि
लैनोंसिमनोलरवारसोसोलेबि
आयेसरिजनमनचैनमौल्योलिस
कूलजायेपायोप्र लिसपसारसै॥
बेठेडबग्रोजनकौंदईनिन्नेपूलि

[illegible]सिंहासनवती नांथ थेप्रकारेरु
कोडीये सदानगवोनिम्रापन्नि
मूतपालक्षेरै करैपुतिपालमेरेप
निमतिनीडीये तुरकम्रजडेना
मंत्रालक्षौलगाईम्राग्यनई [illegible]
कोर विकौ म्राय द्कनकोजाये दुन
सल्बमारे प्र न्कुचेसैनुबारे निम्रु
नवूविस्रारे : सुखैनवोरसयीन्नोषु
७८ कू त्रिषोराड्डनूयकुलनख
नहिनिन्नुपरतनाइती कप्राकौरतु
श्रीतिन्नीरनहीनकोनाहै : सुमौ
कुदलिनि लनोहलावेनग्रहै : सु
देवरागान्नलदेज्ञानीहिनाकनको खं
धानी धनि प्रसौनलक्षौ धोटक
पन्नीविलीवारी नलपननन्नेविले
नौत्राहेरसनदेकी पूलप्राम्रती प्र
थोराड्डनूयकुलवधन्न हिन्नूप
नन्नाविली ७५ दी र नी ती
नीलिम्राहैं डी का मोनासेहुरी
नाकौछुरीनाईकानधोहि स्मताव

मालीमैंनेचारकैघेरनीतीसोपूली
लीताकोऐसबातसौंदरसनौरूपसठता
पाऐसबनननमानौनूपलीकौंगावे
प्रभूकनूआपलीसैसूपौकेपुष्पीन
चलैप्रायेपुरसीननयेनयेचोजनं
दरमौंसुनौंकांनबालककैलिनैमुना
येसबजेजेनानाचंदगायौसपूचेमू
नूदोयेप्रमारिकेसकुचालेहोंनस्चे
तोहकारौ।प्रभूकतोगरेआराडरे
त्यायेपसरावैकहोमैरोलिडौमात
सौ॥६७दयेपेनथातीदीधोवडोप्रप
माननयेगयेसूडौसीयमैंडुबकै
नवारहे॥बुडतलाश्रागेन्रमिपाये
चल्योनरूमिप्रीतिसोप्रूनीतिन
लैलांसिमनौतरवारहेसोलीलैन
श्रायेसरिजनमनचैनजौस्योमिल
कहजायेपायोप्रतिसषसारहे॥

रोतरिद्धारवृती नाथ यों पुकारे रष्या
काजाये॥ सदा नगवान आपनक्रि
तपालकरै करो प्रतिपालमेरोस
निमति नाजाये॥ तुरक अजाजनो
मध्यामकौलगाईआगपलई श्रीबाग
चौर निकाआयु दूककाजाये दुस
सबमारे प्रनूकष्टतेतुबोर निरूप
नवारिडारे॥ येलैनपोरसपाजाये॥
७८॥ मूल॥ छिप्पारो॥ नूपगुरु८८श्र
नक्रिनेउपरतना. ती कथाकारतु
श्रातिनार नक्रनकोनावै॥ मामैषे
कहतिनि [illegible] लडावै॥ मके
दचर ॥ चतवनन क्रिमकमो धर
धारी॥ पतिप्रलो ननका येरेकमू
पनानसारारी नलपनल बिसेष
लाआमेरसदन सूलषाजती॥ प्र
पीराजनुपकुलवधू नक्रिनूपर
तनावती॥७९॥ टीका॥ रतनावती रा
णीआमेरि कीटी का॥ मानसिंघराज
ताको छोटो भाई माधौसिंघ ताकी

मिथ्याजगभोगयामैंप्रायसुखविहात
बानीमैंउचारकरैधरैनहिंतारस
पैलाकोपैहबातसैंहृदसैंपुरजन
पाछेसवननमांनोनुरघलीकौंगा
प्रत्यक्षजाप्रत्तौहिलैपूषौंकोपूछी
चलेश्रायेपुरलोननयेनयेलोजन
दरसौंसुनौंकोननबातसैंकैलैनैसुन
येसबजेजेनांनांथंदेगाभूसपूछैश्रु
नूहेयेच्यारिकैसबकुचालसैंनस
तोहकारौनप्रत्यक्षलागैरेलाराडरे
च्यायेपहरावैकरौंमेनलिंडैंच्यात
सै॥६७॥दयेपैनयालाहीयेलडेग्रप
मांननयेगयेभूडैंसियमैंडुवकौ
नपारसै॥बुडतलोश्रायेनमिपाऊ
चल्यौनकृमिप्रीतिसोंफूलीतिन
पैलांसिमनोतरवारसेंमोहलीन
श्रायेतरिजनकनचैनमैंस्योंमिलौ
तिसजायपायेंग्रतिसुषसारसै॥

गालीकृतीकरोलागीप्यारीहै॥ टू
प्रेमकैनैनेमहेमप्यारलेनमगच
लीचलीइगप्यारसोपरोसिकैजि
ऐसेहै॥ नीजिगमेसाफन-स्याह
गाब्दरेषिनैनोन मेघत जीत
मनना ॥ चंदनलगाय- नि
बाराहूपवायेस्या चरस्याचलाय
चपरूपसरसायेहै॥ घुमपरागा
व ॥ मिग्रायेसबदेषिबेकोदेषि
रपपासिलिबिमानसपठाय कै
करिनिसेकरांताबकगतिल नर
रईतजिलाजबैठामोडनेकानारमै
लौबोले देवाननरखो निसोबष
नकायोबाचिसुनि चलगानूप
केसरीरमैं॥ प्रेमसिधुसुततालिक
लसोरसालश्रायो नालपे तिलकम
लकंठाकिठलारमै॥ एकासुधामु
कीयानरनजता ॥ पाबोलोवेमें
डाकैपरसोमनपीरमैकोपिनलि

अरू कश्राचानरनहोतृकिदैमोलीकरैं उभ [illegible] चहै
आपहीनतामैमानहै २६ मह्रेश्न पकहौ चलोहारे
निनारहैहौ मिथ्यातया तौगयाकैश्रा मुहा।। चलातहै
बालीसैहचारकैरै चलैहै [illegible] रालहै
पेताकोपेहबातसैद [illegible] उा
पायेसबनुनमांतो नृप [illegible] लौकौ [illegible]
प्रभुकन्हशाभलौहहै श्री [illegible] पृथ्वीन
चलेश्रायेपुरलोलनाथ नये [illegible]
हरखें सुनौकानबा [illegible] कैसने मु
येसबजेजेनांनाथ [illegible] काचैम
नूहोपेन्भ्यातिकहैसकु [illegible]
सोहकारौ । प्रभुकौगरै [illegible] २०३ ।
न्यायेपहनावैकनौजे [illegible]
है ६७ दयेपैनयालाई [illegible]
मौनन्येगयेकडसिरमौ [illegible]
नयारहै बुडत [illegible] श्रायेन्हौ [illegible]
चल्यो नजुमि [illegible] निसो [illegible]
लैनांसिकनौतवयानहै स [illegible]
श्राघेहरिजनमनचैन, से [illegible]
कुरजायेपायोश्र लिसुध [illegible]
ठेडबनौजनकौ दर्ईसै
नैदुसराजुकेसाकलीबली क [illegible]

गात्ताकृतिकरेलागीप्यारीहै।ट
प्रेमसैनैनेमहेमप्यारलैनमेंगप
लीचलीइगप्यारसोपरेसिकेजि
ऐसे।त्तीजिगमेसाथनन्नसागु
गाथ्यरेषिनैनान मेबल जी
मनन्ता चेदनलगाय
बीराहलषवायस्योमचरच्याचला
चषरूपसरसायेहे घुमपरागा
व मिश्रायेसबदेषिबेकोदेषि
रपपासिलिषमानसपठाय
करिनिसेक बेकगतिसईनि
दरतिजिताजबेठामा नकानारे
त्यच्याले देवाननरश्रोनिसोबष
नकायेबेचिसुनिश्रोचलगानृप
केसरीरमैं प्रेमसि ततालिव
लसोरसालश्रायोनालपेतिलक
लकंठाकेठतीरमे नृप म
कीयेनरन्जतापेदायो।बोल्योवे
डाकेपस्योमनपारमैंको पित्त
२

कानिसीकालकैअभूचानहै।७५तीर
नभूष भिरेहैनिपटअलंषहिनव
लपससोनिबीनेपलनबिलातहै।
अगमजनामुहायोचाहैईनसोचाव
पोलीयोंसंक्तिनावेआकेछायेगातर
हैहे।बिस्योंचहोो।सदैहानाधेहैर ईम
अपुरीअनिकरिकेस्नानप्रांन
तजेस्वनाबानहे।जेहेजेजुनिनईमि
पिगईबिरुवोरअलेनृपतिचकोर
जैंचेहकहिनरातिहै।।७६।।मूल।।जारि
कोहेसि पालंटलीअचहसोवेंको चा
ऊरथअसरअजीजअनीतिअगप्रे
कैसुरिपुरकोव्यो।।सांगनसुतनेंसा
हराथेरनछोडसुहीव्यो।।चराचोंमध
नकोजमरनबीजाहमांडे।।कोकम
धजकुटकेलवांचौकचतुरचंजनी
चांडेबाडेलबाडिकोबीकटकेचांदन
ोंसचांडेसबलद्वारकादेसपालंट
अिचंदसोवेकोव्योअरल।७७।री
।।कां।नृपतिसांव।

सोहोबांचिकेंमंगनलायोरीझिबहु
दईहे: तेोअतिबजाईहरखांटतबग्ग
ईकाफ़नृपतिसं: नाईकलारातिन
ईहे: पूछेनृपलोगकह्यो स्मरेस
बसोगनईजोडीकेजुजोगखांगवी
योबनिगईहे: नृपतिसुनतबात
ग्रति बगातजयोलयोबेरजाव
चहे।त्यारोपतनईहे: ९१नरपत
मगपुराध्योदेसमेंचबावलोय
बुचिवतजन: १९८ तलोजनारु
वासोविषेलगपकोटिकोटितनबे
येयेकजक्तिप्रकांसग्रावेगेसोमन
ग्राईहे पायपरिमागपलईदईजोड़
संगतंमराज्ञानिसचल्योसायकरी
मननाइहे: ग्रायोनिजपुरहिगढ
रिनरमिलेग्रांनिकस्योसोवषांि
सबग्रंतजुपजाईहे: ९२ नवनजु
सकोयोमंत्रीसोबुलायलीयो दाय
कहेकटीनांकलोहुनिरखारी

ज्ञानौंतीक्षातीकाजातलैज [illegible] नीयेःहि
ग [illegible] नाससिरै ध्यानसि [illegible] तनोस
र [illegible] जटल [illegible] अवोद [illegible] ज्ञानीए
न [illegible] किसोरक [illegible] केः [illegible] रक
वृन्दावनचंद [illegible] प्राहैं [illegible] वानी
हे [illegible] नलवीकि [illegible] चान
न [illegible] निधसैज [illegible] प्रीतिपसचान
घे [illegible] कारवारक [illegible] जगे
के [illegible] वलैइगनी [illegible] छिगा
प [illegible] मतिवात [illegible] ज्कौ [illegible] हितल
स [illegible] निजगात [illegible]
ग [illegible] रुलकंद [illegible] स्यो [illegible]
व [illegible] सिकनरेस [illegible] वानी [illegible]
ट [illegible] सघुडाधु [illegible] सोनै [illegible]
द [illegible] गुरुवधि [illegible]
न [illegible] दीनिस [illegible] सन्योके [illegible]
कौ [illegible] रवैरेःदेहे [illegible] पैनातजल
ग [illegible] रैहैः कढु [illegible] यायेकाजे [illegible]
म [illegible] देराजेः तक [illegible] लौजीजेवेतै [illegible]

दिया आज्ञाय वाके बचन सुनाये तौ क
रत पुनां भ राजा बोलौ अजूला लड
कूं नेके फिर देषो ऐक वार ये ॥ ७१ ॥
ऐसे बोल्यो नृपराज धन स ॥ ली
तिहारो धारो पतिपैन लोनकलो
करो सब नाये है ॥ ७४ ॥ राजा मान
मांघो सिंघनु नेनाई चैह लो ॥ ७६ ॥ क
ततलां बूडि बेकौ न ईसे ॥ बोल्यो बडो
नृता अबकां ड्राये ज तन कौन मौन
भीयान कि ये लश्योरे स षिर ईसै नें
धमा न कायो तब जा निके किनारे
आयो ही मोहूल सायो ॥ ७७ ॥ नई
ई सैतो ॥ करयो आये इ सन बीनेकरि
आये नृप अ तिस अनूप कौं ही येआ
रगाई है ॥ ७८ ॥ धा मूलछं ॥ पारीष परसि
कुस कौ चडुआ जगं नां पसारा ध
म आरामां ॥ कवित ॥ तिरी तिपन
र देषयो संसकार समत स्वत स
बुधि [illegible] बिचार्यो सदाचार मु

जानैंतोयाजाकीबातलेबखानीयेौ
गसोअबवासजिसौंवासनिजरतनो
रटलजटतजटनश्रेमरांकोअनश्रांती
नखलकिसोरकबूंनदके किसोरक
बृंदाबनचेंरकलाग्रापैंनरिपानी
से।।सुनतबोकलनईसुनिबेकोचा
नईरीतियेलनईकाघ प्रीतिपलचा
पा।८०।।बारबारकरैकलाकरेअनुरगे
मेरोबलैइगनारश्रोसरीरसुधिगई
पूछोमतिबातसुषकरौहिनरातिये
सहैनिजगातरागीसाधकक्रपानई
प्रतिउनकेदरहैखिकल्पोसोबिसेषस
बरसिकनरेसलिकाबानीकहेहैते
टसलघुडाइंग्रोसिरातानेलबेदायु
ओतिगुरुबधिग्राईलेःपरजोनौरीति
नईहेः।८१।।निसदिनरन्योकरेहैखिबे
कोअरबैःदेषकेसेजातजलजातइ
जनरेहैःकछुकनपायेकाजमोलनदा
पायेरजेः।।तबलौतोजोनकेतोप्रतिउ

नैकु आप चलौ नुहारि तिकौं बिले
कियै जु बडे सरबगपकैं हू पैन सौं जारप्र
॥ पाये परि गये लै कै जाये ॥ टिगग
नये चालता दे राधे पैन फिर सोच
परयौ है ॥ जो निगयो ॥ ...॥
कौ प्रताप श्रूपै मारौं कर जाय पै बिव
रमन परयौ है ॥ मुहिं ... ॥ नहि
... आगें ... ॥ नखी बाल्यपटा ॥ म
यो ऐसो मानो भरयो है ॥ फेकरि ह्य
लज्जा जिवायो स्म ... प्रीति पर
सायो सीयै जायो ॥ ... ॥ २०॥
... किं रूपकनराये ॥ दास कौ प्रेम पु
आगें बढ्यौ ॥ पदलाना प्रसिद्ध प्रीति
जामैं दृढ नातौ ॥ अबिरल ... ॥ भ
मदनमोहन ... रातौ ॥ नाचत सब
कौ नुआ ॥ हि कौ हियै पल्लवनि आवै
चित्र ... पत सौरभ्यौ ॥ बिनै गीरे साज
दिखावै ॥ लडी या सरायें देषन हूं नाति
पूरपदवी कौं चढौ ॥ ... लफन रायन ६
सकौ प्रेम पुज आगें बढौ ॥ ॥ टी ... ति

र नागयो न्नोत
मू लठो काय
तलत्नौलिकारा
जातिन्त
रुआ निवे
प्रा लितात
प्राण्याचे
नूपवाली
अवकोतु
ट. लिये
रेप्राधो
जतीबो
रमूतको
हरिका
भनसे
रप्रन
पत्या
डीप्रड
मेनर

रि मर्मभमी अंहीनद्दास बघुपातलव
न्नहरजसगायेन॥ गौ सूरामदासनें
रद्द स्पांकेपुनितरिनारायेनक्
रस्सुजावन भगवान जनस्पामदा
सबिस्तारी भ्रकतदा॥ गुनगनबि
दिगोपालकै पै [illegible] रदा भ
निरवृत्ति नयेससारते तेमेरजज
मानसबनभवरामेरैनिपुसराम
गंगाभूवे [illegible] ननवासी भुत
कुलक्क्लेदास बि श्रीमसेसस्पा
तीकेबासी किंकरकूडाकुल्लदास
बमसोहागोपा नहदेजेरवराघो
बिदुरदयालदामो [illegible] भ्रमो
नंदनभवरघुनाथो चतुरोनगन
कुंजभोकजेवसत भव निरबरत
यससारते तेमेरजज मानसब॥पा
टी[illegible] बिदुरदूकी॥ ऊंधयडोहिगती
मेजैतारनि बिदुरभयो भयोहरि
भक्तसाधसेवानतिपागीसो॥बर

रजागयो नांतरसैसोचिनजो पांचै
कूछिलयो कालकरनबषांनिकै।
नजतौ बिचारा सूतेमोडीलीलमारी
जालिन्नयो सूजगातन किजावन
रजांनिकै॥ लिष्योपत्रमोडीकोज
जीलिलायेसाजीजोपैसासबाजी
आपराषेतजिआलकौ॥ नासषि
नूपकलानोडीको बिरूप नयोरहे
श्रवकोडीकेलानूलोम तिजानिकै
ट५॥ लिष्योरे पठायोबेगपकोनस
लेआयोजसांरांनोनेहिसांनीलहै
र्पातीबांचीये॥ आयोचढि रंगवा
चिसुतको प्रसंगबारनाजेजेफुले
लद्दूरिकापैभेनसांचेहै॥ आगेसेव
पाकेनसों मसलब स्तजायत्यायेप
लीठौर प्रभूनीकै गायनांचाये॥ प्र
भूनूपत्याग पदायौ लिष्यापत्रपुत्रन
र्मोडीअजतुंम हितकरिजांचाये
९०गयेनरपत्रदीयोसीससौलगाये

कारि मृगसंगकौलेश्याव नयोदयोचर
जनबध्यकपाकरिलीजीयें श्यामप
सरायेंसुषपायकै प्रनामकरीश्वरी
जनमूर्ति रूपबसे रसयोजीये श्री
गोविंदजूकोचौरलाइलकरि कै
सा सिंगाररावज लोगनिदगामैं
गोवर्धनराधाकुंड लेके प्रवेशद
बनमिनमैं हुलासविलकैरेचाग्नि
समैरहे पुनिपावनपै नूपेदान्ती
नबीते आयेहृषलेप्रवीनयेवुरंगे
श्यामसैं सारयौनैक पानीलावोफेरि
पूलेप्रीतीकलाहृसम्ति निसकी
कामसैं रौ.पानीसोनकाजहेजनुभ
कैविरज हुआवोबोहरहरयेतप्र
उपाअनुदईहै येतोलूनलासीसब
षीरकेनुपासीकै सेमोहौलेनदेहै
कलादेहेरु नेनईहै डोलेश्यामधी
मस्यानकलोसोलीमोनिलायो दी
वोडधैहु अतीतिनवननईहै जतोजो
छिपावे पाचनैगधआपदुर्हि स्यावेश्री

मारिबोकसंकटनआवैयोसुनावै
पकाहबुधिवंतनैबिचारीलेनु
रीसैनाहजो: पांजरामैंहजे
डिलीजेमारियाछैतैपकरिवाहि
कालरावडाराये।सबनसुहाईजे
पकरीमनन्हाहीं।आयोहैंयोंषवा
सिकहयोसिंघजूनीजरीये।।५३।।कै
हरिसेवान्नरिंगग्रनृरागहृ।गसु
नीसैसबात।नौकनैनहुतपरेहै।।
नावहासोजानैवबिसनमानैश्रे
आजिमैरैन्नागग्रजूनिरस्यंघजूप
यारेहै।नावनासचाईविहासोन्ना
लेरिबाईफूलमालपहराईरिचिरी
कालागैप्यारैहै।।जौनतैनिकसि
आयेमांनोषंन्नफारिबिसघसम
हततकालसमारिडारेहै।।५४।।मनृपकै
षबरिन्नईरांनाजूकासुभिसईसुनी
कान्नांतिआपनकहांकेआयेहैं।।तें
सघसासरांगाकरीहराम्मातिन्नरी

हाथिस्रृंगसंगकोलेखाव नयोदयोअ
नवधुकृपाकरिलीजीये ॥ वाकप
आयेप्रथयाएकै पुनामकरीअरी
पूजनकें कुरवसे रसपाजीये ॥ श्री
गोविंदजूकोचोरलाइसकरि ॥ के
सा ॥ सिंगाररसजनोगनि दगामें
गोवर्धननाथाकूंद लेकेप्रवेहस
वनसेवनमें हुलास बिलकरे चाखिस
मकोरहै पुनिपाछलपै चूखेदानली
नवीते आयेहूंथलेप्रवीनयेहरंगे
स्यामवैं आस्योनेक पानीलावोपरि
बलेपुंजी कलाद्धमनतें निसकेही
कामवैं श्री पानीसौंनहाउहूजनुम
मैं विरजहू अचवीवोहरहूरयेलषु
ज्या प्रनदर है ॥ ये तो हूनहासोसवै
धीरकेजु पासीके से मोकोलेनदेहीं
कलाहेहेसु नैंनईहै ॥ डोलेथामधी
मस्यानकछोसोलीमो निलापोदी
योडहैंडू प्रतीतिनदनहि जनोतो
छिद्याकी पाचकोगयआपहूरि स्योवैस

के तरंद्र . रापच्यौतिज्ञराग रो
रा सुरतसुरत्र्त्र निरस्ताकौप
मे पुरषोतमप्रसादतैं नौश्रंगपर
हला पारंभप्रसिद्धकुलकापग्राज
कौ घसीवाचरना ॥७ कौरतनकरत
ल रूपनहूमपुरादारसेनमंडीयो:
रस चारसंतोंठायसर्हंसु ठिसोलस
नाश्रीसै हसतलकरापकनु हैमेरतम
बस्तु प्रकासे हरिकौलायें बिस्वासन
स्म दनवलमारी कौसुकलसकोने
मजगज्ञांनैंसिरधरीश्रावृद्धमानेगु
लोचनरतिसोलग्र तैनेहि छांडीयो
कौरतनकरतल रसुपनहूमपुरादा
नमंडीयो: ॥८ टीका बासिकैतोजा
कोलितनैलिरसरसिकैरीकरीयेक
ततावो प्रगटनुनाईये: श्रायोनेष
रीकौनकेरसालग्रामसेवाडोल
गासन पैश्रीनिनारधाईं है खा
केजुसिषभयोतिनलकेभावरेबि
तीकोप्रभावश्रापकरोलाये: जो

कीजीये बिचार ये कस्म तिनु पाइये
कलानि रिस्या वाजे लगाइ । २ कलवै
नलई तस मई सिव नगात निजिमा ।।
हो ।। ८७० ।। बगप ।। नध्याय देषि ग्रास
सी बराइ हाय रुं । कैसु ...ाई दुबसा
ग्रबुडा पूहे ।। बिकुष बिचारि तापा
राजूनि कारि दई ।। पति कीये औरग्ये
सीमन आई है ।। पस्चोत मकालबे
बैटी सो न पालि सके तके कोनु रार
मति प्रति अकुलाइ है ।। नापे सगक
... ता नृप जोइ आपप
री आ परा मै स्वामी को सुनाई है ।।
८७१ ।। नाना बिधि पाक होत संत आ
वे जैसे सात सुष - चिकाई रीति
कैसे जात गाई है ।। नत बचन वा
दीन दुबली नकरी । ८८ ब्रबान मो
मन मो लियौ आई है । देषि पति
... राग्यारत रोपति देषि यारि केसे
कोरि ।। ... संकेपरी कवनाइ है ।। रह
... रठारी करोप हो चैप्रहार तुमे मे

रिलाकैआगेनरतिकैरतोसिर्वेंतोह
देसनिमैंजातोनींकैनारेतैाहडी
सरायेसधिनायकैनिवासलीयाल
योस्निनामसोमलेछजातिमीर
बोलिकैपठायेम्हाजनहरिजनस
आयोहोस।दनगुनीत्मावोबात
रीहैआयेकैसुलाईनईबडीकठ
डीकाजेजाईनाईवैसेनिपटप्र
सैाविनाप्रनआगेनिरतकरीये
मयेरसेवावाकेआगेकहोकेसै
सलारायेयेकवारवैज्ञामीरनि
नैकैारइगमगनकिसोरस्यस
तैविसारीहै।याहैकसुवेरहै
रैग्रीचकीत गानलोपिरीकि सुक
नकोनैंकीचलागीप्यारीहै।३।क्र
गुनगनविसदगोपालकैयतेज
नयेनरिदाःओरपरामगोपाल
वरिबरगोबिंदमाकैलघातसांकै
जसवतगदाधरप्रेमतानंदन्रल
कीयायोबिचारउचेसंघा
लं मी ति ला रि टी

गकीपद्धति प्रगट अंगंनअमोंनह
हरिन जोगी जगजागै घरन रहै सु
हार ध्यानके सो सुनराग सस्फुट
है नासह लौहिकरवसुजागर
नरादासकपि प्रेम सवैन वर्षाकेश
य सुरचतुलसेवै सदाहासात्म
दसध्यानप्रगट सुतपेड नदुसुमेर
नानालाकापद्धति प्रगट १५२
स्वधुपुरामलो सोमिंगलरूपको
नरकोसोकोकै: आरिहरलघु
मुमरेहरराजामनपावै नम्रनको
बहुमान त्रिदुषकोडुनलगावै बी
रावंदनवसनलक्ष्मिषकोरतनवैवै
ग्रन्थकेन्यूपनरदे येमायानग्र तिनी
नरहै बीतलसुत त्रिकलोपिरै द
सान्त सुधारबासिनरवैरे: स्वधुपुरामले
छौमंगलरूप कोनरकोसोकोक
है:   नहोनसों कलजुग
नहै त्रिरखालोनोनाषेनसी प्राके
दासम्रलेला त्रिविधशद्रुकविचारे:

भानन्दईषेतीसुखि मगई।च्यंतान
प्रन्नभ्रग्याईकिउबड जागीहै।षेत
कूकटवो भ्रोगसवो भ्रोडड वोपावै
दोसडारमताभ्रं भसुनाउँलिजागी
करावसीरीलिखोलोरेमैंनप्रतीति
गायेहरि जेंलोरासिरागीभ्रन
रागीहै।मूल॥श्रीस्वामीजीबत्रौनग
नमगनरै निदिन सजनहित सह
युक्तश्रनूरसानलिकंटुलकोपोष
परमपूराहृड जोंसिरमलसबल
कैतोषत।प्रसंश्चरम दिहकरनदेव
श्रीगुरुभ्राराध्यौमिश्वरसेतसु विदे
रहरिजनसुषसाध्यौ।संतसेलप्रभ
तजनजासबिसतारतजासुनित॥श्री
स्वामीचतुरोनमगनमगनरैनिदिन
सजनहित।७।टीका।छूटेंगुरग्रेत
यासनेहसोसेवाकरैजैसेलासेसाचे
लावप्रतिमतिजोजीयेहटहसलग
पदईरूपवतीलीपाहीयो बासोकहे
वामीकहैसोसीकी...सोजर

नाईहै। आयोकौतुकालप्यनमोल
डूर्लभिहालनयेजाहै पनपायोग्र
षेगूलपकराईहै। रहैबिप्रइमस
निनयोसुमनेंसुष्ठडी आयोयासं
नादुकरो। प्रायमनआईहै। प्रति
सनमानकायो। न्यायोजोईसौपि
रघोलागोगाठिबांधि [illegible] तब
बीनतीसुनाईहै। सतनजिमावो
नावैरासैलेकरावो नावैजेवोसुष
पावोकाजैबातमननाईहै सोघे
नायेकोठेपसचोरीकहासोपेरी
नचो। दुजनबुलायेदतकिन्ह
दाइयै जितनौ लिक्यौ ताते सो
गुनौबदतपेवपेरिरवासगुनौरै
पढाइये ५१५ [illegible] जसवलनत
जैमोलकी रुडाराघीरावड्र
तनसौभ्रतिनावनिरंतरभूतरनो
सी: करजोरेपकपायेकदतमन
ग्यानोसौ: आछिदावनवासकुज
डालसायनावैराध्याबलमसातलि

लिख्युषपावैकानीलीला [illegible] समर्पितो ।
१०॥ मूल ॥ [illegible] ककरा [illegible] गसेवैन
करि तिन प्रकृवलितारकौ [illegible] पौ
मोजंद प्र [illegible] तारकौ [illegible] जाए ।
कालककसोगाले [illegible] लो [illegible]
जोरा । [illegible] दलसोइ [illegible] पद्म [illegible]
[illegible] तैतार [illegible] पालेके [illegible]
वैसोवलायो [illegible] परसेवा
रगत तिन प्रकृवि [illegible] ॥
कूबा [illegible] ॥ [illegible]
कुलसोसतार [illegible] कनकेल । [illegible]
[illegible] सेवनमी [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

चरनलोगग्रगोमध्केमती॥१५७॥
आवतलामगमोडिष्टुटिगयेतनप
नसोचेकोपोस्योजबनडगटीद्षाऐ
है॥आपेदुस्नकोपोईघ्रगुरप्रेमनरि
नेक परचोपूरोदृपचारघाटकोपोहि
पाछेआयेलोगसोगकरतनरतनेनछ
नसबकलीकलाताहिनतआयेहैं॥न
किकोअनावयामैंनाव गोरखनो॥जि
नबिनकूपासरिषेकेसेजोतपायेहै॥
१५७॥मूल॥नगतिनारजुडेजुगल
चरमचरचरजगविदत॥बानोलाये
पालयुननगनारगुनारटदृषिणदि
सविसदासगावकासारजनन
नगतनसोंपेहनापेनजेगुरगोबि
दजैसे॥तिलक॥आधीनसुबरसे
तनप्रतितैसें॥अच्युतकुलपनपेक
रसनिबहोजपेजीमुषगहित॥नग
तिनारजुडेजुगलचरमधुरचरज
गविदत॥१५८॥[redacted]टीका॥
रहैगुरनारीहोनुसाध्केसेवालीयेप्रेसे
चदाईनरेरी तिलैचनाईहै जायेजल

लिखुबयावैकीनीलीसास्यमईतै-
१॥मूल॥ छंमःक्रकरीसागेस्सेवैन
रूलिनप्रहूबलिलारकोधो
मानंद प्र ध्योनंद्वारकोनुसार।
सोगानेरिचलो

जैतार

क्रकरीसोउपसेव
तिनप्रहूबलिलारकोधे॥१॥
को॥ कहतकुमारजग

आयेबहूसंत आ लिकरिलैअनंतसु
नअंतप्रपेसाध्योनसी
उं
उ ०
सिबेकौबनीया
कोमहैःकोपोछोलकलोतोलि
नीकैरोलिकरिलितसोजावायेजी
नैप्यारोपेकस्यामहै॥१रगछेद्वा

से ५५०॰ साधकरूप राधजलांहोनत
ला आवतनतोय सखसोंनसंततोहि
ग्रोंये देषिश्रीतिरीतिलखनिपरप्रे
जन्ये नयेभेजरलायेजासुआकबीरपा
हि आगेजौनितौरेनक्षराजडुगधा
रैचलीबोलैलसिआपकोजमिलै
डषदाईले कलौलाजलानिहईनईहै
सापूरनयोसेवाकोपूलापकतीकी
नगगाईये ५५१ कौलक्लपाकौ
रतिविसद प्रभपारषदसिषविलै
गरआसकरलीबिराजरूपनगवा
नलक्षुगुरुचभुदासजग अनैछाप
तरजूचतुरवख लाछैअदलूतरा
मिलषेअसनसाक्षेमखाचा रस
कैरायैमलगोरदेवोदामोदुतरिरंग
राचा सबैस्मंगलदासदुध्यस
ऊरंथरलडननट किलक्षपाकौ
तिविसद प्रभपारषद सिषप्रगट
५५२ रसरासिकपालिकनहि
राह नायनन निरमलसैन्यरुगा

निल। रिइग। धारलै ...हु है
...ौ प्रतपातर ...ध्यापूरी कौ प्रकाल
...न्न यौ जल ... मै बिर। कीनाभी
...यौ पूतिय ... नानर्थै बातप्रब
...तांजलो सा... ...गरे ...रप नारस
...तः कैरेनाको ...स्प ... दीब
...कैरोहोप्र ... ...न आस
...नइ है ... ...काल...ोको
...मौत्यत्तीया ...ाधि...कल
...निति नइ है ... प्रगह...ै
...ये सिष रसदे ... लकोधजा। न
...सिह प्रयाग ...ै दापूरनलन
...रसबन्नन ...ान दिवाक
...धारी। कौ ...िरदै किसै
...गनायन ... ...ौरप्रन ग
...धरैपिमर्छ ... ...रमधी...
...खिताप ...नस बैसो ... प्र
...जिन सिर ... श्रीग्रग ... नग
...नये सिप ...ै घरमको ... न
...रत ... ...स्रले...

अग्रिनिरांमकौ टिकांमहूतैं नहसेषौ
जुलाम: सेवासांमसौ पिछांनीते
सौ तिजातउामतनवांम अगनुकूल
ये कुलिपुलिअंगगतिम तिस्यकि
सांनीये ज्याजायलिगै नौरोरवन नाये
पितखांततलीये लीयेच्युतचा विपट
ज्ञानरजअग्रानीये ५९४२ पखेसीच
नारीकलालाजीयेविचारी: लाउच
मसैसवारीद तरतिखेनकांमकी
तातैहैसौ त्यागयमनसीये डिमजो
गय अरैलिखै [illegible] कहि सांचौ
तिस्यांम हां लाजकोनलाजजोपै
सेहनराजसूत बडेलो अखाजतौ
कैसैरछिविचोरनखी ज्ञाली नैरगैन
सौतसां नौ अनुरागरंग लगयेक
सौचली नाजीमतिवांनमी: ५९३
चौनिसि लिकसीयेवसालीयेभ
तिसौपुरजनसौहलतसुखि बिसर
हैं: नैरनयेलोयपरसौ पिलुमांत
[illegible] है अग्राप

स्यौरकेंघातनिकथांहूँप्रतिहरिं
वैाम्धकरछचनकूुलैलापे:
बिध्वितिन्हैलडावैाम्लावंचो
निरहुषनरतिन्धेतसी:

२१५४।मूल।।

रजतस्कम्कोरि८
।मैल्तनरासबिलासकू
तिनकोलोम्नस्कन्कोलकू
कार

कृ
स्यैलुंद्रुम्नगवोनक्लै।।१५५।।टीका।।
ज्ञावैमध्कपुरीनै
हिसहेमहाल्डर
ईयौासंतनजिसाथेना
साघाछेद्रुजिनकुलायेक

बिनचलततनश्रैसोजानौजोपै
ये चाहोकरौप्रीतिजसगाइये॥
कहोतुमकटीनाककटेजोपैहो
नाकपेकनगतिनाककलोकमेन
...ये॥बरसपचासलगबिषैहो...
बासकरैस्यौ॥लउनउदासन ...
कौचबाइये॥देषेसबलोगमेनर
बौ येकैस्याम॥जातेतजिकोमत
सेवामैलगाइये॥रातितैजोप्रातते
त औसेतनजातनपादयोलेसरू
पनूगयोतायेआयेहै॥५४७आये
निसबरतरिसेवापधरायेचाहिमन
कौलगाये वहा ८८८ ...
जातआवतनलावतमिलापकेहू...
पनुपपूछैहिजकहासुधिआइसैबी
स्योकोउजनस्यामस्यामसंगपगे
उनिअतिअनुरागे॥बेगपबबरिम
ाइहै॥कहोतुमजायेसभासौप्रसास
करौ॥कहीनृपआयासाहीपस्याल ७८

सि प्रतिताहितउवे॥ प्रमधरमनव
ध्याप्रधांन।। सरनसांचनिधप्रेमज
जडजसवंतनगतजेमांनको।। रुड
राषीराठवड।।१५६।।मूल।। हरीदास
नगतनहितधनिजननीयेकैजनै
अमितम्हागुनगोपिसारबिनुसोती
जानेी॥देषौकोतुलाधारदुरप्रासैने
ममानो।। देपेरभामपैजबिदतबुदाब
नपायो।।राधालु छेन लुलापगट
प्रतापदिषायो।। पूरधरमसाधनए
दिढकलजुगकांमधेनिमेगिनो॥
हरीदासनकुलहित धनिजननीयै
कैजनो।।१५७ हरीदासम्हाजनकीटीक
हरीदासबनिकसोकासीहिगबासजु
को।।ताकोपेम धनलनगत्यागेषुजन्
करी।।नयोजुरसोइपंजनयाडिगये
बैदतानबोलयोपूवानवरावलर
सऊमती।।बेठीज्यारिसतनकोहरी
प्रभुगीकारकरी।। धरोडोलामोजिमेकू
च्या१नइगलकेमरी।।चलेसाव
धानराजावलनको

सी अंतरंगषटौरसारी: नावळाव
ळोकिइगरसपचट जिनताथैईकी
र रजिडोनिसंर रजिताविये:थे
लतवैजाधैजिनटै लागयलल्ला
वलांसो • केलतग्रयारसुषरीकि
हैसवानीहै धुकेलकारसचाईलाकी
रीतिलैहिषाई नई नावळकनिसर
माईबातरनागीयानीहै ५५०
सवारयांनकेलरनावतौ : गंगउवाल
गंनीरसतरयासाकुंजकौरसषीन
कंग्रागवलिखियायो गजालगाय
कुंजगांव अथ कलाकैकरिगायो
कुल कै लिखुषसिंघ्यागग्रहरवु
तरस्वारसी लानसवैक्रि लिकागन
ग्रसहंग्रहनायवलवल्ली : कुंजबास
सहजलांयरजुस . नांहिछरण
रजग्रजलंकिगति सधारयांमन
नावतौगंगजगुवालगो च्यारसत
९३ टी अगीयनिग्रायैहुंदाब

नहोछौमैबुलायेकुलसायेप्रभुसंग
गाडीसोमा सोचेउरासोमिलाईये।
खोतातप्रभुपांतधरतांनसलाजात
ज्ञानबैनजानैसुखसोनैमननायेहै
बडेगुरुसिद्धगकेसाधुसिद्धबोल
लीनैकरजोरिकादिकेलनाईहै।।७४।
चालतनसोचोकीयाहुलसलाये
निललीयासुनिलोलेकरोबेगपेरह
पारीहैचहूदिसडारिसोजीरकरयो
नोतोप्रैसेचार आवेजनारसतै
रनिसवारोहै।आयेहरिप्यारेप्यार
औरतैनिलारेलौनलायेकाथोरेसी
सबीनेलेनचारीहै।नोजनकरमेदि
नबांचलगिआयेरहेपटपहेरायै
सुषदायेअलिजायेहै।।७५।।श्रीआगमा
गुरदईनोरआवोफिरिआसिपासि
ज्ञासुषरासिलालदेवजूनिहारेहै।
जजलबसनलनयेकलेप्रसनमन
चलेजातबेगसीसपायेनमैधारी
है।बेलादेवतोआकबारयतिधारस
धनचलेहेनन्हाईपुरुषिणाबिचारी
दोहा कौनतरूपकोधारिकै॥ ॥२॥
कंपाजिनपैकरी आजिकैन।

गरिनलागी विस्मातस्मरीति
लेख रैतनलाड्यौ न सबनातीहु
रमखिहल्नेड्यौरड्यौ परीन्नहि
नरि — बापुरे गुरुपरतापगादी
गली जीवतजसपुनिप्रभपद ला
खदासदैनोरबी १६५ नक्रनखित
नगर्दनरची देतीनाथोगुवालकी
निसदिनजैने विचारदास जिनवि
चिस्वपावे निस्कंदानन्दजाति
किनदेगतिलोरकुलनाव जमारथ
कीकोसलिपैरवारथफलीजांदे: इस
छोनतकराल सद्वालीलागुनगाव
म्भारतितरिसादरस्मश्रीलिरालित्र
तिपालकी : नहिनदित नगवन्र
चोदिलामाथोगुवालकी १६६
श्रीगुरसन्दुरपुरतापदेते सुनपरापथ
गणी : सोनलचवी चवनाथोरम
चरतान ब्यलहानौ नरहतसोनिस
प्रेमनाथकाल्लिसिसरदाते: सेरम
कमकि [illegible] हिस्नाहिमार

निगमपुरांनसारसास्त्रजू बिचा-
सौ ॥ न्यौं पारौ है पुरसौ सज्जनकौ सा
रकुजासंचौ ॥ श्रीरूपसनातनजू नई
मारायण न्यौ ॥ सौसरवसन रसा
ओंजतन करिनाकैराख्यौ ॥ पन्नीबस
गोपालसुवरागी ॥ प्रनुरागकौ प्रेम ॥
रसरासिजपासि [illegible] रिकिरजनोप
नरूनिरमलकैराख्यौ ॥ १६० मूल ॥ कठ
निकालकलजुगमैं ॥ करमैतान्हैकल
करसी ॥ नखु रघलिर लिसांगपक्ष
पदसौर तिजोरी ॥ [illegible] जगतकाफा-
सि चक्र तिनकी [illegible] तोरी ॥ निरमैंकुल
कपडग्राचलिपरसी जिनजारी ॥ [illegible]
तहुदाबननबास [illegible] कुथक रतनडर
संसारस्थार सुखको तिकरि ॥ फेरि न
ही तिनतनचली ॥ कठिनिकालकल
जुगमैं करमैतीनैं कैलंकरसी ॥ १६१
काबाई करमैतीकौ ॥ सेषावतनर-
कौ पिरोहितकाबेटाजो बालकै-

करकैं

वारयेकलायमैंमसालयाकैपाछै
चलिजाइयै।।प१९ज्ञानीपैलबातपै
चावैकाहजातपैलखबलाबिलात
लैचैनकौनठौरीहै।।जमनालौंआये
आचरजसोलगायो।।मनतनअन
वायो।।अतिवालारूपतरालै।।बरनी
यस्योमासपरव।।आयेगयौआग
याबरनलाहैयाकलाकरीहै।।लागी
यरपरीअनसमझिपरै नटलटी
नईननैंननारुरीहै।।प२०कपाये
नीकहैजामैंगहेजै।।नावनरेकरै
तिपाइप्रि।।पजज।।बपायोहैजा
रकैलैबायोपातस्यो८७२८।।
लहातीयानलीकोसमूहबरछ्यायो
आयेचोबदारकहैजै।।सोबा
बारझारीसुतआगेध्यस्योचाहैसं
।।चलतबसगगापू।।छैनु

।।प२१मक्कोनजगवानही
आनिबैठे

है।आसवोरहौरैनरग्रायेहिगहिरि
अजोनिजटकेकरककछिदेसजादुरा
है।जगद्गुरुगोपिकोतुअसेसाबुरोल
जी।जाकेबहुरुगगेअसोसुगेपि
स्तलाइहै।।५८८।।बीतेदिनतीनवाक
कलीमेंसकनसी।।बंकधतीतिरीति
सैकैसैगाइये।।ग्रायोकोउसंगति
संगगंगतीरग्राईलसासोग्रन्हायेदे
घनबनाइये।।हुटलपरस्वामपिता
कपुराग्राये।।यैलेबतायेजायेम
पूरमिलायेहै।।सज्जनविपक्षबूत
कुडजबरपैकचहिकैकरिदेषीनूं
सुवानिजायेहै।।५८५।।उतरिकैग्राव
रोयेपायेलपटायगयेकटीमेरान
जगमधनदिखाइये।।चलौगेसेवास
रे।।लोकनपलासिहरोसासघरजा
मतीसेवेचितलाइये।।कौनसिवबा
घरेबपकोबिनासकरेवासमेरैन
फिरमितजिवाइये।।बोलाकसंति
अनु

पावैपेकतुमहौ ब्रराजैहै रेवोदेस
गोवसदापावहीसोलोगेपारहोगहन
होनैकुष्मन ॥ पायेबहछाजेहै
संगदेमसोनेताहोकालमै पढाये
पोकपाटजाधिलेलालख्यायेजलधी
जेहै ॥ ५८७ ॥ दुनीयाजाहि दुबरो
कोहै सोनजनप्रताप मोटोमहंत स
रचारयुरसिषतमागप बिध्यिअगर
देषाई ॥ बातरिनीतदिबिसदहलगी
जहोकलजुगकाई ॥ राघोदहचिरसुना
प्रसदअ ॥ नापनतावै ॥ कथाकी
रतननेममिलेसंतनगुनगावै ॥ ता
तोल्यपूरै निकधजोछतत्र्यह निधी
सहत ॥ दुबरोजायेदुनीयाकेतन
नप्रतापमोटोमहंत ॥ १८८ ॥
सनकेदासतकौ चौकसचौकाये
मडी ॥ हरिताबायेपानप तिदपैभ
रच्छुबिराजै ॥ गावहसंगाबाद
रलनध्यौ नलछाजै ॥ नेलसैतुल
दास ॥ नरष्पावद कल्याणि नो

हिसौरै छिनपत्नीतिरीतिपूछौस
बात किसीनैलग्नभूपातबसैरंगी
भालैमैं बरजलग्नायो भूपजोपैकै
स्वायैत्यौंतु पांजेजोपै नागमैरै
जड़ाचारुभ्रगमैं कालंद्रकेतारन
दीनीरसरूपइग भूपलबीसरूपकथ
औरैकहाकरुजेवसंगमैं॥५८९॥
मूल॥जोबिंदचंदगुनग्रंथनिकोष
रंगसैनबानीबिसद॥जोधीगवाल
पितुमातननखिलनैकोयोनारी
हौनकेलिदीपंतप्रचूरप्रतिबुधि
छिन्नारीभरसखीगोपालकाल
सौलासैबिलसौ॥कापपकूलनदी
रन्नक्रिदिदजूनतनच्यतपो॥गौ
भातंवनरच्यालयच्यरतनतागैम
डलसरदा॥जोबिंदचंदगुनग्रंथन
कौ॥बनरगसैनीबानीबिसद॥६०॥
टीका॥बरंगसैनकी॥गुवालीदेरवा
सदारासकौसमाजकरैःसरदन

मनस्यालईसारंगसुनावेकोरजिरान
रीस्यांपेसै॥बलचाहूसंगसुरन्नरतहि
घ्यायेरंग॥श्रुतिहोरीजायेडुगभसवा
वलांपे सै॥ढलोकरजोदिविनंकरीदे
पेलधरीतीयेजीपेवृज चूमिरसां
[illegible]लसुनायेसै॥केहूकरिसाषिसीपे
[illegible]तेधुरायेसिंदरीदासलुभनेप
पे आनपाये॥[illegible]॥कल॥स्योली॥४
स्याहसंतनस नाहुतीपे[illegible]
हीपे प्रजन्तकि प्रतापच्य[illegible]
[illegible]भाव। स्यातांपविनको[illegible]
[illegible]मतिनाघे। [illegible]कालाह
[illegible]॥श्याती [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

नव्याई बिह्न जितिकु बेचनकी है
लोहि नकी नौ कान्हरदास संतन क्षेपा
लि सिहार दैल जोले ज्यौ ।१७२ ल
ख्यौ सद रेग्यो नि बिधि प्रेम धर मग्य
ति घात लक धाल्ली रल्ली थैक थैक
अन्त पदम अनुराग । उस बि तो न
अनतनौ संत संमल बड लागी तैसे
र मूल सम्रूल जुत फल कैसे ईपन सा ।
लि सिन रिदास लड हल व का बित रच
नाप निस रस । सुरस संत इदे
दय छिट के सब ग्रथि के उदार मन
लयौ ले रेग्यों नि बिधि प्रेम धर
कप्र ति पीलत न ।१७३ क्षेप
सरा मक लनु गौ के पतित नाव पाव
नकौ प्रा । न त्रि भागवत बिम
ष रुप लनो बिनल जाते जै से लोक पूर्व
क जैथि सल जमार गधाले निरम
लर तिकै को नि ग्रजा ते सदा उदासी ।
तल्ख इसौं तल सरलसी लक्ष्म सनाकी
वासी । दिल पद दास नथ धारत न ।

मूड़ेबलीयोभक्त॰ सिमहोछैपूरीपार॥
भ्योरैकलसंगैखली ध्वजा बिहुमसलो
द्यु जागकी॥ श्रीअग्रगुरुप्रतापतेपू
रीपरी प्रयागकी॥१६७ मूल॥ प्रगटअ
मितगुनप्रेमनिधि धनिविप्रजिह
नामधर्स्यौ॥ सुंदरसीलसुभावअतिमधु
रबानी मंगलकर॥ लालनकौंसुखदैन
कस्यौबहुघाटैघालर॥ सदनबसत
नित बिहरसार सुकलगलप्रसंगी॥ स
दाचारउदारनेमहरिदासप्रसंगी॥ दया
दृष्टिबसिआगरेकथालोगपावनकि
यौ॥ प्रगटअमितगुनप्रेमनिधि ध
निबिप्रजिहनामधर्स्यौ॥१६८॥ टीका॥
प्रेमनिधिकी कैसनिधिनामकैसे
बाग्म निराकस्या आगरैसहनिप
सैघजललयायेपैलेजरपासरलिजितति
ऋतिकामचनहीं … चलताकेसेंपूप
सड़ाईये जोपैअंधकारमैंचलैतोदि
गारनेहू चलेयो बिचारिनाचयुकैत

को आसकर राज की॥ नरवरपुर
राजानरवरजानौ॥ मोलनमू रि
येसेवानाकीकरीतै॥ शरीरसमेइ
तैसेौकौहारिपावतनजा नकोउ
मतिसरीतै॥ परचौकोउकामआ
अबसीलिवायल्यावोकतेप्रयोप
लोगकानमेंनधरीतै॥ आईफोज
रासखिरीजीयेलमारी॥ सुनिवह
तरारीपरीअतिषरबरातै॥ पर्यो
लिकैपटाईक गोकाजीयेलराई॥ स
रूचिकुपजाईचल्यआयोपतिआ
तै॥ परचौसोचनारी तबबातयो
चारी॥ ककलीआपयेकजावोगयो
अवरजपायोतै॥ सेवाकरि सि
सासटागतोयेनोमिपरे॥ देषेबडी
भेरपावपडगनलगायोतै॥ ६००
विचिकडारितबपाछेसो लितरि
कीयेमजरा बिचारि पालस्याउ
तिराजेतै॥ हितकौसचाईनै कुचा
तितचरचोचलाईनारसुनिआजे

गीत रसागी कथाप्यारी है कामें
हैरेझिरको ैकरौवें ह्रिये हिंमें
नौरे लाकौं ैरोव नाबैसें कसी
नन्लीतेरा रीमाल ैवागमोमों
ैयैकैजतउ वें ैलिं त्यारोने:
ैयेघाहिराघे दूजें न्धारतौ
चलेचौव ैके कैद्रनुधा
नैः ५ ५५ से व्याहलिस्पू
कैस्पव कापिवाकोः
प्रकृतिप्या गौलैः पावोजः
लाभ्रावव वषानतवर्ग्गः
सौले कौपि क्षैकौ नरागं १
रिमारीलान्यैरेसुलीनहाव रसे
ती ग्रापकुलानैजोर्प्यावैव
गोनैः सौतौ हकस्योसदि ग्रक
स्योइस्योल्लवे नोव नावकी सेव
तैजागीहै ५५ः सौरेनरत गीलं
वैगपर्दैलिवापेल्यायेरैघिरः परं
पाय नपदुगन्नीजैहैः सांर्वान
पैजापे ग्रवतापावावेलीः ग्रौजै

सिसुजानकै॥हरिजन्हिकैलाईगुन
गंभीर॥बांटैपरोकस्यांन॥७७ मूल॥
बीठलदासहरिजन्हिकैदेनतापल
डुलीयौ॥स्प्रादिप्रतिनिरबाहजन्हि
पदरजभूतधारी॥रल्योंजग।दीसे
ति नुछजानैसंसारी॥प्रन्हलापति
कोपधनिप्रगटकुलदीपप्रगासी
महतसन्यांभैमन [illegible] जानैरदासी
पदपदतनईप्रिलोक। तिगुरगोबिं
दजुगफलदीयौ॥बीठलदासहरिकै
देनतापलाडुलीयौ॥७८ मूल॥भ
गवंतरचेनारीनरु भनजनकेसन
मानकूं॥काहबीरंगसुमति।स
दानंदसरबसत्यागी॥स्योमदासल
कलेभीभजनपर [illegible] मूल॥भी
स्समूदितकल्यानपुसबसीनाराय
नकेतायुबालगोपाल॥सकरलाल
परायेण॥संतसेयेकारजकोयाती
घतस्यांम। जानकी॥भगवंतरचे
नारीकतनजनकेसनमानकी॥
॥तिल। [illegible]

बांवै॥हायरिसनरिकैसुनायेहै॥ऐतो
अपमानिपानि॥दृषिणा सैहायेअ
होनउपजगदेवजूकोअसीक।हापा
दुहै॥तासोंदसगुनीलाजेमोकोसो
हाआयेहाजे॥ईनहाजायेका॥मो
हियेसुहाईहै॥६०३॥कितौसमुझावै
स्यावोकहेथे॥जब॥लागीगईबडना
गीपासिवसतमेरा॥हाजाये॥काटि
दीयोसासतनरहे॥ सतिलयोल्या
ईबकसीसयारहोमिहेमिलाजीये
कोल्यकैहिमायोनरपमकुरछागपराये
ननयनकीनबातअबयाकोकहाको
॥ये॥मैजूहानीलायजोनिश्रानियाव
हारिहईलईवाकीराजिपदतानसुनि
भाजीये॥६०४॥सुनाजगदेवरीतिभाति
नृपराजसुतापिसोबधोनिकसावात
कैलदोडीये॥तबतौबुलायेसमझा
येबहुभांतिमोस्यबचनसुनाये॥
भूजूबेटीमेरालाजीये॥नयोसतभार
जबकहाडारामारिचलेमारिबेको॥

शिये बिगै रामदाससहैलेप्रेम
जानै॥बोलाश्रुमानंदके जुजासब
धर्मकीबडी॥हासनिद्धासंतकी चौ
रस चोकोमिडी॥१७०॥मूल॥गुब
सायरीरसाधनसबलयेबाईहरिन
गतिबलसदमीप्रगटसबदुनी।राम
बाईबीराहरिरंग निलालीनारोल
भिनीजुगलिपारबतीजगलघनि
बोचनिकेसीघनोगोमतीनकि
जुपासनि बिहरानी बिदतिगंगा
जमुनारैदासनि॥जावांतरघान
केसिनिकूरिसदोकीरतिप्रमलप्र
बलासरीरसाधनसबलयेबाईहरि
गतिबल॥मूल॥कीलरदाससंत
निकृपाहरिसिरहैलाहोलाये।श्रगु
रूसरोंग्राये सेकिनारगसलिहानै
संसारीघरसहीछाडिकुअ सिखांच
पिछानौ॥जोसाबादुरमचंदजगत
सौंकीबिछिनारो॥अबनूरसनि
छिनुनीनिगंचारश्रतिचारो॥नर्वि

पेमैनकुकौंकलंक ॥ ७ ॥ भूपैसेक
ल्तीसाफकटतान जाईसै ॥ नईनाजु
नारी बिषैबासच्यौपेड़ारीनाकैजिके
सुघरासिंचालेकहत विजाइपानी
पैरमगनकाये ॥ नानाविधि सुघड़ी
पे ॥ दायेपैनजांनमिलैलालनलड़ा
इये ॥ जोबिरहअनुजजाकेबासुरीको
सोचैयनमनमैनल्याये [illegible] न
पयलीबिधिगाइये ॥ ६० ॥ [illegible] ने
रकुवरकृस्नदासकौ निजपदतेनूप
रदीयो ॥ तानमान सुरताल सु लेस
दरिसोहे ॥ सुअंगअंगनंगगानन
पमोकोकौहै ॥ रत्नाकरसंगीतराग
मालारंगरासो ॥ [illegible] प्रतिपाल
नकृपदरैनिजवासी ॥ स्वरणकार
[illegible] जनपनैहिलि
यो ॥ नंदकु[illegible] सकौ ॥ निजप
तेनूपरदीयो ॥ ६१ ॥ [illegible] सुनार
[illegible] कृस्नदास सुनार राषी
मुसुकसां लीयो ॥ सेवककरिपाछे
दागादीवाली जु कमकौ [illegible] तिसाद
लीकोदेदे कै [illegible] चंबुके बाद ।

लग्रामदेवे
करयाकरि डिढदीया॥केवलराम
लजुगकापतीतिजीवपावनकीया॥
नरहरजी
७४॥टीकाकेवलरामकी॥
लोकनसेवाकी
कलै पदैदीजेमोकोंलि
रेमैत्तेषध
नामलाजेचिललाथेकोंरे
ैपन्हूसे
सबासकहेमनचारादीयै
नानिध
कोरी तिसि॥थकोंकरनानिध
नकोनसुनेनहाकोंन
लकेल
गायो॥लोटिस्याःआयकोंजप
इसो॥
प्रगटतनकनकीसचाईमूलौनयत
राकारकलौकसैलकाथेकैं॥५९॥च
मूल॥श्रीमोहनमिश्रतपदकमल
सकरराजसबिस्वलस्यो॥धरमसील
गुनसीवकका जागौतराजरिषि
राजकुलदीप।जीनसुतबिदित
ल.स्यध।सदाचारअतिचतुर बि
लबानीच नापदासूरचारनदार
नैनलपनक्षिनिरदासीतापी
राधासबरमदननेमकरमधर
श्रीमोहनी॥
र

चौचपौहै इसरीकै लसासकलि
जीति ॥ [illegible] ॥ वैसे
यु कामैदेवै सिंगहार आयगयोलै
पैचौ छिर तो अतिप्रिय जू आयोलै
दईजा [illegible] मकारिई कीजी पैप्रताप
अजू ॥ महैमो अपार चरमकबनि
बताये हैहार पोइसनआयसोचे
मैं रहौनजाये ॥ परसचाइदुष
जानपानबिलायोहै ॥ अंजलदेव
ताकौ गाबल [illegible] रकरिकैं न
सकैजनमनन रमायोहै ॥ ६१ ॥
[illegible] ॥ चलीचोति निबसी न कैस
सगरा अरदासकी ॥ लालबिहारी
जपतहैं निसबासरिफूल्यो ॥ सो
वासहजिसननेह रसराअनदरस
फूल्यौ ॥ न क्रनसौं प्रतिसीतिरीति
सबलामन नाई ॥ आसपेम पिक
उदार रसना तरिकारीतिगाई ॥
रिबिस्वासहायअनिकैसपनै
हूं अननआसकी ॥ चलीचोतिन

कैं बीते दिन को उन पत्न कैसे समाये ॥
ऐ थापति दुषयाको सुनी लोग रिषी
जैसैं ॥ कैरे बिप्र से बालिनै गांव लिषि
नारे ॥ दाषे वाके आनप्यानै ॥ लाड करै
कैसे थाजासैं ॥ ८० ॥ मूल ॥ जै लिं बन
न कैनन जेसु रिषि ॥ तिल निरिबस कैं
कथा कारतन प्रीति संतसे लाग मनूरा
गी ॥ परायापुरपारी लिता ॥ हि कैसे सर
बसत्यागी ॥ संतो बासु दिसाल पूसैं
असीप नलावै ॥ … बहु पान लोलाये
लिरैलर गोबिंद गावै ॥ सिंध्रिस प्रुतश्री
रामकौ जुदत पारस दुंगसको ॥ जै बिं
बन … नि … जैसरि … लि प्रुती
तिल रिबस के ॥ १७ ॥ मूल ॥ सरिन …
न साई गुनगं नारबोटे परीक्ष्यांजै
नव किसोर हि डिबू तिग भूलें लागार
गयेकधार ॥ … बचन मनहर
न सुपद जानत संसार ॥ अनुप कार ॥
बिचार सदा … नाकारासी ॥ …
चसरवसरदय मेक्षपदरै निजवासी ॥

घटेबैगुलको॥ नयोजुपदेसन्तलि
देसजैनजान्यौ॥साधकन्तिकोवि
सिसइ हिजांनेतेन्नाबूमेलको॥६१७।
मूलनगवनललाङ्गरोगाः तिनि
तस्ठ तर्हसालसजनसरस॥न–
नन्नावृष्णाः उकु पुद्गुलजुलदल
लितजस॥श्रीताश्री– गैातरताल
ताश्रुयारस्स॥मघरा॥ रीनिवास
श्रासपदसंतनियकवित॥श्राज्त
वोजीस्याम व्याम सुषकरश्रनू
रहित॥प्रतिगंन्तारसुधारम ति
ललसतनन॥ ७॥ इस॥ नगवान
दासश्रास्हतनिति सुन्दर्हसाल
सैज्ञानसरस॥ १चारीबाजा नि
कौपन पृथ्वीपतिमनश्राघुपोंडु
ऐलै दिवाई॥मालातिलकन्धारि
ऐकान्तश्रानश्रा नलोमकेतेक
ताउपदीये॥श्रुछापेनसीजातजानि
९ उपमाीरीये॥नेवा॥ ६८॥ रचनाक्ति
सबरासिन्नस्चो॥कैस्योलेसुदेस
६३।

रिनिरभयो॥सरणागतिग्रौसिवर
निरध्यौचैबल्यश्रमभरमभूलाइ
सिजगदेवदेनकोलि॥बालागतवो
नैतिनकूपनधरमधुरधारानुवर
कुलदीपकसंतसेवानितिअनुसर
[illegible]॥पतिषपोहिअचरजकलिन सव
सजगमैजसलीयो॥तिलकदामसंको
ककौ नरादासहरिनिरभयो॥१८०॥
टीकाप्रसलादमा [illegible] नाभा
ये॥गुनभागवतसबयेकवोस्याभैदेवे
नरादासकौ॥श्रीजगदेवसोयोकहै
केवधानकायो॥आवैलनकोनसुनौ
करौलैप्रकासतैरहै॥येकनरीस्तिर
पगुनजटीगावैस्वामाचरटपरीमोहर
वैदुमेतासकै॥राजाराजाज्ञोकरेवे
वेकोबिचारघेनयावैसारकोटेस्वा
राख्यो॥इतैरेपातिलौ॥दीपोकरदास
सैं साखोंनसाखोंबोकाहू॥सुलीयव
जानैदनावलोलुलायेहै॥निनतिक
जादुरीज्ञिसेलोकलोभायेहै॥पोड

कत्रतिलीयो ॥ प्रकथरम बिसता
हित प्रगटनयेनी हिनतथा ॥ सेव
रसोन्न रामकै ॥ तौसंततिनव
कथा ॥ १२० ॥ ब्लल ॥ बुडाये बिदत
नलरक्तपालक्ष्मातमारामआग
इसी ॥ कमकैकीयं त्तहूं तकुलप्र
उजागू ॥ भ्रमोसा ... नोर सरव
लषिनकेआगर ॥ सरवसूहरि
नजोनिहिरदै अनुरागप्रकासैं ॥
सनबस. सनमान करतश्रुति
उजलआसै ॥ सोनूरामप्रसाहृत
कृपाइछिसबप्रबसी ॥ कबूडाये
बिदतकनलरक्तपा. ... तमारा
आगमडूसी ॥ नक्रूरततनमालाल
धनजो बिंदकर बिकासकीये ॥ रू
चारसीघनलीललालरूचि सुभ
तिसरतिपति ॥ निबधिनहि
अनूरक्त बिकबहूचरतचतुर
अति ॥ लघुदीरघस्वे ॥ बचनअ

होलावसेमेरोसतिन्नानीसोहूविसेन
देहैकुहीस्यावोलाटिकूडल्याखेचाहि
सासग्राषितकोंगयो षिरसोफायेनि
छरिजिवौरीतिलानीलिसतारयेद॥
सुनौसाचकसेवाहिदासजूनेकरौप्र
भुदानसंतसोसै देसोऽअनंतलुप
चौसवजोंनिनतैतेडलाचिलसघरौदि
दोतमिल्यसोवैनिलुगीषसको घान
परिगातप्रगाससोहै सुख्यनहापर
हैहोतुनकेकरिहेकोवडैसरसप्र
पुचाहरिनसहैनाचैहै प्रापेध्यान
रोहै२ जागपरेदोऽप्ररवरेदेपिच
हरिकोपेषियतचालोस्डतापितापन
जानीसै संतड्रालेषचलेह
गलये गयेलेइलोतकैंघोहेहिट
नीहै नेकुसाहधानहोकेन
नीसंककोसहुष्टराजवि
कहूबानीसै नुनकूतोला
रैसमिनितायेनेराउरे
नीनहोतसुप्रसतीहै

नरिबेकौचले॥ आगैआगैसरूप
छुरहे॥ त्यावैजलसीसरईसनरहो
तीपैरगहौ॥ सोनजस [illegible] तजे
सिंघजूकेहलासनयो॥ [illegible] देष्यौ
दिलीमोकिनीरत्यावत [illegible] नगती
भूमिपरि बिनैकरी॥ षरादेतभू
तौनैजातेनयोनकरनीजिगयू
षसंगहौ॥६१४॥ नृपतिजैसिंघ
जूसो [illegible] बोल्योकहानलमेरेतरी
जौबसनताकोगर्वकौनपाउ॥
मैनामदीपकुवरिसोबडलक्षि
मानजानिवहरसषानिप्रेक
षूकलडाउमै॥ स्मुनिसुषचारी
नयो तौ रासवासोदारा॥ न्योप
गावकोटिफेरिदीयैहरिष्योनु
मै॥ लिषिकेपठाईबा [illegible] करैसो
करणदीजे॥ साथकसेवाकरिनि
सदिनगोतमै॥६१५॥ मन [illegible] गपरम
षरनगवालगोपालकोसवास

नरतिगोल बिसा [illegible] गये॥ तोकरि
मगनकाह दिलतन सुखि चली ये
कपगनु परसो उपस्योनसत्कारी है॥
त्यालप्रतिरगन्हे॥ जोनो॥ तिनग
नईपाये निजबोल्य उप्रायो छो योसु
घनारीये॥ के विसु षिउपाई है षि घा
रलेबनाई नैनकार तियोखाई उग
यहिलागी प्यारी है॥ ६०॥ सी मूल॥ प
कथरम ब्रतिपो बलो सन्यासी थे कु
टसनिश्चितसुघटीकाकारन्ह तिसर
जोपुरायी॥ दामोदरतीरथ रहे बोम
प्रूरचनविधिन्नली चई ौ देयसरि
नकौ नरसिंहारनकीनी॥ नाधोमथ
सूदनसरसुती प्रसरसकारतिली
नी प्रबोधानंदनाम नई गहालेदले
लजुगथनिं प्रलथरम ब्रतिपोबको
सन्यासीये॥ कुकटमनिश्री हरादी
काप्रबोधानंदकी॥ प्रबोधानंदजु
रसिक आनंदकंद श्रीचेतनिचंदज
के पारषंप्याने है राधाकृस्न कुंजके
लि निपटनवेलकही उलरस पदे

लरिबेकौचलै॥आगैआगैसरदपा
छुरहे॥ल्यावैजलसासईसनस्यो
हीयारगहै॥सुनिजसवत जे
सिंधुजूकेहलासनयो॥ देखो
दिसीमा॥रिनीर ल्यावतअनगल
नृमिपरिबिनेकरी॥घरादेहलु
हीनेजातेनयोनहनीजिगये
पसंगसी॥१९॥नपतिजेसिध
जूसौ बोल्योकहानलमेरेते
जोबदनताकोगधकोनपावै
मैनामदीपकुवरिसोबड़ीलग
मानजोनिवूहरसपा निम्रपे
छकलडोजमै॥सु निसुप ना
नयोहुतो नासवासोदारी॥
गावकोटिफेरिदायेहरिल्या
मैं॥सिधिकेपठाईबा डुकेर
करणादीजे॥साच्छसेवाकरि
सदिनगोजमें॥६२०॥म्आग
घरनगवालगोपालकोस

कीनि

बलौ नृसिंहगढ़ अंबरदास कौ ॥१२५
टीका गदाधरदासजू कौ ॥ बुरहा
नपुर ॥ दिग बागतामें बैठे आय
करि अनुराग गरुतागपपागे स्व
मसौ ॥ गांवमें न जात कितेलोगदा
साघातल कसी नि लीये गातनते
मश्रीरकांसो ॥ परचौ अतिकोरहै
तब सनति जाय डारेलतवहरिप्या
रेबोलेमरअपरानसों नीरिनी
विल्याये हरिवचनसुनाये जबलब
करवायो नबोकहु सवा ॥ रिकै
अनूप घरायेनोमलतास्रो विकसे
स्यानअतिअपरानिरूपरसत्नने
हरिकौ करैसाधुसेवातानें निपट
प्रसन्नहोतबासैं भल्कुरसोकै य
गुरिकौ ॥ करतरसोईजोइ गाधर्घ
छिपायेसामो ॥ आपेधर सलप्राय
कत में वोपधीरिकै ॥
नूनूघरतो ॥ ताकेलीपरतो
व्यौत व आपडो नीर

पोषकों जगतजसे चाओतरी भग
रअंगमे प्रेमनेमिसो मोहनसेवा
कलजुगकलूषनलज्यो हासतंक
बहुनचुवा बोनासोतलसुवदस
रुअजो बिंदधुनिलागी लषिा
कलागेनारथारसतनिअनुराग
अंतरसुहसदारहे रसपकनहु
निजवरथवगोपालीजनपोषके
जगतजसे चाओतरी १२५ मूल
श्रीरामदासररसरीतिसो नलो
तिसेवतनकु सातलप्रमसुस
बचनकोमलमषनिकसे नो
नदितरबिदेषिहिरदेबाराज
बिकसे प्रतिआनदमनउम
सतप्रचरीयाकरली चरणधे
देडोतविवधि भोजनबिसत
बछबने बास बिस्वास
जुगलचरणनुरजगमतो श्री
दासररसरीतिसो नलीनो तिसेवु

वेस्वरी तिलागोप्यारी है॥ राजो नर
परे षिरीजिमपुरी निवासपायेमि
ल्हिकरायेहरि दिवसो निहारायेसी
मूल॥ ७ नक्रिपषि नदारतायेहनी
रवलाकल्यानकी॥ जगनाथकोद
स निपुनरुषु तिष्ठ न्मननायो॥ प्र
मपारषदसकुजिजानिषीये निव
टिबुलाये॥ प्रानपमोनोकरतनेस
रकोपतिसोजो स्यो॥ रतनदारायन
प्रानमोरतिनको जैमातोस्यो॥ कौ
चन[illegible] प्रानठरमें रहसो रामनी
मनुबजानकी॥ जगतिपषितदार
तायेनिरवलाकल्यानकी॥ ११९ मू
ल॥ सोदुसोन्तूरामके सुनोसतति
नकोकथा॥ सतदासदिठभूतजग
तष्ठोलाकरिडास्यो॥ मरेमा म्हा प्रवे
नन्नकवितचरमविचास्यो॥ वहे
स्योमाप्योदास नजनबलप्रचारी
हो

बिप्रसारस्तुतभुरजनमा॥रामराय
हरिरतिकरी॥भक्तिग्यानबैरागलो
गभ्रंवगतिपागेपा॥कामक्रोमदलो
लमोहमत्सरसबत्यागेपो कथा
कीरतनमें गनसदाग्यानदरस
दूत्यो॥संतनिरषिमनमुदितजु
दितरबिपकजेपूल्यो॥बैरनावू
निजद्वारकाथेतासुपागबिस्यतै
परी॥बिप्रसारसुतध्रुरिजनमरा
मरायहरिरतिकरी॥१२७॥मूल॥
भगवतमुदितउदारजस रस
रसनाआस्वादकाय॥कुंजबालरी
लिसदाग्वभक्तिप्रत्यासे॥रूपति
[illegible]तिपमतिप्रका
ध नैनिजनरसरीतिपुष्टम
गकरिदेषी॥बिधिनिषेदबल
जपपागपरतिहिरदेबसेषी॥म
थवैस्तुतसमतरसिकतिलक
मधुरिसेवलीयै भगवत

सद्धनचारन॥ बिस्व वासबिस्वा
सदास पुचै बिसलानलो। जो निज
गतसितसर्वगुननिसुसमनिर
ये॥ दास दाँदौ नंकरतनमालस
घन गोबिंद कंठ बिलासकीये॥
१२२॥ मूल॥ नहिसनलनवतोष
करिसतनसों लैकासोकुवर॥ श्री
जुतनरपकनिजगतस्यछ्रिहि
नगतिप्रगासत॥ छैकश्रीलिखी
पैसुबसिसीसलिखिलीलानाये॥
जासु सुजससुसजहाँकुदलखलि
कलिजुगध्याये को॥ शूगधगुदलद
पुगटसुनटलडू कविसुमहापवके
प्रतिताप्रचंड मारतंड सवनतम
षंडनदोरदंडजरी॥ नहिसनलन
नवतोषकरिसतनसौलिखासो
कुवर॥१२३॥ टीका॥ जगतके पन
मनसेवानारायराजकी नयेंग्रे
जैसोपाराय॥ रहे डोलासंगसे॥

रेवृंदाबनपनमतिषाजोहै।
तौ ४ सालगरदासकोनंगीवारा।
ारकीयेते विचार आगपासप
नआयेहे।रेसुसलदेनोनाप
रच्यकेहायेकरसि नरबतेव
नबासीजा छुरायेहे।कानोघर
ोरीतजेकेकोना र।मोरानोति
ो रामतिरंगलालप्यारीइगछा
युहे।बडबडभागीछिनूरमोरति
जागीजगकाचवरसिकबा तस
नांयतापायहे।हरषायोमत
कालजोनिवसपिविष्ठानिसब
आगरतेलेकेचले।वृंदाबनजाय
हे।आयेआचारुरिसुषिशईबीत
चूरहोके।कहोलायेजातकूरक
होजाईछायेहे। पेरानेप
नजायेबेको पावनहोइरेवासअ
वैपुधापायेकोननाथहोजान
रहोयेसोहोजायेगोजुनपासिके

चलौसंगकौ॥डिमीनन्हप्रसिद्धगो
न्हूतिगरगदलोनी॥प्रन्प्रन्सो
श्रीतिप्रगररसैजानिसोनी॥निरत
करतश्रामोदविपनिलनबसन
बिसारे॥ताटकपरलिलदानरी
ततकालतो॥मालपुरेकगल
करा॥रासरचौरसरंगकौ॥गौर
धरनिगवालगोपालको सखी
सांचलौसंगकौ॥रिमटीकाहीर
धरनिगवालसाथकसेलानीकोप्रा
लजाकौरद॥खेलतलालेति प्रीति
सांचीपाईहै॥खेलतनंघरं हतेले
तचरनाकरलजै॥प्रोरप्रबरीति
जह कापेजातगाईहै॥मैयं हिजपं
चयेकठौरसोप्रपंचमालमेप्रानो
सन्ना नांजिकहै छोडलसुहा
है॥ताकेप्रनावलहतेहमेप्रजानजा
नो॥मिरतकयेबुधिताकौबोयोस
निन्नाईहै॥टरी॥मूल॥गोपाला..

॥१२९॥ मूल॥ हरि जस प्रीति हरिदा
स के ॥ त्यौं हरि नावै हरिदास जू सुखा॥
नेह प्रसिद्ध अष्टट निबहै चौ जग
आयो अ॰ परकौ नृतकरब स्याम
अपने कुष गायो ॥ आनत आत
ग प्रीति सब ही ॥ गजौनै ॥ पू
स रघुबीर नृत्यकार तिजू बषा
नु गुन अनुराग गुन बरनतै ॥ सात
निलि लोप बलि ॥ हरि लज सरै
दास को ॥ त्यौं हरि नावै हरिदास
जस ॥१३०॥ मूल॥ नृतकरब स्वत
तन को ॥ १ चरन को जनि करो ॥
रबास ख तिस्याम दास बसतारि
नाषी ॥ २ गज पुनि पहैला हरि
मसबरी फलसाषी ॥ र ... ६
नो पचर रा ष्यो मेजु रुठाई ॥ बसै पा
वू बिपति निवारि दायो बिषबिषी
पापाई कलि प्रबेस पुचौ प्रगट अ
स्तीक कै घ्यत घर ॥ नृतकरै स

चलैसंगकौ॥डेमीनक्रप्रसिद्ध गो
ऋयुतिगहगहछांनी॥प्रेम प्रनूस
प्रीति प्रगटरस्हैनालिखौंनी॥निरत
करतआमोद बिप नितनवसन
बिसारे॥लटकपरलिलदानरी
ततकालमतारे॥मालपुरेमंगल
करा॥रासरच्यौरसरंगकौ॥गी
धरनिगवालगोपालकौ सखा
सांचलैसंगकौ॥१२५॥टीका॥गी
धरनिगवालसाधकसेवालाकौ
लजाकौ॥६४॥छोनालालसात प्री
सांचीपाइहै॥सेतलनघटैहतैं
तचरनामरतजो॥और प्रबरीति
कहंकापैजातगाईहै॥नयेद्विज
चयेकठौरसोप्रपंचमान्यौश्रु
सनामोजिकैसे छोड़ेलसुसाधु
सेताकेंअनावमहलेहमैं प्रनाव
नौ॥मिरतकयौबुधिताकौबारोस
निनाईहै॥६२९॥मूल॥गोपालजन

१३ पजोहरिप्रीतिकोग्रासलैतौलरि
जनकोगुनगुनंगाये।।नातरिसकैंतु
हेबाजड्यौ।। ....
१४ पौन ..सकसंयहै रैकेपनस
रवैप्रनूमोद।। सोपुन्नुकौप्यारोपुत्र
प्योंबेरे हरिकोगोद।।१४०।।पन्नुतपु
रजसपकेबेरह्यौ।।जाकोमतिप्रनू
रागी।।नेनकोनि...कुतको
नसेहोयबिनागी।।१४१।।नहिरो
मजिनहूं नकयो।।तिनकोहूठनि
नाये।।मौनतिसारुअभिरहे।। को
सेसिलौबिनाये।।१४२।।काहूकेबल
लोगजप।।कुलकरनाकोग्रास।।
नकौंमाला...प्रयुभे रबस्यौनरा
प्रणदास।।१४३।।येतीनन्तसमालश्रीन
ायेतादीसडूत्तमूलके समातपत्ता।।
श्रपदीकाकैश्रीहरिगुनबरनन।।क
वित।। रसिकाईजौलिहदानीतिनपाई
नईसरसाईलियेनवनचायेतैः
रंगनवनमैराधिकारवनबसे

टीकारामदासजूकी॥ सुनियेकस
कआयोन्हकिनावेदेषिवेकौवैठ
रामदासपूछेरामदासकौनहै॥ उ
ठेआपकोयेपाछेआवेरामदासअ
[illegible]रामदासकहामेरेचालैगोन
हे॥ चलोजूप्रसादलीजे हाजेराम
दासअनियेसोरामदासपगधा
रोनित्तजौनहै॥ लिपटानोपायेन
सोचाहिनसकोतिनोहिजायनि
नस्यौसायेआयौजसमजौनहै॥ ६२२
बेटाकोबिवाहघरबडोउछलसोत्न
येकापेपकवाननानोकोठाम
भिपरेहे कोरेरखवारोहुतनातीसु
हीयेतारोरहे औरहोलगायतारीक
लिनलीडरेहै॥ आपेगुरुसंतलिने
रबधायदई पायेयोअनतहुकै
सैन्नावचनरेहै॥ सेवाश्रीबिहारील
लगाईपांकरवघताईमेरेमनचा
सबसाकन्नरहरहे॥ ६२३॥ मूल॥

चतकहतग्रस्थलागेः तिसे
हनीजोयैप्रेमलबिनांकोचोर्हि
अबगायाधिहिरितै
कनैनैनहजोस्नीटोकाभ्रसूं
हनामनूल्पतातिः नैजवारस
कअन्यंनिकुषहातबिसुमोहनी
नानाजूकोअभिलाष रनलके
पोमैतोताकोसाषिमप्रथमस
नाईनाकेगायेः नर्लिबि
स्वासजाकेताःसेप्रकासकीजे
नाजैरंगहाघोसी
केः सिद्दरससाकत जुन
तरफोगुलमासबधिसपतमी
बितायेकेदनारायणदासस
षरासिनकूमालकोघायाद
संतरबसार 1497
गाः जलबुडवावो
नादेः
पिवावे नावेबांधूकेवाहांको

दी ६

हितजुदासव्रजसरसरसनोंअस्वादकी
है॥१२५॥टीका॥ सुजाकेहिवांनन्न
गवेतरसरवतनयेग्वृंदावनबा
सिनकीसेवाअैसीकरीहै। बिप्रके
गुसांईसाध्कोतबूजबासीजाह
हैहबलोप्वेनयेकप्रीतिमतिसरी
है। सुनागुरदेवअधिकारीआगे
बिदरेवनोमनहरिदासजायदेषेच
तभ्रयोहैजोअगताईसौवांप्रत्तदूध
न्तातमारापलायोकायोजुतसारुत
जपैषेंअरवरोहै। हरवासुनागुरस्व
वतऽश्वभावतैकिहअगरंगन्तरिती
यासौंजकलोकताकोजीयाबोली
घरबारपटसब तिन्हेडारसबचे
टकेरिदाजेयेकघोतीधारिलीजीये
रीऊसुनीबानीसाचोन किंतेही
जांनीअैरेअतिमनमांनी कह्योआ
वैजलैन्ताजीयेहू यतोबातसुनीपरी
कांनमेंश्रीगुसांईजीनिआयेफे

कौलाघसों ... गोलगाये लाघत
सीकै ... कौंमनीसोंलागौ
रसै सुवारथकेमा लिवते सतन
कामै मालकसै तालासौंलरतुहै
तिलककौकसै माटी तुरसीकौं म
रकाठीनिदालाकौंपाप कूपमैप्र
तुहै चरणसरतसीत सौन थीति
...जाकै नकमाललालताकौं क
ननध्यरतुहै २ ...
... निरगुनभ्र नमालिनेरक
छजानौंनाहि ... लासरूपमा
वनक्रिसौंरिझायोहै सतनकौंप
वू सीतबरनामृतकौ लेवू तनम
नधनदेवू माला तिलकबनायो
हौ काहुकौ नश्वास ... भूकावि
स्वास दासनिकौ दासलायुम्रूसेलो
निवायोहै ... सन्मानलैजानौ क
लानरनारी ताकै ताकौं मक्रिमा
लमोलिनाना स्वामीलायोहै ३

न्नावर सितासौ देरन्वल्य पायेतै
ज्यमूल॥ दुलन मानजदे रुकोल
कतीलारुलायो॥गोसिसांसै
तिप्रीतिरुमनलूसै॥कुंज
सौ॥बसीवटसौं प्रीतिप्रीति
रजपुंजनसो॥गोकुलगुरुजन
प्रीतिप्रीतिनवा रैननसौ।म
गुरासौ प्रीतिप्रीतिघरगो
धनसौ॥बासम्रूटलदुं बिपनि
दूदकरिसौ॥गराकायो॥दुलन
मानघदे रुकोलासमतीलाहेलीयो
रट मूल॥कबिजनकरतबिचार
इडाकोजताहिननाजे॥कोरकेन
वनिबडो॥जगतआधारजनाजे॥
से धारी सिरसेससेससिव नूषन
कासो सिवप्रसि नके लास नुन
नरिरवणलीनो॥रावणजीतोबा
लिबालिरा त्रयकसायकडे॥प्र
यकरुत्रीलोकमे रुरिउरधारेतेबडे

रक्तिमालसुध नां सेमवत
ऐती श्री भक्तमालसं पूरण समाप्
कीती सांवण सुदि ५ गुरवार॥ सं
वंत १८५५॥ लीषतं वैरागी जिरागो
तापसिंघ कारजु कौसवाईजैपुरमे
तो डूंगरी॥ दसषत गुसांई पूरणदा
जी कोसवंना॥ जो दगुलांम चरण
की रजदास नदास खुसालदास कैसौ
दास का जौ कोई बांचै सुणै त्यां संत
नै डंडौत कोल्यूं लै सौ बारह जार
जार साषी॥ बांचै पढै सीषै सुणौ
रलरां कौं ध्यांन॥ केसोदास गुलांम
तिनकूं बारंबार प्रनाम॥ साषी॥
अधिरदूर तुकघटै॥ लेहो संत सुध
रिामम औगुणस बबकसहो षेसु
उतारो पार॥ साषी॥ रचक्तिजोगबे
गसीसा॥ स ५ तीबग्यांनगुरधर्म
पेतीहाजैसे संतलो॥ मरेजो नोकौ
रमा॥

संतनकोप्रचरजकोजनिकरै॥
१३१॥फलप्रस्तुतिदोहा॥ यादवपद
सौचतै॥ पावैप्रगभूगयोच॥ पूरब
जान्यौबरनतै॥ सबमोनिधसंत
१३२॥ कृजितनुलोकमें॥ कथकौ
नपैजाये॥ सकुइपानसरचाकरै॥
लालचिरायापेटसमाये॥ श्रामूरति
सबबेसूवलहुदारबगुनतिगु
ख॥ आगेपाछैबरनतौ॥ मतिमानो
अपराध॥ फलकासोनानैलैतर
लरसैनानफलसोये॥ गुरुसिषक
कीरतिमैंप्रचरजनाकोये॥१३४
चारिजुगनमैंजोनल॥ तिनकेपग
कोफरि॥ सबसुसिरधरिराध
मेराजावनिमूरि॥१३५॥ जगकोर
संगलउदैतानैतापनिसाइ
जनकोगुनबरनतै॥ पिरदे
बसायेः॥१३७॥ हरिजन केन
नतैं जो करेसदय
उद्वारे छिपा॥ प्रसपु

नक्तिमालसुधं नै॥ सेमवतक
ऐसी श्री भक्तमाल सं पूरण सभाप
पोती सावण सुदि ५ गुरवार॥
संमत १८८५५॥ लीषतं जिनां
तापसिंह कारजु बाई जै पुरकै
ती डूंगरी॥ दसकत गुसांई पूरणदा
जो किसन जो गादगुलाब चरण
की रज दास नरहरदास के
दास का जो कोई बांचै सु णै तिनसूं
नै डंडोत बारंबार आरजदार
डार साषी॥ बाचै पढै सीषै सुणै
रसरा कौ ध्यान॥ केसोदास गुलाब
तिनकूं बारंबार प्रनाम॥ साषी॥
अघिर दूर तुक घटै॥ लेसो संत सुध
रिमक भोगु ॥ कसहो घेयु
उतारो पार॥ साषी॥ र चं
गसी या सं पतो बग्यान गुर
पेती दास संत लौ भ्यारै जो नो कौ
रम॥

ल्हसैजैसेंकरमधि॥प्रीतिबिंबन
ससैहरसिकसमाजमेंबिराजरस
राजकुसैचहै॥कुबसवफूलेसुख
समुदायहै॥जनमहरिलाल॥म
नोहरनांमपायो॥जिनहकोमनह
रिलानौहोतैरायहै॥१४४॥यनह
केदासदासरासप्रायादासजानो
लिनलैवबातमोटाकोसुषदाईहै॥
गोवरधननाथजूकेहाथमनप
ल्यौ॥बासबृंदाबनलालमाति
गाईहै॥जतमप्रनूमानकह्यो॥नपे
रूबसतनिके॥गूतकौनपावैजो
दिगावैसोपेआयसो॥वदिबहिजो
निअपराधमेरोषिमाकोजे॥स
कगुनगारायेसमिनिमेंसुनाईहै
॥१४५॥करीनकुमासुसूरसालना
नास्वामीजुनें॥तरेजावजालज्म
॥नकिरस्वो

प्रनुप्राप्तिकोचतुपाये॥सोस
तसंगकरेमिनलाये॥नवुनिच
तरनतावसतसंग॥तासोंहो
रत्यहोरंग॥८॥सतसंगकिप्राप्
रससार॥सलोकतरिषिबारंबा
र॥तातेसंतसमागमकाजे॥नि
सचैमोनिलानयेलाजे॥९॥संत
संगकोसुनोमहातम॥तातेमिटे
सकलसंसैनरका॥कैमाग्रमित
सकेकोगाई॥कतिप्रमानबूनोच
तलाई॥१०॥लिषिहोसकलपुरात
नसाषी॥सोबिचारिकै.....
लाषी॥बरनीमेंनोपरानन॥लो
कहिहोजेतीकजानीजाहो॥११॥कि
...॥चे॥...प्रमामलको...
ना ज्वलगल स्पापूष आरा अर
ताकि सोहि बिराजमानरसनाप

टिसापत्यपरावौ हाथौ स्मौगैड रवा
मौलि दुषन हाथायेवौ॥ षूटे जनप्रां
न पकौ नृआतयेल कोन्तकरौ॥ मैंने
क्रिसौ बिमुषलाकौ मुषन दूषा
येवौ ४८॥ येती श्री नक्रमालनी टि
रसबोधनी टीका संपूरण॥ सुनिबे
[illegible] अधिकारी कवित॥ जाकै हरि
वाग्र रसेवा गुरु स्वाद [illegible] नी क्षे
रनहोर्दे तुरफेवाजगजालको अ
[illegible]
कछुरै टीकासौ प्रेमजाके माल
हकै नेमताकै सतन कौ सातषाय
मेटौ नैकालको औरन कौ मान
कैरै लेकता कौ आपधरै दूरैनेंही
चटनाको मेटना हु बालको तजैल
कुलाज सारी गावै हित लाल प्यारी
जैसे गुन चारी अधिकारी नक्ति
मालको १ सुनिबे अनग्रथ अधिकारी॥
सुनिकै बिसार रहु जापै जदु नाथजू

आरिबेदबकतादुजकोइमेरीन
तितायेनहोहोइ।।सोजोकोआयेल
गतनांही।।ओरजीवसमिसो,गा
ही॥१॥सुपचहमेरीनकिहकरहीं॥
सोममआय॥सोनवनिधितरही
ताकोदाजेतासोलीजे॥मोसमित
कोपूजनकाजे॥२॥पलमलमा॰रि
निजमुषकही॥मानपलीजायेसो
नबसही॥३॥आदिपुराणे॥श्लोक॥
नमेनकश्चतुर्बेदी मभक्तःश्वपचः
य॥तस्मैदेयंततोग्राह्यंसचपूजे
यथाह्यहं॥२॥चौपई॥नगवदन
सुइजोहोइ॥ताहिसुइमानोमति
ोई॥सबेअवयवनजेविसइवताहै
दहैनकिजिनढूंडनगाहेहैये
बसाषिजितोकमेगाइ॥सोसबप
पुराणलषाई॥२॥४॥श्लोक॥नमु

लायेवे प्रनग्र धिकारी॥ स्वारथकेसा
विवेक् प्रनके प्रराध्वकेको॥ दानन
केबादिवेकोदोरलनुमायके॥ काम
कृपालिये संतनकोसदा आर॥ क्र
र सनुदांतासोबेवो॥ प्रलस्वायको॥ माल
सोप्रलो नसुघधांमसोमच्छड़ नूल
फूल्यो नलसिंचमालिफूल्यो जन
पायको॥ कस्त्रकिचालसोलमा ला
नतिलकत्याल॥ ऐसे नरतमाले॥
जेकलायके॥५॥ नानास्वामीक
प्रस्तुति छपे॥ नवो नयोक्वार जिन
कोश्रीनानास्वामी॥ गुनर्निधानस
वूँजान॥ कारवायेप्रतजोमी॥ न
मालसुदाडालनतरसलाग्र मूल
की॥ जगत सिधाकेतरको प्रकलो
फेकोली॥ नागौतस्थरमनसलक
नको॥ चतुर्भुजदृम प्रगत्यो॥ मही॥
नलालदासकेप्रासयेको॥ चरनसर
राषोसही॥ दोहा॥ बारबारबरनक
नानाश्रीनाजैनाकोदोगा

दर्पितमनोवचनेहिता र्थ प्राणं
पुनातिसकुलंनतुभूरिमानः॥
५॥चौपई॥ सुइनीलस
चाधमजोई॥भगवदभ परा
णहोई॥तिनलोजातिकहिकैरज
रका॥मतिबुधि जैसैदक का
॥६॥श्लोक॥आदिपुराणे॥श्वदंव
भगवद्भक्ते निषादंश्वपचंतथा
विद्धतेजातिसामान्यं सयाति
रकंध्रुवं॥६॥चौपई॥हूणस्वध
लिंदकिराता॥आनारकंकजब
षसजाता॥हरिदासनिकेसरणं
वैतेयेपुनीतभागवतगा॥हि
यभूतनिलदिनक्रितोचौरे॥स
णागतिकौतगतछिनतारे॥७॥
द्वितीयस्कंदे श्रीभागवते॥श्लोक॥
किरात पुलिंदपुक्कसा

श्रीराधाकूं हम्न्यौं नमै॥सोरठा॥
अथ ग्रंथहि रिकलियन[illegible]ग तिलतका:
जैजैनंदनुकुंमारि॥जयराधाअस
रनसरन॥अपनौबिरदबिचारि॥
प्यारीपालहुदीनजन॥१॥कीरतल
लीउदारकरुणानिधिजसरावरै॥
छायेजगतअपार लेलाअलिकी
स्वामिनी॥२॥गौरीरूपनिधांनजौति
कवी जांणेहरी॥तुमहौप्रेमसुजा
नकरियकोनजनलीनती॥३॥अथ
तिकृपाकोर॥सोजयपौलिविकुंज
बिहारणी॥जोजेनिजपदहासघु
वरिकासोरी॥तिनकौ॥४॥त्योंलिनि
सुजसप्रकासछायरह्यौ॥तिहलोक
नै॥अवश्रीललकोबासलसोसुनं
कौदीजीये॥अथवृंदावनधाम
अपजमनेर बिनेदिना॥सल

दर्पितमनावच हिता यै प्राण
पुनातिसकुलंनतुनूरिमानः॥
८॥चौपई॥[redacted] सङ्गलसु
चाधमजोई॥नगवंदनक्रूपराइ
णाहोई॥तिनसोजातिकहिकैरजू
रका॥मधिबुधितेनोगैनरका॥
॥६॥श्लोक॥आदिपुराणे॥श्रुद्रंवा
नगवभक्तंनिषादंश्वपचंतथा॥
विक्षतेजातिसामान्यं सयातिन
रकेध्रुवे॥६॥चौपई॥हरणथंधू
लिंदकिराता॥आनरकंक [illegible]
षसजाता॥हरिदासनिकेसरणे
वैहोयेपुनीत [illegible] ॥हि
रजननिहरिनक्रितचारे॥सर
णागतिकौतरतछिनतारे॥७॥
द्वितीयस्कंदे श्रीभागवते॥श्लोक॥
किरातहूणांध्रपुलिंदपुल्कसाभ

श्रीराधाकृष्णाभ्यां नमै ॥ सोरठा ॥
अथ ग्रंह रिक ल्यि न[illegible]ग तिलतक
डेजैन्नो नुकुमा थि ॥ जयराधा अस
रनसरन ॥ अपनौ बिरद बिचारि ॥
प्यारी पालहु दीनजन ॥ १ ॥ कारतल
लानदार करुणा निधि जसरावरे ॥
छायो जगत अपार बसी अलिकी
स्वामिनी ॥ २ ॥ गोरी रूप निधान प्री
गकी आगे श्वरी ॥ तुमसो प्रम सुज
न करियको नजनबीनती ॥ ३ ॥ ज
ति कृपाकार सि ॥ जयति निकुंज
बिलारणी ॥ जो निजपद दास्य
वरिकासोरा अ लाकै ॥ ४ ॥ स्वामिनि
सुजस प्रकास छायरह्यौ तिहुलो
कै ॥ अब श्रीबनकोबास लला अल
कैदीजीयै ॥ ५ ॥ जय बृंदाबनधाम
जयजमनेर बिनदिन ॥ सब बि

प्रसादस्य न्नाऽजर्नहि त्रिकाऽजला
॥११ चौपई॥ सुनौ तवांनी बच
नतुमोरा॥ सारबिचारसूच्यतथ
रौ॥ सकलदेवआराधैजोनरा
रैसेव॥ तातै सर ॰ पर॥ सबदे
नकोपूजनकरै॥ बिस्नुआरा
नसबत ॰ ॰ रै॥ हरिसेवाहतैयल
सहम॥ बे ष्नेव सेवा॥ उतमन
आगमसा सेवबचनयेल गौ॥
कोसिवपारबतीप्रतक ॰ ॥ ॥१
॥आगमे॥ पारबती प्रति सिव
वाकि॥ आराधनानांसर्वेषां वि
को ॰ राराधनंपरं॥ तस्मात्परत
रंदेवितदीयानांसमर्चनं॥१२
चौपई॥ सिवकेहि गढजारत
सेवे साल ॰ ॥ ॰ भसतपूजनले
कोरिबिप्रपूजेसनमांनी॥ येकस
ष्णवास: ॰ नी॥ संतनकोप्रन

शै श्विरंवच्यते॥नानाकेलिकला
कलापविलसल्लोडिम्यविरयापि
श्राकृस्तोपिचता न्मूसो तिशिर
सान्तटोजगंन्नापक:॥१ चौपई॥
ब्राह्मण छत्री बैस जू होई॥सूद्र जाति
श्रृंत्यज पुनि कोई॥कृष्ण न किना
केन्द रिझावै॥सब तें न्त मसो हा कौ
वै॥१॥पाद्मे॥श्लोक॥ब्राह्मण: क्षत्रि
योवैश्य: शूद्रोवायदिवेतर:॥वि
ष्णुभक्तिसमायुक्तोज्ञेय: सर्वोत्तमो
त्तम:॥१॥चौपई॥ भक्ति संत तिलो
ति गुपाल॥कन्नीतैश्वपचहि पचंड
ला॥द्विजिहोयैहरिकी भक्ति न गह
स्वपच श्रधम सो हा दुज लहौ॥२ च
श्लोक॥चांडालोपिकुलि श्रेष्ठो॥हरि
भक्तिपरो यदि॥विष्णुभक्ति विहीन
स्तु द्विजोपिस्वपचाधम:॥२॥ चौप

बिस्नपुराणे॥ श्लोक॥ यातस्त्या
येनितं वैस्नवानां च कातेन कु
वैति तेभागवता: कि कैतुम्या
संसाय:॥१५॥ चौपई॥ हेतानकै
ऐसुभाचरणं प्राणनकौ हुलसु
...यां संतनकोसुनावतुहर
...कोइ प्रदेसा: तुम से स
सारये त्यार बसुदेवनारसु
करई संतनकोसुनावसु...
ऐकादससमधिसाचिलयोंनी॥
१६॥ श्री भागवते ऐकादससकंदे॥
श्लोक॥ भूतानांदेवचरितं दुखाय
चसुखायच॥ सुखायैव हि साधू
नां त्वादृशामच्युतात्मना॥१६॥
चौपई॥ जिनकोदुनजगतमे
री॥ ऐसेसंतकृपाके सिंधिरूरारी॥ जि
नकेसंततवहैमनदासा॥ तिनकौ
दर्शनकरैसुपासा॥ तिनकौ ऐसं

द्वानगवृज्ञ्ता यदिनागवतोतम
सर्बिवंणीषुतेऋदायेनसकोजन॥
दैनो॥४॥ चौपई॥ इजकुलसमोलिजन
मजोतैहो॥द्वादसगुणयुतप्यारेरह
ई॥हरिचरणनितेंबिमुषजोहोई॥
तासमसदबुधिनहीकोई॥स्वपच
होयेहरिनकिनिंदान॥वाहिज्य
तेवदरोस्व्रुजमाना॥स्वपचनक
निषेधनव तिरहे॥पुनिश्वपनस
तकुलनुधरहो॥२॥बिमुषबिप्र
आपहनहोतिरहै॥औरनपारक
होतेकरिहै॥नहिक्रुनावकहाय
जानै॥सप्रमेमधिप्रहलादबष
न्यो॥३॥५॥सप्रमेस्कंधेश्रीप्रहला
दबाकिं॥श्लोक॥विप्राद्विषड्गुण
युतादरविंदनाभपादारविंदवि
मुखात्श्वपचंवरिष्ठं॥मन्येत

जनहरिरंगराचै॥मैरो तक्रपुन
तचरित्र॥सकल [illegible]
तपवित्रा॥संतनकी जे मांनत
नी॥होयप्रसनहरिनाजम्रषबर
नी॥९॥१८॥ भगवांनकेभक्त भवन
कौंपुनीतकरैहैंतांतें श्री भागवत प्र
मांण॥श्लोक॥ वाग्गद्गदाद्रवते य
स्य चित्तं रुदत्यभीक्ष्णं हसति
चिच्च॥बल ज्जउद्गायतिनृत्यते
चमद्भक्तियुक्तोभुवनंपुनाति
१८॥चौपई॥ संतनकीनिंदारतजे
नर॥तेहोय्रगरग्रांमकेसूकर॥सू
करग्रांमकीनिष्टाषांई॥ग्रामसेभ
तेनितिकाराई॥साधुनकीनिंदा
श्रायेजेहो॥तिनकेपापग्रापग्रीति
लेहो॥निंद्राच्यष्टानइ निन्दरहो॥
साधुनकोनिरमलनितिकरहो॥

चीरकेकायवना : रवसादय : येते
बपापाय इया श्रु या श्रुया : शुच्य
तेतस्मै पुत्र विद्मनमे : ७ ॥ चोप
ई ॥ कसेतबचनयोपेकजनेना ॥ स
निश्र रजुनतमेरबैन ॥ मेरेनत्त
चलेजसाग्रोह्रे ॥ चस्यो जानुमे ति
नकेपाचे ॥ तिनकापरइमोबप
लागे ॥ तबमेरोचमतश्रु तिश्रनूरा
गे ॥ नक्रनकेपायेनसोलागी ॥ सि
धिस्कुकिराजतजगमगी ॥ ८ ॥
आदि पुराणे ॥ श्लोक ॥ नदू कायत्रग
च्छति तत्र गुहा मिलादेच नक्र
नामनुगच्छ नक्र पोस्किनि
स्वन ॥ ८ ॥ चौपई ॥ पुनि रूपसाग्र
तेनलसे ॥ तमश्रग्यान बिनासतपु
सौ ॥ जइताकोसतसंगति बिराजै

बिर

श्लोक ॥ वैह्नव: परमो धर्मो वैह्न
व: परमो. प: ॥ वैह्नव: परमारा
ध्यो वैह्नव: परमो गुरु: ॥ १ ॥
चौपई ॥ गंगा स्नान पाप ताप हर
ई। ससि मयुष सीतलता करही। जै
को कलपतरु। धन्य श्रीवै तौ नत
पत तकाल न सावै। सुष निधि स
फर ... ॥ गपमम
मास्त्यर बषानी ॥ २२ ॥ श्री ॥
श्लोक ॥ गंगा पापं शशी तापं दैन्यं
कल्पतरु हरेत। ॥ पापं तापं तथा
दैन्यं सद्य: साधु समागमे ॥ २२ ॥ चौ
पई ॥ जल मय ... लिय नाहीं
मृतका सिलमय देव कहाई। गंगा
दिक जलता न यदेही ॥ जतमो देव
रूप प्रगट हीं ॥ सब हा सुइ सुजस
चरत्रा ... ... पर ... बिना
साधु ... सब ... ता हर

[illegible]
[illegible]
तितसैं प्रत विभ्रमतजो ॥ ७ ॥ [illegible]
॥ कैसैतबचन सौ रैसै [illegible]
निभ्र रजुनतुमै रसै [illegible]
चलै जसाभ्रष्टै ॥ असो [illegible]
नकैपाथे ॥ तिनकोपद [illegible]
लागै ॥ तबमैरो अनत [illegible]
गै ॥ नन्द्रनकेपायेन [illegible]
विक्रहिरासतजगनाज ॥ ८ ॥
आदि पुराणे ॥ [illegible]
[illegible] तब गुरुपाविन [illegible]
[illegible]
[illegible] ॥ ८ ॥ चौपई ॥ [illegible]
तैसे [illegible]
तो [illegible]
श्रद्धा [illegible]
विरक्ति [illegible]

तिरतसंतन्तोरिसोहेता:तारण
निहपोवनकरिद्ता:नवनय
खिजावजेडरे हरिभ्रपतिचित
भाहतवरे तुमरेनकतसेहित
ठनै तिनसौस्मकसैनतांम
नै हरिसौहरिकोदास मिलावे
येसनसाधिनागवृतगा:
तेषांबिचरती भ्रुति योनो
पावनेभ्य नातस्य किंनरा
चेततावकानां समागम:॥२५॥
जमहुतपुरसग्राभ्रकतेग्रा
ई दोनयसायहचारपाई तिन
करनबिपुलकल्यानो पेहकार
कारनकौरनसीम्रतो हजराजा
जुकोयहबानौ कहागगरिषसो
सुखदांनी:॥२६॥ श्रीभागवते
कूडकासबाबूरण्ठकोमन नहि
चलननरगागहि एणादीननतस

व्यासजी सुनत मैं माधव पुराण
बरन ॥१३॥ पाद्मपुराणे॥ श्लोक॥
शिवलिंगसहस्राणां॥ सालिग्राम
शतस्य च॥ तुल्यं स्यात्कोटि
प्राणां मैं कोठ च वै सवः ॥१३॥
चौपई॥ हंजा मैं नैं के धूलो नैं
दृष्टि हर सबही मैं गुनौं॥ ल्या
न भूत छिनलोकं॥ सतन की स
सौपहंत्रो॥ सकलहरि धामपु
नीम जैसे सोहा सा धिव धोंली॥
॥१४॥ प्रन्दलोक्यु॥ श्लोक॥ लैवं
पुरतो नित्यं दृष्ट्वा विस्मीकृतं
स्वं वै जावाजि प्रायश्च [illegible]
मनो दृढं॥१५॥ चौपई॥ प्रातका
कूडिको रतनधारती [illegible]
न चरही ते भागवत के
नांये हनुतमभतहिर
छिन्नपुराण वर्णन गाथ ॥१५

ि चरतसंतमहारिहोहेता तारयु
निहपांवनकरि स्ना ॥ नवन्न
खिजावजेडरै ॥ हरिश्रापतिच्चित
चाहतखरे ॥ तुमरे नक्तनसैहित
ठानैं ॥ तिनसौंहम्यकसैंनतामो
नैं ॥ हरिसौंहरिकौदासमिलावै
पेसनसाभिन्नागवतगावै ॥ श्लो
क ॥ तेषांविचरतांझ्यातांयोनं
पावनेछया ॥ नातस्यकिंनरो अ
वेततावकानांसमागमः ॥ २५ ॥
चौपई ॥ महतपुरसश्रमतेश्रा
ई ॥ दीनग्रहाग्रहचारैंपाई ॥ तिनकें
करनबिपुलकल्यांनां ॥ येहकारण
कारनकौंरनहीश्रानां ॥ ब्रजराजा
जूकाग्रहबांनां ॥ कहागगेरिषसो
सुखदांनां ॥ २६ ॥ श्रीभागवतमें
ब्रजराजप्रतिबचन ॥ श्लोक ॥ महद्वि
चलनंन्हणांगृहिणांदीनचेतसा

रसमुद्रा ॥ ऐसोयेबषुपदरसमग्र
तिछुद्रा॥बषुपदतैंमरतिकानिक
रै॥तामैयेकचलूजलडारै॥तिस्त
संगतजोलगैनबारा॥ऐसैत्रवनि
त्वित्यरेऽप्रपारा॥भ्रमसहिवैकुंठसी
पावै॥प्रापतिएहसंसारनआवै॥
रसमधिमुकुसषकाबानी॥खेव
तालवासररसरुषदानी॥॥१२॥इस
मे॥च्यतुर्दसाध्यायेस्लोकबाको॥स्लो
क॥समाश्रितायेपदपल्लवसुवं
त्यदं पुण्ययशोमुरारेः॥भवांबुधि
र्वत्सपदं परंपदं पदं पदं यद्विपदां
नतेषां॥१॥ जोप्रभी गदगदकंठक
बधैप्रावै॥ चितद्रवैतनपुलकज
नावै
होयेबिलजुगावैरसत्रोवे॥
मगन सोयेकबहूनाचे

धीनत्तयनीचैगपरईसूत्तनि
कोपातनले। नित्तकिबीजस्पूजर
मरसोई॥ दृष्टांतकौय। श्रम
नो॥बिदनबपान। श्रादिपुरा
॥३१॥ श्रादिपुराणे श्लोक। पतंती
दय:सर्वेस्वकर्मफलभोगिनः
स्तत्काश्चयेकेचितसर्वेषां
तंतयः॥३१॥ चौपई। नरित्तकु
मिलैजुकोई॥ असाधु सोतो
जैसेजलअपवित्र मिलाई॥गं
सोमिलतगंगै जाई॥यहबि
...लाबी॥बरनतप्र
गटपुराननिसाबी:॥३२॥श्ल
...॥श्लोक॥साधुसंगपरि
गात अ साधोरपिसाधुता श्र
गमपिगंगास्यात गंगायांपति
पय:॥३२॥ चौपई॥ वाकोकुलप
बित्रयेजानौ: जननीतासुकी

तिनकी निंदाश्रुति बुरी॥ब्रह्मपुरा
सा बियेचरी॥१८॥साधुनिंदाबु
शेते॥तौलाब्रह्मपुराणबाकि॥श्लोक॥
निंदका: सूकराश्चैव सफला निर्मि
तास्तरे:॥श्रुद्ध ति सूकराग्रामानं सु
द्धंति निंदका:॥१९॥चौपई॥की
ट पतंग आदि सब कोई॥मुक्ति होंव
जिनकी गति होई॥निंदक करे जो कै
टि उपाई॥बैस्नवद्रोह न मुक्ति पाई॥बै
स्नव बिमुख लखै नहि चैनो॥श्रग
ग्मसास्त्र कहत ये बैनो॥२०॥श्राग
मे॥श्लोक॥मुक्ति:कीट पतंगानां स
विषामिह देहिनां॥मुक्ति होत्र मिदंप्र
णवैस्नवद्वेषिणां विना॥२०॥चौप
ई॥बैस्नव प्रमभ्चर समय जानो॥
प्रमतपो मये बैस्नव मानो॥बैष्णु
व प्रम श्रराधल है है॥प्रम गुरु है
बैस्नव हि कहे है॥२१॥श्रादि पुराणे

॥श्लोक॥ त्रि:सप्तभि: पितापूत:
पितृभि: सहतेनघ॥यत्सा घोस
॥ते जातो नवा [illegible] न्वेकुलपावन
॥३४ चौपाई॥ जसजसा जिम नक्ष
बिराजै॥सांतसुध ःमसांतग
तिराजै॥मोमेंसाचेनावलीपा
श्रीयासहतिछिबिनैननिहारै॥गै
सेसाधूनदारचरित्रा॥बसैनगर
तिलकैरपाछिवा॥नहमायल
तसघरहोनी॥श्रानरहरि [illegible]
बानी:॥३५ श्लोक॥ यत्रयत्रचम
हैका: प्रसांता:समदर्शिन:॥स
वव:समुदाचारा तेपूयंत्यपि
कीकटा:॥१५॥ चौपाई॥ कुलमं
तैर [illegible] ॥नरपापाइरातमा
सोई॥स्वानबिष्टाअनताकोमानै
[illegible] कै नलनो॥लीष्मोपु
[illegible] लहौ॥तेयमभिसबम

स्रमांतरतैंकैरपुनातं॥भ्रातेवैछ्र
वापायनपसैंी॥ली रत्रपथ्रतमारु
तैं सरसैंभसैतनकोक्लैंआमैंनावी
ताकोबिस्तभागवतसाषी॥॥२३।
श्रीभागवते॥श्लोक॥ताव्यमय
न्नितीर्थोनिनाहेलामन्छिरलामथ
ले पुनंत्पुस्काळेनदर्शनोदेवस
चव:॥२३चौपई॥भागवतजोमा
बसतसंग।तासमतौहिस्वर्गसुष
रंग।मुकितिहूताकसमनहिपु
वै तुच्छराजकाकोणचलावै तो
सबैतुल्यमतिमोही:लवसतसं
ति[illegible]समयेनांही:पेमैंमोरहमग
लकरनी:प्रगटपुरानभागवत
बरनी:॥२४॥श्रीभागवते॥श्लोक॥
तुलयामलवेनापिनस्वर्गनपु
नर्भवं॥भगवत्सगिसंगस्यम
र्त्यानांकिमुताशिष:॥२५चौपई॥

नसवै जिहेंकरे: आरिवेद जिस
वनउचरे: जिह्काग्रग्रप्रेमजुतलाये
जिहिलरिनांमउ उचारणको
नो॥नांमआतमय॥ ... ले
ततीजुप्रनुप्रतिकलो ॥३८॥ तृ
तीयस्कंदे श्रीकपलिप्रतिदेवहुती
वाक्यं ॥श्लोक॥ ज्ञलेवत [illegible] ष्प
चोतोगरीयान्यजि ... वतंत
जाजतुत्सातेपु लपस्तेजुहवु:स
स्तुरार्यावुल्लानूचु: नामगृणंति
येते ॥३८॥ चोपई ॥ बिप्रअबै ह
वजोकोईहोई॥ आश्रमकांइपजा
नौसोई॥ सन्ताषणतिलकरायनाष
ताकाकवहलछुवामतिष्यातो॥ सा
स्वनकानिकिहकाराषे॥ पदरय
राणवनयेनाषे॥३९॥ पाद्मे श्री
कृत ॥ अवैहवात्कयेविप्रश्चेड
ग्राद: ध्वमास्मृता: तेषांसत्राप

निःश्रेयसाय जगवल्लकल्पतेना
न्यथाकचित ॥२६॥ चौपई॥ होय
धरार्इकिधरासु नाशी॥ जैसेंडसोहि
केजनमाई॥ तीरथसकल्याससोज
नौ॥ संतजननजंसोकाथो दिबौनौं
कुसातपेविनकुसमबासाजोस
रिजनसोरिकुसमलाना॥ऽमुागंमेन
मोहिसाथियेकहलो॥२७॥ग्रानिं
॥श्लोक॥ कुर्दलाकुर्लोइं चहि
छेतिवेस्वयं॥सवैस्थलीयोनि
तदेवचेतपोवलं॥२७॥चौपई॥के
श्रीमुकमुनीचाडकृपाला॥सोल
देचारनबिरदद्रपाला॥तुमसेर
सनूनावमुदकारसी॥तिनकोपक
रणमांवसाकरसी॥सोयेगुरुसंपर
केगुरुपावन॥ जैसेसतरसिकम
नभावन॥तोतुमरोसरिहुसन
मैचरणप्रसिकरिपरस्त

कौसंगकरजियलजा॥५ पतही
बिमुख॥दे॥ उन क्रिमाहिजि
नश्रंव पैरे॥मैबिचारि ॥ अमा
प्रमोनां॥ताकोसाषीपद्मपुरान
॥४१पद्मपुराणे श्लोक॥ संगत्या
जोविद् ॥ नगवद्विमुखेर्जनैः
तदालो ॥ नगवद्वुति
विस्मृतिः॥४१चौपई॥ अमरसो
पनाहरसौ मिलाय॥ ऐसोहूनप
सुषकरिऊिलाय॥ ऐपरिसत्यतु
ल्यवेबाप्यका॥नानादेवनकेआ
श्रका॥तिनसोंमिलनो॥ भ्रोनाहि
येनिस्रै जानौमनमांहि॥४२॥
पद्मपुराणे॥ श्लोक॥ आलिंगनंव
रंमन्ये॥ व्यालबाघ्रजलोकसां न
संगःश्चल्यपुक्तानांनानादेवैकसे
विनां॥४२॥चौपई॥ बैसवसोहि
तकी बतरा॥ बैस्नजनसोमीली

निःश्रेयसाय भगवन्कल्पतेना
न्यथाकिंचित् ॥२६॥ चौपई॥ होय
शरीरकिब्रासभाई॥बसैजलांहरि
केजनआई॥तीरथसकलजलांजे
नौ॥संतजननजलांकापेठिकीनौ
भुलीतपोबनउत्तमबासा॥जलांह
रिजनसोरिनुत्तममलरी॥अंगपर
मांहिसोपियेकरी॥२७॥अनिश्र
॥ श्लोक ॥ मुहूर्तवामुहूर्तार्द्धंयत्रति
ष्ठंतिवैष्णवाः॥तत्रैवसर्वतीर्थानि
तद्वैचतपोवनं॥२७॥चौपई॥हे
श्रीशुकमुनीराजकृपाला॥दीनन
सौंधारनबिरदहयाला॥तुमसेम
हानूभावमहदजरहो॥तिनकौसम
रणमात्रलीकरहो॥होयेग्रहस्थन
केगृहपावन॥ऐसेसंतरसिकमन
भावन॥तौतुमरोसठिइससकौ
प्राचरण॥प्रसिकरिपदरजलाये॥

तेवैस्नवेन्नक्रिनाषृत:॥२६॥पुसं
ख्याचिसस्वर्गमत्यंतरचुतैने
॥२७॥चौपई॥जन्मसहजारकोपू
अपराधाकोटिजनमकेपा
अगाध्या॥संत॥दोहा॥मैतेले
ता॥तिनेपापनसमकरिदेत॥ये
नमासनिजायेयुन्यलाभ॥ति
खान्तविस्पोतरकछिसास्त्री॥॥
२८॥श्लोक॥जन्मांतरसहस्त्राणि
कोटिजन्मांतरे॥यत॥प्रहसि
पापानि सतांपादोदकंपिवत॥
२९॥चौपई॥वैस्नवकोनछिव
जूसेसहि॥पितरनकोदेदे॥रस
हि॥हूजिलेतिनहि॥पवित्रहिक
ही॥लेतलेहियेनकिसंचरली॥
पुन्नहत्यासहजारसनासे॥नूप
हत्यासतस॥बिनासे॥पापसब
निरबूतिकरिदेस॥वैस्नव प्रस

॥ऋत्तचं निवरन्नं भि
लावेैा वयूरुचनिसवलामनन
पितरस्वर्गबासासबकोर॥जो
॥ नवषंडस
॥ येम्है मांसबक
खानो॥३३॥पाट्रो॥तरषंडे॥ लि
कुलंप विवेजननी॥कृतार्थवि
चन्या स
त्यितरोपि चन्यायेपकु
चेयं ॥३३ चौप
सितयसबचनसुनाये

फि
॥ कूलईका
॥पाडाईताकृत
यूरुसाथबैरुवच
स्मा
सकंदे प्रसता

स्मकुलेजात:सोस्पा न्संतार
च्यति॥८७॥चौपई॥तौलैपित
न्नरमतसोसारा॥पिडहितरस
तबारबार निकुलसैरहनर
तोईक्रम्मक्रिजोलैनहारु
॥८८पदमपुराणे॥श्लोक॥ताव
मैतिसंसारेपितरां पिंडतत्पर
यावत्कुलेसु:क्रिपु
कानजाय॥८८॥चौपई॥
स्मबालस्मरव-तससारा
उदानदेबाला रि.।रे।पितरक
तनलोप्रगाकारा:प
योनिरधारा:॥८५॥श्लोक॥ब
लिक्रंरवन:वेणश्राद्धपतित
॥तरवांनातक्षापिंडदानंपक्ष
तंसबिमलरषंक॥८८चौपई॥
नकुन पराधीनला। प्रेसैपंघ
बुंध्योडोरिसोजसै॥नहोमे

करौहै:॥३६॥ तंत्रे॥ श्लोक॥ कुच्छ
मंत्र विहीनस्य पापिष्ठस्य दुराचा
नः श्वान विष्ठासमं चान्नं जलं च
मदिरासमं॥३६॥ चौपई॥ अवैष्ण
वकी दष्मालैकोई॥ तातिनकै निश्चै
करिलेई॥ फिरवै द्रव्य गुरु विधि
करिसेई॥ तिनसों मंत्र गृहण करि
लैही॥ कछुकस्वकल्पितमैन हि
रवी॥ पद्मपुराणयह विधिसाखी
॥३७॥ पद्मपुराणे॥ श्लोक॥ अवैष्ण
वोपदिष्टेन मंत्रेण निरयं व्रजे
पुनश्च विधिनासम्यक् ग्राह
येद्वैष्णवाद्गुरोः॥३७॥ चौपई॥ सु
चवैहै यातै अघ भाषतातैवाको न
गपवेरष॥ जि कौ अग्रतुम्हारो न
मो जपतपरहै सदृश्य चिरामे॥ ति
स्वपचसवतातपकीनो॥ अग निह
मतिहैं सबकरिलीनो॥ तीरथन्ह

स्मकुलेजात : सोस्मा न्सेतार
ब्यति ॥८७॥ चौपई ॥ तौलौ पित
न्नरम : सोसार ॥ पिंड सितरस
तबारबारा : कुलमै पुत्र नकर
न्नोई ॥ कम्मन्नकिज्जौलौ ॥ ॥हे
॥८ पद्मपुराण ॥ श्लोक ॥ ताव
मेतिसंसारेपितरां पिंड ॥ ॥र
यावत्कुलेसु : क्रम्मन्नक्रिसु
कौनजाय ॥ ॥८८॥ चौपई ॥ कु
स्मबलिरम्मरव : संसारा पि
डदानदेबालरि ॥ रा पितरक
तनलाग्रगाकारा : यहसास्व
योनिरध्यारा : ॥८९॥ श्लोक ॥ ब
लिम्मरवन : ये ण्श्राद्ध यतित
॥ तथा न्नातथा पिंडदान यल
: सर्वमेनर्पक ॥ ८९ चौपई ॥
न्नकुन पराधीनलोपये प्रसापंथ
बुध्योडोरि सोजसै ॥ न्नतल्वमे

ास्यर्शो दूरतः परिवर्जयेत् ॥३९॥
चोपई ॥ हमेरे सबै जग्य युकारा।
चूक हमेरे बहुत बुधि प्रचारा ॥ चूक
बहा पढ बो सब ग्य पर्नो ॥ चूक हम
रेयै ग्यातापनै ॥ चूक हमेरे बहुल स
बलाकरे ॥ चूक कुल मद पूर्ति मोन
निस्तरे ॥ चूक निपुनता रंजो गुण
न भये ॥ सा रहूं कूतै बिम पज्ञ न
ये ॥ कर्म ज्ञान क्रम मोन बडानी ॥ नि
ज कुल चूकता हिं जन बखानी ॥ च
नियेप तिनी सरि मन त्रावना ॥ य
नला श सिद्दमलोय है पावन ॥४०
॥ श्री भागवते दसमें स्कंधे यज्ञप
नीवाक्यं ॥ श्लोक ॥ धिक्जन्मन
स्त्रिवृद्विद्यां धिक्व्रतं धिक्बहुज्ञ
तां धिक्कुलं धिक्क्रियादाक्ष्यं
विमुखा ये त्वधोक्षजे ॥४१॥ चोपई
हरि के बिमुख दूरि ते तजीये तिन

स्मकुलेजात: सोस्मा स्तार
च्यति ॥४७॥ चौपई ॥ तौलैपित
नरमत सोसारा॥ पिंड हितरस
तबारबार कुलमै फुरन : र
चोई॥ क्रम्म क्रिजो लौनलाह
॥४ पद्मपुराणा॥ श्लोक॥ ताव
मैतिसंसारेपितरा पिंड
यावत्कुलेसु : क्रम्म क्रियु
कौनजाय ॥४८॥ चौपई॥
स्मबालरम्मरव : संसारा पि
डदानदेवालारि : रा पितरक
तनलाप्रगीकारा : पत्तसास्तुव
योनिरच्यारा : ॥४९॥ श्लोक॥ ब
लिम्मैरवन : वेणश्चाद्धेपतिपत
॥तयोजातव्याः पिंडदानं पल्ल
: सर्वमनपंके ॥४९॥ चौपई॥
न : पराधीनता : प्रेसापद्
बुंच्योडोरिसोजेसै॥ नतकामे

जाइबेद्रव
।निरमलहोयेदि
क्रिकैंजोन्तोजन।

होयेंकुन्तारी॥
हपनश्लोकनकास

॥४३॥श्लो
क॥आलायाद्भावसंस्यरीन्नि
सासरून्तोजनात्संचरंतिचया
निंतेलबिंदूरिवांत्तसि॥४३॥
चौपई॥बेद्रवकोदेषतहोतनर
न्तूपर॥
नेरजका॥तनसोलागे॥
सनिअनुरागे॥तितनेसतमन्वं
तरताहीं॥सेततरहे स्वर्गकेमांही॥
भेयहसिषिसा सुअनुसारा॥आ
गमरहेमोकहतअपारा॥४४॥
आगके॥श्लोक॥

आदिपुराणनक्षिसुखदैनो॥
कछिक हैअ... नसौबैनो॥५
आदिपुराणे॥श्लोक॥ यत्र यत्र
चमत्कारास्तत्र सरवानि
च गंगादि सर्वतीर्थानि तै
यांति सर्वदा॥ ५२॥ चौपई॥
मेरे नकुल गत जिहे प्यारे॥ सो
ही भी ... ॥ ...
लिकीओ बल ननोली॥ ... न
सतिका लिहैतु वपार्ई॥ ५३ श्लो
क॥ ... नाय स्य स ए
मम बह्म न॥ तत्परो बह्म नोत
सि सत्य सत्यं जमा जुन॥ ५३॥
चौपई॥ बिरई नकुल पनाको
ई॥ हराचार जामें कछु होई॥ मेरो
नकुप बित्र ही जानो॥ श्रीगन
नकन मन मैं आनो॥ नकुल पु
...॥ मन में संभावै॥ सो नरनरक मा

हीजैनरलैही॥परम मोख कन्ता
जाजान॥कासीखंड प्रतछिबषान
न॥५६॥काशीखंडे॥श्लोक॥वैष्
वोछिष्टेषंवै पितृणांचदिवौक
सो॥सर्वेषान्तुसुरादीनांनकिंदं
कल्मषापहो॥वृन्दत्यासहस्रा
णि त्रुणांस्तत्यासतानिचौ॥तस्यपा
पानिनश्यंति वैष्णवो छिष्टन
जनात्॥५६॥चौपई॥ वाकेपितर
हरषहियेनरसी॥रखंनदौकिबि
निरतरकिरई॥चनिकहतहम
बारंबारा॥वैष्णवकुलमैंजयो
मारा॥परमहमकौ निश्चैतारेगे
अपनौहूकारजसारैगे॥बैष्णव
जहैंमाहूगरजतावै॥पद्मपुराण
साखियगावै॥५७॥ पद्मपु
णे॥श्लोक॥आस्फोटयंति पित
नृत्यंतिचक जुम्भेऽः वैष्णवो॥

नी॥ निजनक्रनकोयह भ्रता ॥
कैसैवराहस्वरतिसोश्राप्र॥५६॥
वाराहपुराणे श्रीवाराह देववाके
कि॥ श्लोक॥ योजनानितथाश्रीभ
णि कमदेवंबसुंधरे ...न्तेष्छहे
शोषुन्तेवापि क ... कोयच्चतिष्ठति
५६॥ चौपई॥ नक्रलमारबोच्चव
नोके नक्रनकेलमबन्नवसनो
के मेरेनक्रगुरखेमेरे मैगुरन
क्रसदाकमचेरे नक्रनकामन
॥ पैगाई॥ श्रीकृष्णआदिपराणे
लखाई॥५७आदिपुराणे॥ श्लोक
श्रस्माकबांधवानक्राःनक्रान
गेबवावयांस्य॥ ...कगुरवानक्र
नक्रानांगुरवोवयं॥५७चौपई॥
कैमोक्षप्रसाद जितकागोविंद
नावप्रनाव तितका॥नान्रहूंत
लोसकोड़िदुराणवेदसबबामेलेम

तिहिलजि
॥ प्राणस्सो
दूरलास्यासकफा
॥५०॥श्रीभागवते॥
श्लोक॥मुह्यन्तुमराधीनो
स्वतंत्रइवद्विजा।साधु
॥५०॥
॥ करोमिदेस्य ससाजानों ॥
साधनकोमित्रमेत्सो
बिनसाधुकामहंजानोमित्र
॥सा॥
॥५१॥श्लोक॥
साधवोहृदयंमह्यं
मदन्यास्य
॥५१चौप
॥
गंगा

यकवेगनश्रावै॥तौकल॥॥॥
नावमिटावै॥भूलिइवता ॥५८॥
तजहाली॥हरतिहूलहत्याछिन
मोसी॥तैसैहिलसत॥ बिंदपायार
सबदासनको नजन॥ राजामै
कथसदे सोहं॥कोपपन॥ दिवे
बेना॥५८९॥श्लोक॥इष्टे:स्वना
जानितैर्वपुष्पस्तदोषैर्न प्राक्त
त्वमितहसजनस्पय मत॥ग
गानसानरवत्तुबु द नपके
बुलिइवल्वमपग॥ कतिनारभ
मै॥५९०॥चौपई॥बाणीहमरी
तुरगुनगावो॥श्रवननि॥ जस
तिहारौईनावो॥हस्तच नसेवा
नितिलहौ॥मस्तकचरणकवल
मधिरहौ॥मन॥ मरणनितकरौं

स्यप्रसगहूो॥ तिहित ज्रिभिन
कृज्ञातनरत्तो॥ प्रांणसबोनिन
कूप्रायकोसी॥ दूरवासासकना
उँतोसी॥ ॥५०॥ श्रीभागवते ॥
श्लोक॥ अहं भक्त पराधीनो ह्य
स्वतंत्र इव द्विज॥ साधुभिर्ग्रस्त
हृदयो भक्तैर्भक्तजनप्रियः॥ ५०॥
चौपई॥ मेरो हि देस भक्ति जांनो॥
साधनको हियं मेरो छांनो॥ मैं
बिन साधु काहूं नजांनों॥ तिनबि
नमोमन लवक नमांनो॥ दूरवास
सोहरि ये हकहो॥ साधुस्व सुहास
बपूरतन मग्ही॥ ॥५१॥ श्लोक॥
साधवो हृदयं मह्यं साधूनां
हृदयं त्वहं॥ मदन्य॥ तेन जानंति
नाहंतेभ्यो मनागपि॥ ५१ चौप
ई॥
जल:पंगा

नाम स्मराति जो मिनचा
श्रयामि ॥ न किस्व हाय पद पं
कज मा है रे ॥ श्राश्रा निवास ॥ सु
बो न कर है निराश्यं ॥६१ चोपई॥
बासुदेव के नक्ष्म नन्या ॥ सात
सुद्ध सम चितवे धन्या ॥ तिन के
दास निदास कहांतु ॥ जन्म जन्म
प्रभु पद पाऊं ॥ तब ये नर तन ल
य पुनाता ॥ बिदुर कहत मधिप
उव गाता ॥६२॥ पांडव गीतायां ॥
बिदुर वाक्यं ॥ श्लोक ॥ बासुदेव
स्य ये न क्ता ॥ सोता स्त जन्मा नम
तेषां दास स्य दासोहं भवे जन्म
नि जन्मनि ॥६२॥ चोपई ॥ जात
कुल मैं जो नर तन पावे ॥ तत भ
गवत नाम कहावे ॥ मात ताकी
ह्व वत है ॥ पितुन को पुर धर
वहा है ॥ गरड पुराण बखानत श्र

स्यिस्रसगत्यौनिस्ति जि
ह्र सातनरत्यौ श्रोणसमोनि
क्र प्रायमोत्ता हूरबासासक
ञ्जैतौत्ती ॥५०॥ श्रीभागवते
श्लोक।
स्वतंत्रश्वाहिज्ञासाधु
श्यो भक्तैर्भक्तजनप्रियः

बपूरतनमस्तः॥५१॥

स्तृयंत्वसं

ई॥
जलः गंगा

स्वकर्मागहत्सु : लोपहृति भिः
॥६५॥ नारदीये स्वकर्मागहप्रति
श्री भोमदेववाकिं ॥९ श्लोक ॥ श्वप
चौपिकमलापाल वि हृ । लै । पि
जाधिकः ॥ विष्णुनक्तिविहीनोपि
यतिश्च श्वपचाधिकः ॥६५॥ चौ
पई ॥ है. सबै तुम तुष्ट जलोकंत
कौं कहसौं सुनायेसोकु ॥ २ पच
लाई इमले श्वर [illegible] को श्वबूल
के साई तुमतें विमुख कुलईस
नो ॥ सपचे देव होइ स्वपच निहंत
रवाखंड सके हरन गरागो ॥ वूल
निज मपबचनबखानोः ॥६६॥ [illegible]
कारिके लाप भ्रष्टलोते तो ॥ श्लोक
॥ ईक्षि कल श्वरो बुत्ता ॥ पुबुलतह
वरो श्व[illegible]पचोपि नवलोव प
हातुष्टे सिकेशव ॥ श्वपचादपि
कष्टत्वे ॥ बुल्के सानाहपः सुराः ॥

लिदुषहै जोयुपजौचाँ [illegible]
स्नौसारिवचेलीदिदु [illegible]
[illegible]
मइक [illegible]
रीलेत्तेलाल [illegible]
[illegible]
तलसें [illegible]
सैं देस [illegible]
तासमो [illegible]
ताभूतरे [illegible]
कायारेर [illegible]
[illegible]
नास्तिल [illegible]
नन्धेच [illegible]
[illegible]
जातो [illegible]
कोजर [illegible]
सीरजो न्नतोलच्छतर [illegible]

सो भ्रितघरीये ईभ्रितसारनुधा
रभ्रयिलही: घरमराये तन
सौकही: ॥७१॥ श्लोक॥ सर्वेत्र:
दभूवा: पुजा: स्वर्गेमर्त्ते इसात
ले देवतानोमनुष्याणां तथै
वोरगरद्वसां॥१ येषांस्मरणमा
त्रेण पापलद्वशतानिचादहे
त्तैनावसंदेहो॥बैद्रुवानमला
नो॥८७१॥ चौपई॥ बैद्रवनको
चरणरजपरसे॥ गंगास्नानस
मधुनफलसरसें॥ जन जनक
दानधिजो ह्रायें॥ सोफल
तचरणरजलाये॥ चरणोदिक
कोनलमाजेती॥ मोपेक
नहातेती: ॥७२॥ श्लोक॥ येषां
पा रजसा प्राप्यतेजाह्नवाज
लं नार्मदेयमुनचैवक्षिपुन
पादयोर्जलं ॥७३॥ चौपई॥ बैद्र

नक्रपुताप॥ अल्पपुन्यसेजय
नीरुपास॥ तिनकेकबहूनहोयें
विस्वास॥ तातैयेनमैदिढकरिल्ल
वा॥ बरनौंपद्मपुराणनुपावा॥ ५
५८॥ पद्मपुराणे॥ श्लोक॥ मत्तप्र
सादेगोविंदे नामबुलाणेदेहमवे॥
स्वल्पपुण्यवतांराजन् वि[redacted]
श्वासोनैवजायते॥ ५८॥ चौपई॥
जोकदाचितहरिनक्रनमांही॥ स्वन
विकजहोयइसांही॥ तपादेहकदत
इषणाइसौ॥ हरिनक्लनकौंकबहू
नपुसें॥ नक्रहोसप्राकृतमानीयें
नकिनकौंबाध्यकनजानीयें॥ श्री
रनकौपुनीतकृश्ररया॥ सकलन
तितेसदासमथा॥ ताकोयहइष्टां
त बिचारो॥ सोसुनिकेसेंदेहनि
वारो॥ गंगाजलबिदबुदाअरुझाग

छ॰ ऊँम सहय॰ तः ॥१४॥ चौपाई
केत॰ ललाटमाह विराजै। पंव
जमिाहकासुनला॰ ॥ मोहमू
लसखादिककीयमनरिमेदिर
मस्तकप्र यिंमैसेसरि॰ नम
सुनाये॥ नुवनपिवनकरनुवम
ये॥ १५॥ दोहरा॥ ॰ ॰
लसीनलिनाहमालाये बाक्र
मलपरिचिक्रित शंखचक्रा॰
पेवाललाट॰ ॰ लसहूर्व
पुडातेवैस्मवा नुवनमाज्ञुप
विवेप॰ति॥१५॥ चौपाई॥ नित
प्रातउठियहब्रतमरसीबेस्म
वनामकारतनकरसी॥कलि
मेंश्रमनमाव॰ जोंईश्रूस्स
मोनिजानीयेसोई॥ हारावती
महातमसारखी॥श्रीप्रह्लाद
बलिहीयेनाखी॥१६॥ द्वारकाम

रो॥संतनुमहिरनयननिहारौ
सुतकुबेरके भूतिबडभागी॥रा
मोदजूसोपदमांगी॥॥६०॥श्री
गवतदसमेसकंदनलकुबेरवाक्य
श्लोक॥वाणीगुणानुकथने श्रव
णौ कथायांहस्तौचकर्मसुमन
स्तवपादयोर्नः स्मृत्यांशिरस्तव
निवासजगत्प्रणामेदृष्टिः सत
दर्शनेस्तुभवत्तनूनां॥६०॥चौ
पई॥श्रीरनकलैश्रीरनहिसुनौ॥
श्रीरनकोचितवनपनगुनौ॥श्री
नसुमरोश्रीरसजनजौ॥श्रीय
रकरतहौतरजौ॥हेश्रीकृष्णचं
सुखरासी॥हेहरिसिकरिचरण
निवासी॥येम कंदमालाकोमन
हितकरिनिसासंतसुपदरोनी॥
६१॥मकुंदमालाया॥श्लोक॥नाह
वदामिनश्रृणोमिनचिंतयामि

साक्षादपिचपुष्कसे॥१त्यक्त
सर्वकुलाचारो ......
वानीपि॥विष्णोर्नैकंसमाश्रि
तानरोनार्हतियातनां॥८०॥
चौपई॥वहीत्रीमम..चूमि
जानीये॥सोनिरस्ले सम्मा
नीये॥जहान ..
छीही॥ ..करन ..तल
नीहीं॥यैकहुराहतालोनबसी
ये॥तहांतैबेउपकमरिताकसी
ये॥संतनकोप्रभुहैमासुखदाई॥
पलबसेपुरिखिबरनिसुना
ई॥८१॥बाव्यसेवै॥चौपई॥
पसिमेरेशेसरात ..नास्ति
सज्जनपा ..सफल..शांत
लैछयापेन ..दिवसंवसेत
॥८२॥चौपई॥सदासंतनिष

सै।मैमोक्तकछिविमेतेसैः॥
६३॥गरुडपुराणे॥श्लोक॥कलौ
गवतंनाम॥यस्यपुंसःप्रजायते
जन्नीपुत्रीिि तेन॥धि न्हणोनुध
रंधरः॥६२॥चौपई॥अंतकालहि
मैजिहवास।रसिकबैह्यवके
निवास॥हैनहत्यामयपापाते
हीनगवतचोमपावैसोईहरि
जनमहैमोसु तिदानी॥नारद
डेजूकायबानीः॥६४॥श्रीनारद
केबोक्य॥श्लोक॥सनापतिष्ठतेय
स्यचंतकालेपिवैस्मवःजक्षते
परमंस्थानंयद्यपिबुस्नहान
तेः॥६५॥चौपई॥स्वपचहबि
मुनतजोतोई।द्विजतेप्रधिकम
ायसोई॥बिहनुनतोबिनुजतो
कावे॥सुपचतेप्रधिकसुचिक
पावे॥बामदेवनारदपुराणमधि

बिनिसुनाये॥ दोहा॥८५॥ पु
सोर्ठो॥ श्लोक॥ सर्व्वथा जिस दसे
न्यः सर्व्वे दोतपा गः सर्व्वे
दंतवितर्काद्या विद्मुन्यक्ते वि
शेष्यते॥१॥ वैष्णवानो सत सेन्म
रकोस्येको विशिष्यते॥ एकोति
तस्को पुरुषागछति परमं पदं
दोहा॥ चौपई॥ महादुराचारा हू
हेई॥ कि मनं न्य हरिजेन सोई॥
शिवाको सा चुहजानो॥ निश्चैत
ह पिबनलोकानो॥ याबिधिको
हि अर्जुनसाखी॥ कृष्णचंद्रगाता
नरविनाषी॥ तन्छिन धर्मातमा
महोई॥ परमसांतिको पावै सोई॥
बुजयमसु कोरितु कहियत्त॥
हरनक्को नासनसता॥ पा
ाहुजौनजनलाकरनी॥ मेरेचर

त्वैवाच्युत योत्मेते यदैवत्वं पर
ड़ मुख:॥६६॥ चौपई॥ हे केसवै
तुमरे नक्त॥ सर्वे धर्म करता लह
जक्त॥ तुमरा नाहि जिहा न लागही
सर्वे धर्म न कलो सोस ही॥ शुस्थ
यत्कल मो जानो॥ सो पुनि कासा
ड बरवानो॥६७॥ तत्रवाक्यं॥ श्लोक
सक त्रो सर्वे धर्माणां॥ न च्यैष
केशव सकलो सर्वे पापानो थेस
नक्त स्तवाच्युत॥६७॥ चौपई॥ हे
हरि तुमरो नाम जु कोई॥ सा कै बा
तु नित्य स मिलोई॥ विरख हनायेप
य कै जाई॥ तिह रै धर्म धर्म कैं
जाई॥ फल पाई॥ तुम जो कृपा न करे
मुरारी॥ तिन्ह हम परिहे पै मांडे सार
पषि बस्त विरख को फल देही॥ च
सकल धर्म फल लेही॥६८॥ है

गुरतै हि [redacted] याई तिनकौं दं
देहसम जाई जे हरिगुरपदव
नकरई [redacted] रिकम
सरई ॥ ९४ ॥ नरसिंहपुराणे श्रीजी
उवाचं ॥ श्लोक ॥ सुदम मरग
श्चिलेन चात्रायमः लिलोकहि
लिते निखुक ॥ हरिगुरु विमुख
प्रशास्मिमत्योन हरिचरण
ाता नमस्करोमि ॥ ९५ ॥ चौ
॥ जिहरिके नकहुजन्या ॥ तिन
दोसहोयकछुधन्या ॥ तौकत
नकौंदोसहूपावे ॥ नजनप्रन
तेंनिकटनआवे ॥ ज्यों ज्योंमेंउद
कलंकलखावे ॥ तौकलाचंद
तिमरदबावे ॥ येहनरहरिपु
॥ सेसुभिनन्हन
अभिलाषी ॥ ९६ ॥ श्लोक ॥ नग
तितेहरावतनमचेता नराम

बजनकोबा॥बा॥शि॥स्रोहातीरथ
कस्यौबिचारि वचनतोर यजेक
रिस्नानो॥ता॥सस्रैमोकोसनोबग
नो॥गंगाजलहमेबिन जायो॥स
हसतीरथमजुन बिन्हूधायो॥सब
तीरथअसनानफलहोईनेताको
वचनसुनौअबसोती॥७३॥श्लो
क॥यथागोकुजलौघेन॥बिनो
गंगाजलैरपि॥बिनातीर्थसहस्रै
ण स्नातो नवति मानव॥७३॥चौ
पई॥संखचक्र अंकिततनसाजे
तुलसिमंजरीसीसबिराजे गो
पीचंदनमंडितअंगा॥ रंगेरहे
जेहरिकेरंगा॥ औसेजन नवेदेख
नललही॥ तिनकेपापकलातन
रहई॥७४॥पाद्मे॥श्लोक॥शं
खचक्रांकिततनु॥ शिरसामंज
रीधरः॥गो॥पीचंदनलिसांगोह

॥८७॥ चौपई॥ जो [illegible]
[illegible]मारो [illegible] लिवड [illegible]
[illegible]मारो [illegible] है [illegible]
ननों कों [illegible] पर [illegible]
पों कों॥ [illegible]
कों॥ [illegible]
॥८८॥ [illegible] मे [illegible]तो॥ [illegible]
को॥ [illegible] सन हरि [illegible]
[illegible] तुवा तिर [illegible]॥ [illegible]
ना [illegible] कों पि नव [illegible]
[illegible] लप [illegible] वें॥
८९॥ चौपई॥ [illegible]
[illegible]
जद पि [illegible]
[illegible] निर [illegible]
[illegible]॥ [illegible]
रि [illegible] री॥ [illegible]
है॥ सो सत [illegible] है॥

दावदत : राणे ॥ ५५१ ॥ बृहन्नार
दीयपुराणे ॥ श्लोक ॥ हरिर्न क्लि
परायणांतु संग तस्य संगमात्र
त : ॥ चतेसर्वपापेभ्यो महाप
तकवानपि ॥ ५५१ ॥ चौपाई ॥ नक
प्रसंग अनर्थ मिटावे ॥ अर्थ श्र
सित लगाकरावे ॥ पजनके
संतसंग निसावे ॥ निरमलबु
धि पतिष्ठा पावे ॥ वे सर्वदरस
न अरु सफल दाता ॥ पद्मपुराण
साखि विख्याता ॥ ५५२ ॥ पद्मपु
राणे ॥ श्लोक ॥ बिनाश्रयतप
यशो बुद्धि बिचारय त्यपि प
तिष्ठाय ति श्रेयांसिदेवा
दर्शनं ॥ ५५३ ॥ चौपाई ॥ वे सब
संगसुफल सुखदानी ॥ सवत
र्थनते अधिको जानी ॥ गंगस्नान
न सकलफलहि निधि कौ संगम
...नम सबतें अधिको ॥ प्रेमसे

रैचलिजैये॥जुनसोंहिहिनिलि

रेगवद्दयेोडांहिपिवेजुपदेसन

करखीजोकछूमुचरवचनउच

री॥सोहाजुपदेसमोनिस्चर

लाजै॥रिसोविधिनिजकल्याग

करीजे॥यहवसिष्टजुवरनल्य

नौ॥सोयेसारवचनमैल्लीनौः॥

८२॥वासेष्टे॥स्लोक॥सदासेलो

निगंतव्या॥यद्यपुर्वहिस्लिन

याहिस्वैरकथस्तेयानुपदे न्नान

वतित॥८२॥चौपई॥सहस लिज

जोविधिवलकरै॥तासोंवेदाल

सिरै॥वेदांताजूकोटिस्रतिसत्म

तिहितेकेजगतप्रतिजतमा॥ति

नमैजोईकालीसाप्रारसिकनव

महमोसूप्रगाप्यो॥पिहपुराणके

वचनसुनाये॥सोहावरनिकेस

नगवइक संगोहिहरिनहिंस
मिष्ठता ॥ ५८ ॥ चौपई ॥ संतसं
गमयुक्तकतालो ॥ सागरतें
तौनिकस्योनालो ॥ [illegible] ताकि
कईमृतगायो ॥ तामहेमाकोपा
रनपायो ॥ सागरतेवदईमृतनि
कास्यो ॥ विखहूकोवनबचुकु
वे ॥ जन्ममरणनपनाहिमिटै
तातैश्रेष्ठअंमृतयहजानो ॥ संत
ब्रह्मावनहिंकहुमानो ॥ पुनिस
संगरसायनरूपा ॥ सबैरसाय
नकौपद [illegible] चुपा ॥ जलकष्टसं
बनेरसायन ॥ [illegible] रोग
सकैसुमिटायन ॥ सुलनमिलै
त [illegible] ॥ नावननिकुंत
रिपदहायेन ॥ [illegible] संत
संगा ॥ जगकोरंगकोचिकेंश्र
जगतसंग [illegible] कूपहो ॥ संत

ल्सरण॥अनुसरत॥शुद्ध्वै श्रअप
वाल्लानार॥तीयेकुकि पदके अपि
कारी॥बिप्रराज शिरलडु कैसे नि
तेनवतिरै कीलासे हे को॥८२॥
श्लोक॥अपिचेत्सुदुराचारो भज
तेमामनन्यभाक्॥साधुरेव स मन्
तव्यः सम्यग्व्यवसितो हि सः॥
क्षिप्रं भवति धर्मात्मा॥शश्व
च्छांतिं निगच्छति॥कौंतेय प्रतिज
नीहि न मे भक्तः प्रणश्यति॥मां
हि पार्थ व्यपाश्रित्य येपि स्युः
पापयोनयः॥स्त्रियो वैश्यास्तथा
शूद्रास्तेपि यांति परां गतिं॥किं पुन
ब्राह्मणाः पुण्या भक्ता राजर्षयस्त
॥८४॥चौपई॥नरसरपुर्वामस्मो
यगाई॥त्रिलोकनाजस कुल किलति
बाई॥कृष्णचंद प्रभु प्रभु अधुहार
को॥शिशुपालदोष अधिकारन

जाहूहोइसंतसंगजौं ॥ सोपैनहि
संतसंगरघुपति ॥ सोपरचौनसु
कृतसौंमिलई ॥ तबपैमनआन
दरसफूलई ॥ बुधनारदाकह
तप्रमानौं ॥ सुनौबचनअतध
रौसुजानौं ॥ १०१ ॥ इतिनारदायपू
राणेश्लोक ॥ नो [illegible] अपगहद्
के संगेनपरिजायते ॥ सत्संगः
प्राप्यतेपुंभिःसुकृतैःपूर्वसंचि
तैः ॥ १०१ ॥ चौपई ॥ सबैपरिहरि
नसतसंग ॥ जहँबसौप्र [illegible]
लोभसंग ॥ गुरुबचनपरसु
नौहमारौ ॥ जहँतुममप्राणपि
यारौ ॥ जोगरबत्यागमुक्तिबस
करही ॥ सोविरहमेरोमननहर
ही ॥ जबमैंसौविवसिकैरनक्यौंह
[illegible]
सैंहोनबसाजेसैं ॥ त्यागकीयेहै

...ति हि राजा लेमनुष्यः नहि
...राकनु [illegible] हिः कस्यचित्
...[illegible] नावना कुर्येलिचंद्र ॥
८६॥ चौपई॥ [illegible]
...ग्यो [illegible] किये
...लौ जौई॥ [illegible] दिस [illegible]
...ली॥ यक दिस [illegible]
...र्ही॥ यक धौरे तिन पारख हौरे
...सौरि [illegible] ताके चहूं औरैं [illegible]
...डा॥ करौ ज कोई॥ यो मैरी सा...
यन कोई॥ जिम इहलता [illegible]
सु[illegible]ता॥ यहै नरहरि पुराण हि
...[illegible]वतः॥८७॥ श्लोक॥ करे हि
...[illegible] सा [illegible] हि प्रय॥
...लै [illegible] गा॥ [illegible] दृ रीन
...नाइ हि॥॥ [illegible]
लोक तो [illegible]
सुइ ता [illegible]

चर्कएव:॥ [illegible]
स्यागोनध्यापूर्तेनदक्षिणा॥२
बुतानियज्ञा:छंदां[illegible]सिताधी
नैनियमा[illegible]मा:यथावरुंधे
सत्संग:सर्वसंगापहोहिमा
१०न॥चौपई॥नेत्रपायबेकोफ
लयेहै॥नकुजननकोहरसन
लहै॥रसनकौयहफलजि
नकैसौग्रालिंगनकाजा॥जि
का तौवहसफलकहावे॥हरि
दासनिकेगुणगणगावे॥येहु
जगमांहिलाभयहजानौ॥सत
समागमदुरलभमानौ॥जनप
हलादहिचरणाकहरी॥मनमां
नक्रिसुश्रोदयलहरी॥१०३॥
हरिजनकूसुश्रोदयेयांथेश्रीम
हादप्रतिश्चरणीवाक्यं॥श्लोको
ग्रह्मणो:फलत्वादयादहंनोह

॥८४॥ तत्त्वबाक्य॥ श्लोक॥ भूतः
श्री भगवद्भक्त जनानां संगतिः
॥ कार्योसर्वे प्रयत्नेन
विजिगीषुभिः ॥८५॥
रिकेसत प्रभावभूलेला॥

॥तिनकोछार

धे प्रयोनो॥तिनसुईउ
त्यानो॥
[illegible]पुरानळघो
॥ ८६॥ श्लोक॥ भगवद्भक्तारा
न्योलको[illegible]
धनेन स्वाध्येचा॥
॥८७॥ चोपई॥ बेसबस्थ

भक्तनकीसंगतिपाईके
तिकहमुकतिकैजाईसताकोरत
बिहीलिरयोप्रमानो॥

नवसिंचतरौगो॥चतुरथै
चतुरस्रनौनी॥ प्रनुसोपत्ज
नौनोनौ:॥चतुर्थे सप्रोदे श्री
बायै॥ नत्विनु ज्ञ: प्रवर्तत
थिमे प्रसंगो नुथादनंतमत
नमोत्या शयालौ॥पत्वाज्ञसोत
तुरस्वासत्तं नवा॥ धनेषे
प्रनुलोक थात्त्व थोनमत्र:॥
पा॥ चौपई॥ हिन्दिरित्वुवमायावि
जोतौ॥मकरंनानस्यो चम
तलौतौतौ॥ नजनवासतसंग
तिदोज्ञो॥पल सुपानादनादनव
जो॥ उजनमोजनमसगतिस
वानी॥पल कपानौ हिकरैबिल
तौ॥सतसमागमसुमतिरा
वोत्प्रचेतान्प्रनुसोजानौ॥
१० ह्री॥ चतुरथोसपाँदे प्रचेतसोप

जासवसुनौस्रजोनोहिरिकसत
॥ ५३॥ पाठे॥
क॥ गंगादिपुण्यतीर्थेषु योनरः
तुन्विछति यःकारे
:सत्संगालोवर:॥ ५३॥
चौपई।
॥सतसंग विनहिरिपावैसिद्धी॥
छाकरईसंगम
साधुजनोदयसरत:॥ ५४॥
श्लोक॥ चानियानिहुरापानि
छितानिमलातसोजप्येतेत्रा
तान्येवस्या
॥ ५४॥ चौपई। सतसंग
वि
॥सतसत्संगमुक्तिको

॥१८॥ चौपई ॥ अगिन ज्वाल
च . और जरावै ॥ पाड़ सुतौ
तन मैं आवै ॥ कस चिंतवन
न बिकुर जन ॥ तिनकैं निक
हिन बैरी कुद मन ॥ निकट
बालक ज्वालत चावै ॥ पाड़
तासु सहिन तजावै ॥ १९॥
कात्यायनी स्वप्नवोधे ॥ श्लोक ॥
बुरंजत वस ज्वालापंजरांत व्यव
स्थितिः नश्चौरि चिंता बिसुरव
न संबास वे श्वासं ॥ १०॥ चौपई ॥
बि . देख तम ध्रस पाश ॥ वै स्मव
मैं स्व चिन हिय आई ॥ तौ जांना पैनी
चन सिर मौरा ॥ तिन . . स नास
एत जिबौरा ॥ जो कदाचि संना
एहोई ॥ तौ सरसका जो मंतिको
. . ल परसकदाचि कैजाई ॥ तिहि

संगसरव सकल सुपनै। बरन्यौ प
द्मपुराण प्रसंग॥ सास्त्रनिवेद
रीयोसतसन्तसंग॥ ॥९९॥ पद्म
पुराणे॥ श्लोक॥ प्रसंगेन्न त्रय
यूथमद्य ...
शोक पर्यंत ...
... ॥९९॥ चोपई॥ ...
म्रतपान जु ...
...
तनको॥ ...
मनको॥ ...
पा सतसंग ...
द्मपुराण ... नारद
जबरनी ... ॥१००॥ पद्म
पुराणे नारदवाक्यं॥ श्लोक॥ प्रसंगे
न सतामा ...
न्नवंतिका ...
स्यकोमलः॥१००॥

कृस्नजगतितैं सत्तोनै
बिप्र पञ्च संत जानायेते ।। सद्
चार नित करत बिचारा ये ।। सुनि
करमति करत नितारा ये ।। तो हृ
तनकानि घ्रासोई ।। दस्म बंइ
मैंकवहननोई ।। ११२ ।। तन्बाधि
श्लोक ।। कृस्नन क्रि बितिनाये
मुखयासतस्त एवहि ।। तेषां निष्
सुनानुकंपिनस्यात्सच्चरितैरपि
।। ११२ ।। चौपई ।। कृस्नन क्रिबिन
हानजू कोई ।। बिह्सा सुबहजानत
नोई ।। कनाहेये करितारथबास
कहानपो तपकरितनवासा ।। १
कहानयाकरि जिग्य बिधानां ।।
हूतेनारदीक्कतपुरानां ।। ११३
।। इति श्री नारदीपुराणे श्लोक ।।
किं वेदैः किमु वा शास्त्रैः किमुत
र्थनिषेवणेः ।। बिस्नुभक्तिबिही

बसिनसौंतैसैंमुहेवपुजिबहुजग
रचावैांबापांकुपतसाद संचाै
बुतबहुकरैहैघनांहेसी॥पननै
मोहिनबसिकरिलैसी॥बसिवै
सदेवकरैबहुन्यारी॥वेदपदैनि
तदिनम्रस्तीतीरषजाहांसि
कलकरांईघ्यसजियम्रलिसाैे
मनमांसी॥ईनासापनलेकौंस
नासी॥पतैसतिलकलेनुहिपांसी
बसीकरणकोसतसंसारमुक्क
तिलतै राचीहैरंगा॥सिवकोदसम
चिहृकसालहीसैं॥ इडकविनह
वसुविघ्निगलीहै॥१०२॥ऐको
दसेश्रीकृष्णचंदबाक्यं॥श्लोक॥
अथैतत्परमंगुह्यं शृणुतो
यदुनंदन सुगोप्यं अपि कृपा
स्त्रिं मे त्यः सुहृत् सखा॥
नरोत्तम रवां

प्रायश्चित्तानिचाणोनिनारा
परांङ्मुखंनिः पुनंतिराजेंद्र
राकुंभमिवापगाः ॥१५॥ चौ
ई॥ ... ...
कौमंगललहैनतौला॥ जिन
नमैमंगल... यामजोलौब
कृसनसरूपा॥ बिस्मुखमौ
गृंथकाबांनी॥ मैंयेलिखासु
गलदांनी ॥१६॥ बिस्मुखमौ
श्लोक॥ कुतः पापह्रपस्तेषां
स्तेषांचमंगलं॥ येषांनव...
यंमंगलायतनोहरिः ॥१६॥
चौपई॥ कृस्नचरणतेबिमुख
कोई॥ कथाश्रवण... नकरायै
ई॥ नरकपायकेकोमगरु...
सामै... नकस्यौसनेता॥ जि
...रिगुणनताजस्वरई॥ चिलन
स्मपदसेमरणकरई॥ कृस्नच

तन्वाःफलेल्लादस्यगात्संगः
जिह्वाफलत्वाद्दशाक्षातलोहि सु
दुर्लभा नागवतीतिलोके।।१३।।
चौपई।।छिन भंगुर दुरलभ नहि हे
नरतन।।दुरलभ सतसंगति कौ दरस
न नृपति हि देह द्रवन पूछतौ।
कौ।।नवजोगेस्वर सुनत श्रुति भाष
बलाकौ।।१४।।येकादसस्कंधे वि
देहराजावाक्य।।श्लोक।।दुर्लभो म
नबोदेहो देहिनां क्षणभंगुरःत
त्रापि दुर्लभं मन्ये वैकुंठ प्रियद
र्शनं।।१०५।।चौपई।।केसरिके
भूतन तुम्हारे जन। कटहु सति
निरमल तिनके मन।।तिनकौ स
गनाथ मो हि दीजै। हि लिखि लि
तिनहालो न यूं सलीजो कर या
धारस पालकरौ गे।।

करिअन्नमांन तिनलोअपमा
अर्थधर्मजस अरु सु
यते सकल बिनासैताकोकरि
हिंसुदजेबैस्नवनिंदाजानिय
तेनरअतिकतिमंदा॥पितरनि
ले जपुरजाई॥जायपरै
पुनिरोरवमांहीं॥यह बिधिक
हत संकरपुरांनों॥बैस्नवनिं
सुनायेनकांनो॥११८॥संकरपु
राणे॥श्लोक॥योहिभागवतंलो
क पलासंनयोतमां॥करोति
तस्यनृपतिअर्थं सुत
॥१॥निंदांकुर्वंतियभूर
नांसात्मनां॥पतंतिपितृभि:
सार्धंमहारोरवसंज्ञिते॥११८॥
चौपई॥ताडननिंदाबधक जो
बैस्नवदेखिसराहैनहिंसो॥को

कये॥श्लोक॥ यावतेमायायास्य
रान्नुमामईकेत्कि लाॅबङ्क
व सुसंगानायलाः सको न्वे
न्नवे॥१०६॥चौपई॥ यत्का द्विक्षे
येवचनमलसेला अ लिस्रयारे
मतमानिश्चिसलाः लरदेसायेौ
लासोयहई सरि वकथन कासं
गतिलहै १०७ चौपई॥ इत्यादि
कुपतेंकेअसंला॥ तिनकोसंग
नकरैबुधिवंता॥ लिकुपस्मका
रीयेनग्रसलांली॥ सोहैसकलपु
रषारयसाली॥ लरकरतातनीवि
विधि नरसी॥ स्क्रोदांसैलेन
रपरसी॥ तत्र उक्तांपुराणे॥
श्लोक॥ असद्भिः सहसंगस्तु न
कर्तव्यः कदाचन॥ यस्मात्सर्व
पीहानिः

॥अथ उत्तरसार उद्धार ग्रंथो॥ श्लोक॥
न्म प्रभृति यत्किंचित्सुकृतं
मुपार्जितं नाश्याति त
सर्वपाड यतय॥ द्वै सवान
१०८०॥ चौपाई॥ वैष्णव निंदा जे
कोई करसी॥ ताको कष्ट ज्ञा सु
हरसी॥ ब
सि॥ जनके दूत करोत
सकल जन्म जो हरि को सेव
सो वैष्णव निंदा ज्यत है
वको कैर अपमानो॥ ता
प्रसन्नमनि
र कामतात समांसी॥ प्रगट
नाकुण्ड सकछ नासी॥ ११२१॥
हरिके लक्षण॥ श्लोक॥ क
पवे सुफा स्पंते सुता ह्यो यै
चासनेः निंदां कुर्वंति ये पा

नकवुनसोसाई॥ पद्मपुराण
सियेहवांनी॥ पिपर्गि[illegible]
नचुबखोनी॥११०॥ पद्मपुराणे[illegible]
वंडे पारबतीप्रति श्रीमहादेव
जावचा॥ स्लोक॥ [illegible]
चंडालादुपमा स्मृता: [illegible]
सा [illegible] विवर्जयेत्॥
११०॥ चोपई॥ [illegible]
हिचायेन॥ नित सिव [illegible]
परायेन॥ [illegible]
जकरई॥ न [illegible]
ती॥ जसे [illegible]
कुपमें दोउ [illegible] दसव
हैसारवी॥ [illegible] चरि
रारवी॥१११॥ एकादसे स्लोक॥ स
गनकुर्यादसनां [illegible]
चित् तस्यानु [illegible]
यानुगो भवेत्॥ १११॥

दिनसुजगजौ है ।नाकोजीवन
सुफलसलोलै ।मनिमोस्कैर
रोणाकसोलै ।निक्विनाजी
वैजग मालिनजावोकल्प...
रहपांतो ॥१२३॥ विष्नुधर्मो
तरे ॥ श्लोक ॥ जीवितं विष्नु
भक्तस्यवरंपंचदिनानिच न
तुकल्पसह...णि नकिहि
...स्यवछ्यते ॥१२३॥ चौपई
तातेजोहरिपद स्न... रागौ वि
सुनकीसंगति ...तत्यागै
सतसंगतिसोरतिस लावै
...मनक्रमसंतकहावै भौ
रेग्पानीकोरिकमी वैसतसं
गतिकौ... ...गति दुष्वास
वनाकोरे संत ।कियेमैजेरि
रविकाकेता हैनपदेसवस

नो कितयोन्हि: किमशुभै:॥११
।चौपई।।सलहे दुलके गेतलोडां
।।सकलसास्त्रके अरथलखावै।।
परंतुसिन्हहिन्लहीलोवेपु
सम्रमकैसोईकिसाकस्यौसै
सुबिचाला॥ञगरपुरसलस्व
नगरडपुराणे:॥११४॥गरडपुरा
ती।।श्लोक।।अंतगतोविवेहन्तां स
बेत्रासार्थवेद्यपि चेतनस्टै सुरे
नकत्तेविंघारपुरुस्यायन्ते।।११
४।।चोपई।।कुलहीविस्कुलकैग्रंथ
तकरई।।प्राविन्तलिलकपापनलर
ई।।मंदिराषुनपुनीतलसोईहिरस
सङारगंगमैंधोई।।गाजुपुनीत
नकरहीत्योनसोपापप्राश्चितलर
ई।।कसोयेलविछिकलीकसतोप्र
जाभेलन ।।तदः
नरेश्रजानिला

सुनिसेसेविश्रांतो॥तो .तहांतिं
कोश्रुपमांनं॥तेजोहूं॥[illegible]रा
तिको॥अरवोब्रच्यनतखिरतो
नोतिको:॥१२६॥तेजोङ्गबिरा
नारा॥श्लोक॥वेसनेवेसवं
श्च दंडवत्प्रणामे - बिनवनपौर
तरबिसु: शंखचक्रगदाधर:
॥१२६॥चौपई॥हरिजनश्रावतइ
रिहिडसै॥सन. रवजायपारन
हिपरसै॥[illegible]रवेलपुजाकर
॥तिहश्रंगान.तकरतनहरी
तनमलातमअश्रोनहकारी:मेहे
मासकेहपुराणउचारी:॥१२६॥
॥श्लोक॥ह[illegible]नागव[illegible]
सन्मुखेयोनयातिहि॥नरहलु
तिहरिसत्सपुजोदाहराबर्षि
की॥१२७॥चौपई॥जाकेइसतस
तपगधरई तिहिसनमानग्रभ

केचरणनकोंले।
स्योजिहनांस्ली॥ जैसैंलोकति
नहिलैऽप्रावे॥ ८
तावे॥
री॥ मरमरा॥ डुलनस्मकाहिः
॥११७॥ अष्ट सवंदे दुतान प्रति
कौ राजवाक्यं॥ श्लोक॥ लानानय
६ धमस्तोहि कुरवान्
दारविंदमकरंदरसाद्गुरसं॥ नि
ष्किंचनैः
जुष्टातगलेलिरयलनिलद्ध
तरमान्॥१॥ डिध्यानवसि
गुणनामधेयंओत सुनस्वर
चरणारविंदे
यछिरणकदापितानाम्य
सतोकृतविस्मृतयान्२॥११७॥
चौपई॥

सेतेपरिक्रा रिवलसप ःय
हास्तीर्थपादायपाहतं॰ वि
जिता: ॥१३३॥ चौपई ॥ सतक्रप
रिनवनप ग्रौरे॥ हापजोरिति
बिनयेउ ग्रौरे॥ ग्राजिध्वनि
तिक्रायोक्रपाला॥ ग्राजुनयो
तक्रतपदयाला॥ मेरहर प्रभु
जिपग्रौरे॥ ग्रूतिदुखनहैइस
म्हारे॥ जेसोहेहरिकोपदप्रस
जेसोगहैतुम्हरोइसन॥ ग्रैसा
तिबिनतीकरईीयमसैमासव
॥१३४॥ सवैये॥ ग्रौ
चनेमाह ... पं
दुर्लचंद्रचेतंनूनवे
॥१३४॥ चौपई॥
चनीहूबैच्चनीबरवांनेजाग्र
संतताग्राइ्यानै: ग्रासनजल
छिवतसनमांनै ग्रचनीहूबै

गंकैरैलैरिखलखिलसाहै।।षटस्न
पराचपुरांणजुलाहै।।एडस्रपरा ष
शासुखरफारसी।।तीसैकोऊएक
हकरसी।।श्रुनगुनसकललासु
छपसोई।।नरकैपातपैहैनरसोई
सकंधपदपुराणयहलिखौ।।श्रम
स:बिचारी।।नातैलुयरुग्रहलै
सारा:।।११९ सकंदपुराणे।। श्लो
क।।हेतिलिंहतिलेहेषि वैस्नव
मानिनंहति कुब्बेतयालिनो
हर्षेहरीनेपलला लिषट।।११९
चौपई।।वैस्नवलोकोऊकिंहस
तावै।।जातेहैस्पाडापावैज
नमप्रजंतकोयेसुनजोई।।तावै
सुक्रतलिषस्रवसोहीर्हे
रउधारउजांनी।।सोविधिए
ह

पुराणे ॥ श्लोक ॥ उत्पद्यंवापरो०
द्यंवापेऽ सितिवैस्नवं ॥ प्रसाद
वासुदेवस्यतेतरेति ॥ १ ॥
उत्पद्यंवापरोद्यंवामेप्रचारेति
वैस्नवं ॥ कुलतद्धपस्तयोगुरु
मासदानणो ॥ २ ॥ मुच्यतेपात
कैः सर्वैर्विष्णुलोके गच्छति ॥
॥ ३७ ॥ चौपाई ॥ श्राधाकरिकैपाक
बनावे ॥ वैस्नवकोवलभोजि
नावे ॥ वैस्नवजुसोचिजेपरई ॥
ताकोपुन्यप्रकितविस्तरई ॥ मेरु
समानि जुसोहाई ॥ दिनदिनप्र
तिफलहेसोसोई ॥ अन्तसारउ
धारवखानत ॥ फललहेगहन
जानत ॥ १२८ ॥ श्रीसूतसारोक्त
॥ श्लोक ॥ श्रद्धयादत्तमन्नंच वै
स्नवाग्नपुजायेति ॥ तदन्नमेरु
णातुल्यंत्तवतेचदिनेदिने ॥ १ ॥
३८ चौपाई ॥ देवकार्जहितजोकछु
करै ॥ श्राधादिकपितरनिग्रनं

छै स्ववानांकलात्मनो॥१॥मू जिते
जगवान॥लिमुर्जे ज्यांतरन्नाते
रपि प्रसादतिल लि मा ज्यांवे
सुवेचापसानिते ॥१२१॥ चौप
ई॥बेस्वकलीनिंदाश्रुलिस्तुनली॥
हरिनिंदासुनिसिसनाः घुनली
मसापापदलाहोंवलस्याणै॥नि
नकेसंगदलासोपावै॥निंदासु
नतजेजानसुठिजाही॥सुलपुंनि
स्ववतासुजस्याई॥श्रा मूलयमै
मांऊं कारी॥स्नीरवदईजलसंग
लकारीः॥१२२॥ दसमेस्कंदे
श्लोका॥ निंदांभगवतः शृण्व
न्तत्परस्य जनस्य वा॥ ततोनापै
तियः सोपियात्यधः सुकृता
च्युतः॥१२२॥ चौपई॥ हरिजनसे
कैहरिरसपावै पांचवारह

कलशमसैरैं ॥ किं यु चंद्रसौं सुल
मुहाकरैं ॥ सतलकामहै सो सन्द
नी ॥ श्रीसजू भद्रव प्रतिलिखनी ॥
१२४ ॥ एकादश्नौ श्राकृदस चंद्रणोच
श्लोक ॥ ततोद्रु संगसुस्रजा स
सुसजुतबु हिम्नोव्रासेरवएतास
श्चिरेति मन्नेव्यासंग हुहिविचि ॥
१२५ ॥ चौपई ॥ फुल्लि रूहै कदंगल
धारी ॥ मुद्रालिलको लोपै बुदका
री ॥ खवल हुरिलै सिलचिल धरे
पे ॥ निकटि जापै दद्द दलकरोपे
१२५ ॥ श्लोक ॥ सुपश्री नयद्दुदका
समह्र हाण दिङ्ष्टितावि ज्ञाता
नदुरतो दद्युहद द्वाणं दन्धुरा ॥
१२५ ॥ चौपई ॥ दे स्वदलें दुलोद
रेवै करत प्रणाति हित दै मवसेवे
हरि होउ लकैं पूछि व दू

हरिपुरपावै॥ बृहन्नारदीपुनिये
हनाख्वै॥ सुनियेसाखिहियधरि
राखै॥ १४१ श्लोक॥ येविष्णुनक्ता
नि निष्कामानतोजयेः श्रद्धया
न्वितः॥ त्रिः सप्तकुलसंयुक्तेःसयु
तिहरिमंदिरे॥ १४१॥ चौपाई॥ जाके
जनमनक्तजनतोगे॥ श्रीहरितीर्थ
आपश्रारोगे॥ लिंगपुराणमाहिय
हदेखौ॥ बचनहिरवोमेनावबि
सेखौ॥ १४२ लिंगपुराणे॥ श्लोक॥
नारायणपरोविद्वान यस्या
न्नंप्रीतिमानस्नः॥ अश्नातितद्धरे
रास्यं गतमन्नं न संशयः॥ १४३॥
चौपाई॥ नक्तिवानजोहोयेकुली
नो॥ पंडितजपतप गेयप्रवीनो॥
वाकेसब व नजानों॥ एसैंभ्रतकहै
हकीमंडनभ्रैसें॥ दोहा॥ हरिनक्ति
सुधोदये॥ श्लोका॥ नगवद्भक्ति

स्पनकरई तागरस्य केश्च रखैौपि
वा छाडितज्ञो निमलाभ्यपिवत्रा ।
वाकोगरुकस्यान स्वकोंना ॥ ज्ञोति
नयानघलजलखुजानो ॥ स्कंद
पुराणवचनयेजांली ॥ मारकंडे
रिखकसतलखांली ॥ स्कंदपुरा
णे ॥ मारकंडेबाक्यं ॥ श्लोक ॥ योन्य
स्तीतिनृपालब्धे स्वे गरुकाग
तां तजृत्सितृप्तिः स्याहं समस
नमिवचाहणे ॥ १२ ॥ चौपई ॥
जाकेगुरुसत जलभ्रांवे ॥ सनानत
सनमानलखांवे ॥ सेवा बिनुजे बि
षपदावे ॥ सलखर्थेके खु जिनसां
वे ॥ यहा बिधिलकरलपुराणसके
दा जानेनहि बिमुखमदम्रूधा ॥
॥१२ए ॥ स्कंदपुराणे ॥ श्लोक ॥ प्र
पूजितोयदागरुस्तेदे ह्यावोगरुमे
विनः शालञ्जना ।

॥१५५॥ चौपई॥ नारीकोउजुसु
गनिहोउ॥ अथवाकोउ बिभव
है सोऊ॥ तिनमेंजोबैस्नवताध
रै॥ कुलइकोतरसैसोतारै॥ ताके
जनमसुफलजगजो॥ ॥मल
॥ ...सुफलहोहीं॥१५६॥ ब्रह्म
पुराणे॥ श्लोक॥ सन्तक॥ ॥बि
वाविस्नुभक्तिंकरोतिया॥ सम्
धरतिचा॥ ॥नं कुलमेको नर
सत॥१५६॥ चौपई॥ कृस्नभक्ति
रसमग्नजुकोई॥ सबजगमाहि
नरोतमसोई॥ इराचारहूजोकह
करई॥ अथवासदाचारचितधर
ही॥ तिनकोंबारबार प्रनामा॥
कृस्नभक्तसंततसुखधामा॥
सूतनारदीकायेहसाखी॥ निश्चै
मानि हृदयधरिराखी॥१५७॥
ब्रह्मनारदीपुराणे॥ श्लोक॥ हरिभ

न्येप्रकारनैसंतनकीसेवैसामनर
नी॥प्रथुराजाचतुर्थेकीकरनी॥१३
५॥चतुर्थसकंदेसनकादिकप्रतिप्र
थुराजावाक्य॥श्लोक॥अहस्वनाकृषि
ते धन्याःसाधवोगृहमेधिनः य
द्गृहाश्चर्वैवर्यम्बुतृणभूमीश्वरव
राः॥१३५॥चौपई॥जैहांवैष्णवजनसे
वकुपजाई॥तेस्वानाकरैस्योसपहिल
ई॥पैडपैडतुलसीकीजहांनराकरि
सकंदपुराणमेंलहेज्ञः॥१३६॥
सकंदपुराणे श्लोक॥स न्तुस्वल्प
जनाजस्यहैवैष्णवान्नरश्रिय॥
पदेपदे यज्ञफलं प्राज्ञःपैरवाणीको
द्विजाः॥१३६॥चौपई भक्तीस्वपरो
क्षि तकिकलनाई हैस्वभोजनकी
करैबडाई सोपापीहरिसेनरतोई
घोरपापतेछूटैसोनी धन्याजासुदे
वकापाई सोअसागरकोतिरजाई
संतनकाजदेअनिलसन्तोनाई
रवीपुरणनिकद्विसुलाई॥११३७॥

१४॥ चौपई॥ नारीकोउजुसुं
गनिसोउ॥ अथवाकोउबिध्व
है सोऊ॥ तिनमैंजोबेष्नवताध
रै॥ कुलइकोतरसैसोतारै॥ ताक
जनमसुफलजगमांही॥ मतन
मैं॥ सुख्यातरीं॥१४६॥ ब्रह्म
पुराणे॥ श्लोक॥ स नतक॥ बिश
वाविष्णुभक्तिंकरोतिया॥ सकु
इरतिर्चात्मानं कुलकेकोत्तरं
सतं॥१४६॥ चौपई॥ हरिभक्ति
रसकरहजकोई॥ सबजग॥ पवि
त्रीतकरसोई॥ दुराचारहूजोक
करई॥ अथवासदाचारचितधर
ती॥ तिनकौबारबार प्रनामां॥
॥धमनके संततसुखधामां॥
बृहनारदीकायेहसाखी॥ निश्चै
मानि हृदयधरिराखी॥१४७॥
बृहन्नारदीपुराणे॥ श्लोक॥ हरिभ

॥तां दिलको ज्ञाले...
रिमां ब्रह्म लिनकौं देई
। छिलद
:॥१२र्ण॥ ।श्लोक॥६
योदयाद्वार सांवंतुले हाले॥
प्रोद्यास्तं नृत्वा पितृणां तु
तिष्ठति॥१३र्ण॥चोपई।ज्ञे
ननदरिपु...
सनातन...
री।पायाह्...
नारदीक...पुरानो...
...सुप्रसजानो॥...नारदीपुरा
॥श्लोक॥ह...रलानो...
नाकरता...
ति पाविनो...॥१४०॥
चोपई।ज्ञे
श्रधाजुत...
कुलई

संतनकोचरणकमलनेहरहीस
मोनिमिठेकचुप्रौराःकरमन
कौश्रेठनिकोरा॥याकासाख
कहैकलगारिश्रीधरस्वामीबा
रनिसुनाईः॥१४८॥श्रीधरस्वा
मीकृतटीका॥श्लोकः॥किंजिपंमधुरि
वरिणोचरसुधासिंकंस्वलका
पितंतस्मान्निपतमंचकिंमुरि
रिपोर्नामावलीकीर्तनं॥तस्मा
न्निपतमंचकिंनगवतोल
स्यसंदर्शनं॥तस्मान्निपतमंच
किंपदस्तुधातद्धकश्रेषामृतं
॥१४८॥चौपाई॥जाकोबैस्नवसं
जातीई॥बैस्नवश्चनप्रीतिकरिसै
ईः॥प्रारथनाकरिजो।नकरईयह
विधि।का।॥१॥नमोकि
उबैस्नवनामकहावै॥पूंनश्रुबै
स्नवकोनलपावै॥भूमीकारसुश्र

नस्यजांति॥ शास्त्रेजपस्तपःप्रप्र
णास्यैवदेहस्यकंडुनेलोकरंजनं॥
॥१४३॥ चौपई॥ तातैंसर्वप्रयत्न
नकरिकैं॥ वैष्णवसेवाकरिहित
तउरिकैं॥ वैष्णवसेवाजौंजनक
रिहैः सोनरदुःखसमुद्रतैंतिरिहैं
॥१४४॥ श्लोक॥ तस्मात्सर्वप्रयत्ने
नवैष्णवान पूजयेत्सदा॥ सर्वं
तरतिदुःखौघंमहापापानलार्जि
त॥१४५ चौपई॥ दुख्यसमैंआदरस
रैं॥ सबअंगनकेदुख्यपूजासरैं॥
सबदानोंकेसुसकरिजांनैं॥ मोतैं
नकछुहितसुजसानौ॥ हिनदैंनतैं
नसौंहितजांपैंगौंवहुहदैहैंनितौ
चैवसितादेवोहिंकेघ्वंसुजिजसकुँव
तैकहौ॥ सोहोवांनोहिदतौंगतौ॥
॥१४६॥ श्लोक॥ आदरःपरिचर्यां
यांसर्वांगैरभिवंदनं॥ मद्भक्तपूजा
भ्यधिकासर्वभूतेषुमन्मति॥

रिकोजाचन्नाकेरो॥मुन्न
रितकरिलेई॥ब्रम्भपिवन्नुजानि
कैजेई॥स्त्रिन्नमनलाजोनाहि
तैई॥तलाकोग्य
सकलपापतेछूटतेई॥नारदरि
खवयहविधिकहदेई॥१५२॥ना
रदोवे श्लोक॥
कोघबुजेदेहमवमोहिरं याच
येदन्नमकमतलहन्नाचेजलपि
वेत॥१५३॥चौपई॥
कोअन्नपविपिवा॥
गोविंदचरित्र॥गंगाजूकोबा
रिपुनीता॥जेसे
ता॥प्रहलहद्वाचेतप
हरिकैहेतिमोलमदत्याग्यो॥
कादसीसुदहृतयहई॥पा
रनिश्चकेकरिगतहई॥पेचा

नस्यजातिःशास्त्रंजपस्तपःअप्रा
णस्यैवदेहस्यमंडनंलोकरंजनं॥
॥१४३॥चौपई॥तातैंसर्वप्रयत्न
नकरिकैं॥बैष्णवसेवाकरिहितु
तडरिकैं॥बैष्णवसेवाजौजनक
रिहैः सोनरदुःषसमुद्रतैंतिरिहै
॥१४४॥श्लोक॥तस्मात्सर्वप्रयत्ने
नवैष्णवान्पूजयेत्सदा॥सर्वं
तरतिदुःखौघंमहाभागवतार्चना
त्॥१४५चौपई॥परिचर्यामेंआदरर
षै॥सबअंगनकेंदंडप्रनामरषै॥
सबअंगनिकैसेवाकरिजानै॥मोतैं
नतकौअधिकसनमानो॥मेरेनतं
नसौंहितजाकौ॥उजहलजोनितो
चैबसितातैंहींचअंगनिजमक्व
तैकही॥सोहोबोनीदृढजैगही॥
॥१४६॥श्लोक॥आदरःपरिचर्यां
यांसर्वांगैरभिवंदनं॥मद्भक्तपूजा
भ्यधिकासर्वभूतेषुमन्मति॥

सेवकतेहै॥ तिनकोंगुप्पामांनी॥
ऐसैं॥ कलयुगमेंकोंकीजायें
दयमांहि प्रभुजनमांही॥
कनेदमांनीयेलाली॥ सबदे
अनावरवांनैः॥ येजांनैसो
जांनैं॥ १५५॥ सवेदे॥ श्लोक॥ कर्म
मनसावाचायेचेयंतीसदा
तेषांवाक्यंनरेकार्यं ॥
समानराः॥ १५५॥ चौपई॥
बि प्रनहिन्निसलाहैं॥ बेस्पन
दमसुद्रनसाहैं॥ नाहिंदमभूर
जभूतव्रारी॥ नाहीगृहस्थीस्पा
मकुनसारी॥ वांनप्रस्पदमन
नउदासी॥ दमपुनिनीं
सन्यासी॥ पुराणप्रमांनदेख०
अंकतसमुद्रमधुररसदूपा॥
जोगोपीजनबलद्रप्यारे॥ को
कमनमध्यंमोलनहारे॥ तिन

क्रिरसात्वाहंकुरितायनरोत्कों
दृप्ततावासुकुलावालेस्यो मितमन
मोनकः॥१४७॥ चौपई॥ सबजल
जीवरिबकगपस्यजाईसोदुक्खनी
कबहूनसौरवाई॥लोडलनदूडसब
नकोकरई॥कूरसनलिकोऊरवल
उरई॥ चोप्रल्लादसंरितायक्षरसीन
हरिनकूनकोकालनगरूई॥१४
८॥प्रल्हादसमियो॥ श्लोक॥बको
जलचरान वाकूपनकोडुकादीनि
वर्जयेत तथायन्तः सदीवितावर्जे
यतक्रदमस्येवलाव॥१४८॥ चौप
॥यलिनगनोकिलकणलतिमिथ
प्रदितिडूसेसनुरिख्र॥तास
हरिलोम॥
लिम ऊन बुर
र० हरि
नकराये॥याते मिथ्र:

नैं॥साधनऔरकछूनहीमानैं॥
रहस्यागणहरिदासनकेरे॥साध
रसिधिवसाहैमेरे॥दोहा॥
नवकरमकोउगहिरहै॥
चभजनसार॥ [illegible] २८॥
रऔरिनकोअधिकार॥१५७॥
श्लोक॥ज्ञानातलवेवका:पे
चतद सांखलकबका:वथेलु
रदासानांपादत्राणावलंकबक
॥१५७॥चौपई॥ जतमोसोंहिसि
खानतिआवै॥श्रीगुरतिनकौन
रकरिजानै॥जातिबुधिवैसव
मैकरईहरिचरणोदिकजलच
नकरली॥संतनकोचरणोदिक
सारते॥तातिकैरेजलबुधिविच
री॥कुलघ्नलोमन [illegible] ॥
जेवजापकरहिकौसुखकारी॥तिन
कौसाधारणकरिमानै॥अधिर
छिउतिनमेंठानै॥हरिस्मस्तहै

क्रिरसास्वाद्दमुदिताधनरोत्तमाः
दूतावा सुदृत्तावातेन्यौ नित्यंन
मोनमः ॥१४७॥ चौपई॥ सबजल
जीवसिबकगपत्यजांई॥ मीडुकली
कबहूनलीखाई॥ त्योजमदंड सब
नकौंकरई॥ कृष्णभक्तिकौंरेरवत
डरई॥ ये प्रल्हादसंहिताकरली॥
हरिजनकौंकालनगलई॥१४
८॥ प्रल्हादसंहिता॥ श्लोक॥ बको
जलचरान् जन्तून् मंडूकादीनि
वर्जयेत् तथायमः सर्वहितावर्ज
यतकृष्णसेवकान॥१४८॥ चौप
ई॥ यहिजगमांहिकरूप्रतिनिष
प्रत्तंप्रपितजुसेसजुष्टि॥ ताहि
तेंप्रतिनिषकहालैहरिनांवा
सिमधूरमहातैंर्‌हतेंक धुरसु
रजुचरायें॥ हरिदासनकौंदरस
नकराय॥ यातेमिठप्रेरकहरहू

कैसैंष्ठौ सकैं महातम ॥ जू लैं बु
द्धिशुन्ति कीधि द्युरातम ॥ पगकौं चु
चुपुटीम छिजलेनिधि संबली कै
सैसकायकैसी बाधि ॥ तैसेही सत
प्रस्तावलगाधा ॥ मैंकछु गायेसि
टनबाधा ॥ संतकृपाविनसदंग
तिनांही ॥ प्रतिनजुगलपदमां
ही ॥ तातैंसतसमागमकाजे ॥
नरतनतासिर फलकरिलीजे ॥
सतसंगतिसबरुषकोसारा ॥ से
एकसतसौंबारंबारा ॥ सतसंगति
तैबुधिप्रकासै ॥ सतसंगतितै
वूचनपनासै ॥ सतसंगतिसमि
औरकछुनाहि ॥ लहैसिधिसबजोजे
चाहै ॥ पाछितैंहरिन क्रिपापां
वैं ॥ जाकौ लुला दिकललचावैं ॥
नक्रिसमोति मपुरषारथ ॥

मनकरसी कुरमपुराणबचन
कचरई ॥१५०॥ कुर्मपुराणे ॥ श्लो
को ॥ वैस्नवानांहितोनित्य प्राप्य
न्नंवैस्नवे सदा ॥ वैस्नवानां
नंतु परिवर्ज्यसमेध्यवत ॥१५०
चौपई ॥ वैस्नवअन्नसु ॥ कृतकी
जे ॥ प्रार्थनाकरिकेहलाजो ॥ सब
पराधदूरिकरिदेई ॥ वैस्नवअ
न्नलेतछिनतेसी ॥ अन्नमिलेवे
तोपूसैकाऊ ॥ जलहीतलाभोगप
करियाजे ॥ वैस्नवअन्नप्रभाव
अपारा ॥ पद्मपुराणबषानतसा
रा ॥१५१॥ पादुदेनदूतजिकुडलसं
बादे ॥ श्लोक ॥ प्रार्थयेद्वैस्नवाद
न्नंप्रयत्नेनविचक्षणः ॥ सर्वपाप
विशुद्धार्थंतदभावेजलंपिबेत्
॥१५१॥ चौपई ॥ महापातकाजो
नरहोई ॥ वैस्नवअन्नपायेहैसो

कितनेंई॥पंछीअ न्यतिकजाति
नेंता॥गनतगनत न्हसेनै नग
ता॥कितनेंई [illegible] तिमनमें [illegible]
री॥तिनकौ अग्यणितजातिनि
कारी॥तापीछे-थ- [illegible] कहि
ये॥तिनहूंकेकछु [illegible] रनलहिये
तिनकै [illegible] चिबिचारिजेहैं॥म
नुषजातिघोरेलालेखैं॥औरसर
रबहोतजगमांहीं॥मनरवदेहघो
रिजगमांही॥औरदेहजगबहुत
पकांहीं॥तैसेंमुषजन [illegible] कछु
नांही॥हैबेकरिबिचारितिनमें
हो॥ [illegible] तिनीचइसांहीं
कलेछपुलिंदबोद्ध कितनेंहीं॥ति
नमैंनाचतितनेंई॥ [illegible] धेतेयहे
न्यातिनिकारी॥ [illegible] चरहै सो लिख
तौबिचारौ॥बेहनिषतिनमैंबा
हौतेरीबर [illegible] दगसकलसमान

बिधिरिषमुरवभाषी॥मारकंडेभा
गीरथभाषी॥सकंदे मारकंडेभाग
रथसंबादे॥श्लोक॥शुद्धेभागवतस
न्सुद्धेभागीरथीजले।शुद्ध बिद्धु
परंचितंशुद्धमेकादशीव्रतं॥१५३
॥चौपई॥बिष्णुवतोपेक्षरतजोउ
नकरतीश्रुबैष्णवकेघरभोजन॥
पावैजलोजलहुबिनजोनो॥ताके
प्रायश्चितबरवानो॥चांद्रायणब्रत
करैजुसोई॥तिहिपापतेंसुद्धतब
होई॥इष्टापूर्तिपुन्यसबवाको॥बि
फेअन्यथानिफलताको॥पदुमखं
दमहिमोलिखिदीनो॥मारकंडे
बर्ननकीनो॥१५४॥श्लोक॥अबै
ष्णवगृहेभुक्त्वापीत्वावाज्ञानतो
वा शुद्धिश्चांद्रायणे प्रोक्तारष्ट
तेंब्रिषासदा॥१५५॥चौपई॥काइव
चनमनकरितजेहें

चाहिनचाहै॥केवल
उमाहै॥मुक्तिमुक्तिसि
चाहै॥जानौतिनहोंम
है॥ताकीसारिवताग
स कैसैंनपपरास्वत
श्रीभागवतेषष्ठस्कंदे
श्लो॥श्लोक॥मुक्तानाम
नो॥नारायणपरायणः
ष्र॥ता भाकोटिष्वपि
१७ टी॥चौपई॥मुकत
उजूकोईबडभागीसुजा
ह्मकूपात॥पाकर
क्तिलताकोबीजलहैउ
वबिचारहिकरई॥श्री
क्ततरधरई॥ह्म
नायेचाहै॥तबजिये
नोतिउमाहै॥गुरसुन

चरणकवलकेदास॥तावन्तहि
हियेसर्सनिवास॥तिनकोदास
निदासकहावे॥जनमजनममेंये
गतिपावे॥पद्मावलीयोकसौव
॥यस्मौमतिहितदेहिसो
॥दोहा॥बर्णस्वरोलाहिकव
आथमहनसुलाये जगतौनिर
दासनिदासकहा
॥१५६॥बद्मावल्या॥श्लोक॥नास
तिलोपिदैरपान
नोवावर्णीन्चगहपतिनौ
सोयतिर्ण॥किंतुओद्भिर
नंद॥पूर्णनिताको
॥पदकमलयोदासद
॥१५६॥चोपई॥किलेल
ग्यांनअवलंबनकरसी॥कौतुकम
॥रुजसोंजोको
आई॥ता ॥
सुनाई॥रुजनसाग्यो कौजं

पहुंचैन क्लिनता सर्वोपर॥ हूंह
वन गौलोक जाती॥ कृष्णचरा
तसकौलिपजतीहै॥ तिनसोजा
यललतालप नह॥ ततापकेलिबिल
तारतिपाई॥ तौ फलतारस ॥ स
मनिपागै॥ प्रेमरूपफल ॥ कै
लागै॥ तिरूमालीगुरसी ओकर
ई॥ श्रवनकीरतनरसजलदर
सौ॥ यहिबिधिललतालहै बिस्त
रा॥ सजलहरितिबाढैबढवारा
म तहूरहै है भवअपराधा॥ सो
ई गजकरैलताकौबाधा॥ यलत
पाजोललताउरवारै॥ मोरिमोड़ि
भरताखडारे॥ तौ हितायीसोले
हब्बाई॥ तौ निरबिघनलता
गहगहराई॥ याकौ न्ताबथ ॥ है
पथरई॥ बिह्यदोषकबहलावि
रई॥ कापैकबाचिकमनहुलनध

नके स्वामी॥ सोर्बैसु प्रभु प्रंतरजा
मी॥ और देवस मको तिनकौ गम
नही॥ नी श्वेजी निनारकौ तिन
सी॥ नक्रि सुखोदय मत मांकली
ये विधि मी नित्ती जी योसकी॥१
५८॥ नक्रि सुखोदय ग्रंथे॥ श्लोक॥
प्रच्छे बिहोचिताथीर्दस्फुतरम
तिबैं प्रवेजातिबुद्धि बिहो बौबे
स्मवानो कलिमलज पने पादत
थैबुबुद्धि खंस्योरनौ मिजवेस
कलकलुषै शांबृस्यानानबुधि
द्धि बिहोसर्वेशूरे बोलदितरस
मथी पेस्पबोनारदीस्व॥१५८॥
चौपई॥ संतनकी महमा जू बिसे
सा॥ बरनिसकत न सोसेस महेस॥
मदेमा जद की पिजस्यात तिवर
नी॥ की

ईसिताजाईसिपदाई॥कृम्मचरणासु
रतकुडिलसेई॥ [illegible] ग्र
स्वादनलेई॥येहाप्रेम लघुरघ
रघा॥यहिसाक्षानिकधैरत
स्वारथ॥बकुक्तिचरकपुनिग्र
र्थस्वकांको॥च्यारूफलस [illegible] तो
सरवधांको॥प्रेमसुफलस्वास्वा
दनआगें॥तणासकतुष्टिच्यारि
फललागें॥सुधानक्तिप्रेमफल
लीहिहैं॥सुधनाक्तिकोलघुणाय
हैहै॥ऋनवक्ताचितन [illegible]।चरही
ग्यानदेवपुजानहाकरई॥ग्यानकु
रममैचितनहैई॥बिरि [illegible] यनत
मनबसिकरिलेई॥कोमनकुल
सकलईंद्रियगना॥कृद्मचरणाग्र
पितकरायेकना॥सुधानक्तिरहि
लियेनाई॥प्रेमाभक्तिनदेतव
तोई॥१००॥पंचरत्ने श्लोक॥

सोहीजीवकोसोश्रीस्वारथ्यानर
तनलालनसकलजगमांहीं॥नहि
स्वातिश्रीनकछूनांही॥स्वामिनी
रत्नकिरससागर॥जोवैभवनाच
तनरसमागररससागरमें॥जोरस
सोहै॥याकेपारावारनाहीं॥ईह
पिश्रपनेमनस्वभावन॥लिहुम
नलिखिहैश्रुतिपावन॥ऊलान
नावनपवनकबिस्तारी॥स्वामिस्वाइ
नकोयेहितहियधारी॥गुरुसंत
नकौहिउगहैसबलैं॥प्रथमजीसि
ईसजनताबरनौं॥यहीरसस्वारसनं
तजीवगन॥लखचौरासीनरमें
तश्रमितमन॥जोवस्वरूपसोषु
इगचल्यौ॥श्रुतिसुधमतैसुधम
कस्यौ॥तिनजीवनकैहैविधिने
द
गमहूंमैंलेदखनेसौ॥

हृदेयनहृयरतिलौई॥रतिलोग
दसायेजबुआवे॥ताकोनामसु
प्रेमकहे॥प्रेमबदृोत...
सनेह॥स्नेहबदृकह॥मानजू
यह॥मानबढेजब...यकही
जो॥प्रणयबढैअनुरागलहेजो॥रा
गब...राग॥केश
नूरागलहैबडनागा॥बढिअनू
र...सरसावे॥नावबदे
मन...नावकहावे॥बीजठिकाने
तासरतिजानो॥तिहितैंआगे
औरबखानो॥गाडेकेरसतासठि
कानौ॥सो...केबल...मप्रमी
नौ॥गुडउहाठि...नैंसन...जा
नौ॥खांडठिकानैमानबखानौ
...रसकरा॥प्रणयबिनागा॥
सिताठिकोहै॥...॥मिश्री
...॥स्वकहो॥अनुराग॥कहेदबारस...

बिधिवत [illegible]
बेदबिरुध [illegible]
बेदनिखेधाप [illegible]
पापकर्म [illegible]
रतहै जिनके [illegible]
तिनमैं॥ [illegible]
कोई॥ बिरल [illegible]
होई॥ कोटि [illegible]
ग्यानि [illegible]
टिक्रग्यान [illegible]
वनकुलि [illegible]
कलिविन [illegible]
किरलेइ [illegible]
होहिनर [illegible]
होसुषद [illegible] यातें [illegible]
रतिवंत [illegible]
येसंता [illegible]

तौरस पेश्रावैजांई गोणाक
इं॥रसिकत्तक्ति तिनयेनगाते॥
है पंचरसमुखमापिकें॥न
नकेमन रहेबापिकें॥सातो
सयेश्रावैजांई॥श्रागंतुकताते
सांई॥सातिन्नक्तिनवजोगाक
हेयू॥सातिन्नक्तिसनकाहिकल
हेयू॥हास नक्तजगमाहिश्रप
ा:हरिपदसरनोजानोंसार॥स
वा नावबुजश्राहामांदिक॥पुर्से
श्रर्जुनसखाउत्ताबिक॥बाल
लन्नक्तिनदबुजउमती॥पुत्रन
वइउक्तरमूमाहिरती॥पुरमेसार
दिवकीगनें॥बत्सलईश्वरताके
सनें॥मधूरत्तक्तिरसबुजमेग
गपी॥पतकरिप्रेमबुजाइठ
रोपी॥पुरमेंमहिषीमधूरउप

दीजबसद्गुरकोसरनैआवै।तबै
सद्गुरकोलेकरावै।जुगनजाहि
तिनकोदिढनावा।सोचोनांदौ
हितचितलावा।जैसेनावकस
गुरकहिये।जैसेगुरसबकोसतबोल
हिये।तबसतलोककेपंथकेहितद
ई।नाहिंबीजअधिकारनकरई।
सिषकोहितदेहुमिलिहितजानै।
मोतीआनूरहसमानै।वण
कोरतनजलसोलेउबा।न
जउलहैसिरवतुरतब।नाहित
ताकोप्रभुवरदई।सिरलकेहियेप्रे
मसोवहई।असोलैचलासतलोव
दवारा।जोहिंहैकोनसोपारा।
हूजाहूसलोकपरजाई।अमरयो
मतासाक्षसोई।येनलोकनकोच
लनआने।यहईसबहिजेहि
जाने।प्रकष्यैअसहकैताको

अनुरागै॥ पगेमधूररसतिहि
केआगै॥ श्रैष्ठजैनासकोचली
पाई॥ मजांनेनजा ? कितेदवि
जाई॥ वसु ... किहिपमा
हौ॥ सुद्दबात्सल्यफलकतना
ही॥ यश्चर्जजुत ... लयअको
सै॥ सुथवात्सल्यैनहीनासे
मास्योकैस कृष्णसुखपांमे॥
मातुपितु हितबकीयो प्रमांनं॥
२तबदोउन- रसंकाप्रांनी॥
पुरष प्रधान कृष्णयेजांनी॥
॥२२५॥ श्रीनागरि... ...
कोदै॥ प्रश्नोत्तर॥ देवकावसुदेव
श्वबिवाप जगहाभुरै॥ कृत
संबंदनौपुत्रैसरवजातेनसं
सेकितौ॥ ... २२६॥ चौ
पई॥ सरवा त्ता वअर्जुनहिहि

रायें॥बैसलदेसपलसलडियउरिये
उपसरवाडलक्वैंप्रयावा॥ललि
लतानलैसहसारा॥ललिङ्कि
जुक्रिबांछा [illegible] वौ॥लाजप्रलि
छा [illegible] सत्व [illegible] वौ चितलाल [illegible] चाहै॥
ईत्यादिकउपसरसलाजानौ॥ललि
ताबाधिकललितिलानौ॥ [illegible] उपसर
बटतबिचारौ॥ [illegible] सुवलि
काटिनिवारे॥लुलिलु [illegible] सचा
नतलिमांलौ [illegible] सुहानुध
रिजानौ॥ [illegible] सुसारवालाहिजा
वृंदावनसुजाई [illegible] सदाई॥ललि
ताकेप्रकासलरस [illegible] सरिपा
सुलोयेमनूपा॥सोलाल [illegible] वकौ
किप्रगपवशी॥काली [illegible] प्रस्व
॥कालीप्रागुरदेव प्रक
प्रवलबलजानै

अनुरागै॥ परेम भूर रसतिहि
के आगै॥ औरु जेतास कौ चहीं
पाई॥ जो न जाये किते हु वि
जाई॥ व० १५ देवकी के
हीं॥ सुद्ध बात्सल्य उलकतनी
ती॥ अर्जुन सुत बात्सल्य प्रका
सै॥ सुचवा
मास्थो के स कृस्न सुख धाम॥
मातु पितु हित व कायो प्रमान॥
तब रोउ न उर सका आनी॥
पुर ब अध्यान कृस्न ये जानी॥
॥२२४॥ श्री भागवत दसमे स
कंदे॥ श्लोक॥ देवकी वसुदेव
अविज्ञाय जगदी श्वरौ॥ कृत
संवंदनौ पुत्रौ सस्वजाते न स
क्तितौ॥ ०००० ॥२२६॥ औ
पई॥ सखा भाव अर्जुन हि हि

सर्वोपाधिविनिर्मुक्तं
निर्मलं भक्तिरूपचिन्ता
नन्दमिष्यते॥श्रीभागवते श्र
तेतुकअवाक्तिलायाभक्तिः
तमे॥सालोक्यसा
रूप्यैकत्वमप्युत।दीयमानं
गृह्णंतिविनामत्सेवनंजनाः॥२
भक्तियोगआख्यातआत्यंतिकउ
दाहृतः।येनातिव्रज्यत्रिगुणांम
द्भावायोपपद्यते॥२०१॥चौपई॥भु
क्तिमुक्तिदेखिजोत्यागै।भक्तिउर
येहिधनलैलागै॥ब्रजविसाचाहै
जोई॥बदलेदेतनहिसुख
तस्वाद्ये॥श्लोक॥भुक्तिमुक्तिस्पृहा
यावत्पिशाचीहृदिवर्तते।ता
वद्भक्तिसुखस्यात्रकथमभ्यु
दयोभवेत्॥२०२॥चौपई॥साधन
भक्तिकरतनि

बिसेखौ॥पहि बिरकोप्रेलहि
तसांई॥१४॥गरोगाकेषु॥ तमुच्छ
मांसी॥केसं चमके रेहोकनकै
कषु॥श्र खरजपनगान्पोलं॥
नकौ॥ कह्म बिनासब त्रिह्मा
त्यागा॥ कह्मचरणाम्बिदिह्य
नूरागा॥सांतिन्क्रिकोलखि
णायहै॥ कमलनें॥ खश्रौर
नचहैहै॥ स्वरगमुक्तिसुख
बिबिधिबिधांनो॥ तजेईनतो
गनिनरक॥ रसनाम्॥ बचस्स
कंहे॥ ध्रियोपि॥ नारायणपरा
ससर्वैनकुतश्चतबिन्यति॥
स्वर्गापवर्गेन केषपितुल्या
र्थद र्शिनः॥२३॥ चौपई॥ सुरए
॥२४॥ एप॥ गप्यांनो॥ हैरदास
कैलहेसुजानो॥ गपानकैस
मजोरखलोई॥ सेवाकरेहम

हिरसपागा॥ जिन जावके ओलौकी
हैरा॥ यहितै अधिक धूनहि औ
रा॥ येजू नहि रस स्यारकहियै
अमृतसमो निस्वारस होलहि यै॥
जैसै दृष्ठ हि अनुपुट पावै॥ हितम
धूम्र चिकपुनरसासावै॥ कहियै
नानरसालासोई॥ समक धूम्र
सुवादन सोई॥ जैसे नहि तै दूरति
जानै॥ ताके [illegible] प्रकार बखानै॥
नहिसा हि [illegible] सब [illegible] लावै॥
दूतिये दास [illegible] हि कान जावै॥
ततीय [illegible] र लिकासै माल रनो॥
बसल [illegible] कालन रनो॥ पं
चये म [illegible] र लिकलाये॥
कुविक [illegible] रसल हिये॥
मूल तुत [illegible] हिता रक रोमये॥
रेदवि [illegible] रनो नये॥

सद्रसांई। कदम्बमांहिं मनतास
रसांई। क्षात नाव पियेकौं जिय
अपैं। प्रेमरंग निज अंगरसमैं पैं
सैवै सरस नेह अनुरागी। तास
कै औरकौं न छड लागी। जौ नैंकु
कोउ मधुर रस करकौं। चाखूं रस
कै यमेधरकौं। जैसे केलिहाउ
ताआकासा। पर च्याम निगुणपा
च प्रकासा। तौहां जोलिम धुरर
समाहीं। चाखूं रस तिन सैइ सांई
औसे करत नावतां उरमैं हृदय
बसैं तिलिकै उर पुनमैं। कद्मह
पातै धनरससागर। अखाइन
करिहै डनन नागर। सकल रसन
कोयहै निकेता। कीनौ रसिक
जननकौनैता। रसिकनकौ परहर
जसिरधारी। सौंहिं रसकौ

सी हैबैकुंठरसापदहास्वी।फेरि
हकुस्सरतिहोयेप्रकाव।तिसके
बुरनोगूढो बिच्यार।प्रकसे प्र
थैमधुरस्स सो॥दूजी बेहेतरस
बरनी सा॥भुरसे केवला सुचप्र
कासे॥प्रेमसुख जानेंलोग अन
नासै॥अधुरातिथाहरि कासी
हो॥त्रिभूतनाद प्रकासतताईस
बैकुंठमें प्रेमपूर्जनवासाजो॥सदाप
तुतुजस्वपहिरजो॥सुधारतिकी
पेलसुनावा॥प्रजरनफुरे प्रेमपुर्न
प्रनावा॥ईश्वुरले हददलकरई
ताकौबुझजन तिखेलतिघरई
ईश्वतातेकौन कनगहौ॥प्रथनत्ना
वमा॥तिछकिरसो॥सोतिदा॥स्पर
तिवारेजेजन॥तिलनगैयूनहै
उदयपन॥बा१९९८

वाक्यं ॥ श्लोक ॥ नैवोपयंतापचि
तिकवयस्तवेश ॥ ब्रह्मायुषापि
कृतमृद्धमुदः स्मरंतः ॥ योतर्ब
हिस्तनुभृतामशुभंविधुन्व
न्नाचार्यचैत्यवपुषास्वगतिं
व्यनक्ति ॥ २५४ ॥ चौपई ॥ गीता
मैंकह्यहरि - षवांनें ॥ सोयहल
खौं लक्षिनिधिपदांनें ॥ असोकु
छिदैहुमैंजाते ॥ भनायासकै
(?) ॥ यासिष्यातसौं
यलजांनीयें ॥ गुरहीसाक्षातैंह
रिमानीयें ॥ गीतायां ॥ श्लोक ॥
युक्तानां भजतांप्री
तिपूर्वकं ददामिबुद्धियोगंतंये
नुपयांतिते १ कविविक्त
॥ जातसर्वपुराणेः सन्मत
ः सर्वं ॥ स्वल्पैः पुरा
णवाक्यैः किंचित्कि ... पु

येसै॥तदपिसरवाईअर्जनयोंहै॥
बिस्वरूपलख्यो॥सोकामोंनी॥स्य
खन्नावृतभिक्तिबिनाजखोंमी॥
॥गीतायां॥श्लोक॥सर्वेतिमल्ल
पुसत्तंयदुक्तेकृष्णहेयादव
हेसखेति॥अजानतामहिमां
नतवेदंमयाप्रमादात्प्रणयेन
वापि॥२२७॥चोपई॥सकलअ
हियेंमधुररसलसैं॥पथेअर्ज
लियेरतिलसैं॥किसकियोप्र
स्यनजान्यो॥बिछान्नईयेनै
मान्यो॥केवलसुहृदप्रेमजा
नाताई॥तातेंअर्थगयेनहीं
ई॥कहयोंअर्जदैखिबहूपरि
रा॥करतलनहींसंबरसिथल
राजसुतलिसुसेलमुखबिस
जदेखो॥तदपिकछ

समझाई॥जेनकेनबिधियहम
नजीलो॥कहैसंतयु पतिजिन
ईलो॥रसनापायकृष्णगुनगानौ॥
नहोउचरनौबिफलनिदानौ॥
येलखारिमनदृढबिश्वासा॥
हरिहौगायकरिकेदासा॥याहि
हेततैंमैंजोपैजानौ॥सारचंद्रका
कोयेसुखदानौ॥बारबारयह
बिचारी॥तैसुखदायकअस
अमकारी॥संतसजनाश्राइईतो
केरा॥कैहैनहिप्रतापप्रभुनेरा॥
नहिप्रयोजनजिनेहोई॥ग्रसे
साधनाहिकछुई॥तिनकेमन
मैंरुचिउपजावें॥कुरकुकर्तकी
नकौनलीनावें॥दुर्जनहि
तवनियाकौकरि॥सदाबिम
लहियेजाको॥जिनकेइहि
चारमनेको॥जानततनाहिस

॥तदपिसरबाईमूर्जस्योंमैं ॥
स्वस्वरूपस्य संक्रामोनी
वृतजिक्लिसोलस्वोंजी॥
॥गीतायां॥ श्लोक॥ सस्तेतिम्न
२ कृत्स्ने यस्त
॥ कृत्स्नालतास्त्रिकां
॥२२७॥चोपई॥
लियेमधुररसलसे॥ पयेमूजे
लियरतिलसे॥ कृष्ण
॥बि कल्लनईयेन्ने
॥ केवलसुहृज प्रेमना
तस्वेश्वर्यग
॥कृष्णैमूर्जरे रिवलुलप
॥करतलसीसब
॥जसुमलिसुसैतमुरल
स्वदपिकष्ट

नपावै॥ नकूनकोजोसवाेगबन
वै॥ताहिकूकूमस अपना॥
सूतिकूपालना मूपन्नरी॥कू
मदेवकरतिस्रुतिसुरी॥ग्रंतो
लखौग्रचरजयेनाई॥घातक
रनअंघाकग्राई॥लायकरोज
मलाबिखनारी॥पोनकरावत
ततछितारी॥दुष्यात्रपयमपूत
नानारी॥जननीगतिदानीगिर
धारी॥२६२॥दोहा॥ नक्षिबवेष
केमावते॥दईप्रमगतिताहि॥ग्रं
सोकोनकृपालजग॥सरणगहे
नजाये॥२६३॥तलीयेसव्हदे॥
श्रीहिदुरप्रतिश्रीउधववाक्य॥
श्लोक॥ ग्रहोबकायंस्तनकाल
कूटंजिघांसयापाययदण्य
साध्वी॥लेभेगतिंधात्रुचि

सिरलसांहिरोनगुनसां
॥सोसी लिखि लिखी भ्रगर भ्रमां
।सरिवमैं दृढ बिसवासलखां
।सरिवके धाड़ चढें चढावें॥कस
सुरतपावें॥कृदतसेव
।पसरवासकोव
चरसां॥सरवानबिलजानें
मांसी ॐ॥मसतामखिकजानिये
॥पालैकृदसरवासोवसे
तसलग्रापसीपालकमानें॥क
रिपालिपुत्रनि जहानें
॥
॥कैस
कृदस
निधासेवार
प्रानें॥
मित्रनीस्रेजानें॥

प्रभौ॥ प्रभु निकबहूं केसैहूं सोंति
[illegible] सुखदुखदेहूंसे॥ गतसो
कसबसुखसैं॥ तवपदकंज
सरणागतलहौ॥ बहूकरकप
टीखलअपावनतरेसबजिन
जिनगह्यौ॥२॥२६४॥ चौपई॥
सारचंद्रकोयदजसुखदाई॥ जरत
नहृदयेनईखिलछाई॥ जाकौ
उजलपायप्रकासा॥ संतचको
रनित्यमोहुलासा॥ सुकृतिकुमु
दनीजिहिलखिसरसे॥ उजलर
समयेअमृतबरसे॥ तिमरबि
खलासदिनिसावे॥ भदंपति
रूपअनूपदिखावे॥ सबनरना
रिनकौसुखदाई॥ जगतकाम
रमासुजगाई॥ अहोकिसोराम
यरुबरदीजे॥ संतसमागमदी
सुखलीजे॥२६५॥ दोहा॥ जिन

अधिकारी॥ हे श्री [illegible] तु अजू
जाय प्रा कैला [illegible] तासु की स्वर
बरा तीन प्रकार कार्यो लेख बोदन
ताको बदलो दैन [illegible] [illegible]
तु लिङ्गार [illegible] बाई। जल नपरे
तीन दायो नाम [illegible] प्रकारन
कार्यो अनंता॥ [illegible]
किरहे संला। [illegible] चारि प्राच
रजरूपा। [illegible]
सरूपा। [illegible]
लहो॥ सध्या [illegible]
[illegible]
[illegible]
तरजो [illegible]
प्रपति [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हारी॥श्री॥ [illegible] बनन्वनिकुंज
मैंसंपतिकेबिस्तारी॥१॥श्रीबि
सीश्रीहरिदासी॥सर्वोपरिरस
रासी॥बोटलोंब [illegible]
व॥नागरीदासबिहारनिदासी॥
[illegible] ब्यासदेवजू॥ब
सिकरिपातकप्यारी॥अगनि
तरीवनकपरि [illegible]
ये [illegible] बिकारी॥किसोरी
दासदांकोइब [illegible] ॥रसकरी
रसरेनी॥ [illegible]
[illegible] रातिसुखदैनी॥
मलनैनसुखसखीसहानद
दासरसगायो॥ [illegible] दासश्री
हनमोहनजू॥ [illegible]
डाओ॥ [illegible] दासकिसोरस्व
[illegible] निस्त्ररहि [illegible]
सामेलतामोरोदिकजे॥तिन

कं॥२४॥ चौपई॥ तातें करी ये र
सिकजन संग॥ ताबरा चैंहैं हा सु
खके रंग॥ कैहें रसली सामें उल्ल
करनी॥ सास्त्र प्रमा निज थारति
बरनी॥ मनहोन छ्व लिलीन लिग्र
च्यो॥ नहिं केहे सदैको नि हिनगंथा॥
परसरसि सूपूंकलकोस्वारा॥
ताको केसें याउ पारा॥ जैसें कस
ककडाके सकारमां॥ ककहु पार
नपावे तारसु॥ तैसें सा केसं नहीच
लाये॥ जथामति जारस कछु येक
गाये॥ रसकलपको सरितरस
रा कहि डाये कवि मनपूल सुपपा
रा॥ सिखवो जर चरसल ज्ञान परस
ती॥ तौंड मो येक हान जाली॥ जोम
हिमाक धूरि लीये औरा॥ बदैग
पनसा वाकोर॥ तातेरे ताक
लोखलनाहिं

...लीयो ॥ अपनी २ ठेठनि दैकै पालो

...ि ... सकायो ॥ खेचिलो

...यो संसार सिंधु तैं ॥ आवन ज्यों

...मदायो ॥ अधमहू ध्वे निकलाए

...किसोरी ॥ ... जस हगायो जायो

...॥ २ ॥ इती श्रीसारचंद्रकासंपूरणं ॥



नगबबेको।सबदृष्णालैहैजहि
बितानो।जैसेकबरबुजरकोउ
नरकेबिधिकोला।सोउआइउर
रिहैरिकेरा।सबआसरसालरिदि
तसौबहूतेरा।बौघदासेतेलचत
निहारी।लिखनकोयेबुसैलिहेबि
चारी।येअमदेरिबिदयाकरिसोप
अवलोकनकरिहिहदयलोकरा।जै
स्कोउजेअसबहुलझांनी।परमा
तिहैनसो सुखदबखांनी।जैसी
निशकेरोकोउ [illegible] चौतिनही
जोरिकरहोउ।कैसाबलसैमाव
रतावारा।किरदुसजनसुमति
नदारा।सकलहैरिबतबहुरबन
दोजो।ईसनीतिजापेमानिमम
लाजे।नकृष्णचीनकूहरमुअ
तिगाये।

आग्यां दिरदे घरौं लोकहि
तारथ भाषाकरः २ भ
गवांन विं चाह्यौ सो विरंचि
नारद सूं भाष्यौ सो नारद
व्यासह.ःःःःः.ये व्यास
व्यासकरिसुषकौ पढायो
सो सुषकह्यो परीक्षतभ्रा
गे सूतौ द्धित सुपनसो
जागै सोहो सूत भजहि वि
सतरै संह सज्झ ठ्यासीदिष

तौंततौ नृपकै बाहयो सुंदरसो बूझे
त॥२६३॥ चौपई॥ सहितै सरणा
दक्काग्रहौ सो॥ उरकल्यांण सकै
तबल लैहै॥ तिनि दिनि मिला प्रि
ततन धारी॥ सकल नौरसंकर तिहु
रव नारी॥ तासुताप बारन लोत
नीकौ॥ रुचिरपद जुगल सुभसम
ताकौ॥ केतूकल पंकज अनि सरल
री॥ अक्र तहा श्रिचाह दिसतौ कर
पातै उहार रूप रुचि चरण॥ तिह
चरण सुभ श्री हरि जय तरणा॥२६५
धुद॥ कैसुरि सिलप्राप हैउन्नति सुख
सबरपा॥ तिन्हैं करण्यो करा॥ बहुत
सकौ नव परस्यौ॥ जैसैं निहकरमव
स बहुरवि जनक॥ संचित प्रविधा
ताहि॥ बसिय स्वोत पर्यौ मैं बहवि
घ
पतिः

नास प्रथम मैं गायो बहोत
भांति निरागन पायो ७
सारे इस पेंसठ होय निचा
री जन कलीजोग रत्नव्रि
चारी सीता रदेव सुदेवही
कहौ पायो ग्यान प्रमाण द
लहौ छठै सजद्रवय
साव तेईस करि निज ग्या
न नाव द्वैपाद व बिना
सो बसता ये इकतीस
ग्यान निजसार ८ श्रीस
बद ९ रत्नसार जु श्रीता
रूप तिस्रष्ट गत जिप्रेन

तेस्कि रिसैंच्यकैमै
:॥१२७॥छप्पै
तिलिकपरसैंतस
॥सज्जनजनसुखहोनि
॥मार्गशीर्ष
शुक्लासुखकर
॥मंगलमंगलवारसुतिथि
॥यहसारचंद
शुभ
सरी॥श्रलीकिसोरीगुरुकृपा
पायगायपूरणकरी॥२७॥ई
तीश्रीसारचंद्रकाकिसोरीश्रलीकृ
त संपुरणम॥दोहा॥श्रक्षसार
रसचंद्रका॥हरिजनविमलम
यंक॥खेमदासकोश्रासयोजस
लिखिलोयेनिसंक:१॥रागलि
॥लोईनिरसिकनकाध्यलि

नास प्रथम मैं गायो व
नोति विरागः ॥ पाये
हरिपुर पंथ कह्यो पु नि
री जनक लाजे गे स्वरन
चारी ॥ सोनारद वसुदेव
कह्यो ॥ पायो ग्यान प्रकाप
लह्यो ॥ २ ॥ छठै ॥ स्नन द्धव
साव ॥ तेईस करि निज ग्या
न ॥ नाव ॥ द्वैपाद व बिना
सो बिसता ॥ ये इकतीस
ग्यान निजसार ॥ ३ ॥ श्रीस
पद ॥ ५ ॥ रतग्यारे जे श्रोता
न्रपति अघ डिगत जिपुने

कृपामनोंभै स्प सजातनरा[illegible]
सागरां गैरिस्यांबरथितहूतौ ॥४॥
जटकरागृ घनकार अनों ॥श्री स
बिधु निकैकालो ॥श्री जमानो [illegible]
सचतु र्हू [illegible] गोबिंद सनवासरनै
कुंननहां [illegible] तस्वांजी [illegible]
रसगायकईं हो ॥ श्री यानों [illegible]
रामभूपा सिलह ॥ तुरसी [illegible]
लांनौ ॥ [illegible] प्रसाद प्रसाद पाय
प्रगटो सुज सजदीनों ॥ [illegible]
सौरी रूप र सिलर सनलनै [illegible]
लै ॥ श्री [illegible] सी श्री सिल गुरु [illegible]
राख्यासुज सवलोकि [illegible]
नुपासिल जपा सिंह [illegible]
स्रज मसतग ध्यावै [illegible]
सुरभि किसोर [illegible]
निहारै [illegible] घनरा

नास प्रथममैंगायो बहेत
नांतिबेराग- पायो ७
सारेपुरपंथकहे पुनिचा
रीजनकलोजोग- रनोब
चारी सोनारदबसुदेवलो
कहो पायो ग्यांन प्रकापद
लहो छठै- समुद्रवप
साव तेईसकरि निजग्यां
न- नाव दैपादवबिना
सोबसता- येइकतीस
ग्यांननिजसार ९ श्रोस
पद ६८ रतऋारंभ श्रोता
न्रपतिऋडिगतजिमुंन

सैमर्थ समाप्ति कीद्या
सबसंतोकीद्या॥गुसां
ई पूरणदासजीकीद्या॥
लिखंतेग्रंथ येकादस श्री
भगवतेतकैं॥संतदासस
तगुरके चरणं॥तिनके
गहैं हिरदै रिस्वरणं॥जा
तैंउपजैग्यांनविचार॥
छूटैकरम भरमबाव
हार॥१॥बहुरयौंभक्तजन
मनहोंझातें॥तिनकोनि
मजानंदपैपावें॥जिनकी

तसेरालीये ॥ २ ॥ ब
परस्पास नामेगाई
न्ह्यापैकाई तिन
ताकौनवतोउ ताव
मैकहूलनपाउ ॥ वि
अंतनृत्तग्रवर्ष
कर्ह्वाहिरुपनाकौ
ज्ञानिवरीमेंसबा
जौवुद्दवुद्दापवन
रांजाकु द्रसतलाकौ
र ... ग्रापहोग्राप
संहार छिपुग्रापव
कौव्याउ येसलकु

मनसे ॥ श्री भगवान
आपये नाष्यौ । सातें नास
राष्यौ ॥ आप किसण को
पंथ बतायो ॥ ब्यासारंभव
हृतन हरियायो ॥५॥ दोहा ॥
ब्यासदेव जो भागवत ॥
नाष्यो द्वादस स्कंध ॥ तिन
मैं एकादस स्कंध्यौ ॥ तैन
लहै जु ग्रंथ ॥ ६ ॥ चौप
ई ॥ येकादस इकतीस अ
ध्याये तिन कौं गोरोक
तौं स्ुनाय य संकुच

कोपापहर०॥रा॥अथ चौपै ॥चौप
ई॥ तेतो बिप्रन कृते सारे ॥ क्रम
सान शूद्र सेव करनारे ॥ विप्रको
पकीनो क्यौं पूरन ॥ जातें नास
भये सब तूरन ॥२४१॥ कौन निमि
ति आप सो कौन ॥ दूजो को पा
कारे करनां जैन ॥२४२॥ ॥२॥
या कृत दहारा ॥आपही आपके
न बिधि मारे ॥२४३॥ श्री सुखदे
व॥ नूपकोमा ॥ चरनके काजै
न सकता हद यो बुजि राजा ॥
बहु बिधि नृपको नारद ता स्यो ॥
बुमनमे गोपाल बिचार ॥२॥
२६ जो लगि है भार स्व कुल सारे ॥
लगन नहीं नृप नारद ता स्यो ॥

तबसघतो [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

येकोटिछ्यघनकुल [illegible]

जोघनछम हि [illegible]

रखुपेर तिनदो [illegible]

बिसतार ॥ [illegible]

लसैकोपार [illegible]

करूचावीपि [illegible]

सुगुरुपहैग्यु ॥ त्ति कसिपबो
मदेवग्रसनारद ॥ अवरबहु
तरिषबहुतविसारद ॥ २ चौ ॥
तहांसबैमुनि ॥ सपसबैठे ॥
यदुकुमारतहांषलकरिपै
ठे ॥ सांबहाबनितानेषबना
यो ॥ बस्त्रादिकनउदरआधि
कायो ॥ २ सी ॥ अतिबिनतीसैंच
रननलागे ॥ पूछै प्रसनषरे
ि.नआगे ॥ येबनितापूछैहि
जिराजा ॥ सुनमुषहोतलगे
अतिलाजा ॥ ३० ॥ निकटिप्रस
बआयोहै याको ॥ करौबिचार
आपसैताको ॥ तुमजैकाजद
सोसबजानौ ॥ कहजनेसोह

तबसुषत्तीयेकोद्वोबिचार।
ग्यानबिनानांसियतइसर॥६
तातैंब्रंसग्यानसनकोज॥
प्रथमहींदृढबैरागउपाज॥
पषोडैपषहैजैसे॥ग्यान
बैरागनिसैहिंसे॥राज
स्नैंजगतसुषदे॥जिनसैं
सागचरसतन रंषसे॥न
येकोटिछपनकुलयादव॥
ज्योंघनहुतेहिचहुंदिस
स्वार॥तिनकोबहुतनौ
बिसतार॥गिनती॥करत
लसैंकोपार॥नवनआपनौ
कवनाकीयो॥नवनिधित

ताये ॥३५॥ रैतिं रह्यो हुतो श्रुतिनु
छ्यु ॥ ताकूं निगल्यो गाये ॥ यैं मह
ते चूरनलहरिनके मारे ॥ श्रा
ये तीर तनये उण तारे ॥३६॥ जाक
र पे क जाल बिसत रह्यो ॥
श्रैरन संग पन छु सो पस्यो ॥
ताकै उदर लो ह सो पायो ॥ ब्याधि ये
कि सो बान बनायो ॥३७॥ हरिजी
बात सकल सैं ॥ नी ॥ बहोत न
ली हिरदा मैं श्रुानी ॥ जदि पि जो
गप श्रनप थाकरणैं ॥ प्रमनमां
हि सकल सत्ताणें ॥ पै बिश्व
सकल श्रापमनि नौई ॥ ताकूं पे
रि सके नूं कोई ॥ निश्च पन्रैसी
पापी श्रापू ॥ यहकुलपोतें छि
नैं श्रापू ॥३८॥ दोहा ॥ पेबेनराज

तबसुषतीसेकाळोबिचार॥
ग्यानबिनानोंहोयउद्धार॥१०
तातेंब्रह्मग्यानसमुझाउं॥
प्रथमहीदृढबैरागउपाउं॥
पषीउडेंपंषद्वैजैसें॥ग्यान
बैरागमिलैहरिषैसे॥१॥राजा
सुनौंजगतसबजैहेंजिनसौं
लागरहमतनरंग्रेसे॥न
पकोटिछपनकुलयादव॥
ज्योंबनछमाहिचहूंदिसन्ना
दव॥१२॥तिनकोबहुतनीति
बिसतार॥गिनतीकरत
सहैकोपार॥नवनश्रापनौ
कहत्याकीयो॥नवलीयित

न

तायो॥३५॥रेतिरस्योहतोश्रुतिलु
ष्ठि॥ताकूंनिगल्येगयोयेमे
ते रनलहरिनकेमारे॥श्र
येतौ [illegible]॥मारे॥३६॥जो
वरपेकजालो [illegible]।
औरेनस [illegible] सोपरयो॥
ताकैजडूसोतसोपायो॥ब्राध
कसोबानबनायो॥३७॥हरिजी
बातसकलसैजानी॥बहोतन
सोहिरदामेंश्रानी॥जदिपिज
[illegible]ध्याकरणे॥प्रभनम
हिं [illegible]कलसंस्तणे॥[illegible]येबिध
स. [illegible]मानि जोई॥ताकूंप
रिसकै[illegible]॥निश्चयप्रेस
पापीबाप [illegible]
जेश्राप॥३८॥दोहा॥येवैरा

गर्जनापै॥ तृद्धव आदि द्वारा
समुझायौ॥ प्रथम नाम अरु
नट्टैग्र नी॥ दूज नृपति प्रस
संन्यासनी॥७॥ या बिधि नृके
नारनतास्यौ॥ नावस्यपजस
कौ बिसतास्यौ॥ ताकूं गहै पं
चै नोपार॥ अगे जेजन रुंय
अपार॥ प्रबहुत नोति करि अ
रस्यौं नुतकरम॥ थाप्यौ नरस्व
जगत नागवत धरम॥ या बि
धि सब के काज सवार॥ तब ह
रिजी बैकुंठ पधार॥९॥ दोहा॥
ऐसी सुनि प्ररनुत कथा॥ प
दुकुल कौ द्विज आप॥ प्रसन

ईश्वनसौराजा॥ येहतनहरिसे
वाकीसाजा॥ बैछेजाहिबूत्नसु
रराजा॥ कस्म न्हूल्हेनाहि को
जा॥श्री॥ असीदेहनागसौपावे॥
हरिकीसेवाकौंछिटकावे॥
पलमैकरेकारन . . पास॥ हरि
कूपावेहरिकेदास॥१॥ येकबर
हृदैस्तकेतौन॥ नारदकीपे
रूपाकरिगौन॥ तिनबहुबिध
पूजाबिस्तरी॥ तापीछेबानी
उचरी॥ ब्रह्म्हैजोश्री सो है पू
न्जीतुम्हरोआगमना॥ स
बहीहिनकोसुबको नकुना॥
उपमातुमैकौनकीदीजे॥ जि
नकेइसससकलनवछीजे॥

ममश्रा [illegible]
निलुक [illegible]
जोकोईस [illegible]
जेजतब [illegible]
सबटेब [illegible]
तिपाद [illegible] संकेता
पसैश्र [illegible]
पसक [illegible]
पव [illegible]
रगाह [illegible]
हरिह [illegible] दार [illegible]
राये [illegible] प्राथम [illegible]
हलर [illegible] निकार [illegible]
रूकर [illegible]
जपूंग [illegible]

॥ औरदेव देवै सुषदुषकौं ॥
तुमसे साधु प्रगट प्रसुषकौं॥
जिन कै हिरदै बिराजै राम
तिनतै होहि कौन नहि काम॥७॥
औसै फलदायक सब देव॥ ते
तोल है जैसी करै सेव॥ ज्यौं कर
लेदुपण कौ कोई॥ आपकरै ज्य
तासै सोई॥८॥ तुमसे साधू सद
सुषदाई॥ जिनकी महिमा कही
न जाई॥ जदिपदु सभै नयो कु
तारथ॥ पूछ्यु देवत या विसिता
रथ॥ सो जो भगवत चरन
सु निजावै॥ जनम मरन नहि
पावै पीवे॥ जिन भ्राचरन नै
तुमकौं देवा॥ तिरि प्रसन्न सो नाथै

महाबप। मौ
चबचनॅ
मूसल
बहमदसे
य तूसलेऊँ
नॅकेझुर्य
टकाये।
सलातल
सल। गति
छलाये गाये
जाये। बेन
ज्ञातिक बेन०
३४। स मूसल
दैवो पाक
रिद्वेवे रंक
नाको रव

बिष्नुचरन्नतैं रहैं न पातक ॥
१४॥ सरवन को रतन सुंदर ध्या
न ॥ ग्रन मो धन कै करै सयान ॥
सो पुनीत सो बेतन काल ॥ बहे
रि परै नहीं जम के जाल ॥ १५॥
भये काये बडो उपकार ॥ मो हि
सु कृपा रायो सिरजनहार ॥ जा को
सवन का रतन ऐसो ॥ पृथक
र कैं सुर जि जैसो ॥ १७॥ तुम सौ
कहौं कथा सुनहुं सो जातैं छूटै
नरक के पास ॥ रिष नारद सुत
नव जोग स ॥ लिखतै सुनायौ

ए जल्यो ॥ जनम मरन स

निरूपीयो ज्ञानको जिसकेहेय
ज्ञानकेहै अखंडोलछ्यौ॥ नार
दसौंवसुदेव॥३॥ चौपई॥ ऐती
श्री भागवते महापुराणे अष्टा
दससहस्र श्लोक संहिता
यां एकादसस्कंधे ॥ यदुकुल
श्रापनिरूपणोनाम प्रथमोध्
याय॥ श्लोक ३१॥ चौपई॥ श्री
कृष्ण जी॥ द्वारावती आप जहां
पालक॥ तहांनदखिआपकोतो
लक॥ नारदतहांनिरंतरआवे
कृष्णदेवकोदरसनपावे॥१॥
जीवनमुक्तिनजैनितिनाकू॥
क्योंजावतजैकौताकूं॥ जाके
सकललोकजैकालाजतालहा
निसा

जित्याग पड बलीयो जोग ॥ [illegible]
करम बचन करा हरि जगती
ती जे जन जनई पुनि न [illegible]॥
२३ तिन कौ [illegible] नवधा [illegible]॥
येक रस प्रसी [illegible]॥
नव तै मन [illegible] काली ॥
सबल जिसे [illegible] मारी [illegible]
तजै [illegible]
देह [illegible]
फिर [illegible]
[illegible]
[illegible]
चन [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

निरूपीये [illegible]
ग्यांनके [illegible]
ह्सौंवसुहे [illegible]
श्री [illegible]
हस [illegible]
ह्री ऐ [illegible]
[illegible]

[illegible]
पोलवक [illegible]
लक। [illegible]
कल्मदे [illegible]
जीवनर [illegible]
बंध्योड्ज [illegible]
सकस्नर [illegible]
निसहि [illegible]

ईद्धानसौराजा॥ येहतनतहिसे
वाकीसाजा॥ बछैजाहिबुलेस
रराजा॥ कसमदेवसेवाकेको
जा॥ अ्रसीदेहनागसोपावै
हरिकीसेवाकौंछिटकावै
पलमैकटेकारकेपास हरि
कृपावेहरिके दास॥ ९ येकबेर
बसुदेवकेमौन॥ नारदकौपो
कृपाकरिगौन॥ तिनबहुबिधि
पूजाबिसतरी॥ तापीछेबानी
उचरी॥ [illegible] हे प्र
भूजीतुम रोग्रागमनी॥ स
बदेहिनकौसुखकौ नकौ॥
जपमातुमैकौनकौहोइ॥ जि
नकेइससकलनरकोजे

दोहा नृपके मन आनंद भयो जागो नमे श्रनेस
तबराजाप्रसनकरी बोल्योकवेजोगस ४.

कारी॥जिनतैमिटैजगतजैना
री॥बहरिश्रापकोदेतमूरारी
ऐसुनिबचनसुखपायो॥तब
हीमानदैजै जनसुनायो॥४॥
कोबिस्रवाचे॥राजाप्रसनच
रीतुमपैसी॥जडजागीपूछ
तहैजैसी॥निरत्नैपदपैकले
देवा॥हरिकेचरणाम्बुजलक्ष्मी
सेवा॥ताकूछोडिकैनरजो
ई॥दुषकोमूलहोतहैसोही॥
जगतजलाडायेतलो दूषनारी
कालपकासिकहूटैबनदारी॥च
तातैकहैनागवतधरमो॥मि
लैरामछूटैजोनरजमो॥श्रीम

नैं ॥१॥ पुरबजनसेवजैं ॥ री ॥
मायाकोहेतुसिमझिनपरी ॥ त
बमैंहरिहापुत्रहीकरिबस्यो ॥
ताहीतैंहूनाहानउपस्यो ॥११॥ ता
तैंअबमैंतुमरीसरनी ॥ सोक
छूकरोमिटैजोमरनी ॥ कतं
सोंकहूजगतके ॥ ष ॥ जामैंसु
पनैहूंनहीसुख ॥१२॥ जलहाहै
तायतहातहाकाल ॥ हरिबिन
जावसदाबेहाल ॥ ऐसेबचन
नेंजबनारद ॥ तबतेबोले
प्रभबिसारद ॥१३॥ श्रीनारदउ
वाच ॥ चनिबसुदेवचनितु
वाँ ॥ जाकरिपूछेसारंगपानी ॥
कोईहोयसकलजगह्यातकौ ॥

हरिकी माया आवस्यौ ॥ तब ऊ
पनौं सरूप जु लायौ ॥ अपसां
नितननैं मनलायौ ॥ हैत नाव
तबतैं उपन्यौ ॥ ताहीतैं दोमरि
मरि जनम्यौ ॥ तौं बुधि लेवै हरि
चरणां ॥ जातैं मिटै जनम मरण
रणां ॥ सो मिलै यहु तम गुरदेव
हरिकी ज्ञानि कैरैता सेवा ॥ १५ ॥
सो ज्यौं ज्यौं आचरण लावै त्यौं
ही त्यौं हरिसुं हितलावै कपट
मनडै तजैं सबकांम ॥ यूं उन
गत मिलै तब रांम ॥ १ ॥ है तक
पहैं नतौ राज्ञा । ज्या नास्यौं सो
मनकौ काजा जैसैं न सधान
नौरयसु पलो [illegible]
डुर्यौं कै पमा [illegible]

सो सब गयो ॥ अब जुत पाति क
सतहू तिनकी ॥ पूरन प्रीति रा
मसू जिनकी ॥ खायं तूमनंत
प सिरताज ॥ ताको तनय प्रीए
छत्रराज ॥ ताको अग्रगनि पुख
तनय ॥ नाम जिनमताहा तेल
हो ॥ २० ॥ ताके रिषभ देव श्रुवता
र ॥ जिन प्रगटायो छल बिचार
ताके पुत्र येक सत नयेउ ॥ सक
ल बेद के पारहीग येउ ॥ तिन
मैं बड़े भरतसेनाम ॥ जाके हिर
दै बसै निति राम ॥ जाते भरत
खंड येक कह्यो ॥ तब अग्रजना ॥ प्रथम
म नाम तिन लह्यो ॥ सम
हो बहोत भोगीये भोग ॥ सम

तैं सब सुख को गा॥ तिजल पा
वक पवन सुभक्तासी॥ जो के छूटे
घे संकल्प सो लहि दुःख पा॥ २२॥ हरि
को रूप सकल [illegible] जानों॥ जाते
हं प्रनाम नहीं ठानौ॥ कबहूं न लू
न नासे भानों॥ नयो भवनि भ
जे न गवानों॥ २३॥ ज्यों ज्यों बढ़े पु
रुष अनुरागा॥ ३॥ त्यों त्यों भूर
सकल को त्यागा॥ त्यौं त्यौं भनु
नव ज्यों ज्योति ग्रासा॥ त्यों त्यों पाप
भूरि दुख विनासा॥ २४॥ यह विधि
करते साधन नहीं॥ धरि लीलें
वाहै अनु रहीं॥ तब कछु और
न लखन लो नासे॥ तब लो फिर दे

...बकीनोघट ःः पाविधिव
सवबहुलमट ःः सुरूप ः ३
सद्द मो कै गद्दव ः किनरय
दनागनरसरव सकलनो
कर्मैप्रकाचारी ः आद रहति
सबमैंप्रधिकारी ः २ ८ निव
ससेनाकिडनलके सत्रा छू
क बारतिनकीनीजत्रा ः रविसी
सोभितातिनकी [illegible] देता ः रवी
आवतदेखेनवेलिविदेला चाए
राजाविप्रग्र गनिजवि
आगेधेलेवेकुआये ः कुनल
रम आनिथरे सद्धासन ः
कनमहोकरमतेवेठेआसन
उ लवतहि[illegible]कोकिन पूजाव
जीकरिडडोत ःः पदहु ७ नो

यातूरकुं भिन्नडगमिल्यो मिमिपूं
सो॥ पैके प्र...सकल कोमूल
सोयकै ग्यान मको ग्याआरा भसो
ग्यानभासु सौंनिर्मल भारा॥...रि
जातै उपजे ... ग्यानलो नर
रिता मैं सोई ताते ... रिमै
जानों हुत ... बहुत नहीं आ
नो भड्यो संसागर ... दातर ग॥
योसब जगत जगत यतिसग॥
याविधि डा ... नायो जो पारा॥
सोतरि ... दैवी रा॥ पन॥
को हरि सौं ... प्रेम मो॥ ...
रिजन संगति न्हि ... मो॥ सब
जीवन ... आनै॥
चैसिर दै यो जानै॥ ...
परदेस ... जानै॥ ता...

वितार ॥ ज्ञातैजायाद्र सा
नार ॥ जानजोनिजोदयपा ६
बे ॥ मानुषजनमकबहुकप्राप
वे ॥ याविधिजिनरहेहैं बहुरगहै
कु ॥ नसाधुसंगतिन
होलहै ॥ जे ॥ नकेसंगतिहैन
वस्था ॥ जैनप्रनतलहैनर
सुधा ॥ ३ ॥ जाननाथहरिहिर
दैविराजे ॥ छूटेकर्मनरकमें
नाजे ॥ प्रापी बिनहोवैस
तसंगा ॥ सोऊकैजगतनप
नगा ॥ ४ ॥ तातेलसमदेहलि
टावे ॥ प्रनमेमसैमोहिसुना
वे ॥ जगवतचरनकहोवि
सतारी ॥ कोजेहोरनिबेज्ञा

॥रैद्दीपैक्ष
॥सोहरिजन
॥तातैभिलैनि
।जोजनभूलिबिच
।ज्ञापसमुजिसुष
॥रेवाजनमभर
॥हतुध्यानधा
॥ रत्नाबुद्धि
नयसोभनकौ यत्नह्निाण
॥इकरस
कामा॥तिन
लिनज्ञानैनामा॥बासु
बासा॥सोकहावै
॥भजिनकै
तिवरनकूलक्षरमा॥लोक

मिलाणकोपपवतायो: एकस्य
हसोलोवेकोई पनपपनपा
वैदीसीतो: प्रेम नलोहोय:
सु बिलंमनलीलागे: नरनि
मासतोडीपडागे: १ श्रीपि
कुदितध्यावेकोई याहरिय
पनकथ नेहोइ: तिविको नग
तिसवननेनपारी: कोटिविघ
नतेटेरेनटारी: हरिमिलने
कोमारगधै साहरेनजेकुक
तिहोपयेदेहा: जनकेवनखेव
नवुधिप्रसभत येहोयतु
नावतिलेडो लिलि१२ लो
सबहरिहीसेजरपनलेरे: यो
नगावनधेरमविसतरे: डख
केजीवहरिहीविसरयो नखें ८१

हिरदैतापनतैक्यौंताकै॥ प्रेसोत
रिजनजतसकलायो॥ ताकैसंग
प्रेमपदलहीयो॥ धृजाकौंहरि
जीनिस्वासनत्यागे॥ प्रेमडोरि
बंध्येकौंनागै॥ सोकहीयैजत
महरिदासा॥ कन्तलीयैता
कोपासा॥२०॥ दोहा॥ बिहुधिन
किलचिरणकै॥ नृपसौंहरि
येगेस॥ तबसायाकूंजालिबे
कीन्हौ प्रसन्नहेरस॥ इतिश्री
भागवतेमहापुराणे॥ एकादस
स्कंदे बसदेवनारदसंवादे द्वि
पतेयोध्यायोजे हुतीयोध्याय २
लौक॥ ४५ चौपई तनुदलवै
च्यै

मा

रिहैसौहे : लोकैसपलोगमै

ग्रंमौहे : तोसकेच्योबिकोलोन

तीकोले : मनोदहनोछिरोतर

सपीडे : हरिकेडनमकरमगु

ननोमा : सुनेकेहेरमरेसव

डामा : तडेलाजहोवैनहेसगा :

मगनरहेहैनितितहरिकेरंगा :

ऐसे नडत प्रेमसुधिकावै

सबतनरोमांच हैप्रावै गद

गदसबदसुरपरवेनो : दरवे

चितवरपैनेनो : २० रोवैहसे

उंचेसुरगावै क बहुमौनि गहै

नडावै : नोकवेदकुल ना

जनडावै : ड्योंज नमतोबिक

सियोहोवै : २ : दसोंहि ससरि

सिंधुनजनागा रविसोसि

रचीया देहा॥ बेभ्योतकंभ्रात
आयेला॥
जा॥
जा॥पा॥ तातैसोसौ
मेरौ निजानंदपद पावै॥
रहै मेरे भ्रानंदा॥ बोलै रिनहीं
आपै दुपदेरा॥ छपालतैयह
नै बिसतास्यौ॥ जीतरि
पनौं हास्यौ॥ ह्रि
नबिसतारे बहत नांतिकेबि
बिपसारे॥
मनसौं॥ जोग जोगा॥ वैसबतैं
तनसौं॥

न्हौ निम बि

षै हेत नावक विके हेलेलैषै
ग्रसेप्रगन्नागवतमांही: से
हरिमैलै उगमे नांही २५ देहा
येसू निकविर्जा केबचन को
ना प्रसनवदेह सुख नाषा ना
गवतके लखुनकेगुणगेह:
चौ ई प्रजलीकले
नागवतलहिया डिनवसिहे
कै सविच हा कौनधर
कहि देदिहसाषे कौनभाचरै
कौनविधि नाषै १ कौन सुना
वनिरतन तिनके: हेत नावला
तीनर डिनके: वोलेनरिषा
सरहडे नयकेबचनवलौहि
लिपडे:

कैरेप्रश्लि [illegible] नाह [illegible]
वैहल्लाके [illegible] जोप [illegible]
ठांर्डे जेस्ह [illegible]
श्रीरप्रश्लि [illegible]
पवनकैरे [illegible] मैं
मीहोयत [illegible] गांद।
सकृस [illegible] कंत
मैनार [illegible] स्प
हरे [illegible]
कैरिस [illegible] कामा।
नके [illegible] मा।
नकी [illegible] न
स्प्रू [illegible] नामम
का [illegible] नसमं
है [illegible] यूल

त्यौंबांनै॥ निसदिनरहैरांमरं
गराता॥ सोहरिजन मधि म
हैताता॥ जोकूरतिमैंसरिकौ
जांनै अनवधिकरमग्यांन
लौज्ञांनै॥ जाकौपूजैहिनखात
नाई॥ कथनमागै स, ज
सूनाई॥ पैसरिजननजे
तरिजांनै॥ सतगुरबिनांनसे
पछैचांनै॥ सब्रह्मातमांनसरि
के जांनै॥ सोग्राहकतैंनसाखब ज
घांनै॥ ब्रह्मरिकहतनमाहरि
जन जाहि प्रथिहृजेग्रास
तो इसप्रसतैं कारजसारे॥
तेहरिजन सबदुसनि वारे॥
कृस्मबसैताकैउरमांहैं॥ ग्यौ
२ सतिकथांनैनाहीं॥ जोग

तुमसे ग्यानी तिरैं हमसे दैसा को
निसतरै ॥ ताकौं सुबसा तरी
देवा ॥ केसो करि कृपा बतावहु
भेवा ॥ ऐसे निबचन निरपति
केसुहा ॥ तब बोले चौ रथे अबु
धा ॥ अबु छुठवा चै ॥ सकल भिन
पसु पंकि का जा ॥ कैरैं करम न ग्या
रैं नही राजा ॥ तिन तैं केवल दुष
अपारा ॥ [illegible] अगैं बिस
तारा ॥ [illegible] चन वहु दुष
पारा ॥ निस दिन चिंता [illegible]
कारा ॥ सो [illegible] नताग्रा
वै ॥ जो [illegible] सै
ताग [illegible]
माहि डै [illegible]
[illegible]

इनलौग्राभूमौ ॥ नासिदेकग्रान
ज्ञानलग्रावै सोतुतमहदिहा
सकलतवै १५ किसोवसत प्रम
मतानाही ॥ अस्तत नकोग्रमि
माननमाही ॥ सबन्ततनप्रस
मताग्रानै सोनुतमहदिदस
बघानै ॥ १६ ग्राठसिधिवनुव
नसुभग्रावै ॥ पैतकवहमन
नइसावै लवनिमिषारघ
तडेनचरनो ॥ गुणातीतनिर
नैपदसरणो ॥ १७ जाकोसिरछि
चिग्रसदेवा तनमनलायक
हैनिति तेउजाकेचरनन
वै ताकोजनक्योंकरिछिद
वै तकैनसिवदेव
हरिकेचरनन्चइघितजा

...सोमात साधन्तो कौ
॥तिनतैंसैरिझोतजैनसंग॥
९ सबतैंमनतैंकौसंगमिटावै॥
दिसाधूसंगतिसूलावै॥
॥स
तनमैंबहुमानै॥
...सौचपावतपकौ तितिति ह्या
खिखिलेवैंरसैंह...ह्या॥
...सकौमिलरहना॥
स्यात्यागदुंहसबसहना॥१३॥
...सभनतावांधै॥
चै॥
मरैषै॥
निवंतालैबै॥१७॥ गपत
...कैसवहाकैरे॥निदावापगदे
...तैरै॥दैहबचनसूसमनकौ

जिनचैसकचैंकिनरसा
तुम्हारेमुखसरोजकीबानी
रिकीकथाअमृतमजानी
ताकौंपावततृपतिनहीमानौ
सदापानकौअसामनजानौ नौ
कैतापततिपैजोदेही: ताकौंप्रभ
अपदायेनी २ अंससुनिनिर
पतिकैकै बकताकौंजुपडा
वनचैनौ तबबाबेबौलीअन
राम तोऊअतरिक्षिसनलोनौ कि
प्रथमदूजो
हीनलौनौ अपनीआवहि
रजैराजा दयासिंधुमनलौ
लिंब्यारा तबलेक्यासब
बसमारा: पचमुलकरे

पनौ ।प्रेम मग्न मगन ज्यों गत गृ
ह सूपनौ ॥१९॥ ऐसे प्रेम जन हिये
पावै ॥ पल पल तन पुलकित व्है
आवै ॥ कबहू रिझि तैं न तै रोवै ॥
कबहू हसै आनंद तन लोवै ॥२१॥ क
बहू नाचै कबहू गावै ॥ लाज रह
ति ज्यों मन नावै ॥ कबहू गुन सुम
रत मिलि जावै ॥ स्वास स्वबूंन ती
बाहरि आवै ॥ या विधि मिलै जु गुर
संग च्या ॥ गुरु सिष हू का यह
भ्या ॥ हंस न परांये न ताजन करै
माया न लिपत आवै नी रो ॥२२॥
दोहा ॥ ये सुनि बचन बिदूत के
हिरदै बढो आनंद ॥ पूछन करात
बहुत न को ॥ ज्यों छूटे भव फंद ॥
हिरदै न भयौ चौ ॥ १

भयेन्तारे: तिनकरमनितैंजोनिग्र
कंता: जनमभरनकोलदेनभ्र
ता: ९ घलैभग्रवखिलौनरमै
निंतर: नोमलोषपुनिमाया
भ्रंव: लखिसमैंवसौरतनया
वै: नवसागरकोंअतनआवै
१० नरमतनरमतअलयग्रव
खिग्रावै: तबसबनांसकालम
नन्नावै तबसतबरषनकूपेड
लखर तेजूतपैलतांहादसदिन
कर: ११ बहुस्योंग्रगनिसेसक
मनिसरै प्रलयपवनमिलिज
सांतहांपसरै: सारेसो ८ कनत
मतबकरै बहुस्योंप्रलयकेघ
संचरै: १२ताघासूंडिघारजन
बरषै: योंग्रपडबातैसतबरषै:

नै। प्रेम नाचे मगन जागत प्र
रस पनै।।१९।। प्रेम सैं प्रेम न सि
ावै। पलपल तलपुलकत कै
ावै। कबहु रिचितनतै रोवै।
कबहु हसै ग्रानंद लसोवै।।२१।।क
बहु नाचे कबहु गावै। लाजरू
ति ज्यौं मन नावै। कबहु गुन सुम
रत मिलि जावै। स्वास सबुन ही
बास रिझावै।। या बिधि लै गुर
सेस चृप।। गुरू सिष कौं यह पु
भ।। हंस परायन ताजन करे
माया न लिपट आवै नीरे।।२२।।
रोला।। ये सु निबचन बिद त के
हि दैबडो प्रेम नेदा प्रेम करात
बहु सत की। ज्यों छूटै नव फंद
बिदत जबा चै

सस्म्रहेकावही। सकलसुखकी
ग्रहावही बुधिदेवसातकउ
कारा। क तत्कीमौसंसारा:
१८ सत तत्र ब्रह्मिनी मिलै या
बिधिकालसकलकौगिलै :
ऐसी नीति बिधिविस्तारा: जुतप
निपरलै ग्र तत पारा: १९ यै
सब दिकी माया करे जुपजावै
प्रतिपालै तरै मैतुमकौ सब
पसुनाई बहै स्यौ करै प्रसुम
नन्नाई: ऐसी सुनि माया
प्रबल: जुपजै नरपकौ नीत:
तब पूछा ग्रा ध्यान है तारि
बेकारीति: चौपई
ऐसा प्रबल ईसकी माया जिन
ऐसकल लोक नरमाया: ताकौ

।चूमैंसंगपवहतविधिनिर
।सोभगवानबुलपुसैसोसो
नाप्रमातमजानै कोई
।मनअरुबुधिचितअरु
ग्यानी।।येइंद्रियदेहसवदृश्यनस
ना।।कोईताहिपहचाननहारि
कौ।।जातजातवेदसाथकौ।।जैसे
पावकलोहतपायो।।पावकस
मैतेजतिनपायो।।सवप्रका
सैसवकौंजालै।।प्रपावकपरजै
रनचालै।।७।।सवइंद्रियदे
अचेतनताकेसंगहतेचे
तनि।।औरसकलअरुरचनकौ
जानै।।कौनसकतिजानताहि
पिछानै।।तहांसेअरुयविचारे
ना।।प्रपातच्छिन्नजाए।।नेद

[illegible] यात्रा ... जानी
... विमान ... कपूतत्रि जानै
... आपसूप ... जानै ... ८

घुरे सबको ... जेकपुरिलोकरम
करमैव तिनतेजोनीजोंदुषपावै
पनमैकोईनहानछूटवै : आप
आपकौ सबकौं डोवै : आतीहि
भिनस्वरपुरलोका : भिनरहै
बिधिहरकोवाका : छोटेबडेनी
चवहै नाती तिनके मनकी
मिटेनकाती : कालसोवायेनु
होतपरे : बहैरिआय यु होती
अवतरे : येविचारिकै गउप
वै : तबसोखिगुरसरणआ
वै : सबद गुरु सकलजो
वै : पारब्रह्मनिलिहिरदै राखै
अैसो गुरबिनगयानपावै : त
सोखिगुरपैआवै १० बहुलजो
... नौलकौ : आलसकपर

कहूनाही॥बध [illegible]
प्रसा॥सुनिसरोवर बिलसैर
ना॥१३॥गगनिपवनपावकैप्र
स्तनीरा॥ध्यरनिबधेसबकी
ये सरीरा॥पंचतत्तयेपंचोंवं
ष्या॥सबदरसपरसरूपरस
गंध्या॥१४॥इंद्रीयदसप्रसतिन
केसेवा॥सातकरानसतोमेस
नेवा॥मनबुधिचिंमहत्तत
अहंकारा॥येकप्रक्रितिकोसक
लपसारा॥१५॥येकहूतेसेता
कोकारा॥बिनअथ्यासब
कोबिसतारा॥ज्योंजुबमेल
बेवटजुपजावै॥सबमैरैस
वमांहिसमावै॥१६॥तेसबहै
दासे बिधिनांनां॥तेजुबचो
दिनसाकछूअमांनां॥त्योसबन

है: समदम सत संतोष चन
१५ जनम करम प्रभु गुन हरि
के: सदा सुनैं अघ रन लीके
मो लाके निरंतर ध्यावे: सोसी
करै हरि हाजो नावे: १६ जप तप
जोग जग्य व्रत दान। तन मन
धनहु वासु तप्रान। जो कछु
सो सब हरि लानवें है: याबि
धि सकल करम को छूटै. १७
भाव रंजंग मद दिम धंडाने
पवि से बोसाधन की: ठाने
मिले प्रसय पद हरि गुन गावे
निस दिन कहत सुनत सुख पा
वै. १८ तल पल प्रीति बढ़े हि
ये फुले: गुनन लें सालल तन
को न्हेले: फूलो नावन के को

तबंधाम॥ लिंगदेहह नालक्षणा
सो॥ याकेमिटे॥ निरंजनसोहे॥
निद्रवासिसुषपतिजब आवे
तबये देहलिंगछिरकावे॥ २२
अहंकारमिमताकहनासी॥
मनअरुबुद्धिचितसबजासी॥
तबअद्वैत येकहै सोई॥ द्वैत
भावकोनावनकोई॥ २३॥ मन
बुद्धिचितअहंकारनरहे॥ जा
गेप्रथमबातसोकहै॥ जोकहु
नौबुझेसोतोकीयो॥ आगेपाछु
लीनोदीयो॥ २४॥ जातेसोहरि
जाननहारा॥ याबिधिकोउ
सुनबिचारा॥ सुवासनासेहै
तहांरहे॥ नातेदेहफिरिकरि
लेहरि॥ लिंगसरीरसहतिब

है: समदमसतसंतोषधनधु
है:१५ जनमकरमभ्रमकुनहरि
लोके: सदासुनैजधारनलोके
मोताकै है निरंतरध्यावै सोतो
कैसेहरि हाजो चावै: १ डयतप
डोगउगयवरतदाना: तनमन
धनदारासुतप्राना: जोकछु
सोसबहरिलानवै है: याबि
घिसकेनकरनको छुटै: १६ है
चावरजंगमहरिभियेजाने
वरिसेवासाधनकी ठाने
मिलै प्रसप्रहरिगुनगावै
निसदिनकहतसुनतसुखपा
वै:१७ बलपरप्रीतिबढे हि
ये फूले: गुनगनसमोहनतनजु
कोन्हैन: हूजो नाबनकोन

रमयेगाप्रबलकहैगुसांईमैं
येतुम्हारीसरनाईजाकेकी
कटैसबकरमा॥पञपद्धैतौ
होयनहजनरमा॥हुतीयेप्रस
कहेतुमयेसा॥याकोमनरेप्रति
देहा॥ब्रह्मपुत्रसनकादिक
ारी॥ब्रह्मपरायनब्रह्मबि
चारी॥२॥एकबारकृपाकरि
आयेपितासमीपटूसमैयाव
रेब्रह्मसनमेतिनसौंकाहौ॥स
उनस्हायोहिरदेबिचारिलानो॥ न
१नहीबोलेसोकोनैकारन॥
येनाथोजोसागरतारन॥३
सेबचनतनपतिजबभाषे॥
भविरहेतबपठेतबभाषे॥
४भीविरहेतबबाच॥राजासुनें

अधिकारी॥ महीतमैंऊंहै वि
चारी॥ता॥ तैंकूहै ब्रह्मकोरूप
जानैंजाहिमिटैभवकूपा॥१॥
आतमा ब्रह्म भगवाना॥ ये
सबयेक किधौंहैनांनां॥ सबही
वनकौंप्रतिकरुनायेन॥ तबबो
लेपंचयेंपिपलायेन॥ आधीय
नायेंनजुहा थे॥ सुषिमथूलस
कलसंसारा॥ जाकोसकति
सकतिबिसतारा॥ उतपतिप्र
लैकरैहैयाकौ॥ काहुकुतेजन
मनताकौ॥२॥ जागतसुपनसु
षोपतितुरीया॥ चहुमैंसदाय
करसपुरीया॥ ईश्वरदेहहैं
अरुप्रांनां॥ जातेचेतनिकेवर
तांनां॥ जैसैयेजइलोकावर

१७ जामूरति प्रभु अभुआलेहै। कि
रिजां निके पूजे सोसी॥ अतिथि
बलतर सोये कै रे ... नो नौ ॥
१८ बाये पूपालभ्भा केजमूदी
ई॥ श्रीरघवलगुंनरहे नको ई॥
सुनमुख है ठिक रे तनरभ्भा॥
भूगन्यासमन पाहि पूछ्भा॥ १९॥
श्रीलसन सोखि रै सां जुसे बाकी
सबले है बैत डेनबाकी॥ बिस
रूप... पूत मांके प्रा नो॥ ग्र
घपार प्रस हिय रबनैं॥ २०॥ म
मत्रक रिपुडाके रै॥ श्रीरजन क घ
बचन तचरै। सकल अंगल
जाके आवै॥ सब च कै रे॥ पद
निलावै॥ २१॥
चरसहिता।

तनहीयेहनहीयेहनहीहोई
याके ' सतिहैसोही १९ सुष
मषूलहुजावै बरनी गगनि
पवनपावकजलधरनी नंं
मन बुधिचितअहंकारा
चिदानंद मैंसबकेपारा १०
नासोबाल ब्रनहीजुवा नां
सोबिनसैनासोहूवा ती राय
पुरषकलीवनहोई सुरनर
नागअसुरनहीसोही ११ रंक
तपीतसे तऊसे तन रहरि
ती जातिबरनआसरमनही
धरता सातन- ललनचंदन
सूरा दिसनरातिनिकरिन
ताहूरा १२ सुषदुपरहतबसै
सबमांही आपहीआपलीयै

गतभ्रुादिमध्येश्वेता॥श्रोरनव
छेहेकनगवृता॥सोनहो- प
जेबिनसेनांहो॥बालयेवान
पैनहोयांहो॥बैठनहोछूटे
चलैनहोडोले॥रोपनतोपन
मौनिनहोबोले॥१ जलोत
लापूरण प्रभाश्व॰ पा॥चिदान
दब्रिगयानसरूपा॥देतनेदब
लोथ्यासोसोहे॥ग्यानबिनास
रौजगमोहे॥१९॥जैसेपवनये
कलीश्रांनो॥दसईद्रीयेनसंग
हीसैनांनो॥नदरीजुरबेरज
रायुंभ्रेडा॥च्यारिबानिपूरण
घलेडा॥२०॥लिंगदेहजादेहल
जावे॥प्रांणबायेतहांग्रणास
मावे॥सबदसपरसरूप स
गंधा॥मनअहंकार॥चिचि

सकतिसपर्योतंसोरह ६१।।
सैंसेवृतउपजैगमानो लेगो
मिलिमिलैभगवानी। ज्यान
जियहसाचेनसी। ज्यान
पायतबलेवैभूकती।। तैनेव्रत
माहरिकासेवै।। साधूब्रतहिसे
हरिसेवै।।१७ दोहा।। येसुनिबच
नबिरहके बाढोमनमेंप्यार
तबगुनप्रभुकेरमनसहतीपु
भूहरिप्रवतारा।।१८।। सो
येतीश्री भागवतेमहापुराणे येक
दसस्कंदे बसदेवनारदसंभ
जायतेयोपाख्यानेवतीयोध्या
।।३।। राजाउवाचे।। चोपई।।
भूवतारकथाविसतारो।। जुग
समसतिउचारो।। जेजे

सनो ताहि मिटै नती नवसाल
नो तातै हरिचरनन चितल
वै औरसकलबंधन छिटक
वै ॥र● धया बिहि सबै चितम
लनासै रिबसमा नितबह
ल प्रकासै ॥ जोनर प्रथम
नक्रिनसी जोनै तौवहक
रमजोगकौ ठानै ॥२॥ करम
योग तैजुप ॥ जगतो तबह
रिचरनब आसक्री ॥ तातै
तोय ॥ लप्रकासा ॥ छूटै काल
जालनव ॥ सी ॥ र ॥ दोहा ॥
यो पिपलायन बैन सुनि कर
प्रभमथले ॥ करमयोगप्र
बकरि कृपा ॥ कहो प्रभयोगे
स ॥ ९ ॥ इति हरिजुबार्ता ॥ चौवई

यनौं धारा॥ ६॥ सो है आदि पुरष
ीतारा॥ ७॥ जिनकी देह हुते स
न देहा॥ देह माहि बरतै सब ये
ता॥ तिनके प्रगन सब अंगा॥
ईश्वर प्रकृत बुद्धि बहोरंगा॥ ८॥ स
तरजत मतें सकल पसारा॥ ९॥
उतपति प्रकृत पालन संहारा॥ स
प्रथम सौ रजतें ब्रह्मा कौ यो॥ भ
तिक उनमें विसन कौ हायौ॥
तामस करि संकर उपजायौ॥
तिनसौं सकल लोक निपजा
ब्रह्मा रचै विसन प्रतिपालै ह
रुद्र यौ नव पथ चालै॥ नव
रिसु नौ हरि के प्रवतारा॥ परम
सागु के तारन हारा॥ तह
ता प्रसन्न रति माता॥ तह
निष्याता॥

होनी : तातैं कैरै बेदके कर... ।
हरिकैं तब डोये धरमो ॥३॥ और
कथ्रू फल मूल्यन ... नै ॥ हरिके
तिकरमस ... नै ॥ मैं करता
योंकरै नाधै ॥ जोकछु सो हरि
कोकरि राषै ॥ या बिधि प्रेम न
हि उपजावै ॥ तब सब करम ...
पलीजावै ॥ तब हाथ ... ग्यान
प्रकासा ॥ मिलै राम छूटै नवपा
सा ॥ पुबै इकपथ कहो मैतो
सो ॥ अब सुनि तत्र पंथ पुनि मैं
सो ॥ हिरदै गांठिका टूटै जो चाहै
सो बिधि सा पूजा अब गाहै ॥४॥
बे ... मिलत नाषत हो पू
जा ॥ जातैं मिटै सकल नर मद
जा ॥ श्रीगुरत प्रसा होपावै ॥ सो
ज्योंज्यों स ॥ ब बिधि हिबतावै ॥

बोले तिनकौ न्यये सान्यौ ॥ मैते
नेकरौप चसरवीरा ॥ देवन
रिजनव प्रानसमारा ॥१४॥ वेदें
वाहाश्रुतिपकरावौ ॥ हमश्रु
श्रमसुफलकरिजावौ ॥ येसु
निप्रनेदानकेबैना ॥ तेसब
जोरिसकैनहीनैना ॥१५॥ लज्य
नारनवायेसीसा ॥ बोलेब
नजोनिजगदासा ॥ हिप्रनु
येकथनलाश्रमना ॥ तुमहौ
प्रकतिपुरषकेयना ॥ निरक
कार निरगुन निर नेहा ॥
कोजानिकेनहीबेहा ॥ निज
नंदपूरनमुनिसारे ॥ तेसैं
तहैचरनतुम्हारे ॥१७॥ तुमेंथ
नसनिजेप्रावे ॥ तिनकौंसु

घ॰ २ सैंत॥ बिबोधै नातिग्रसनं॥
नकरावै॥ करितिलकादिबस्त
रपहरावै॥ २॥ बहुसुगंदमाला
पहिरावै॥ बहौतभांतिकरिभो
गलगावै गंधधूपआरती
सवारै घराग्रादिसबदिसता
रै॥ २॥ याबिधिमंजनसोसब
करै॥ तापाछैअस्तुतिबिसतरै
बहुरिकैरंडडौतपनांमा॥ पढै
मंत्रनैवेदनिनामा॥ याहिरिब
कमिलैते ग्रावै॥ औरसबम
नसोंपूजाठावै॥ तनमैंनचै
निरतरसैवै॥ बैष्नसादिमाथै
सोलैवै॥ २॥ बहुरिदेवकोहिर
दै धरै॥ फुरतिसपैलैररैकै
धाबिधिजहरिकैग्रातमजानै॥

स

डि फासि जादिक बिस्तारा।
निकेगुन लेउं लेउं लिख्यूया
रा। ताको बीहेतु लक्षकरि लेरे
गापदको घबूडे तेम रोन सालि
रको तपसबोल्यो समाहोइ॥ दुः
ओकमे घेकनकोइ॥ तातैसव
ापचन हकरो॥ दुमरान्नतिव
ानही तिरे॥ र अध्याविरिदेव
चनउचरो॥ नतत्रियेकप
नाकरो॥ अलिप्रदनुतद्यवि
ारिपृनेको॥ जनमोहनाथि
कतै येका॥ भृतसवसवाकर
त दिखाइ॥ मोल्योर मासरेवित
सोआई॥ तिनके गंधरूपस
अमोरे॥ चंद्रदेउ उगनजामा
हिमतय

प ः संता बिबधि जोति प्रसन
न करावै। करि तिलक दिवस
र पहरावै॥२॥ बहु सुगंद माला
पहिरावै। बहोत जोति करि जो
गल गावै। गंध धूप आरती
सवारै घंटा आदि सबद बिसत
रै॥२॥ या बिधि मंत्रन सों सब
करै। ता पाछै अस्तुति बिसतरै
बहुरि करै डंडौत प्रनामा। पढै
मंत्र लेवै हरि नामा। बाहरि ब
स्त्र मिलै ते आनै। और सब म
नसों पूजा ठानै। तन मैं जप
निरंतर सेवै। वै प्रसाद माथे
सो लेवै॥२॥ बहुरि देव कौं हिर
दै धरै। फिर तिस ऐन टरै करै
या बिधि हरि के भगत मजानै

राजाहरि नृसालाक्षौहरिस्यौ
जीकायोहिरूह निजनेजाकूल
पे प्रलैरिघायौ मधुरूह पड़ो
निसुना [illegible] सौसिं भूलोरिवस
रूस्यपतरिख्सास्थौमहरिनाक्ष
प्रतिदृष्यसोकास्यौमवौ रीह
तामसोडलरसोहौम्कहरिजया
पंचारिग्रनिरांडोहोईरीसिं
कूरमहोपेसंदृजिरख्यास्यौ।
अमितकोहिसुरक्षोरजसास्यौ
गासगासौ।जगजिरराजपूको
स्यौ।तबहरिजीततक्षालज
बास्यौ।इरक्षालछिस्याहिक
जैरिषराजोभूगुरूसजपग्र
कारविराजा।कौसियकैकाजे
पेकबार।

तैसैंहिसेआगे: अबहैसबनाथो
अबनुरागे: १ येसुनिनिरखति
जनककेबैनो: कृपासिंधुक
रनांकेअैनो: [illegible]
तबसातयेंदुरमांतिसैनांमो:
बोलेवचनप्रेमश्रुतिरोमो:
जोअनंतवेणु
नअवतारा: तिनकोनरपति
लहेकोपारा: नृभिरेनुकरि
कोईगनै ३ सोताकहासकल
गुननगनै ३ हरिकेगुनअव
तारअनंता: बालबुधिजोंचा
अता: तातेकछूयेकमेंनाबों
तेरेहृदैबसैसेराबों + पंचम
तनिरभित छैहमडा: राम्हो
नीरमांहिडुमोअडा: तातेअंस

रिजुक्केन्वरता [illegible]
रिजातव [illegible]
पाबेंडुविस्सीति [illegible]
रिच्चैरेगे [illegible]
तिन्भ्रपरा [illegible]
लिकेभ्रंत [illegible]
बसैरिब्रुवत [illegible]
वं हं ज्रुसेकि [illegible]
राः कैाः कै [illegible]
कर्ष्येत्कैं [illegible]
रक्कैा [illegible]
कैदैप [illegible]
सिनि [illegible]
[illegible]

आतमग्यांननहिंसतारेजा
सोंत्यागपरीवृनिसतरे॥ अब
हूपुरगटकरेंआचरनां॥नार
दादिनितिसेवेंचरनां॥१०॥
येकबारसुरपतिमनआन्यो॥
ममलोकहिं ... लेहेयो ... न्यो॥
तबतिनिकोंमताआग्यादीनी॥
कांमसंगसेनासः लीन्ही॥११॥
रंभादिकअपछराअपारा॥
तिरविधिपवनबसंतपसारा॥
बद्रीषंडसबैचलिआये नरना
रायणबैठेपासे॥१२॥नरिनरि
वांणनिततनेसरारा॥निरफल
नयेअगनिज्योंनारा॥तबतें
... भस्मपफलरानों॥आबअ
गनिजीवनगतमानों॥१३॥करि
अआचरईइकरतजान्यो॥हसि

कुजबरहे॥ पृष्टमैजमासत्नाम
तबकहे॥२॥ चमसउवाचे॥
तरिजो बिपबदलतैकेरषना
हुनतैमित्री बिसरै॥ जाम्ह
नहुतैबिसउपजाजोसइ तिन
मैचरनतेप्राथे॥ रायेसी मोति
कायाप्रासरजो॥ तालैयजन
स ननको जरमा॥ तेप्रायसी
कैरे व्रतपाला॥ प्रायसीबोमेदी
नदयाला॥ ४॥ सेसप्रजलोजे
बिसरै॥ तेप्रायस्नानदरखेन
करै॥ जेमुरहोलोपिडदोली॥
स्वामीद्रोहलकि तिह्वलीलोई॥
५॥ तिनिक्रप्राप्यनिस्नंगतिजा
वै॥ कंबहन्नू लिरसुबहिनपा
वै॥ सदूजोपितप्रतयजप्राही॥

कज्जबरते॥ अथ मैत्रमसल
तबकरे॥२॥ चमसउवाचै
तरिजो बिप्रबदनतेंकेरथला
रूनतैं मित्रीबिसतरै॥ जांघ
नहूतें बैसभ्रुपडाये॥ सद्र ति
मैंचरनतें आये॥ शूद्रमोमांति
काये॥ आसरमो॥ तातैं नडज
स ननकोक्षरमा॥ तेआपसी
करै पतपाला॥ आपतापोमेद
नदयाला॥४॥ जैसेप्रभू जोडै
बिसरै॥ तेप्रभुपारब्रह्मपरदा थान
करे॥ जेप्रभुद्रोहीपिंडरोही॥
स्वामीद्रोहकितिहारोही॥ ३॥
पातिनिष्प्राप्यनिष्कृतिजा
वे॥ कंबहु न लिरसुधीसिनपा
वे॥ सद्गुरोमितापतजआदी॥

नायूनमैयेक[illegible]लेख[illegible] म
मैंनो॥ सुरगलोककौ भूषन
रूपा॥ [illegible]जातैयूसब॥ म
घनूपा॥ २६॥ तिनसबनि
कौंकीयेप्रनांम॥ तीनायेक
उरबसानांम॥ करिप्रनांम
पुनिबारंबारा॥ पलौचेसल
ईइंदुबारा॥ २७॥ तिनईइलग्र
संगसुनायौ॥ बिसमयेवास
ईइमनभायौ॥ बहुरिलायोह
स[illegible]वतारा॥ च्यारिन[illegible]
काहिकूंवारा॥ २८॥ तकेपि
लक्षुपिताहमारा॥ [illegible]
तस्रूपबिसतार॥ हयाबुम
धूआन॥ निवारे॥ ताकेरिह
रिबेदकैधारे॥ २९॥ सतिबरत

रिनकूननसी मानें॥ बहुत
मनोरथनिसदिनकरै॥ त्रस
नातापजलनिनहीटरै॥१ या
मदपांनऊपूरूमासऊसरा॥
नारीनेहसरूतिजगसारा॥
तोससकलत्यागिबेनमि तो
बिचिमेंबेदलगाये च्यंता॥
१९ संगकरेतोनारिबिवारि
ताहुमेंबहुतैतिथिनांती॥ व
हुरिकसादेवे रतिदांना॥
परजानिमतिचितनलाऊ
नो॥२० याविकैरसकरमव
हुछडावे॥ बहुरिवेदसबत्या
गकरावे॥ ऐसेलीऊ मिथऊ
रू मदपानो॥ जगपमोलिनो
तोकहऊनो॥२१ बहुरीबहु

कलैईइहोदाये ॥ बलिकोन
क्तिग्रापबासि नये॥ ५१॥ बहुरि
ग्रुधरमसोंकुंपर्जेराजा ॥ प्र
सरोंमध्र ढगरे तिनकोजा ॥
ईकि ईसिबारकरीनिहपिबी ॥
न्रुमैंकहुं नराधैंबित्री ॥ ५२॥
बुहोरि नयेंदस रथसुतरा
मो डेले प्रगटलोकभ्रमिरा
खमो ॥ सायरकुपरिसैलजि
नतारे ॥ रावणकुंमारि दुख से
तोरे ॥ ५३॥ आगैरामकोदेखप्र
वतारा ॥ न्रुकोभुवनलेहरेगे
नारा ॥ जदुकुलजनमलिकरम
लेकिरिहै जिनसोंचाणुडा
बनिसतारिहै ॥ ५४॥ सुखदे
षिजगणलपकरेतो ॥ जोजिनसौ

ऐसो धनत्ते सू ग्र ...नो ॥ १८ ॥
कहि बिषो वैन रंनांनो ॥ काल
निरंतर रहत तन देषौ ॥ ब्रह्म
मंत दूरि करि लेषौ ॥ रहस्य सां
सन ग्रसें भ्रानी जै ॥ और न लि
कहन्नावन लीजै ॥ तन के भ्रणु
लेइ ग्रघु ...नो ॥ धान ध्यानत्ते भ्रं
तौ जानो ॥ १९ ॥ ज्यों ब्रनि तो रितु
नहा देवै ॥ औरन लिक हूं नाव
न लेवै ॥ सो कै लौ लग ये क सुत
होइ ॥ सुत के न येत्या गी ये सोई ॥
२० ॥ ऐसो लक्ष्क ल ब्रूनलो पार
मो ॥ ताको लिलि परावै सरम
धरम महान श्रुति सुक हिं बषां
नै ॥
२१

निद्रुमलिके॥कानीप्रसनते
रैंदः॥ ... जोति ताकौ
नगति॥जैतनजैगोबिंदः॥
येतीश्री भागवतेमहापुराणे यू
कादस स्कंदे॥श्रीसदैवनारद
संवादे॥ज्ञानतृपाख्याने च
तुर्थोध्यायः॥४॥ चौपई॥श्रीना
रदोवाच ऋषिदेहनृपसौ॥ चौ
पई॥जैनलोकरेहरिलीलासे
वा॥जिनकीकहौकौनगतिदे
वा॥तिनके पातक पलमाहि
नौ॥निसदिनव मानुरागनिज
लावे॥पै जोबहुविधिप्रम
उपजावै॥तोमोहिकहौ ताकौ
सूबपावै॥ येकहौबचन ने

तापतपेतेरहैं।चरैमनोरथ
फलहिनलहैंमनहलमोति
भ्रमकरिजुपहायेसुनोछि
तदारासकलकल लाहौ।३९।
तिनसबहिनकोछोडिकहि
बचेश्रापजमहारेजाई।जम
केदूतनरकनललेवैं।तिनो
केदूषसहैंदैहैंभोडावेै।३९
तिनकोंनरकरारिनिसारी।ह
रिरषिकसोनहिंमनमारा।४।
कहाकहहुकहसोनजाई।स
रिबिनकहुंमिलतसुषनोहि
दोहा।।चमसबचलसुनिनृप
के बाद्वोबासश्रस्ध्यारात्व

निदुमनिके॥कानीप्रसनन
रैद॥छपनजीतिनकाको
नगति॥जेतनडेगोबिंद॥
येतीश्रीभागवतेमहापुराणे य
कादसस्कंदे।भासदेवनाम्दद
संवादे।जातरूपाख्याने च
तुर्थोध्याय॥४॥ चौपई॥४८॥
२ श्लोक ३३ छिदे७७७चौ॥ चौ
पई॥जेनसाकेरहरिजीकासे
वा॥जिनकीकहोकोंनगतिदे
वा॥तिनकेरूपतिनसूपतेश्र
वै॥निसदिनवहमाग्रगनिज
लावै॥ पैं जोबहुबिधिधरम
उपजावै॥तोमो
सूबपावै॥

री॥ कंटजनेकै करलपमाली
॥हेडकमंडलप्रस्तजूगयाल
तव्वम निपलै वैसबसुद्धा॥
सब निरवैरसु [illegible] प्रभू [illegible]॥
[illegible] स्थिरकरि ईसीयेमनपो
नो॥ कैसैसर्व निलिहनिकैध्यो
नौ॥ पाहंसस्प्रबन्धरसजोगे
सुर॥ निरमिल [illegible] तनंग
सईसुर॥ पूरबोत [illegible] वैकुठम
बिन्का॥ ति [illegible] मैं
बिन्का॥ [illegible] वैतजुग
मासी॥ त्र [illegible] लि
पहराई॥ [illegible] सस्वरवादि
कहाया॥ [illegible] जुग स्पाजनय
मयनाया॥ [illegible] बलिलहितज
पाईकवकै॥ [illegible] बलिल [illegible] रस
[illegible] नाबिसतमै

सुनभौरे गपोनी॥तिनप्रप
राध्यनसकैनजांनी॥१४॥प्र
तनौभुनम्रायौपेतम्रेहै॥
येतौमिलियेतोतबढ्कैहै॥
कुलसंपतिविद्या॰ठकुरा
ई॥त्यागरूपबलकरमब
डाई॥१५॥निकौमदबाढ्यौ
ऋधिकाई॥तातैंसमजिहरि
रैनलाम्राई॥हरि॰ गतनसौ
वंनैतासौ॥भगतदरमरैछौ
॰ उकासौ॥१६॥आवरजंग
मसबथ्रटमोहो॥हरिपूरन
चालौकहंनाहौ॥ज्योभ्रक्का
सलिपतिनलौलोई॥त्योंहरि
॰ दकहतसेसोहो॥१७॥परि
वैकुठनकबहंजानै॥जातेंत

भगवाँनअनंता॥जिनकोको
रतिसैनअंता॥१२॥तिसरूय
तिसेसुरस्वामी॥सबोतमरस
बअंतजामी॥बहुतिनांतिअ
स्तुतिअनुसारैं॥विधिसोंद्रव्य
पूजाकरै॥१३॥कलजुगपातपि
तमरचारी॥ऋषभदेवबलस्यै
मकुरारी॥ससतिमारथरव
रूपश्रीनरको॥सबवनकोचेत
नपूजाकरनो॥१४॥भईद्वापरमन
बहुभेरेबिकारा॥तिनतेंरावै
चरनतुम्हारा॥सठिविधिस
बतीरथकोबासा॥सुरनरतो
पुरवैसबआसा॥१५॥सिद्धांत
रचिसुरनरमुनिध्यावें
कैनेदवदेतहापा

हृतैघु डावै। ऐसोतातपद
सोपावै॥ हरिकेसरनैआवै
कोई॥ सारीविधि समझै येक
सोई॥ २२ रकैंजे तिनकासर
नहीआवै॥ ञ्जिनपायेसारो
सोपावै॥ वेदहि जनग्रसहरि
नजांनै॥ आपुनकोपंडितक
रिमांनै॥ २३॥ तातेतातपरज
नहाजांनै॥ पढिपढिवेदग्र
नरथवखांनै॥ धनपसोजो
करैउधारा॥ सो [illegible] वै
वृथागंवारा॥ २४॥ जोधन
हरिकेकारजलगावै॥ सोत
बप्रेमभगतिकोपावै॥ तातै
हिय ग्यान प्रगासा॥ तबहरि
मिलैमिटै भवपासा॥ २५

सुनैकहै सुमरैगुरुसौं वै।।दो
ततकालततकहै पावै।।२०।।
बिधिजेजुगजुगलदिसेवै।।
तिनतिनकौ॒दिग्यानसादै
वै।।ग्यानपायेनिजलस्वसदा
वै।।जाताजापेलहस्वौलिलाऊ
वै।।जेकलिजुगलेजुगलौजैं
नतः तेबहबिधिचितलुति
कौठानत।।जैसौंजलसारक
लिमाहौ।।पूर्वश्रीरजुगलमैं
नांहौ।।२२।।सतजुगध्यानद
ग्यत्रेतामाहौ।।द्वापरपरजली
पूजैरामसी।।कलिकेकव्वा
मा।।हिकिगावैसो
तकालहापावै।।२३

इंद्रियेमनतिफव... थे
इलकरेवतोजीवनमारे ॥ ति
वसुजनमतिन्हेहिंसेतारे ॥ ३
थावरजंगमसबघटमांही ॥
येकेहरिदृजोकोंनाहीं ॥ तिन
कोंद्रोहकरेतनपोषे ॥ हराम
तनिप्रांनिसेतोषे ॥ ३१ ॥ नहमि
रमनहातलग्यानी ॥ पहिप
ढिगृथतेहिप्रनिमोनी ॥ तेप्र
साधिरोगीसबजानी ॥ तिन
सोंग्यानननाइंग्यानी ॥ ३२ ॥ ते
सबकेरे...पनोंघाता ॥ सुपने
हनलेहेकुसलाता ॥ करमप
थमैसुपकोचाहे ॥ भ्रमितदे
कोविषहाविसाहे ॥ ३३ ॥ नांनो

अरुअमनोसोमहरिसुअरतत
रिमोहिसेमारोहोर२७॥अरुसक
हकहूकोईदेसहीसुद्धा॥अ
वडादिमोनवैतसैंबुद्धा॥डे
7 ऊँजैतैचहिलाकैसौंतालैता
सोबहैतभ्यारै॥२८॥अरुसेंड
सें तोकूयरणीकूतवसोल्ला॥
कोंवेरापयसुलौ॥किसाला॥
अरुसरसूलीपछिमजाहनी
गंगाअहिंद्रुरिलोदोलही.
२९॥जेमोनहैंपावैसनईलधैं
॥द्रुरिलोध्यैहिरहैनलतिन
कौ॥तेसर्व्वयाहौहिहरिन
गता॥सायूसंरगहैयुम्रा
हो॥३०॥मूतकुदंरु
देवा॥पैनकेरनौ०

चौपाई॥ कौनसमैकेसोअव
तारा॥ केसोबरनतामअकारा॥
कीलीविधि॥ ४ ॥ रनअ
सरमो॥ कहोगपानकेसाधन
धरमो॥ जिनतेगपोनलहेस
बत्यागे॥ निरि चरणअनु
लअनुरागे॥ सुनिनरपवे
न नगतेजन॥ तबबोलेत
बमेकरभ नन॥ (दोहा)॥ चौपाई
॥ सतिजेता॥ त्रिकल्पका
बहुतजोतिलजीयुगोपाला॥
बहुबधिबरनबहुतअकारा॥
बहुतनामबअजन प्रकारा॥
सतिजुग॥ ५ ॥ लबरनजुनरमा
ली॥ सीसजटातनबलकलधा

उनकौहिरदैऽघुनि [illegible]
नो॥ संसेसोकेयौ [illegible]
नागयौ हू [illegible]
जागयौ ॥३९॥ [illegible]
पूजाकौलौ [illegible]
प्रदछिनादीनी। [illegible]
नपायेसहज॥ [illegible]
येततबसौ ॥४०॥ [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

हरिकौं जीतै तबहरिसबयों
पुजाठानें ॥ अथ हेमग्रजगुर
गायेकौ लिखे ॥ विष्णुसें लोक
पितृगणतीजे ॥ सरबबेद
अस्वकरम बिज्ञयंता ॥ तेसेंतो
मकहे सब संता ॥ अंश्रा बपीत
ब्रैसेंमनस्याला ॥ संध्यादिक
आयुधअग्निरौंको ॥ चौरिबौं
हुलगुलतो ध्यार ॥ नीलचि
मीच्छीन सब लेत आमरनौं ॥
१ चामरछत्र आदिबहुतेनां
मूरा जिल बिरासुखदेनो ॥
बेरतंत्र पथ सेवाकरे ॥ सबप्र
रपन पूजा बिसतरै ॥१॥ बासुदे
वु सेकरषनदेवा ॥ प्रद्यमन
अनिरुध्यप्रभेवा ॥ नारायण

आदि निद्रा॥ पायेजु छिंटे स
बद्दरा॥४२॥ तेजोपुंज आति सों
सेवैं॥ तिनकों कोंन प्रमापद
देवैं॥ अब तुम पुत्र लूटिलिति
आंनौं॥ कस्यप देव कौं ह्विं नरजा
नौं॥४३॥ मारयाक दिध्वारा निरदं
सी॥ परब्रह्म लल्लनजो लोयदा॥
बड़ी देख्य चूसैं ग्रह तारा॥ जे
टनकाज भस्यौ भूतनारा॥४४॥
पुत्रपुनीतरज सदा छिसत रही
जासों लागपली दोनिसतरहो॥
जेजेइनिसों हेत लगावे॥ तेतेस
कल परमपद पावे॥४५॥ जैसें
सुनि नारद कौं लीनौं॥ एक नू
देवकीनंद कुतलोली॥ ग्रापकी
दुर्मुखि कारीतोसे॥ छ

तसरनमाजोआवै।जनमम
रनसःदुःमिटावै॥४॥केव
लदानहोतःष।रै॥भवसाग
केपारउतारै॥ऐसोचरनतु
म्हारैगायो॥ताकोसरनिदा
नमैआयो॥५॥अतिदुर्लभ
सुरवंछैजाको॥ऐसोराजछो
डिकरिताको॥दसरतन
बचनसतक नो॥बनको
गवनकायोजिनचरनो॥६॥च
हिमग्रिरगद पंताभनचायो
तोताकेपाछै- ठिधायो॥जो
मगतनःहाराचीनो॥ऐ
सेचरनस नमैचीनो॥७॥ऐ
ऐसीबिधिकरिअस्तुतिकरै
गुनोबिधिहरिनांमननुचरै

।दो॥ जाके ज्ञाने मिटै अविद्या
मिटै अविद्या ब्रह्मलो पावै॥
ब्रह्मलो पाये फेरि न सो आवै॥
१ तब ब्रह्मा सनकादिक संग॥
नारदादि रंगे हरि रंगा॥ सक
ल प्रजापति भृगु मरीचादि
क॥ महादेव लोने भूतादिक॥
२॥ सुर समुह संग पलै सुरपती॥
पवन अग्नि नासत गुपती॥ ब
सु अंगार सुरद्धि नृदेवा॥ न
साध्यादिक अरु बिस्वदेवा॥
३ राधा गंडव पितर अरु नागा॥
चारन सिध्य जेहे अनुरागा॥
अपसर अरु गुह्यक विद्याध
र किंनर यक्षादिक
२॥४ कहस मर्दे

गुमोहि निरंतर ॥ दूषतजोर
पैरैनहाअंतर ॥ तामेंहरिगुन
नामउचारन ॥ येकहिलहइस
कलकोतारन ॥ २४ ॥ पापअप
रअधारकलिमांही ॥ जामेंपु
निलेसककुनाही ॥ तामेंजे
रिगुननउचारे ॥ तेतिरआप
औरनकोतारे ॥ २५ ॥ तेकृत
कृतितेईबडभागी ॥ जेकलि
हरिकीरतिअनुरागी ॥ आपु
मुक्ति औरनिस्तिरावे ॥
तेजगजनमबहैरिनआवे
वै ॥ रहौ सतत्रेताद्वापुरसुव
तरली ॥ तेकलिजुगकाबेबरा
करली ॥ कलिकछुसाधन

आदितकानेदानदयाला।पाव
पद्रसतत्रपतिनसालेवें।चित्र
लिखेसेस्नमखजोवें।४।चित्र
वदनिबहेप्रस्तुतिकरें।उतम
भ्रयनिज सनिसतरें।सह
तबिनतीप्रस्परनामा।द्रस
नयेसबपूरनकामा।१०।देवान
बाचेहेपुर-चरनसरोज
तुम्हारा।कालकरमबचनच
तप्रकारा
प्रस्देरला।वंदतहें
येत।११।जाके प्रानबचनम
नसाधें।साधत्रान लिसदि
नआराधें।तावसरलिप्रनि
प्रेत्रध्यावें।तेनरपा
रनपावें।१२।ज्ञानिचलि

वा ॥ सो नरि नाहिं सेवा करही ॥
जिसवत जितरि कै अनुसरही ॥
३१ जो विधि जित जिहरि चरन
न पावै ॥ तिनके मलहरि ह्
रिवलावै ॥ वहो स्यो मलकें प
जैनसा कोई ॥ उपजे कहहरे
हरिसोली ॥ ३२ ताते सब
विधिको फलयेका ॥ गहाये
हरिपदछाडि अनेका ॥ सब
के प्रभु सहासुखदाता ॥ सर
नागतिपालक विख्याता ॥
३३ जब जब जो जो सरनै आये
तब तब तिन तिन हरिपाव
ये ॥ ताते और सकल परराये ॥
श्रीभगवान चरन चित धरी
ये ॥ ३४ औसेल निनोहकेक

सौंतमसों हिसुर जिशकासैं। त
रैजनमकरस्नुनध्यारो। दीन
दूदानिउँ भारो॥१७जोतुम
चरनकवलमुनिध्यावे। चो
त्तयेचीतत्सफलविरह्यावे।
पुरु निजत्नगतनिरसेवें। न
घेनतासमकेजलसकचु। लेवे
पुरुपेकनिवेकुवनिकित
हिरदैधरैतुवचरननिनिना॥
व्रहरियेकसवसदकालो। येक
नयेचाहेलसकासो॥१८॥ जोत
नमक्रिनये यकसेव। प्रभ
नावसुमतिसुमनेव। येकन
ग्यांदिकनसोनन पजद
मयेतुमकनन
नसोश्रसरन

तबपायहैलूलप्रसंगा॥३८॥
अस्तुमतैदेवकीबसुदेवा॥
नयेकारथकरिहरिसेवा॥
तुम्हारैजसपूरयौजगसारा॥
जिनकैहरिलीनौअवतारा॥
३९॥दुसनुआलिंगनकरिलाया॥
आलननोजनसैंनमिलाया॥
हरिसैंपुत्रजानिचितदीनौं॥
तातैंसुफलजन्मतुमकीनौ॥
कपटबासुदेवहसिसया
लाहै॥तबकंसस्याहिकरि
राला॥ बैरनावकसनहीमा
तयारयौ॥तिनहूकौहरिदेव
भ्यारयौ॥४१॥कंसमरनअ
तिमनमैंआन्यौ॥कंदमबैर
निश्चैजानी॥ जान्यौ॥ पूतनां

सवचरन॥ येकैयेकरूपव
च्यावै॥ देत जावकबानत।
लावै॥ येकैरूपप्रतिमाकौसे
॥ येकैनावनिरंतरलेवै॥ये
च्यानो॥ कस
जोनो॥२१
॥ तैं
॥ सौवेच
॥ तातें
॥२३॥ याह्रूप
॥ अपनेचरन
॥ आसमकरे
॥ तिनतेउपजै
सना॥२४
॥२

वूस्तकोमानमौं ४६ ।। प्राइतत
स : त्यय तोनाषै ।। सोव्यांन
सूनिहिरदैराषै ।। सोसब भव
चनछिरकावै ।। उपजैग्यांन
प्रतापस्वपातै ।। दोहा ।। येन
च्यालंषे । सौ ।। हरिमिलनेको
द्वार ।। हरिकैचौसंमा ख्यब
बरनौंकविबिस्तार : ६५ ।।
पैलौश्री नागते ब्रह्मपुत्रासौं ये
कादससनकेंहै ।। बसुदेवनारद
संम्वादै ।। यायेतेपोपाख्याने ।।
पंचमौग्रयाये ।। नारदबस
देवसंम्वाद सकापता ग्रथक
जनकजौसंम्वाद । सताव ग्रुह
पैलतलय ।। श्रीसुकबाकि चौप
दी ।। बहुरिसुतौंन पञ्चात माव

दये प्रगट बषांनैं॥ बाची प्रज्ञ
गंगातिहूं लोका॥ जाके दुरव मि
टै सब नवसोका॥ २५ हुस्ता
दिकु सुरनर पूछिकारी॥ तुम
सेचरन कवल बस चारी॥ ज्यौ
प्रतिबली बैसअरजानां॥ नांथे
नोक पनंग प्रगानां॥ ३० जब
जब प्रभु सुरनलैं दुष पावैं॥ तब
तब सरनि चरनकी आवैं॥ तब
तासुषउपजै दुषनांसै॥ प्रप
ने प्रपने ठौर बिराजै॥ ३१ पक्र
ति पुरष मस्तल नियंता॥ तुम
पन्न के कारन भगवंता॥ तुम्र
ते पुरष सकति तब पावै॥
तिसामि

आंनंदितहोरितकाय चारेकेई
नांचेकेइंगांवे केइबांडेवहे
नवलावे ५ केइंडोयजयशवद
उचारे केइकेरासजसभाख
तारे खाविविकेरेलहिलवि
ध्यान: भगवन्मेंधरिप्रेम
प्रवाह: ६ श्रीभगवानम
नुजतनधारी: इमनरसबम
नहरनमुरारी: लोचनभो
हिजसहोविसतारे अवलो
हिकनिसवनमुखलारे: ७
निरखहिंधंपूर्णहारावती
जाकेसंनिनहीअमरावती
जामेंहालीद्विकाचलैआड़े
कहसहेवकोइमनपावे ८
सुरगवगीहेपूनलवकांमाते:

हनंतिचलावै॥२८॥तुमतौहव
सिहौवोनांही॥२८॥नहचलनिज
नंदपदमांही॥औरसौडिहवै
ठकोई॥करतबासनालखै॥०॥
री॥२७॥ऐसेहैनहीप्रगटतुमकी
नी॥जानकीजैमाप्रेनचीन्ही॥
येकगणचरनजनकोनीरा॥प्र
सतनीरमलकैसरीरा॥३८
।दूजीतुवकारतिकासरिता॥
तिरन वनजहांतहै॥छिसलर
ता॥सरवनकरतपूतरमल
जासै॥निरमलितिरदहतप्र
कासै॥२९॥छितजप्रकास...
नांही॥छैयेक...
ली॥

नागासुमारा॥ प्रगटहै येढूस
तुम्हारा॥ जिनके ध्यानकार
तनसरवूनौं॥ बलौरिनलोवै
आवागवनौं॥१३॥ तुमअद्वैत
द्वैतयेकरयो॥ अपनीमायास
बविसतरयो॥ तुमतीमैंनुपज्यो
संसारा॥ सहारहैतुमरेआधा
रा॥१४॥ तुमतीमांहिलीनसब
लोई॥ तुमकौव्रातिसकैनलोको
हे ई॥ रागररितिआनंदसरूपा॥
अजितअमितचिदरूपअनूपा
पा॥१५॥ बहुअधिपनसरनं
असहांनौं॥ क्रोधानपरमतस
असनानौ॥ त्यागरागजिज्ञा
दिकजेते॥ आतमसुद्धकरैतें
१६॥ तुवगुनसरवप्रतअमनासै
न

रजसास्यो॥प्रसकारतिबह्वि
विविसतरी॥नवसागरतिरवे
कीतं री॥४॥मालेअंतारजूपयहे
सा॥सकलजननकोमेंदोसे
सा॥बहोबिधिका न्हेकरम
पारा॥जिनसोंलागनेहेंनव
रा॥४५॥सुरुईकुलहिजाप
बिनास्यो॥नहिरहिहेंहिनद्
नास्यो॥तातेदेवकाजसबक
स्यो॥करबेंकछुनांताजव स्यो
४६॥गईबरषसतद्वाविकपर्च
सा॥तातेंदमबिनवेजगदासा
अबकरिकपंचसोनिजलोका॥
करतपुनीतहमारे वोका॥४७॥

कैरेतुम्हारासेवा॥

जसास्यौ प्रसकार तिवहु वि
छ विसतरी॥ नवसागर तिरवे
हैत री॥४॥ लेअवतार नृपजदव
सा॥ सकलजननको मेटौंसे
सा॥ वरो विधिको करलग
पारा॥ जिनसौं लागतेहैं नव पा
रा॥४५॥ असईदुकुलह्वै आप
विनास्यो॥ नहिरहिहै दिनदैर
नास्यो॥ ताते देवकाजसवक
स्यो॥ करवेकथुनांताजव स्यो
४६॥ गईहरवसतक्षिकपची
सा॥ तातेंसम बिनवैजगदासा
सवकरिकपंचसे निजलोका॥
करतपुनीतसमारे वोका॥४७॥
मैं हैंरससतुम्हारे देवा॥ निसदिन
करैतुम्हारासेवा॥ औसासु निव

री॥ अब आपुरनकी रोगमारी
नसचलनउपजै जगतिनुम्हारी
२५ ॥ जो तवजनबनमाली
कैरै ॥ प्रेमसहितिनुवआगैंच
रै ॥ कवला है विसपरधाअनें
ताकों आयसपतनाजानें ॥ २६ ॥
पौतुम अैसेहानदयाला ॥ मे
अधीनकरत प्रतपाला ॥ तव
ईह चानिरादरकरे ॥ बनमा
लीतातउपरिचरो ॥ २७ ॥ जोतुवच
रनभगे ॥ सुरकारन ॥ इस अ
सुरसैनासंहारन ॥ असुरनकौ
अधगतिके दाता ॥ सरनसर
गहासे बिख्याता ॥ २८ ॥ तेहै
निअधनास नबानें ॥ लोकवे

बिनतीसारे॥अपनेअपनेलोक
पधारे॥ग॥तबनरपतिकीस॥
नामंजारी॥है॥दै यदुकुलसुत मु
रारी॥द्वारावतीकौउत पाती॥
तिनकौंदेषिकह्यौहरिबाता॥प
श्री भगवानउवाचै॥येउतपात
उठैचहुवोर॥अतिनेयेदायेक
रासैहोर॥अस्द्दिजश्राप नेयं
कुलमांही॥तातैंनलोदेषीये
नांही॥५०॥तातैंप्रबईहोनहार
होये॥तजीयेवेगिजोयेतोच
होये॥अतिपुनीतषेत्र॥ताला
ततोवेगचालिकोलेबा॥५॥
येकबारऋआयदारूयेदि
सुके तईरी [illegible]

हरि ताते जपजै पेखु हमंडा॥ जलअग्रआ धार तिरै ज्यों गुंडा॥ थावरजंगम विविधि प्रकारा॥ तातै होयपैं विस्तारा॥ जातें भस पैसबके करता॥ प्रजा (?) तिपालनकरता॥ तुमआधा रसकलके स्वामी॥ सफल हातान्तरजामी॥ ३४ जोक छलो पैसकल गमाती॥ तुम करता ... कोनातो॥ परिक हू लिपतिहोसनहीदेवा॥ कोइलि पिनसकै तुव सेवा॥ ३५ सोल सहस ... ठा॥ जिनके हिरदै प्रेमअप्रतिकाठा॥ ताव ना वस्तुप्रीतिबढावैं॥ भ नबानव

रतनहरनकलेस॥अतुकुलकोलदारे
हिकरिहो॥ग्रबतुमलोकपरहि
हौ॥८१॥बिप्रश्रापमेटनसमरथा॥ज
मेटो सो कोन ग्ररथा॥मेरे जीवनचर
तुमारा॥जेसेमीनकोदिक्षुधारा
प्राननाथग्रबजैसीकीजे॥संगग्राप
नेमोकोंलीजे॥तुम्हरेसनग्राचरन
ग्रनोपा॥सबकोंमुतिकरपानस
पा॥८३॥जिनकोंपायेग्रोरसबत्यागे
तुबनकेसुषसबदुषसेलागे॥ग्रा
नगवनग्रसनग्रसनोला॥जागत
रूसोवतबिक्षिनाला॥८४॥सदानि
तरकोमेंदासा॥स्योंपलनजोंतुमस
पास॥येहमायनबेलेंनहिंकदे
मबिनग्ररधनिमषिनरहो॥८५
बसनमालाग्रान
कोमैंधरना॥सदा

तिनकूंकालकैनलाषेडु ति॥
॥तातैं॥पानीपषवकोजे॥
सा॥ दोहा॥मकौषवदीजे॥
जीनमैंकथानहाकमपावै॥
जातैतुवैंच ननचितलावैं॥
॥श्रीस्कंधउवाचौ॥ येतेसिवस
कादिकसंगा॥अस्तुतिकरीव
हुतप्रसंगा॥बहुरयौविधिये
कबचनसुनाये॥जाकेकाजि
सकलमिलिआये॥ ॥ब्रह्मोउ
वाचौ॥ हे प्रभुहमतबबीनती
कीन्ही॥ धरनीनारनरीतब
चीन्ही॥तातैं॥ मलीन॥ ध्रुवत
रा॥सकलजुतास्यौ तूकोमा
रा॥षटकोटिधूधरमधरम
विसतास्यो॥ सबसंतनिकोप

तनहरनकलेस॥ भृतुकुलकोसहार
हिकरिहो॥अबतुममत्यलोकपरहरि
हो॥६४॥ बिप्रश्राप मेटनसमरथा॥नहीं
मेटो सो कोनअरथा॥मेरे जीवनचरन
तुमारा॥जैसेमीनकेहिकआधारा॥६५॥
प्राननाथअबऐसीकीजे॥संगआप
नेमोकोलीजे॥ तुम्हरेसबआचरन
अनोपा॥ सबकोअतिकल्यानसरू
पा॥६६॥ जिनकोमायेऔरसबत्यागे त्रि
भुवनकेसुखसबदुखसेलागे॥आस
नगवनअसनअसनाना॥जागतअ
रूसोवतबिधिनाना॥६७॥सदानिरं
तरकोमेंदासा॥क्योंपलतजोंतुम्हारे
पासा॥येहमायाजयेतेनहिकहो॥तु
मबिनअरधनिमषिनरहो॥६८॥भ्रधु
बसनमालाआभरना॥तुवकेतीरथ
कोमैंधरना॥महाप्रसादनिरंतर लियो

तिनकूंकालकैनलाषेंड तिः
४० तातेंकृपानोंयअबकाजेः
साधुसंग मकोंअबदाजेः॥
जीनमैंकथानहांलमपांवेः॥
जातैंतुवैच ननचितलांवेः॥
श्रीरघुकुलअवलोचौ। पोंतेसिवस
कादिकसंग: अस्तुतिकराब
हुतपसंग:बहुस्यौविधिये
कबचनसुनाये:जाकेकाजि
सकलमिलिआये:॥दोहा अवलोकि
चौ। हे प्रभुहमतबबानती
कीनही: धरनीभारनरीतब
चीनही:तातेंतुमलीन्हौंअवता
रा:सकलजुतास्यौमूकोंमा
रा:॥४८ कोटिअधरमधरमि
विसतास्यौ:सबसंतनिकोंमा

नगोपाल ॥तबकरनोमयक
रिकृपा॥बोलेबचनरिसाल॥
७२॥२५॥२५॥२५॥इतीश्री
गवतेमहापुराणे॥येकादसस्कं
दे॥श्रीगवतके चौसंमादोयध
मोऽध्यायः॥ ६॥श्रीभगवानोवा
चै॥चौपई॥॥मेरा मारगकैह
॥जोतेकहीबात
॥सिवबिरंचिसनकादि
॥बयेमेबैकुंठप्रवेस
॥मैनारदद्यौजब नारी॥
सिपुकारी॥ह
तारिकनकीनलाकरी॥तातेंम
नजदेहमेधरी॥२॥श्रवनकेस
वनारनतास्यौ॥सकलसुरनकौ
कारजसास्यौ॥अस्कानो
कोबिसतारा॥

न्तोकीबोनी॥ तबहसिबोलेस
रंगपानी॥४८॥ श्री भगवानुवाच
॥ ऐसेसबसुनौतुम्हारी
बानी॥ तुमरोकारज नयोपहि
जानी॥ प्रथइकुलयोहोपुहरी
तौनाससकल करौमैकरू॥
येसबपादव९ ब्रह्मदम
तो॥ नये रहेसौमेरीसता॥ मो
हितजे सबपुलपहानै॥ जोस
पर मरजादा जानै॥ ५० तातें
नासहेतउपजायो॥ आपसब
नबिप्रनतेपायो॥ अबइनस
बनिकौबिनसाउं॥ पाछेतुव
लोकमेंआउं॥ ५१ ऐसेसुन
रिजाकेबेना॥ हिरदैबढ्योस
बलीनकेचैना॥ करेप्रनिपात

न

नां॥तिनकैभेदनयोहैनांनों
तान्नेदहिजमकरिनसाजांनै
बिधिनषेदतासौंतैठानैं॥चा
बिधिनषेदजोन्नाषेबेदा॥से
ताकौंजाकैंन्नेदा॥भेदमिटे
बिनकेरनत्यागा॥तातेयदुव्वी
पेबिनागा॥१७॥ज्योंज्योंतजेस्र
षातोंतोंइतातेंबदबतावेदे
ई॥आगेजायेछुडावेंयारेजेभ्रा
पताहतेंबिसतार॥१०॥तातेंपा
रसबयेदमिष्याजांनेंषुचन
चद्गुनदोषनमांनें॥ईद्रापेंभ्र
स्मननिस्चलस्करे॥भ्रहंका
रममतापरिहरे॥११॥रुषिमधू
समकसबिसतारा॥येकस्वी
भ्रातमकेभ्राधारा॥सोभ्राधो

प्रेमसुखपायो॥५६॥तातैंश्रव
नासचलीजे॥जनांजायेंपूसन
तकरीजे॥तिरपतिदेवपितरन
कैंकीये॥बिप्रुजोंजबहुबिधि
बिसतराये॥५७॥तिनकौदानव
होतबिधिदीजे॥सरधासहति
प्रनामसीकीजे॥तिनप्रसादह
मपहुराये॥जौनावनसौंसाय
रतिराये॥५८॥ऐसासुनिंतरि
जीकीबानीं॥सबजादवतसी
करिमानीं॥तबचलिबेकौंसक
लबिचारें॥अपनेअपनेरथनसवा
रें॥५९॥तबऊधवहरिकौनिजदास॥
देषिसकलबिछिनयोऊदासा॥च
लिआंतहरिजीपैआयौ॥चरननि
परिकैंबचसुनायो॥६०॥
देवदेवईश्वरजोगेसअभुवनकी

सनकादिकसेःदूजेःकबहन्नूल्य
नलेखेः१६ःसुग्रस जिन पायेःहू
न्नगायोनाः।जिनकेबिध्निन
च्हनसानानाःपरितिनकेनि
तिसबिध्निसेःःकहेनिषहल
परसेकाईः१७ःवेसुषदुषगुनहे
षनजानेःजलकसमिआचर
ननठानेःपरिबिध्निसारासेव
करेःग्रसनछेघम्रावलापुसे
१८ःसबपुसंधसदाग्रतिसोतै
ग्यानबिग्यानसहतिअनिदा
तेःसबजगत्लजानिधिरहा
ईःबहेःसोजनमनपावेसोई
१९ःप्रेसेसनिहरिजाकेबैनाः
ग्रतिदुःस्कंग्रस्प्र तिसुष
ःनत्वसनककाबादाणाः
श्रीसकजचाच

पश्रमसुवपा ॥५॥ तातैं मंत्र
नासचलीजे जहांजाये प्रसन्न
नकरीजे ॥ तिरपतिदेवपितरन
कौंकीजे ॥ बपुनोज हविधि
बिसतरीये ५७ तिनकौदानब
लेतबिधिदीजे सरधासहति
[illegible] कीजे ॥ [illegible]
बपुतरीये जौनोवनलोसा
रतिरीये ५८ ऐसासुनितरि
जीकाबानी स[illegible]री
करिमानी ॥ तबचलिबेकौसक
लबिचारे आपनेआपनेरथनसवा
रे ५९ तबऊँफवहरिकोनिजदास
देखिसकलबिधिनयोऊँदासाच
लिराकैंतहरिजीपैंआयो ॥ चरननि
परिकेबचसुनायो ६० ॥ [illegible]
॥ देवदेवईश्वरजोगेसजुवनकी

सकैकरिताकोंमनुमसोलैद्रिपड्यौ
पेजावा॥जैसेंभगनिहनैंत्रिहो
दीपवा॥६३॥सरासैतुमकैदेश्री
भारा॥निति हिपांसैंसिरज
नहारा॥जैसेंपत्नकोसेवैनाली
तावतैंप्रमदुष [illegible] मांही॥यसेंनव
केदुषकहनजाई॥यस्यौनिरत
रमैतिनमांही॥ममहिमोहीनर
नागतिजानौं॥देकरिमानेनसक
लमैत्तांनौं॥६४॥सोरतनसनचर
तुवचरनां॥मनवचकरसश्री
पामैसरनां॥जैसेंसुनिकैधो
केवैनां॥हरिसिकरिबोलेप्रभुज
नेनां॥६५॥श्रीभगवानउवाचे॥
ॐपवमैकहदेहुग्यानौं॥सतिक
हतहौंनाहिंप्रानौं॥मानुगसाध
नयेहेंनेहोआपहीआपनयसैं

ध्यो॥ दर्सपर्सवक्त्र विधि संतो ध्यो॥ ई दोन्ह
सौ मैं निजदास तुम्हारो॥ माया करि है क
हा हमारो॥ माया नय स्वरूप तुमरे हेत गहो
हि देगं बरं कैर धरे ता॥ ६७॥ ई श्रीपद हृदय
न मन साधे॥ सावधान तुम को आराधे॥
उत्तम विचार सदा मन लावे॥ ते निज रू
प तुमारो पावे॥ ६८॥ हम कछु कर्म श्र क
में न जावे॥ रूप ध्यान वैराग न आने॥ तु
म्हरे जगत न के मिलि संगा॥ नव ति रहैं
सु नितु वड संगा॥ ६९॥ तुम्हरे कर्म वच
न परिहासा॥ आसन गवन रूप अकासा॥
सा॥ कहत सुनत सुमिरत सुख माही॥
जव सागर हम रहि हे नाही॥ ७०॥ ताते
माया जयत हीं आंनो॥ आपु हि सदा मु
क्ति करि मानो॥ पर तुम बिना अर्जुन
नि जांही॥ ताते मोहि छांडि मैं नांही॥
७१॥ रोर्कं उद्धव निज भक्त के॥ सुने वच

सनक्रमवचनतोकौनिहत्लेगा।।५२।।स्न
तैपरैश्रापुकौजानैसोश्राधारब्रिह्मकौ
मानै।।५३।।लहातहांदेसीऊंपदेसा।।धाब्रि
थ्रिकरौब्रह्मपरवेसा।।ऐसेजहोतहांलेज्ञ
ना बकुतकौंलपैब्रह्मगह्याना।।५४।।ब्रि
मैंककुसैककीवाता।।जोइतेहासकथा
बिख्याता।।दतद्विगोबुरह्मकल्पुउत्पा नि
नकौहैसंबादअनूपा ।।५५।।दोहा।।सु
निऋषिवइतहासअनूप।।मार्कंडमअनूप
पा।।बकतादत्तात्रियग्यानहो।।स्रुनकुष्ठकु
यउत्पप।।१।।चौपई।।एकसमैंबुत्पू
तियडनामा।।गयेसिकारछोडिनिजुधा
मा।।तबलानगरनिकट्हैसूता।।देख्यो
कष्मस्रवधू।।तापहो।।निरजेनिद्दचल
ध्याधारी।।तेजनिधानतनलनकारी।।
रिपर।।नामबकुतपरकारा।।जउत्पति
जेबबचनकैंधारा।।५७।।जदक चा
देख्नपरमप्र...

वूपारा॥३१॥ इकुलआपलोयो
हुजिपासा॥ आपआपमेंकै
हैनासा॥आजि तेसपतमें
दिनमांही॥सिषुद्धारकारीषे
नांहीपेजवलाकेंतजिलोयूल
का॥ तबपावैगोदुषजयेसो
का॥कलजुगआनिप्रुषिप
तसोई॥जातैऊ कर स
ई॥पतातैसनितव्यवबउमा
गा॥अबतुमकरिसब
त्यागा॥कोकैसदाचितथिरह
री॥ सबदिष्टीहोयेनूबिचरी
॥जोकछूकसन नमेंआ
वै॥अरुमन छिंजावै॥सोप
रसबमनको॥ तजानो॥षि
नजगुरमायाकरिमांनो॥७॥
जिनयेसकल सैतेकरीजा

कौंसेवै ॥१७॥ प्रानबाचे ज्योंलेयेऊ
तारा ॥ स्वादकुस्वादनकोईप्यारा ॥
यांहरिजनऊहारतालेवे ॥ स्वाद
कुस्वादनहीचितदेवै ॥ १ ॥ पबिल
ऊहारबिचारनआवै ॥ स्वादकु
स्वादनमनठहरावै ॥ तातेयेतो
लेयेऊहारा ॥ तेताहीवेप्रानऊ
धारा ॥१८॥ ऊहद्योपवनपिवै
जुगमांही ॥ सुधाऊससेचलिये
कहनांही ॥ तातेंदेनमेंसं
चरै ॥ ग्रायेऊप्रायेगुनदोषन
धरै ॥ खायोबिषनिगलेहरे
गी ॥ मनकरमबचनतेहोवे
जोगी ॥ नेदऊनेकनमेंऊनु
सरै ॥ प्रकघलेदहिरदेनहीध
रै ॥ २ ॥ ऊहद्योपवनगंधासं
जोगा ॥ लिपतनयेजानेसब

रखतलके जानैं। ऐसी बिछिन
बिकेलन ये ताते॥ १२॥ बिछि
बेदगुर थकोजानैं। बहुरिहि
दैनसचलकरिआनैं। होभले
ककोआसाछै। ॥ या बिछिअ
तरायसब पड़ै॥ १३॥ जितनी
याके आसाताई। तितनौ बि
छनकेरैसबकोई। ज्योंज्योंत
जतेजावेआसा। त्योंत्यों मि
टै बिछनके पासा॥ १४॥ जबयें
लोच आतमा॥ भो॥ जबके
नलीआसाकोथांमो॥ तबबि
छननकेकरतादेवा। तेलाज
१५ लटिकैतासेवा॥ ताते बिछ
नथेथसबनाखे। आसाछोडि
हिरदेहिराखे। येकहूतजकरि

मनतामरनो॥२४॥सो प्रमातम
आतमयेका।केदेनदेषैन्त्रि
भूनेका।ज्योंजोगगनिबटनै
होई।बाहरिजातरिजलातते
ई।औरसिधितिजानैसबकों
करैबेकोंद्वैनातरयेका।येम
तमसबलबिबेका।ज्योंब
मेलपवनदामनी।बरषैब
सरजामनी।२५॥तितसि
तिकदेनसोहोई।औरसिध
जानैसबकोई॥तोंमा
लभूनता।भ्रकेंपडे
वैभूता॥२६॥सरिमात
तिकहलोसी।सापु
मतमाही।येभू
नायोथ।भूवनाथे
पायो॥२७॥ति तिं

गुरुद्रुष्टसीसकेमूठा॥ सब
गा च्वन समझैगुंढा॥ के
रवतभरिहाई॥ तिनसेव
फरनहों॥२८॥ सेकगु
रधनिलेई॥ तिनके
मझैकोई॥ केईधूसध
रुगुरसूपा॥ सिषन
वकूपा॥३०॥ केईप्रव
नरपूरन॥ केईधरमसानबि
ष के चूरन॥ केईगुरपक्षकेईगु
रकाना॥ केईगुरलोनमोहनरम
ना॥३१॥ प्रमगपानपसमझे॥ लो
विधैबंधसंसारसमा॥ तुमरो
न्याहिनश्रूमनपार॥ पानसूप
सबहानतेन्यारा॥३२॥ सोहीति
रेगहोकरजा॥ मायाकछून

सपेक्ष।। बहुबिधि दीसै कोऽनेक।। सै
आ कारेक सब माही।। जैसे देह छुहै सा चे
ही।। ३७।। दीपक में सो लप्रगट ज्यों होइ।। ज्यों ला
जात लखै सब कोइ।। परि तेदीसै। त्यों के त्यों
प्रतिदिन रे देह जात है यों हीं।। दर्शमुक्ताजे
ससि के बाढे कला।। त्यों त्यों दिन दिन
सै तनल है पूरन है करि दिन दिन
सै।। सकल मिटै नहीं प्रकासै।। ३८
त्यों बाला दि अवस्था आवै।। सो
तरुन ऽ क्रमसौं करमजावै।। नव
तमादि पाये नाही।। परिहै सद
तितह माही।। ४०।। ज्यों रवि
निन सौं जल लेवै।। समय पाय
रु त्यों सब देवै।। परिकव हू ऽ प्री
नन ऽ आनौ।। ता यादी पौ ऽ आप ही
नै।। ४१।। त्यों मनी कहै सुनै ऽ प्रसदै
सकल प्रस्थ ईदी यस्म लेषै।। लि

तैंवलरूठी॥ यहउह ग्यानगह्यौ मैं प्र
वी॥ जो ईतइहूं देहकौं लहे॥ ईडी
नकै सबस्वरथनि गहे॥४७॥ ईडीवु
थ्यादिक स्वरूप वानी॥ जाकौं कोई स
कै न जानी॥ सो मैं नित्य निरंतर पेका॥
ऊंप जैबिनसे देहसूनेका॥४८॥ घीना
ईसो मैं कहूं वलकहांतें आयो॥ किनतन
दीनौं किन ऊंपजायो॥ अबतो मैं देह
हस्वधर्म॥ पलनकौं रहिनसकै॥ निरधा
रा॥४९॥ ये दोऊ तजिकामेरह्यू॥ सो है
सत्य ताहि दिढ गहौ॥ ऐसै बहुविधि
करै विचार॥ त्यागै देहादिक परिवा
र॥५०॥ सो जहां तहां तें लेवे ग्यानां॥ क
बहु कछु न जानै आनां॥ या बिधि आ
पुआपुकौं तारै॥ लेहै ब्रह्मतत्व उघनिवा
रे॥ येह विचार मानव तन होई॥ इह जा चूकि
न पावै कोई॥ तातैं तजौ सकलकौं संगा॥
तातैं मानवतन पायो कछु येक कैं तो हित लखायो
तैं

तनमनला
छैसोत
लाबिदि
ज्यतडछै
छैनकोड्र
घेनिर
लि ग्रीर
ग्रेडक्रै
नोमिल
सिस्तुतिर चे
मतेनये तब
तिनकोपो बहु
सदिनसं छैः कोनह
सनैसुठ सैं
वैप्रसें ५०त रेकोमायाबा
नलाये : तापुग्रापुमैस
बंधाये

भूजगारसिंधूपतंगनुभंगा
कुंजरमंधुलरतास्नु ...
मीनपिंगलाकुरस्बाला
न्यासरकरतास्रबाला
मकरीभृंगीयेचौवीसा ये
तेसाषौस्निहनरेसा ॥१४॥
प्रश्न ... धरनाम्गुनर्दे
सोमैप्रमतत्व ... रिलेषौ ॥ सं
बैरहैधरनीआधारा ताप
मुडकेर्उपका ॥ ॥१५ ठौरठौर
प्रतिजतमभूंगा तिनकौक
रैबहोतबिधिनंगा ताकेप्र
बतहुषिअन ॥ ॥ प्रजीपका
रलबैहतंता ॥१६॥ परग्रपराध
कथूनलाजानै ऊलटिग्राप
उपकारलाठानै असासाबधर
नाकालेवे

पढ़ भई मो हि दीन्हों ॥ ज्ञानी ये प
ति बरता नारी ॥ पूत्र नंदुर लोक
सिधारी ॥ पढ़ि मैं हि छोड़ि सूने
घर मांही ॥ सब मिलि आय ईढु पु
रजांई ॥ नामैं सुख लोग ये लालो
का ॥ नहीं सा धन पायो ॥ लोका ॥
५७ ॥ घर म अस्व र धकाम सबज
मैं कछु बैन हार लोग हत तामैं ॥
अब ग्यान नर पै कछु नाही ॥ घर
घरी मैं दुख भ चिकाई ॥ चय्या बि
चि नये बहुत बेहाला ॥ अब घे दि
षि बनिता अस्व बाला ॥ ब्याकुल
बुधि बिचार न कस्यो ॥ आपही
आपे जाल मैं पस्यौ ॥ ५८ ॥ सहित
कुटंम कपोत हो पायो ॥ तब सी स
पोब धिक मन लायो ॥ ऐसी मैं क
पोत को हूपी ॥ तब अपनी सुदेव

लोगा नृपति सो पवन सदा युक्त
पा॥ लिपै न कबहू ओसो अगिन पा
२२ पंच भूत निर्मित त्यौं देहा॥
सकल बिकार नहां को गेह॥ ता
मैं जोगी लिप तिन तोई॥ औरहि
प तिजाने सब कोई॥२३॥ ज्यौं स
ब तान मैं येक आकासा॥ अरु स
बहीन को तामैं बासा॥ सब कै
पडै बिनसैं बरतोई॥ गगनि न
ल [illegible] तिहमासो॥२४॥ त्यौ
बहौ बिधि॥ [illegible] द [illegible]
मुनिंद [illegible]॥ आधारा॥ जो
कछू दीसै जड है सो सो॥ जाके सं
गतै चेतन होई॥२५॥ ज्यौं आतम
देहन मैं देषै॥ त्यौं परमातम जग
तां तत लेषै॥ येक अनंत कहू
आबरनो लिपै न छि॥ [illegible] पे जन

मोक्षध्याय॥ ३।७॥११२॥ प्रबंध
तत्वबाचे ॥ चौपई ॥ जेइद्रीयसुष
कष्टकलावे॥ तेलोकगत्नरक
कहावे॥ जोसुकरकूकरसु ष
मांनै॥ त्योंसोदेवशोरकछूनांनै॥
अरुजेसुषआपुनातेआवै॥ क
रमलिषोसोकोईनलिटावै॥ जो
कोईदुषकोजलपावै॥ परिदुष
आपैआपदारे॥ ॥ त्योंतोसुषआ
पनातेआवे॥ बिनजांनेनरब
हदुषपावे॥ तातेंबुधवसुकरे
मनतेवै॥ सायप्रकरतारदिपद
सेवे॥ ३॥ स्वादकुस्वाद्व होतकै
पारा॥ जोलगिजीपठवेतिस्वलो
रा॥ ताकोंनहिरिस्वदासा॥ स
ग्रहतितेरिदासा॥ जोक

म तहरै॥ तापमेटिसीतलताकरै॥ सबकु
षदायकसीतलरसवंत॥ ऐगुनजलकेस
रैसंत॥ ३१॥ गुरुतेजवंत अतिदीपति जु
क्त॥ त्यौं नरहितजहंतहंनिरमुक्त॥
स्वादरहितसवअन्नकरै॥ अगिनित
लिपेसंच्यनहिंधरै॥ ३२॥ त्यौंहीग्यानतेज
मयहोइ॥ ईंधनादिकसदोषतिसोइ॥ ज
दिपवकुविधि भोजनकरै॥ स्वादरहित
गुनदोषनधरै॥ ३३॥ काहूतें सो जननहीं
होइ॥ काकेगुनमिलेनसोइ॥ कंदपरमा
नलेइअहार॥ कछुमनजानेंसंचयसा
र॥ ३४॥ गुप्तरहेनहिंतुलिजनावें॥ कीन्हे
प्रगटप्रगटकेस्रावें॥ परइछ्याआहु
तिकोंलेइ॥ तिनकेपापरहनहिंदेइ॥ ३५॥
पेमुनिगुप्तअरुप्रगटरहे॥ पोजिलेइताको
चमदहे॥ कैलमभोजनादिकहोइ॥ पर
इछ्यातेंलेवैसोइ॥ बकुस्यौंश्रागनियेक

तैसिंलिसैवै॥सुप्रस्थऐकैसैजा
हिनुतारी॥निद्दीहिकठौरैयेक
नारी॥परिनाचायेणकायैमुनि
मांही॥ रागदोषकछुमजैन
हीं॥१०॥बनिताबलुकनकैप्राम
रनो।बसैबिधिमायाकैप्राय
रनो॥पनकैश्रायपरेजेकोईमृ
गनिपतंगसमानिसोहोई॥११॥
मोलगिमकुलोलमजैनिजदेखा॥
जोचिम्रहाररसबहोगाहो॥जा
तेकटूम्रनूरागनबढौपहसि
ष्या।मधूकरतेपटै॥१२॥घोटबं
डबहुतबिधिगृष्या॥तिनतैसा
रगहैहरिपथ्या॥ज्यौंमधूकरब
हुफूलनिमांही॥बासगहैफूल
निकोनांही॥१३॥सोमधुकरहै
बिधिकोकहीये॥दुहुपासितैं
सिष्यालहीये॥बहुतगुनलैनैत

आतमाअकता । तौ सबतजिहै
त्तबिचारतामानैं ॥ ४२ ॥ औ हुटज
लप्रतिबबत । रा॥ लिपतिहबी
पै परिहै दूरा ॥ त्यौं आतमा ह त
बंध्या ॥ पलेद्वषिजानतहैंअबा
४३ ॥ अबकपोतक । याल
नाऊं ॥ ते ८ नका नरम सिंटाउ
पैकैकपोतनीसंगा ॥ बनमैंकी
नीयुहितप्रसंगा ॥ ४४ ॥ । पम
ज्ञाति ॥ आठपहरमैंपल
नबिरहा ॥ मनसौंमनअगतसी
अंगा ॥ नैननिनैनबढ ॥ हारंगा
४५ ॥ आवनगवन अ सनअ सौ
नां ॥ सैनबैनसारीबिधिनाना ॥
मिलेसक करमनकोकरें ॥ नि
रचैरहैनक बाहडरे ॥ ४६ ॥ सौ कप
तबनिताबसिकाया ॥ सारनाव

गयेचहैजेनारिखोठैरा॥औरं
सुनतहोवैगतिऐसी॥ज्यों घि
ततैणाकीजैसी॥तिम्हसुनैरंगरा
तिसुनिबहुरंगा॥औगैरिकसैं
गनिकासंगा॥पुस्त्राखोहिसुन
तिहुहोई॥तिनकेसबदसुनेसे
कोई॥२०॥सुनौजिह्वाग्रासहैजन
कैरो॥स्वादकुस्वादसबकलखेरै॥
जिह्वारसतेंहोवैकाला॥जैसैमी
नमरैततकाला॥राजेसुनिस
बघ्ररपनपरीहरै॥जायेइकंत
बासकूंकरै॥सकलजेलोयईंद्री

गे॥सिरपरिकालनलिषैजुनाग
पेकबारबालनिकैकारन॥चा
रोलेनगयेथेआरन॥ताति
मैंबाधियेकआयो॥बालकट
षिजालकि॥ गयो॥परदेष्यो
किननहिदेष्यौ॥लो॥बघेआ
निसकलघग॥ला॥तबदोउ
चारौलेआये॥तिनय॥ ि
नबालकपाये॥५३॥तबदेषेमा
तातेबाला॥बंधे॥ ॥
ला॥तबलोतलोपुकार॥ आई
लिसुतलेतबध्याई॥५४॥
बंध्ये॥ह
॥ आया॥लैंगयेथे॥तबसोब
छिष्यकरैबिलापा॥ लेष
॥५५॥ताते
नौजुसो॥द

गासोई ॥२५॥ बैतो रियेक गनिका
पींगला ॥ तातैं मैं सुनसी ष्यो न
सा ॥ सो तुम सौं भाषत लौं राजा ॥
जातैं सैरै [illegible] तुमारौ काजा ॥२६॥
जनक बदै पुरी है बासा ॥ नाम
पिंगला रूप निवासा ॥ येक बा
र श्रृंगार बनायो ॥ जनौ पुरष
मन कैं ठहरायो ॥२७॥ बैठी नि
कसि भवन के द्वारा ॥ आगे चलै
लोक बाजारा ॥ कोई न लौं आ
वतो देषे ॥ यौं है आवै गयो कि
रि लषे ॥२८॥ जब वह आगें कैं
चलि जावै ॥ तब पिंगला और
कौं ध्यावै ॥ और आप आयें चलि
जाई ॥ त्यौं त्यौं [illegible] दुष पावै जीव
मांही ॥२९॥ कबहू उठि जात रिकौं
जावै कबहू व्याकुल बाहरि आ

हलेषी ॥ ६१ ॥ याकुं टमेलोवै ॥७॥
कै ॥ चिह्मा रागबट्टै तालोकै जाव
तस्रुतिस्मारै नन्द ॥ २ ॥ सहितकु
टम्हकालबसिपरै ॥ ३ ॥ याविधि
जोमोनवैतनपा ॥ ॥ सोतोद्दा
रबूसनकै आवै ॥ ताहूपरिजोगु
हहितकरै ॥ सोन रबूसनद्दारच
डिपरै ॥ ६ ॥ तातैं जो गकुटमम्रु
गृह ॥ तिनतैं जावरहै प्रतिद
हा ॥ ऐसे सो नवैतनुवै ॥ जाक
रिदैव निरंजनपावै ॥ दोहा ॥
पैनाचार रम्रा ०की ॥ सिष्यामै
तुवदास ॥ अबअवरनकाकहत
हे ज्यो पूटेन ॥ ५ ॥ स ॥ ६५ ॥ येती
श्री भागवत महापुराणे येकादस
स्कंधे भगवत उधौ संवादे ॥ अ
ध्यायो तितालसो ॥ पारस्नाने सप्र

॥जाकौ नाम कहै है
॥सो तोहि रिझौ दीयो स
हागा॥३४ जा हिदै हिसो दीयै पा
वै॥ नव नये छोडि हलसै जा
वै॥ तातै मान व स व छिंटिए वा
वै॥ ज्यौ त्यौ करि हेराग जु पावै
३५ तब पिंगला व चन सु सारै
बहुत ना तिसिपा पुहि छिकीरै॥
गये दिन नहीं सुति पिछलि॥
वै॥ सब तै दिह बैराग बधावै
॥ पेर षै॥ पिंगलो उबाचे॥ ग्रसै
पेक मेरे कग्रयानो॥ जाकै हिदै
बदो निरसनो॥ जल बुंदबु
दास मिजो नरदेह॥ तासैं तु
भहित कीयो सनेह॥ ३७॥ स्वर
रजल पूरत तजि पास॥ सुगद
सव्यावैक रि जलासा

कहमनल्यावै॥करमअधीन
देहकौजानै॥मनकरमबचनन
कौ॥मदानौ॥५॥श्री॥संमूचेई
हौ॥कातह॥१॥प्रकधूजेदम
कैरेनयेला॥नैचलधूस्तनिरं
तरलैवै॥गुयहसि हयाअजण
रसौलैवै॥ई॥ सनभ्रसनप्रम
गंनीरा॥अधिकअगाधरुपो
नलनीर॥वारपारकोईपाद
नलहै॥येगुनजनासागरके
गहै॥७जैसौबुषाबहनीरषबैस॥
ग्रीष
सदास
॥तौकोई
बषिअरचावै॥जोजनब
पहरावै॥अस्तुतिम
॥बसैतत्रातिबसै॥

रसेरेसुरजैसे॥ताहूपरसबस
षकौंतजैं॥किवदेसहरिचरन
ननजैं॥४३॥सुरसवप्रजा भजे
हरिचरनों॥जातैंसौटैजनमउ
रमरनों॥जाकौं भजें कुलसहितं
सेषा॥परिसौ तिनहिसकदेवनदेष
४४॥ऐसे प्रभुकौं जेन रसेवें॥
तिनहरीगिआपकौं दैवौं॥जेप्रभ
प्रभुमैंनरहिआराध्यौ॥ताकौप्र
नरयप्रूरयनतालाध्यौ॥४५॥
सबमैंआपाजिबैहरिकरैं।
औरसकलजुरतैं पुहरै॥सूषते
।तिहरिजाकैंसंगा॥सदासौं
पींआश्रयसंगा॥४६॥कहांआर
रनरप्रिधकरिहै जेवापरआ
तालरिहैं॥सूरजैसुषकौ॥
सकौंचिरनों

अतारा॥ जैसें प्रमानपेकल औ
रा॥ १४ ह्रदैमें कछु संचय नाय
रै॥ निरमै हूजो बिचारलीकरै॥ संगसन्नालिकेरडाकबल
मध्माधीजो॥ बनलैतब॥
१५ फूललीकाठकाजोलेई॥
पगाहबुधिपरसे मतिकोई॥
प्रसकरतहोंवैदिरबच्या॥ जो
करिकरनीसबच्या॥ १६ ॥ मतिजो
निबलता॥ तजे॥ पंडितकेब
सनलिन तजे॥ नजतेहोवैक
रिसंमानो॥ पेकलामिलिमार
होगजनाना॥ १७ जोकोईमन
लग्न रहै॥ सोकोई औरै पदरे॥
जोमैंमध्मामीमध्सयहै॥
मधुहासोकेहिमबिनुलहे॥
१८॥ हरिनिगात॥ नैनहीऔरा

जैसेंप्रेसोधनीःअप्र॰ सो
प्रसादसासीलानिलहि
नजौचरणारुमादासा ५२
जितनैयादेहलानिःलोगौ न
सोजैनलाअपरन सभार्जै
सतजिमालिजौ हिजालेया
वैःताकिरियादेताक्ररतावैः
५३॥यानवकूपपच्योजिति
प्रांनीःबिन्दुसमादुरायहिलि
छिपानीलेत्रादिरिअपजगदस्को
लगपरायौःदौनरवलिलघा
सिसौपासे ५४ तालौरि
बिनकौनछुटतावैःआपूसाकौ
नलाछूटनपावै अप्रसूआपनी
आपकौराखैःजवसवक्रसतो
तेरहेसौंनांहैःपपुरुषसात
रेकीसरणिाहिप्रवै

पसबघानो॥परिरसनोनहो
पञ्चधानो॥२२रसनासबकौ
रिजावावै॥तबहीरससंजोग
पावै॥जोसबइंद्रीयजीतिकोई॥
पैरसनां॥ रमैनहोई॥२३॥
॥लगसकलवृथाकरिजाने
रसनाजीतिजीतिकरिमाने॥
तातेमु॥ि॥रसनाहासिकरे॥ग्रे
रसकल॥साधनपैहरे॥२४॥
वै॥नैयैकयेकवसिनयेतेस
॥॥॥॥॥॥॥परिजायेव
पंचवसिहोई॥ताकेदुखजानै

सकलनस्रासछि॰ कावै
परमपदपावै॥
नहकीकही॥
रनकीकहतहै
॥६१॥
पुराणरेकादश
बोटस्रवक्षते
गीतानामस्कं
चो॥ चोपई॥
रे सोईसोस्रुति
ग्रहछिदकावे
वे १ कुररपखि॰
ऊंडनावकुतहि
स्तनिडषदद्यो
था २ यहमेसी
करौनकाई
सेरेकरजानेम तेग्रा
बनदिजाने

वै॥ अरधरातिऐसीविधिन
यो॥ लोगबंजारचले॥ कि
गयो॥३०॥ तबवैतगनमनोर
थनई॥ चिंतादुषअनलमें तु
नई॥ अपनोविसवासहरि
मान्यो॥ सबतेहीनआपुहि
जान्यो॥३१॥ तबताकोकोइबिड
नागा॥ जातैउपज्योदृढबैरा
गा॥ जौलगत्यागउपजैनिर
बेदा॥ तौलगनहानमिटैन
वषेदा॥३२॥ धामवैसुषदुष
अनेका॥ तामैभ्रमतनरष
येका॥ बंधनबध्योजालाजी
वअपारा॥ बिषैबासनाज
गोबंधन॥ तिनकोतिरछी
रच्योकुठारा॥३३॥ ताकोमहि
माकहानवषानू॥ जाकेभाग॥

ची डैदैतैत्ताष
त्सगातकच्चा
त्तोसवत्सै
नधेक धेवार
रेलबलोरिन
रतहुखछा
रेदमैभारा
ढैबकवाद्दा
बादा तातै
सदाविचा
ग्रासा प्राा
दिहबैराग
चलरोवा
शेकरमव
१२ त्यौत्तैो
तजतेजा

पदारथदायकदेवा ॥ सदा निक
(?) कोललो न सेवा ॥ २ ॥ सतिस
लसुषदायक स्वामी ॥ सोछोडौ
निजपतिछिनतामी ॥ सुठीसह
कालमूषमांही ॥ जाते दुषसो
कषु छिकाई ॥ ३ ॥ औसोपुरष
ताहिमैं तजौ ॥ आपसा दुषस
मूलाकों सजो ॥ देलबुधिमैं देल
लापोयो ॥ सालीनातिमनली
सतोयो ॥ ४ ॥ अपस्वारथपटवहमा
दही ॥ दुषितनरसौंमैंसषच
ली ॥ लाडुमैदमं जापुरुषम
त ॥ मास ह्यारत चारू मअ
नत ॥ ५ ॥ विषामंतस्वहेम
गेला ॥ फेरेहारनवजेसादेला
तामैरंमयतकोलोई ॥ मोसोमु
ढण्योरकोई ॥ ६ ॥ ४२ ॥ पापुरमाहि
जुनकनरपजेसे ॥ सुषअछिका

निग्रहिनि द्व
निरंकुनंदेवा।
ली चेवा। ज्ञाह
है। सतरजंतह
।ि देखलहिजा
निजानंदेम
वमिथ्याड
सतिकानी।
तैलेवे। सब
वे। जसंतल
सबासुरिक
दोषजेवथो
सोकोसोली।
नौ। तौमिन
नौ २१। येचे
रूपा। तोसे

कलपं ॥ मैं जाइ ॥ ४७ ॥ मेरी द्रष्टि
दूषीसब आवै काल अधीन
कहां सुष पावै ॥ तातें में सबन
सचल ॥ जो ॥ कर्पोरहिसार
गषांनी ॥ ४८ ॥ छंद ॥ जै बैराग
उपायौ ॥ पनचरनकमल
चितलाई ॥ येहरि कृपा बिनां
नहोइ ॥ जो बैराग लेहनर कोई ॥ ४९ ॥ जातें सब नवबचननि
सें ॥ हिरदै आपति आप प्रका
से ॥ तौ मंद भाग नीं अैसी ॥
नवन माहिं न होइ जैसी ॥
५० ॥ ता ॥ नवे साषी ॥ १८ ॥ जिननें
कैसो काल जालको तजन ॥ प
रिते दीन बंधु गोपाल ॥ पतित
उधारन दीनदयाल ॥ ५१ ॥ तिन
हों आप ॥ पायेकरा ॥ नमर

निम्नुलिसि [illegible]
निरंतुनरेखा [illegible]
ती रेखा [illegible]
[illegible]

आपलौंआप गुड़ावै वै ब्रह्म
निजानंद ए ल्है। केतक
रै कौ तिनका सेवा ॥ ५६॥ परि
सब जग ई ॥ ल्यो छिटकावै
हरि कौ सरणि आप सुख पा
वै ॥ तातै औरस कल कौन ॥
प्रेम नावू हरि चरणन नजो
॥५७॥ या बिधि आपल आपत
ब्यास ॥ भुवन वै नव सागमे
डारौं ॥ यो पिंगलापरमगति
पाई ॥ दुह लोक का आस मिटा
ई ॥५८॥ सीतल ॥ लज्यामे गा
ई ॥ अक आनंदत आप तिनई ॥
पूत सिख्या मेंतातैं जानौ ॥ नली
जो निज रअंतर का नौं ॥५९॥ जो
लग आसक नर कोई तौल
ग सुष कदे न ताहो ई ॥ जबलौं

श्रवनं
द्वायच सैनारिकौरवनो
ध्याः
ध्याः
२७ या विधि सब विधि मिलि
लूटे ताको ॥ बध्यो रे लसो देषे
ताको ॥ तातैं नलदे तकौ तजी पै
निरतकौ न तजी पारन हरि
बिस्तारे तबन
बिधि रे हूसवारे ॥ तिन तिन
नयो ॥ बसोरूम
निरमयो ॥ रह्यो ताकौं दे
बिबै सूषपायो ॥ तामैं प्रपनौं
सबनायो ॥
नी ॥ जो प्रगटसु है बषानी ॥ ३०
१ सो हित है सो याकरि लहै ॥ या
करि सब रूवलेष नर है

नसानुपजैकोमो॥४॥ याजवमै
होनैकौंसुषहै॥ औरसकल
वृनकौंदुषहै॥ कैदिमरहै त
बालम तिहानो॥ सुस्सजोसुना
तातपदलीना॥५॥ येकबिप्रके
हुतीकुमारी॥ ताबिवाहकीबि
प्रबिचारी॥ ताकेमा॰ पितायें
कबारा॥ औरगांवकहकाम
सिधारा॥ हीसमा॰ चारयेक
बिप्रनिपाये॥ ब्याहकाजहूजके
गृहेंआये॥ कन्याबचनकिसी
सौंनाषे॥ तिनतें द्विजआइक
रिराषे॥ ७॥ तबातेनकेमो॰ न
कोध्यारी॥ चांवरपो॰ ८॥ (लो)
कुमारी॥ ... रहमोंज्यौं
होलै॥ तौमहि ... कनबो
लै॥ तिनलजित ... सकलजुत

गसकलकोकोडिहरिकेचरन
कवलचितदीजे॥यांबिधितन
तैंसि ह्यापाई॥लखमैंओरसक
लछिटकाई॥२६॥मैंबिचरोहुं
नहैसंगा॥ग्यानलहकोछोडोसं
गा॥सदाहरिचरननिवास
बहुबिधिहैसोसकललमांसा
२७बहुतगुरनतैंपूरनग्यानो॥
जांहोतहोंवेसाधुसुजानो॥
छूटैभ्रमकारमनसंसाहि॥हिर
देग्रोनिछिराजैसमता॥२८॥
निरगुनसरगुनभेदपछेचानै॥
सारअसारप्रसथिरअथिरजानै॥
जांहोतांहोंहैरैद्रष्टतासंग
पहैतमिटावैसता॥ [illegible] पू
मारथगुरनासी॥वैसबगुरहैं

ज्यौंपावक ईंधन हीन ॥ त्यौं हो
वै निजपद में लीन ॥१३॥ तब कछ
कबहुक चेतन आन ॥ हिं सिलास
मों निजगुन जांनें ॥ ज्यौं आगे
तोय नीरपति गयो ॥ सेनास
बहु बिधि नयो ॥१४॥ परि
सरकार ॥ पायो ॥ था बि
धि सरमैं चितलगायो ॥ ऐसासी
बल ॥ न तहचर खिन
ईमिमजाते ॥१५॥ जो लोग निते
डेरे गा ॥ बसे मेर
 ॥ सा बख्यान श्रुति धारि
बोलैं ॥ गत्यादिक अंतरन
लैं ॥१६॥ पुद्गल आदिक ॥
जे सारमें लेन ॥
रायै मेर या हि बिधि मु

ऐमतातेंजुचखुऔरनकोईगुरु
आपनौंपसोसोइकिआपसोबूडेआ
पसोतिरे॥आपसोजीवेआपसो
मरे॥१५॥दोहा॥ऐसोजोबिरपा
नमेंसबग्रहैलहुपाय॥श्रवता
कोसाधनकह्योहहैजोतिसमु
झाये॥१६॥१२॥७-५॥ इति श्री
नेंगवतेमहापुराणे एकाद
सके॥श्रीगवंतउद्धवसंवादे॥
चतुर्विंशतिगुरुआख्यान
नामनोऽध्यायः॥९॥श्रव
नुतेअनिहासपाख्यानसंपु
रण॥श्रीभगवानउवाचे॥
चौपई॥सुनिउद्धवश्रवसाध
नकह्योतेरेसबसंदेहलोहहे॥
जातेंउपजेहंसगायत्रानाग्रहैं
११

बुझ्योपावक ईंधनहीन॥ त्यौं
वेनीजपद्मैंलीन॥१३॥तबक
बहुकष्टैदुतनग्रांनै॥सिलास
मोनिदहेगुनमांनै॥ज्योंग्रागै
तोय निरपतिगयो॥सेनास
बदबहुबिधिनयो॥१४॥परी
सरकारनैदूनलायायो॥याबि
थिसरमैचितरायो॥ऐसाली
चल [illegible]नहचलबुधिन
हीमभजातै॥१५॥योलोगनितै
डरेहू[illegible]बसगुलाम
ग्रसंगा॥साबध्यानप्रतिपारे
बोलै॥गत्यादिकग्रंतरनरोलै
है॥१६॥यूंतग्रारैनदुजकाम्मूला॥
जग्रारमैलीनरतलाहुस बज
रायगुलमर यहीविधिमु

जौ।तेजकछुसत्यनसौंजांनें।कौरे
तोकरैनसातौ।जांनें॥६॥जगतिम
सिजेप्रेत्रपरै।तातैंजुदिनक
बहुकैरे।जौजासैंमैनक्षूतेंजांनें
तौतासैमेसनअजेदांनैं।अजम
नमोहिनेंचलछिलधरे॥नि
पननिकौंनावेलौंखिरे॥छिल
बिगपगुरसरनसौजावै।जातें
दसौंपावै॥जजंनछूंस्वैबै
धूनतासेवै॥सतगुर कहेसौच
सोलेवै॥मानरहतकछुरनहि
जांनें॥तनमनसूरपिप्रीतिकै
दांनें॥७॥जहालहां[illegible]लाप्रहरै॥
साबधानभ्रालसतसौं॥नहेंभ्र
सुयाहुपानतोबोलै॥तनमन
नैचलकदेनडोलै॥९॥सरहा
सहनिस्पारनो

अबतनतैसोध्योसोकैतैलैरौस
बुधृग्यानसीदहु॥२२॥मेरादेह
मोहिसमुझावै॥हिरदैग्यानबै
रागउपावै॥ज्यौंबालापनगये
बिलाई॥त्योंहीअबयेजोबनजा
ई॥२३॥अरुआवै॥दोहा॥आगै
बहुबिधिदुख॥५सोंलागे॥ख
नभृगालनकोयेन्नचिंता॥तासौं
प्रीतिनजोरैदृषि॥पुत्रकलित्र
॥२४॥चौपाई॥कुलकेहूंसब
तिसबधकजल॥तिनसौंमिलि
जादेहतासेवै॥सोताअंतमाहु
खदेवै॥२५॥आगेकोबालहरसज
पावे॥अबजो॥रबारपदवावै॥
रसनिमतिषेचेनितिरसनां॥
प्राणसदाचा॥जलअसनां॥२६॥

१५ प्रसेग्रनलदोहतैंजारा॥
स्वंय प्रकास प्रातम ... जारा॥
बहुठौर ... निस ... पो
वैनतपति ...
तोहितनयेमायाकाये ... प्रात
मोग्रापकरिलीया॥तिनसे
जनममरणदुखपावै॥ ...
नरजबसीखिरकावे॥१७॥
वैहोबिधिकेबिचारा॥ग्रा
मनुजनेसत्तैन्यारा॥येत
तेमा ... प्रकासी॥चेतन
वनपुराणसुधरासी॥ ...
उपजेबिनसेसलाई॥ प्रक
सदसदनालाकाई॥सक
बिकारनकोसंघाता॥प्र
दीसैग्रावलजाता॥ ... प्रातम
... कैसन ... ता॥

मेरे हितकै उपायो। तब मैंया
कौ कससताया।४१। तातें श्रुति
ये कूलनदेत।४४। भगवानरवौ
ये गेसा। श्रुति दुरलन केहेज
ततनपावे। जोपायेतौ थिरन
रहावे। ।४२। श्रुति दिनभर तिनी
रतरयासै। येक दिना तनका
लखीनांसै। जुरारोगनयेसोक
निव्यानो।४३। मिपलक छोड
ला भ्रानां।४४। तातें तालिपा [illegible]
रिराजा। करि लीजीये आपनौ
काजा। जातें ये हछूटै संसारा। जा
कौ दुषकौ वारनपारा।४५। नि
सदिन हवानिरंजन भजौ। ।४६। बै
नीतविषे सबतजौ। ।। बि
मीयाबानपानलतहारा। येस
बंहनिवासंबारा।४८। तातें मा

॥तिसदिनसदौते
॥येजगदीसजैकोतै
रपऊौरेऔरलोयेआकार
तिनसेगतिमनबहुप्रकार॥
तेऔवेज
मदिरदिदखपावे
रीकरमसजोकरकोनिश्च
।सुखस्वजोसुख
लोगनकेरे।येव्यासदासे
।तातेसबलजीवधम
२७जेपडतिश्रुतिसरल॥
॥तबलगेंजिनकरमनि
॥तेकुदिखदेहाभ्रम
पापलाञापकहावेग्यां
।२बहुरिजनसंगनक
।तत्वनसनेकरमनि

जबग्यानहीपावै॥ तबसारोज
गग्यानसिखावै॥ तातैमेरेस
हायनंदा॥ मिरहैबिराजेअभ
नंदा॥ याबिधिजैंनरिकोसेवै॥
जिनकोतारिनिजरंननदेवै॥
॥ ऐसे [illegible] कोबचनसुनाय
म नकेभरमसंदेहमिटाय॥
राजा [illegible] बिधिपूजाकीनी॥
करिपरनपतिअदृष्टनादानी॥
॥ तबराजाकोकारसन [illegible]नी॥
दतावैम निकोयोग्यानी॥
राजाबचनधारिउरमांही॥
सबकोसंगतज्योबिनमांही॥
॥ ३१ तनिद्वारिसबलीमैंभानी॥
ऐसोनयोप्रमआबि [illegible]ानी॥
सोराजाजईबडाभमा॥ जिन
पू [illegible] पनीनवसंकटटास्यो॥

॥निसदिनसदै
॥येजगदीसैज्योकेतै
॥रपञ्चौरेञ्चौरलीयेंञ्चाकार
तिनसेंगति मनबहुप्रकारा
लेंञ्चावैजि
मरिकरिद्रपावै
ीकरमरुजोकरमनिश्च
।सुषञ्चरु जोसुष
भोगनकरे॥येञ्चारुदासैप्र
॥तातैसवतजीयेयेंमत्र
रंजेपडतिश्रुतिसुमृति॥
॥तबलहैंवनकरमनि
॥तेकुरिषदेहाञ्जनमो
॥पापहीञ्चापकहावेंग्यो

नगतनजेमारगनाषे तेसब
हिरदैवैठिमैंग्राषे तेकहाए
आतमकेधरम औरसबैब
धनकेकरम २ तिनकोंसाव
धांनलोयजांतै बरणाश्रम
कुलमिथ्यामांनै जेजेबहुप्र
रजनकरैं सुपचाहिनिसदि
नहुपजरै ३ आगेकौबंधन
उपजावै जिनकेलगजम ।
रैजावै येबिचारिआरतन
तजै कैनहेकामधरनमै ।म
नजै ४ जाळांलग नानाबु
धीसोसबनबजानिकुब
धी द्वैतभावसोनरमकरि
जांनै सुपनमनोरथसमकं
सां ५ तातैकरमओरस
बतजे नितिनेमेंकछुफेकन
हि

जैपांषेताकेंतिघनऽऽनेका॥
षौंसुरगा।दिस्सैकेइकेका॥ऽऽ
घिरनाही॥देष
सिडायेषण्यनमाली॥प
ऽऽकेइमिपू स्जोर
इऽऽयस्पोस
।ह कैकरि
।ऽऽपनेपुं नि
।छलेंजाये बिनः
ऽऽगरुलगानेः
बहुसुदरानादिस्तहरे॥
पूषाहोयेऽऽ बनिजावे।स्स
तिबिमानबिल्लनस्पावे॥रि
बितिकरै॥ब
रणादेबहुवेरे॥पे
तिमगनबहेलनु षसाके

नत सैवै सिधसोतो॥ हमास्य
वितग्रेतकुटवा॥ सकालनूत
आतमेचितुग्रेवा॥११॥ तिनस
तोचोसमिकारिंदेथे॥ मैमेरो
कोरिकोहेनलेथे॥ रोतेउद्दासश्र
सभ्रतेरे॥ तिनसोहिलधूलमोहि
छितचेरै॥१२॥ दुषिमथूलदेत
है जैसे॥ सरूपमायाकेते
तै॥ धूनहोनोतै आतमहु रि॥
षियप्रकासचेतन सरूप है॥
१३॥ थूलसरीरप्रगटजड चेत॥
चेतनकेसैतो लिखदेतो॥ सोको
तेतनजडतै अंगा॥ चेतनतेय
आतमासरूप॥१४॥ सोआतमो
दुरन्यारो॥ चेत प्रकासहुतो
अधारा॥ जैसे एककाठ अगनसे
परजरे॥ सो दुजे प्रकासनतकरे॥

श्रीधान अप्रश्रीलंपटसो जाये
बहुजीवनको हैस्याल है॥ ४॥ इत
नगणको अनुसरै ॥४ २॥ सैंदोयेव
बसैसिव मोल॥ तिनके होलन
कमैजाई है बहु विज्ञापन आपरत
नसे है॥ ३ जनम जनम बहु संकट
टसै॥४॥ तातै बिबिध भेद डेके
जसबजन कुसुरन मैंधरे तुकर
मकरै तिनतेलक्ष्यौ॥ नलघरे
धरिबसो हुलसैंमरै ॥४॥ तातै प
भूतिमै सूक्ष्मजाली॥ नचै सूनल
कविनजाई है लोकपालसवलो
कसमेता॥ षेतेर है सूल्त है नतेल
४ अस्पोसूलको अनुतलरहोलीन
बजकारतैंगहो॥ सुगनिरह मं
रै तेकोहो॥ सबलव हैनसन्याव
कबनासो॥ ४६ सुरनिचरवेकर

बिधिसिरहै तोहिविरगपोनो
मिलैमूलछुटैजुमनानो २
भूपकअरीतिअसधिरस २६
वा दुजासिवकैं नित्यसेवा
२१ गुरुकेबचनश्रुव [illegible]
नो या बिधिजु [illegible]
नो र्वप जितनके [illegible] गुनहै
सोकरम बी [illegible] रैनतारहै
२२ तबजैपावै [illegible] समावै
ईश्वरबिना [illegible] नकेसावै र
तौ आतकाभूलमयहो ई
ध [illegible] रिसोई
२३ अहजोकुटनयह बिधिज
नै तबसोबिधिकरमनको
ठानै तेकरमनकेफलको
गावै जनममरनकोअंत
नपावै २४ जलजलोजायेतै

प्राचीनतबलगयेरैसोनौलग
कालनिरंतरगेहैं॥तातैंडप
बुतिरतसोवै॥जुगजुगजनमे
जनमतेरोवै॥पर॥प्रथमहीतैं
मैंयेकनिरंजन॥तासोंतैंउप
ज्योयेअंजन॥कालग्रासतातो
करूवेद॥चारमास्जावेदहि
तबिध्धिनेद॥५२॥मैंसबमाय
सतिनकोंई॥तातैंबुध्धिमनूर
छिनहोई॥येकनिरंजनमान
मजानो॥तबसबसंकटनयवे
नानैं॥५४॥लोकरूवेदनासन
तजो॥ईप्रथपदेहबिवेनहीभडे
मनपैंहीचेसोक्षिय्यालेसो॥
मनअप्रतीतसोजहांतहांद्वेपै॥
५५॥
रैया

बिधि लिरहै होय थिर गंभीनो
मिलै मूल लघु रैचू मनानो ॥ ६ ॥
थूपक अरीण अस थिर गुरहै
वा ॥ दुजा सिषकै नित सेवा
र ॥ गुरके बचन श्रव [illegible]
नो ॥ या बिधि तु [illegible]
ना निर्मल जितनके [illegible] गुन है
तै करम बीज कोई न तारहै
र ॥ तब ज्यौं पावक तेज समावै
ई चिन बिन [illegible] होवै ॥
तौ आतमा शु [illegible] ई
[illegible] रिसाई ॥
र ३ ॥ अब जे मुढ़न यह बिधि ज
नै ॥ ते बहो बिधि करमन को
ठानै ॥ ते करमन के फल लै
गावै ॥ जनम मरन [illegible] अंत
न पावै ॥ ८ ॥ [illegible] जल तो जाय तै है

वै॥ ६॥ अरु आत्मा सों ऐक है नांही
ऐक मुक्ति कों ऐक बंध्या है॥ ऐक
बंध कों ऐक मुक्त॥ ऐतो बलोत
ऐक कों जो कर्ता॥ गुन भुगादि
आत्मा अमनाही॥ त्यातें ऐतो बंध
न आदी॥ नि तिकुकलिं कोहोय
रेवा॥ याको मोहि बलाधो ज्वेवा॥
रोता॥ ऐतु थर्बनि [illegible] ज न सकें
सु नि करि निरञ्जन बैन॥ [illegible] ता
कौं प्रत्युत्तर कहैगौ [illegible] जिन करून
ऐन [illegible] ॥ १६॥ [illegible] ऐतौ श्री भ

[illegible] षा
[illegible] अध्याय १० श्री
भगवानुवाच।

सतातैहै॥तिनतेमसेजेहैघ्रु
नलाजांनै॥तत्वबचन॥ निस
रिहिरदैध्यांनै॥र्सजहिपरत
सुषनिकोजा॥ जुरुषिन
नेगुरहैसनिमांनै॥परिसोत
त्वनस मैतो जातैलहैन
निजोनिहै॥३०कालमित्यत
कौनितिसै॥ताकौकलोक
लासुष॥ सैज्योंकोईमारनकौ
लीजा सूलीनिकटि परालै॥
जै॥३१॥ जुरुतांकौलेतोगन्द्र
गावै॥सोध्यंकहोकलासुष
पावै॥ जुरुत्मोलान॥ २५२ल
का॥मदमछरनिहान ॥ सो
कारइतिनकेहीतजतन॥ ॥
करै॥सिंधिनतायबिघन॥ ति

परितोकोकोईनहीबिकारा।ये
सबमायाकेबिकारा।ईश्वर
तमाञापमेंमाहे।तातेंसुषदुष
बहुबिधिजाने।परिआतमो
एकरसनित्य।बचनोषिएस
करैअनित्य।७बहुवजानौंये
कअबिद्या।अरद्वीजो।होये
बिद्या।येदोउस्मेंनासकतीम।
घनमेंसबनकीआलसी।वा
बचनकरकेचाहमेजाकों।पुरु
षअबिद्यापढउंताको।अरद्व
केबचनिनमिटाउं।ताकोंबि
द्यासक्यपढाउं।४ऐसेदोउ
कत्रिप्ररब।तेममसकौ
नकेसंबध्या।ताहेसा
रोरूप

परिह्रैको कछु चिंतन आवै ॥१७॥
जैसो पुनि याको होइ ॥ तैसो र
है सु रंगमें सोतौ ॥ पुनि योनोते
वे पुनि निजखसौ ॥ कानन तें टौ
रै तबलौं ॥ इ चसोसुखके हेत ज्यौं
कयेजावै ॥ तासुखको कछु कहे
नन आवै ॥ रह्यौ चहै परिव्यौं
करि रहै ॥ कालस्याघानमलाडु
धरहै ॥ इस कोइ सुध पावै कहं
कैतो ॥ आनिलयेहोवे हुधतैतो ॥
सोत जिस्सुरगन्तु किसे आवै ॥ पा
छेजो निस्तुननयावै ॥४॥ येना
वीहिलिक्लागतितासो ॥ सुख
है निधि दशासुतीयांको लै ॥ जोकु
रम संगको भ्रालोयरै ॥ नोउकनोहि
ञ्नखसे लिखसे ॥४॥ लिखेखनसेरईपिय

चमनीकाकहौ॥तेरौसहस
तसिदहो॥पायेकहैसमैहेवे
बासा॥प्रमातमग्रातमवे॥पाव
देहौदेपबीरहै रहंनाती॥सरतें
निपतिकहैनाती॥दोउचेतवि
येकसमाना॥स रतासपयेक
तासपाना॥ग्राप कुतेतिनबा
साकायो॥त्यनमैयेकतरहतीचि
तदीयो॥१० सहेत हेबिकेसबप
लपावे॥तातेंदुषग्रापलग्रावे॥
तबताकाजकरमबहुकरै॥
मेंजुगजुगजनमैरुमरै॥ च
रुमरैमरनौंकरिजानौ॥देहज
नमतेजनमरूमानौ॥ग्रैसेह
बहुतदुषपावै
कहवे॥१
माती

सचलै॥मरजादातैंसिंघूटलै
मृत्युनिरंतरसबकौं॥१॥सें मेरुका
लरूपतैंत्रासै॥३७तातैंकेहूंन
॥ पंचवती॥स्वपचादिसैंगतैनि
रबरती॥प्रसपैई॥ ... पा
वै तिनकौंलतरज्ञ तमबरता
वै॥सोप्रातमईद्राबसिलेई॥ता
तैं ॥३८ बपावैसोई॥परिग्रात
माश्रुकरताजानो॥नोगरतला
तीतैंजानो॥४१॥करमरूनोगा
दिकलैजेते॥ ईद्रीयप्रसगुन
क्रीडसलहलहै॥ जोलगपूईद्रीय
गुनबंधा॥तोलगमिटैनततस
व बंधा॥५०॥तनसंबंधमिटैनतो
तोलौनानानावबहुतबिधि
तोलौंनानानावरसैनबलग
पराधीनग्रात॥मातबलगाप्री

नमैंबंधमुक्तिजेजीवात्मबंधजी
वमुक्तांसोसीखाबतौस्योंकहत
मुक्तिकेलछिणा।जिनकुजाणि
सोयेबिच हणा॥२५॥यद्देहै सौंक
लेकथुकैरसोकथुकदेनौंलिर
दैथैरै॥सकलथुरथईड्डीथेंक्ल
जानैं॥आयलोयेकुथुकरतानो
नौं॥२६॥पूरबकरमथूथानसरी
रा॥करमकारैईड्डायेंक्लनसीरा
तिनमैंबासकांयेजतजोनौंमू
रब [illegible] आयलोकरत [illegible] नो
नौं॥२७॥अबलोरिमुक्तिजेसीबि
धिरसौं॥ग्रसकारयातनकोंहैं
ग्रासनग्रसनग्रटनग्रससैंनो
ड्रसग्रसग्रथ्रोनसबैंनौं॥२८॥धा
येनमैंईड्डायेनकोंबरलावैं॥पू
पनकबहतभीतिलगावैं॥रहे
मोंहिप[illegible]तिनकोरीं।सोप

जोरै॥ ब्रतोयिकपूतनकौपाव
छूटैहै तबलौरिनतोआवै॥५६॥
येसूतकसूरुहैतबबेको॥पा
कौजानियेकेकौयेको॥ ऐसे
॥ चनाकेलेउाबका हमा॥ उद्धव
॥ सकाकोउाब प्रश्न॥५७॥ उधो
उधोवै॥ हे प्रभूलोयेसारोन
मांईद्वाय॥ देह बिषैगुन कर
मां॥ अनुरस्त्रीमांगनीलगूबथा॥
ताकोनयेकोनबिधिबधा॥
५८॥ उजाबहलीगयानको
लहै॥ छोडिनुपाधि॥ हमरहि॥
बसोबहस्योकयोंविपतिनहि॥
ई॥ अरुकैयोकरिजानीयेसाई॥
५९ कैसे बिचरै कैसे रहे॥ कैसे
डिवकैसेकहे॥ कैसे पहरै कैसे
सोवै॥ कैसेरुनकोनबिधिजा

रहै वृत्तिरस मैं तत॥२॥ इछामैं ज्यौ
जड़हू नमैं तत॥३॥ ऐसै चाहत मु
क्तिके मांनैं॥ पुरुष मुमुक्षुकौ
साधन जांनौं॥ मुक्ति न ये जे
चाहै कोई॥ ये सब साधन सा
धै सोई॥४॥ पांडित सब सबद
वृत्ति सै जान्यौ॥ फिरि निजतनु
नहीं पैहचान्यौं॥ बिन साधन
निमोहितलोही॥ जाकै भ्रम
सब मिथ्या जोई॥५॥ ही सब दृ
ष्टिनके जोलौं॥ रिझी प्रक
तरिन्ह तिन सो जानैं तातैं वृत्त
बिना भ्रम हू सो बड़ा गाय से
ये जैसै॥६॥ बड़ा गायहू थबि
नहोई॥ परा थीनतनू राये कोई॥

बिहन्नो धन्नप्रछिलाई॥

लिसमजोड तैसे सबरूपनमैं
टाकु १ बिचरु मुकतिजेक
लायेकोई सीतोसकलगुननतैं
ततो ७ नमायाकेजानै येनके
परे आतमोकान् २ सोकसमै
एजनमेरू ४ जैसेसुरमरनो
दिकबाहुदुब पल टर्नाय क्षपे
वर्त स एक आतमान्हेकेवल
३ जोसुरूपनेहूबसबञनेको ति
नमें आतमकोनलायेको तेस
बबुधिरूप नकोहोवे ईड्राय
६९ बगरटते ७ मे मनबु
ध्यादिकपैनलोरहे जाकोप्र
गटसुखैपतिकहे तबआत
मां निरंवलोई प्रताको पडु
घनकोई ८ जैसुरूपतिमैआत
मरहे तौ बिवहारपीछलगा

प्राणकोनहीसमंधीलोम
नहेतिकरमसबकेरोप्रेमम
नफलजस घेरेगे ३
किरमप्रक्रमबिकरमा
अधनजानपतजैसकरमा
तातिनुपजैमनकी तार्ह
मैरायेप्रनूरतिभसरधास
तिसनेगुममैराजिन ते
करमनप्रावैरोगावसमैरप्र
सतुतिकरेप्रेमसलतिनि
सदिनबिसतरेनपनेकहू
धरमकामप्रसप्रथीकेरस
कलसोमैरप्ररथामनप्रा
निरंतररसेमनप्रबचन

नेका॥ परितेबहुतनतीसबये
का॥ १० ॥ रजाडाकेछुटखितसा
ईसोतीसोससिमाहिसमाई
११ गैसबग्रातममेरैग्रैसा
पां हिरदैपरी॥ बससाबि
घासकिजाहिदोजबती॥ घट
ठैजासकरै सोतबती॥१२सो
ई दातबमोकौलहै॥ ग्रोरसक
लजौतीमैर॥ १३ ॥ रप्रातेबि
॥ घटनहमोहो॥ सदछलिप
लिपतिक जनाता॥१४परिछुट
सेगलिपतिसोहावै॥ ग्रस्तो
लिपतिग्रोरहजावै॥ तोग्रात
मासकलतेन्यारा॥ सदाग्रलि
पतिनलिपैबिकारा॥१५परि
ग्रातमहेष॥ पिबद्योना॥ ताके
सैगलहैदुखनाना॥ ग्रबमैब

हिबतावोन्नेवा।।प्रस्सोन्न
तालेतुवेस
तब्जुबलकोईब
ऋपासिधुबोलेम्गा
श्रीत्तगवानझाचे॥
॥
बिम्मावतभूस्स्सतिबयाने
१८निसारसतिदुस्सबसंमता
निरईनसम्मता
३प्रायेकोम्बुधिपिरसे॥
जितईद्रायेकोमसताग्रे
२
१ मुसी
१ निरदेबिचारसाकरे॥
मलोदिटताकरे॥
सावधानअरसतिबि
धीरज

तातैंकछूकरमनलीगसैनि
जानैंहमैंयूनलचलरहै २०मैं
प्रमातमअतमजानै है ल्य
तिीतद् ...ं ...... धफलअ
सअरन्नैनितजैं मुक्तिलोयप्र
.... रीज्यौत मोहि
मुक्ति ....नम बिद्यापायेब
सै त्यौंआतम... तनमैं ... प्रतन
मैंनोहीआपलाजानिनयोषि
रमोसी ...पन्र बिजयोज्ञा
गैकोइसोसोस्पन बिचारैसी
ली ... परिसोसपनहैलप्रस्त
पनो मिथ्याजानै ... तैंउप
नो ... ३अत्सजोसलतिअबिद्य
होईसोतनमैनहीपरिहै ...
ज्यौंसोवतसुपनातनपावैता
कौंआपजानिमनलवैरवंत

कासपवनरबितोलौ॥२७॥वि
द्यानामेस्त... सयीपाई॥दिढ
वैराग्यसोनष्वरवाई॥तासोंका
टेसंसयेन्या... ॥जोगयसकल
रमन्नेरहनिवारे॥३०॥ईद्रीयप्रान
बुधिमनमा... ॥कबहूंकद बा
सनोनोली॥सोजादृपतनहे
मेदृसे॥प्रिसोक्युकोहि...
प्रसै॥३१॥येकद्रष्टतनपाइकोवे
पकेर... बिसतरे॥प्र
बुधिरोषितोष्तनजोष्टांनेसक
लहेलन्को मिथ्याजाने॥३२॥बि
खिनपेष्च... ...रे॥किंबा
केकेगूपबिस्तरे॥कुनाकछु
नलो... ...गुनप्रस्तरे
परतिसमिलेवे॥३३॥बिचि
नषे ... नालाकछुकरे॥नाकछु
कहेनी...हे...रे॥निसदिन

तनिखिम्पूरचाल कछुयेसे वौतेल
नोतिन छाल सवासखी
सबखिचि निरखाल पूरा
दिकरिष्यांमु [illegible] बोतेलती
तिकरिप्रेमबढ [illegible] पिसी और
नकीअ चा [illegible] और
ठौरपूतिमाप [illegible] वहे
खिकरैबाग [illegible] या [illegible] झीड़ा
धांनसह तिउ तसहै । रापुर
मङ्खहलो लिकरावै डौ रहि
गहतरिन [illegible] आपल
हिडौसकलिलहै [illegible]
मठौनेसोसो । राकछौ विखि
लमांकसेकरावै डौ रलसो
लिकरिकरावै दिस [illegible]
[illegible] बहै

जौंयनमें द्विन द्वि... री
कबहूंपैवैनसौर्क
हिबैन तौलौंबविधिबानी
केवलबुं० नलकौंजानीं३९
मौतेंजगत्रतपतिसंहारा॥
सबप्रतिपालनबिबधिपुकु
रा॥ राजनमकरमबहुत
रे॥ जोबानामैनांलामेंर४०॥
मैरनानांबिधिसबधा॥ जो
बांनांमैंनांलोविधा॥ बधांबा
नातांहिविचारे॥ नेंफलजा
निनपंडितधारै॥४१॥ याबिधि
जोनिबहोत प्रकारा॥ बहुत
नोतिकरिबहोतबिचारा॥
जाहातहातैंमनलोनिबारै॥
पूरहायेकहूलमैंधारैं॥४२॥
जोतजिहूजेनानाभ्रस्य॥ मन

नुजआयुधचारी॥स्योंजसरो
रपीतंवृचारी॥२५॥सीसमुकर
सूनकुंडल [illegible] करणं॥कौस्त
भरिबहुबिधिआभरणं॥ग्रे
सोरूपसत्तनिमें आवे॥सोब
भान कृपातिलदावे॥२६॥बि
धिबापकूपसरबाग॥जपतप
दानदयाबृतयाग॥मेरेहेतिल
ऐसोकरै॥मोछिनओरहिरदै
नलोधरै॥२७॥ [illegible]साभानिनि
करैनर [illegible]जोई॥प्रेमलगतिभ
मपावेसोई॥ऐसाधन [illegible]
रतेबहुजाती॥साधुमिलापक
रोदिनराती॥जिनतेंऐसी
जगतिहापावे॥जातेंग्यानन
क्तिउरआवे॥तातेंग्यानजक्ति

तबमेरे निजरूप[illegible]होहि तौ ता
तैनोनोनैदहीचानैं:४३ तबता
तापरमाहिसमावै:जातड
मफेरिनसापावै:पारे[illegible]
तेसंगतिलोई:संतसंगतिबा
नलहनको।।४४।।जगतनबि
नानक्लिन[illegible]जगतिबि
नानहीमोमेंप्रा:तातेंसंत
संगतिकोंकरे:इजोजतनस
कलप्रहरै।।४५।।दोहा।।ऐसे
सुनितरिकेबचन।।मनमे
बाढीप्यास:तबजनक्नु नप्रस
नक्रिके:नछिनपूछेदास
।।५०।। इंद्रीतुबाचे चौपई।। हे
अजूपूरनप्रभअनंत:याजग
बहुतजोति:संत[illegible]जाको
संतकहेो:मदवा:ताकोमो

नु निरंतर धारीं॥४२॥ तोहि प्रतिगो
पि जतोहि मेरो॥ प्रन नमेरे अघ बी
न चिंततेरो॥ ताते घेसे तो सों
कह्यो॥ प्राणेक सुद्धे जैसी रह्यो॥
दोड॥ बहु रिजे थि अपनी सत
कहतो हिसमझायो॥ जातें छूटै
जगत व्यथा॥ मोलैं रहे समाध॥
२०॥४२॥६३॥ येतो भागवते
मे पुरा णो ॥ येकादस स्कंदे १ अ
ध्याय ३६ संवादे॥ नाम ध्यो
येकादसो ऽध्याय॥ १॥ श्लोक॥
४३॥ चौपई॥ १८॥ श्री भगवा
न उवाच॥ कहीं वमतो गोपिल
नि मेरो॥ पावे मोहि मिटे भव तो
रो॥ आप किलिताकोप पद्छांड
औरसकलकुं पथपिछांने॥१॥

ते ॥५॥ सोक मोह दुख भासा॥ पा
जरा म्रत्यु ती तेष्ट पासा॥ श्राप
मान अपमान न जानै॥ औरन
कौं बहु मान लहानै॥ ६॥ जो कोइ
सरनागति आवै॥ ॥ ६ ज्यों तौ
ग्यान रूप पावै॥ सब कौ मित्र सु
भाव सुजानै॥ द्रिढ बिस्वा
स नेम मन आनै॥ ७॥ मम गु
न कल मल सम बानै॥ ७॥ मम गु
ध्यान दान होय रहे॥ साधन के
बल कहै न गहै॥ मो ही कौं कर
ता करि जानै॥ कब हूं निर्लिन
आप अनाने॥ ८॥ जे दिप सबेरस
पसै गाये॥ इन सम कुल धर
म बताये॥ तो हु बिछिन बेदस
बत जे॥ द्रिढ निश्चै पक मम चर
न न त्तजे॥ ९॥ ऐसो जगत निज
न क्षक साव॥ ताके संग पतके

कोसंगनछूटै नामचुरननमे
चित [illegible] नीचसैं ऐतातैंमो।जिन
पावैजैनतें।।पावैवचनसांचे
सुनतैं॥ई साधु ऐसैवचनसुन
वै:सतुमितुसुपदूप [illegible] ज्ञानकै॥
सारभूसारकौ [illegible] ग्यान।।पर
चदिपावैसोतत [illegible] मन
तेंमनकौसंगमिटावै।लि [illegible] गम
कवलविपटावै॥ [illegible] पन
वसागतारै [illegible] रजनततनकानकौ
बावैं चडैतौतै लि [illegible] नैन अ
रूप्रहतितिरि [illegible] नेपन
साधुसंगतिजानो। [illegible]
पापनजोनै [illegible]
धनअसुर।कि [illegible]
मांगुआ।किजापन
मे

पावैमेरौ ... ॥१४॥ मम
तमामैमोकोचजे॥ मनक
बचनफला कतज॥हि
सब्रस प्राचेराय॥ स्तुति
डवतसपराय॥१५॥ मेरीव
बिवैश्रुतिसरच्या॥ मोबि
धूनकेरपलडूछी॥ मेरज
करमगुनगावै॥ सदानिर
मोकोंध्यावै॥१६॥ तनुप्रस
केपाछेजेते॥ मोकोंसक
म्पेतेते॥ जनमाघ्रमोघ्र
जेपुबी॥ बहोतउघ्रालके
बी॥१७॥ नरीतिगातप्रस्त्र
प्विबाजा॥ मेंद्रसपवले
खिसाजा॥ कपाकीरतन
बिचरच्या॥ जागणांहिव

तेनुमोकौंकहैजलसैंसलकौंति
नसुखसीमैंपायौ॥जोकेवलमैं
सोंमनलायौ॥१२॥सोमसरतिपा
योमोहिजबलो॥ चलेश्रद्धरम
धूपरातबसो॥तबलैगोपीमैर
हैता॥पायेमू।रघ्या दर्ई१ऽचेल:
र॥बहुस्योंसघ्रू।किंजग्दुखपा
वै॥निसबासु।हेतगंछरनन
ध्यावै॥मोहिछोडिसबदुखमये
देषैं।तेकबेद्रकुलफधनलै
रपजैनिसमोलेगधनरसोबातें
तेतीतिनकौंध्यबिलातें॥
मैरंगुंणानिस्नैश्रुगावें॥ली
लारूपसिरदोमैंध्यावें॥र हृर
बहुबिरहेकहादृषरोवें॥कब

तिसबनदैसेंच्ची॥ तिनकौबौ
होत॥ चातिकरिसेवै॥ तनम
नधनन... रदेवै॥३१॥
ज्यौंली... गतश्रापन नाई॥ प्रेसे
जानिकलेश्रधिकाई॥ तनमन
धनसौंप्रीतिबढावै॥ जिनतेम
रनेहलापावै॥३२॥ हिरदय श्र
कासप... नसौंसेवै॥ श्रबश्राप
रणवूनचितदेवै॥ जलकौजल
श्रुस... लफूलादी॥ नूधरणाप्र
जैमंवादी॥३३॥ नागनसोंनिज
देलद्दीनजे॥ मोबिचिश्रतरावे
सोतजे॥ सबनूतनकौमोकौज
नैं॥ समझुसनयहपूजाठानैं॥
३४॥ धनसबठौरनयपूजाकरै॥
मेरौस्यपहिदेमेंधरै॥ स्यच

निजुतस्नानं।
रस्नानं। भूद
जनयेका। ओरस
नेका: लवलोरि
सतारा: रयोटे
रा: तामेआप
ण स्ससबद्स
सोतासबद्व
नकानोआग
ास्यंतीनाम
ग्याम्वानं।
खरीबानी:
बानी:स्र
रजेते नाना
ते ४१ लोक:

कोकारण येकहै॥ नाय
ग्रतारण ॥३९॥ तातै नगत सौ
चितलावै॥ जिनतै मेरी नगति
लीपावै॥ तिनकै बिणजनक्ति
कीनी॥ ता कबहु ग्रौरनग्रावै
चित ४०॥ मैं जनको मेरहसो
ई॥ ग्रैसो नैहइजा॥ कोई जोक
यूकलै करो॥ लाली जहि पम
रमननली॥ सोई ४१॥ मोहि
मिलणकाय ॥ पाया॥ बसै बि
धिबाजत ग्रौरन पाया॥ सो ध्यस
जमिलि नक्तिहाकरली॥ सोता
यूकडगात ॥ तिरली॥ न के
नबिनान ॥ नक्ति
बिनानहु मोमैं ग्रावै॥ मोमैंग्र
पु बिनजीलीजाई॥ ताही ताहीको

नगवांनर्जुबाचे। उद्दकश्बस
निउतमञ्जातो। जातेंतुवघूरेन
रमनोतो। प्रथमतीग्रापेनिर
जनयेका। ग्रेरकधूनताहूतोग्र
नेका। म्बहोरिकीयेमायाबि
सतारा। रचौदेहबहूग्रग ग्रका
रा। ताकेंग्रापप्रवेसाकीयो। प्रा
णरूसबद्सेग्पकरिलीयो। ४१
सोतासबदचक्रग्राधारा। ग्यान
मकानेंग्रागारा। मणिपूरक
पसंतीनांमो। चक्रबिसुधम
मिमाध्यामां। ग्रेरबाहरिग्रग
बेषरीबानी। डोयेलोकरुवह
बषानी। सरलबूमात्रा। स्यषु
रजेते। नानांजातिबिसतरेते
ते४२। लोकवारियोरविसत।
रेबेदमा

जोगकही जेम्रष्ट प्रकारा॥ सो
रिव प्रकृ तिम्रस्पुरष बिचारा॥
बहु बिधि विधि ग्रुणा अमध्य रमा॥
सकल त्यागघ होवै नेह करमा॥
२ बेदादिक बिद्याबहुपाठा॥
जालौलग है तप अष्ट तिकाठा॥ ग्रष्ठ
होकज हसरबापीकूपा॥ ३ पेकादे
होनसमपे अनूंपा॥ ३ पेकाद
सीआदिव्रत जेते॥ गुपतमंत्र
भैरहै केते॥ मनप्रतमापूजा
आचरणा॥ तीरथअटन निय
मजम करणा॥ ४ ओरै सेमद
मआदिकजेते॥ साधन सक
लमुक्ति के तेते॥ एन सबलोन
तैकोडिन पावै॥ साधूजनप
रकासिमिलावै॥ ५ जैनतैमन

सुषदुषद्वै तिनकेफल नये॥४८॥
येसंसारयेकतें ऐसे॥ येकबीज
तेंबहुबनजैसें॥ तातें ये सब ये
क अपारा॥ अरु येकहीकोसक
लपसारा॥४९॥ जैसें बसंत तुम
पैहोई॥ वातपोत दूजानहीकोई॥
ऐसोयहजवतरूयेका॥ है
फलफूलरसशाषाअनेका॥५०॥
यहेसबमनचेतनआधारा॥
परितोहचेतनतेंन्यारा॥ सोचे
तनिसेमेरोअंसा॥ पामैंन्हलि
नमानुसंसा॥५१॥ येसंसारवृष
हेअैसो॥ मेंन्यापतहौंस्वनीयो
तैसो॥ पापरूपुनिबीजहेयाके॥
मूलअपारबासनाताके॥ पर
आदिहीकेअंगुराअरुसाषा॥

गसोमेरौसंग साधुसकल
हैमेरोअंग तातेहेतुसाधु
संगजानौ १ कै हेतुमेरेते
नमानो १९ गोपीगायंद
नगनागा और मृदबुधिव
डभागा ममसतसंगतिप्रेम
तिनबाध्यौ नावचकिमेवु
आराध्यौ १० और कथ
साधननहीजानौ अवरनहु
तनरूपकरिमानौ परितिनके
हितमोसेनयो तातेसबमन
कोम २० ये। २१ श्रम
लीबिनातिनमोकोपायो पू
तिश्रुपारनवदु भैटा २
जाकोजोगसोबिहरदानो
जपगपबेदविद्याबिधिनानु
रकारसन्यासबहुतउपस

केनिकटिनमांहे॥सकलकमो
हिआपहीकौपमानै॥नेदहेत
कतमायाजानै॥४३॥चेतनसक
तिसूलक रिहेषो॥औरसकलस्म
आकरिलेषो॥परिषेसकल
तदतबपावे॥४४॥सतगुरकी
सरणाआवै॥४५॥चूनलगुर
बिनानपावैकोई॥इहुलाहिक
नावेसोहोई॥ तातैगुरकासर
णाआवै॥दिहनुपासनाजनै
टावै॥४६॥गुरसेवाकोईसोप्र
नावाजातेंजपजैसोनाव॥
रुसेवातेंपावेजनकी॥गुरसे
ातैसकलबिरकती॥४७॥गुर
सेवातेंग्याननिलसै॥गुरसेवा
किरमनदसै॥गुरसेवातें भ्रम
काल॥

ऐसौ कृ करि मोकौं पै हो जातैं
जगतजन मन लौ ऐसे हो यौं ह
रिजा बाणी बिसत री तबकै
कवी सो कोंकरी है हौ जुक
बहुबा चौ अ नहु मत्याः ५
इकोक ह्यौ सो मेरे उरस से
रह्यौ तुम्हरा अपा बेदया
वै ताति छाडि कै सै सुष पावै
३ तुम लौ ऋति मै करणे
सपे तुम लौ या हां हुरि करि ना
वै ताते मन नर मत है मेरो
थिर कीजे अपने जन केरो २
कि धौ वसति कि धौ देवा
या कोमैं हि बतावो नेवा तब
गोपाल बचन उचारे ग्मोरख
उदयै मछिंद्र आचार्य ३ श्री

नकन्ध्यानं॥ ऋध्धेहरसौं साधन
सहति॥ त्यागौं भ्रम निध्यांन ॥२४॥
२५॥७५॥ इती श्री भागवते महा
पुराणे एकादस स्कंधे॥ श्री भग
वत उद्धव संबादे॥ भाषायां द्वाद
सोध्यायः॥१२॥ श्री भगवान
उवाचे॥॥ चौपई॥ सुनि उद्ध
व सुब प्रसनजाग्यौ॥ ताते पा
वै पुम निध्यांनौ॥ ताते प्रानंह
वै सोकहौ॥ सु विधि तुव भगप
न सो देह॥ सतिक राजस तांम
स जानै॥ उद्धव ते गुण माया केसे॥
सब दुष स्छ तिन लोक जानौ॥
तिन ते परे आतमा मानौ॥२॥
तातें नरसा तिक कौं गहे॥ सात
क करि रजतम फौंदहे॥ पोषेर
तमो रिपि रहे॥ सातिक तः

ऐसौ हूं करि मोकौं पै है। जातैं
जगत जन मन ताऐ है। यौं ह
रिजा बाणी बिसत री। तब के
द्वध्या संकर्षकरी। २२ ॥ नंद
बकुमा वै॥ प्र त्रुतु मत्यागव
ह कौक लौ सो मेरे तुरस से
रतौ॥ तुम्हरा ग्र ग पार्वे ह रात
वै॥ तालिच्छाडि के सै२ वपावै
३ ॥ तुम्ह ली श्रुतिमें करां ॥
सपै॥ तुम्ह ला यादां हुरि करि ना
वै॥ तातै मन नरसत हैं मेरो॥
थिर कीजे अपने जन केरो॥ २४
कि धौं बसति कि धौं ये देवा॥
याको मो हि बतावो नेवा॥ तब
गोपाल बचन उचारे॥ मो रखा
उदयै मधि ब्रज्ञाचारे॥ २५॥ श्री

रजतमकोसंगउलटैंसहेतसकलक्लेसंगलिकारण॥
संगतिबोरैसंगतिलारा॥५॥
देसरूकालपूजनलखांन।
घसकरमजनमसुध्यांन
गून्ताचार्लोंग्रोहेंससकार।स
वताघयेहसपुकार॥येरस
जाकोहितैजैसे॥सुलहिसतोर
ताकूतसौंत्यालिकालोंसौलिक
उपजावे॥सतसतोरजसनुप
जावे॥१०॥सतोलमसहिसे
बिसतरे॥जैसेयेरसलेसोकरे
जातीजाहेगुणांहेंसेसोन्र
तनजाणोस्तमी॥११॥सोकैतम
सालवचांजेसोवेसहितम
जानें॥तेफलिनिदितसोगुणल

परितिनकौंवलैविधिविस
तारा जाकोकोइलिहैनपारा
४४ जैसेंअनलकाठमधिका
हौ ईधिनपवनसंग...हौ
सोमनमवा ।।कोबिसतारा
जातेंप्रगटद्योसबरूपसारा
४५ पांचौबिस्तारसव कौसारे
जामेंचतनरूप,मारे ईद्री
पचपंचदसप्रकार सुवर्न
मनबुधिचितअ...
सतरजतमसायागुनजाने
सबबिस्तारतिन्कौकैमाने
जोअहंकतपेकनिरधारा तिन्ह
कीनौमायाबिसतारा ४७
तिनमेमव ज्ञातिप्रगास्यौ
उतममभिमनीच प्रकास्यौ
बिविनबेधतातेकरिलपे

बोवै॥ बलैस्यौ॥ आप
मितलै॥ मिसाच्छल्लैस
कोई॥ त्रिगुणातीतसो
॥ तीनकालदूसन
नोजी सोबसौस्यो नव
कोधि मिल्योसोम
हिसकावै॥ पल्लैसवलसाच
निश्चिंतकावै॥ सकलनिरंजनभो
कोंध्यावे॥ नवलरिकासुलि
दनतवानी॥ जलनकेहवये
प्रसमबषानी॥ सेद्रहवन्धाच
सेपुन्नुप लागे सोकलीपे॥ मांता
दिकौतजेसबलसापापरि
तेबिष यसबनकौचातेतान
कुमारननसमाद॥ रचतेवाप
रेसदादुषसदे॥ सबहुन
नसूबकोन॥ है॥

तिनतैंपंचभूत प्रसाशा। जुप
साधामिनं॥ १ । यिदस। सबहीं
कसरवैपचोंर॥ २ । पर। कफश्र
स्वात प्रपित्त त्रियेबलकल
[illegible] हुइ [illegible] हे फल
तामैंहै पंषीकोबासा॥ प्रभात
म [illegible] । पक्षजे
व [illegible] नें। तेबहुनी
ति। बेदबिषिठांनें। तिनतैंतें
वैबहुविधिबषा। जुगजुग
दुषपावैतेग्रंथा॥ ५५ जेयरद
रहु षिकरिजांनें। श्रापहाय
मीनमारो मांनें। बेदस्मृतस
ब मायादेषे। सकलप्रतीत
ग्रां लेषे॥ ५६ तबयेबिधि
नांचहुछिटकावे। सुषकप्रदूष

रूराजसप्रधिकारा।राजसतैंम
नभगहेबिकारा।३५।तबराजस
केबेगप्रचंडा।ग्यानसोमारिव
रैंसतषंडा।ताते।ग्यानसुलैप्र
जानें।प्रस्पोर निसें।प्रापुबष
नें।३५।परिसोंकामनलोठहरावे
लेकरिपकरिकरमकरवावे।प
रिनरिपयानकोबूझी।रजतमते
नसोपावेसुधी।३६।तोहूनिसदि
निदोषबिचारे।नरतेंसकलका
मनाटारे।सावधानप्रालसन
सोकरे।क्रमक्रमभमचरनचि
तधरे।३७।प्रासणजीतिकरेबसि
प्रान।निसदिनराषेमम ध्या
न।प्रुरुममसिषच्यारिसनक
दि।सकलतत्वग्यानकाप्रादि
।३८।तिनबिचारिकरिजोगही
नाष्यो।सोतोंसें।प्रोरसबना

वासा ॥ ६१ ॥ मोहि मिलया कोय ह
उपाई ॥ गुरसेवा बिन और न को
ई ॥ तातै गुरको सरणा आवै ॥
तनमन धन सो हित लगावै ॥
६२ ॥ तातै उपजै ७५ नद्युते ॥ ६ ॥ स
ब पासिन को टाल नितारा ॥ ग्रु
णि गिर सरीर रुपाधि ॥ जो ग्रा
तम कूं लागी ब्याधि ॥ ६३ ॥ ग्यान
कुं धारस कल लो ॥ रै या बिधि
आतम निरमल करे ॥ पा छे गर्यां
न ध्यान सब त्यागे ॥ निसु दिन
येक हृन अनुरागे ॥ ६४ ॥ तब सं
हन तामा हि समा ॥ बलो संज
गत जनमन ला आवै ॥ तातै तुम
सब सा धन त्यागो ॥ निस दिन
येक हृन अनुरागो ॥ ६५ ॥ दोहा ॥
येन ढ्ढत सो कसो ॥ नव मोच

मनतेक [illegible] पजे ब्रुमनि [illegible]
जनमसातै जिनगही निरहती॥
मनबचिकरमतजी प्रहती॥४४
प्रसनकरी तिनह [illegible] प्रागे॥ये
सोन्नेदजो सोवतजागे॥ज्रुति
सुमिरजानीनलाप्ररे॥जतरक
तौ कौनउ [illegible] चुरै॥४५ सनका
दिकउबाचे हेप्रु न्हप्रजप्र
येदेवा॥याकोहमै बतावौ नेवु
बिषेबासनो [illegible] चितेगहो॥चि
तप्रीतिकरिके [illegible] निरहो॥४६
दोउमिले प्रापमै ऐसे॥नार
भारपरसपरजैसे॥ निनि
बिनमुक्तनहोरी॥क्योंकरि
निसोयपेदेई॥४७॥येबाणी॥प्र
उरधारी॥उतरदेनकोबलो
बिचारी॥प्रतो॥उतरनह

जैसें त्यागे सो तौ ऐसी बिधि
तीन गुण हैं तब केछु न हूं त
भैरे हैं ज्यों ज्यों होय सो तिक ग्र
थि कमरा तैं त्यों त्यों प्रेम जग ति
बिसतारा ५ सकल बुतल सो
तिक जब न्यडे तबली सो तिक
गुणउपजे सो तिक ज्यों ज्यों
त्यों त्यों नरकी त्यों ही त्यों प्रन
त्रो बिरक्तिय तब रज
मिटि जावे ताते तिनके गुण
नही आवे हरबर सोग मान
अपकानो निंद्रा आलस गुमान
गुमानो ६ राग द्वेष आदिक
हैं जेते ६ सकल रजतम के
तेते तातें जब ये रजतम जाइ
तब तिनके गुण उपजै नाही
७ तातें सो तिक संग तिकरें

नतेज ... पजे छन्दकिरारी
नमसोते जिनगही निरखी॥
मनबचिकरमतजी प्रकृती॥४४॥
प्रसनकरी तिनह ... प्रागे॥ये
सोन्नेदजो सोवन्तजागे॥ज्ञति
सुचिमरजानी नदापरे॥जतरक
तौ कौनउ ... चरे॥४५ सनका
दिकजबाचे से प्र न्नइन ...
येदेव॥ याकोसमे बतावो नेव॥
बिबेबासनी निर्चितेगरयो॥चि
तप्रीतिकरिके ... निरस्यो॥४६॥
दोनुमिले आपमे जेसो॥नारस
गरपरसपरजैसो॥ निनिनय
बितकृत्यनहोई॥ क्योंकरित्त
निलोयये दोई॥४७ येवाणीछ
उरधारी॥ उतरदेनकोवलेत
...॥ ... उतरनहाम

१२ तातैं ऐदस सातिकसेवै
राजसतामसनामनले॥
राजस॥ामसजोहितहोइतौ
हसबधिटकावैसोती॥१३॥सा
तिकसेगेतुपजैसत॥त्योतै
ललैनगतिकौत॥ जौलगरि
ध॥ पजैविष्यान॥ वैसकल
येकनग॥१८॥१४॥ पुरदुनौ
देहनिनरमजोनै॥ सबबिस
तारसुपनसग॥ सौ॥ नै तब
येह्रैतमोहिथिरहौ॥ साति
कहूकोवारनजावै॥१५॥मोबा
सनतै॥ पजप्रनलप्रस्हे
वेमारत॥ प्रबल सबबास
निकोदहेसोही॥ ष्णपलावह
रि॥ पिरानताग॥ तोसाधन
पातनतें॥ है॥ होयप्रचंड्या

चितमिलि
॥ ४ ॥ बिषयेनमाहिचितदि
लिरहो ॥ अरुबिषयेनचितदु
ठगरह्यौ ॥ हे पुत्र येबोलासत्त्या ॥ उ
ते आतममांहिमुसत्य ॥ ५ ॥ बि
षयेचितयेदोउमाया ॥ आतम
मूलनिरंजनराया ॥ बिषयेन
सोंजबचितलगावै ॥ तबहीचि
तानितिसुषपावै ॥ ६ ॥ रुबबिषै
येनकेध्यानसोंचरै ॥ तिनके
तिकरमबिसरै ॥ तातेयेकर्म
कामिलिरहै ॥ मैसैंजनममर
दुषसहे ॥ ७ ॥ रुताते आतममेर
मुसा ॥ मेरासरनिगहेतजिस
बासरहितेबिषयेषहरे ॥ अस
चितते चितवनिनंकरे ॥ ८ ॥
बिषयेसूंचितबूधाकरिज
तिनतेपरे आपूकरिमांनै ॥

तम अवतांसी ज्ञानस्वरूप
सकल पुराली सोजबुतायि
तनमैं आठे तबमाधानबि
वैसुषपावै ३० बलोसुतनहि
तठैरामगहै नलापावैतोहुष
कौलहै याबिधिसरूप जब
लोजाने तबलोदेहअरूपकरि
मांनै ऐसैबठे लखलकारा
तबलारालसको ष्विकारा
राजसलहै तजब गेमनलोर
तबपैलोसुषजानैसोलो तब
संकल्पबिकल्पनिकरै निस
दिनाहिदेबिषैरसभरै तब
जा असहृषै तब
रिलेषै ३१
ज्ञान

चित्तमिलि
॥४॥विषयेनमांहिचितमिलि
लिरह्यौ॥ पुरुषविषयेनचितदि
ढगह्यौ॥ पुत्रयेभोगासक्तो॥ प
तेंआतममांहिभूस्तयः॥५॥ बि
षयेचितयेदोउमाया॥ आत्म
ब्रह्मनिरंजनराया॥ विषयेन
सोंजबच्यतलगावे॥ तबहीचि
तनितिसुषपावे॥६॥ तबविषै
येनकेध्याननीचरे॥ तिनकेस
तिकरसबिसरे॥ तातेंयेकम
कोमिलिरहे॥ जैसेंजनमजन
दुषसहै॥ ७॥ तातेंआतममेर
ऐसा॥ मेरासरलिगहेतजिस
बासरिहतेंबिषयेषरे॥ प्रस
चिततेंचितवनिनांकरे॥ ८॥
बिषयेस्चितहृथाकरिज
तिनतेंपरेआपूकरिमांने॥

ज्यौंलौज्यौंमनदृढोतात ॥ जे अर
ज्यौंज्यौंकर्मच णनिनजे ॥३९॥
याहीतैंसबमिटैबिकारा ॥ याही
तैंछूटैसंसारा ॥ याहीतैंममच
रणनिपावै ॥४०॥ सबजगतजन
मनलाभावै ॥४१॥ जातें प्रमजोग
येराख्यौ ॥ जातेंमैंसिषनिना
ख्यौ ॥ जबयेबानीबोलेकृ मत
बं॰ हृ॰ वडजनकौनीहहद ॥१॥ उद्ध
व उ बाचै ॥ हेब्रम्हज कैसदह मै
वरं ॥ रु॰ ५ ॥ तुमनाख्यौयेगपान
अनूप ॥ सनकादिकनिकौनबि
खिलह्यौ ॥ कैसेंपूछ्यौकैसेंतुमक
ह्यौ ॥७२॥ ज्ञानसहितसहितसहै
कह्यौ ॥ मेरे रकोसंसैदहौ ॥ जब
येउद्धवकौन्हौप्रश्न ॥ तबबोले
कृष्णमयेकदेम श्री कृष्णउवा
च ॥ ब्रह्मपुत्रसनकादिकचारी

विषयेनकोहिचितमिलि
रह्यो॥ऊसविषयनचितदि
गह्यो॥२॥पुत्रऐसोहोसत्य॥प्र
ातमकोहिऐसत्य॥९१॥बि
येचितयेदोऊमाया॥आतम
निरंजनराया॥विषयन
जबचितलगावे॥तबहीचि
तिसुखपावे॥९२॥तबविषै
नकेध्यानहीचेरै॥तिनकेर
नकरसविसतरे॥तातेंएकमे
मिलिरहै॥ऐसेंजनमजनम
सहै॥९३॥तातैंआतममेरो
सा॥मेरासरनिगहेतजिसंप॥
ासरिहतेंविषयेधरे॥अरु
ततेंचितवनिनाकेरै॥९४॥
विषयरूचितवृथाकरिजाने॥
तनतेंपरेआपकरिमाने॥९५

ज्यौंतीज्यौंमनदृढ़ताते जे अरु
ज्यौंज्यौंकमचरणनिमजे।३२।
याहीतैंसबमिटैविकारा।याही
तैं टैसंसारा।याहीतैंमच
रणनिपावै।४ ।सुजगतजन
मनलाभावै।४०।जातैंप्रभजोग
येराख्यौ।जातैंमेरसिषनिना
ख्यौ।जबयैबानीबोलेक्रमात
ब॰६ वजनकोनाअसन १ ३६
व ब ये ।सेव नृजाकोनसम
वै ।स्पातुमनाअयैगपान
अनूप।सनकादिकनिकोनबि
धिलह्यौ।क्योपूछौकैसेतुमक
ह्यौ।४ र।ज्यानस सौ
कह्यौ।मेर रकोससैदह्यौ।जब
येउद्धवकोन्हीपदम।तबबोले
क ।कियेकदेम श्री कहतजी
च।ब्रह्मपुत्रसनकादिकचारी।

॥ ९॥ बिषयेंन मांहि चित मिलि
लि रह्यो॥ अरु बिषयेंन चितें दृ
ढ गह्यो॥ सु पुनः ऐसैं सास्त्र प्र
तें आतम मांहिं प्रेसत्य॥ ६१॥ बि
षये चित ऐसें दोउ माया॥ आतम
ब्रह्म निरंजन राया॥ बिषयेन
सों जब च्यत लगावे॥ तब ही चि
त निति सुष पावे॥ ६२॥ बिषे
यन के आनंद सो चेरे॥ तिनके त
ति करम छिसत रे॥ तातें येक मे
क मिलि रहे॥ ऐसें जनम जनम
दुष सहे॥ ६३॥ तातें आतम मेरो
प्यारो॥ मैं शरीर निग है तजि स्प
बास रहित बिषये पहरे॥ अरु
चित तें चितवनि नां करे॥ ६४॥

तत्वबिचारा॥ तोनही [illegible]
प्रकृतिपुरषबिसतारा॥५७॥ जो
कथूहीसे [illegible] सुताऐकलपे
मनप्रसुबुद्धिजलतीलतांपे
सोसबमेंतांहै [illegible] नाही॥ ऐसोग
नधेरैनुरमोंनी॥५८॥ नामरूप
तेसकलबिकारा॥ आदिअंति
मधिमोटीसारा॥ त्योंतीआदि
अंतिमधिमोंती॥ मेतोयेकहै
तकथूनोंती॥५९॥ द्वैतदिषिसो
दुषकोकारा॥ दुलदुषि नि
जसुषबिस्तारा॥ जगेजगतस
[illegible]पलहै॥ तबलषि [illegible] बतेतजि
जलजाहै॥६०॥ ज्योंनाद्वैतद्रिषि
सोदुष॥ येकदृषिसोलानिजसु
ष॥ अरुतुमअदमबिरचिलोक
री॥ सोमैलिष [illegible] आपनेषरी॥

गैसोसारा॥ आपहीसवमिथ्या
करिजानैं॥ कबहूं न हितिनस्यति
करिमानैं॥७॥ जैसोनीवेदपर
मआचरणा॥ सोसबउ(न)
केहितकरणा॥ तेसवसुखनस
वविवस्तारा॥ दडितखोडेसक
लपसारा॥८॥ अवरमतेंघरस्यो
दृगमनिमानो॥ सातेंहूणाआस
मैतेनानो॥ तातेंकरेंवहितवि
धिकरमो॥ सुखनिस्तिविस
तारैधरमो॥९॥ प्रतैसकरहूया
करिजानो॥ सुपनजालसम
करिमानो॥ जोदेहादिकसकल
पसारा॥ चेतनकरिवरतावन
हारा॥१०॥ सुषदुखभोगकरे
भरजानें॥ आपहासुखादुखा॥
करिमानें॥ बहोरयोजबहसुप
नकोपावे॥ वहवि

तत्वबिचारा॥ तोनही ...
प्रकृतिपुरषबिलता॥ ५७ जो
कछूहोसै ... सुतीयेकलीपे
मनअरुबुद्धिजतलौंचतावे
सोसब ... तांदुजोनांही॥ ऐसोगप
नधरैनरमांही॥ ५८ नामरूप
तस ... बिकारा॥ आदिअंति
मधिमोटीसारा॥ तोतोआदि
अंतिमधिमांही॥ मैंतायेकहै
तकछूनांही॥ ५९॥ द्वैतादिखिसो
दुबकोकारा॥ बुनदुषि नि
जसुषबिस्तारा॥ ... गनेंदु
षलहे॥ तबसुषतुबतेतजि
जलमांहे॥ ६० ज्योंताहूतद्विषि
सोदूष॥ येकदुषिसोलीनिजसु
ष॥ अरुतुमअदमबिरचिताक
री॥ सोमैलिरदैआपनेधरी॥

ग्यानषडग।।कोटेअहंकारप्रट
लिरदैमांहिमैताकौं जड़ौं।।छत्ता
धानकैकरैततजौ।।येसाविजग
नरमकरैजानौं।।मनकौकरति
मिथ्याकरिमानौं।।८९।।ज्योंयेक
निकौउपजतदेषौ।।प्रस्यैकल
कौंबिनसतपेषौ।।सोहारीतिस
कलकौजानौं।।सु प्रसमांनिहि
रदैमैमानौं।।९०।।प्रगनिसैंति
ज्यौंसकरालोरी।।बालकलैकरि
फेरैकोई।।औरनातिहैरीसैंअ
रथिरपरिअंचलसबठौर
।।तैसैंयहजगतरहैथिरनिति
वाअरुतिचेचलसकलअनि।।
ति।।येकब्रह्ममैंसबअभास्यौ
गुणपायेब्रह्मनेंदप्रकास्यौ
र।।सुपनरूपगुणमैंज्योंनें
।।यौब्रह्मनातिचारैजोगी।।

तत्वबिचारा॥ तौनही
प्रकृतिपुरषबिसतारा॥ ५७॥ जो
कछुहासै सुतीयेकलोये॥
मनअरुबुद्धिजहांलौंलहीये॥
सोसबमैंताद्रजौनांही॥ ऐसोगप
नधरैंमनमांही॥ ५८॥ नामरूप
तेसकलबिकारा॥ आदिअंति
मधिमोटीसारा॥ त्यौंही आदि
अंतिमधिमांही॥ मैंतायेकद्वै
तकछुनांही॥ ५९॥ द्वैतादिषिसो
दुषकौकारण॥ बुनद्वैषि नि
जसुषबिस्तारण॥ ...गनसंदु
बलहै॥ तबसूषतबतत जि
जलमाहै॥ ६०॥ ज्यौंजलद्वैतद्रिष्टि
सोद्रूष॥ येकद्रुष्टिसोहीनिजसु
ष॥ अरुतुमप्रश्नबिरचितक
री॥ सोमैंलिखदैआपनैधरी॥

पानकौकरै॥९१॥सोदिलरब
नेजानैनाही॥प्रथसहरवेला
तैनसाजांई॥करसकरैयातन
केजालो॥सरुतिईश्रुनिबूते
तोलो॥९२॥चाकरसलाकेतनकै
पाये॥बानपानसोंनितिसं
तापे॥योगाबुरुमाहिथिरर
है॥दैलादिककासुधिनलै
९३॥जैसैसुपनैमिकरिजागै
तातैसुपनासैंनसाभूनरागै
तैसैंमोहनिसाजैंजागैकरि
नलिपैभूनभूनराजै॥१०४
दैरूपकाबुनमिलिरह्यो
नवकाबीजसकलतनदह्यो
सोनवमैंबहस्योतनमाना
बूनमिल्योसोबुनससमा
॥भतिहरहरजदिबसतार

तत्वबिचारा॥ तोनही ...
प्रकृतिपुरषबिसतारा॥५०॥जो
कछूहोसै ... सुताप्रेकलीपै
मनअरूबुद्धिजलोलोंलहोथे
सोसब ... नाहीं॥ऐसोगप
नथैरैनिरमोली॥५१॥नामरूप
तस ... बिकारा॥आदिअंति
मधिमोटोसारा॥तोताआदि
अंतिमधिमोली॥मैंतायेकहै
तक ... नाहो॥५२॥ द्वैतदिषिसो
दुबकोकारा॥ब्रह्मदृषि नि
जसुबबिस्तारा॥ ... गनसंद
बलहै॥तबलषतवततजि
जलजाहै॥५३॥ज्योंलाद्वैतदृषि
सोदूषः॥येकदृष्टिसोहीनिजस
षः॥अरूतुमजबमबिरंचिताकि
री॥सोमैलिरदैअपनेधरी॥

मेरौगुझिमतौअुतिजांनौ॥
बसौतनांतिहिरहामैंअांनौ॥
१ हौतुमरौहितजनमांहिंभि
चारौ॥मैहबिसमसैंलजथारौ॥
मैंहुंबिसनसकलकोईसरसे
बिनऔरसकलअजीसा॥१७॥
सांखिरूसतिलेजअलपजाग॥
थिपेसमद्र मरआकारतिनै
गा॥औरबहुतलाटौसार॥
तेसमस्तमेरेअाभार॥१०८॥
तातेजोममसरणिातिआवै॥
तमबस्तुसकलसोपावै॥
मौबिनुब्रह्मसाधनजुगहै॥
तौहकहनसुषकौलहै॥१०९॥
मैंनिरगुणपरिसबगुणासे
वै॥मैंनिरपेह्सकलचितदेवै॥

तजानौ॥ताकौमैंद्रिष्टांत७४

थानौ॥७४॥जैसैं स॰ ल ल ६ ८४

कोई॥सोवतसुपनलहैपुनि

सोई॥बहुतजोतिकरैविस्तार

लेन नजलपानप्रकारा॥७५॥

बहुस्यौरेनिपरेतेंसोवे॥दिव

सनयेतमोलाजुविड़ोवे॥ऐसें

ईकेईदिनबीते॥जागतसोव

तसकलविताते॥७६॥बहुरू

बुहऐसामलिखाने॥रातिह

दिवसकोनिद्राजाने॥कदेन

सोवैजागतर हे॥सावधानअ

लसनलागहे॥७७॥ऐसेंकाज

आपनाकहै॥चौरादिकधन

कौनलहि है॥परिजवयलोजा

यकरिदेषे॥तबवल ३ ६ ८ ८४

याकरिलेषे॥७८॥सोवतजाग

नसबविवहारा॥जाकेहितजा

मेरोगुझिमतोऽप्रतिजांनौ॥
बरुतोतनातिस्दामैंऽमांनौ॥
१॰धातुमरोहितमनवांलिखि
चारो॥मेहबिस्सनलायारो
मैंहबिसुसकलकोईस॥कौ
बिनऔरसकलऽसुनास॥१०॥
सोखिरूसतितेजवलयजा
प्रियेसमद म आकारति
गा॥औरबतुतलोसार
तेसमस्तमेरेऽधार॥१०८॥
तातेजोमम्सरीरऽधावै
गतमबसुसकलसोपावै
कोबिनुबहूसाधनगरौ
तोहूकरेदनसुएकोलरै॥१
मैंनिरगुणपरिसवगुण
वे॥मेनिरपेहसकलचित

नलावै॥८३॥तबहंस निसद लै
पसारा॥ आपापवरिसुषदुषवि
चारा॥ बसौरिसुबोपतिमाहि
सबजाई॥ मनबुध्यिचितग्रहं
कारनकी ॥८४॥ तबआतमानि
रंतररहै॥ फुजागेसकलबात
कोक ॥ सोयोदीषेग्ररुग्राये
गये॥ ज्याग्र॥ पाछैअनूनये
८५॥ सोआतमायेकरसरहै॥ ति
कलकीबातनकहे॥ये
अबनासीआतमयेकरूसं
पत्ते अनकातान॥ ...
हैमनके॥ ...नमस्ता सैहै ति
नके॥ तिनतिनकूतानूराज
है॥ तानूगुणमायाकतेद॥ ८७
ऐसीबिध्यिनिश्रेयसोजानै॥
निसदिनहिरदैबिचारह्विठानै॥
सकलजुपाछिलकोग्राछारा॥

नहिरदैमैधर्‍यो॥औरसकलत
तकालनिवार्‍यो॥१३॥रूपक
तारयकरितिनमान्यो॥हेतन
वृतजिह्वपिछान्यो॥तबतिन
कैंप्रस्तुतिकरतहीभलोकै
दृष्टतभ्रगेहीं॥१५॥सबहीन
कैआनंदबढायो॥तबमैंभूप
नैध्यानसिधायो॥तातैंउद्ध
वपेतुमजानौ॥भूपनोप्रस्त
नागकरिमान्यो॥१६॥सत्वक
रिकनिसमालुमकाये॥येक
नतुममैदीये॥तातैयहजु
नउरधारौ॥ह्लस्तज्ञानिसब
तनिवारौ॥१७॥कमकपाली
सदारिहौ॥दूजासकलब
नादहौ॥प्रेसैकै

तातैजगतैंद्विषिजतारेसोच
उजानिहिरैहनलीचारे॥२३
त्हमांछोडै निश्चलरहेमन
चकरमकछूकरैनग
हे॥ पीतारहितह रसभागी
निज्ञानंदमेंलाजोगी॥२४
औहयाजानिसबत्यागे नै
चलहिरहे लभनरागे॥सो
जोरहे नागे॥ तोहफि
रिजरम पजैनांलां॥२५जोप
ल लजायजेआवे॥बैठेउठे
पावेअरुपावे॥ औरकछूक
रै रा॥ परिसोसिढि
नजानेंसारा॥२६ निश्चलर
हेनिर नमाला॥देहादिक
कछूजानेंनाला॥ जोकोईते
नबरत्रै निश्चैरे बहरुयोंसुरा

वेवा॥ जगतिहलैयईहोहरिं
रणा॥ श्रूटेंजगतजनमउमुसर
णं॥ पंश्रबमेक मस्तनकीकेहे
मेरयासंदेहसारहो॥जेबहु वि
विक्रतिस्मृतिजांनेतेलीबहू
साधनेनिबधांनेंप्रभुकृतिस
तिबहुपंथनिकसेंप्रसत्तेल
बहुतेमिल्यगाहेतातेतेउपंथ
प्रसेवा जोकिसभाकेकथवसे
बा॥गजाजापंथतुमेंप नपईये॥
बहुस्योजवसागनहीप्रईये॥सो
सोपंथकृपाकरिकहोकेरोस
कलमुहतादेहो॥आतुमबिनये
हिजोनहीकहे॥ग्यानलरुसोतु
मतेलरहे   छीबा
लीः
श्रीभगवानउवाचे

तातैजगतैंदूिषितुतारै स
उजोनिहिरहैनतोघारै
ब्रह्मछोडै निश्चलरहै म
बुघ्यकरमकछूकरमन
है यीलारहितहूबिरसन
निदानहमैलावैजोगी ऐ
ग्रेहूयाजानिसबत्यागे
चलहिरहेहूलक्षनरागे
जोरहैहेहमायैता तोह
रिनरमउपजैनाही ऐपजो
लहेहजायेजोग्रावै बैठेजै
पावैग्ररहपावै ग्रौरकछूक
रेबिवहारा परिसेसिद्धि
नजानैसारा ऐहै निश्चलर
हैनरजनमा गोदेहादिक
कछूजानैनाती ज्योकोईते
नबरवे निधेरे बहस्योसुरा

हृ बेदतत्वकि तहं रहो॥
आपस्मा नाव समातिलि कु
तो ज्यो ज्यो तिनके नयेस्न
वा त्यो त्यो ज्याद्यो स्र लि क्षोम
द्रात्यो तो त्यो आचरनं कैरेव
यो त्यो आपसु मलिखित
॥ रापरंपरा यहजो तिनले
॥ ते तिनके हृत संदर तेजो है ॥
तनते आपके बहु गंथाना
नाति चलावें यश्यो ॥३॥ ऐसी
भिनु पञ्जप अडा ध्यान
लतो बिसतयंडा ॥ मनजाय
रिको लिवतलो वे ॥ ताते त
य पनराजावे ॥४॥ आपनी
नी रुचि मूलमाला॥
मस्रतना बेगपाना॥
बसाबंति

नरभक्तडो-ᐧ गुणगाए नगार
चगुणऽस्रतीत : लोकोसे है
बिष धनकोकछुनाम लेवे
ऊरविष पचितहोतु नरम
जानो हतमोहिरहिहोनो
नानो सकल तात आपकी
हेधो सबघट एक तनहीले
धो १०३ भुलआप एक रिमा
नो है तत्तावकब नहीआनो
निसो नहुलबिचारहीकरो
सबलनरोतुर है धरो १०४
ममभीननिरंतर हो याबि
धि उपाए बाजसब हो जा
तेबहोरिनजोमैंआवो बु
रूपताए तसमावो १०५
मैतुमसोंकह्यो बिचार स
भिन जोगसकल असार

द बेदतत्वकि तेहिं रह्यौ ॥
आपस्वा नावृसम्मातिहिं के
सौ ज्यौं ज्यौं तिनकै नयैसु म
वा त्यौं त्यौं जान्यौ सुर त्रिको म
वा त्यौं त्यौं आचरनै करै वि
त्यौं त्यौं आपसु स्म लि बिसत
रै ॥१२॥ परपरा पै जो तिनतें ल
वो तें तिनके कृत संस्कृत जो पि
तिनतें आप करैं बहु ग्रंथा न
मानौं तिन्चलावैं पंथ ॥१३॥ ऐसे
बिबिधु पंज पाखंडा ॥ ज्यानश
स्म है बिसतघंडा ॥ कम आप
करि मोहित लोवैं ॥ तातैं त
तपथन ताजावैं ॥ अपनी
अपनी रुचि अनुमाना ॥
करम प्रसन्ना है गपाना ॥
बिबिध[illegible]सदावे।

कथूनचाहिक- पकारासब
कोर्ं .तसबकोश्रापचारा॥११०
सबउपजो-ं अति उत्पात भौ
सबपाछै सबसंकटटालौ
तातैमोहितइ- बपा तब
होसबीलरणि जबआवै
१११ सरणागतिकोबिरुप- धा
यौ श्रापमिलौ- मवनयहा
भयो तातैसबतजिमोकोन
है आधुमोहिहगत तज
११२ ऊदवमैयेग्पानसुनायो
संत- हिरूनि मसुबपा
यौहिर- रह्यासदहुनकोइ
मोहिमपल काबिधिसब
पाई॥११३ बहुतजातिममपू
जाकरी बहुतजातिअस्तुति
मन तरी बिस्तरी मेरोनज

ननिरंतररसै।इक्कीसतअव
सनादस्ते।र चासक्षग्ने।त्
कौकीनेत्यागकिनेके।११
धरयौवैराग।सकंदरसीनि
तिसातलचितककमचितव
निहरदे।विहिदवितरसं।
ताकोदसूदिसासुमदहय।सो
सपद्रौंमृतिष्ठमकनय।जौ
नजनकेरसुषकौंजानै।ताको
कितहनताहुसानै।१२०।ता
चौजेरसो।प्रसौंको
ाठुसतेसोक
दिसोकपल
नरागनैं
ासुष
द्विग्र

तैसैं मन लाग्यौ है ॥ ताते
ऐसें दृढ भाव जितनें ऐसें सेवक को जो निज
नहिं त्याग करे ॥ याकौं गहे निज
पदलहे ॥ ३ ॥ सब संसार तरे
॥ १ ॥ ११५ ॥ इति श्री भागवते
महापुराणे ऐकादस स्कंधे
श्री भगवदुद्धव संवादे ॥
ले भगीतायां भाषा प्रबोधिन्यां
ध्याये: १०३ श्री सर्वे के
बा छै ॥ चौपई ॥ ऐसा सुनि
हरि जा को गपा नन्द भान
रक नरक सब मान ॥ ये उद्धव
दिढ करि रिते खरी ॥ परिकम्
लन का ऐसा करी ॥ श्री
उद्धव उवाच ॥ प्रभु दयाल दया
निधि देवा ॥ मो को बडो बताये

रततप्रभुसीतलहिरदै॥यासब
निरवैरसबनिधरिसुहिरदैय
भ्रमद्रष्टिदेजैसबमांहीमहल
बिचारतजैपदनांहीम२७मै
ताकोंप्रथमतैं॥कहयौ॥ग्रगुण
पासबंधनबितनस्यौ॥सविता
कैश्रेसोबलजानी॥काटोजा
यासींसहमानी॥२८पंथेतेपंस
श्रेगुणतजै॥दुलटिप्राये
समचरणनिमजे॥प्रभुसब
दुषताकेबसिरहें॥सोलजिमो
हकधनसागहें॥२९॥बहतन
नवबचनहें॥जावउगर
रिमैरोकहैं॥तिनतिनको
मचरणनित्यावे॥सदास
नितेंप्राप्तिपावें॥४०॥प्रह
रमनतानहिंप्रानें॥सोहि

पसमयेऽब नयो ॥ तबयेत
लोन हैगयो ॥ पुनिमें ॥ रिषि
समैयहलगपानो ॥ हिंसासुर
तितवुबषानो ॥ सोईसुर तिपु
निहिसापढायो ॥ भृगवाहिक
खायनूपायो ॥ सातम्हारिष नृ
पुजिनआदी ॥ अस्सर्यायनम
नमिन्वादी ॥ ४ तिनअसनते
येबिसतारा ॥ नानाबिधिके
भेदअपारा ॥ सुरनरगंध्र्व रषि
हेगंधर्बी ॥ बिद्याधरजरत्यादि
कअबारी ॥ सपतदीपनरष
प्रकारा ॥ किंनरपुरषादि अ
पारा ॥ सतरजतम तिनकीउ
तपति ॥ तातेबहुबिधि नई
प्रकृति ॥ १० तिनतेनयेबहोत
बिधिभेद ॥ तिनले सोलोडा ॥

रैहायेजी तिसकैनरकैरि
परिग्रा योनतेयैनचद्रव
विषाय कष्टतकैसकित
ती॥ बिघायेसनुमैसकल नि
वारु॥ प्रापनिलोउत्तवूनयं
रु॥ भूपाक्कप्रगटकर्यो
तेअरसम॥ तोप्रचंडकैरसव
नरम॥ त्योंमनमत्तके प्रगटजो
तौरहिजारैपापरकैनताकैरि
उबतैरुपापकोनिकटिंग्र
वै॥ नामप्रतापजोतिसोपावै
साधोसिद्धजोगअष्टांग बहु
बिधिजज्ञसोयजोमाग
सोबिबिचारसकलजोजानै
स्वेदपढैदेवसबदाने॥ तप
तीक्ष्णैद्दीपमनबांधे॥ पौरस
कलधरमनिकैं

पसमयेजब नये ॥ तबयेतब
तोन कैगये ॥ पुनिमै सृष्टि
समैयहजगपानो ॥ [illegible] ॥ सुर
तितबबषानो ॥ सोईसुर तिपु
निहित्तापढायो ॥ जगवादिक
स्वायभूपायो ॥ सातकुरिषच
युजिनआदो ॥ मरुस्वापर्ह
नूमिन्वादी ॥ यतिनअमनतै
येविसतारा ॥ नानाविधिके
भेदअपारा ॥ सुरनरअसुरसि
द्धगंधर्बा ॥ विद्याधरउरगादि
कअबर्षा ॥ सपतद्वीपनरवं [illegible]
प्रकारा ॥ किंनरपुरषादि [illegible]
पारा ॥ सतरजतम तिनकी
तपति ॥ तातेब [illegible] विधिनई
प्रकृति ॥ १० ॥ तिनतैं नयेबहे
बिधिभेद ॥ तिनतैं सोलाजाव

मिबिसरतै॥ सतिवंतप्रसहि
उसंतोष॥ कबहू कहे करेन
तोरोष॥ प्रेकष सरतिपूर
नतपसाध्यै॥ मनईद्रीपदेल
रिकबांध्यै॥ तीरथबृतप्राहि
रेजेते॥ सबधाचरणाकरेन
जेते॥ पपविडोलैरी नहिन
होई॥ तौनिरमलनहोवे
कोई॥ बिनरामोचढूवंबिन
चेत॥ धानेराश्रकलोबिन
नैता॥ प्र॥ तौलौसायुनहिन
कै॥ नगतिबिनाउरसुधि
नलहे॥ दुवैप्रभतेजाकोचे
ता कबहूरावैसेरहे ता॥ ५७
कबहूगदगदबाणीहोई॥
कबहूउंचैगावैसोई॥ कब
हूमधुरमधुरसुरगावै॥ क

नतिनतैं ध्यावाबतौ ॥ पी
पकैब ॥ विधिधरमनिना
चैं ॥ तिनतैं मुक्तिमुक्तिकूपा
वैं ॥ येकेक स्यात्ताविसत
रीये ॥ जा ॥ सकलदुषनतैं
तिराये ॥ १६ ॥ जाकोजसपाउ
गकैजोलौ ॥ सोनररहै ॥ रग
मैतौलौ ॥ येकईलोलाकाम ॥
पावै ॥ ग्रागेसुरगनरकनतैं
जानैं १७ ॥ पातकईतांवरैजो
गनकौ ॥ याहांहीछोडिजाप
पातनकौ ॥ ग्रागेसबदुष
सहैनकोई ॥ तातेंलाग ॥ रा
सबकोई ॥ १८ ॥ जैसेंग्रंथनकं
हिनरमां ॥ धरमरायकी
षबरिनपां ॥ येककैंसम
दमपुरससौति ॥ हैजेसाधनस

गनिमैंदीजे॥ देकरिफूंकतपत्ति
अतिकोजे॥६१॥तातेंकोईमल
नहीरहै॥अपनेउहूरूपको
गहै॥त्योंहीजतनकेरसबको
है॥परिआतमाँनिरमलहो
है॥६२॥मेरीजोतिमाहिजबआ
वै॥तबसबकरमनांतिनथिर
कावै॥निरमलहोयलहैनिज
रूप॥पावैमोहितेंजगभूप
है॥ज्योंज्योंमेरीजोतिलिषैरे॥
मेरेगुणनिहिहमेंधरै॥स्रव र
कोरतनसुमेरपाठासों॥ज्यों
ज्योंश्रीरबासतांनातें॥६५॥त्यों
त्योंकरदैप्रकासेस्यातहिहवै
सकिमिरैसबस्रोत॥हितना
कितह्निकारहै॥

ितसाधैकष्ट ॥३३॥ ि
कबहूनतोले ॥ ॥३
नितिसेवैते ॥ ॥ मुनि
टिहोनसेस ॥ ॥ पेमे
॥ ३४ ॥ मैला
हाप्रायेलाको ॥ मम
निवित तोडाको
मेरेप्रीमसाई ॥ ताबि
रश्रा तातेहै ॥ ॥ २५
स्तबिधिनहोप्यारो
कर मारो ॥
ि यलोसंकर्षणना
भूर गातोनलोसाई
योनलोप्रियमेरेमत
सानुमेसो मम
मसेनकमलाप्रीये
केरहोनिरंतरनेरे ॥ ३६

सहितममचरणनिअनुरागौ
१७॥जेयाचचलीचहैछिदलायें
असुरयाहैममचरणनिपायें
तेतिनकासंगतिपरहरैं॥जे
नरजुवतीसंगतिकरैं॥७१॥जु
वतीसंगनिसुनैनसौंसुन।
नैनरथैकेनसंगहीं।काम
हन्नलिहिरदैजलौंसोंनैमन
बसिकरमैंसजरनिरंतरनै
नै॥ऐसोबुध्यजनकोंनहोई॥
कोतिनसंगहोईजोकोई॥ज्यो
ज्यौमितप्रहरजोपितासंगी॥
बंधनकैहोतप्रसंगी॥७२॥
तातैतिनकेसंगहीतडैंभा
वध्यानममचरणनिजडैं॥

ताजनकै पा॰ येतनथैरंफी
संमेप्राष्ठेभासातिकण ॥
धारीयलदेस॰ छता
चरणनिबेद॰ नहैं॰ धनत
नहनहारहू मोहासौनि
तहाष्ठु॰ १ हैभरसातल
सिरदेबिग प्रत्यमानह्वै
पावतसबयेकसमानके
बहकामचलै॰ नबुधि॰ मो
लिसेयपाइश्रुति सुधि॰४२
मक्तिहूतेनिनिस ॰ हरहन
ते॰ नमरसबकालहूनाह
बकोसुबजानैतहीश्रीरस
कलसम॰ नलाकेई॰४४नि
स्पहजननि॰ ह्यबपाव॰
स्पहावंतकैनिकटिनप्रावै॰
बिषयनकेबस ...

सुरतिसबद्धंगबतांजोग
सुरतिसोध्यानलीकरैतौ
मनबेगपरजुलीपरिहरै॥१७॥
समधासनमैंथीयहोईजीव
नपुराबैकरैहोई॥देहसमो
निचलैनहाडोलै॥नासाद्रिष्टि
कथनसाबोलै॥१८॥इडापूरि
कुंभकथिरथावै॥पुनिरेच
कपिंगुलानिसरावै॥ल्लौसु
पूरिपिंगुलाद्वाररईडानिसा
रैबारबार॥सोरोल्है॥फिरही
मेधीरै॥रेट्राथिसरयसकल
पररहै॥२०॥नद्रवहैविधि
जोगकहावै॥नालनेरहास
तगुरतेंपावै॥२१॥मंत्रसरति
सोनामसगान्तं॥मंत्रबिनासे

निग्रनूप॥८ह्रीतल
सजलमेघतन स्याम॥तद्दु
ततुल्यअंबरसूचि धांम॥अ
रुणासरो जानिघ्रिप्रार्नत॥
मकराकृतकुंडलसु जराति
न॥८७कंठकोस्तुभ मनिबन
माला॥नुरनू गुलसालक्षिन
बिसाला॥सेषरस च्य‌अगदा
तुलआरिहसो
नासरव॥८७ सेम्रुमकर
॥राजस्यो॥ मूतिलोन
सिरभस्यो॥ नालिति
लव अंबुजबरनैन॥ नक्रिम
सारसुभाके मैन॥ ह्रीकर
कंकण॥अंगद मुद्रिका॥ पन
नूपरकटिमें क्षुद्रिका॥ प्र
कुसबजभजाप्रबिर॥

बहुप्रेममगनरहैजावै॥५५
कबहू ॥ निरतिप्रेमबसि
करै॥ कब गुनसैगुणनिबि
सतरै॥लोकवेदकोजाडन्
जानै॥जों- नमतसकलधों
वानै॥परसि॥जे॰ सोमेरोजैहै
ई विचित्र- चिकरतहैसा
ई॥सकलनव॰ कपापनि
वारै॥सकलनवनकोंसो
॰नतमारग॥६७ ॰सेहममाले
नतालोई॥बहेजलमाहिधो
ईये सोई॥६॰ ॰रजतनबहुत
बिधिकीजै ॰मलाबलोत
कसोटादीजे॥६१॥परिकेईबि
धिसुद्धनहोई॥कोटिनजत
नकरैजोकोई॥सोईहेमप्र

सकलचितवृतिनिरोधैं॥५८
पाविक्षिकनअ्रूपनैबसिलै
तबबिराटमैधारैं सकल
बिराटरूपमभजानैं। जो
तैंनिंभकथनसामानैं॥५९
यौबिराटमसरूपलोजानिं
नसैचैसयौभेदकोंनांनिध
तबलाहतेमनसोनिवारै॥
सहिनिरंजनब्रह्मविचारै
रै ब्रह्मविचारनिरंतरकै
रै सबआकारहरिपरहरै॥
आतमब्रह्मयेककरिदेषै॥
चेतनरूपअषंडतिलेषै॥६०
निजानंदमसैचलनिरधा
र॥सतिरूपसोवारनपार॥

जानंदपदलसै॥६६॥ नैंननिसो
[illegible]रोगजेता॥ ऐसे तातें कछनहि
छैसोई॥ पुनिज्यों ज्यों श्रीपद्द
लगावे॥ त्यों त्यों द्रिष्टितेत
निकिश्रावे॥६७॥ त्यों त्यों सक
लबस्तकों द्वै॥ ग्रापतापर
मसूश्राकरिलियै॥ तातें न कि
रूपों [illegible] ज्ञन॥ जातेंद्वैद
वनिरंजन॥६८॥ [illegible] ससारसब
नकौं [illegible] ग्रावे॥ [illegible] ससारमा
हिबलजावे॥ ग्रुरुजाग्रावेमे
रेचरण॥ पावैकोहि मिटैच
कचरण॥६९॥ तातें सबसाध
नन्तरमजानौ॥ ब पुसकौ
निद्वैतकरि मानौ॥ मनकेम
वचनसकलकोत्यागो॥ नि

सकलचितवृनिनिवारे॥ ४
पाविधिमनग्रूपनेबसिले
तबबिराटमेधारे॥ सकल
बिराटरूपममजाने॥ जो
तेनिमकधनरामाने॥ ४५
यो बिराटममरूपराजोनि
नसेचेतये॥ नेदकोनानि॥
तबताहतेमनरानिवारे॥
रहिनिरंजनबह्मबिचारे॥
हिब्रह्मबिचारनिरंतरके
रै सबप्राकारहरिपरहरे॥
ग्रातमबह्मयेककरिदेखे॥
चेतनरूपअखंडितलेखे॥ ४७
निजानंदनसेचलनिरधा
र॥ सतिरूपसोवारनपार॥
येक अजनमोग्रापेग्राप॥
रूपबहुधररूप निजरूपाप॥

मोबिनसंगतजैसेसबश्रोनः
मेरोध्याननिरंतर करः
...ति... मेधरे
कैसेनबचन निहिरहेरा
षे उद्धवश्रोरब्रजनकौंजा
षे। १७५॥ उद्धववाचो हेप्र
भुभक्तको ॥ विधिभावे
कोलारूपसोहि लगावे
कोलोकुहिसेर चरणो
प्रिजायवसेकोट मरणोउ
कृपासिंधु करणाकरे
...नजोगवाणीबिसतरो
सुनिजे निज नकोबा
नीतबश्रादरिजी पबया
नी॥ श्रीभगवानउवाच॥ उ
धवतोकोध्यान जोग
मेरारूपजोग तू जान जोगबिना नहीं उपजै ग्यान
सबसाधनकोसाधनरूप जीवब्रह्मको है यसरी

१०२॥हैला॥ येपैंडेतेसोक्षसौ
जाकेरिलरिपुरजाधूमन्ति था
मैंबिघनघ्रनेदरौ॥मोहोस
मऊाए॥२२॥३७॥१०२॥ येती
श्रीभागवतेमहापुराणे येका
दसस्कंधे श्रीभगवदुद्ध
वसंवादे ॥ चतुरदसोध्याय
॥ १४ ॥ श्रीभगवानुवाच
॥ चौपाई ॥ उद्धवजोगयेचस
मजाउ॥ तामैवहतेबिघनव
तांउ॥ जोइंद्रीयसनप्राणलो
बंधे॥ सावधानकेजोगली
साधे॥१॥ मोमैधरैआपनो
चित॥ ताकौसिधिबिघन
हैनित॥ जोलिनसिधिन
कोपरहरै॥ सोममचरण
नकौंमनसरे॥२॥

सेसेनाक सोनुलन्ले प्राणो
याम : रघुरे रावेरेकलक
रे कैलासमंतुरचेरे इद
नाहए : अतुरआवे : नासो
मिलिके प्राणाञलावे : रो
पोंवकालभ्र म्यासेकोई : प्रा
[illegible] न : सतीमेपिरलोई : व
को सो ग्र : केटवेकोआवे
भूल याधु वोला जिगसाधु :
: [illegible] कैहंजुघतेजुरहु कवे :
नाकनीजिसरजेलाचरे :
सुरं जमें सुरणालीसिग्राधु :
[illegible] मेस्रुजललडेजलक
सिललोंग्रजनलजिसल
को : [illegible] स्रजलरजलीसलोकेल
[illegible] सुलम्जीलेसलोंलि
ला : जाले स्रु : जुरलनेलि
[illegible] सलर ज़लिस्वालक

हिजातेदेहस
पुरातोईरै
पूर्वकोलो
मासधियेजोलोडतामोल
उजोलनक
बिसतारमजालदाक
हिमाहैसोलाम
धिसोकलायेवोहनल्य
पञोयादेह
मुखिलज्ञा
सोयेलन्बु
सिधिकलावेसमजत
निकटिनश्रावेरजे
तेईझायनोजानकरेजहात
ताकसबिद्यायनपरेतिन
सबनोगनिताक

ते छराणादहैदुछंदद ९०
सकांगिगगाग्ग्रलिग्रसाप
नास उद्मग्रयालेंग्रयतक
जांस ओरसलळलेग्रगळहे
नसगा डिसलेस्नालमिदे
सबदसगा ॥ १ ॥ हैसकिसार
उसनकुसार नयसरछा
सैसरेलार : छमाणलितेप्र
लसग्रगाली स्नाते : पैसगा हे
पैसलोयिरसलावे : २ पोरे
नसलोहिरमभ्रयल निसहि
नासिटैहिराडेलल ओरस
सजारसयपुलेले मेरे रपग्र
डगा जिसलचौ : : : गालिवि
डाक्ष न नलेहेचललोहिः ललि
लिग्रगान स्नावै लोहिः ग्रुलि
लईहस्यसकेक ल्गारे : ओ

तक [illegible]
पञ [illegible]
तांम [illegible]
मांसि [illegible]
नासया [illegible]
रैल्लों [illegible]
धूवारतपार [illegible]
सिधिसा [illegible]
नताकूगताप [illegible]
प्रतिलघुकर [illegible]
वैदिषितपरः सोयु [illegible]
मांसिधिकतावू [illegible]
याकेनिकटिन आवेः [illegible]
जेईहायनागनकरः जतात
ताकधविष [illegible]

ॐ चरणादैसैदृषदंदृ २१०
नमस्तीगिगणाश्रलिप्रजाप्र
क्तास्स गुरुकृष्यानेसृथूलम
जास श्रोतसकलसृगवेह
नमल डिनकेआलोमिरे
सनढ्यण : शवेसलिकिसार
गुनलकुमार नमसगुरुआ
वैसवरवार : चरणालिनैप्र
लिसृगालीआवे : वेकगहे
वेकलीयुरकावे : येवोले
नमतोरखप्रयंत निलहि
नमसर्तोरवप्रयत श्रीरव
नाहसर्देखिवाडेसनर पम
सनासव पूलेर मेरसु बि
हृणा जितचरे : नव
डाकम ननलेचलवोई : स्रुलि
विसृगान आवे कोई : स्रो
संदृसूधनोमन नारे

जनप्रादैरेनसीकोई॥१५प्रभ
सिद्धियेप्रति पुष्यानप्रेमलि
येनतेमधिमत्यावोपुंन्नाः
तिनकेगुणबापेनसोकोई॥
नामप्रन् मिन्सीयेसोई॥
१५॥दृ रिसरवणत्सुनेसनतं
नाड्र रिदृसदेखेस्वठनेन॥
मनकेवेगमलोलतं प्यानि
कामरूपवहरूपवनीनि
१६॥ प्रकेतनमेकर पुन्नमा
सिधिद्धयटी प्रकापा पुन्ना
निजवैभातन्तत्व
सोस्वयंतरूसपहना
मिलिनउनरतोपरोर
वा हैगतिनरूमनहूनिन
नेवा सोपुरकारपतन

ॐ कालनेली कलमलीक्ष्ल
तोंभाया : भ्रातेः भ्रायनिरगन
राया : देवैस्पगानिभ्रषडल
तो : तातेंजेपतगाको ई :
भ्रुनेरि भ्रमानितोमाहे
ललातें : लक्ष्लोपतगाबाभ
नभातें : भ्रेरे भ्रातमक्ष्ल
बिभाते : भ्रेक्ष्यो निकेहल
लिभांर १०० ऽ्रे रोभानितबि
भारतोतरलें : लिसहिलक्ष्
लभालिस्वलफले ज्यु
कारपकेरन रनन्ते
भ्रबलभोवतलोडगो :
तोकरिभ्रुलबिलो । भ्रलिड
ज्यांजेलरिः रकोडलो
भ्रलि : बिफिबह्नरे
भ्रोलिड्ग्रालहरेः

जलपंक्ता॥जातेलोवैयीसो
अपंक्ता॥प्रतिष्टासौंस्थि
कलावै॥हरिजनताके लि
रिनपावै॥रवैपूष्टाद्य
अरूपेपं॥च॥मिलतेही
ससकलप्रपंच॥येमैम
लरूपप्रचारी॥साधावह
तनलीबिसतारी॥२१कम्म
धारणाकरैंलेप्रावै॥यो
नकोबहु बिधि बिचला
जो तिनतें बिचलैनहांकु
रा॥तोमनबरगानिपावै
तबही॥२२आधारगाहतैं
आवे जैसेंजोगीको बिन
है सोसबउधततासो

स

कतारहैनुनाहीं: सोहरमके
रहेजालाहै: ऐसेकहन
कचजनमैंजाति: उद्धवको
लोप्रसन्नोविचारि:
कैप्रभुकोरस्यार
छिनलकौछिवै
गाहैन् अमरहि
किनेक निलकेनी
कनिकेलो: जोगनिकेविछ
ननकोहलो: नहप्राचीनसी
जाहेंपकले नकरीकेपय
नायडनजकै र उद्धव:
लिहे मैंजारी: नववाल
गालानेवड़ारी: रे
उद्धवविपि
कहिनकनाहेः ननेजार
कनिकनेहै: ननजै
हिलिप्रजान: हनसनि

तौ ... करै काहूसंकहैं ... नपरै रससातिकप्रस्कार
मनधारै ताकौंमेरोरसवि
चारै तबजेईट्टायै जोगना
करै बहुत भांतिबिधये
नबिसतरै ३० तैतेसुषपैजो
गीपावै सोवहूप्रापतिसिद्धि
कहावै मेरोसततरसपमनग्र
नै तातेंत्र जवनकोगतिजानै
३१ जैसेकरदीवालेषुरदेषै यो
वरवनग्राचरपेषै मेरेकौ
कालरसपमनधारै सबब्या
पकसब ... ईसबिचारै ३२
तातैसिद्धिईसतापावै विन
वनजानेमोबरतावै जाहीसे
जोगाकरवावै

A

बलोरहैंदु नाहीं : सोलरसमें
बहुआलोसाई : ऐसेकैलू
बजन सैंआरि : जुहवकी
कीप्रसनलिखारि :
कै प्रकारयार
गाहेद ग्रसलि लिखकोखि कै
बिनेव : नलकेनोसकरया
करिकोलो : जोगलिकेखिउ
ननकोहलो : नूदग्र्याचानसी
चाहेंसकल : नूकनरीकरया
नैयरनग्रक ह उद्धवदु
लिहहे सैंआरी : नबबाते
नागालेसवृयारी : ई लिखि
जुद्ववालिखि
लसंभ्यार
सहसवकोलाये : ललसंये
कलिकलवलाये : तसवमलि
हिलिदलूच्यान :

नैननमैसूर जिकौंध्यावै।३१। सु
सूर जिमैनैनबिचारै।३२। परिहै
नमैशिकौ लेषै।३३। लबसौ तिह
लोककौंदेषै।३४। पपवनसहति
मोमैमनधारै।३५। लालनामसु
रूप बिचारै।३६। सेमनकोंद्रिढ
चलावै।। मनकेवेगजातातिज
वैर।३७। सारसेरोरूपबिचारै
तिनसौतिनमैमनकोधारै
चासैनयारूपलषजोरीबार
नलागैतोवैसाईहै।३८। कस्योप
बेसलाचालैजामै।। ध्यानआप
नौंआनैतामै।। तबलौतनमैजा
बेपैसो।। नंगफूलतामातोजैसे
।४१। मूलद्वारपदबलजगावै।।

नकोस्वामीकरिमांनै॥ध्यावै
मोहिसदाश्रद्धा॥तबकोइनि
लीभ्रापैहद्वा॥५७॥सबमैंव्याप
सकलभूतातां॥निर्धैनसूक्ष्म
गनिजलस्नात॥अैसैसोकौ
ध्यावैसोई॥ऐसोलछिणपावै
जोई॥५८॥जोमेरोअवतारनि
ध्यावै॥आयुअष्टत्रचवरमन
लावै॥ताकौकहूंनपराजयहो
ई॥सबहीनमोहिबिराजैसोई॥
॥५९॥धारणाकरैमनमजाई॥
सिद्दिनपावैयोगीसोई॥पंच
... प्रतरायलेसारे॥मेरे
नकोइहरिनिवारे॥६०॥जोतैपेई
नतेमैनाही॥तातैमनमजनहि
कोटिनजांई॥मोहिनलहेतय
सेव
सेवै।

कलाये मिथ्याक लेकेंदे
नगलाये अज्ञोसेक य
कैसेलोई यथासेक
लकलाये सोई जलगये
चाहेतलजावे प्रतिछ
त सिखिकलावे १४
येदस कि लिखाइसक
लाये औरपंचतुकनहि
येगाहिये हुतमोनप्र
चूतनवापि सबकछुजा
नैलखमूलछ २० यहदे
सिद्धि त्रिकालग्यान आगे
लिखिबमानौ ग्यान सात
जसन आदिकजे हंह ति
कहीनिवारे सो अहद
२१ बिषअरु प्रगनिसूरज

नकोस्वामीकरिमानै। आवै
सोहिसदा१४२ह्मलवकोईनि
ताआपैहह्म ॥ १४३सबमैव्याप
सकलअतीत ॥ तिपैनसूरश
गनिजलस्नात ॥ १४४ सेमोको
आवैसोई ॥ प्रैस्यालखिणपावै
जोई ॥ १४५ ज्योंकेरै ॥ प्रवतारनि
आवै ॥ आयुआक्षत्रचवरसन
लावै ॥ ताकोंवहनपराजया
१ ॥ सबलोकोहिबिराजैसोई
र ॥ सोअरणाकरेभजजाई ॥
सिद्धिनपावैयोगीसोई ॥ पंथे
... प्रतरायहैसार ॥ मेरे

तातैभजनति

स गुणरूपजोकछु विस
तारा से तांनो विवित्सय
समारा तांहितां हिमांहि
मनल्या सोतैसोसि
द्धिलापावे सबु स पर
सरूपर गंध पंचभू
तक अमबंध तिनमे
जाजा है नलो तांतांके
निल्य वे २७म
ततु मैमेनालावे प
च तत्त्वाकरिसावे
जाजालाबमे नर्धारे
लोनेतारी ... र लबप
... र पंच ... ५
मांन ... गीधारे
धमान तातासमेल दी

नकोस्वामीकरिमानैध्यावै
सोहिसदाप्रद्वंद्वातवकोइनि
लोब्यापैद्वंद्व॥४७॥सबमैब्याप
॥ रिपैनसूत्र
निजलसातः॥ जैसेसोको
ध्यावैसोईपैसोलषिपावै
॥ जोमेरोप्रवतारनि
ध्यावै॥मायुधछत्रचवरमन
लावै॥ताकोकहूनपराजयाते
॥सबलानमाहिबिराजैसोरी
॥ सोध्यारणाकरैमनजाई॥
सिद्धिनपावैयोगीसोई॥पंथ
प्रतरायरसारेमेर
नकूहरिनिवारै॥५०॥जोतेयेई
॥तातेमनजनि
॥सोहिनलरैहय
॥सोहि नजेतिनकोय
॥५१॥सोहि

नुपजावै ३३ ग्या दिपुरुषसोमे
रोसरूप तासेंच्यारैचितरूप्यनूप
तातैसिषिरूपनूसरूपावै:
निव पुनरविन भांनदउवावै:
३५४ निरगुणरूपकमाहिमन
चावै: सरवकरतासनवहेसोवि
चारे: तातेंविसितासिषिली
नवै: सोतीसोपावै जोव हे ३५५
सुभसरूपमय सोहिविच्यारै:
तामैंजोगाजनकोंच्यारे: तातै
सहजसुपपहलोई परतुरली
नतोपावैकोई: ३५६ जगहिया
च्यार आणोजन च्यारे सबहर
पनुरमाहि विचारै: लवहुल
नसो पटवनम्रविकासा: सबै
तासोंलोंसंच बनोजिनासा: ३५७

नाथ्यो गंपोन॥ याते [illegible]
भ्रूग्पोत: ५ हूं [illegible] दो [illegible]
करिदेघनो॥ [illegible]
ग्पोन: पूर्वा [illegible]
बहे: छैहव [illegible] स्सुनाल॥ [illegible]
पुद्दा ५ है॥ यतो [illegible]
रासा [illegible]
[illegible]
[illegible] रो २५ [illegible]
[illegible]॥ तुलसीपन [illegible]
नासी: [illegible]
[illegible]

जोमनलो [illegible] हि भुवन सरै॥
१२ सुरग [illegible] निताध्यावै॥
तबतेसह तिबिमानलाष्यावै॥
तायागीकोसुषउपजा [illegible] ॥सो
जोगीध्यान बुध्यावै॥४३॥जो
जोबसु [illegible] ध्यावै॥ताता
[illegible] हि बिचारै॥सोसो
[illegible] ८ काल॥जबलाचाहै
कालषु [illegible] ४४ सकलनिषु
तासबकोईस॥निलस्याषी
[illegible] कैसास॥जोगीषै
सेमोकौंध्यावै॥ताकोध्यानन
कोईमिटावै॥४५॥ध्यान सब
भूवजामी॥ [illegible] हिसक
लकौ [illegible] मी॥भुपनाजानै
नमस्कार ताकी॥ध्यानबुकाल
[illegible] मनकी॥४६॥प्रकृति
गुणनितैन्यारोजानै प्रस्ति

ह्म नहीतुमकौनी॥तौलै धेहू
लगतिचानौ॥यह प्रश्नअद्भु
नहींकरी॥तासौंमैंजो बिशिष्ट
चरी॥७॥ताही बिधि अबतौहि
सुनाऊंजो ऐसैं ब्रह्म दृष्टि धर
जी केरवकु अरु पांडव कुरषेत ऊ
बतीजुरे तारपके हेत॥तब
अर्जुनके रव सब देषे॥सक
बंधव अपने करिलेषे॥ये न
बन्धनको जो मैं मारौं॥आपहि
आपनरकं डारौं॥ऐसी बि
धिमानपै अहंकार॥आपहो
नौं मारनहार॥तब मैं ताहि
नसमझायो॥ताकौ सब अगप
मिटायो॥१०॥प्रश्न करी अर्ज
तब ऐसी॥तुम्ह मासौं कीन
है जैसी॥तातें तुमकौं उछ
जो॥या बिधि ब्रह्म दृष्टिके

डोमनलो ... तिभुवन सरे॥
पंरसरग ... नितापावे
... तिबमान ... पावे
ताघोगीको ... सो
जोगीध्यान ... ध्यावे॥४३॥जो
जोबस्तु हिरदा मैधारे॥ताता
कोभ्रममोहि बिचारे॥सोही
लापावे॥ तकाल जब ...
कालध्य ...॥४४॥सकलनिपु
तासबकोईस॥निनस्वामी
... कैसास॥जोगीध्ये
सेमोकोंध्यावे॥ताकीध्यानन
कोईमिटावे॥४५॥ध्यान॥ सब
अंबजामी॥ध्यावेमोहिसक
लकोस्वामी॥ ... पनजिनेन
नमस्कार ताकी॥ध्यानत्रकाल
रसबकेमनकी॥४६॥प्रकृति
गुणनिते ... जाने पुरुष

स्म नहीं तुमकानी ॥ तातें पहु
लग तिचान्ही ॥ यह प्रश्न अनु
नहीं करी ॥ तासों जो बिछिनु
चरी ॥ ७ ॥ ताहि बिछि अब तो हि
सुनाऊं ऐसें हस्त द्विछिनु पज
नीं कैरव अरु पोडव कुरषेत ज
बहीं जुरे ता रथ के हत ॥ तब
अरजुन के रथ सब देषे ॥ सकल
बंधव अपने करि लेषे ॥ येन
बहन को जो मैं मारो ॥ आपही
आपन रंकू उरो ॥ ऐसी बि
छिमान्यै सूरकारा ॥ आपही
न्यो मारनहार ॥ तब मैं ता हि
न समझायो ॥ ताकौ सब अरणप
मिटायो ॥ १० ॥ प्रश्न करी अरजु
तब ऐसी ॥ तुम समासो कीन
है जैसी ॥ तातें उत रक्को उज्ज्व
[illegible]

जोमनलो[illegible]हि मूनुसरै॥
परसुरग[illegible] नितध्यावै॥
[illegible] तिबिमानलोग्रावै॥
तायागिकौलुबउपजा॥ सो
जोगीध्यान बुध्यावै॥४३॥जो
जोबस्तुहिरदामैध्यारै॥ ताता
[illegible]हि बिचारै॥ सोसी
सापावै॥ ८ कालजबलाचार
कालघु[illegible] ॥४४॥ सकलनिर
तासबकोईस॥ नितस्वामी
[illegible] कैसास जोगीगे
से कोकोध्यावै॥ ताकोध्रानन
कोईमिटावै॥४५॥ग्यान सब
भूतजामी॥ ध्यावैमोहि सक
लकोस्वामी॥ पुरुषनीजानेन
नमभार [illegible]की॥ ग्यानज्ञकाल
रसबकेमनकी॥४६॥ प्रकृति
गुणनितेन्यारोजानै॥ प्रकृति

ॐ

मनरोषे॥भेद३ध्यानमेंमुख
जानो॥ॐकारमंत्रनिसेस
नो॥१६॥छंदनिमातिगायेत्री
छंद॥मेंप्रकारप्रहरकेवि
दा॥सबदेवनिकेमधिपुर
रा॥सकलबसुनिसेमेंबसु
१७॥नारकंठयेकादसरुद्रमे
षिसूनामहादसदिनकरम
तिनमेंनगुजेस्पब्रह्मारिष
तिनमेंमनजो॥सबराजरिष
॥देवरिषिनमेंनारदज्ञा
नो॥कामधेनिधेनिनमेंमा
नो॥सि धनमेंकपिलस
रूप॥१८॥प्रजापतिनमेंमे
हर्षि॥तिनमेंभृगुजानो
मेंनषि॥बादनमेंप्रथ्याद
मबाद॥सबप्रसरनिमें

पंचीन साहि

बताकी मैं प्रतिपालक
सं तिन तिनकी ममप्राप्ती
नसिधिम्रसजेगसोचित
ज्यांन रमे गाप्ते पर
सबकोताकुनिस लकासु
मीकैसबा नकीं दद्रजामं
सबमैबालरिद्रातरिघेक
मैं तैसकलअनके पेरोपं
चन्नतसबनतनमाती बात
रिद्रातरिदजानांती त्योंसब
मैंतानांतोप्रान प्रांनदुरिसे
लाग्रगपान पवतांते तत्राव
नलीश्रां नैं केरो रूपत
कलकरिजांनें साधान सि
सकलअरमतेजे मैरेथ
णानिरंतरनजैपु ममप्रसाद
चरणानपावें प्रतिपूण
रजवदूषमिटावें येमैतोसो

निमोहिबिप्रुमसबासः२५
सकलसर निमैस्यपसम्पु
थकचारिनमैस्
मैरोश्चनृपप्रायुश्चनमो
ःश्रमनिवासमैस्तेनास
पजेश्रुतिगरनहीमालैति
मैपीपरसबवनास
मैपिरोहत निमो
नितताहूरसपति
ःर६ सैनापत
तिसेनानीःचरमपुह
तिकहृत्याजानीःसकलप्र
वृषरिनमैजवमोलिजानी
पितरनिमोहिप्ररजमामो
नौःरशहूलजगपसबुजप
नमातीःहतपुड्योहसमिको

ब्रह्माकी मैं प्रतिपालक
संतिन तिनकी मम आधी
नसिद्धिप्रसंजोगी सो छिन
ध्यान [illegible] रमै [illegible] जागी पर
सबकी ताकू निसदि [illegible] लका स्वा
मी मैं सब [illegible] जामैं
सबमैं बालरिष्टातरिषेक
मैं मैं ब तैसकल अनक परोष
चतसब नतनमाही बाल
रिष्टातरिहृजानाही त्योंसब
मैं हानाही प्रानी आनंद छिस
लाआगपानापक्लात तताव
नलो आ नै मेरो रूपस
कलकरिजानै सा [illegible] नरि
ई सकल भरमतजे मेरेअ
गनिरंतरनजै पु ममबुसाह
ममचरणनध्यावै प्रतिपुण
रनवृक्ष मिटावे ऐमे तोसौ

निमो हि बिभ्रम सबास॥२४॥
सकलसर॥ नमैस्यप सम्पुद
सकलमध्येकधारि नमैस्
दू॥ मैसैध्यनूपभ्रायुध्यनमो
तो॥ भ्रमनिवास मैस्तेनाल
२५ जेगुतिगहनहीमालै ति
नमै॥ मैपीपलसबबनास
यतिनमै॥ मै पिरोलत निम
हिबसेष॥ नसाबूहसपति
जेलुहासिरेष॥२६॥ सैनापत
नमोहि सैनानी॥ चरमपुर
तिकबुलाडानी॥ सकलशु
वृषारिनमैज्वमो हि डानै
पितर निमो हि भ्रजमाम
नो॥२७॥ भुसलजगपसबुजप
नमासी॥ भूतभ्रूडोहस मिल

नोनो ॥ २ आलानहानुमहोनेये
कु थेसब नरमओ हिछि ग्रने
क ॥ हे पुनयेतगम्र तिविस्ता
रा ॥ जैचेनो चाविबछि प्रका
रा ॥ ग्प्रकआजीवसतिकरि
नोनो ॥ निष वनसौवहमा
तिजवानो ॥ याकेपेवदछि
कोग्रावे ॥ कै सकलवल्लनको
आवे ॥ उपाज वेतनुवडन
न तने ॥ हुलहिछिदेषतहेउ
ते ॥ तालेतनुमम्रबवकरणाकरा
निनवि नतिसमेसोविसलरा
४ तिननेदेछिसब निवेदव
तवम्रदेतहुलवकारिलेषे ॥ बेल
निवुधवबकेडतमबेन ॥
तरिसीकरणाजैन ॥ है
नुद्धवप

निमैंज्ञानोनिरंजननिर्मैंस्र
नाजितमानोदेवलसत
रतितजेदूजोकमलकोस
सबसानमेस्ठुद्र‍ै‍जुगनि
माहिसतजुगस्वनामाजेह्न
माहिबेदमेस्यामब्यासनि
माहिब्यासद्वेपावनमिलमे
तुमजोबिसनपराधनारेक
बितमाहिकबि अकलज्ञान
सक्तिवंतमसर्पंतनसानो
बिद्याधरतिनमाहिंद्रसन
पद्मरागतिनिजेमगनारे
सबत्रणजानिनुमेकुसज्ञानो
कामवस्तुमेआद्रतमानो
तिनमेबन्जेसवबिकसाए
जेमारगसवतिनमे
ये

करौ।११०। इमै सब हानकौ
स्वामी।। दुलबहानकौ ग्रंथ
जांनी।। ११। तैसैं बिवेक ५
जांनै।। इपोबो सबकौ बर
तांनै।१२ सकल रूपैमें रम्या
चीनौ।। भोगमै सब होवे
लीनौ।। तातैं सबमै इजानो
लौ।। यौं बिचू तिजानु मन
मानौ।१३ अतानीं बल ... कौ
कह।। तेरा ह्रदै दिव्यकौ
दह।। सब रचिकमांहि मैर
चिक।। ... नमैं कालसकल
नचिक१४।। ... मैं ब्रक्षि इस।।
कारवादी।। पंच भूतमैमै भूत
दी।। स्वलक ... भनम
जानूं।। बडेनमांहि महतव
लीनानूं।१५ सूछम तिमांहि
जावदैबौ।। सब दुरजपैम्रांहि

तारनिमें प्रकासालेजा रही नुले
भावकजानो॥ निष्कलंक लिं
लिमानो॥ गरीर निमें प्ररजुन
बहुमानो॥ तत पतिष्ठस्थान
मीतकरिजानो॥ इंद्री घट नलु
ह्या दिकजेते॥ जोतीसवनिंद्र
तेतेत॥ सवला...
यनिगहो॥ तेजडतिनके चेत
निरहो॥ सवद्स्पर सरूप
सगंधनितेंपंच तनसंब
...रइंद्री पंच भलमहलच
लकार...तिनका...
तिछिकाय...जो वनकहि
चूपेनाम...
सवमाह...
कबहो...तनपार...
तवसो...

प्रसलाद॥२०॥सबपरकास
मोहिदिनेस॥जबिरबिगा
मोहिधनेस॥तन ।सो
सकलजु। डुगण॥सबधा
तनमेम ।कंचन॥२१॥गुज
निर्मां ।मेगजप्रुरा।द॥
प्रनगडेसिबिनुपजावृत
तसो॥[illegible]॥ ।लज
नागनभमक। पप्रनत
ररतरनमोदिभक। पन
रेस।सपेनिमेबासिकस
वपेस॥जेबैअवादपनमे
जानोद। परव ।नमे
।भमाना॥२३॥सद। दमग
नमेमेमगराज॥सरितनि
मेगगा॥सिरताज॥सरबप्र
भूमनिमोहिसन्यासबर

पबिचारो देक
तांसोई आगाप
३९ अ्रुैसोज्ञानि
हृत्तलोपायज्ञ
अरूतनमनई
थिरकरिजिनि
ध्यान ५० ताके
चरनो जपतप
करता कार्योक
जलजैसे पलट
सबतेसे भीता
नप्रान सबको [illegible] धन
ध्यान मोहिध [illegible]
ावै तबरसा [illegible] नहिम
र [illegible] जौनदर तो [illegible] प्रो
न्तृतिकोगयो [illegible] पे
लसब देखो [illegible] निदिन

प्रसलाद॥२०॥सब परकास
मांहिदिनेस॥जबिरविग
मांहिघनेस॥तिनमैंसो
सकलजेउडगण॥सबध
तनमेमं [illegible]॥२१॥जु
निमांहिमैंगजनप्ररावत
भूनगजेसिंधिन पशाव
तल॥बसु॥जेसबजलज
नागनभमकर [illegible] पञ्चनत
२२॥नरनमांहिमकर [illegible] प
रेस॥सर्पनिमेंबासिक
रूपेस॥ [illegible] वा
जानो॥२३॥चरन [illegible] तिनमै
जमभानो॥२४॥सब्द २ मग
नमैंमैंगगनराज॥सरितवि
मैंगंगा॥ [illegible] ताज॥सरबभ्र
भूमनिमौं [illegible] सन्यासबर

स्थिरमासोसबजगलौं प्रलयसूय
रमा।जबमैप्रथमभयोये स्सा
र।।तबनसाहतोकरसलिस्ला
र।।१५।जेईजि मोलेलतलखे
मोहिसेयतेतेउपवैसंकैहलय
कृतयै कमध्यांमो।तालेसो
कृतजुगसेलांसं।१५।केदारस्य
तबबेद।।मैसेकथू।।कुतेलंती
नेह।।सबद्वीपजलनिरसब
तकरे।।मेरोध्यान निरंतरध
रे।१६।ऐसेसबआपनिपूजे
सबमेरेसे चरननलमूलसरैं।
ताबिषै नयेमतिमंद।।बिष
नतेमान्योम्रालह।१७।तिननि
तिबहुतदिमकरेनंराजुसते
पनिबिसततरे।।तबतिनले
बेदबिसतारे।।बलोतजाति

नासी॥ वायुअगनिजलसूर
जिवांनी॥ अस्मनयेपटसो
येकजांनी॥ २ चारचतुरदेतस्यू
तमाबिचार॥ छत्तिचारानमें
संतकुंमार॥ असन्नांनमेंस
तरूपांवाणी॥ पुरषनिमेस्वा
यंभूमनुजांनी॥ २४ सावधा
नतिनमेंल॥ ६ सरअन
यदैरतिनमें॥ २ अतरामें
लोंध्यरमअनेको॥ नांगुच
नली॥ श्रीयेकौनस॥ नि
३० तेरा॥ पा॥ पुरषसं॥ ओ॥ति
ते॥ हसनाहलपरलबल॥
सकलबान॥ निमेलन॥
त॥ स्सीतिनकाडिमम॥ प
बसत॥ ...गसतांमास

सद्गुपदनाचे मौनै सह
तिग्रस स्यंदहन तेंकी
विस्तचर्यर्जैरसंतली
रे व हास्यलजु ज्योव
मस्तक हते स्योसेत
ातेसकलचितामैयेका॥
२४
सिमेटिज्जोकैरोसोसो
चन्यविस्तरैजाजा
त्योत्यौताको
लपिणनिपज्यो॥२५ उचेसुग
हतेंजोर्न चौ॥नाचेसुंगहलसो
नाचो॥तिनकेबहुविधिनपे
सुनाव॥तातेंनुपजेनानानाव
२६ सम्दमसतिछिमासंतोष
सहादया त्नजपजैरोष॥तप
अरुसौचनिमृतममनक॥

३५ प्रसंगयसमाधिमेयोगा ॥ गनि
मै ॥ मैं लौ हर्मि त्रिमावंतनमै
धीरजमैंहैध्या ॥ रुव ॥ मैब
लातिनमेजबल ॥ तोरि छिल
निर्माल्हि छलमैलौ जूप ॥ मेरे
हेलिकामम ॥ प ॥ बासु
देव लक ॥ नवीर ॥ प्रधुम्न
अनिरुध सरीर ॥ २७ नाराय
णहयग्रीवम्मसीधर ॥ नरहरि
प्रजम ॥ ८६८८ ॥ ब्रह्मचे
नमें ॥ पूजाजानी ॥ बा ॥ देव
तनामें के सोतो ॥ २ ॥ तिनमे
थिरतजेसब ॥ धर ॥ पूरबचि
तनामें मधूपल ॥ मैंहबि
श्रावसुगंधबी ॥ धरणमाहि
गधमैसरब ॥ ३ ॥ पीरस ॥ जमा
हिसबद्दआकास ॥ रविससि

त्यहिमो प्रस्वारयसहि निर्जीव
जरको ॥ ऐसे
बकोसाप्यारा ॥ जस्सानें ३३ म्र
यचतुआ भ्रमकेलषिण ॥ छिलय
येजके [illegible] सिकहे ॥ नलते न हि
पाईचसो ॥ विप्रविनिहैं स्याहिंसु
ण ॥ येनकोसकलबेदलिखित
ण ॥ ३३ ॥ जो ॥ पोहिकसरसार
तिहबरणकोपे ध्रुपचार ॥ जब
तेंबहरिजनेतुपावे ॥ तबलेंउ
रके निकटि रहावे ॥ ३५ ॥ बह वि
धि गुरकोसेवाले ॥ बेद्रुपदेश
रपनिउरधेरे ॥ जो नें मेंबला
करजपमाला ॥ ३६ ॥ कमंडलपु
स्तकरगापाला ॥ ३७ ॥ दंतवस्त्र
तनमलनिनिवारे ॥ सीसजु
टालस निकुसधारे ॥ स्नानन

हंसंइ॥ तिनकौं ... गनतप
रैनंपेज॥ तोतक ॥ बिभूतिक
लौं तौं॥ ताकै ॥ मेरो स्यत
लौं॥४५॥ सुरस्वरग ॥ गति
बिभूतिलाकलो॥ हैताहुषिय
सोबिषिदहो॥ लज्यातज ह
मो धनदान॥ ५६॥ लाप्तर
स्ष्पा॥ ४६॥ बलसोनाह
स्थारज्जलो॥ ममबिभूति
जानोतहातलो॥ पेबाभूतितो
सो... कलो॥ पाक पारक
हिबेकौरलो॥ ४७॥ मनथिरक
जकरणएजानो॥ पहरै गपात
करैमतिमानो॥ ईडीपबूभिदै
ल मन ॥ ५८॥ निश्चलकरिदेप
लगा॥ ४८॥ मनतेसबअ
कारउतारा॥ चेतनिमेरोस

देव॥ मयो॥ गुरुकौंसै
तनकेकछुआपरन्नदेवै
हता आदिऔरकछुजोई॥ पुरु
कूआनिसमरपैसब॥ जौ॥४॥ ज
बगुरुताकोंआगयादेवै॥ तबञ्ज
दआपहलेवे॥ बैठबाडेआवत
जात॥ नोडनसेनरातिप्रजा
ति॥२२॥ नीचजातिगुरुसेवाकरे
अजुलासोंपाछेअनलवै॥ ऐसे
बरतअघडतिभारे॥ मनहमें
जौनोगबिचारे॥२३॥ ऐसेगुरु
कुंबरतेसाई॥ जोलगबहसम
तताई॥ पुनिवृत्ताकेलाकसी
आहे॥ नोगृहस्थसन्तोसबाहे
॥गुरुकोंदेसमरपणकरै॥ बे
बिचारिहिरदैमेधरे॥ गुरुस्रू
आपस्रगनिस

येकैसैंकोरे॰ मन आवे करम
करते नक्रिहापावे॰ मूरतुम
या कीर्तनधारी जाते निज
धरमनि॰ सतारा॰ जोबेकु
पथानैकरिलो॰ ये निजधरम
नहाजुचरिलो॰ ताप्राछेकोईनही
उधरैले॰ कहिहे॰ येनिजधरम
गु परहरेले॰ ऐसासूनिउद्
वुकीबानी॰ २ पनवालसारग
जानी॥ ११ ॥ ... ब
निधननिउध॰ जनमेर॰ हुजोनही
बरा॰ उतह॰ मेरो निजजनक
होमैसोई॰ तपरापवरते आई
तातै॰ मप्रकारकरयो॰ मोते प्रम
धरम बिसतरयो॰ उद्धव प्रमध
र॰ मभनको॰ रसकसते क
रेबूकती १२ नक्रिबिनाजोकी

ऐसीबिधिजवसायु।नहीं।मि
रेब्रमरूपकूजलौंग्रस्जोल
हे।तौपैसकौंम।तौसोकेंडूब
तीम्रस्थोमा।५०कैंनैंकोंमस
रेबनवासह।केम्रथिकोरघा
स्न्यास।ग्रस्जोनपडेमेरी
जगति।तौजीवरेकों आस
कौ।५१।यत्तेहूजचयैकोधर्म
पातेंइजोसकनंम्रधरमच
बगृहस्थकोधरमस्नाउं।।
सकलगृहस्थनकोसमझाउं
५२।हमलचयैजोलहीठहराहे।
तोगृहस्थआसमैंप्रावे।गुरतेब
हपदेंजबसी।गुरुदछिणादेमै
तूनिजबसी।५३।गुरतेंग्राज्ञा
नेंउरधारें।तबविधिसोंग्र
नं भलाकरे।तबदेखेउतमकू
ना

केकरमनिवारो॥१८ धूरणोसमकै
नेहनुपाये न्यारेन्यारेकरमयो
लाये॥१९ जैनो [illegible] धरमत्या
[illegible] सोनरभ्रमपेनरक
मैपरै॥१६ ऐसेबातेविधि
नयेदिखाये॥ येरेकरमनिमे
[illegible]राये॥ तामैनाष्योआतम
[illegible] ॥ विनसकलधरम
[illegible] कोतजन॥२०॥ वलीरवयो ४०
आरंभनरचैहै॥ ६८ सतलली
[illegible]लचलररहे॥ तिनकेहेतजि
[illegible]उपजाये॥ [illegible] मरूपकाहै
सबनिसुनाये॥२१॥ विरमुज
जनकाजेतामांही॥ हेतदृवि
आनिजेनाहीं॥ [illegible]तेवी
[illegible]उपजाये॥ कुवाबाहनि
तैबनाये॥२२ जेहनिबेसपद

ईनोल ह्याणिबिभ्रमनूरको
२७ कृमोतेजबलजुदिमधी
८ रजुहारजभलगंचारबि
भ्रनकमेरौदिठनावु पेहि
वी । लभपे नावु र बुधि
भ्रसीकहानजुदेन बिभ्रमकु
बुदिमभ्रारे न बैसनयेलोन
लीहिणा मंदबुधिफिरको बि
चखाणा रसंगाईकूतिहेबरा
सेवे तिनतेकधूलेसे
वै सति ८ तोभकपटतानाही
पेलबिणेसइ निमाही २० मि
थ्याब भ्रसाचेभ्रसचोरी
बुदिनासताकेतिरहेकेदारी
कामक्रोधभ्रसलोन बिकार
बरणानाचकेपेपुकार २१ का
मक्रोधमदवभ्रमारहित स

तबतागहै आपनाछूती। ऐसेजज
नयेबुतिदिनकरनैअघगृहस्थ
कौनासापुरसनै॥६ पंथ रिवैपाव
रिषनकौजजैसकैरिकथुलोक
देवतनिजजै। नहलिबनिरस
न्ना जैसैपितरा हुरसैनादि
सकतिसैसैानद्व ५६ सीलिलि
सबलनिकैसैकैजानेर्हआर
सबनिपरिकरागंआपै जैास
सजनाकाहैजनपावै। किबान
यहतेजुपजावै।७।नासैसोग
आपनैपावै आरजन्नकरिने
हिसतेपै जेतालागेतिगृहस्त
लाई तेताधनरापैसामी।९।
औरसकरसमसेततलगावे
नूलिनहजैमारगनाहि जहि
पैसेकुरबहमाहो तफरिनं

चं चलनकदेनकै लोकबारता
लिरदेनचौरे २६ मुवपुरिबत्या
गासंनांनां लोभस्जपमोजत
जलपांनां येनमैब वनन्ही
उच रे नपकेसादिकदूरिन
करे ३७ सदानिरंतरहिदवृत
धारे कबहनृलिबिदनतांउ
रै जैश्रापहातैजावेकबली ब
हतत्रांतिपघ्लितावेतबली र
करिसनांनग्रस्त्राणायाम
जापकैरे त्रिय दीसेनाम
श्रीगुप्तकेगुरु बिप्रगाई स
मूनाहू दूनिनवनिकराई
संध्यापासनकरेत्रैकाल ब
चनन बोलेतानन चाल
रुकूमेरोरूपहाजांने नर
बुधिकदेनहीश्रानें ४० सर

चिम्रुतराछेपरह्नौछे०
१ छोरस्ह
१७१
छिके

सिर

गुरुताम्रा सिरहावे छेसेतु
ताम्रु क्रिकेमानो छेरहक्ष
सिरदैनहाम्रानो७ हुस्को
तायेनवनम्रास छेजुलतीसु
तादिकनसोम्रजुरहो छिमीय
सपरचुसनाम्रालुरापानरह
तिकरमनिमेचालुर छ८ईम्रु
पहाम्रबसिता छिलेडानेम्रो
रनका यताउरम्रानो नाह्वि
चपितरहेसेरहको बिनदुष
लहेबहातेर यैबलालह
सनतिडाकी मोबिनतोपेक
तागतिनाकी सेम्रनायमोबी

मोहिमूरकधूनाती ४५ ज्यू
तीग्ररूजुवतीनुकेसंगी रेन
कोकदीनहै ४ ८ लंगा इसत्र
सबानीग्रितास तगेहूरिमाँ
निग्रतिवास ४६ सोचेग्राच
मनग्ररू ग्रान से ग्रापा
पसनिगत नेमोन तीरथ
सेवाजपतप[illegible] निष्पा
तजेहुसस नाबणदूष्या ४७म
नग्ररबचनदेहबासिकरे मे
रोचजनहिरदामेंधरे ग्रर
मन नजनस कोधरम न्त
ाहि नासबधरमग्रुधरम
४८ग्रैसैं ब्रतचायेब्रतधारी
द्दिढतपनिसा[illegible] बिचारी
बिगतपापग्रैसीबिधि होई
मेरीनक्तिकेतबसोही ४९

श्री भगवानउवाचे चौपई॥ १९
बमैकहू चरमबलबास॥ १॥ सु
ध्रुबिकारसह तिस्वेल्म्रास्वाद्वात्ते
मेरीनक्षापावै॥ नहि पाउसम
चरनतोग्मावै॥ १॥ भ्रुवयचासहे
तेउपरति॥ तत[illegible]बनजाचेसे
इकिता॥ नारीसुतनिमैरहैनद्व
स॥ जोबिधिबनैसं गहैलहैर॥
२॥ कंदमुलफल[illegible]तिलीवैरै॥
बकलसमगघ्यालातनधरै॥ च
पापर्णनिकासेन[illegible]सवारै
ईसमनकेसबभ्रुपेनिवारै॥ ३॥
केसरोमनखद्दरिनकरै॥ रेहद
तमनलहीपरहरै॥ नृमिसेन
विकालसनानै॥ मलनउतारै
सुसलसमाजै॥ नेगाप्रमरि

नल कृ षिण करै बिवाह तिरी
याबिच पक्ष ॥ ५४ ॥ दोष प
नौ गू विकार । तौ जो करै बि
वाह बिचार । बिष्ट बिवाह च्या
सं बरणं ॥ विप्रयोग विबोधि
करणं ॥ ५५ ॥ बै सि ॥ ॥ वस्त्र
स्तु ॥ द्व ॥ सु ॥ भक इति च नक
॥ ज त म सो जो ॥ ॥ ब
तै कू व नसो ॥ लत ॥ ५६ ॥ सुर
तिगू ॥ ॥ ज म स दोन
तिह ॥ कौ ये क ल ॥ ने ॥ दोष
नं ॥ करवा व नै गू विकबि
प्रकू बे दै परावन ॥ ५७ ॥ प्रयो
तो न कृत है गू से ॥ प्र ग नि म
जल कू वा जे सो ॥ पन तै हू सतै
ज न्म न रहै ॥ ताते इनकौ विपन
ग है ॥ ५ ॥ करिकै सिलादे हनि

सबैद्वीपग्रस्थनिपरहै सैसग्र
रूपैचैसनहैपैनसीतामांहीं
नेबष्येरजतीसोनासी॥१८॥
नि ह्पाकरै सपसुरीबिप्र ग्र
रकहै गहैनह्रिपा सोउछिप
चतुबिधिजेतेजानिरहैस्य
ह्पाकेतेतेसोबिप्रकहैजेह
सप्रकार॥तिनकोतुमसोक
हिबिचार॥देवबिप्रबिप्ररिष
तोजानौ बिपुबिप्रग्रस्हिवी
मानौ॥२॥बैस्पस्टुद्र पेक बिडाल
पसूरुमलेछबिप्रचिंडाल॥
नेह्पानितिग्रस्हपरैपढावै॥
नकलग्रथेग्रस्तत्वबतावै॥
भजतईद्वीपेस्पातलसतोष
बिबिप्रसोनिरगतरोषातप
रुसतिग्रहस्याकरै॥

चारै सकलपापैलनंतिरहै
धारै ॥२॥ बिनीसबकेदुषनि
हरै सकलजीवप्रतिपालन
करै सोबिनी ॥२॥ श्लोकतोजा
वै बासवसहतिरक्तासुष पा
वै ॥५॥ दोहा ॥ बिनीकौंपर
तोसोबनिर्वृतिकौंकरजह
पर्वेबहुबृतिसि ॥ चौ ॥ परिसोंप्र
तिसांसातेनांचौ ॥५॥ दो ॥ बिनी
कौंपरेबिपती तौसोगहैबि
नजकाबृती ॥ किंबाबिप्र ॥ ति
कौंगहै ॥ ६ ॥ यवामगापाकरै
निबहै ॥ ६ ॥ बैस्यताप्रेश्राप
॥ कबहू सदबृतिसौंटौरहै
लौ ॥ अरुजोबिपतिसूद्रकौंपरे
तोप्रतिलोमबृतिसाचरै ॥ ६७
याबिधिजबलौमिटेबिपती

नवईद्रीपञ्चस्थनिपरहैरेहय
रूपेचेस्नलेयेनतोतामाली
नेनच्येरजतीसेतातो॥८॥
नि ह्याकरैसप्रभुशिबप्रा
रकहेगहैनन्हिपा॥सोजुबिष
चतुर्विधिजेतो॥जनिरहैंन्य
ह्याकोततता॥सी॥नैप्रकतजेर
सबकार॥तिनकोतुमसोक
हौबिचार॥देवविप्रबिप्ररिष
ताहानो॥बिपुबिपुप्रस्त्रियत्रा
मानो॥२०॥वेस्यास्दपेकबिराल
पसुरूमलेछभिबधिंडाल॥
निसुनितिग्रस्तपरेपढावे॥
सकलप्रपंचभूतलबलावै॥
२१॥जतईद्रीजेस्यातलस्तोष
हैबिपुसोनिरगतरोष॥नप

के कहेनाँही ७२ जिसदिनाति
रदैकैरेबिचार मिथ्यामानै
२८८८८ सुत्तवाषुत्रबंधु
सबऐसै जलकोा निकटिब
टतुजैसे ७६ पेसबपोषेद्त
निजावें ऐंजेंजोनिद्रापति
सुपनापावे जैसें जैसें .ि०व
रेबारा त्योंत्योंमिटैसुपन
बीतारा ७ऐसोताषेप्रतिद्र
ताआवें ऐतजैसबजितति
तजावें २८८८ भीसुरगादिक
लोक पावें .८७ ऐप्रतिसो
क७पता सकलबासनाद्
है ज्रुतिपसमानजवनमें
रहे प्रकारमतातेंतोत्रा
नेसबमायाबंधनकरिजाने
७६स. करमनिमेरेहितकेरे

वीदीयघूरघनिपरहे रेहेघ
रपेचेरनलेसेनसीतामाली
जेभ्ररजतीसेनासी॥१८॥
निद्यकरे सघ्नरिबिघ्र
रकरनगरेनद्विप सेनबिघ
चतुबिचजेते जनिररे च
त्यकेतलसी बि घकसजेद
सघकरा तिनकोतुमसेक
सबिचार देवति घबिघरिष
सांजतो बिघुबिघुघरत्तिवी
मानो बेसधरदयेक बिडाल
पघरसकर बिघचिडाल॥
नियतितिघरपरे पहावे॥

॥जनरप्रेसतलसंतोष
नको तिरगतराघात्तप

नसवूबाला कौजकरिजावे
स्रुतिवेताला ८१ मोबिनस्रै
लाकौनप्रुतपाले कौनबि
बधिदूषनिकौटाले ग्रैसैन
स्रुखिक्षांनैंचाता कहन्नौ
दैदैवा चाता दरक नल
पावेपालोक २ स्पोरलेचाव
नावलसोक पाविछिचित
करतश्रुपा निरक जावे
बारबार ८३ होला छलव
यंगूंचयेकौ मैनाधोपेध
रम पाबतैंड वधारकथे
सोसबजानिश्रुचरम २६
प३ ८३ ॥ [illegible]
[illegible]

नित्तकरतुहेजोई॥सुइ बिप्र
॥सब नृतनके
सबकेघिइन्हे४
२७॥प्रतिदिनसत्यासे
धिकार॥बिप्रकलावेसोमे
॥न्त्र हयत्र न दया प्रकारज
॥ जगमग्नगमानल
२ पहुतघनीसब
धिए॥सोपस
लाणकरे बिचीण॥वापीकू
॥बनबाग दि
॥२सीसधात्र
॥भूसे बिभम
॥निंदकलोन्तीपथ
॥मिरदयेन्नर पिसुनता
२४सोचिडोल
॥ऐसेदसबिधि

दिढबैराग॥१३॥बेदबोलितबि
धिमोकोजडै॥ हिखिजकोस
बुसदेतजे॥ डबकोईसिन्यास
लिकरे॥ तबलाउरबिष्ननि
बिस्तरै॥१४॥ परियेबिनगए
कथूनाली॥मेरेचरणधरेन
रमासी॥जोकछुकलेश
रुखीहिराषेतोकोपानस्नारर
बनावे॥१५॥दंडकमंडलकरमे
धारे॥ जोमलतोनहीआखे
चोरे॥देषिदेषिचरणापग
धरे॥बरत्रछानिजलपान
लाकरे॥१६॥ सतिवतबानाके
बोले॥हिरदेबिचारिकदनहि
डोले॥मोनिधारिबानाकेदह
डे॥ पुसकायाकेक्रमनाषंड
१७॥आणायामनलाबसिकरे

२५॥ग्यापुतीमोलिबिचारै
॥करेनदेषेन्तृलिग्रनेक
बंद
बुद्धिदेनु नरमनॉनीौ२धाॅवं
नजवरै सिलाई॥
स्पेसै
निर्दोषनजीते॥मोत्सुम
तिकारनिदीते॥२७दोहूलो
॥तिनहूनलो
क्ता॥पुरग्रोग्रा६ग्र
॥निह्याग्रथ प्रवेस
ाकरै॥२ पाहैस पवित्रसेल
निसरिता॥बान प्रस्थजान
रिता॥ततांततां नितिलो
पतिजावै॥तिनग्रासमीन
नहापावै॥२५॥तिनतेंतेसि
ाकेग्रनंततातेजवैफनपसै॥

हिदवैराग॥१३॥बेदवदितवि
धिमोकोंजेतैं॥के खिजकौस
बुसहैतजो॥जबकोइसिंन्यास
लिकरै॥तबलासुरबिघननि
बिस्तरै॥१४॥परियेबिनगण
कधूनाली॥मेरेचरणधरैउ
रमाली॥जोकच्छूकते॥ ॥ब
स्यहिराषे॥तोकोपानस्त्रोरस
बनावै॥१५॥६५कम लकरमें
धारे॥जोजलत्यौंनलोग्राखि
चारे॥दे बिहेषि धरणपग
धरे॥ब्रम्हनिजरूपा
लाकरे॥१६॥सतिवतबोनोको
बाले॥हिरदेबिचारिकैदनहि
डाले॥मोनिधारिबोनीकोद
डे॥ ॥सकायाकेकमलापड
१७ ब्रामायुः॥ ॥बसिकै

कै

है॥ बिच्छिनपेद्र...
४५॥ सबजानैप्र...
चेतनईमेंपदी...
च्छितबोनीर...
ह्वबादनठानै...
त्त्रिचियेकस...
कोईविक्लिनग...
सेसुनतांत्योंसी...
सात्म जेक्यों...
उत्त्वेगतज्योर...
प्राप्त होन...
दूरवैन...
४७...
...
रे...
सकर...
ज्यों...

दिढबैराग॥१३॥ बेदबोलितबि
धिमोकीजेतो॥ ते लिजकोस
बुसहेतजे॥ जबकोईसंन्यास
लिकरै॥ तबलासुरबिघननि
बिस्तरै॥१४॥ परियेबिनगण
कपूवाली॥ मेरेचरणघरेउ
रमाली॥ जोकछुकत [illegible]ब
स्वीसिराषे॥ तोकोपानओरस
बनाषे॥१५॥ ६८कम लकरमे
जारे॥ जोमलत्योनसोग्रारबी
चारे॥ दे पिरे पिचरणपग
धरे॥ बरखश्रीतिजलपा
लाकरे॥१६॥ सर्व [illegible]बोनीके
बाले॥ लिरदैबिचारिकिरनस
उाले॥ मौनिधारिबानीकोदं
डे॥ अरुकायाकेहूम ॥८
१७॥ प्राणायामनसाबसिकरे

ग्यानः॥७०॥सोपावैमेरीद्दढ
भक्ति॥ग्रोरसकलतेकरेवि
रक्ति॥तातेंउपजैमेरोज्ञान
दषेमोहिमिटैसबग्रान॥
७१॥ग्रेसोकैपावैममरूप
बसैतिनग्रावेंपानवकूप॥
जेदेसकलपुराणग्रश्रम
तिनकेयेमैंनाषेधरम॥
७२॥भक्तिसहितयेमोहिमि
लावें॥भक्तिबिनानवसिद्द
बतावै॥ग्रेसोललसैततित
रेग्रोरसकलनितिमेंमरे
दोस॥यैजुहवतोसोकह्यो
महाग्यासरमकोधरम॥
जातेंमनभक्तोलरसे॥धूटेब
धनकर्म॥यैतोश्रीभागवते
महापुराणे॥येकादसस्कंदे श्री

नषटकस्मनिग्रनूसैर
नलोपकवहतनतोलाई
छास्तकलोपतुहैसोई
हिस्पाफस्तूलेनिस्पा
नलासोदेललाभूतावै
सोतउसूस वसदै वि
प्रनितिभ्रश्याहिगहै
दिकनिकरैभ्रारोल
सूरतडेतवसोद २५नं
सलिलस्ठांनेंभ्रारंभ
भ्रलिरहेनांलो हंन भ्र
उतिनवनिड्लाकिरै
नैपितलितारे २५सो
भ्रालााकलोप नातें
जालोगालोये हेलनो

मोबिनसकलबासनादहे॥६
४॥मैसोहितमैसोताकैप्रियमैं
बिनताकेप्रतिप्रप्रिय॥जोहैस
हितज्ञानअज्ञान॥तेसोजानै
मोहिसुजान॥५॥यानीतेंमेरेप्रि
यतोहो॥सदावसैमेरेमनमा
हो॥मैताकोमेराहेसोई॥इहजो
नहापरसप्रकासई॥जपतप
तीरथबरतअरुदानो॥करै
गैनाना॥तेसबकरैन
सीफलकेघुसोईजालकलाहि
बेजसो॥७॥तातेंज्ञानहिरदामे
नसकलनि
॥सबमेरूपआपनोजानै
है॥

समाप्त

जानै॥ तातै ऽतमति निब्याक
है॥ प्रेमरसकेरद्दूरेपुल है॥
११॥सात ः नतै निब्याकरसै
तालीकरिसलाप- पीवै॥ सो
लेजावैन रहै॥ ॥ तातैक
खूपककरै बिनाग॥ २रदेर
कोईमांगैताकौदेई॥ केजल
मांति प्रवालकर ॥ बिचरै
चरणी कीन्हेसे गा॥ - दनकै
सुखदाई प्रेग॥ १३॥ त- मन
इंद्रीयांनगह ः र॥ मेरोरूप
हिरदामैंधरै॥ निसदिनरसै
तमारामी॥ बिब॥ प- वन
कौसुनैननांम॥ १४॥ समइस
अस्थीरतवत॥ सहारहैनि
य रचैयेकंत॥ ॥ विद्यावैडूपौ
भूतिसुद्ध॥ ॥ - बबपौडूपौज्ञल

मध्यमंदमतिमानें सैनांती
पीरे सोजानें ॥ बि॥ त्यौंदेखादि
कसकलनमदथो ब्यापदास
दाबूत्वमयलेषौ ॥ हैसोमुनि
हरिजीसोंज्ञानसों कैहवलल
पूछौनगवांनकौ ॥ १॥ तुदरक
बाचै ॥ दे वत्त्र्यालकृपाकरि
कहा मेरलांनो नलैसोदखै॥
प्रस्त्यौंहो त्ताहों दिग्रुथें न ॥
नहिप्रापनी वमलिदांन॥
जाकोंचाहै सकुसलदेव॥
१८२ ॥ने॥
खाम
मान
धु॥
१६ दव सी

तीलीतैनिरमलतालसैउपजै
नसकलमल दहै ४०॥ इंद्रि
यस्मरथनिसतानदैषि हय
नेगुरसबनसुरलेषै ता
तैसबै गलबौरकी नलाउ
हिमनसीबिषै सकौ ४१॥
षेसबसूलेकार तजान स्य
तमबिषै पनलमन मो
नै कहैनीहरहै चितवनि
कैरी नबचकरमई रिष
रै ४२ ऐसीबिधिजबउपडै
ज्ञान होयबिर तजसबस्य
न मेरानकिहिरहैमे भाव
सबद पासमछिटाकावै
४३ बिधिनिष दाउमेरमज
नौ दसामतपकासैकनमौ
नै मतिबुधि बालकस्यार

कोनांसो॥२३६॥स्ज्योताकीर
णितान्नावे॥तातेसकलप्रम
पावे॥घ॥नवकूपपरलोबेर
तापरिडुस्योमलान्नुग्गेकाद
रमताते बिषई बिष ॥स्य
ने॥तिननिम तिबरतुदि
ने॥तातेसदाझमितदुवप
जाकोकबहूयतनञ्जावे॥र
ताकोक्रपाकरिपियुषपाव
काढिकूपतेमिरलकजावावे
बचनञ्रमतकावरवाकरो॥
वणेगुणानिवाधिकहेरो॥रहित
पिताजगस्वामी॥
जगपालकजगअलरजामी॥
औसेबचनसुनेभगवानातब
श्री

जगवानजल्प...

ईधिअवध्यारोकेधरम व्रुधा
न न्यारेन्यारे रौलकैन
समश्रस्य । सासेन्यासी
कौस्तिविचारितपवन ।
सोकौ ॥६७ जूनमैदयाज्ञम
मकमै ॥ विलचरीवृ ६८
वाधरमा ॥ द्रुचरापुतप
सौचलतो । सकल ८र
हेफतनाहि । बाह्दमेरोन
जनसकलमनका पापे
सबलाने धरमसाधारण ॥
ग्रेहादेखबनितो । तिहान
नृलिनगवन । रै दिन
अन ॥६९ पाविधिअप
अपनेधरमहीमेरहतिके
स । करमा सब । ७०
यौचावृ काहृपरिनतोधरै

ककरिज्ञांनौ।हैसो।दृकसबमि
च्यामोंनै।३।हरा।बिष्णुज्ञांनिजैां।श्र
वनिवारै।३।त्यौंसजनसत्कार
यबिचारै।३।जेसैदि सत्संगोदकि
रिज्ञावै।श्रोतौदिसकौ।पलटिक
पावै।३।हरकरसौनिरंतर सपांन
बिचारा।३।हैयैबुधजनकिरैविसत
जाकौकसौयहुतौपिड [illegible]
तैसेकौहि सत्यसंगीत [illegible] ॥
श्रीहरितौहरि [illegible] न ॥
सोसौवरुसंत [illegible]
प्रभुहैतें [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

न गावद्दत्तु ह्वस में भाहे ना
सां हू ...र चरम निरप
...नोकेम्प्रघ्याइ सो ग्र ध्याये।
१८ श्री भगवानुवाचः चौ
पई। उद्धव ये बृ ...ग्रास में
तिनके मैं सब नाथ चरमा पन
मैं रहे। भ्रम न छित पावे। ता
तें मेरे ग्यान लो पावे १ ग्यान ल
पाये सकल नरम जाने। ...
म मिथ्या करि माने। सब लाध
न तजि मोकों ध्यावें। और कथ
हिरदे न सी ल्यावें। २
साहै साधन। ...र मेरो सी
ति आराधन।
आराधे।
बाधे। ३। मौन ... रग।
लेई।

द्रौंदेह बिबधि बिसतार॥४१॥
यत निजउग्र रधजै॥ गहे [illegible]
न बिन कोइ निहारे॥ ये [illegible]
नतथा द्रिष्टांत॥ [illegible]
योसी सिधांत॥४१॥ [illegible] दोह
[illegible]मन तौ बिचारे॥ [illegible] नि
पक्ष नेद निवारे॥ [illegible]
नैलोय बिका॥ [illegible] स
[illegible] चित
[illegible] मिथ्या मानै॥ [illegible] क
[illegible]न स्वरजाते॥ [illegible]
[illegible]रद मैं आवे॥ [illegible] पन
[illegible]निबलावे॥४४॥ [illegible]
रदा मैं चरै॥ जिन तें [illegible] प
[illegible]करै॥ [illegible]
[illegible]मसों पावे [illegible]

॥ एकोइनित आयो ॥४ जब तौ
प्राणीज्ञानसौ पावै ॥ तब तौ भ
र्मि ॥ ८ ॥ स्वरूपसमावे ॥ ग्यानबि
नानलीपावै मोहि ए निजम
तोकलतृहतो हि ॥ ७ ॥ वृताम
विवर्धि विकार ॥ ४ जनममर
सुख ॥ ५ प्रकार ॥ तेसमतप
॥ नकडानो ॥ चेतनमायान
मकरिमानो ॥ १ ॥ आपलासुद्ध
निरंजनदेषो ॥ ईतमतातए
ककरिलेषो ॥ येजेसकलप्रग
टदेखादि ॥ आतममगलतकथ
हि ॥ २ ॥ स्वरूपतहर ॥ कपून
ही ॥ ३ ॥ कथ ॥ नलतबरता ॥
ज्ञानदिष्टिकरिदेषेजबली ॥
त्रगुणरहितप्रापहैतबली ॥ २ ॥
जैसेरजुमांहि ॥ सर्प ॥ ज्ञाति
नहतोभूतनलारहे ॥ नमैत

सेनासत्र नोतन
जोगबरतदोन॥ सेनासन नोतन
जलपान॥ ५७॥ यत्याहि कसबम
मतितकरे॥ जाते अंतरसबपु
हरे॥ सदआपकोंमोहिनबे
प्रेमसरबूठेरगूंचहीनेरे॥ ५१
जैसेंजबमनत्राहितालसें॥
बअवसेबकथूनतारहे॥ सा
नसाधिलहेंसासकत॥ का
करमतेंताकेंपूका हि॥ ५८॥ रज
मोमिबेचितकोंधारे॥ जब
सोतिकरजतममारे॥ ध्यर
सबजज्ञानबेराग॥ इनिकोंसु
जिलहेंबडनाग॥ ५९॥ अस्त
रायूहिनपावे॥ है तेगहस
तलगावे॥ तबसोबे रजतम
हिकार॥ ६०॥ बधे ध्यर्मप

३

सम्याग् विकल्पेत अभेद्यप्र
सतञ् पाकेषेत : तायलमेखलौ
मिस्वलाय लिनमेयेरैश्चावली
श्राय १८ तातेजोव्हकौद्दमया
वै सुमहाकैसाद्दम के श्रावे :
ताकौ इस्मोर हिकलाती : कैवि
चारि देखोतरमाली : २० सो
तुम्नैरचमरेषा कुर सिर धरै ताकै
नमती नेताव लिखौ तोके ताकोड़
हुसहिसनूरलताकौ २१ श्रोका
तश्रीरसमर्थ है ताकैसाल
तकौ लावलोलोड़ै सीकौ नूपसा
किनलेखोड़ै अमरश्रोरलकौइ
तुम्पावै : ताको लद्दष नाक
लिखवै : २२ सोसपदले सब
तालेरसारै : नी मैं ती ज्योते
तानिहारै तालकश्रोरप
माली

क्तिमुक्तिसुखपावै॥४९॥दो॰
सेअरहंतबैनकहैं हेअरूप
करिअरूप।तहां हि जनस्त
रूपिकरि।कहसों ग्रहस
अ बा
रिप्रद्यूपणकल्याणकरी॥ज्योंस
तोंसबविधिविस्तरी॥सोतुम
धर्मनिहिचलनाख्यो॥
त्तदृष्टिकोंग्यानसाख्यो॥
अरहबैरागादिकसबरूप
रेसबसंदेहमिटाये।तोती
कलतबसोजाबोहिं
व्हईरिनांबो।हरामसंक
रसो के प्रकार॥अरह
कहो।नेमविसतार॥अरह
रमकोनकोनहमदेव।कौन

रीतकजोइच्छ ॥ प्रकृत ॥ नौ
॥ जैसेहं ॥ सरसज्ञानमेनाषम
पेरे ॥ तकोसुनतबचनज
चेरे ॥ २ ॥ पतैइअबसैतुमलीस
नोउ ॥ नो ॥ प्रकृत ॥ बिज्ञानज
नोजे ॥ पकृतिपुरषमहतत
अहंकारा ॥ सबदादिकज्ञेषपं
च ॥ कारा ॥ २ ॥ त्रिपगुणईद्रय
रसयेक ॥ पंचभूत मिलिनय
अनेक ॥ थावरजंगमबिबिध
प्रकार ॥ ईनिअठाइसकोबिस
तार ॥ २० ॥ येनबिनओरकहूके
नाही ॥ येको ॥ ॥ देषेसबमांही
जाकरियेकसकल ॥ ताकोसा
चूज्ञानबषानै ॥ २१ ॥ अनुजव
पे ॥ अठाइसतत्व ॥ प्रकृत ॥ नै
सकल ॥ तत्व ॥ आतमबल्लपे

तिसतिंग्रसतियासंगबिहूति
तसबकोईयालसाकोनिग्र
सिकचीरा। बूस्तचरैग्रह।
हिमांग्रसारईबरेहादसप
मगहेसिबुती॥ग्रस्तोहाद
सनेमबबूती॥सौन्चरकपट
तिरितभरमाद॥जपतप
ग्रस्मसपूत्तासा॥दरा॥ईधीती
रपग्रदरुग्रतियकोणोगुर
सेवाग्रस्दिढसतोगे॥जनपक
व.॥रेंदुरिक्रदुक्ति
धोरे॥७॥
धी॥दमईकायसिंग्रहे
जोदुगन्दिदुधज्ञावे
॥ सकल
कौतमा

नेतिनेतिस्तुतिसदाबषानें ॥
नानाकारवेदत्रमनाषे ॥
स्तसतिद्वैजोसबनाषे ॥ १७ ॥ स
कलभूरनिसैयुक्तबतावै ॥
चनीचसबतेदभिरावै ॥ जेसी
नांतिबिचारेबेद ॥ जानेकोलि
मिटैबनेद ॥ २ ॥ कपूरस्तयोंसी
सबप्रगरलेषे ॥ सपतधात
केसबतनदेषे ॥ ३ ॥ पूरूसतें
रचनयेलेंतेत ॥ तिनकेबच
नबिचारैतेत ॥ २ ॥ सोयकेमतेस
बनिकेदेषे ॥ जानेमोहिनेद
नरमतेलषे ॥ गुरकेबचनबिच
रियोंही ॥ आतमनिश्चकरवैतो
ही ॥ ४० ॥ पूरस्तयोंअनुनवलिप
बिचारे ॥ चेतनराबिधचेतनि
डारे ॥ सबदेषेचेतनिआधार

तिसतिअसतियासेंबिर्हूइ
तसबकोदेयात्याओनिअ
सिकथीर। तस्वचयेअरु।
त्तिमाअन्नारईचयेद्वादसय
मगहे निब्रती। अरुत्योद्वाद
सनेमप्रबूती। सोचरकपर
ति रतधरमादरा जपतप
अरुतमसमत्रूलासा दर्। ईसती
रपअरुनअतियकोपोषे। गुर
सेवाअरुदिठसंतोषे। प्रनपक
क्षिनुक्षि
धारे।७०।
धी। रमईड्डायनिग्रहे
जोहुबनिनुपत्नावे
॥ तिनतेजाकोदुषनहोईः।
।सकल
ता

१६ नतौंनहिसाधनतुचारौमे
राकर्यार नंग उदौ प्राति
सर्त हरहे तादिरा ४ हीपू
तातैतितिनेब्याधारे बतो
तनातिग्रस्तीतिग्रनुसारे
ब उर रि प्रदषिणादेती
प्रसप्रदगाष गामकरे
४७सब तनिमैमोकोजाने
रि धैममजनमेरा मानम
मनसानकोव नोबिधिसवे
तनमनधनतिनहीकौदेवे
४८मेरेहेतिक साकरमो
बिनुप्रोरसकलपरहरे मे
रेगुणनिकहेतुरधारे इजीम
कामनानिवारे ४९मेरेप्र
पर त्यागे सुखप्र
तोगनितेबैराग जपतपजग

बाध [illegible] सैस्कल अमृतोस्त
तितनीपुरुष [illegible] करतानतोसो ८४
जाजा बिधि तुम्ह पूछा जानो ८५
ट है बिधिनम [illegible] कलधि
सैः मसपुरुषजानत सत स ॥
बिधिनधर को जालो लानै ॥
उचनोबको ते दुतिनानै ८६
सोपहसकल निधि जानो
नेरदिष्ठ जो बिधि चित तिमानौ
बिधिनधि तवेद धार्द्र
तैंपरे [illegible] द्विधिलेष ८८
बिधिनधि पनूजानवनात
पंडुतिकर [illegible] स्यान तात
बिधिबिधि [illegible] जानो नेरौ
रूपसकल [illegible] जानौ ८९ ॥
दोहा [illegible] नधेद चनजानतौ
ज्ञानकनोलकको नेन बद्धव
नतकम [illegible]

तु
तीकारण बौरै चित च्यौ ता
ण मोमै ध्यारै मो काल. तु
वूमै ध्यारे तवमैव. पतातै
रस. पतिकै गण ईस्वरताप्र
दिकजनाः तैसमस्तमेरस्प्र
ध्यान तातै तावैम. लोला
पहिसेवत मोलसकलवेपावै
मो बिन कोई निकरिनमावै
... सोक तैध्यरमा उद्ध
व हूजा सकल. धरम प ये
कबुल इसन सो ग्यान पाबि
न और सकल प्र ग्यान प्रस
उद्धव सो है बैराग जो समस्त
बिषयेन. पप प्रस
येसु ये सिद्धि प्रणमादिम
म सवककासे वे प्रादि तातै
जन्म सा... आवे तेलातु

त्ताये पंचप्रनारी॥ प्रस्नषे
न प्रगट प्रतिलोम॥ श्रेष्ठ
दकजे प्रनलोम॥ बरनिमे
संकरसैजेते॥ प्रस्न तिनके श्र
मपूनिते ते॥ तिनकेफल प्रग
टनरकादी॥ करैहूते फलताके
नवादी॥ ५ ताकेफल रहि बेदजप
करैं ताकौंकरि नरत्यौंसौलसैं
प्रस्नमोंइब्यदेसबय काल॥
प्रगट बिधिनिषेद गोपाल ह्वे
प्रस्न जो बिधिनिषेदन ता स
त्म तौसुष प्रस्न दुषफल॥
त्म॥
तौ बहुश्रमकरि बिधिनकरा
वै॥ ७॥

मो॰प्रस्तु छ्पतिकोनेवा ६३कौ
न॰ ता॰प्रस्तुतप नकौनस्
तिको ६ठबबा न कौनत्याग
कोधनते ६८ कौनजद्दिति
एबिरिछ ६९ बलप्रस्दयाला
न॰प्रस्तुसुष विद्यालजुपासो
नाद्द्ष पंडतिमरपंथ लत
पंथ स्वरगनरकप्रस्वधुक
पंथ ६५ कौनहरिदूकौनधत
वत कौनक्रूपणकोईसुवत
प्रस्नतेजलटिलेडे ती प्र
सम्प्रस्द्मप्राहिकसबतती
६६ मोसोदेवकृपाकार
राषीतत्वप्रतलबलानाषोपै
सुनिबहजेद्वविकोप्रद्दमत
बखणकरिबोलेकहम६७
श्री गोविन्दसाचै हिस्यारति

अलहंतोसों नेह
स्नोसोंकोसों
क्रमयोग बिस्तो
जीवनकों निस्त
हीबिखिणुगाहि
प्रसंगबिवधि
कारा॥२२ तिन
जैजोलों करन
जायजोलों॥ ३
हैबेराग॥बिब
हेप्रभुराग २॥
गनहातन कुर
जेजें॥सपनेव
सैौकवज नील
२५जनलनेपे

मोऽग्रस्य छुलिको नेला ई कै
न ताग्रस्तलयदान कौन
तिकोऽरुवचा नः कौनत्याग
कोऽचनतेर्ईष्ट कौनंदज़दद्वि
ईि बलग्रस्यात्या
नाग्रस्तसुष खिद्यालदुयासे
नाद्दव यडुलिम्रुरवगूरस्त
यथ स्वरगनरकग्रस्वधुक्
यथ : ईपकौनसरिदृकौनघन
स्तः कौनंक्षयणकोईसुवंत
अस्तईनतेंजुलदिहैसेते तीः अ
नन्नभ्रदस्यग्राहिकस्तवतेतीः
ईई कोसौदैवक्षयाकरिनाथो
राभितल्वग्रलब्लीनाथो यौं
स्य निक्षेत्रजो हृदक्षोद्दम त
गणकरिबोलैक्षहम ईउः
हिस्यारति

राविकरमसंयोग॥बानपान
॥दिकसबसाधें॥बालापनतें
ाकोंबाध्यो॥३०॥तातैंजोलग॥े
ाहाम्हरै॥तौलगैंजतनप्रय
॥यातनकोमिथ्याकरि
मानें॥अरुपुनिबहुदानकरि
जानें॥३१॥तातैंजतननिरं तुक
रे॥सावधानताहिरदेंधरें॥या
तनकेआसक्तिनहोई॥करेंन
॥३२॥जोयपढी
तिमा
॥
निमनधरें॥अरुलाबर्षलाक
॥जिनकेहिरदेंद्यानस
॥३३॥अपसंगजोंजबापा
तनकेबसिफेकरिमरें॥प
॥क
मित्थापदहिलागै॥२

जाकरिमोहिलहैसोपंथ
प्रवृतिसोसकलकूप
नितिसंतोषीसीतलहिरदै
सांतिक चतसबनपु
रुहृदै यहस्वरग बको
नड़ार नरकनिमैतामस
अधिकार सतगुरयेकहि
तूकरिजांनो औरसकलये
बैरीमांनो सत सा
मैरा जा जावतजैगृहे
कूप सतगुरा न
कोई सतगुरबिनसोबैरीसै
मोनवतनसोलायहे
कलाये ताकेगृहे गेला कर
लाये सोदरिदसोवहावत
कूप इङ्गीयनबासिबरतत
टपबिष नास करैस

नेग सौं कबहू न टेरै॥४२॥
सो अभ्यास ईड़ा पद निकरै। मन
निश्चल करि मो मैं धरै॥ जो मन
न धार तभू चलन हो ई। तो ए
ग्रातुर हो य न सो ई॥४०॥ सेवक
बारन सकल निवारै। कर्म
कर्म सकल उपाधि निटारै॥
कथु पैक अभ्यासा पूरे। मनकी
हिरदै धारै मूलपनन की॥४१॥
रेवै सात जिहक हेत। सा बध
न हो य रहे सु चेत॥ भोगे फल
का अवधि बतावे॥ हु बंदि बा
यबि रक्त उपजावे॥४२॥ ऐसे कु
मता कुमम न धारै। कुमक्रम
सकल बिकार निवारे॥ ईड़ी
यगुण हिरदै न हो प्रानै त्या
सजी

३०४५ ८८ रै ताश्री भागवतै
म्हापुरांणेपेलादसस्कंदे मे
गवरनउद्धवसंबादे भाषायां
चेकोनत्रिंसप्रध्यायः॥२९॥उद्धव
वचन॥ची॥ चौपई॥ हे प्रभू जो
तुम करणा॥ मेरा पलस(?)
चंकरौ॥ तुम राम्रुगध्याकहीयेब
हातालाभैदोसतुहैनेद्रमीबिधि
नष्टे॥ सोबदबषान॥ तातै
सबकोईमांनै॥ तुम्हरीग्रग्या
कौनरसलेभै॥ जाते बिधिन
षेबनलीदेषे॥ र॥ ग्रुरुपेघ्रग
८॥ सोदेव॥ बिधिनषेकेब
सेबिधिनेव॥ प्रगट बिधि
॥ सुग्रासमे॥ तिनकेबि
बधित्तांतिजेकरम॥ रुजानपे
॥ गाटफलसरगादी॥ सबको

तौलगयकैबिचारसोसोई॥ऐसे
सीबिधिजबसोबिबिचारै॥गु
रकेबचननिरदासैंघारै॥४८
तबसबसोतैलोयेबीरस्कौ॥म
नथरमैसौवेअनुरस्कौ॥योग
पथजोअषप्रकार॥स्वरूये
आतमहूतनबिचार॥४९॥सुर
ममअवणकोरतनध्यान॥
मनजोतनकोपथनप्रानजे
गरस्साथिचह्निवेतान॥सब
पवनमैसोनैबोनि॥पथ्येनत
चौथैनसोजुपाईघिजातेमनमे
मैठस्ताई॥नातेचौथोकथनक
रौ॥ ॥ईनपंचन मोकौ
अनुसरणौ॥५१॥सुरजोकदेपा
पकेआवे॥स्वरूपानतानरन

हिमहिं औरसकलतजिपि
छैरहैः १३ तिनकोंग्यानयो
गसुख्यकार : थिरे केकरणो
हृत्कोविचार : अरु जिनहि
य सदृपनहीजांनोंज्ञरति
नकैहृदिनजसोनोंनो १८
परिजनसुतादिकरिसुषमांनै
मेरोनडानसलोकहिजांनैः
नाकोनहिंयोग... हित
ऐसोजांनोंतत्वविचारी
रहोहिय पनकेग्रा
नकेहृदिंससोंन
यासनकोंनी
रमनप्रीति
२० तिनकोंक
येनतेंऔ
नेयोंना

परिसंभूयतजिबेकौंनांही॥
प्रबलग्यानप्रगट्यौंनसीमांहे
ताकौंनहियोगअधिकार॥सु
रुजैंछूटैसकलबिकार॥५७॥सं
तीकथानिरंतरसुनै॥हिरदैमा
हिकैरैगुणागुनै॥दृढबिस्वास
हिरदामैंराषै॥मैरेगुणनाम
नितभाषै॥५८॥योंजदिपबिष
यनमैंरसैं॥परिमनबचक्रम
त्यागैचसैं॥सोनितिनहियोग
सौंभजै॥मोबिचअंतरायैसो
तजै॥५९॥तबपरमपूजाबिसत
रै॥ममहितजोलघुसोसबक
रै॥याबिधिसकलबासनानां
सो॥मैरोरूपहिरदैप्रकासै॥६०॥

जनम२ गवांयो लोजावै २५ ऐ
सै ग्यान नहि कोयसै तातैं
सबकाहिसिमांहै उद्धव थैमांन
थैलन ऐसौ : सकलजीवसुमैंनां
लोडैसो : २६ सुरगनरककेंव
चेधाको : चोरिक्यौं होनलापावै
ताकौ : ज्ञांन लहि यातनकरि
रहै औरसबजनकरि नवजल
लोहै २७ जोग्रैसो भांनवतनपा
वै सो हमसकांम नाबहावै :
डोलत खेद सब करै हम : मूस
नांभनाहै लिडेधरम : २८
अदफिरिजलोबधै लरहैला :
५ सुर नलोलोयोवैपरहा : उद
र थैहैमयोनरतनपावै : परि
स्यानादि नरलावै : २९
कांनोपितानाहैक्षुरलोग ज्यान

कबहूप्रकार॥६५॥ऐसेसबप्राप
सातैंचलिआवे॥भजनकेप्र
धानरतावे॥कैराजनिसिसक
लसिरताजा॥जैसेसकलन
रनिमेंराजा॥६६॥भुक्तिमुक्ति
पलनलापरैहैरो॥भजनकी
नितिसेवाकैरै॥प्रसजदिपमैं
बसेंबिधिकहै॥भुक्तिमुक्ति
कथैनीचहै॥६७॥परिमैरो
निजजनमातेलैं॥सकलत्य
गिभजचरणनिसेवे॥निरपेषि
ताप्रमहैजैयो॥भोलिजसकल
असतकोपरहै॥६८॥निस्पृहता
सिसुषअपारा॥जसिकालक
असुधिकार॥मैंनिस्पृहनि
यसजोहोई॥मेरैजगतकली
सोई॥६९॥मैरेरहै

आपकोऐसीमानि कै भावैमा
येतेसार॥ जसोनावतैसोत्तर
नतरुआभारो॥ तमपैधाकि
योर्अगारो॥३५॥ताकोनिसदिन
करैपरहार॥ सदानिरंतरवार
बार॥ ऐसोइंषिच्यैमनत्रास
प्रथमसो॥ [illegible] बास॥
३६ जोकैआयबसेराकरै॥ तातै
बलैरिजनमैमरै॥ मानवत
नभवसागरनाव॥ मैराकृपाह
तैयेपाव॥३७॥जाकेगुरुषेव
सुषदाई॥ सानकुलमैपवान
स[illegible]दाई॥ तोहूआपतोजानतो
तारै॥ नावछाडिभवसागरुडारै
३८ ताकेआतमघातीजानो॥
दूजोताआतमघातनमानो॥ प्र
रुजेनवतेतायेविकुं विषा

येमोमैंनतोआवै ॥७४॥ ग्रामेस
नसेतीन्योंनाके ॥ ध्यनबिनु
औरनतारकजीके ॥ ऐसाभू
तेमेरोस्वरूप ॥ यनतेंतत्वनस्
रूपनुप ॥७५॥ मेरेंगोपिरह्यो
तेयोगजीवब्रजकोंछिभ्र
योग ॥ छूटैसकलभ्रबिद्धा
गाकालजालनतोऽसोरोग
७६ ॥ दोहा ॥ जेईनंपथनकोंत
जोकरैकरमअब्रिकानतिनि
नपसूजीवनकोंकेसेछिधि
नभेदबिस्तार ॥७७॥ ३०२ ८७
येतोश्रीनागावते २११
कादसस्कंध नगरह्व ठहङ्
स्वामीनाभाय्या
निरूपणेनामबोला
॥२०॥
चौपई ॥ ८ ॥=

मनजीतनकौप्रमनुपाईःया
तैमनगतिडांनीजाइःजैसे
ज्यैंसतुरंगमलसोइःम्रसघा
रवसिलोपुनसोईः४४तबत
परिचढिकैअसवारा॥रहन
ताकैपेकसाबारा॥कछ्
कैंरूपसदतिचलावे॥पाछै
चाबकदैदौरावें॥४५मुसाबि
च्चिरुपकैंबसिकरे॥त्योंजो
गीकमकमनथरे॥सो
हिबिचारिनिरतरकरे॥ज्ञा
नबिचियेजगउपजैमरे॥४६ति
नकाउतपनिबिचारे॥ज्यौं
ज्यौंबिनसैत्यौमनधारे॥स
कलरुपाच्चिउरकौंलेषे॥प्रा
नरुपपरेसकलकेदेषे॥४७प्रा
नबिचिडोलगमनबसिलाई॥

यैमोमैंनलोआवै॥७४॥सेसाव
नसैतीन्योंनोकैंचनविनु
औरकतारकजीकेंयेसाचन
हेमेरोरूपअंचनतैंलतनओ
रअनुप॥७५॥मेरैगोपिरलसि
से योग जीवहृतकौबिश्वस
योग॥छूटैसकलअबिहानै
ग॥कालजालनतासलोरोग॥
७६॥दोहा॥जोईनपंचनकौत
जोकरैकरमअधिकार॥ति
नपस्जीवनकोकहै॥विधि
नभेदबिस्तार॥७७॥१०२८७
येतीश्रीभगवतेगरुडपुराणे
कोदसखंडे॥ ...
...
...
॥२०॥श्रीभगवानउवाच॥
चौपई॥ध्यान ...

सोसोपापई न्है तैंजाई॥५२॥ सौ
रकरै नानाबिधिजोई॥ सोसो
शुधिक शुधिकर्मजलते॥ बि
धिनषेदसबहीमलजा॥ क
ब उकरेंहु तमक्तिश्रानैं॥५३॥
बिधिनषेद येकालेंदोई॥ जो
तैंबधेरहे सबकोई॥ नषतेंब
हुश्यारनानक॥५४॥ पनेंश्रु
ति श्राचरैं॥५४॥ तापापसैं सब
बंध॥ जोऊ॥ करकश्रुबधैस
कलछूडांऊ॥ सकलनत्यागे
येकलाबार॥ तातैंकानेंबहेंप्र
कार॥५५॥ तातैं बिधिनषेधं
नलोकरणो॥ सकलत्यागप सो
भैमनधरणो॥ बिधिनषेद
जीनमिथ्या॥ ज्ञानैं॥ श्रुसनवस
बस॥ हू॥ रिमानैं॥५६॥

रिकतीनाथेसुखप्रसुद्ध
पक्रमनक्रमसकलछुडावन
पापछुडा
जीयाविधिबहुप्रारंभछुडो
हीयेसमस्तजगकोबिव
ार॥ यातेंज
तजलतेजपवनआकास॥
बजगपचतत्तप्रकास॥ ७
त्तारिकथावरपरयंतिाप
त्तकरिसब
आतमसबमाली॥ तातेंम
हकथनालीनप्रितपा
नाथोबेदनाकरिको
नातेंहै॥ तिनकेस्वारथ
कीसत॥ बिनाधिनचारपा

करमभ्रमनै नांगै ॥ भ्रूलकार
तजिसोव्रतजांगे ॥३॥ जोलोत
लांमोलाकौंदृषै ॥ कोबिलश्री
रकछूनलालैषै ॥ ऐसो कौन
मन [illegible] है ॥ याहीजनम
[illegible] पावै ॥२॥ तातैजाके
मेरानको ॥ निसदिनमम
चरणनअनुरक्तो ॥ ताकौज
दियनाही ॥ ना भ्रस्तनाही
बैराग्यनिसांन ह्वैतो ॥ सास
कौअनुसरै ॥ अ[illegible] दलतरम
वसायतिरै ॥ तृष्णा [illegible] भकश्र
मनकरै ॥ बहुत [illegible] नोति
तपकौअनुसरै ॥४॥ निस[illegible]
नुसांछिपान बिचारै ॥ गहि
रग सकलअघडारै ॥ साधै
जोजग [illegible] प्रकार ॥ दानब्रतादि

ककौंटानैं॥प्रस्तजोकालघर
नांलो॥सूतकप्राहिनयेजाम
॥णसोसोकालेंलतपेदकली
उतमसोजामैंबिधिकोजो॥ब
हिकजलाहिकनिसुधा॥मुजो
कतेंलोयप्रसुध॥१॥पसुधप्रस
बबचनतेंत्योंली॥संधैतेंपुध
हिकयोंलो॥तबलापाककरचोजै
सुधा॥कबलकालकोलोयेप्रसु
घ॥हिंकलापेन्नमिमलानप्रसु
घबलतकालतेंलोवेंसुध
मेंजोबरघाजलतोई॥बहोतको
लतेंसुबसोंई॥१७॥प्रसीनो
बारउजानोंसुधप्रसुहनेंहप
चानों॥
को॥स्नानाहिकसुहजुवाँहिक ना
जीरणबस्रप्रधनकोप

तैजामें मेरो रू ... नी पैतामें
... नस्यारु नितिमसत्र
रू मैंतिस्यारुतासूंप्रनु ...
७०तातैनिस्यूरुताः वजूसे
सकलाव ... मैं ... जे ... रे ...
नि ... रू ... ... पावे
सरुपावेंतके निकटिनग्रावै
७१जेयेकातन ... सैमेर ... ति
नकेपुनिपायन ... निरेराग
दोषबूजितसम ... से ... गुण
तात ... सकौपरसै ७२जैसे
तीनांप ... बिसतारे ... ईनके
रूतजीवनिसतारे ... जेईजन
नमैं ग्रावै ... तईते मेरोपदपा
वैः ... ... कैसुरुसोषितान
तानूंयेककहै ... बान ... पन
कौंपार ... मोकौपावैः पे बिनपा

नवे षेषसीमांनै २३ ...
हिंसद्दश्रकेनी कौ...
से हिंग्रधर्म हैसप्र... कौ...
करमंग्रस्करतो ...
येषरग्राचरता २ ...
सोहितोसुद ये ग्र...
सुष ग्रस्कत ...
द कत ग्रसुद ... [illegible]
२ सुषग्रसुद
राजदत्तकौहैत ... [illegible]
...चैकौषरत ... [illegible]
...ग्रधर्म २ ... [illegible]
...मनोचैकौ २ ... [illegible]
...चैकौ तास ... [illegible]
...मेरो मतो ... [illegible]
...जोकबुधि ... [illegible]
...रेचेनचेकै ... [illegible]

लैडामैं मैरोरु ।ढ.।नीयैतावै
सबतैंनिस्यु्रुनितिममन्म
रू मैति स्यत्ततासूंप्रनु ह॒
७०तातैंनिस्यु ततार- बैप्रसै
सकलबिसु मैंनासजेसे।
नि.-" ल जनमैरोसुष पावै
स्यलावैतकेनिकटि- प्रावै
७१जेयेका । नकूलैमैर ति
नकैपुंनपापन ।निर राग
दोमछु जितसमडु से सगुण
लातबुत्नकौंपरसै ७२जैसै
तीनपंप छिसतार ईनकेव
हतजावनिसतार जेईजिजन
न मै प्रावै तेईतमैरोपदप
वै योगानेक्रिम्रसरसोषितान
ता- येकक्रल बबान। पन
कौंबायेंमोकौंपावै। येबिनप

नकौंसंगनकरनौ
बचनसकलपूरन
णछोडकूम नौत
मरम॥ ३३ घमघ
नकौंयेस॥ मेटें
स॥ यानिमतिमें
घोरघोरमेंडसा
नरमकसिसक
सोन्यौतिजीवनि
नरबिव यनन
तिनमेंशास्त्र
तातेंसिरदैनपर
सा कानतिकोध्यो
कोध्यनुपजावे॥
शुपसोशावे ३६
रैसबग्यातःता
सम॥ नःतातें

उपाइ॥ आप मिलाणकौ दोयेव
ताई॥ परिजेअति लीपसुअ
ग्यान॥ यनिकौ छोडिकैरकप
श्रान॥१ बहुतकांमनांसिरदे
धारे॥ तिनहि ... करमनि
बिसतारे॥ तेपसुदुषनिरत
रपावे॥ ... माहिबे
जावे॥ २॥ तिनहित बिधिनष
पनुचारे॥ तिनकेबहुआरंभ
निवारे॥ आपनौ अपनौ जेअ
धिकार॥ तामैबरते तजिबि
सतार॥ ३॥ चौ॥ जोसबपरि
रे॥ अपनेकरममाहिअनुसरे
सोसो तिनतिनकी बिधिजानै॥
तातेंओरनपेष लोमानै॥ ४
पे कछुवस्तुबुधिमतिदेषै
म सुजीवनिकोबंधनलेषै

बनुगइयो॥याकरिहैंस्त्रवि
रतुकरोयो॥ग्रस्तपुनिकेसे
मफलजेतो॥सुरगादिकलोन
विधिकेतो॥४२ तातेंकसेकरि
स्त्रचितपजारी॥मेटि निबेध
जेंदिकटुकपायाये॥ज्यु जैसेंकु
छाडिदियेरायो॥बालक
पछोड़नांसी॥४३ऐसोवादिकेय
सबजारी॥सुरगाहेतिनकेरम
निकेरी॥पुनिसुनिजलफलन
नरिहेरो॥४४ मनहूनहितजि
रपहरायावे॥सोसैकेनिहा
वमनसमावे॥ऐसेजबलईन ए
लापावे॥तबहींप्रापतीविष
कमावे॥४५पुत्रकलितकुट

लनिसमे तिस हैसकालगुण
इ अस्तुनाव पैनकेनाबेनान
नाव येकलबे य येकबिलि
नाबे यैसेकोच मां निसबर
बे ॥१०॥ उनहैस क स
नोती असडताहु जिसेवानक
नाती परिजोके बह
है परिमतेछुजातबास
है ॥११॥ असजहुपितुस्कतता
ती ॥ मपरि दिक तिनुके
ती ॥ असजोकुगंध्या दिकपर
तैयि कदरजताहुरन रै
रौ असकदरजतामेराहाइब्रि
जोहेबेतसरसोती ॥ सोसोदस
निबेरकताजे ॥ तिनम साढ़ि
कतहाकीजे ॥१३॥ तिनते श्री
सतुछिजानै ॥ तिनमेबासादि

लाजंतै।मरयपुष्पितवेल
।।फल लिरै रुआवे
नैकरमा तिनकोकहै
।।५०कामी।
तोत्तप्रष्यिकारी।लिसला
आकुलसदाबिकारी।।
हिफलकरिजैलि
न निसाणतलरलाजतै।५१
तिनकेनिति
रितौहतेजानिलारी
।।
।।५
हितौ
स्यो
प्राणपासबलाना
।।५ पैसे

इच्छावंतकौं श्रम सुच्या औरस
कलसिद्धि पूनूमान सुद्धि पूस
लाकौयोल जानौ सोसब
देसकाल अनुसार बिधिनेष
चकौ करै बिचार ध्यानस्वप
बवस्तु गज देत तेसह सेभा
दिम्पनंत २० काल श्रीगुजल
माटाबाई जथाजोगपला स
स्पर्श सुजाने लियो दु
गंध जोलगन्धोपारी टैनग
ध२१तिलग निगूलधनग
लीये गंधगये रमलको
ऐसा सूर्ववतपक्षसोन
ससकारसनकरमद न२२
नमसुमरणते होवेसु इक
देंश्रुनिधालायश्रु मेरो
मंत्रलीये बिधिजानौ मंत्रबिलै

रिक ज्यौ॥ जब आणीतामैं
८ मिटावै॥५ यथा निम तिय
नाथी॥ सो सुरष न
तलकरि राखी॥ तातें वहै वि
धिकरम निकै॥ वस्तुकानन
हिरदै धरै॥ प[illegible]पसु[illegible] स्वामी
रिकै विवहार जजे पावे[illegible]
पुकार॥ देव पितर[illegible]तनिकै
जैं॥ करतें सुष[illegible]आनहोत
जै॥६० सुपनतुल्य[illegible]गा॥ वैदि
क जोगा॥ तिनकौ[illegible]म सुनि
या लोक॥ तिनकौ[illegible]आहिर
दै धरै॥ दबाघर चि[illegible]रमनि
[illegible] विस्तारै॥६१॥ [illegible]नलोलि
वह करम निकौ[illegible]रगस
दिकउ पावै नाही॥ ज्यौं कोई

तौतिनमैंतौचेदनसोइमरांणी
जूमरपैकसमिदौहरनयौ
यूबिधिनछैधहलौवूंउच
नाचकौग्नौर जौवै पयिये
देउसैकथूनोसो आपबिच
रोजूतसमोसो रसिनाचेनीच
करमग्नाचरैमेढापानोदि
कहकरैतो नकोदुमन
मोसोतिनैसादि सूदा।।
तौइ जूरसजोरै लोकरतुलेस
रितकेसमैजुवतीयसंग
तौताकौकथेदुवणतोसोसे
निनिसेदूषणसोमोसो३जै
से यरगामैकोइ तफि
पमरनकोनयसोइ ब्रिजोके
चूचटेसेंउचे संगतिकरि
दसोग्नावैनाचे२रतातैति

बिस्तैरं ६ ॥ तिनकौंसैरावात
ननावैै ॥ मसिषकोंलैलिरहै
आवैै ॥ जदपिलैदूकैरसजघो
रै ॥ धरमसरूपरखकौंबिस
तारै ॥ ६ ॥ अपरिलषपिछलैकैं लि
बतावैै ॥ कुनकदोदूजौसकर
छुडावैै ॥ परिसूलिकोंघालपू
नलाजानैलकथुश्रीरश्रीर
बघानैं ॥ ६ ॥ सलदकूलनमन
दुखैथप ॥ जालोकोईसोहेन
तासोध ॥ सुखिमपूलरूपहै
जाको ॥ मोबिनचेदलसकोता
को ॥ ६ ॥ श्रीप्रांणारूपपरासनाम
परंताकौमनमेंध्यांम ॥ ली
जीकैरकमधिकोमूल ॥ चौपै
चीजकरखैपरीपूलः ७० ॥ नै

जो नै निस दिन बलैं विचित्र
ता तैं ने ३७ धपु रवारपति वू
हीन । निस दिन रहै दूषत गूर
हीन ता तैं सम झे आपत अ
न मिथ्याइ वि तुष समान
३८ ज्यौं सी वैं तुरकोपाल
रवास त्यौं बाव काल कृचि
नै रेगू रचैं पून करे ग्यान सि
करन रकसि परे ३९ तुस कि
रचकर जैसैं विषय नाग
न रसौं रतैं सैं लिप्त बिष सु
करसे कामी बिषय लागप नू
लेन र कामी ४० कुटंब नारन
रवहै बुहै मेरे नरक रचोर
सा कै मरे भर उह्यो लदे प्र
आनी विषै दूषी कौ कैसे स
तु पानी ४१ ऐ नर तन नली वि

ज्यौंमनबिस्तार॥ जैंकारम्
लख्याचार॥५७॥ मालासैंखुषिर
बसौंतप्रकारा लिखतैखुद
बारनसौपार॥ च्यारि च्यारि
सुखिरपुखिरकाहीखुदसोय
ऐसोविधिउचारि॥५७॥ पायेकहै
तैयोंनैंप्रकौंकौंसकोंरचौंस
कलपैककैजैकौ।जायैलाख
पिरचौबीस।तुम्हींकुखद
सपयस्सबीस॥७७॥ लैखलौस
अनुभ्यसौं लैलौनौंम
तीसपरकौडै।मैंहिलौंच्छय
पिरचालीस॥ लैौलीहिच्छय
चौवालास॥७ पानजापुहिछ
दस्पचालीस।कलहत्पार
नसौंकोटिबरासक्या

बसथानो॥ यनकेलेतिचसेर
सबलानो॥ आपआपकोकेरै
अनरथ॥ तिनकोमूरिषजाने
अरथ॥४६॥ ऐसेपोचवूमैति
तिनकी॥ कछदेनजानेसुष
कैमरले॥ अरु तिनकोजोत
रमलहेषे॥ सदानिरंतरदुषि
नरेहै॥४७॥ सोतिनकोकहन
सदावे॥ अरथरुकोमनक
नदिदावे॥ तातेकेतोसब
हिलिजानो॥ केसेकरमरुपी
पबषान॥४८॥ परिजकधुल
रहिकाहिसुनाय॥ अरथ
अरथधरमअरकामव
ततेसकलछुडावनक
सितबिचारिकानेग
॥४९॥ ऐसोबेदतल

नितिनिरंजनत्यावे॥ अंजनस्व
रूदिकरिनाव॥ ८ ३॥ तातेंसुरति
नितिमोदिबतावे॥ परियेहत
तेकौयौंनसौपावे॥ सोपावैसोम
म॰ श्राधीन॥ सोपलेदकामसे
यलक्षीन॥ ८ ४ होला॥ योसुनि
करिसुतिततकौ उद्धवलगोप्र
नद॥ प्रश्नकरीजबकृस्नसौ॥
जातैंधूरैदंद॥ ८ ५॥ भाव॥ येत
श्रीभागवतकोअध्याय॥ येकाद
सस्कंदे॥ श्रीभगवदउद्धवसंवा
दे॥ भाषायोवेदस्तुतिनिरूप
निरूपण॥ नोंमपंचवीसोअ
ध्याये॥ २ ॥ उद्धवउवाचे॥ चौ
पई॥ यहेस्वेतवसैकेतेंकहो

कलहै [illegible] परिसेको
मकर्मतमैथ्रुचनाकौहि
देषि अलन गवेष्य ॥ पदडे
सेननरागामय [illegible]
गौलातबसानलोगा [illegible] सी
अष्पान्मग्रैचकर्मैषानदे
षेनसोनिकाटमैं [illegible] षपपू
तेसौबि [illegible]
सनिडांवनिजद्वादिकवान
लेषिकिरीतिनसोहलनैप्रलीकै
डालमजनमपावुन [illegible] सो
क ॥५॥ जबयाकेबलोदस
देषो ॥ सनिसनिडावजीव
काषैषो ॥ तिनकौतिकसाष
बोली ॥ हैस्याउग्रपहि ॥ जाहि
बुझाली ॥ ५७ परसूबह्रूषक
जिहकैसाकौ अरससौसहू

बिनरसाल कृपासिंधबोले॥
ाल॥६॥ श्रीभगवानुवाच॥
तिउद्धव ज्योंजेसब नाषे॥ जित
नेजितनेतवनराषे॥ तेतेसब
तुमजानौसति॥ तबबिचारेस
बिप्रसति॥७॥ मायादेषिकहेसे
जेते॥ मायामांहिसतिहेंतेते॥
मोस्टिदेषिजो तिनकोंदेषेतोस
मस्तरंमिथ्यालेषे॥८॥ मायानो
हीयुक्तिबिचारें॥ अपनेंमततो
चारें॥ येयोंयह योंयह येंनाहीं॥
कहेसबेमिथ्याप्रापुनमाहीं॥
९॥ यहयोंसोसेज्योंमैंनाषों॥ ते
रीकसोसतिनसोराषों॥ याबिधि
मम॥८॥ मायाजनमाये॥ तिननो
नाबिधिपथचलाये॥१०॥ मकमा
याकोसक्तिमूलन॥ तिनकेपंथ

॥

मायेरसंसारसौं जावै॥ जनहित

गुरुकेर्थे सिलावै॥ हरसाड्डेपरे

विछनजेकोई॥ तौ दन्युंतेजा

बैसोई॥ तौजेबहुविक्रमजु

पावै॥ तैसंसुदहलोकतेजावै

॥३॥ सातिकऔ तदवे॰ ॥ न

उहादिकन ॥ जसनाउजैनी

सस्नूतपुंदतकौंसेवै॥ तन

) मनधनलेतिनकौंदेवै॥

॥४॥ यालोऊ गयबहोतविघि

कोई॥ विप्रनिबसौतदपि

णादीजे॥ तातैसुरगादिक

...पै... बिधि

भोगोनोगई ॥ सपपुनिजब

हेबैतिनकौंपूत॥ तबहजनु

वैधनवंत॥ असौ जातिकै

मनोकरै॥ तिनकिमतिक्रन

१२

पचसतिकरितोवै ॥ पायोस्त
सारकृषि बिसतार ॥ मायाध
लबतैत प्रकार ॥ तनसकल
साषाप्रसाषा ॥ ७ ॥ प्रस्ल तिनको अ
रुबिधिजपसाषा ॥ १ ॥ ध्रीनातेंज्यौं
बरौत्यौंसति ॥ त्रिसबमाया
सकलअसति ॥ ज्योंलोज्योंदि
नकेमनआयो ॥ त्योंलीयौ तिन
बरीसनायो ॥ १७ ॥ मायाकरिब
ज्योसेआतम ॥ ताते ओरेसो
प्रमातम ॥ पेद्दप्रस्लउकेचो
बास ॥ तिनकोंमिलेसकलउ
बास ॥ १८ ॥ प्रस्नजेनक्षिबथसे
बई ॥ तेनरममायासतिनको
ई ॥ तातेजीवब्रह्मद्वैनाती ॥ यो
पचासजानों ॥

एबमैव्य ... बुह्म स्प निपतनिकव
फ्पस्र ... रे
इत लखो कौ ईन सो जानै नातै
औरे औरबधानै स्वतंयार
कोई न सो पावै ज्यौ साय रथा
न्यौ जन सो जावै ७१ स्रुति गनी
अनुरूप थाहे याको कोई नेहद
आवै जाको मैं सबलोनमे
अनवरंतो सहि ख्यो न तह्य
अनजुकोनी सो हो ख्यो पकस
अनोहि नमांही सबदरूप ह्रग्नो
होनी होते ७२ कमलनो हिमे
मातु उरे सबदरूप सबमे
मोह दुरे सोहाप्रगटयो बले
किन्नो ताक रवलनोरिहि रहै
हिमे कुपछार ७३ ज्यौ सल
गोलन्युजोविसनार कोरिवि
लो लद्धरिहि संसारे हेदरप

तंन्मात्रातें पंच प्रकार॥२४॥
करनरतुचानैंनरसघ्राण॥
येपंचौंइंद्रीग्यांन॥पायुउप
स्थचरणकरवांणी॥पंचकर्म
इंद्रीयजांणी॥२५॥मनदसम
इंद्रीयकौराजा॥जाकौसहिक
रैसबकाजा॥क्षितिजलतेज
पवनआकासा॥अठाईसतीन
गुणपास॥२६॥शब्दपरसरसगंध
रसअरुबचना॥येपंचौंइंद्री
फलरचना॥तातेंअप्यबिसत
तत्व॥प्रविकनतापैंपानीस
त्वा॥२७॥स्वव्रिप्रादितेंमायायेस
सपुरषसक्तितेंनईअनेकात
नमा॥ब्राअस्नमहत्तत्वअस्व
र॥पैंकारणसप्रकार॥२८॥
पंचभूतअरुमनइंद्रीयदस॥

भ्रगरहै विस्तार जाकौक
घ्रवारनहीपार ७२ एकलाह
दयमैकहीबैता ह लेकरिअ
तकहाठहैरा ७ ऐसैमती
जानैकोई मौबिनुना
वैबिधिकिनलोई ० जहस
मकहिमोकौराषै सकल
देवनपमोकौनहै दृष्ट
लकरक्करवावै मौतजह
जौ सकलबता ८ ९ भूत
सकलकौनावेन ८ मोको
कहै निलिप्रकास नोना
लिहिष्पा नावै येकहूल
कोहासकल८ नावै ५० रजे
सैसांपजेवरीमांही पौस
बजगतबतावनाहै मोको

वेयेतत्व॥ग्ररू॥ग्रातमनिर
मतसबस खा॥१॥ सा बिधि
चारतत्व बिसतार॥ ३ चौनीचे
सकलसंसार॥पंच भूततत्व
वापंच॥पंचईंद्रीय मिल्येप्रप
च॥१४॥मन ग्रातमा मिलेदस
सात॥तबसपतदसजानोंतात
मन ग्रातमायेककरिजानोंते
जनमोड सततबषानें॥५॥पंचत
॥ग्ररू ईंद्रीयेपंच॥हु नजावम
नकोपर॥ पंच॥ ग्रैसीबिधि
करिपंचलावे॥तैल॥ कोस
बजगतबतावे॥३॥ईंद्रायपंच
पंचईं नत॥ग्रातम मिल्यसब
जगमनूत॥ग्रैसीबिधियेका
दसकरें॥त्योंलात्योंसु निहर
हेंगहे॥१७पंचपं...

किस्तारि : १ नुभलोगूष्यांखिंसति
[illegible] लैनैंहिंदुकरिसनसैं : ग
[illegible] : धरिखसैतेरियवहखिधि
[illegible] : ३ ग्रसरतिनतैसुकित्योंती
[illegible] कैरकैसैतव सः ग्र
[illegible] लैकोलविलैयचारस : कोई
[illegible] खेंटग्रससच्यारि : कैलेजा
[illegible] यतांखिच्यारि : ३ कैईनेरको
[illegible] लेखा : कैईन्याथेंहसग्रस
[illegible] कैईलिखलतावेंषोड सः
[illegible] येखकलै ग्रायेंहस :
[illegible] कैईन्याथेंहसग्रससात : यै
[illegible] तसुकातीलिख्यात : कैंन
[illegible] नैदरैलै नाथें : ३ ग्रपनैग्र
[illegible] सतलीनाथें : ४ क्रूपाकरे
[illegible] खिनसुबारौं सातिमतो
[illegible] लिडजनावो सुलिउहरकै

नईपैंसप्रुण्यारी ॥ अक्रिमाहि
आतमभिलिरह्यो ॥ अस्ञ्आत
माप्रकृतिकरिगह्यो ॥४६॥ रौन
मैंन्नेदनजानैंप्रा ॥ येकमेक
केसबअनुसरे ॥ येतमेंप्रक
तिकसालोकसाये ॥ कोनआ
तमाह्नोहिङगसाये ॥४७॥ करी
करणीबाणी बिस्तारी ॥ बचन
बाणीसमेंप्रसारी ॥ तुवेंलाप
बज्योससार तुमसाहतेहो
यनुधार ॥४८॥ तुमसामायाको
गतिजानो ॥ कृपाकरोतबतु
मसानानो ॥ बानीसुनीनक
अपनेकी ॥ तबबोलेश्रीकृष्ण
बिबेकी ॥४९॥ श्रीभगवानुवाच ॥
तेअक्षरयेगपांतअगाधकी
रंकलसेमम साध ॥ सोयतत्ना

नकैलैसोऽसैन : उवसमइम
कुत्सलत्वक्षौहे : तक्ष्ययेनेइसक
नभिरिदिडाऊ : ।जैसैतक्षसक
नकाख्याके । निर्धनैनयभ्मतेनतो
को : सवेगान तत्वज पजतग
को सोहेसो गेद्धसेन्त भिधिन
को : १२ जैसैयेकहूसभिस्तार :
नाकोत्सं पतिलिक्षै प्रकार : कोस्वै
[illegible]हतें [illegible]भा : उपसतित
[illegible]कोलौ भिखिजुपसाधा : १३ ति
[illegible]त्तनो तिविस्तार : धो
[illegible]कस्तविखधि प्रकार :
[illegible]पुरसनादधरीकोई : उमो
[illegible] सतिलोकोई : १४ धारे
[illegible]भा : बसैतलै
[illegible]कसन्नेप्रसाधा : तुपसाधा
[illegible]गकालौ छि [illegible]नैकै : तसक्ष

अथिदेवत मिलिप्रदर्तनम
तीन्यौमिलेप्रस प्रजबसो॥
तिनकोकारजिसोजेलबसी॥
५०॥तीन्यौबिनांकथनसोजि
तीन्यौंमिलिबरतेसबकोई॥
तुच्छासपरसपवुनत्योंजो
करणस्सबद्दिसाकेरिमि
कौ॥५१॥मासासुगंधाघ्राख्रि
नीसुता॥जिकारससबरस
णजलजुता॥चितुचेतनाअं
तरजामी॥बुधिबोधनाहू
साखामी॥अहंकारप्रहू
तारुद्रा॥मनमानिबोदेवता
चंद्रा॥पा॥बिधिविबिधिप्रप
चपसारा॥सकलपरैप्रात
मनिजसार॥५२॥ईनतोतें
बिनजगतनहोई॥तेप्रातम

रूपमायाकेतेते ॥ वेद॰ लपन्न
सोतिकप्रतपाली ॥ तामसरू
पगुसतसैकाली ॥ २॥ राजसगु
तेंकरम॰ विकार ॥ तमसत
मूढविषमूपार ॥ सोतिकगुण
तैंउपजेग्यानो ॥ ॥ ॥ ३८॥
गुणनानी ॥ रापन॰ वैरग्यात
मामांनो ॥ तातें ॥ सरूपक
रिजांनो ॥ पचबीसतातातेंक
हे ॥ सूरतपोताहुनिम्रोरगहै॥
२॥ सोहैकालगुणनिबिस्तार॥
सुतसरूपावूसोस॰ ॥ पसार॥
तातें ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ दरिजानो ॥ प्र
सन्नावम ॥ ॥ ॥ ॥ मानो ॥ २॥
तातेंतत्वग्रंथिकनलागे ॥
पंचबीसरूपबा॰ ताकेत ॥
प्रोहि॰ २४कैतत्वप्रकार॥

नैं। तबतोसकलतजाचिरै
जानें॥ ५॥ पमोकछुरहै
ताउपाची॥ प्रातमाल
करिमाची॥ समझैजबतो
अपनोरूप॥ तबप्रातमात
जेतनकूप॥ ५॥ प्रतब
पत्रापनोजानें॥ जबलमच
रागादिकामैंप्राणौ॥ जदिप
मिथ्यासबसंसार॥ लोकव
दीसैविवधिप्रकार॥ ६॥
प्रजोलौनहीमोकौं॥ जे
तोलगनिजप्रगपानतजे
जबहीमेरससराणौप्रावे
तबहीप्रातमज्यानहीपा
होत॥ ऐसे प्रात्मज्ञान
पकैपुरषकोज्यानेजह
कीनाप्रसंतबहरिजन

कारयस्व = त्रिकोराङ्क =
सतरजतमाये । ...
तिनतेरचौसठकलबिसत
२ ...रईकाथेका ...
...डिनषनिमति - ...
नौ... ...
मिलिसमस्ततबासिद्धिनैपांवे
३० सपतधातुकीये बिसतार
...तमदिवाकेप्रथार ...
...ते ... ...प्राये तातेपव
निसपंबताये १ पव ...
...पंजा ... तिनकेबहुबि
...रतबना ... ...
...तिनमैं ...तन ...सत
हैजिनजिनमैं ३ ...सबि
घरकौ ... ...प्राधुलमौ
बहुकरैबिचार ... ...प्रापत

त्वनजोनैकोई॥याबिधिनदृष्
श्रीज्ञान॥तबरुसिवेलेश्रीनग
वान॥श्री नगवानवाचे॥उद्दव
यरुमन प्रकोबकारी॥सवइंद्राय
नकोहिविकारी॥इंद्रीयन केम
नईसबकरे॥सुषदिलबहुतईद
नबिस्तरे॥६॥सोतनत जिदूजेल
नजावे॥तहांतिरु श्रातमांश्रावे॥
तिन जिनसुषनसुने प्रस्देषो॥
तिनतिनकोंतिलकरिलेषो॥६७
तिनसोकोंसोमन किसरिनश्रा
वे॥येतनषानत्पेलजावे॥
वातनपापबिसारेयाको॥जनम
मरणकहायेतुदेताको॥६८॥जात
नमैंबाधेश्रमान॥छोडे प्रव
तनजोश्रान॥जनममरणयात
नकोसोई॥६९॥जनममरणतहे
कोई॥७०॥जैसेंसुपनमनौरथनाई

तेकार॥अातमा॥नित्यनके
बिसतार॥ऐसी बिधि
बहुमारगकेै॥मुक्ति
रिहिरहोमैंग॥ इचाव क्रिपु
॥दोहा॥बेबेर॥पनकोज
नियकेकौ॥ऐसोसुनि
लखन॥ग्यान॥ पवृ
॥ ३॥
बैौ ॥ बुडा॥ग्यान॥ ना
मैरे॥ रमणिरायो॥चे
लनग्यानरूपअबनासी॥
हानेद प्रक प्रकासी॥ऐस
आतम॥ मेरोरूप॥ परेगुण
नितें प्रमअनूप॥जडबिना
नय प्रमअसुद्ध॥दुषरूप
पलसुपन॥॥ ऐसाप्र
कलिपतरूपसो॥री॥ तोह

निरंतरजावेपरिदावादिकदि
मेरसावेप्रसद्वैसेसवसूत
नकेफसादीसैतोपरिघिरनं
तापसा७५तोसोसवदेसनि
कोहानो कालसागरसतोनो
जद्यपिप्रवस्थाजातासेवा
लकुमारजुवादिकदेषे ७६प
रितोहकूरघनसजानैमेवस
रसीयोकरिमानेयरुप्रातम
सोसदप्रजनमाहेसंगते
पावेजनमो ७७प्रततोप्रम
रनिरंतरजानो देहसंगमर
तोसोमानो जैसेमृगतिदास
केसंगम सदालखैलपतिके
संग ७८जोसगलजकोसंग
तिरसैतोतोप्रालप्रतिहू
सहै यत्नप्रवेहद्धिप्रवतार

नसुनांतेतो हितुहैसदा ॥
नूक्तेनोहि ॥४६॥ इह दर अहि
रचैसंसार ॥ सु छिमयूल बि
बिधि प्रकार ॥ जपजै बरतै
लोये बिनास ॥ तामैं आतम ना
ति प्रकास ॥४७॥ इह दुय लेम
रामाया ॥ [illegible] नसतरजतमन
उपजाया ॥ तिनकौ बिबिधि स
कल बिस्तार ॥ ताको कछुन
वारन पार ॥४८॥ बिबिधि कर
नकौं परि [illegible] जिनतें जी
वलहै निर्वेद ॥ सू च्यातम अ
द्वि [illegible] तातें [illegible]
[illegible] व बिधि रु
पस [illegible] जग [illegible] दन्तत ॥४९॥ इह
स्वूप [illegible] पभदन्तत ॥ रबि

ौसमगई॥ येतोप्रगटप्रवर्रै
रई॥ याही बिधिजैसेसबदेस॥
सबघटिसैंपुब्बनगेस॥ ८४
ौर्निरसेनबसौनांतिबिचारै॥
प्पनेंबंधनसकलनिवारै॥
सादिकसबसंगतितजै॥ सद
निरंतरमोकोंभजै॥ ८५ बीजउ
नसपाकेतेंप्रत॥ षेतीषेतमांहि
रतंत॥ षेताकरनहारसोन्या
॥ येतनन्यारोकेंरै बिचारा॥
धीकरमबीजबिस्तारैतांसौं॥
गध्यकरैजेसेतनमांसौं॥ तिन
आपुसौन्यारोजांनैं॥ संगकरै
सुषदुषमांनैं॥ ८ क्षेत्रातैंतनकौ
गनिवारैं॥ याबिधिआपुप्रापु
तौंत्यारे॥ जोतनतेंन्यारोआपु
जांनैंतनसुषहै

कीआत्मयेक॥ तैचेतनि
लोपअनेक॥५४॥ तमेत्व
ये॥ कासअबतास॥ चेतन
रूपसकलप्रकासी॥ ये
सब॥ तमकआधार॥ अ
रू॥ तकासद॥ अपा॥ र॥
॥ आतमाकअनूप॥ १॥ अ
रू॥ तमानजानकोइ॥ के
ततै॥ पअगस्तकार॥ ति
॥ गुणानकोविविधि॥ का
॥ सोअपान॥ लकरि
मानौ॥ ताकोकायोजगतन
येजानौ॥ सो॥ तमापुण
हलीयो॥ नवनाय॥ ॥ ५॥
कोकायो॥ ५०॥ आतमसदाय
कलाहूप॥ लकारतै परेअ
नूप॥ सोजबरूपआपनोज

तजैनलौंतौलौं॥ जनममरणदु
षमिटैनतौलौं॥४५॥ जलपरा
लदिगठाडौकोई॥ सबदूषन
देषैचलसोली॥ नैननरमतेजे
कोईदेषै॥ तबसबचरणीनर
मतालेषै॥४६॥ तैसैयेप्रातम
थिरजांनौ॥ औरसकलचंच
लकरिमांनौ॥ निश्चलमनक
रिदेषैजबही॥ निश्चलहूलहै
पतबसबही॥४७॥ जैसैसुपन
मनोरथकरषा॥ यौंसबजगप्र
स बिनसासिरषा॥ बरिजद्य
पिजगसतितकौ॥ नौहकदेनै
बरतनहोई॥४८॥ जैसेसुपन
सतिकथनांसौ॥ बरिजोलोह
निदुमांसौ॥ तौलजलकलसतं
तांजांनै॥ सबदुषपाहेडदिम

नम[illegible]नः ॥

नुमाकोरिरागतक्षुधि

हैं[illegible]नयो चसीयेदरकौन

[illegible]निलिनयो: सकलपोथ्या

[illegible] नवखेड, कोकरि

[illegible]देवग्रनेष ॥ २ ॥ ग्रस

[illegible]नन्दकुमकारणलडतेः

[illegible]र्षि [illegible] दशतीर[illegible]

[illegible] रलनिल कर

[illegible] कोंकरिजोंमि

[illegible] ॥ १ ॥ ग्रमरस

[illegible]रेक्ष: याकोलो

[illegible]ना: येनुमवि

[illegible]जोंनों ज८दृयिवि

[illegible]वपाजों ॥ ६८ ॥ जोकथि

[illegible] सोहोई नालैंत

गावै ऐसें ब्रह्मो विधि दुख नप
जावै बसो विधि नयके बैंन
सुनावै ॥ १०२ ॥ जो अपनी अ
प बिचारै सो ये को मन मैंन
न लो चारै बहुत कष्ट तें मन नें
न डिगावै सो रव़त जिम सम
चरणन आवै ॥ १०३ ॥ मेरा पंथ
षड्ग की धार जोन डिगे सो
उतरै पार हरि के बैंन निंदुः
कुरजां निज उद्धव ब्रह्म करी
नय मांनि ॥ १०४ ॥ उद्धव नवाचे
से पुन तुम ये बैंन सुनाये
सो मेरे नर दूकर आये जो
ऐसा जबै कोजिव जावें ता
ते सत्कौन विधि जावें ॥ १०५ ॥
मेरे हिरदे ऐ पान दूसरा वो सो है
नर पाय मो हिरसे समझावो

पेतनछोडिओरमैंआवैतब
यातनकोवृपि ... लोवालीत
नकोंआपूलीकेले ७०जनमम्र
स्मरणसेमृ . कोलोईआत
मजनमम्रणनलीसोईओर
कछुआतमनलीमरे अस्क
... नालआवृतरे ७१ यातनमें
मनकों ... मांनी तातैंतनउ
पजत ... नो तेसब ... तम
केआध्यारा ... तनमनबुधिवि
नअहंकारा ७२ तिनसंगतिआ
नमकोंदूष तिन हेतजेबिनपल
नलीसुष उभवसकलदेलहे
जेते सदासकलों नसतलतन
७३ कालनदीपरवा प्रचंड ता
करिपलकपरतनलीषंड जैसे
नदीनिरंतरवहै परिदेषनकों
त्योंहीरहे ७४ अरूज्योंअरचि

वांन॥ २३॥ ॥ इती श्री भेती श्री नागव
तेल्हापुराणे येकादसस्कंदे॥
श्री भगवद्उद्धवसंवादे॥ त्र
भाषा टाबीसोध्याये॥ २२ श्री
भगवानउवाचे॥ चौपई॥ सेन
उद्धवऐसो नसोकोई॥ दुर्जनवच
न छमित नाहि होई॥ ऊदुर्जन
बचनबानजोसहे॥ सेतखच
न क्रोत नसाहे॥ जो ऐसा
सो साधु करावे॥ जो विनसमि
पदेनसो पावे॥ ऐ च्यव
हलेंगसेवांनो॥ ...
मरमकुप्रपातो॥ ...
बसपन ऐसो दु...
नितजेसो॥ ...
यसनाऊ॥ ...
वस्तरांत॥

बाल अवस्था मै बाके मारे
उपाव जोबनमध्यि जे राख्ये
मरण न वृद्ध अवस्था दे तथा
चरण । तम पेक पलव
तानमै कब । नहीं लिये ति
न तिनकै र । ऐसै जानिमु
क्तिबसोई मेरो सरणागति
जो कोई अपनो हाद पिता बि
चारे । नको मरण उरमै ध
रै । नाई जो अबमें अनु
तयौ हि तिउ तेग्रास कत
नो गटकालबसि नये अब
सिपरे को दुसबगये । मे
। ऐसै गति ऐसी नई
पदा देको जैसी अस मे अव
बालक । सौ सम हत पिता
के तैसे । सकल अवस्था

नहीपावै देवरपितरश्रुतिय
नहीपपैावै बलन नानजीकु
बहुनसंतोषै: वसोकइजज
ग्रैसोसोई। तातैंनीचोश्रारन
कोई॥ताहैंसोकदरजह्वैजग्र
सोनयो॥ सबजगमेंजिनप्र
पजसरलदोश्रेजा तिश्रति
पबश्चवनिलतनकों येन
लेहेतिनपचैंधनकोपुवा
दिककल्पेंदुष लहे जाति
नतिदुरबेननिकले॥१५॥
[illegible] पु
वकालिवश्रस्वैच्चा नाई॥
जबलगदेसबलेश्वासगा
ई॥तेसबद्धेदनिरंतरकरे॥
ताकैंश्रपायसहेश्राचरे॥

रूठौंने॥ रच्यौतेतत्तैनान हेसनै
पावै॥ नितसोउर्भ मजनउ॥ म
रिजावै॥ सोतिकत॥ रकैरिष
लोइ॥ राजसनरकैदानवैसोइ॥
रच्यौनाम ॥ दिकके॥ त
स्रबिधि गुणजगतेइनत॥
जोदि पश्चातमस ॥ नीतक
बलकछुकैरेसमा॥ परि
नकरताकदीनतोइ॥ सगदे
बहुततैसोता॥ जैसेनाचेग
वैसोतो॥ तिनकोदूजोदिष
लोइ॥ त्योंत्यौं॥ रूबटैकरै
तानतालराग॥ रच्यौरेमाय
गुणकमान॥ श्चातमकरै
श्चापकोमानै॥ तिनताकु
मतिबंधेश्चापू॥ जोकछुकरै
तोसबपा॥ तिनकोजोनि

प
नुंजाक्यौ। सोतसौ दृग्यौ न आपन
पायो॥ तातैं उंजीचितचिंति
सदिनबस्योहिरदमैं बित।सि
वैत। पतमेदकौ पावै। आसक्त
बसौत विधि आवै। ऐसौ बिधि
उपज्यो बैराग। जातैं सकलदुष
नकौ त्याग॥१७॥ तबसो विषबच
नउचारै। बसौत जो तिशय विक
रै॥ अहो हू या मैं कषसी पायो॥
आप आपकौ दुषउपजायो॥१८॥
बसौतैं अमनुपजायो। ब. दूप
नसमानि जैपेसोय। रहु। नामैप
रच्यौ नामैं पायो। नाम थेकप्र
पलगायौ। इनका इजानिकैत
जैतो। येक हू परयन आवरन्ता
नासीपट सोवकनाही। उलटा
वत्सबदै दुषजपेसोक॥२०॥ बसौ

त्वगैनसोसुवसंजोग चोरीसं
स्यामिथ्यांदन्न कामक्रोधवि
स्मरणाधेन्न २५ वेरस्युवब
सपद्दान्नेद भूपुतात चिता मे
भेद येपड्सैजबलोयेश्रुनर
थ तब तिनहूते सोतुश्रूरथ
२६ तातें प्रथमश्रुनरथकलावें
मलोचसे सोइरिबलावे श्रर
थनामसु निन्नेलोक बिन
बिचारपावें दुषसोक २७ पु
त्रकलित्रबंधूप्रदुन्नाई सोत
पिताहितसजनसहाई द्रव्य
हितसबकरें बिरुद्ध आपुत्र
पुत्रमैंदानैज्युध २८ चड्बिकाज
प्रीतिक्रोधसहाकरे तिनकौंम
रे आपुनकरें धनहिंपाप्रे
णनिश्चारकावें प्रापुतामदन

[illegible] सकेनिज्ञानैः श्रु
[illegible] निपा सिवषानै
[illegible] परिले [illegible] पयरेनलास
[illegible] [illegible] केलस्य देहलैः
[illegible] [illegible] चरणाम्रूलान :
[illegible] [illegible] नतीविकार: १०३
[illegible] [illegible] स्वातलरस्प:
[illegible] निर्मल [illegible] रूप
[illegible] [illegible] [illegible] नाल
[illegible] [illegible] निमानी:
[illegible] [illegible] वरण [illegible]
[illegible] [illegible] लिप्राची
[illegible] [illegible] मिस्त्रगोदान
[illegible] विकार [illegible] करे: ज्या
[illegible] [illegible] धमैः १०
[illegible] [illegible] सन्तो [illegible]
[illegible] [illegible] न्ता प्र [illegible]
[illegible] [illegible] मानि: नाथ [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

नहीं आपबचायो जाहिपाये
बुधिऐसाकरै तातें बहु रीत
जनमैंमरै ३४ सोनरतनमें
बहुभागमायो कोउ अरथअन
रथनपजायो बधबलआपु
सकलमजगये नषसिषबु
धिअगसबनये ३५ अबमें
अरथकौनबिधिसाको दुरारा
थकैसेआराधैं नाईजेअन
रथसबजानै तेऊ क्यों आरे
नठानैं ३६ आइअरथअन
रथजुपावै क्यो सबआपआ
पदुषपावैं परियेकोई नीत्वत
व सकलदेषा अतुर प्रतेर
३७ तेजाकामापाक रिमोरे
नटबाजीकेसभिसबसोरे
नाईसोप्र नबडो बलिसिष्ट हुसन

लिखा॰ जाते दोय तिहै प्र
काग॰ निर्छिके येकग्यानस
॰ लाछी : लाकोतेदिस्तुनां
कुंग्याछी ॰ क्रीयोग्मूस्लाकनि
॰ ग्रूपजानो तिसैकारहोनो
छि॰ जानो नवलानिषिक
॰ कली : कुमनतिग्रापनी
॰ दली : ५ सोग्रवस्तुलोसु
॰ दक्ष्मो चो : किजनजा
॰ लो सो आरवदेस
॰ लहै बेताबनिडजी
॰ जाको स्रोय्वनतलो
॰ लाको : ई षिमु निकेश
॰ कोली जाकेलोय
॰ कोनाली : ज्ञुरजोन्लो
॰ त्रयिकाई : ग्रापनकोप
॰ लोमाई : ७ कुबादिकषो
॰ पजावे

नजनकरौसरिकेरो॥ यातनके
गुणसकलनिवारो॥ मनतौस
कुलकामना टारो॥४३॥ सक
लसाध्यअनुमोदनकरे॥ सदा
तपासकरिरोकनिउच्चारे॥ ज
दिपआयुघोरलमेरो॥ तोहस
रिकोपरहैनेरो॥४४॥ नपव
दैढुगजबसालरिएच्यायो॥
येकमहूरतमेंप्रनपायो॥ ता
तेंघनसमकोईतासौ॥ जनघ
ुगरलोयपलमासौ॥४५॥ म
नबचकरमअबतजौ नजो॥
दूजोसकलकामनातजो॥ ये
सो निश्चैमनसेंधरयो॥ नि
हिकनयासकलपूरयो॥ ४६॥
सीतलहरिदेवसोसबत्यागी॥
निश्चलनयोविषयबउनागी॥

[illegible] लिखितैलोकौ [illegible]

[illegible] दोन्योंके रिलोन [illegible]

[illegible] सुपते थीन : [illegible]

[illegible] लिखित [illegible]

[illegible]

[illegible] कोयोंइक [illegible]

[illegible] नयो [illegible]

[illegible] : २ [illegible]

[illegible] चारीनये [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] : २४ [illegible]

[illegible]

[illegible] लगायो : [illegible]

[illegible] नयो [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

कौपरेसेरे। मारमारबोनोतेचौरे
केईषोसिलेयजपमाला॥ केईब
स्वजायलेबाला॥५२॥ केईध्यानि
ध्यानिकरिदेवे॥ केईषोसिषोसि
धुनिलेवे॥ केईनाकप्रनलेजाई
नेजलकराणीपावेनाती॥५३॥ केई
तनमैपकेमते। केईनिदाकेरेब
सते॥ केईकानललागपुकारे॥ के
ईसीसधूलिजलडारे॥५४॥ केईमु
निषडायबलावे॥ केईबोलतमे
निगसावे॥ केईताछिलछिकेरिरा
षे॥ केईजानन पावे जाषे॥५५॥ केई
करेबहोतप्रपमाना॥ निदेबसोबि
षिसहूप्रजाना॥ पछचोरसोनन
सोपावे॥ दिनदेषेनिसचोरीआवे॥
५६॥ पाकोषाणानपोछितातें
घेसव्याकूलचित सकलकुटंब

[illegible] यावै पुनि
[illegible] कहै ताहि [illegible] जैसें जोवै: ५ परम
[illegible] लोकन नरक को जैसें जोवै: अस्तज
[illegible] ना कोऊ समै सुद्ध [illegible]
[illegible] कुक्ष: २१ सत्पु
[illegible] निरधार कर [illegible] सकल गुण
[illegible] सो नहि र
[illegible] पुनि [illegible] नहि यहतत्त्व
[illegible] जैसे रूप [illegible] लक्षन
[illegible] तत्त्व सा कै [illegible]
[illegible] कहु कौ प्रिय [illegible]
[illegible] रूप परम को
[illegible] होवै लोचन: मि
[illegible] लोचन २२
[illegible] गुण सोचन [illegible]
[illegible] कोसा [illegible] कै है
[illegible] बिसलै: न
[illegible] जित
[illegible] सोऊ न धलै: सिं
[illegible] है: २४
[illegible] नाग: आस

नेकरे कर्मसबजांनैं॥६२॥तबति
ने नाघीजा पायेका॥ हिरदे भासो
प्रमबबेका॥ निह्कर्म लेबच
नतबजे॥६३॥सैतो नाषतहो ते॥६
६४॥ निह्कर्मबाच॥ दुषसुषदाए
कलोगनयेते भरूनतो देहनत
सरजेतो॥ नागृहेनलोकमरनल
काल॥ ऐस्मस्तहै मनके ष्यालम
है जगतचक्रमैमनौफिरावै जी
वृह्मादुषमनतै पावै॥ मनकरेबि
षयनको नोग॥ ताते होयेकरम
संयोग॥६५॥ तोवैसत रजतमबि
सतार॥ जातेजो निबिबधिप्रका
र॥६६॥ तातेदुष निरंतर सबदेहनो
गतैनिसदिनदहो॥६७॥ तातेदुष
दायेकमनयेक॥ सबकरेंयाप्र
मबबेक॥ आपआतमासत॥६८॥

कर्यो गावे रंपि जाकु देवलो
[illegible] हिवि विच्यावे पठियान देहो
[illegible] नायावें सोनरतनतामे
[illegible] हैन करणामियेनरिजाको
[illegible] नाकैयाधेम्रर चनलोला
[illegible] कल इलरिनलोग्मारा
[illegible] नाग्रिजारघ म्रुरधाकोग
[illegible] वलर्तिमचुम्राप्रुतेंधैतैः
[illegible] तैं [illegible] लोमलमंद: प
[illegible] लैं नजे [illegible] दुंद देव प
[illegible] नाई: पुत्रकोरि
[illegible] चलाई: १२ चनलो
[illegible] वैहिल नाई: पोषे: श्रो
[illegible] नोडनलोलिन सोस
[illegible] हकोंनलास्तनोषे: न हंस
[illegible] प्रजनरलनेजावें: १ सोनन्धी
[illegible] नदिब्रपावें: ११ नलद्धुषतें
[illegible] च्छागलालवों

हौबेदपढैंजुबैं॥ औरसकलधर
मबिस्तरैं॥ परिजौबसिनाहींमन
येको॥ तौमिथ्याआचरण॥ अनेक
७३॥ मनबसिकाजकहेसबतेतें॥
बिधिआचरण॥ बेदमैंजेते॥ मन
निग्रैहसोतमैंजान॥ मनुनिग्रै
बिनसबअपुपान॥७४॥ तातेजोम
नचलकरै॥ सोबिधिकाल
कौबिसतरै॥ ताकौबिधिनहीव
कछुनाही॥ सबबिधितेंमननि
ग्रैमाही॥७५॥ अरुजौबसिनाते
मनयेक॥ तौबिधिकोनेकुपा
अनेक॥ सबहिनकौफलमन
बसिकरणौ॥ मनबसिकाजसब
आचरणौ॥७६॥ जिनकौबसिक
जोरिकोई रिद्धिसुजाआपती
सिलौ॥ मनबसिबिनरिद्धाये
नाही॥ करिकैरिझानबहुत
रजाई॥७७॥ मनबसिनधेमन

आदिसकलकौरिषि ३९जेध
नअसुरजे धनकेदाता जेको
मदअसुरकोमेबिख्याता
असुरबहुधर्मकमलैजेते
मातपिता पदा१केते ४०
कलौकसाते हितआचरे
तपूयत्तजेनलापिहरे काल
रूपसन्हैताको कलौकस
कौसुबहैताको पे० परिजेहै
ल ब भगवान करणासा
अपुअनिदान तिनताको
करणाकरी जातेमनरामे
हीघरी ४१ नवलागतेता
जाको देहिनावबैरागलाता
तातेमोहिदीयोबैराग मेप
गहेपूरणभाग ४२ अबजो
आयुहायकधूमेरो ताकी

अहंकारममताकछूनाली ये
कालीविचारैनमालो रुद्राय
आशावचनमनगालो अंतर
वैरिसेगलीहलो आपताक
हकौनलखावू निष्यालेतिग
हनिमैजावै ४ संसकारन
लोतन कोजाके जीरणहक
बस्तैनताके निहकहद
बिप्रकोजावै तबबहुदुष
घातकालावै ४९ केईताकै
दंडुछडावै केईपानबोसिल
जावै केईलेयकमंडलकरतै
केईनाकसनदेहिनघरतै
५० केईकूलिनावमैडारै
केईभिडकोबकरिमारै केई
आसनकौलेनागे नरष्यक
रिकेईपिगलागे ५१ केईकेया

जिनेश
याहिपैंसूखौ जीवनकौ
पैंचाखौ ५७ देखौपेके सालेमोट
मलाभुवनपूतकोभाटो देखोलम
पचिलारेकेते परियाकेतुरनिह
नतेले ५८ चीरजवंतम्रकिगस्ये
सो चढनपरचढमेरगिरजैसा
याकेजानननसमकधुकत्यो बक
जो चानमोनिगदेरहा ५९ यो
कहिकोधवदलेडारे काठमाहि
देवैपरिमारै कासाहसितबान
ताकेरे हितसैविषवैनतिजधु
देखौतिकेदुषनाषमैसे दव
दे जेनिकपावेतसे सीतनसबूष
दिकदेवक जरारोगसूरिक
तदेकि कहु १५ सेंबलेवि
पावेदुष कदेनम्रावेतनकोसुष
परिसोकछुनमानमेम्रानेप्रय

जुदे

त भ्रिसो मनकरिकै रै समीत
मन सों बंधो सु बिद्या मोती
तातै बुधिनज्ञानै नाली बिष
मौनिर्बिषयनकोया तांकै
रपजीवदुषपावे ६९ योंदेजीव
हालकोभूग यांकौसंस्कृतिम
केसंग मनकरिरहै तिहूलो
बरासी ६९ ऐकरसभ्रम भ्रम
सो ६९ तातबंधन मनता
संता सुतमांडन मैंकरै जबम
नसितजीवयहहोई तबसि
जीव तैनलाकोई ७० तातें जिन
भ्रपनौंमनगह्यौ ताहिकछुक
रयौंनसारह्यो ग्रसजोमनबसि
कौलौं नांही तो मसकल ५
होजाई ७१ स्वामीदिकदेवबलैव
नो येकादसीम्रादिव्रतनाना
मनेम्रपनेधर्मनिकरै समद
र्म।(७)यंमनियमोंबिसतरै ७२